दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड.(दूर शिक्षा) तृतीय एवं चतुर्थ छमाही ऑनलाइन कक्षा समय सारणी (सत्र 2020-21)

दिन	03:00से04:00	04:00 से5:00	05:00 से 6:00
सोमवार	शिक्षा-041 त.श.	शिक्षा-044 आ.च.	शिक्षा-031 त.श.
मंगलवार	शिक्षा-041 त.श.	शिक्षा-044 आ.च.	शिक्षा-032 त.श.
बुधवार	शिक्षा-042 आ.च.	शिक्षा-045 त.श.	शिक्षा-032 आ.च.
गुरूवार	शिक्षा-042 आ.च.	शिक्षा-045-त.श.	शिक्षा-031 आ.च.
शुक्रवार	शिक्षा-043 त.श.	शिक्षा-032 आ.च.	शिक्षा-031 त.श.
शनिवार	शिक्षा-043-त.श.	शिक्षा-031 आ.च.	शिक्षा-032 आ.च.

आ.च-डॉ.आदित्य चतुर्वेदी संपर्क कक्ष क्रमांक -10 मोवाइल नंबर -8999046081 ईमेल –adigov.chaturvedi@gmail.com

त.श.-डॉ. तक्षा शंभरकर संपर्क कक्ष क्रमांक -10 मोवाइल नंबर -9970326254 ईमेल –taksha100@gmail.com

शिक्षा-031 विद्यालय शिक्षण अनुभव कार्यक्रम

शिक्षा-032 विषय शिक्षण प्रयोगिक

शिक्षा-041- शिक्षा तकनीकी

शिक्षा-042 -शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श

शिक्षा-043 -ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

शिक्षा-044 –पर्यावरण शिक्षा

शिक्षा-045-जेंडर विद्यालय एवं समाज

शिक्षा-046- मानव अधिकार एवं शांति शिक्षा

समय सारणी

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड.द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर- सत्र-2019-21)

समय	3.00 से 4.00	4.00 से 5.00	5.00 से 6.00
सोमवार	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.गुणवंत सोनोने	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.तक्षा शंभरकर	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
मंगलवार	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.गुणवंत सोनोने	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.तक्षा शंभरकर	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
बुधवार	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.गुणवंत सोनोने	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.तक्षा शंभरकर	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
गुरुवार	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.आदित्य चतुर्वेदी	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.तक्षा शंभरकर	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
शुक्रवार	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.तक्षा शंभरकर	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.आदित्य चतुर्वेदी	शिक्षा 031/शिक्षा 032 डॉ.तक्षा शंभरकर
शनिवार	शिक्षा 031/शिक्षा 032 (प्रायोगिक कार्य) डॉ.आदित्य चतुर्वेदी	शिक्षा 031/शिक्षा 032 (प्रायोगिक कार्य) डॉ.गुणवंत सोनोने	शिक्षा 031/शिक्षा 032 (प्रायोगिक कार्य) डॉ.तक्षा शंभरकर

शिक्षा - 031

1.सूक्ष्म पाठ योजना :- (डॉ.तक्षा शंभरकर, डॉ.आदित्य चतुर्वेदी, डॉ.गुणवंत सोनोने)
2.पाठ योजना :- (डॉ.तक्षा शंभरकर, डॉ.आदित्य चतुर्वेदी, डॉ.गुणवंत सोनोने)
3.उपलब्धि परीक्षण :- डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
4.प्रकरण अध्ययन :- डॉ.गुणवंत सोनोने
5.क्रियात्मक अनुसंधान :- डॉ.तक्षा शंभरकर
6.विद्यालय अभिलेख का विवरण :- डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
7.प्रयोगात्मक मनोविज्ञान :- डॉ.तक्षा शंभरकर
8.समुदाय के साथ आंतरक्रिया :- डॉ.गुणवंत सोनोने

शिक्षा - 032 :- (डॉ.तक्षा शंभरकर, डॉ.आदित्य चतुर्वेदी, डॉ.गुणवंत सोनोने)

शिक्षा - 031 सूक्ष्म पाठ योजना विवरण

1.पुनर्बलन कौशल :- डॉ.तक्षा शंभरकर
2.श्यामपट्ट लेखन कौशल :- डॉ.गुणवंत सोनोने
3.उद्दीपन कौशल :- डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
4.दृष्टांत कौशल :- डॉ.आदित्य चतुर्वेदी
5.व्याख्या कौशल :- डॉ.तक्षा शंभरकर
6.प्रस्तावना कौशल :- डॉ.गुणवंत सोनोने

(निदेशक दूर शिक्षा निदेशालय)

ज्ञान शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त Accredited with 'A' Grade by NAAC

दूर शिक्षा निदेशालय

समय सारणी

बी.एड. (दूर शिक्षा) (द्वितीय सेमेस्टर)

अध्येताओं के लिए समय सारिणी (11 जुलाई 2022 से प्रभावी)

समय / दिन	9:30-10:30	12:30-1:30	3:00-4:00	4:00-5:00	5:00-6:00
सोमवार	प्रायोगिकी परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 022 SRS	शिक्षा 021 RKM	शिक्षा 023 GS
मंगलवार	प्रायोगिकी परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 021 RPN	शिक्षा 022 SRS	शिक्षा 025 RPN/ GS/ AC (हिंदी शिक्षण)/TS
बुधवार	प्रायोगिकी परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 022 SRS	शिक्षा 024 SRS/ RKM	शिक्षा 021 TS
वृहस्पतिवार	प्रायोगिकी परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 024 RPN/RKM	शिक्षा 021 RPN	शिक्षा 023 AC
शुक्रवार	प्रायोगिकी परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 022 RPN	शिक्षा 025 SRS/ GS/ AC (गणित शिक्षण) /TS	शिक्षा 023 GS
शनिवार	प्रायोगिकी परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 023 TS	शिक्षा 025 AC गणित शिक्षण	शिक्षा 025 AC हिंदी शिक्षण

11/7/22

(पाठ्यचर्या समन्वयक)

K. Balaji

(निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय)

न शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त Accredited with 'A' Grade by NAAC

दूर शिक्षा निदेशालय

समय सारणी

बी.एड. (दूर शिक्षा) (प्रथम सेमेस्टर)

समय / दिन	9:30-10:30	12:30-1:30	3:00-4:00	4:00-5:00	5:00-6:00
सोमवार	प्रायोगिकी एवं सत्रीय कार्य परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 011 AC	शिक्षा 012 SRS	शिक्षा 015 TS
मंगलवार	प्रायोगिकी एवं सत्रीय कार्य परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 011 AC	शिक्षा 012 RPN	शिक्षा 013 RKM
बुधवार	प्रायोगिकी एवं सत्रीय कार्य परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 013 TS	शिक्षा 012 SRS	शिक्षा 014 AC
वृहस्पतिवार	प्रायोगिकी एवं सत्रीय कार्य परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 011 GS	शिक्षा 012 RPN	शिक्षा 014 TS
शुक्रवार	प्रायोगिकी एवं सत्रीय कार्य परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 016 GS	शिक्षा 013 RKM	शिक्षा 015 GS
शनिवार	प्रायोगिकी एवं सत्रीय कार्य परामर्श (RKM, RPN, SRS)	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 011 AC	शिक्षा 013 TS	शिक्षा 016 GS

शिक्षा 011– शिक्षा एवं उसका प्रयोजन
शिक्षा 012– शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ
शिक्षा 013– समकालीन भारत एवं शिक्षा
शिक्षा 014– पाठ्यचर्या एवं भाषा
शिक्षा 015– ज्ञानानुशासन एवं विषय अवबोधन
शिक्षा 016– शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी

RKM- ऋषभ कुमार मिश्र
RPN- डॉ आर. पुष्पा नामदेव
SRS- डॉ सारिका राय शर्मा
AC- डॉ आदित्य चतुर्वेदी
GS- डॉ गुणवंत सोनोने

12/12/2022

(पाठ्यचर्या समन्वयक)

K. Balaram

(निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय)

संलग्नक 2 (ब)

ज्ञान शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त Accredited with 'A' Grade by NAAC

दूर शिक्षा निदेशालय

समय सारणी

बी.एड. (दूर शिक्षा) (द्वितीय सेमेस्टर)

अध्येताओं के लिए समय सारिणी

समय / दिन	12:30-1:30	3:00-4:00	4:00-5:00	5:00-6:00
सोमवार	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 022 SRS	शिक्षा 021 RKM	शिक्षा 023 AC
मंगलवार	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 021 RPN	शिक्षा 022 SRS	शिक्षा 025 RPN/ GS/ AC
बुधवार	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 022 SRS	शिक्षा 024 SRS/ RKM	शिक्षा 021 RKM
वृहस्पतिवार	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 024 RPN/RKM	शिक्षा 021 RPN	शिक्षा 023 AC
शुक्रवार	ट्यूटोरियल (RKM, RPN, SRS)	शिक्षा 022 RPN	शिक्षा 025 SRS/ GS/ AC	शिक्षा 023 GS
शनिवार	प्रायोगिकी RKM	शिक्षा 023 GS	प्रायोगिकी AC	प्रायोगिकी GS

1.शिक्षा -021 संज्ञान अधिगम एवं शिक्षण

2.शिक्षा -022 शैक्षिक आकलन

3.शिक्षा -023 ज्ञान और पाठ्यचर्या

4.शिक्षा -024 विद्यालय विषय शिक्षण I

5.शिक्षा -025 विद्यालय विषय शिक्षण II

RKM- ऋषभ कुमार मिश्र
RPN- डॉ आर. पुष्पा नामदेव
SRS- डॉ सारिका राय शर्मा
AC- डॉ आदित्य चतुर्वेदी
GS- डॉ गुणवंत सोनोने

विद्यालय विषय शिक्षण I
मानविकी और सामाजिक विज्ञान वर्ग
सामाजिक विज्ञान शिक्षण
विज्ञान वर्ग
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण

विद्यालय विषय शिक्षण II
मानविकी और सामाजिक विज्ञान वर्ग (कोई एक)
हिन्दी शिक्षण, मराठी शिक्षण, संस्कृत शिक्षण, अंग्रेजी शिक्षण
विज्ञान वर्ग (कोई एक)
गणित शिक्षण
जीव विज्ञान शिक्षण

(पाठ्यचर्या समन्वयक) 02.05.2022

(निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय)

संलग्नक 3

ज्ञान शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त Accredited with 'A' Grade by NAAC

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड.

कार्यशाला

विद्यालय संपर्क कार्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर की प्रायोगिकी

(10 मई 2022 से 13 मई 2022)

कार्यशाला समन्वयन: डॉ ऋषभ कुमार मिश्र, डॉ आर. पुष्पा नामदेव और डॉ सारिका राय शर्मा प्रतिवेदन और अध्येताओं की प्रतिपुष्टि: डॉ गुणवंत और डॉ आदित्य			
तिथि	**समय**	**प्रकरण**	**संबंधित संकाय सदस्यगण**
10 मई 2022	**10:30-11:00**	द्वितीय सेमेस्टर के प्रायोगिक कार्यों का परिचय	डॉ ऋषभ, डॉ सारिका, डॉ पुष्पा डॉ गुणवंत और डॉ आदित्य
10 मई 2022	11:00-12:00	कक्षा शिक्षण अवलोकन : निहित सिद्धांत , शिक्षण से संबंध और दक्षताएं	डॉ ऋषभ कुमार मिश्र
10 मई 2022	12:00-1:00	कक्षा शिक्षण अवलोकन: प्रविधि और रिपोर्ट लेखन	डॉ गुणवंत सोनोने
11 मई 2022	11:00-12:00	विद्यालय परिवेश और विद्यालय की गतिविधियां: अधिगम और अधिगमकर्ता से संबंध	डॉ आर. पुष्पा नामदेव
11 मई 2022	12:00-1:00	विद्यालय परिवेश में गतिविधियों का अवलोकन , रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना	डॉ आदित्य चतुर्वेदी
12 मई 2022	11:00-12:00	पाठ्य सहगामी क्रियाओं के विविध आयाम	पैनल चर्चा (डॉ ऋषभ, डॉ सारिका, डॉ पुष्पा डॉ गुणवंत और डॉ आदित्य)
12 मई 2022	12:00-1:00	पाठ्य सहगामी क्रिया का आयोजन, प्रबंधन एवं रिपोर्ट लेखन	डॉ गुणवंत सोनोने
13 मई 2022	11:00-12:00	विद्यालय दैनिकी: अवधारणा , वृत्तिक विकास में भूमिका	डॉ सारिका राय शर्मा
13 मई 2022	12:00-1:00	विद्यालय दैनिकी लेखन	डॉ आदित्य चतुर्वेदी

21/5/2022

पाठ्यक्रम समन्वयक

निदेशक दूर शिक्षा

दूर शिक्षा निदेशालय की सर्वोत्तम प्रथाएं/श्रेष्ठ अभ्यास/प्रक्रियाएं

- नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम।
- विद्यार्थियों हेतु टोल फ्री नंबर 1800-233-1575 की सुविधा।
- विश्वविद्यालय के सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया।
- विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम शुल्क को किश्त में जमा किए जाने की सुविधा।
- मुद्रित पाठ्यसामग्री को स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रेषित किए जाने की सुविधा।
- निदेशालय में संचालित कार्यक्रमों की पाठ्यसामग्री वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध।

http://hindivishwa.org/distance/contentdtl.aspx?category=3&cgid=77

- निदेशालय में पुस्तकालय की सुविधा।
- ऑनलाइन मोड में परामर्श सत्रों की सुविधा।
- विद्यार्थी सहायता हेतु ईमेल, बल्क एसएमएस आदि की सुविधा।
- पुस्तकालय में विद्यार्थियों को आगमन हेतु प्रेरित करना।

09/09/22

समय सारिणी संपर्क कक्षाएं (सितंबर 2022 में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए)

दूर शिक्षा निदेशालय,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

बी.जे.(पत्रकारिता में स्नातक) एक वर्षीय

समय ⟶ दिन ↓	12:30 से 1:30	3:30 से 4:30
सोमवार	BJ – 01 डॉ.अमित राय	BJ – 06 डॉ.अमित राय
मंगलवार	BJ – 02 डॉ.अमित राय	BJ – 07 डॉ.अमित राय
बुधवार	BJ – 03 डॉ.अमित राय	BJ – 08 डॉ.अमित राय
गुरूवार	BJ – 04 डॉ.अमित राय	BJ – 08 डॉ.अमित राय
शुक्रवार	BJ – 05 डॉ.अमित राय	BJ – 08 डॉ.अमित राय

BJ – 01 कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया
BJ – 02 संचार एवं विकासात्मक संचार
BJ – 03 जनसंचार माध्यमों का इतिहास
BJ – 04 मीडिया लेखन
BJ – 05 जनसम्पर्क एवं विज्ञापन
BJ – 06 संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण
BJ – 07 मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून
BJ – 08 परियोजना कार्य

डॉ.अमित राय (पाठ्यक्रम संयोजक) संपर्क - आई ए-290,साल्ट लेक सेक्टर -3,कोलकाता 97
फोन – 9422905719, Email ID – raiamit14@gmail.com

(पाठ्यक्रम संयोजक)

24/10/2023
(निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय)

समय सारिणी परामर्श कक्षाएं (सत्र – जनवरी 2022-2023)

दूर शिक्षा निदेशालय,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

बी.जे.(पत्रकारिता में स्नातक) एक वर्षीय

(जुलाई 2022 से प्रभावी)

समय ⟶ दिन ↓	4:30 से 5:30
सोमवार	BJ – 01, BJ – 06 डॉ.अमित राय
मंगलवार	BJ – 02, BJ – 07 डॉ.अमित राय
बुधवार	BJ – 03, BJ – 08 डॉ.अमित राय
गुरूवार	BJ – 04, BJ – 08 डॉ.अमित राय
शुक्रवार	BJ – 05, BJ – 08 डॉ.अमित राय

BJ – 01 कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया

BJ – 02 संचार एवं विकासात्मक संचार

BJ – 03 जनसंचार माध्यमों का इतिहास

BJ – 04 मीडिया लेखन

BJ – 05 जनसम्पर्क एवं विज्ञापन

BJ – 06 संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण

BJ – 07 मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून

BJ – 08 परियोजना कार्य

डॉ.अमित राय (पाठ्यक्रम संयोजक) संपर्क - आई ए-290,साल्ट लेक सेक्टर -3,कोलकाता 97

फोन – 9422905719, Email ID – raiamit14@gmail.com

(पाठ्यक्रम संयोजक)

(निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

ज्ञान शांति मैत्री

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalay

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्या

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

NAAC Accreditation 'A' Grade

Azadi Ka Amrit Mahot

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड.(दूर शिक्षा) सत्र 2021-22

(समय सारणी -परामर्श सत्र) माह :-फरवरी 22

	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
10.30 से 11.30 (14/02/22-19/02/22)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (शांतिनिकेतन महिला शिक्षा महाविद्यालय ,नागपुर)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (आशा देवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,चुरू)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ मिश्रा** (यशोगाथा शिक्षण संस्थान प्रसारक मण्डल ,तेलहेरा,अकोला)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** आर.के.डी.एफ.यूनिविर्सिटी भोपाल	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** (जनसेवा शिक्षण महाविद्यालय,पृथ्वीपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.गुणवंत सोनोने** (श्री.सत्य साई कॉलेज कॉलेज फॉर वुमेन,भोपाल)
11.30 से 12.30 (14/02/22-19/02/22)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ कुमार मिश्र** (शांतिनिकेतन महिला शिक्षा महाविद्यालय ,नागपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (आशा देवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,चुरू)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (यशोगाथा शिक्षण संस्थान प्रसारक मण्डल ,तेलहेरा,अकोला)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (आर.के.डी.एफ.यूनिविर्सिटी भोपाल	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (जनसेवा शिक्षण महाविद्यालय,पृथ्वीपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.गुणवंत सोनोने** (श्री.सत्य साई कॉलेज कॉलेज फॉर वुमेन,भोपाल)
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,औरंगाबाद)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (किसंराव खोबरागड़े शिक्षण महाविद्यालय,गडचिरोली)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ कुमार मिश्र** (रोज़ टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज ,जयपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** (बी.आर.खोखर मेमोरियल शिक्षण संस्थान,कूचामन सिटी ,नागौर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** (गुलाम नबी कॉलेज ऑफ एडुकेशन)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.गुणवंत सोनोने** (मिजोरम हिन्दी ट्रेनिंग कॉलेज,मिजोरम)
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ कुमार मिश्र** (महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,औरंगाबाद)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (किसंराव खोबरागड़े शिक्षण महाविद्यालय,गडचिरोली)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (रोज़ टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज ,जयपुर	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (बी.आर.खोखर मेमोरियल शिक्षण संस्थान,कूचामन सिटी ,नागौर)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (गुलाम नबी कॉलेज ऑफ एडुकेशन)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (मिजोरम हिन्दी ट्रेनिंग कॉलेज,मिजोरम)
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (एस.वी.टी.टी.सिद्धहेश्वर विनायक टीचर ट्रेनिंग कॉलेज,प्रतापगढ़)					
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.तक्षा डॉ.गुणवंत सोनोने** (एस.वी.टी.टी.सिद्धहेश्वर विनायक टीचर ट्रेनिंग कॉलेज,प्रतापगढ़)					

समन्वयक (बी.एड.दूर शिक्षा) 11.2.2022

प्रतिलिपि

निदेशक ,दूर शिक्षा निदेशालय 14/02/22

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

ज्ञान शांति मैत्री

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalay

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्या

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

NAAC Accreditation 'A' Grade

Azadi Ka Amrit Mahot

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड.(दूर शिक्षा) सत्र 2021-22

(समय सारणी -परामर्श सत्र) माह :-फरवरी 22

	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
10.30 से 11.30 (14/02/22-19/02/22)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (शांतिनिकेतन महिला शिक्षा महाविद्यालय ,नागपुर)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (आशा देवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,चुरू)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ मिश्रा** (यशोगाथा शिक्षण संस्थान प्रसारक मण्डल ,तेलहेरा,अकोला)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** आर.के.डी.एफ.यूनिविर्सिटी भोपाल	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** (जनसेवा शिक्षण महाविद्यालय,पृथ्वीपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.गुणवंत सोनोने** (श्री.सत्य साई कॉलेज कॉलेज फॉर वुमेन,भोपाल)
11.30 से 12.30 (14/02/22-19/02/22)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ कुमार मिश्र** (शांतिनिकेतन महिला शिक्षा महाविद्यालय ,नागपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (आशा देवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,चुरू)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (यशोगाथा शिक्षण संस्थान प्रसारक मण्डल ,तेलहेरा,अकोला)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (आर.के.डी.एफ.यूनिविर्सिटी भोपाल	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (जनसेवा शिक्षण महाविद्यालय,पृथ्वीपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.गुणवंत सोनोने** (श्री.सत्य साई कॉलेज कॉलेज फॉर वुमेन,भोपाल)
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,औरंगाबाद)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (किसंराव खोबरागड़े शिक्षण महाविद्यालय,गडचिरोली)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ कुमार मिश्र** (रोज़ टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज ,जयपुर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** (बी.आर.खोखर मेमोरियल शिक्षण संस्थान,कूचामन सिटी ,नागौर)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.तक्षा** (गुलाम नबी कॉलेज ऑफ एडुकेशन)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.गुणवंत सोनोने** (मिजोरम हिन्दी ट्रेनिंग कॉलेज,मिजोरम)
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.तक्षा डॉ.ऋषभ कुमार मिश्र** (महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,औरंगाबाद)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (किसंराव खोबरागड़े शिक्षण महाविद्यालय,गडचिरोली)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.आर.पुष्पा नामदेव** (रोज़ टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज ,जयपुर	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (बी.आर.खोखर मेमोरियल शिक्षण संस्थान,कूचामन सिटी ,नागौर)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (गुलाम नबी कॉलेज ऑफ एडुकेशन)	**डॉ.गुणवंत सोनोने डॉ.तक्षा** (मिजोरम हिन्दी ट्रेनिंग कॉलेज,मिजोरम)
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.आदित्य चतुर्वेदी डॉ.सारिका राय शर्मा** (एस.वी.टी.टी.सिद्धहेश्वर विनायक टीचर ट्रेनिंग कॉलेज,प्रतापगढ़)					
10.30 से 11.30 (21/02/22-26/02/22)	**डॉ.तक्षा डॉ.गुणवंत सोनोने** (एस.वी.टी.टी.सिद्धहेश्वर विनायक टीचर ट्रेनिंग कॉलेज,प्रतापगढ़)					

समन्वयक (बी.एड.दूर शिक्षा) 11.2.2022

प्रतिलिपि

निदेशक ,दूर शिक्षा निदेशालय 14/02/22

दूर शिक्षा निदेशालय (पं. मदन मोहन मालवीय भवन)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
समय सारिणी : 2021-2022 (जुलाई) / जनवरी 2022 से प्रभावी
एम.ए हिंदी (MAHD) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय सेमेस्टर)

समय ⟶ दिन ↓	10:30 से 11:00	11:30 से 12:30	12.30:30 से 01:30	03:00 से 04:00	04:00 से 5:00	5:00 से 06:00
सोमवार	एमएचडी- 03 *प्रिमि*	एमएचडी- 04 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *अकुश*	एमएचडी-08 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी-05 *प्रिमि*
मंगलवार	एमएचडी- 09 *प्रिमि*	एमएचडी- 10 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 02 अकुश	एमएचडी-06 *अकुश*
बुधवार	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी-10 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 11 *अकुश**
गुरुवार	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी-09 *अकुश**	एमएचडी-10 अकुश	एमएचडी- 11 *अकुश*	एमएचडी- 12 *अकुश*
शुक्रवार	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी- 09 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 06 *अकुश*
शनिवार	मेंटरिंग / ट्यूटोरियल्स / सत्रीय कार्य : *अकुश* , *प्रिमि*					

* उपलब्धता के आधार पर

1 डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा : (अकुश) / कमरा सं.-18 , मोबाइल- 9422905755
ईमेल- amrendrakumarsharma@gmail.com

2. डॉ. प्रियंका मिश्र : (प्रीमि) / कमरा सं - 05, ईमेल- priyadarshnimishra85@gmail.com

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 01	अनिवार्य	प्रारंभिक हिंदी काव्य
2	MHD – 02	अनिवार्य	हिंदी उपन्यास एवं कहानी
3	MHD – 03	अनिवार्य	भारतीय काव्यशास्त्र
4	MHD – 04	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास – 1
5	MHD – 05	वैकल्पिक	प्रयोजनमूलक हिंदी
6	MHD – 06	वैकल्पिक	लोक-साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 07	अनिवार्य	मध्यकालीन हिंदी काव्य
2	MHD – 08	अनिवार्य	हिंदी नाटक एवं रंगमंच
3	MHD – 09	अनिवार्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
4	MHD – 10	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास-2
5	MHD – 11	वैकल्पिक	हिंदी पत्रकारिता
6	MHD – 12	वैकल्पिक	पाठालोचन सिद्धांत एवं प्रयोग

निदेशक,
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

07/03/22
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

दूर शिक्षा निदेशालय (पं. मदन मोहन मालवीय भवन)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
समय सारिणी : 2021-2022 (जुलाई) / जनवरी 2022 से प्रभावी
एम.ए हिंदी (MAHD) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय सेमेस्टर)

समय ⟶ दिन ↓	10:30 से 11:00	11:30 से 12:30	12.30:30 से 01:30	03:00 से 04:00	04:00 से 5:00	5:00 से 06:00
सोमवार	एमएचडी- 03 *प्रिमि*	एमएचडी- 04 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *अकुश*	एमएचडी-08 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी-05 *प्रिमि*
मंगलवार	एमएचडी- 09 *प्रिमि*	एमएचडी- 10 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 02 अकुश	एमएचडी-06 *अकुश*
बुधवार	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी-10 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 11 *अकुश**
गुरुवार	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी-09 *अकुश**	एमएचडी-10 अकुश	एमएचडी- 11 *अकुश*	एमएचडी- 12 *अकुश*
शुक्रवार	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी- 09 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 06 *अकुश*
शनिवार	मेंटरिंग / ट्यूटोरियल्स / सत्रीय कार्य : *अकुश* , *प्रिमि*					

* उपलब्धता के आधार पर

1 डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा : (अकुश) / कमरा सं.-18 , मोबाइल- 9422905755
ईमेल- amrendrakumarsharma@gmail.com

2. डॉ. प्रियंका मिश्र : (प्रीमि) / कमरा सं - 05, ईमेल- priyadarshnimishra85@gmail.com

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 01	अनिवार्य	प्रारंभिक हिंदी काव्य
2	MHD – 02	अनिवार्य	हिंदी उपन्यास एवं कहानी
3	MHD – 03	अनिवार्य	भारतीय काव्यशास्त्र
4	MHD – 04	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास – 1
5	MHD – 05	वैकल्पिक	प्रयोजनमूलक हिंदी
6	MHD – 06	वैकल्पिक	लोक-साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 07	अनिवार्य	मध्यकालीन हिंदी काव्य
2	MHD – 08	अनिवार्य	हिंदी नाटक एवं रंगमंच
3	MHD – 09	अनिवार्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
4	MHD – 10	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास-2
5	MHD – 11	वैकल्पिक	हिंदी पत्रकारिता
6	MHD – 12	वैकल्पिक	पाठालोचन सिद्धांत एवं प्रयोग

निदेशक,
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

07/03/22
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

समय सारिणी : 2021 -2022

पं. मदन मोहन मालवीय दूर शिक्षा निदेशालय भवन, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. इतिहास परामर्श कक्षाएँ , पूर्वाह्न 9.30 से 6.00

एम. ए. इतिहास दो वर्षीय

समय / दिन	10.30 से 11.30	11.30 से 12.30	12.30 से 01.30	1.30 से 3.00	3 - 4	4 – 5	5-6
सोमवार	MAHS -14 MLG	MAHS -15 PP	MAHS -12 GS	मध्य अवकाश			MAHS -13 GS
मंगलवार	MAHS -14 MLG	MAHS -15 PP	MAHS -12 GS		MAHS -11 RKM		MAHS -13 GS
बुधवार	MAHS -14 MLG	MAHS -16 PP	MAHS -12 GS				MAHS -13 GS
बृहस्पतिवार	MAHS -20 MLG	MAHS -16 PP	MAHS -19 PS		MAHS -11 RKM		MAHS -18 GS
शुक्रवार	MAHS -20 MLG	--	MAHS -19 PS		MAHS -17 RKM		MAHS -18 GS
शनिवार	MAHS -20 MLG	---	MAHS -19 PS		MAHS -17 RKM		MAHS -18 GS

1.	MAHS -11	आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार
2.	MAHS -12	भारत में अंग्रेजो का आगमन
3.	MAHS -13	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास
4.	MAHS -14	स्वातंत्र्योत्तर भारत
5.	MAHS -15	परियोजना कार्य
6.	MAHS -16	भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन
7.	MAHS -17	आधुनिक भारत विचार एवं विचारक
8.	MAHS -18	भारतीय संविधान
9.	MAHS -19	भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास
10.	MAHS -20	लघु शोध प्रबंध

क्र.	अध्यापक के नाम	ईमेल	फोन नंबर
1.	डा. राकेश कुमार मिश्र (RKM)	rakeshmishra1961@gmail.com	9970251140
2.	डा. मुन्नालाल गुप्ता (MLG)	mlgbharat@gmail.com	9028226561
3.	डा. परिमल प्रियदर्शी (PP)	ppriyadarshi1961@gmail.com	8788712148
4.	डा. गुणवंत सोनोने (GS)	gunwantsonone7@gmail.com	9921245506
5.	डा. पल्लवी शुक्ला (PS)	Shuklapallavi16@gmail.com	9450691880

29/7/21

(निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय)

दूर शिक्षा निदेशालय (पं. मदन मोहन मालवीय भवन)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
समय सारिणी : सितंबर 2022 (जनवरी 2023 से प्रभावी)
एम.ए हिंदी (MAHD) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय सेमेस्टर)

समय ⟶ दिन ↓	10:30 से 11:00	11:30 से 12:30	12.30:30 से 01:30	03:00 से 04:00	04:00 से 5:00	5:00 से 06:00
सोमवार	एमएचडी- 03 *प्रिमि*	एमएचडी- 04 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *अकुश*	एमएचडी-08 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी-05 *प्रिमि*
मंगलवार	एमएचडी- 09 *प्रिमि*	एमएचडी- 10 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 02 अकुश	एमएचडी-06 *अकुश*
बुधवार	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी-10 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 11 *अकुश**
गुरुवार	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी-09 *अकुश**	एमएचडी-10 अकुश	एमएचडी- 11 *अकुश*	एमएचडी- 12 *अकुश*
शुक्रवार	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी- 09 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 06 *अकुश*
शनिवार	मेंटरिंग / ट्यूटोरियल्स / सत्रीय कार्य : *अकुश* , *प्रिमि*					

* उपलब्धता के आधार पर

1 डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा : (अकुश) / कमरा सं.-18 , मोबाइल- 9422905755
ईमेल- amrendrakumarsharma@gmail.com
2. डॉ. प्रियंका मिश्र : (प्रिमि) / कमरा सं - 05, ईमेल- priyadarshnimishra85@gmail.com

11/01/2023

11/01/23
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 01	अनिवार्य	प्रारंभिक हिंदी काव्य
2	MHD – 02	अनिवार्य	हिंदी उपन्यास एवं कहानी
3	MHD – 03	अनिवार्य	भारतीय काव्यशास्त्र
4	MHD – 04	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास – 1
5	MHD – 05	वैकल्पिक	प्रयोजनमूलक हिंदी
6	MHD – 06	वैकल्पिक	लोक-साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 07	अनिवार्य	मध्यकालीन हिंदी काव्य
2	MHD – 08	अनिवार्य	हिंदी नाटक एवं रंगमंच
3	MHD – 09	अनिवार्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
4	MHD – 10	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास-2
5	MHD – 11	वैकल्पिक	हिंदी पत्रकारिता
6	MHD – 12	वैकल्पिक	पाठालोचन सिद्धांत एवं प्रयोग

निदेशक,
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

11/01/2023

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीयहिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. हिंदी (MAHD) द्वितीय वर्ष समय सारणी (सत्र:2020-21)

दिन	09.30 से10.30	10.30 से 11.30	11.30 से 12.30	12.30 से 01.30		03.00 से 04.00	04:00से05:00	05:00से 06:00
सोमवार	एमएचडी- 13 (प्रिमि)	एमएचडी- 14 (अकुश)	एमएचडी- 16 (अकुश)	एमएचडी- 15 (प्रिमि)		एमएचडी-20 (हअ)	एमएचडी- 22 (प्रिमि)	एमएचडी-16 (अकुश)
मंगलवार	एमएचडी- 13 (प्रिमि)	एमएचडी- 14 (अकुश)	एमएचडी- 21 (हअ)	एमएचडी-16 (अकुश)		एमएचडी-22 (प्रिमि)	एमएचडी- 20 (हअ)	एमएचडी- 17 (हअ)
बुधवार	एमएचडी- 15 (प्रिमि)	एमएचडी- 16 (अकुश)	एमएचडी- 13 (प्रिमि)	एमएचडी- 21 (हअ)	अं त रा ल	एमएचडी-19 (अकुश)	एमएचडी- 21 (हअ)	एमएचडी-24 (अकुश)
गुरुवार	एमएचडी- 15 (प्रिमि)	एमएचडी- 16 (अकुश)	एमएचडी- 14 (अकुश)	एमएचडी-19 (अकुश)		एमएचडी-22 (प्रिमि)	एमएचडी- 20 (हअ)	एमएचडी-23 (हअ)
शुक्रवार	एमएचडी-20 (हअ)	एमएचडी- 19 (अकुश)	एमएचडी- 13 (प्रिमि)	एमएचडी- 22 (प्रिमि)		एमएचडी- 21 (हअ)	एमएचडी-16 (अकुश)	एमएचडी- 18 (प्रिमि)
शनिवार	ट्यूटोरियल्स/ सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य (हअ, अकुश, प्रिमि)					ट्यूटोरियल्स/ सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य (हअ, अकुश, प्रिमि)		

1. प्रो. हरीश अरोड़ा : हअ - संपर्क : कमरा संख्या - 03, मोबाइल – 8800660 0646, ईमेल - drharisharora@gmail.com
2. डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा : अकुश - संपर्क : कमरा संख्या - 18, मोबाइल - 9422905755, ईमेल - amrendrakumarsharma@gmail.com
3. डॉ. प्रियंका मिश्र : प्रिमि - संपर्क : कमरा संख्या - 09, मोबाइल – 9625327115, ईमेल – priyadarshnimishra85@gmail.com

प्रो. हरीश अरोड़ा

निदेशक , दूर शिक्षा निदेशालय

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीयहिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. हिंदी (MAHD) द्वितीय वर्ष समय सारणी (सत्र:2020-21)

तृतीय छमाही

अनिवार्य प्रश्नपत्र	**1. MAHD - 13**	आधुनिककालीन :हिंदी काव्य
	2. MAHD-14	हिंदी आलोचना
	3. MAHD-15	हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि
	4. MAHD-16	तुलनात्मक भारतीय साहित्य
वैकल्पिक प्रश्नपत्र	**1. MAHD-17**	हिंदी भाषा एवं भाषा शिक्षण
	2. MAHD-18	सृजनात्मक लेखन

चतुर्थ छमाही

अनिवार्य प्रश्नपत्र	**1. MAHD – 19**	हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना
	2. MAHD-20	हिंदी के विविध गद्य-रूप
	3. MAHD-21	भाषाविज्ञान
	4. MAHD-22	नव सामाजिक विमर्श
वैकल्पिक प्रश्नपत्र (परियोजना कार्य)	**1. MAHD-23**	रचनाकार का विशेष अध्ययन
	2. MAHD-24	हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

प्रो. हरीश अरोड़ा
निदेशक , दूर शिक्षा निदेशालय

दूर शिक्षा निदेशालय (पं. मदन मोहन मालवीय भवन)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र-.442001
समय सारिणी : जनवरी-मार्च 2022 (जुलाई 2022 से प्रभावी)
एम.ए हिंदी (MAHD) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय सेमेस्टर)

समय ⟶ दिन ↓	10:30 से 11:00	11:30 से 12:30	12.30:30 से 01:30	03:00 से 04:00	04:00 से 5:00	5:00 से 06:00
सोमवार	एमएचडी- 03 *प्रिमि*	एमएचडी- 04 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *अकुश*	एमएचडी-08 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी-05 *प्रिमि*
मंगलवार	एमएचडी- 09 *प्रिमि*	एमएचडी- 10 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 02 अकुश	एमएचडी-06 *अकुश*
बुधवार	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी-10 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 11 *अकुश**
गुरुवार	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी-09 *अकुश**	एमएचडी-10 अकुश	एमएचडी- 11 *अकुश*	एमएचडी- 12 *अकुश*
शुक्रवार	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी- 09 *प्रिमि**	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 06 *अकुश*
शनिवार	मेंटरिंग / ट्यूटोरियल्स / सत्रीय कार्य : *अकुश , प्रिमि*					

* उपलब्धता के आधार पर

1 डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा : (अकुश) / कमरा सं.-18 , मोबाइल- 9422905755
ईमेल- amrendrakumarsharma@gmail.com

2. डॉ. प्रियंका मिश्र : (प्रिमि) / कमरा सं - 05, ईमेल- priyadarshnimishra85@gmail.com

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

11/07/2022

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 01	अनिवार्य	प्रारंभिक हिंदी काव्य
2	MHD – 02	अनिवार्य	हिंदी उपन्यास एवं कहानी
3	MHD – 03	अनिवार्य	भारतीय काव्यशास्त्र
4	MHD – 04	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास – 1
5	MHD – 05	वैकल्पिक	प्रयोजनमूलक हिंदी
6	MHD – 06	वैकल्पिक	लोक-साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 07	अनिवार्य	मध्यकालीन हिंदी काव्य
2	MHD – 08	अनिवार्य	हिंदी नाटक एवं रंगमंच
3	MHD – 09	अनिवार्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
4	MHD – 10	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास-2
5	MHD – 11	वैकल्पिक	हिंदी पत्रकारिता
6	MHD – 12	वैकल्पिक	पाठालोचन सिद्धांत एवं प्रयोग

निदेशक,
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

11/07/2022

दूर शिक्षा निदेशालय (पं. मदन मोहन मालवीय भवन)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
समय सारिणी : 2021-2022 (जनवरी) / एम.ए हिंदी (MAHD) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय सेमेस्टर)

समय ⟶ दिन ↓	10:30 से 11:00	11:30 से 12:30	12.30:30 से 01:30	03:00 से 04:00	04:00 से 5:00	5:00 से 06:00
सोमवार	एमएचडी- 03 *प्रिमि*	एमएचडी- 04 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *हअ*	एमएचडी-08 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी-05 *प्रिमि*
मंगलवार	एमएचडी- 09 *प्रिमि*	एमएचडी- 10 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *हअ*	एमएचडी- 02 अकुश	एमएचडी-06 *अकुश*
बुधवार	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी- 03 *हअ*	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी-10 *प्रिमि*	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 11 *हअ*
गुरुवार	एमएचडी- 07 *प्रिमि*	एमएचडी- 08 *प्रिमि*	एमएचडी-09 *हअ*	एमएचडी-10 अकुश	एमएचडी- 11 *अकुश*	एमएचडी- 12 *अकुश*
शुक्रवार	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 02 *अकुश*	एमएचडी- 09 *हअ*	एमएचडी- 04 *अकुश*	एमएचडी- 01 *प्रिमि*	एमएचडी- 06 *अकुश*
शनिवार	ट्यूटोरियल्स / सत्रीय कार्य *(हअ, अकुश , प्रीमि)*					

1.प्रो. हरीश अरोड़ा : ***हअ*** / संपर्क : कमरा सं.-03, मोबाइल- 8800660646, ईमेल- drharisharora@gmail.com

2.डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा : ***अकुश*** / कमरा सं.-18 , मोबाइल- 9422905755, ईमेल- amrendrakumarsharma@gmail.com

3.डॉ. प्रियंका मिश्र : ***प्रीमि*** / कमरा सं- 05, ईमेल- priyadarshnimishra85@gmail.com

21/8/21

प्रो. हरीश अरोड़ा
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 01	अनिवार्य	प्रारंभिक हिंदी काव्य
2	MHD – 02	अनिवार्य	हिंदी उपन्यास एवं कहानी
3	MHD – 03	अनिवार्य	भारतीय काव्यशास्त्र
4	MHD – 04	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास – 1
5	MHD – 05	वैकल्पिक	प्रयोजनमूलक हिंदी
6	MHD – 06	वैकल्पिक	लोक-साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य/वैकल्पिक	विषय
1	MHD – 07	अनिवार्य	मध्यकालीन हिंदी काव्य
2	MHD – 08	अनिवार्य	हिंदी नाटक एवं रंगमंच
3	MHD – 09	अनिवार्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
4	MHD – 10	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास-2
5	MHD – 11	वैकल्पिक	हिंदी पत्रकारिता
6	MHD – 12	वैकल्पिक	पाठालोचन सिद्धांत एवं प्रयोग

02/8/24

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 0752-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

समय सारिणी : 2020 -2021

दूर शिक्षा निदेशालय , महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. राजनीतिविज्ञान(तृतीय एवं चतुर्थ छमाही) परामर्श कक्षाएँ

दिन	समय					
	11.30-12.30	12.30- 01.30	1.30- 3.00	3 - 4	4 – 5	5-6
सोमवार	MAPS-13 (AM)	MAPS -14 (VS)	मध्याह्न अवकाश	MAPS-18 (SKT)	MAPS-20 (SKT)	MAPS-26 (MKT)
मंगलवार	MAPS-13 (AM)	MAPS -14 (VS)		MAPS-18 (SKT)	MAPS-20 (SKT)	MAPS-26 (MKT)
बुधवार	MAPS-15 (AM)	MAPS -16 (VS)		MAPS-18 (SKT)	MAPS-20 (SKT)	MAPS-26 (MKT)
बृहस्पतिवार	MAPS-15 (AM)	MAPS -16 (VS)		MAPS-22 (SKT)	MAPS-21 (SKT)	MAPS-26 (MKT)
शुक्रवार	MAPS-24 (AM)	MAPS -17 (VS)		MAPS-22 (SKT)	MAPS-21 (SKT)	MAPS-26 (MKT)
शनिवार	MAPS-24 (AM)	MAPS -17 (VS)		MAPS-22 (SKT)	MAPS-21 (SKT)	MAPS-26 (MKT)

शिक्षकों के नाम:-
1-डॉ. आशा मिश्रा (AM)
2-डॉ. मिथिलेश कुमार (MKT)
3-डॉ. विजय कुमार सिंह (VS)
4-डॉ. सुशील कुमार त्रिपाठी (SKT)

1.	MAPS- 13	आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन
2.	MAPS -14	समकालीन पाश्चत्य राजनीतिक चिंतन
3.	MAPS -15	भारत में दलीय व्यवस्था एवं चुनावी राजनीति
4.	MAPS -17	भारत में स्थानीय शासन
5.	MAPS -18	समसामयिक भारतीय राजनीतिक मुद्दे
6.	MAPS - 20	भारत एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध
7.	MAPS -21	दक्षिण एशिया में शासन एवं राजनीति
8.	MAPS - 22	प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीति
9.	MAPS -24	अंतर्राष्ट्रीय विधि
10.	MAPS -26	मानवाधिकार

03/08/2021

(पाठ्यक्रम संयोजक, राजनीति विज्ञान)

(निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय)

ज्ञान शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त **Accredited with 'A' Grade by NAAC**

प्रो. हरीश अरोड़ा
Prof. Harish Arora
निदेशक/ **Director**
दूर शिक्षा निदेशालय
Directorate of Distance Education

दूरभाष/ Phone: 07152- 241040

दिनांक 01/07/2021

सूचना

निदेशालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए मेंटरिंग की व्यवस्था

सत्र फरवरी मार्च, 2021 में निदेशालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को अवगत कराना है कि उनकी पाठ्यक्रमों तथा अन्य समस्याओं से संबंधितसुझाव प्रदान करने के लिए निम्नलिखित रूप में मेंटरिंग की व्यवस्था की गई है-

क्र.	पाठ्यक्रम	परामर्शदाता	मोबाइल नंबर	ईमेल आईडी
1	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)	डॉ. रविंद्र तु. बोरकर	9021966566	rvborkar123@gmail.com
2	समाजकार्य में स्नातकोत्तर (MSW)	डॉ. शंभू जोशी	9970865987	shambhujoshi@gmail.com
3	पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ)	डॉ. अमित राय	9422905719	raiamit14@gmail.com
4	एमए हिंदी (MAHD)	डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा	8668813012	amrendrakumarsharma@gmail.com
5	एमए समाजशास्त्र (MAS)	डॉ.वरुण कुमार उपाध्याय	9412082025	varunbhu123@gmail.com
6	एमए इतिहास (MAH)	डॉ. परिमल प्रियदर्शी	8275749349	ppriyadarshi1961@gmail.com
7	एमए राजनीति विज्ञान (MAPS)	डॉ. सुशील कुमार त्रिपाठी	7052005100	drshil.anand@gmail.com
8	शिक्षा स्नातक (BEd)	डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र	9403578403	bpositiverishabh@gmail.com
9	पत्रकारिता में स्नातक (BJ)	डॉ. शैलेश मरजी कदम	9423643576	kadam.shailesh05@gmail.com
10	कला में स्नातक (BA)	डॉ. प्रियंका मिश्र	9625327115	priyadarshnimishra85@gmail.com
11	कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA)	डॉ. हर्षलता पेटकर	9421820442	harshalata@rediffmail.com
12	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)	डॉ. अमित राय	9422905719	raiamit14@gmail.com
13	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर (PGDEM&FP)	डॉ. संदीप सपकाले	9175606910	smsapkale@gmail.com
14	सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा(PGDCWH)	प्रो. हरीश अरोड़ा	880660646	drharisharora@gmail.com
15	अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT)	डॉ. रामप्रकाश यादव	7972952363	rampy79@gmail.com
16	नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDD&T)	डॉ. प्रियंका मिश्र	9625327115	priyadarshnimishra85@gmail.com
17	मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMW)	प्रो. हरीश अरोड़ा	880660646	drharisharora@gmail.com
18	कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (DCA)	डॉ. हर्षलता पेटकर	9421820442	harshalata@rediffmail.com

विद्यार्थियों को सूचनीय है कि वे आवश्यकतानुसार उपरिलिखित से संपर्क कर सकते हैं।

निदेशक

पोस्ट– हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा–442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
ई-मेल/E-mail: ddemgahv@gmail.com वेबसाइट/Website: www.hindivishwa...

समय सारिणी : 2021 – 2022

पं. मदन मोहन मालवीय दूर शिक्षा निदेशालय भवन, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.जे.(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर) परामर्श कक्षाएँ, पूर्वाह्न 10:00 से अपराह्न 6:00

(मध्याह्न अवकाश 1:30 से 02:00)

एम.जे.(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर) एक वर्षीय

समय ⟶ दिन ↓	10:30 से 11:30	11:30 से 12:30	12:30 से 1:30	1:30 से 2:30	2:30 से 3:30	3:30 से 4:30	4:30 से 5:30
सोमवार	MJ – 101 अमित राय	MJ –103 आनंद भारती	MJ –105 अमित राय	मध्य अवकाश	MJ –107 अमित राय	MJ – 108 अमित राय	प्रोजेक्ट परामर्श
मंगलवार	MJ – 101 अमित राय	MJ – 102 आनंद भारती	MJ – 107 अमित राय		MJ – 106 संदीप वर्मा	MJ – 103 अमित राय	प्रोजेक्ट परामर्श
बुधवार	MJ – 102 अमित राय	MJ – 104 आनंद भारती	MJ – 103 अमित राय		MJ – 106 संदीप वर्मा	MJ – 105 अमित राय	प्रोजेक्ट परामर्श
गुरुवार	MJ – 102 अमित राय	MJ – 104 आनंद भारती	MJ – 106 संदीप वर्मा		MJ – 107 अमित राय	MJ – 108 अमित राय	प्रोजेक्ट परामर्श
शुक्रवार	MJ – 108 अमित राय	MJ – 108 अमित राय	MJ – 108 अमित राय		MJ – 107 अमित राय	MJ – 102 आनंद भारती	प्रोजेक्ट परामर्श
शनिवार	MJ – 107 अमित राय	MJ – 108 अमित राय	MJ – 108 अमित राय		MJ – 108 अमित राय	MJ – 106 आनंद भारती	प्रोजेक्ट परामर्श

MJ – 101 जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन

MJ – 102 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन

MJ – 103 जनसंचार शोध प्रविधि

MJ – 104 जनसंचार के सिद्धांत

MJ – 105 विशेषीकृत पत्रकारिता एवं समाज

MJ – 106 न्यू मीडिया प्रोडक्शन

MJ – 107 न्यू मीडिया एवं समाज

MJ – 108 परियोजना कार्य

डॉ.अमित राय,कक्ष संख्या – 17, संपर्क – 9422905719, Email ID – raiamit14@gmail.com

प्रो.आनंद भारती, संपर्क – 9643413909, Email ID – anandbharti103@gmail.com

28/7/21

(निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय)

Director
दूर शिक्षा निदेशालय
Directorate of Distance Education
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi
Vishwavidyalaya

समय सारिणी : 2021 – 2022 जुलाई सत्र
एम.जे.(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर,एक वर्षीय) परामर्श कक्षाएँ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

समय ⟶ दिन ↓	11:30 से 12:30	3:30 से 4:30
सोमवार	MJ –101 अमित राय	MJ – 108 अमित राय
मंगलवार	MJ – 102 अमित राय	सत्रीय कार्य परामर्श अमित राय
बुधवार	MJ – 103 अमित राय	MJ – 108 अमित राय
गुरुवार	MJ – 104 अमित राय	सत्रीय कार्य परामर्श अमित राय
शुक्रवार	MJ – 105 अमित राय	MJ – 108 अमित राय

MJ – 101 जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
MJ – 102 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन
MJ – 103 जनसंचार शोध प्रविधि
MJ – 104 जनसंचार के सिद्धांत
MJ – 105 विशेषीकृत पत्रकारिता एवं समाज
MJ – 106 न्यू मीडिया प्रोडक्शन
MJ – 107 न्यू मीडिया एवं समाज
MJ – 108 परियोजना कार्य

डॉ.अमित राय,संपर्क - आई ए-290,साल्ट लेक सेक्टर -3,कोलकाता 97 फोन – 9422905719,
Email ID – raiamit14@gmail.com

(पाठ्यक्रम संयोजक)

(निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997,क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शान्ति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

शंभू जोशी/SHAMBHU JOSHI

एसोशिएट प्रोफेसर/ASSOCIATE PROFESSOR PH.D.

फोन/Phone : +91-7152-247146

दिनांक : 25/03/2021

ऑनलाइन परामर्श सत्र सूचना

वर्धा अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत **सत्र 2019-21 एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम (द्वितीय वर्ष)** के विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है सम्पूर्ण पाठ्यक्रम संबंधी **ऑनलाइन** परामर्श सत्र के लिए निम्नलिखित समयसारिणी अनुसार उपस्थित रहें-

दिनांक	समय
02/04/2021	04:00 pm – 06:00 pm
03/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
04/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
09/04/2021	04:00 pm – 06:00 pm
10/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
11/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
16/04/2021	04:00 pm – 06:00 pm
17/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
18/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
23/04/2021	04:00 pm – 06:00 pm
24/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
25/04/2021	10:00 am – 12:00 pm
30/04/2021	04:00 pm – 06:00 pm
1/05/2021	10:00 am – 12:00 pm
2/05/2021	10:00 am – 12:00 pm

अध्ययन केंद्र द्वारा क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यार्थी निर्धारित समयानुसार उपस्थित होकर क्षेत्रकार्य पर्यवेक्षक से निर्देश प्राप्त कर क्षेत्रकार्य जर्नल को पूरा कर अपने अध्ययन केंद्र पर जमा करें।

उपर्युक्त परामर्शसत्र का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से संचालित किया जाएगा। अत: द्वितीय वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से लिंक प्रेषित की जाएगी। जो विद्यार्थी ग्रुप से नहीं जुड़े हैं वे पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कर सकते हैं।

प्रत्येक परामर्श सत्र 02 घंटे का होगा। सत्र प्रारंभ होने के 15 मिनट तक कोई विद्यार्थी नहीं जुड़ता है तो वह सत्र समाप्त माना जाएगा।

शंभू जोशी 25/03/2021

पाठ्यक्रम संयोजक

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय Directorate of Distance Education

Wardha Centre
MSW-IInd Year 2020-21 Student List

1.	26002190001	गणेश चंद्रशेखर भटकर
2.	26002190002	कु. रजनी
3.	26002190003	कु. महेशा देवी
4.	26002190004	अभिषेक दिपक खंडारे
5.	26002190005	सुरज सुधाकर भाकरे
6.	26002190006	गोकूल विश्वासराव खांदवे
7.	26002190007	कुणाल अंबादास पटले
8.	26002190008	आकाश पांडुरंग राऊत
9.	26002190009	भुषण अशोकराव सुर्यवंशी
10.	26002190010	भारती गोविंदराव मसराम
11.	26002190011	शितल आनंदराव जाधव
12.	26002190012	शिवानी आनंदराव जाधव
13.	26002190013	जुबेर अहेमद शेख चांद कुरेशी
14.	26002190015	शेख कलीम शेख जबिउल्लाह
15.	26002190016	मंगेश रमेश वानखडे
16.	26002190017	नितीन दत्तात्रय चिंतावार
17.	26002190018	देवानंद पुरूषोत्तम पेंदोरे
18.	26002190019	सुरज अरूण पाटील
19.	26002190020	शुभम सुभाष भरणे
20.	26002190021	नेहा पंजाबराव उद्रक
21.	26002190024	योगिता गणेश फुसे
22.	26002190025	किशोर रामभाऊ बाभुळकर
23.	26002190026	विद्याताई मोरेश्वर धुर्वे
24.	26002190027	योगेश भिमराव सोनवने
25.	26002190028	प्रशांत विठ्ठलराव कारमोरे
26.	26002190029	गोपाल रामचन्द्र साबळे
27.	26002190030	मंदोदरी भास्कर पाटील
28.	26002190031	अनिता भगवानजी खंडाळे
29.	26002190032	स्वप्निल दिनकर नगराळे
30.	26002190033	मुकेश कुमार
31.	26002190035	मयुर प्रदिपराव अंबुलकर
32.	26002190036	कुणाल विलासराव भेले
33.	26002190037	विक्की हनुमानप्रसाद पांडे
34.	26002190039	आभा सचान

वाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए विद्यार्थी संयोजक से संपर्क करें। ग्रुप से जुड़ने की जिम्मेदारी विद्यार्थी की होगी।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

प्रो. हरीश अरोड़ा
निदेशक : दूर शिक्षा निदेशालय
Prof. Harish Arora

दूरभाष/ Phone: +91-7152-230908

दिनांक : 04/08/2021

ऑनलाइन संपर्क कक्षा सूचना

वर्धा अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत **सत्र 2021-22 (फरवरी –मार्च) एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम (प्रथम सेमे स्टर)** के विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है सम्पूर्ण पाठ्यक्रम संबंधी **ऑनलाइन** परामर्श सत्र के लिए निम्नलिखित समयसारिणी अनुसार उपस्थित रहें-

दिनांक	समय
06/08/2021	04:00 pm – 06:00 pm
07/08/2021	01.00 pm – 03:00 pm
08/08/2021	01.00 pm – 03:00 pm
13/08/2021	04:00 pm – 06:00 pm
14/08/2021	01.00 pm – 03:00 pm
20/08/2021	04:00 pm – 06:00 pm
21/08/2021	01.00 pm – 03:00 pm
22/08/2021	01.00 pm – 03:00 pm
27/08/2021	04:00 pm – 06:00 pm
28/08/2021	01.00 pm – 03:00 pm
29/08/2021	01.00 pm – 03:00 pm
03/09/2021	04:00 pm – 06:00 pm
04/09/2021	01.00 pm – 03:00 pm
05/09/2021	01.00 pm – 03:00 pm
11/09/2021	01.00 pm – 03:00 pm
12/09/2021	01.00 pm – 03:00 pm

नोट : परामर्श सत्र का उद्देश्य पाठ्यसामग्री के अध्ययन उपरांत आई कठिनाईयों को दूर करना है। परामर्श सत्र में कक्षाएं नहीं होती है अपितु विद्यार्थी विषय से संबंधित समस्याओं को साझा करता है और परामर्शदाता उस समस्या को दूर करने का प्रयास करता है। अत: विद्यार्थी परामर्श सत्र में आने से पूर्व पाठ्यसामग्री का भली-भांति अध्ययन कर लें और जिन शीर्षकों/अध्यायों में उसे कठिनाई अनुभव हो, उसे नोट कर लें। परामर्श सत्र के दौरान इन्हें परामर्शदाता के सम्मुख रखें ताकि इन कठिनाईयों को दूर किया जा सके।

उपर्युक्त परामर्शसत्र का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से संचालित किया जाएगा। प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशित विद्यार्थियों को पंजीकृत ईमेल के माध्यम से लिंक प्रेषित की जाएगी। प्रत्येक परामर्श सत्र 02 घंटे का होगा। सत्र प्रारंभ होने के 10 मिनट तक कोई विद्यार्थी नहीं आता है तो वह सत्र समाप्त माना जाएगा।

सम्पर्क कक्षाओं में सहभागी होने के लिए किसी एकांत स्थान का चयन करें। जिस डिवाइस से आप शामिल हो रहें है, उसे म्यूट रखें और अवसर दिए जाने पर अपनी बात कहें। अगर परामर्श के समय आप गतिशील है(एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहे हैं) तो कृपया अपना कैमरा ऑफ रखें ताकि व्यवधान न हो। परामर्श के समय आप अपनी बात चैट बॉक्स के माध्यम से भी रख सकते हैं।

(निदेशक)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रिय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,Wardha

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (शिक्षा - 025)

द्वितीय सेमेस्टर (सत्र 2016-18)

मार्गदर्शक पुस्तिका



अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम

शिक्षा स्नातक (बी.एड.) मुक्त एवं दूर शिक्षा

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)

मार्गदर्शक

प्रो.गिरीश्वर मिश्र
कुलपति
म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

प्रो.आनंद वर्धन शर्मा
प्रतिकुलपति
म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

प्रो. अरबिंद कुमार झा
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

सलाहकार मंडल

डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2015-17),
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

डॉ. शिरीष पाल सिंह
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2016-18),
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

श्री ऋषभ कुमार मिश्रा
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2015-17),
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

सुश्री सारिका राय शर्मा
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2016-18),
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

निर्माण समिति

डॉ. गुणवंत सोनोने
सहायक प्राध्यापक,
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

डॉ. आदित्य चतुर्वेदी
सहायक प्राध्यापक,
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

डॉ. समीर कुमार पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक,
दूरशिक्षा निदेशालय,म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

श्री ब्रम्हा नन्द मिश्र
सहायक प्राध्यापक,
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

प्रस्तावना

विद्यालय संपर्क कार्यक्रम अध्यापक शिक्षा का एक अभिन्न अंग है। यह अध्येताओं को शिक्षण अभ्यास से परिचित कराता है तथा तत्संबंधी मार्गदर्शन भी करता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वे विद्यालय में नियमित रूप से होने वाली सभी गतिविधियों का अवलोकन करेंगे, वहाँ के शिक्षक, छात्र एवं अन्य संबंधित लोगों से अंत: क्रिया करेंगे एवं शिक्षण योजना का निर्माण भी करेंगे।इसके साथ ही वे निम्नलिखित कार्यों का व्यवस्थित रूप से निष्पादन करेंगे -

- कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन
- विद्यालय परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन
- रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना
- पाठ तथा प्रबंधन सहभागी क्रिया का आयोजन-
- विद्यालय दैनिकी

इस कार्यक्रम में विद्यालय अवलोकन से प्राप्त अनुभवों द्वारा अध्येता अपने विषय शिक्षण के ज्ञान और समझ को परिमार्जित करेंगे तथा पूर्ण आत्मविश्वास के साथ परवर्ती शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम के विभिन्न गतिविधियों का प्रभावशाली रूप में निष्पादन करेंगे।

कार्यक्रम उद्देश्य

इस कार्यक्रम के द्वारा छात्राध्यापक निम्नलिखित योग्यताएँ विकसित करने में सक्षम होंगे -

- वे विद्यालय में नियमित रूप से होनेवाली गतिविधियों की आलोचनात्मक समझ विकसित करेंगे।
- वे कक्षा में शिक्षार्थियों के बीच एवं शिक्षक तथा शिक्षार्थियों के बीच होने वाली अंत: क्रियाओं का विश्लेषण करेंगे तथा उसका प्रारूप तैयार करेंगे।
- वे नियमित शिक्षकों द्वारा कक्षा में व्यवहार में लाए जानेवाली अधिगम गतिविधियों या अधिगम अनुभवों के चयन तथा क्रियान्वयन की आलोचनात्मक समझ विकसित करेंगे।
- वे नियमित शिक्षकों द्वारा शिक्षार्थियों को अधिगम या अधिगम सह आकलन क्रियाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु व्यवहार में लाये जाने वाले विभिन्न साधनों तथा तकनीकी की समझ विकिसित करेंगे।
- वे नियमित शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के अधिगम तथा उपलब्धि के लिए व्यवहार में लाए जानेवाले विभिन्न साधनों तथा तकनीकी की समझ विकसित करेंगे।
- वे कक्षा की गतिविधियों तथा पाठ सहगामी क्रियाओं के आयोजन तथा प्रबंधन की समझ पैदा करेंगे।
- वे विद्यालय दैनिकी द्वारा विद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों का गहन अध्ययन कर उनके विभिन्न पक्षों पर विचार -विमर्श करने की क्षमता विकसित करेंगे।

कार्यक्रम अवधि

इस कार्यक्रम की अवधि कुल **एक सप्ताह** की होगी। यह कार्यक्रम द्वितीय सेमेस्टर में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम संरचना

यह कार्यक्रम कुल 4 क्रेडिट का होगा ,जिसमें अध्येता वास्तविक विद्यालय परिस्थिति में निम्नलिखित गतिविधियों का किसी वरिष्ठ शिक्षक, प्रिन्सिपल या पर्यवेक्षक के मार्गदर्शन में निष्पादन करेंगे।

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (100 अंक) क्रेडिट 4

अ.क्र.	कोड	क्रेडिट	व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम एक सप्ताह के)**लिए(	अंक	कुल अंक
01	025	02	कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन चयनित विषयों के : कक्षा अवलोकन (10) एवं अन्य विषयों के (05) एवं सारांश ***(प्रत्येक कक्षा अवलोकन के लिए अधिकतम अंक और 03 (अंक 05 सारांश लेखन के लिए अधिकतम***	50	50
02		02	• विद्यालय परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन , ***15 अधिकतम)*** रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना ***(अंक*** • पाठ 05) सहगामी क्रिया का आयोजन तथा प्रबंधन-पाठ- (सहगामी क्रिया***(प्रत्येक पाठसहगामी क्रिया का - ,आयोजन प्रबंधन एवं रिपोर्ट लेखन के लिए अधिकतम (अंक 04*** • विद्यालयी दैनिकी एक)सप्ताह(***(प्रत्येक दिन की दैनिकी के लिए अधिकतम अंक और रिपोर्ट लेखन के लिए 02 0 अधिकतम3 अंक (***	15 20 15	50
कुल क्रेडिट 04 -					**100**

कार्यक्रम के विभिन्न गतिविधियों का विवरण

1. कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन

कक्षा अवलोकन ,विद्यालय संपर्क कार्यक्रम का अभिन्न अंग है,इसके द्वारा कक्षा में चल रहे विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया जाएगा । विद्यार्थी नियमित शिक्षकों द्वारा कक्षा में व्यवहार में लाये जाने वाले अधिगम गतिविधियों या अधिगम अनुभवों के चयन तथा क्रियान्वयन की समझ विकसित करेंगे और उन गतिविधियों का आलोचनात्मक अध्ययन करेंगे । यह समस्त विवरण तृतीय सेमेस्टर में कक्षा शिक्षण को प्रभावी बनाने में सहायक होगा । इस हेतु छात्राध्यापक को चयनित विषय शिक्षण से संबन्धित 5 एवं अन्य विषय से संबन्धित 10 कक्षा अवलोकन करना होगा । जिसकी रिपोर्ट निम्न सारणी के द्वारा अपनी समझ को विस्तार करके लिखना होगा -

कक्षा ..... विषय ..... दिनांक .....

नियमित शिक्षक/अतिथि शिक्षक/छात्राध्यापक का नाम .....

1. शिक्षक निर्धारित समय पर कक्षा में उपस्थित हुए। हाँ/नहीं
2. शिक्षक द्वारा अपनाई जा रही शिक्षण पद्धति । ..... परम्परावादी/निर्माणवादी.....
3. शिक्षक द्वारा उपयोग की गई नवाचारी पद्धति का नाम – ABL/ALM/ सह-अध्यापन (Co-Teaching)/ अन्य .....
4. क्या समूह निर्माण प्रक्रिया कक्षा शिक्षण के दौरान अपनाई गई है? हाँ/नहीं
   यदि हाँ तो कितने समूह बनाये गये और प्रत्येक समूह में करवाई गई गतिविधियों को लिखें?
   .....
5. क्या शिक्षक द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग किया गया है? हाँ/नहीं

   यदि हाँ तो अधिगम सामग्री का नाम लिखे । .....
6. प्रयुक्त शिक्षण अधिगम सामग्री किस प्रकार की थी? स्वनिर्मित/तैयार सामग्री/परिवेश आधारित
   .....
7. क्या अधिगम सामग्री का उपयोग बच्चों द्वारा किया गया ? हाँ/नहीं
   यदि हाँ तो इससे विषयवस्तु की अवधारणा किस प्रकार स्पष्ट हो रही थी। अपनी टिप्पणी लिखे -
   .....
8. क्या बच्चे कक्षा में प्रश्न पूछ रहे थे?

यदि हाँ तो बच्चों द्वारा कौन-कौन से प्रमुख प्रश्न पूछे गये?

(अ).....

(ब) .....

(क).....

9. शिक्षक द्वारा बच्चों की जिज्ञासा एवं अधिगम को किस प्रकार स्थायित्व प्रदान किया गया? विस्तार से लिखें?

.....

क्या शिक्षक कक्षा में धीमी गति से सीखने वाले बच्चों को समय दे पा रहे थे? ... . हाँ/नहीं

यदि हाँ तो कमजोर व धीमी गति से सीखने वाले बच्चों के लिये क्या विशेष व्यवस्था की गई है ? विस्तार से लिखें ?

.....

क्या बच्चों को नियमित गृहकार्य/प्रोजेक्ट कार्य दिया जा रहा हैं?..... हाँ/नहीं

10. क्या बच्चों के गृहकार्य/प्रोजेक्ट कार्य पूरा चर्चा की गई? ……. हाँ/नहीं
11. क्या बच्चों के गृहकार्य/प्रोजेक्ट कार्य को जाँचकर मौखिक/लिखित फीडबैक दिया जाता हैं ? हाँ/नहीं
12. शिक्षक द्वारा कक्षा शिक्षण के दौरान अभ्यास पुस्तिका में कौन-कौन सी गतिविधि करवाई गई ? लिखें। .....
13. शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण का स्वमूल्यांकन किया गया? …….. हाँ/नहीं

    यदि हाँ तो किस प्रकार लिखें ? .....
14. उपरोक्त कक्षा अवलोकन के पश्चात कक्षा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से संबंधित आपके व्यावहारिक ज्ञान में कितनी वृद्धि हुई? विस्तार से लिखें

    .....

प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर (सील सहित)

नाम : .....

संस्था का नाम : - .....

दिनांक :- .....

छात्राध्यापक के हस्ताक्षर .....

नाम : .....

संस्था का नाम : - .....

दिनांक :- .....

2. विद्यालय परिवेश एवं अन्य गतिविधियों का अवलोकन

विद्यालय में कक्षा अवलोकन से शेष समय के दौरान छात्राध्यापक द्वारा विद्यालय की प्रार्थना सभा, विद्यालय के बारे में सामान्य जानकारी ,भौतिक पक्ष,अकादमिक पक्ष एवं अन्य गतिविधियों का अवलोकन भी किया जाएगा। इस अवलोकन के विवरण को अन्य रिपोर्ट के रूप में अध्येता प्रस्तुत करेंगे।

विद्यालय का नाम - ..... क्षेत्र -.....

जनशिक्षा केन्द्र - ..... विकासखण्ड-..... जिला-.....

संकुल केन्द्र- ..... अवलोकन दिनांक- .....

प्रार्थना सभा अवलोकन प्रपत्र

विद्यालय का नाम ..... दिनांक.....

1. प्रार्थना सभा का आयोजन नियमित होता है ..... हाँ/नहीं
2. प्रार्थना सभा में पचांग(कैलण्डर) का क्या नियमित वाचन होता है।

   (हिन्दी माह एवं अंग्रेजी माह सहित) हाँ/नहीं

3. प्रार्थना सभा का प्रारंभ होता है ..... राष्ट्रीय गीत/सरस्वती वंदना/अन्य
4. विद्यालय में सरस्वती वंदना होती है। हाँ/नहीं
5. क्या प्रार्थना सभा में सुविचार/अमृत वचन बोले जाते हैं? हाँ/नहीं
6. समाचारों का वाचन नियमित होता है।
   यदि हाँ तो, समाचारों का क्रम किस प्रकार होता है संख्यामें अंकित करें।
   स्थानीय, प्रादेशिक (राज्य स्तर), राष्ट्रीय स्तर, खेल, समाचार, अंतरराष्ट्रीय समाचार, भौगोलिक समाचार।
7. क्या प्रार्थना सभा में देशभक्ति/प्रेरणा गीत गाया जाता है - हाँ/नहीं
   यदि हाँ, तो कौन सा देशभक्ति गान ..... प्रेरणा गीत .....
8. प्रार्थना सभा में बच्चों के जन्मदिन का कार्यक्रम शामिल है ..... हाँ/नहीं
   यदि हाँ तो दिनांक..... को कुल ..... बच्चों का जन्म दिन अभिनन्दन किया गया।

बच्चों के नाम कक्षा

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

9. प्रार्थना सभा में योग/ध्यान क्रियाएं शामिल हैं..... हाँ/नहीं
10. क्या प्रार्थना सभा के अंत में सामूहिक जयघोष किया जाता है..... हाँ/नहीं
11. प्रार्थना सभा में प्रधानाध्यापक/ शिक्षकों द्वारा प्रेरक संदेश दिया जाता है। हाँ/नहीं
12. विद्यालय समय समापन होने पर राष्ट्रगान का आयोजन किया जाता है। ..... हाँ/नहीं

विद्यालय प्रमुख के हस्ताक्षर (सील सहित)
नाम : .....
संस्था का नाम : - .....
दिनांक:- .....

छात्राध्यापक के हस्ताक्षर .....
नाम : .....
संस्था का नाम : - .....
दिनांक:- .....

(अ) सामान्य जानकारी

1. विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रभारी का नाम .....
2. विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की कुल संख्या.....
   अ) पदस्थ शिक्षक ..... (ब) अतिथि शिक्षक .....
3. स्टॉफ उपस्थिति – कुल .....(अ) पदस्थ शिक्षक .....(ब) अतिथि शिक्षक .....
4. कक्षावार उपस्थिति –

कक्षा	दर्ज			उपस्थिति			अनुपस्थिति		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
6									
7									
8									
9									
10									
11									
12									

7 विद्यालय में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की कुल संख्या.....

(अ) बालक .....

(आ) बालिका .....

(ब) भौतिक पक्ष –

1. विद्यालय भवन ..... शासकीय भवन / किराये पर

2. विद्यालय में बाउण्ड्रीवाल ..... हाँ/नहीं

3. विद्यालय में सूचना पटल है..... हाँ/नहीं

4. सूचना पटल पर विद्यालय संबंधित सूचनाएं प्रदर्शित है..... उपलब्ध /अनुपलब्ध/अस्थाई व्यवस्था

5. कक्षाओं में ग्रीन्ब्लैक बोर्ड..... उपलब्ध /अनुपलब्ध/अस्थाई व्यवस्था

6. प्रधानाध्यापक कक्ष ..... उपलब्ध /अनुपलब्ध/अस्थाई व्यवस्था

7. प्रधानाध्यापक हेतु फर्नीचर/कुर्सी टेबल ..... उपलब्ध /अनुपलब्ध/अस्थाई व्यवस्था

8. स्टॉक हेतु बैठक व्यवस्था ..... उपलब्ध /अनुपलब्ध/अस्थाई व्यवस्था

9. स्टॉक हेतु कुर्सी टेबल..... उपलब्ध /अनुपलब्ध/अस्थाई व्यवस्था

10. कक्षाओं में बच्चोंके बैठक की व्यवस्था ..... फर्नीचर /टाटपट्टी/दरी/चटाई

11. कक्षा में बच्चों की संख्या के आधार पर बैठक व्यवस्था ..... पर्याप्त/अपर्याप्त

12. कक्षाओं का आकार बच्चोंकी संख्या के अनुसार..... पर्याप्त/अपर्याप्त

13. विद्यालय में बिजली एवं पंखे की व्यवस्था ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

14. पीने के पीने की व्यवस्था ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

15. पीने के पानी के संग्रह का साधन..... मटका/स्टील टंकी/सीमेन्ट टंकी/ बोरिंग

16. विद्यालय में अभिलेखों को संसाधन..... पेटी/अलमारी/खुली रैंक/टेबल रेफ/कोई अन्य साधन

17. विद्यालय में मध्यान्ह भोजन हेतु किचन रोड..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

18. मध्यांह भोजन बनाने हेतु बर्तन..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

19. मध्यान्ह भोजन खिलाने हेतु बर्तन…… उपलब्ध/अनुपलब्ध

21. विद्यालय में खेल सामग्री ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

21. विद्यालय में खेल सामग्री ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

22. विद्यालय में उपलब्ध खेल सामग्री का नाम .....

23. विद्यालय में रैम्प की सुविधा ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

24. शिक्षण सहायक सामग्री की उपलब्धता ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

25. कक्षा-कक्षा में टी.एल.एम. सामग्री ..... प्रदर्शित/संधारित/दोनों

26. कक्षा-कक्ष में टी.एल.एम. सामग्री ..... शिक्षक या बच्चों द्वारा स्वनिर्मित/तैयार सामग्री/दोनों

27. विद्यालय में कम्प्यूटर की उपलब्धता ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

28. विद्यालय में रेडियों की उपलब्धता ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

29. विद्यालय में घंटी की व्यवस्था ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

30. विद्यालय में शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध/अनुपलब्ध

31. शौचालय स्टॉफ हेतु अलग से है- ..... हाँ/नहीं

32. बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय है ..... हाँ/नहीं

33. विद्यालय में गणित/विज्ञान कि किट हैं ..... हाँ/नहीं

34. सफाई कर्मी : ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध

- विद्यालय में सफाई व्यवस्था ..... उपलब्ध/अनुपलब्ध
- विद्यालय परिसर साफ-सुधरा है..... हाँ/नहीं
- बच्चे साफ कपडों में आते हैं ..... हाँ/नहीं

- बच्चे के नाखून कटे हुए हैं..... हाँ/नहीं
- बच्चे हाथ धोकर मध्यान्ह भोजन करते हैं ..... हाँ/नहीं
- पीने के पानी के बर्तन साफ व स्वच्छ हैं ..... हाँ/नहीं
- शौचालय में पानी की व्यवस्था है ..... हाँ/नहीं

(स) अकादमिक पक्ष

1. विद्यालय में समय-सारणी की व्यवस्था ..... स्थाई निर्मित/सुविधानुसार/परिवर्तनशील

2. विद्यालय अवलोकन के दौरान विद्यालय का संचालन हो रहा था ....
स्थाई समय सारणीनुसार/सुविधाअनुसर/परिवर्तनशील समय सारणीनुसार

3. विद्यालय का प्रारंभ नियमित प्रार्थना से होता है ..... हाँ/नहीं

4. प्रार्थना सभा में सभी बच्चे व स्टॉफ नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं ..... हाँ/नहीं

5. क्या सभी छात्र गणवेश में आते हैं ..... हाँ/नहीं

6. बच्चों के गणवेश में न आने का कारण ..... गणवेश गंदी/फट गई/गणवेश नहीं है

7. विद्यालय अवलोकन के दौरान पाठ्य सहगामी क्रियाओं का

आयोजन होता है पाया गया ..... हाँ/नहीं

8. कौन-कौन सी पाठ्य-सहगामी क्रियाओं के आयोजन का अवलोकन किया गया।

1.
2.
3.
4.
5.

9. पाठ्य-सहगामी क्रियाओं के स्तर पर अवलोकनकर्ता के रूप में आपकी टिप्पणी –

(अ) सामान्य (ब) सामान्य के कम (क) उत्कृष्ट

10. क्या बच्चों को नियमित गृहकार्य दिया जाता है ? .... हाँ/नहीं । यदि हाँ तो पाठ्यपुस्तकों की स्थिति कटी-फटी/साफ/साफ-स्वच्छ/सामान्य /कवर सहित।

12. विद्यालय अवलोकन के दौरान बच्चों के साथ गतिविधियों के दौरान कौन-कौन से व्यक्तिगत सामाजिक गुणों को विकसित किया गया..... नियमित समयवद्धता/स्वच्छता/अनुशासन/सहयोग की भावना/पर्यावरण के प्रति संवेदनाशीलता नेतृत्व की क्षमता/ईमानदारी/सहभागिता/कर्तव्यनिष्ठ

13. विद्यालय में किन-किन कार्यक्रमों में समुदाय की सहभागिता परिलक्षित होती है। उपलब्ध रिकार्ड एवं कार्यक्रम के फोटोग्राफ के आधार पर लिखे .....

14. शिक्षक पालक संघ की नियमित बैठक होती है।..... हाँ/नहीं

15. 2 अक्टूबर/14 नवम्बर/15 अगस्त एवं 26 जनवरी के कार्यक्रम होते हैं उपलब्ध रिकार्ड एवं फोटोग्राफ के आधार पर ..... हाँ/नहीं

16. विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के द्वारा नियमित जांच होती है..... हाँ/नहीं

17. क्या विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा अनुपस्थित बच्चोंको विद्यालय में लाने के लिए प्रयास किया गया ..... हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो कितने बच्चों का। .....

18. शिक्षक द्वारा बच्चों के पालकों से चर्चा की गई है (रिकार्ड अवलोकन) ..... हाँ/नहीं
यदि हाँ तो कब की गई, दिनांक .....

19. क्या विद्यालय में प्रत्येक बच्चे का फोर्टफोलियो संघारित किया गया है..... हाँ/नहीं

20. क्या विद्यालय का एकडोनल रिकार्ड उपलब्ध है ..... हाँ/नहीं

21. क्या विद्यालय में ऑलराडण्डर (उत्कृष्ट) बच्चों के नाम सूचना पटल पर प्रदर्शित है ..... हाँ/नहीं

22. क्या बच्चों को यूनीफार्म/साइकिल/छात्रवृत्ति का वितरण हो रहा है? ..... हाँ/नहीं

विद्यालय प्रमुख के हस्ताक्षर (सिल सहित)	छात्राध्यापक के हस्ताक्षर .....
नाम :.....	नाम:.....
संस्था का नाम :.....	संस्था का नाम :.....
दिनांक :.....	दिनांक :.....

3. पाठ्य सहगामी क्रिया का आयोजन एवं प्रबंधन

इसके अंतर्गत छात्राध्यापकों को पाठ्य सहगामी क्रिया क्या होती है, इसकी आवश्यकता एवं महत्व, पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रकार, उनका आयोजन एवं प्रबंधन कैसे करते हैं? इन बिन्दुओं पर लिखना है। किन्हीं पाँच पाठ्य सहगामी क्रियाओं को अपने विद्यालय में आयोजित कराके उनकी रिपोर्ट तैयार करनी है –

1. पाठ्य सहगामी क्रियाएँ
2. आवश्यकता एवं महत्व
3. पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रकार
4. आयोजन
5. प्रबंधन

पाठ्य सहगामी क्रियाएँ –

शिक्षा समाज में, समाज के द्वारा समाज के लिए दी जाती है। शिक्षक और समाज का घनिष्ठ संबंध है। शिक्षा समाज में परिवर्तन लाने का सार्थक एवं सशक्त साधन है। शिक्षा की प्रक्रिया के द्वारा ही नए युवकों में ऐसे गुणों का विकास किया जा सकता है जो स्वस्थ समाज के लिए वांछनीय है। बालक के सर्वांगीण विकास हेतु निम्न पक्षों के विकास आवश्यक हैशारीरिक -, मानसिक, सामाजिक और भावात्मक विकास। पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विषयों के शिक्षण में छात्रों के ज्ञानात्मक पक्ष का विकास अधिक होता है। लेकिन भावात्मक और क्रियात्मक पक्षों का विकास नहीं हो पाता इसलिए इन पक्षों के विकास के लिए पाठ्य सहगामी क्रियाओं का सहारा लिया जाता है। विद्यालयों में आज हम इन क्रियाओं को शिक्षा पद्धति का महत्वपूर्ण अंग स्वीकार करते हैं। पाठ्यक्रम का आज जब विकसित अर्थ लिया जाता है तो समुचित विकास के लिए इन सहगामी क्रियाओं को पाठ्यक्रम में उचित स्थान देना आवश्यक है।

पाठ्य सहगामी क्रियाएं छात्रों को अच्छा नागरिक बनने का प्रशिक्षण देती हैं। ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को स्कूल में व्यस्त रखती है। पाठ्य सहगामी क्रियाएं शिक्षण में श्रेष्ठ स्थान रखती है और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में पूराक्षमता से आगे निकलकर विकास करता पूरा योगदान देती है। इनमें शामिल होकर छात्र अपने गुणों की है। उनमें आत्मनिर्भरता आती है। वे किसी भी कार्य को पूर्ण करने के लिए सक्षम बनते है।

पाठ्य सहगामी क्रियाएं की उपयोगिताएवं महत्व

- इनसे छात्रों में नागरिक के गुणों के विकास हेतु अवसर प्रदान किया जाते है।
- छात्रों में नेतृत्व के गुणों का विकास होता है।
- छात्रों को नवीन प्रकार की अभिरुचियों के विकास के लिए अवसर मिलते है।

- पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत छात्रों में समाजीकरण होता होता है।
- इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।
- सभी को अपनी प्रतिभा दिखाने के समान अवसर मिलते है।
- किसी भी गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों में आपस में सामाजिक अंतर्क्रिया होती है, जिनसे उन्हें आपस में बहुत कुछ सीखने के अवसर प्राप्त होते है।
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास होता है।
- उनमें पारस्पारिक सहभागिता का विकास होता है ।
- उनमे सीखने की रूचि उत्पन्न करता है ।
- समूह अधिगम में सहायक होता है ।

पाठयक्रम गतिविधियाँ के आयोजन में शिक्षक की भूमिका

1. शिक्षक को एक अच्छा योजनाकार होना चाहिए ताकि विभिन्न गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा किया जा सके।
2. शिक्षक का कर्तव्य होना चाहिए कि वह पाठयक्रम गतिविधियों प्रदर्शन करते हुए बच्चों को अधिक से अधिक अवसर दे।
3. शिक्षक को एक अच्छा आयोजक होना चाहिए ताकि छात्रों को गतिविधियों के बारे में अधिक से अधिक लाभ मिल सके ।

पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रकार–

पाठ्य सहगामी क्रियाएँ निम्नलिखित प्रकार की होती हैं -

1. सामूहिक परेड
2. कबड्डी
3. खो-खो
4. हाथ गेंद
5. लंबी पैदल यात्रा
6. सामूहिक प्रार्थना
7. सुबह की सभा
8. पड़ोस में समाज सेवा
9. गांव सर्वेक्षण
10. वालीबाल
11. सामूहिक ड्रिल
12. योग
13. व्यायाम
14. साइकिल चलाना
15. बागवानी

16. क्रिकेट
17. फ़ुटबॉल
18. बास्केटबाल

इंडोरसह पाठयक्रम गतिविधिओं की सूची

1. नाटक
2. संगीत और नृत्य
3. चित्रांकन और रंगाई
4. सजावट
5. क्ले मॉडलिंग
6. प्राथमिक चिकित्सा
7. सिलाई
8. रंगोली
9. बुक बाइंडिंग
10. कार्ड बोर्ड काम
11. चमड़े का काम
12. आयोजन स्कूल पंचायत
13. कला और शिल्प

आयोजन – पाठ्य सहगामी क्रिया को आयोजित करने में छात्राध्यापकों को प्रारम्भ से अंत तक किए गए कार्यों का उल्लेख करना है। जैसे –

1. सूचना निकालना
2. दिनाँक एवं स्थान का चयन
3. प्रतियोगियों के नाम
4. प्रतियोगिता के नियम
5. निर्णायक मण्डल का चयन
6. निर्णायकों को सूचना देना
7. परिणाम का रिकार्ड बनाना
8. समाचार पत्र में सूचना भेजना

प्रबंधन – इसके अंतर्गत प्रतियोगिता कराने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा समिति गठन के उपरांत उसकी बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें प्रतियोगिता का दिनाँक ,समय ,एवं स्थान निर्धारित किया जाएगा और सदस्यों के कार्य का विभाजन किया जाएगा। प्रतियोगिता की सम्पूर्ण तैयारी के साथ नियम बनाना ,आयोजन करना , इसकी रिपोर्ट तैयार करना एवं अंत में कार्यक्रम के बाद समीक्षा बैठक आयोजित करना कि कार्यक्रम कितना सफल रहा एवं इसमें क्या–क्या कमियाँ रहीं उनको लिखना।

4. विद्यालय दैनिकी अवलोकन प्रतिवेदन

विद्यालय संपर्क कार्यक्रम के दौरान सभी अध्येताओं से यह अपेक्षित है कि वे विद्यालयदैनन्दिनी का निर्माण करेंगे जिसमें वे अपने अनुभवों, विचारों, भावनाओं एवं विद्यालय में घटितप्रसंगों एवं घटनाओं का विवरण तिथिवार नियमित रूप से लिखेंगे। अध्येता प्रत्येक विद्यालय कार्य दिवस के उपरांत पूरे दिन की गतिविधियों पर गहन विचार, आत्म-मंथन एवं आत्म विश्लेषण करके अपने अनुभवों का दैनिकी में उल्लेख करेंगे ।यह अभ्यास प्रतिदिन बिना विलम्ब किया जाना चाहिए ताकि घटनाएं विस्मृत न हों। इसके लिए अध्येता को रोज़ 15 से 30 मिनट का समय देना होगा। इसमें अध्येता निम्नलिखित बिन्दु ओं घटनाओं या अनुभवों को शामिल कर सकते हैं/

- उन्होंने पूरे दिन में किन गतिविधियों में सहभागितादी?
- उसने पूरे दिन में क्या- क्या किया ?
- किस प्रकार किया ?
- क्या उसे करने का कोई और बेहतर तरीका हो सकता है?
- आगे चलकर वे इनमें किस तरह से और किस प्रकार के सुधार लाना चाहेंगे?
- उन्होंने क्या कुछ नया सीखा?
- कोई ऐसी घटना या प्रसंग जो उन्हें अलग या सीखने योग्य लगा।
- अपने साथी अध्येताओं, शिक्षक, विद्यालय के अध्यापक, विद्यार्थी आदि के साथ हुए वार्तालाप या सम्प्रेषण से जनितसृजित अनु/भव, भावनाएं एवं विचार,
- शैक्षिक सिद्धांतों एवं यथार्थ संकल्पनाओं के समन्वय अथवा भेद से उत्पन्न भाव एवं विचार आदि

नयी अवधारणाओं कोसमावेशित करने एवं विद्यालय में विद्यमान जटिल वास्तविकताओं के साथ परस्पर सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास कर रहे अध्येताओं के लिए यह एक उपयोगी अभ्यास सिद्ध होगा। इससे उनमें आत्म-मूल्यांकन का कौशल विकसित होता है इसके द्वारा उनकी कार्य शैली प्रखर एवं परिष्कृत होगी।

अध्येता अपनी दैनिकी में दर्ज़ पूर्व प्रविष्टियों एवं विचारों का समयसमय पर पुनरावलोकन करेंगे| इससे वे अपने विचारों एवं समझ की प्रगति का निरीक्षण, मूल्यांकन तथा सराहना करने में सक्षम होंगे| इस प्रतिवेदन को छात्राध्यापक द्वारा निम्नलिखित बिन्दुओं के अनुसार विस्तृत रूप से लिखा जाएगा -

नाम छात्राध्यापक ----------

विद्यालय का नाम ----------

सत्र ----------

1. विद्यालय गतिविधियों में सहभागिता का विवरण |
2. दिनभर में क्या –क्या कार्य किये ?
3. किये गए कार्यों को किस प्रकार किया ?
4. इन कार्यों को करने का कोई बेहतर तरीका हो तो लिखिए |
5. आप इन कार्यों में आगे चलकर क्या सुधार करना चाहेंगे?
6. आपने आज क्या नया सीखा ?
7. कोई ऐसी घटना या प्रसंग जो आप को सीखने योग्य लगा |
8. अपने साथी ,शिक्षक , विद्यार्थी आदि से बातचीत से प्राप्त अनुभव, विचार |
9. शैक्षिक सिद्धांतों एवं यथार्थ संकल्पनाओ के समन्वय अथवा भेद से उत्पन्न भाव एवं विचार|

❖

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,Wardha
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम(शिक्षा- 031)
एवं
विषय शिक्षा (प्रायोगिक) (शिक्षा- 032)
मार्गदर्शक एवं प्रारूप पुस्तिका

तृतीय सेमेस्टर (2016-18)



अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम

शिक्षा स्नातक (बी.एड.) मुक्त एवं दूर शिक्षा

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)

मार्गदर्शक

प्रो.गिरीश्वर मिश्र
कुलपति
म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

प्रो.आनंद वर्धन शर्मा
प्रतिकुलपति
म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

प्रो. अरबिंद कुमार झा
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

सलाहकार मंडल

डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2015-17),
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

डॉ. शिरीष पाल सिंह
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2016-18),
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

श्री ऋषभ कुमार मिश्रा
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2015-17),
दूरशिक्षा निदेशालय,म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

सुश्री सारिका राय शर्मा
समन्वयक- बी.एड.पाठ्यक्रम(2016-18),
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

निर्माण समिति

डॉ. गुणवंत सोनोने
सहायक प्राध्यापक,
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

डॉ. आदित्य चतुर्वेदी
सहायक प्राध्यापक,
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

डॉ. समीर कुमार पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक,
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

श्री ब्रम्हा नन्द मिश्र
सहायक प्राध्यापक,
दूर शिक्षा निदेशालयम. गां. अं. हिं. वि., वर्धा

विद्यालय अनुभव क्रार्यक्रम (इंटर्नशिप)

1 परिचय :

शिक्षक- शिक्षा एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें व्यवसायिक रूप से शिक्षकों को तैयार किया जाता है। "इंटर्नशिप" शिक्षक-शिक्षा का एक महत्वपूर्ण क्रियात्मक भाग है जिसमें छात्राध्यापक व्यवसायिक रूप से शिक्षण की ऊचाइयों तक पहुंचने का प्रयास करता है।

कोठारी आयोग (1964-66) के अनुसार शिक्षण में गुणवत्ता सुधार के लिए शिक्षकों को बतौर पेशेवर तैयार करना अत्यन्त जरूरी है।

2. विद्यालय अनुभव कार्यक्रम (इंटर्नशिप) की आवश्यकता :

विद्यालय शिक्षा की बदलती हुई आवश्यकताओं के सन्दर्भ में प्रचलित अध्यापन-अभ्यास, क्षेत्र-अनुभव, शाला अनुभव कार्यक्रम आदि औपचारिकता मात्र रह गये है। पाठ-योजनाएं संख्यापूर्ण होने तक केन्द्रित रहती है जो संकीर्ण उद्देश्यों की पूर्ति मात्र कर रही है। पाठ योजनाएं वास्तविक चिन्तन के अभाव में केवल मशीनीकृत रूप से बनाई जाने लगी है। शिक्षक-शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर दिन-प्रतिदिन घटता जा रहा है।

NCFTE (2009) द्वारा शाला इंटर्नशिप कार्यक्रम को इस प्रकार आयोजित करना है जिसमें प्रशिक्षु (इंटर्न) अपने अनुभवो के आधार पर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया करवा सके, साथ ही वह शाला समुदाय व परिवेश से निरन्तर सीखता रहे और उसमें स्वतंत्र चिन्तन की क्षमता विकसित हो सके।

3. इंटर्नशिप कार्यक्रम का महत्व :

इस कार्यक्रम के द्वारा भावी शिक्षक अपने व्यवसाय से परिचित होते है, उन्हें विद्यालय की वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव प्राप्त होता है। छात्राध्यापक सीधे कक्षा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से जुड़ता है जिसमें उसकी अंत दृष्टि विकसित होती है वह अपने कार्यों का स्वमूल्यांकन कर आगामी शिक्षण कार्ययोजना बनाता है इससे विद्यार्थियों को अधिगम के अधिक अवसर प्रदान होगे, विद्यार्थियो से प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्राप्त कर अपने अधिगम अनुभव के आधार पर अधिक से अधिक सीखने का प्रयास करता है। जिसका प्रभाव उसके शिक्षण कार्य पर दिखाई देता है इस प्रकार यह कार्यक्रम छात्राध्यापकों को एक योग्यताधारी एवं व्यावसायिक रूप से भावी शिक्षक बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

4. उद्देश्य :

1. सीखने-सीखाने की प्रक्रिया तथा छात्रों की गतिविधियों का शाला अवलोकन करना।

2. विद्यार्थियो की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को जानना, जिससे उनसे बातचीत की जा सके।

3. शिक्षण-प्रक्रिया में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन को विभिन्न तरीकों को समझना।

4. विद्यालय के प्रभावी प्रबंधन व संचालन को समझना।

5. विद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों को समझना।

विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विद्यालय रूपी संस्था में एक नव प्रशिक्षु के रूप में प्रत्यक्ष सहभागिता करने का अवसर दिया जाएगा। इस दौरान वे न केवल शिक्षण कार्य करेंगे बल्कि शिक्षक के अन्य दायित्वों जैसे- विद्यालयी अभिलेखों का निर्माण एवं रख-रखाव, पाठ्यसहगामी गतिविधियों का आयोजन एवं संचालन, पाठ्यचर्या का विद्यालयी स्तर पर अनुकूलन एवं नवाचार और सामुदायिक सहभागिता के कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम उनके अनुभवों का संवर्धन करेगा और उन्हें उनकी भावी भूमिका के लिए तैयार भी करेगा। इस दौरान संकाय सदस्यों और सम्बंधित विद्यालयों के अध्यापकों द्वारा अध्येताओं का मार्गदर्शन किया जाएगा। चूँकि लिखना अनुभवों के सम्प्रत्ययीकरण और मनन का अवसर देता है। इस कारण विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम के दौरान किए गए प्रत्येक कार्य की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करनी होगी। इस पूरे कार्यक्रम के लिए सतत एवं आन्तरिक मूल्यांकन को आकलन का प्रारूप बनाया जाएगा। किसी बाह्य परीक्षा के बजाय उनकी सतत प्रगति का नियमित और चक्रीय पर्यवेक्षेकों द्वारा आकलन होगा। इस कार्यक्रम का प्रारूप इस प्रकार है –

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम एवं विषय शिक्षा(प्रायोगिक) - 20 क्रेडिट			
क्र.सं.	***विद्यालय शिक्षण अनुभव कार्यक्रम एवं **विषय शिक्षा (प्रायोगिक)**	**क्रेडिट**	**अंक**
1.	सूक्ष्म पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन	02 क्रेडिट	50
2.	पाठयोजना - निर्माण	02 क्रेडिट	50
3.	पाठयोजना - क्रियान्वयन	02 क्रेडिट	50
4.	उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट	01 क्रेडिट	25
5.	प्रकरण अध्ययन	02 क्रेडिट	50
6.	क्रियात्मक अनुसंधान	02 क्रेडिट	50
7.	विद्यालय अभिलेखों का विवरण एवं प्रस्तुति	02 क्रेडिट	50
8.	मनोविज्ञान प्रयोगात्मक	02 क्रेडिट	50
9.	समुदाय के साथ अंतर्क्रिया(रिपोर्ट)	01 क्रेडिट	25
10	सत्रांत शिक्षण (अंतिम पाठ योजना प्रस्तुतीकरण, मौखिक परीक्षा, रिपोर्ट अवलोकन)	04 क्रेडिट	100
	कुल	**20 क्रेडिट**	**500**

1. सूक्ष्म शिक्षण - शिक्षण कौशल, उपयोगिता, सूक्ष्म पाठ योजना (02 क्रेडिट)

सूक्ष्म शिक्षण :

शिक्षकों के शिक्षण कौशल विकास हेतु अपनाई जाने वाली प्रक्रिया है जिसमें छात्राध्यापक एक समय में एक कौशल का शिक्षण कार्य करते है और प्राप्त प्रतिपुष्टि (फीड बैक) के आधार पर अपने कौशल में परिवर्तन लाते है यह प्रक्रिया जब तक चलती रहती है जबतक कि उसका वह कौशल पूर्वत: विकसित न हो जाये। इसके अन्तर्गत छोटी विषय वस्तु कम विद्यार्थियो (6-10 छात्र) और कम समय (5-7 मिनिट) में पढ़ाई जाती है।

इस कार्यक्रम के दौरान अध्येता 5 शिक्षण कौशल के सूक्ष्म पाठ योजना बनायेगा और कक्षा में शिक्षण करेगा, प्राप्त प्रतिपुष्टि से अपनी योजना में संशोधन कर पुन: पाठ योजना बनायेगा यह कार्यक्रम एक सप्ताह चलेगा।

उद्देश्य :

1. शिक्षण कौशल की जानकारी देना।
2. शिक्षण कौशलों का विकास करना।
3. सूक्ष्म पाठ योजना को बनाना एवं सीखाना ।
4. सूक्ष्म पाठ योजना का अवलोकन करना सीखना।
5. शिक्षण कौशल पर प्रतिपुष्टि प्रदान करना सीखना तथा अच्छा शिक्षक बनाना।

शिक्षण-कौशल का अर्थ व परिभाषा-

यदि एक अध्यापक आधारभूत शिक्षण-कला में पारगंत नही है तो छात्रों के व्यवहार में वांछित परिवर्तन लाने में सफल नहीं हो सकता। शिक्षण प्रकिया के दौरान शिक्षक अनेक प्रकार के व्यवहार करता है। कभी वह प्रश्न पूछता है, कभी किसी तथ्य की व्याख्या करता है, कभी श्यामपट्ट पर लिखता है तो कभी विद्यार्थियों को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। कक्षा में अध्यापक के ये सभी व्यवहार विद्यार्थियों को अनुक्रिया करने तथा सीखने में सहायक सिद्ध होते है। विद्यार्थियों द्वारा सीखने में सहायक अध्यापक के ये सभी व्यवहार ही शिक्षण-कौशल (Teaching Skills) कहलाते है।

मेकइन्टर तथा व्हाईट (Mcintyr and white) (1965) के अनुसार – "शिक्षण कौशल, शिक्षण व्यवहारों से सम्बन्धित वह स्वरूप है जो कक्षा की अन्त: क्रिया की उन विशिष्ट परिस्थितियों को उत्पन्न करता है जो शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायक होती है और छात्रों को सीखने में सुगमता प्रदान करती है।''

अर्थात् कक्षा कक्ष में शिक्षक के समस्त व्यवहार, क्रियांए जो विद्यार्थी को सीखने में सहायता प्रदान करती है तथा जो कक्षा कक्ष वातावरण को सहज, सरल, प्रभावी तथा सक्रिय बनाती है उन्हें शिक्षण कौशल कहते है।''

शिक्षण कौशलों के विकास की आवश्यकता-

शिक्षक-शिक्षा में शिक्षण कौशलों के विकास का विशेष महत्व है ताकि प्रभावी शिक्षक तैयार किए जा सके। अभ्यास एवं प्रशिक्षण के द्वारा इन कौशलों का विकास किया जा सकता है। शिक्षण-कौशलों के विकास को निम्नलिखित कारणों से आवश्यक माना जाता है –

1. कक्षा अन्तर्क्रिया की समुचित परिस्थिति उत्पन्न करते है।
2. विद्यार्थियों के सीखने में सहायता एवं सुगमता प्रदान करते है।
3. शिक्षण-उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है।
4. शिक्षण-विधि को प्रभावी तथा सफल बनाते है।
5. कक्षा के वातावरण को सरल एवं प्रभावी बनाते है।
6. अध्यापकों को सतत् मूल्यांकन के अवसर प्रदान करने में सहायक होते है।
7. अध्यापक के व्यवहार में संशोधन तथा व्यवहार के विकास में सहायक है।
8. शिक्षकों की कार्यकुशलता में वृद्धि करते है।

महत्वपूर्ण शिक्षण कौशल निम्नलिखित है -

1. अनुदेशन उद्देश्यों को व्यावहारिक रूप में लिखना।
2. विषय वस्तु का चयन एवं संगठन
3. अनुदेशन सामग्री का चयन एवं संगठन
4. विन्यास प्रेरण
5. प्रश्नों की प्रवाहशीलता
6. व्याख्या कौशल

7. दृष्टांत देना

8. उद्दीपन परिवर्तन

9. श्यामपट्ट का प्रयोग

10. मौन एवं अशाब्दिक अन्तःक्रिया

11. पुनर्बलन

12. खोजपूर्ण कौशल

13. अभिसारी प्रश्न

14. उच्चस्तरीय प्रश्न

15. छात्र सहभागिता वृद्धि

16. नियोजित पुनरावृत्ति

17. कक्षा प्रबन्ध

18. गृहकार्य देना

19. सम्प्रेषण पूर्णता

20. छात्र व्यवहारों का ज्ञान

21. विद्यार्थियों की प्रगति का मूल्यांकन

22. पाठ समापन

इनमें से **5** मुख्य शिक्षण कौशल को यहाँ समझाया जा रहा है इन्ही पर सूक्ष्म पाठ योजना बनानी है।

1. पुनर्बलन कौशल

पुनर्वलन कौशल में अध्यापक धनात्मक पुनर्बलकों का प्रयोग करता है ताकि छात्र अध्ययन में अधिकतम भाग ले सकें। धनात्मक पुनर्बलकों का अर्थ कक्षा में छात्रों का सहभाग बढ़ाने के लिए वांछित व्यवहार को मजबूत करना है। ऋणात्मक पुर्नबलकों का अर्थ कक्षा में सहभाग घटाने के लिए अवांछित व्यवहार को कमजोर करना है। पुर्नबलन कौशल में धनात्मक पुनर्बलकों का अधिक से अधिक प्रयोग तथा ऋणात्मक पुनर्बलकों के प्रयोग को घटाना शामिल है। इन घटकों का प्रयोग करते हुए छात्राध्यापक 6-8 मिनट की सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना दिये गये प्रारूप के अनुसार

बनायेंगे, उसका अवलोकन विद्यालय के प्रधानाध्यापक अथवा प्रशिक्षित शिक्षक करेगा तथा प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्रदान करेंगे।

घटक -

1. धनात्मक शाब्दिक पुनर्बलको का प्रयोग– अध्यापक के प्रसन्नता प्रकट करने वाले हाव-भाव जैसे-मुस्कराने, सिर हिलाने, प्रत्युत्तर देने वाले छात्रों की ओर देखना आदि।
2. अतिरिक्त शाब्दिक पुनर्बलकों का प्रयोग जैसे - हा-हा, अच्छा है, सही है इन सबका प्रयोग प्राय: अशाब्दिक पुनर्बलकों के साथ किया जाता है।
3. ऋणात्मक शाब्दिक पुनर्बलकों का प्रयोग- जैसे गलत, इसे रोको, यह ठीक नहीं है, नहीं-नहीं इत्यादि आते है।
4. ऋणात्मक अशाब्दिक पुनर्बलकों का प्रयोग- जब एक अध्यापक अपने प्रश्नों के प्रत्युत्तर में छात्र के अनुपयुक्त व्यवहार या गलत अनुक्रिया की असहमति प्रकट करता है तब ऋणात्मक अशाब्दिक व्याख्या का प्रयोग करता है। जैसे – भौंहे उठाना, असहमत दृष्टि से देखना, परेशानी से टहलना इत्यादि क्रियाएं सम्मिलित होती है। अध्यापन को जहाँ तक संभव हो इस प्रकार के व्यवहारों के प्रयोग के प्रति सचेत रहना चाहिए।

2. श्याम पट लेखन

कक्षा अध्यापन में दृश्य साधन में श्याम पट ही सर्वाधिक प्रयोग में लाया जाता है। श्याम पट का सही, उचित एवं विधिपूर्वक उपयोग पाठ को प्रभावशाली बनाने में बहुत सहायक होता है। शिक्षक को श्याम पट कार्य में पारंगत होना चाहिए ताकि वह इस साधन का कुशलतापूर्वक उपयोग कर पाठ को सफल और प्रभावी बना सके। अच्छा अध्यापक श्याम पट का सही एवं प्रभावी उप्योग करता है। इस कौशल के निम्नलिखित घटक होते है इनका उपयोग कर छात्राध्यापक सूक्ष्म पाठ योजना बनायेगा जिसका अवलोकन विद्यालय का प्रधानाध्यापक अथवा प्रशिक्षित शिक्षक करेगा और प्रतिपुष्ट (फीड वेक) देगा जिससे वह अपनी पाठ योजना में आवश्यक सुधार करेगा।

घटक

1. श्याम पट साफ करना
2. उचित लिखावट

3. मुख्य बिन्दुओं को रेखाकिंत करना
4. रेखा चित्र बनना
5. रंगीन चाक का उपयोग
6. शुद्ध एवं स्फट लिखना

3. उद्दीपन परिवर्तन

अध्यापन की सफलता का महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि शिक्षक छात्र के ध्यान को आर्कषित कर पाठ्य वस्तु पर केन्द्रित कराये रखे। इस प्रयोजन हेतु वह कभी-कभी अपनी जगह से चलकर श्याम पट के पास जाता है, कभी छात्रों के बीच जाता है और उन से प्रश्न करता है, कभी हाथो की सहायता से पढ़ाता है, और कभी चेहरे पर हाव भाव लाता है इस प्रकार विभिन्न उद्दीपन क्रियाओं द्वारा छात्रों को अपनी ओर आकर्षितकरता है और पाठ को प्रभावशाली बनाता है। इस कौशल के निम्नलिखित घटक होते है इनका उपयोग कर छात्राध्यापक सूक्ष्म पाठ योजना बनायेगा जिसका अवलोकन विद्यालय का प्रधानाध्यापक अथवा प्रशिक्षित शिक्षक करेगा और प्रतिपुष्ट (फीड बैक) देगा जिससे वह अपनी पाठ योजना में आवश्यक सुधार करेगा।

घटक -

1. शिक्षक संचलन
2. शिक्षक हाव भाव
3. वाक स्वरूप परिवर्तन
4. केन्द्रण
5. अन्त क्रिया शैली परिवर्तन
6. मौखिक दृश्य बदलाव
7. छात्र सहभागिता

4. दृष्टान्त कौशल

कई बार विद्यार्थियों को किसी अमूर्त विचार अथवा संप्रत्यय के विषय में समझाना बहुत कठिन हो जाता है। ऐसी स्थिति में किस प्रकार स्पष्ट रूप से वह संप्रत्यय समझायें इसके लिए उदाहरणों एवं दृष्टान्तों की सहायता लेनी पड़ती हैं। उदाहरण या दृष्टान्त ऐसी स्थितियों का विवरण होता है जिसमें उस संप्रत्यय का उपयुक्त प्रयोग किया गया हो या उससे से मिलती जुलती समस्या हो, इनकी सहायता से हम अपने सम्प्रत्यय को समझाने का प्रयास करते है। इस

कौशल के निम्नलिखित घटक होते है इनका उपयोग कर छात्राध्यापक सूक्ष्म पाठ योजना बनायेगा जिसका अवलोकन विद्यालय का प्रधानाध्यापक अथवा प्रशिक्षित शिक्षक करेगा और प्रतिपुष्ट (फीड बैक) देगा जिससे वह अपनी पाठ योजना में आवश्यक सुधार करेगा।

घटक -

1. साधारण/सुगम उदाहरण
2. प्रासंगिक उदाहरण
3. रोचकता उदाहरण
4. उचित माध्यम
5. छात्र सहभागिता

5. व्याख्या कौशल

व्याख्या एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी व्यक्ति में एक संप्रत्यय सिद्धान्त घटना के विषय में जो ज्ञान की कमी है उसे पूरा किया जाता है इसके लिए शिक्षक प्रकरण को विस्तार से समझाता है वह व्याख्या कड़यों, कठिन शब्दो का अर्थ बताकर, दृश्य श्रव्यसामग्री का प्रयोग कर एवं छात्र रुचि का ध्यान में रखकर समझाता है। यह अध्यापन कला का प्रमुख अंग है। इसलिए यह कौशल प्रत्येक शिक्षक का अच्छा होना चाहिए। इस कौशल के निम्नलिखित घटक होते है इनका उपयोग कर छात्राध्यापक सूक्ष्म पाठ योजना बनायेगा जिसका अवलोकन विद्यालय का प्रधानाध्यापक अथवा प्रशिक्षित शिक्षक करेगा और प्रतिपुष्ट (फीड वेक) देगा जिससे वह अपनी पाठ योजना में आवश्यक सुधार करेगा।

घटक -

1. प्रारंभिक कथन
2. व्याख्या कड़यों का प्रयोग
3. छात्र बोध को समझाना
4. कठिन शब्दो को समझाना
5. दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग
6. छात्र रुचि
7. समाप्ति कथन

2. पाठयोजना - निर्माण एवं क्रियान्वयन (04 क्रेडिट)

इस कार्यक्रम के दौरान अध्येता सप्ताह में छ: दिन विद्यालय जाएंगें। इस दौरान वे चयनित विषय की कम से कम दो पाठ योजना प्रतिदिन क्रियान्वित करेंगे। नियमित शिक्षकों के साथ उनकी उपस्थिति में और उनके मार्गदर्शन में शिक्षण करेंगे। वे पाठयोजना के निर्माण एवं क्रियान्वयन के संदर्भ में विषय विशेषज्ञ संकाय सदस्यों से मदद लेंगे। कक्षा शिक्षण का यह क्रार्यक्रम छ: माह तक चलेगा।

प्रत्येक अध्येता को न्यूनतम **20** पाठ योजनाएं बनाना और पढ़ाना होगा। पाठ योजनाओं का पर्यवेक्षण पर्यवेक्षक/मार्गदर्शक द्वारा किया जायेगा।

किसी भी माध्यमिक विद्यालय का प्रधानाध्यापक अथवा प्रशिक्षित शिक्षक जिसके पास संबंधित विषय में कम से कम तीन वर्षों का शिक्षण अनुभव हो, को अध्येता की पाठ योजनाओं एवं अन्य संबंधित क्रियाकलापों का पर्यवेक्षक/मार्गदर्शक नियुक्त किया जा सकता है।

अध्येता के पर्यवेक्षक/मार्गदर्शक का आवंटन अनुमोदन प्रस्ताव के आधार पर अध्येताओं को पर्यवेक्षक/मार्गदर्शक का आवंटन निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा किया जाएगा। इस उद्देश्य हेतु पर्यवेक्षक/मार्गदर्शक का आत्मवृत्त (बायोडाटा) अध्येता द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

पाठ योजना से संबंधित प्रतिमानों पर अनिवार्य संपर्क कार्यक्रम के दौरान चर्चा की जाएगी। अध्येता को विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संपन्न होने के पश्चात् पर्यवेक्षक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

पाठ योजना

शिक्षक अपनी कक्षा में बेहतर शिक्षण के लिए कक्षा में क्या पढ़ाना है ? कितना पढ़ाना है ? कब पढ़ाना है ? कैसे पढ़ाना है ? किसकी सहायता से पढ़ाना है इत्यादि कार्य के लिए एक योजना बनाता है जिससे उसका पाठ सरल, रुचिकर, समयबद्ध हो जाता है। जिससे छात्रो की अधिगम में रुचि बढ़ जाती है वे सक्रिय रहते है एवं कक्षा सुचारू रूप से चलती है।

उद्देश्य -

1. पाठ योजना निर्माण से अधिगम सामग्री की जानकारी हो जाती है।
2. सहायक शिक्षण सामग्री की जानकारी हो जाती है।
3. कौन-कौन सी विधियों को पढ़ाने में प्रयोग करना है उसका ज्ञान हो जाता है।
4. पाठ के उद्देश्यों की जानकारी हो जाती है।

पाठ योजना निर्माण के पद ;

1. **सामान्य जानकारी -** पाठ योजना बनाते समय सबसे पहले पाठयोजना क्रमांक - बीच में लिखते हैं इसके पश्चात् दाई ओर दिनांक, कालखण्ड, अवधि लिखते है। बाई ओर विद्यालय का नाम, कक्षा, विषय, प्रकरण लिखते है। पाठयोजना प्रारुप देखे |

2. **सामान्य उद्देश्य -** इसके अन्तर्गत विषय से सम्बन्धित उद्देश्य लिखे जाते है कि वह विषय हम क्यों पढ़ रहे है ? इनकी संख्या 10 से 15 के बीच होती है प्रत्येक विषय पढ़ने के अलग-अलग उद्देश्य हो सकते है। जैसे गणित पढ़ाने के उद्देश्य अलग होंगे और हिन्दी पढ़ाने के उद्देश्य अलग होंगे।

3. **विशिष्ट उद्देश्य -** इसके अन्तर्गत सम्बंधित प्रकरण या पाठ पढ़ाने के उद्देश्य क्या है उसे लिखते है यह प्रत्येक पाठ में बदलते रहते है, जैसे त्रिभुज पढ़ाने के उद्देश्य अलग होगे और कोई कहानी पढ़ाने उद्देश्य अलग (3 से 5 उद्देश्य लिखना है)

4. **सहायक शिक्षण सामग्री-** पाठ को अधिक प्रभावशाली रुचिकर बनाने के लिए हम कुछ सहायक सामग्री जैसे चार्ट, मॉडल चित्र, प्रोजेक्टर, प्रत्यक्ष वस्तुएँ इत्यादि प्रयोग में लाते है इसके अन्तर्गत हम उस पाठ में कौन -कौन सी सामग्री का प्रयोग करते है लिखते हैं।

5. **पूर्वज्ञान -** जो पाठ हम पढ़ाने जा रहे है उस पाठ के सम्बन्ध में छात्र को पहले से क्या जानकारी प्राप्त है उसे यहाँ लिखते है – जैसे वस्तुओं का वर्गीकरणइसमें पूर्वज्ञान - वह कई वस्तुओं को जानता है

6. **प्रस्तावना -** इस प्रक्रिया में हम 4-5 प्रश्नों के माध्यम से अपने प्रकरण पर विद्यार्थियों को लाने का प्रयास करते है।

7. **उद्देश्य कथन -** प्रस्तावना के बाद हम कथन के रूप में कहते है कि आज हम इस विषय को समझेगे। पढ़ेगे उसे कथन के रूप में लिखते है। **जैसे-** आज हम मध्य प्रदेश की नदियों के विषय में पढ़ेगें।

8. **प्रस्तावना -** प्रस्तावना में हम पाठ को एक क्रम में पढ़ाते है ओर पाठ योजना में दिये गये बिन्दुओं के अनुसार उसको लिखते है। (पाठ योजना का प्रारूप देखे)

(i) शिक्षण बिन्दु- में जिस बिन्दु को हम समझा रहे है लिखते है जैसे-त्रिभुज।

(ii) शिक्षक क्रिया- में शिक्षक जो भी कार्य करता है उसे लिखते है जैसे प्रश्न पूछना, समझाना इत्यादि।

(iii) छात्र क्रिया– इस दौरान छात्र जो भी क्रिया करता है उसे उसमें लिखते है, वह उत्तर देता है, प्रयोग करता है, समझता है चर्चा करता है इत्यादि।

(iv) श्यामपट् कार्य- शिक्षक श्यामपट् पर जो भी लिखेगा उसे इस कालम में लिखते है।

9. **समापन कथन -** पाठ समाप्ति के पश्चात् शिक्षक कुछ वाक्यों में यह बताता है कि आज हमने क्या पढ़ा।

10. **पुनरावृति -** शिक्षक इसके अन्तर्गत पूरे पाठ से सम्बन्धित प्रश्न पूछता है।

11. **गृह कार्य -** पढ़ाये गये पाठ के आधार पर शिक्षक गृहकार्य करने को देता है उसे इस यहाँ लिखते है।

12. पाठ के अंत में छात्राध्यापक एवं पर्यवेक्षक द्वारा हस्ताक्षर किये जाते है।

पाठ योजना का प्रारूप नीचे दिया जा रहा है।

पाठ योजना का प्रारूप निम्नानुसार होगा|

ज्ञान क्रांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,Wardha
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)



पाठ योजना (Lesson Plan)

विद्यालय विषय शिक्षण (School Teaching Subject):----------

अध्ययन केंद्र (Study Center) :----------

बी.एड. (वर्ष 2015-17)

सत्र : तृतीय सत्र Session : 3rd Semestar

छात्र अध्यापक का नाम (Student- Teacher's Name) : ----------

पंजीयन संख्या (EnrollmentNo. :----------

विद्यालय का नाम (Name of School) :----------

---------- ----------

ई-मेल :---------- मोबाइल:---------- ------

शिक्षा स्नातक (बी.एड.) मुक्त एवं दूर शिक्षा

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)

पाठ योजना अनक्रमणिका (Lesson Plan Index)

विद्यालय विषय शिक्षण (School Teaching Subject):----------

क्र. सं.	पाठ का नाम (Name of the Lesson)	कक्षा (Class)	दिनांक (Date)
01			वार / /
02			वार / /
03			वार / /
04			वार / /
05			वार / /
06			वार / /

पाठ योजना अनक्रमणिका (Lesson Plan Index)

विद्यालय विषय शिक्षण (School Teaching Subject):----------

क्र. सं.	पाठ का नाम (Name of the Lesson)	कक्षा (Class)	दिनांक (Date)
07			वार / /
08			वार / /
09			वार / /
10			वार / /
11			वार / /

पाठ योजना अनक्रमणिका (Lesson Plan Index)

विद्यालय विषय शिक्षण (School Teaching Subject):----------

क्र. सं.	पाठ का नाम (Name of the Lesson)	कक्षा (Class)	दिनांक (Date)
12			वार / /
13			वार / /
14			वार / /
15			वार / /
16			वार / /

पाठ योजना अनक्रमणिका (Lesson Plan Index)

विद्यालय विषय शिक्षण (School Teaching Subject):----------

क्र. सं.	पाठ का नाम (Name of the Lesson)	कक्षा (Class)	दिनांक (Date)
17			वार / /
18			वार / /
19			वार / /
20			वार / /

पाठ योजना (Lesson Plan)

अध्ययन केंद्र (Study Center) :----------

छातत्राध्यापक का नाम(Student Teacher Name) : ----------

विद्यालय का नाम (Name of the School) :----------

विषय (Subject) :---------- कक्षा (Class) :---------- दिनांक : / /

कालखण्ड : ---------- अवधि : ----------

इकाई :----------

उप इकाई :----------

1. **सामान्य उद्देश्य (Genral Objective) -**

1----------

2----------

3----------

4----------

5----------

2. **विशिष्ट उद्देश्य (Special Objective) -**

1----------

2----------

3----------

4----------

5----------

1. **शिक्षण सहायक सामग्री (Teaching- Learning Material) –**

---

2. **पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge) –**

---

3. **प्रस्तावना (Introduction) –**

शिक्षक क्रिया (Teacher Activity)	छात्र क्रिया(Student Activity)
1.----------	1.----------
2.----------	2.----------
3.----------	3.----------
4.----------	4.----------
5.----------	5.----------
----------	----------
----------	----------

4. **उद्देश्य कथन (Statement of the Aim) :**

---

7. प्रस्तुतीकरण(Presentation) –

क्र.सं.	शिक्षण बिन्दु (Teaching Points)	छात्राध्यापक क्रिया (Teacher's Activity)	छात्र क्रिया (Student's Activity)	श्यामपट् कार्य (Black-Board work)
	----------	----------	----------	----------

8. प्रस्तुतीकरण(Presentation) –

क्र.सं.	शिक्षण बिन्दु (Teaching Points)	छात्राध्यापक क्रिया (Teacher's Activity)	छात्र क्रिया (Student's Activity)	श्यामपट् कार्य (Black-Board work)
	----------	----------	----------	----------

9. प्रस्तुतीकरण(Presentation) –

क्र.सं.	शिक्षण बिन्दु (Teaching Points)	छात्राध्यापक क्रिया (Teacher's Activity)	छात्र क्रिया (Student's Activity)	श्यामपट् कार्य (Black-Board work)
	----------	----------	----------	----------

8. समापन कथन (Concluding Statement) :

-

9. पुनरावृत्ति (Recapitulation) :

-

10. गृहकार्य (Home Work) :

अभिप्राय (Remark) : ----------

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,Wardha
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

पाठ पर्यवेक्षण तक्ता (Lesson Observation Sheet)

अध्ययन केंद्र (Study Center) :----------

बी.एड. (वर्ष 2015-17)
सत्र : तृतीय सत्र Session : 3rd Semestar

छात्राध्यापक का नाम(Student Teacher Name) : ----------

विद्यालय का नाम (Name of the School) :----------

विषय (Subject) :---------- कक्षा (Class) :---------- दिनांक: / /

कालखण्ड : ---------- अवधि : ----------

इकाई :----------

उप इकाई :----------

पर्यवेक्षक का नाम एवं पद (Name & Degignation of Observar) :----------

---

शिक्षा स्नातक (बी.एड.) मुक्त एवं दूर शिक्षा
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)

क्र. सं.	पर्यवेक्षण के बिंदु (observation Points)	विशेषताएं (Specification)	असमाधान कारक (1)	समाधान कारक (2)	उत्तम (3)	उत्कृष्ट (4)	अत्युत्कृष्ट (5)
01	अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का औचित्य / उनकी उपयुक्तता	स्पष्टता, विषयवस्तु के प्रति संगतता, उद्देश स्तर तथा क्षेत्रों के सन्दर्भ में पर्याप्तता, विद्यार्थियों का संपादन।					
02	विषयवस्तु का उपयुक्त संगठन	विषयवस्तु की दृष्टी से तार्किक संगठन तथा अध्येताओं कि आवश्यकतानुसार मनोवैज्ञानिक संगठन।					
03	पाठ की प्रस्तावना के लिए अवस्थितियों का निर्माण	स्वागत करना, स्वागत स्वीकृत करना, अवधान स्थापित करना और सौहार्द प्राप्ति। चॉक, डस्टर सहायक सुविधाओं की प्राप्तता के प्रति आश्वस्त होना ।					
04	पाठ की प्रभावी प्रस्तावना	पूर्व अनुभव से जोड़ना, प्रस्तावना तथा मुख्य भाग के बीच संपर्क स्थापित करना। उपयुक्त युक्तिओं/तकनीकों का उपयोग जैसे- प्रश्न करना, उदहारण, निर्देशित वस्तु आदि					
05	उपयुक्त रुप से संरचित प्रश्न	विभिन्न स्तरों पर ऐसे प्रश्नों की संरचना करना जो भाषिक दृष्टिसे ठीक हो और विषयवस्तु से सम्बंधित हो।					
06	प्रश्न भली-भांति प्रसारण एवं वितरण	उपयुक्त गति से प्रश्न पूछे गए हों जिसमें उपयुक्त स्वर शैली (ध्वनि मात्रा) और स्वरमान हों, चिंतन के लिए थोडा विराम हों ऐसे प्रश्न पूछना है।					
07	अध्येता की अनुक्रियाओं का उपयुक्त संचालन	अध्येता की अनुक्रियाओं के तथा तकनीकों से अनुबोधन और अधिक जानकारी निकलवाना । पुनार्केंद्रण तथा विवेचनात्मक बोध के प्रश्न पूछना।					
08	स्पष्ट तथा मूर्त स्पष्टीकरण	स्पष्टता, विषयवस्तु की दृष्टी से उपयुक्तता, जिसमें आरंभिक तथा निष्कर्ष कथनों का उपयोग किया गया हो और आवश्यक बिन्दु ओं को सम्मिलित किया गया हो।					
09	निर्देशन के लिए उपयुक्त उदाहरणों का उपयोग	सरल एवं रुचिकर निदेशन जो स्पष्ट किये जानेवाले बिन्दु ओं के लिए सम्बंधित एवं उपयुक्त हो।					
10	निर्देशन के लिए उपयुक्त अध्यापन सामग्री का प्रयोग	विषयवस्तु की दृष्टी से उपयुक्त तथा विद्यार्थी स्तर के अनुसार।					

क्र. सं.	पर्यवेक्षण के बिंदु (observation Points)	विशेषताएं (Specification)	असमाधान कारक (1)	समाधान कारक (2)	उत्तम (3)	उत्कृष्ट (4)	अत्युत्कृष्ट (5)
11	अध्येता अवधान को सुनिश्चित करने तथा स्थिर रखने के लिए विभिन्न उद्दीपन	उपयुक्त रुप से प्रदर्शित तथा संचालित उपयुक्त शारीरिक क्रियाएं, संकेत, स्वर शैली तथा स्वर मान परिवर्तन, ज्ञानेन्द्रिय के दृष्टिकोण में परिवर्तन, अंतःक्रिया प्रारूपों में परिवर्तन तथा विराम, मौखिक दृश्य अंतरण तथा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना | भौतिक रुप से प्रतिभागित्व |					
12	शाब्दिक–अशब्दिक प्रबलकों का प्रयोग	प्रशंसा वाचक शब्दों का तथा वाक्यों का प्रयोग, विद्यार्थियों के विचारों का स्वीकार तथा उपयोग प्रसन्नतादायक तथा अनुमोदन संकेतो तथा अभिव्यंजों का प्रयोग , बच्चो के उत्तरों को श्यामपट पर लिखना |					
13	पाठ की उपयुक्त गति	विद्यार्थियों के स्तरानुसार पाठ की गति का सामंजस्य बैठाना |					
14	नवाचार	अध्यापन उपागम में, विद्यार्थियों के कार्यशालाओं में, पाठ संरचनाओं में अध्यापन सामग्री में नवाचर लाना |					
15	पाठ का उपसंहार अथवा निष्कर्ष	पर्याप्त पुनरावर्तन प्रश्न पूछते हुए पाठ का तार्किक समापन करना |					

छात्र अध्यापक की प्रबलातायें : ----------

छात्र अध्यापक की कमजोरियां :----------

सुधार हेतु सुझाव : ----------

पर्यवेक्षक का नाम एवं पद

---

3. उपलब्धि परीक्षण (क्रेडिट 01)

उपलब्धि परीक्षण विकसित ज्ञान या कौशल को मापने का एक परीक्षण है। यह किसी कक्षा विशेष के स्तर पर निश्चित अवधि में सीखे गये ज्ञान तथा कौशलों का मापन करता है। इसकी प्रकृति मौखिक या लिखित होती है। यह अधिगम के संज्ञानात्मक और मनोगत्यात्मक आयाम के विभिन्न स्तरों से संबंधित पाठ्यवस्तु पर आधारित विभिन्न प्रकार के प्रश्न- वस्तुनिष्ठ, लघु एवं दीर्घ उत्तर प्रश्नों को सम्मिलित करता है। यह एक मानकीकृत या शिक्षक द्वारा निर्मित परीक्षण हो सकता है। कक्षा उपलब्धि परीक्षण आम तौर पर शिक्षक द्वारा निर्मित परीक्षण होते हैं। यह परीक्षण किसी विषय के इकाई विशेष/ इकाइयों के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों के सीखने का आकलन करने के लिए संबंधित शिक्षक द्वारा तैयार किये जाते हैं। यह बताता है कि पूर्व निर्धारित अधिगम उद्देश्यों को किस हद तक प्राप्त किया गया है। यह शिक्षक, विद्याथियों, अभिभावकों एवं अन्य समुदाय सदस्यों कोविद्यार्थियों की सीखने की प्रगति के संबंध में सूचित करता है। यह निर्धारित करता है कि किसी विद्यार्थी की उपलब्धि औसत, कम या उच्च है ? उच्च उपलब्धि स्कोर/अंक विद्यार्थियों की अब तक अध्ययन किये गये सामग्री पर महारत को इंगित करता है वहीं कम उपलब्धि स्कोर/अंक उपचारात्मक अधिगम गतिविधियों का आयोजन करने की आवश्यकता की ओर इंगित करता है।

उपलब्धि परीक्षण में निम्नलिखित चरण सम्मिलित होंगे :

1. **शैक्षिक उद्देश्य**
2. **अभिकल्प**
3. **रूपरेखा (Blue Print)**
4. **प्रश्नवार विश्लेषण**
5. **वास्तविक विद्यालय विन्यास में उपलब्धि परीक्षण का संचालन**
6. **परीक्षण की गणना से प्राप्त अंको का विश्लेषण**
7. **उपलब्धि अभिलेख**

उपलब्धि परीक्षण का प्रारूप -

1. **शैक्षिक उद्देश्य -** परीक्षण की योजना में सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम शैक्षिक उद्देश्यों को निश्चित करना है। प्रत्येक विषय के शैक्षिक उद्देश्य अलग-अलग होते है। विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और गणित विषयों के

मुख्य उद्देश्य ज्ञान, अवबोध अनुप्रयोग तथा कौशल के रूप में वर्गीकृत किये जाते है जबकि भाषा शिक्षण के उद्देश्य ज्ञान, अवबोध तथा अभिव्यक्ति के रूप में होते है।

२. **अभिकल्प -** परीक्षण की योजना में दूसरा चरण अभिकल्प तैयार करना होता है अभिकल्प में विभिन्न 1.शैक्षिक उद्देश्यों 2. प्रश्नों के प्रकार 3. पाठ्यक्रम की इकाइयों उप इकाइयों 4. कठनाई के स्तरों के भार अंक दिये जाते है – प्रारूप संलग्न है।

अभिकल्प का प्रारूप -

प्रश्न पत्र के अलग-अलग आयामों में भार अंको वितरण निम्न प्रकार होगा।

1. शैक्षिक उद्देश्यें को दिया जाने वाला भारांक -

क्र.स.	**उद्देश्य**	**अंक**	**अंको का प्रतिशत**
1.	ज्ञान	5	10%
2.	अवबोध	20	40%
3.	अनुप्रयोग	10	20%
4.	कौशल	15	30%
योग		50	100%

2. विषय वस्तु इकाईयों का भारांक देना -

क्र.स.	**इकाई एवं उनकी उप-इकाइयाँ**	**अंक**
1.	प्रकाश	10
2.	ध्वनि	10
3.	विद्युत	20
4.	चुम्बक	10
योग		50

3. प्रश्नों के प्रकारों से जुड़ी भारिता -

क्र.स.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक के लिए अंक	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ	1	5	5
2.	अति लघु उत्तरीय	2	5	10
3.	लघु उत्तरीय	5	3	15
4.	दीर्घ उत्तरीय	10	2	20
योग				50

4. सूचना – विभिन्न प्रकार के प्रश्नों की अपेक्षित लम्बाई निम्न प्रकार होगी।

क्र.सं.	प्रश्नो के प्रकार	अंक	अपेक्षित लंम्बाई शब्दों/ वाक्यों की संख्या	प्रत्येक प्रश्न के लिए अपेक्षित समय मिनिट
1.	वस्तुनिष्ठ	1	1 या 2 शब्द	2-3 मिनिट
2.	अति लघु. उत्तरीय (अ.ल.उ.)	2	5 से 10 शब्द	2-3 मिनिट
3.	लघु उत्तरीय (ल.उ)	5	50-100 शब्द	10 मिनिट
4.	दीर्घ उत्तरीय	10	500-600 शब्द	20 मिनिट

कठिनाई स्तर-

क्र.सं.	कठिनाई स्तर	प्रतिशत में
1.	आसान	40%
2.	सामान्य	40%
3.	कठिन	20%

केवल दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प दें।

(3) रूपरेखा (Blue Print):

अभिकल्प की योजनानुसार हम रूप रेखा (Blue Print) को तैयार करते है ओर देखते है कि अभिकल्प के अनुसार सभी प्रकार के प्रश्न संतुलित मात्रा में है या नहीं कुल मिलाकर रूपरेखा अभिकल्पकी जॉच होती है।

जैसा कि नीचे प्रारूप में दिखाया गया है।

रूपरेखा का प्रारूप

परीक्षा ---------- प्रश्न पत्र----------

विषय ---------- कक्षा ----------

इकाई ---------- समय ----------

अधिकतम समंक :

उद्देश्य	ज्ञान				अवबोध				अनुप्रयोग				कौशल				योग			
प्रश्नों के प्रकार	व	अ. ल. उ.	ल. उ.	दी. उ.	व	अ. ल. उ.	ल. उ.	दी. उ.	व	अ. ल. उ.	ल. उ.	दी. उ.	व	अ. ल. उ.	ल. उ.	दी. उ.	व	अ. ल. उ.	ल. उ.	दी. उ.
विषय इकाई																				
प्रकाश	1(1)					2(1)														
ध्वनि																				
विद्युत																				
चुम्बक																				50

नोट - प्रश्न की संख्या कोष्ठकों के भीतर दें ओर अंको को कोष्ठक के बाहर लिखें जैसे 2(1) यहाँ 1 प्रश्न संख्या दर्शाया गया और 2 अंक अर्थात हमने 2 अंक का 1 प्रश्न दिया है।

व – वस्तुनिष्ठ

अ.ल. उ – अति लघु उत्तरीय

ल.उ – लघु उत्तरीय

दी.उ – दीर्घ उत्तरीय

दोनो योग बराबर आने चाहिए (ऊपर से निचे एवं बायें से दांयें)

प्रश्नों को लिखना- रूप रेखा को अन्तिम रूप देने के बाद रूपरेखा में निदर्शित व्यापक प्राचलों (पैरामीटर) के अनुसार उपयुक्तप्रश्नों को लिखना चाहिए। एक समय में रूपरेखा का एक छोटा खण्ड ही लिया जाना चाहिए जैसे-

(क) या तो एक समय में एक ही उद्देश्य से सम्बन्धित सभी प्रश्नों को क्रम से लिखकर अर्थात ज्ञान या अवबोध या अनुप्रयोग संबंधी प्रश्नोंको क्रम से लिखें या फिर आकार प्रकार के अनुसार या फिर इकाई के अनुसारलिखें।

(4) प्रश्नवार विश्लेषण -

इस तरह का प्रयोग शिक्षक को यह निश्चित करने में सहायता करता है कि प्रश्न पत्र में किसी तरह का असंतुलन तो नहीं है। प्रश्नवार विश्लेषण के दौरान, शिक्षक रूपरेखा में दर्शाए गए विभिन्न पेरो मीटरों पर प्रत्येक प्रश्न का विश्लेषण करता है।

(5) वास्तविक विद्यालय विन्यास में उपलब्धि परीक्षण का संचालन -

एक अच्छा परीक्षण तैयार करने के पश्चात आपको उसका संचालन इस तरह करना चाहिए कि आपका प्रत्येक छात्र अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके। किसी परीक्षण के संचालन के लिए योजना बनाते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए

1. समयबद्ध कार्यक्रम 2. कमरें का चयन 3. फर्नीचर 4. उपकरण 5. निरीक्षक

(6) परीक्षण की गणना से प्राप्त अंको का विश्लेषण -

विद्यार्थी द्वारा दिए गए उत्तरों के आधार पर गणना कर उसका रिकार्ड तैयार करते है फिर उसका विश्लेषण करते है।

(7) उपलब्धि अभिलेख -

विश्लेषण से प्राप्त परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों का उपलब्धि अभिलेख तैयार करता है।

ज्ञान ज्योति मेमो

4. प्रकरण अध्ययन (Case Study) (क्रेडिट 02)

एक प्रकरण अध्ययन एक निश्चित अवधि के दौरान किसी व्यक्ति, समूह, संस्था, गतिविधि या परिस्थिति पर किए गए अध्ययन का विवरण होता है। विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अध्येता निम्नलिखित में से किसी एक विषय की गहन एवं प्रगाढ़ जाँच एवं अध्ययन करेंगे एवं प्रशिक्षण के अंत में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे़

1. एक इकाई के रूप में विद्यालय या संस्था।
2. कोई विद्यालयी गतिविधि या कार्यक्रम (जैसे मध्याहन भोजन योजना आदि)।
3. कोई विद्यार्थी या समूह।
4. (इसके अतिरिक्त विद्यालय निरीक्षक और संकाय सदस्यों से चर्चा और सुझाव के अनुसार किसी अन्य विषय पर भी प्रकरण अध्ययन कर सकते हैं।)

प्रकरण अध्ययन का उद्देश्य होगा कि अध्येता किसी मामले / विषय के बारे में विस्तृत जानकारी की खोज और प्रस्तुति करे। इसके साथ चयनित समस्या की उपचारात्मक कार्यवाही के लिए अंतर्दृष्टि भी विकसितकरें।

इस प्रयास में अध्येता को एक ऐसे विषय का चयन करने की कोशिश करनी चाहिए जो रूचिकर, असामान्य या विशिष्ट सारगर्भित परिस्थितियाँ प्रदान करें तथा मामले या विषय की प्रतिपुष्टि पर्याप्त प्रमाणों, पृष्ठभूमि एवं तर्क से करनी चाहिए। शोधकर्ता एक नियमित अवधि तक निरंतर आँकड़ों को एकत्रित करेंगे एवं वास्तविक जीवन के सन्दर्भ में मामले या विषय की जाँच करने का प्रयास करेंगे। अध्येता विभिन्न स्रोतों से आँकड़े इकट्ठे करेंगे एवं आँकड़े इकट्ठे करने के लिए कई तकनीकों जैसे निरीक्षण, साक्षात्कार आदि का प्रयोग करेंगे। प्रकरण अध्ययन में प्रासंगिक दस्तावेज़ों जैसे सामाजिक-आर्थिक पार्श्वचित्र, शब्द सहचर्य परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, जाँच सूची, रेटिंग स्केल आदि का प्रायः उपयोग किया जाता है। तत्पश्चात अध्येता एकत्रित आँकड़ों का विश्लेषण करेंगे और उसकी समग्र रूप में व्याख्या करेंगे। इस दौरान नैतिक मुद्दों पर भी विचार किया जाना चाहिए। अंत में अध्येता मामले या विषय का एक अत्यंत व्यापक एवं विस्तृत पार्श्वचित्र विवरणिका के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

प्रकरण अध्ययन का प्रारूप

1. **संक्षिप्त में प्रकरण अध्ययन को लिखना** ----------

   ---

2. **उद्देश्य** (I)----------

   (II) ----------

3. **उपकरण एवं तकनीकी -**

   अ. सामाजिक- आर्थिक पाश्वचित्र

   आ. अवलोकन -

   (1) व्यवहार जाँच सूची

   (2) निर्धारण मापनी

   इ. प्रश्नावली -

   ई. शब्द साहचर्य परीक्षण एवं वाक्य पूर्ति -

   उ. साक्षात्कार -

4. **इस विद्यार्थी को आपने क्यों चुना**- ----------

   ---

5. **विश्लेषण** ----------

6. **सुझाव** ----------

.....

प्रकरण अध्ययन का नमूना

(ऊपर दिये गये प्रकरण अध्ययन को नीचे समझाया जा रहा है)

1. प्रकरण अध्ययन- एक प्रकरण अध्ययन एक निश्चित अवधि के दौरान किसी व्यक्ति, समूह, संस्था, गतिविधि या परिस्थिति पर किए गए अध्ययन का विवरण होता है।

2. उद्देश्य - इस प्रकरण अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

(i) छात्र के विषय में जानकारी प्राप्त करना।

(ii) छात्र की समस्या को समझना।

(iii) छात्र की समस्या का हल निकालना।

3. उपकरण एवं तकनीकी-

अ. सामाजिक- आर्थिक पार्श्वचित्र-

(i) सामाजिक जनांनकीय पृष्ठभूमि-

विद्यार्थी का नाम -

कक्षा-

वर्ग-

विद्यालय-

उम्र –

पता –

जाति –

धर्म –

मातृभाषा –

परिवार की संरचना –

घर में बोलने वाली भाषा –

राज्य -

(ii) सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि -

1. विद्यार्थी का नाम –

2. पिता का नाम –

3. माता का नाम –

4. कक्षा –

5. वर्ग -

6. जन्मतिथि –

7. पता –

8. आपका मकान कैसा है ? कच्चा/पक्का/आधा कच्चा

9. आपका मकान किस प्रकार का है ? स्वंय/किराये का

10. आपके घर में कितने कमरें है ?

11. आपका स्वयं पृथक कक्ष है?

12. आपके घर में अलग से रसोई कक्ष है ?

13. पक्के शौचालय की व्यवस्था है ?

14. घर में नल की व्यवस्था है ?

15. आपके घर में मौलिक सुविधाओं में क्याहै ? टेलीफोन /रेडियो /टी.वी. /मोबाईल /कम्प्यूटर /लैपटाप

16. आपके घर में कौन-कौन सी अन्य इलेक्ट्रानिक इलेक्ट्रिकल चीजे है ? (फ्रीज, कूलर, ओवन, हीटर, प्रेस)

17. आपके घर में खाना किस पर पकता है? गैस/स्टोव/चूल्हा

18. क्या अपके घर समाचार पत्र आता है ?

19. आपको दैनिक जेब खर्च (पाकिट मनी) मिलता है ?

20. आप त्यौहार कहाँ मनाते है ?

21. आप शहर से बाहर घूमने जाते है?

22. आने जाने का कौन-सा साधन प्रयोग करते है? पैदल /बस/आटो/स्कूटर

23. आपके घर बिजली की व्यवस्था हैं ?

24. आपके घर राशन का सामान कहाँ से आता है ?

25. आप कहाँ खेलते है ?

26. आपकी रुचि किस क्षेत्र में है ?

27. आप अपना जन्मदिन मनाते है ?

आ. (अवलोकन)- (1) व्यवहार जाँच सूची -

विद्यार्थी के कार्यों का अवलोकन करते है उसके द्वारा कौन से कार्य अधिक किये जाते है उसे लिखते है जैसे-

1. छात्र हमेशा पढ़ता रहता है ?
2. छात्र का मन खेलने में लगता है ?
3. छात्र खाली समय में पुस्तकालय मैं बैठता है ?
4. वह हमेशा एकान्त पंसद करता है|
5. अपने साथियों के साथ हंसी मजाक करता रहता हैं|
6. कक्षा में प्रश्नों केउत्तर नहीं देता |

(2) निर्धारण मापनी- कक्षा में छात्र के व्यवहार का अवलोकन किया गया और देखा गया कि वह कितने बार अलग-अलग व्यवहार करता है।

1. आपकी कक्षा के दौरान किया गया विशिष्ट व्यवहार-

दिन	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरे दिन	चौथा दिन	पांचवा दिन	कुल
विशिष्ट व्यवहार	~~IIII~~ II	~~IIII~~ I	III	II	III	21

2. विद्यालय शिक्षकों की कक्षा में विद्यार्थी का व्यवहार -

3. हमारें साथियों की कक्षा में विद्यार्थी का व्यवहार-

(इ) प्रश्नावली -

प्रश्नावली को उत्तरदाता स्वयं पढ़कर उसके उत्तर देता है। ये उत्तर उसे अपने अनुभव एवं ज्ञान के आधार पर देने होते है। उदाहरण -

प्रश्न 1. आपको अपने घर में रहना कैसा लगता है ?

(1) अच्छा (2) बुरा (3) ठीक (4) पता नहीं

प्रश्न 2.आप घर के कामों में सहायता करते हैं ?

(1) हमेशा (2) कभी-कभी (3) कभी नहीं (4) विशेष परिस्थितियों में

प्रश्न 3. आपको विद्यालय जाना अच्छा लगता है ?

प्रश्न 4. आप खाली समय में क्या चाहेंगे ?

(ई) शब्द साहयर्च परीक्षण एवं वाक्य पूर्ति -

(i) शब्द साहचर्य परीक्षण

शिक्षक विद्यार्थी से कुछ शब्द के सन्दर्भ कुछ नये शब्द या कुछ कहने को कहेगा जैसे -

शिक्षक (छात्राध्यापक)		विद्यार्थी
खेलना	-	अच्छा लगता है
कक्षा	-	पढ़ाई होती है
घर	-	माँ
किताब	-	पढ़ने के लिए

(ii) वाक्य पूर्ति -

यह ऐसा परीक्षण है जिसमें विद्यार्थी को अशिंक या अधूरे वाक्योंकी सूची दी जाती है और विद्यार्थी उन वाक्यों के अर्थ को ध्यान में रखकर उस वाक्य को पूरा करता है। जैसे –

1. मैं बड़ा होकर ..... बनना चाहता/चाहती हूँ।

2. मुझे .....विषय के शिक्षक से डर लगता है।

3. मैं अपने ..... को दुखी होते नहीं देख सकता।

(उ) साक्षात्कार-

दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा किसी विशेष उद्देश्य से आमने-सामने की गई बातचीत को साक्षात्कार कहते है। साक्षात्कार कर्ता, साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति से मौखिक प्रश्न पूछता है जिसका उत्तर, उत्तरदाता देता है जैसे-

1. आपको कौन-सा विषय पसन्द है ?
2. आप सुबह कब सोकर उठते है ?
3. आपका प्रिय शिक्षक कौन है ?

5. शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान(क्रेडिट 02)

विद्यालयों में क्रियात्मक अनुसंधान विस्तृत मूल्यांकन औरविश्लेषणात्मक अनुसंधान विधियों की एक विविधता को दर्शाता है जिनका लक्ष्य संस्था की समस्याओं, शैक्षिक प्रक्रियाओं और अनुदेशात्मक परिस्थितियों की समस्याओं का निदान करना तथा शीघ्रता व कुशलता से उनका व्यावहारिक समाधान करने में शिक्षकों की सहायता करना है।

क्रियात्मक शोध एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अध्यापक अपनी शिक्षण कला की प्रतिक्रियाओं एवं शिक्षण प्रक्रियाओं का आकलन करता है इसके द्वारा नयी व बेहतर कक्षा शिक्षण प्रक्रियाओं को बेहतर बनाता है अपितु वह इस संबंध में कुछ अपने स्तर के नए सिद्धान्त भी बनाता है। यही सिद्धान्त प्रभावी होने पर पुराने सिद्धान्तो का स्थान लेते है।

उद्देश्य :

इस अध्ययन के उपरान्त छात्राध्यापक -

1. क्रियात्मक अनुसंधान के माध्यम से विद्यालय एवं कक्षा समस्याओं का एक वैज्ञानिक ढंग से समाधान करने का अनुभव प्राप्त कर सकेंगें।
2. आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक चिंतन क्षमता का विकास कर सकेंगें।
3. समस्या समाधान एवं प्रभावी प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास कर सकेंगें।

निर्देश :

1. विद्यालय प्रक्षिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक अध्येता को एक क्रियात्मक अनुसंधान पूर्ण करना है तथा मूल्यांकन हेतु इसका प्रत्विेदन प्रस्तुत करना है।
2. क्रियात्मक अनुसंधान पर इस प्रतिवेदन का मूल्यांकन2 क्रेडिट के लिए किया जायेगा।

प्रत्येक छात्र को एक क्षेत्र का चयन कर उस पर कार्य करना है।

क्रियात्मक अनुसन्धान क्रियाविधि :

प्रत्येक अध्येता विद्यालय एवं कक्षा समस्याओं से संबधित एक क्रियात्मक अनुसंधान के क्षेत्र की पहचान करते हुए उसका अध्ययन करेंगें। क्रियात्मक अनुसंधानप्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्रारूप नीचे दिया जा रहा हैं।

क्रियात्मक अनुसंधान प्रस्तुतीकरण के लिए प्रारूप

शीर्षक पृष्ठ – अध्ययन के लिए विषय ----------

क्रियात्मक अनुसंधान के लिए चिन्हित समस्या----------

समस्या का परिभाषिकरण ----------

क्रियात्मक अनुसंधान के उददेश्य----------

समस्या का सीमांकन----------

समस्या के कारणों का विश्लेषण ----------

क्रियात्मक परिकल्पना का निर्माण ----------

परिकल्पना का परीक्षण ----------

आकड़ों का परीक्षण----------

आकड़ों का संग्रहण----------

आकड़ों का विश्लेषण----------

निष्कर्ष एवं सामान्यीकरण----------

विस्तृत जानकारी के लिए किसी क्रियात्मक अनुसंधान की पुस्तक का अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयारकरें।

6. विद्यालय अभिलेखो का विवरण एवं प्रस्तुति(क्रेडिट 02)

प्रत्येक अध्येता को विद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों जैसे- प्रवेश, उपस्थिति, परीक्षा परिणाम, समयसारिणी, सदन व्यवस्था, अनुशासन, क्रीड़ा आदि का समीक्षात्मक अध्ययन करना होगा। इस अध्ययन की रिपोर्ट को वे इन गतिविधियों के अवलोकन एवं क्रियान्वयन से संबंधित प्रमाणों जैसे उपस्थिति पंजिका, अंक-तालिका आदि दस्तावेजों एवं अभिलेखों के प्रमाण सहित प्रस्तुत करेंगे।शाला में शासकीय व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिये कई प्रकार के अभिलेखों की आवश्यकता होती है। अभिलेखों के आधार पर शाला की प्रगति एवं विकास का स्तर पता चलता है। एक आदर्श शाला के अन्तर्गत निम्नलिखित शालेय अभिलेखों का संधारण एवं रखरखाव आवश्यक है -

- ग्राम/वार्ड शिक्षा पंजी
- स्कॉलर पंजी
- कैश बुक
- स्टॉक/भंडार पंजी
- शिक्षक/स्टॉक उपस्थिति पंजी
- छात्र उपस्थिति पंजी
- आदेश पंजी
- निरीक्षण पंजी
- प्रतिनियोजन/कक्षा व्यवस्था पंजी
- शिक्षक दैनंदिनी
- स्वास्थ्य परीक्षण पंजी
- मध्यान्ह भोजन पंजी
- स्थापना विवरण पंजी

- सेवा पुस्तिका
- वेतन वृद्धि पंजी
- आकस्मिक अवकाश पंजी
- वेतन पंजी
- सर्विस पोस्ट स्टाम्प पंजी
- बिल पंजी
- चालान पंजी
- फीस संग्रह पंजी
- पुस्तकालय पंजी
- शाला विकास समिति पंजी
- शिक्षक पालक संघ पंजी
- सामान्य भविष्य निधि पंजी
- स्थानान्तरण प्रमाण पत्र पंजी
- शाला अनुदान पंजी
- टी.एल.एम. ग्रांटपंजी
- भवन मरम्मत पंजी
- पुस्तक विवरण पंजी
- गणवेश वितरण पंजी
- साइकिल वितरण पंजी
- खेल सामग्री वितरण पंजी
- आवक/जावक पंजी

- परीक्षा/मूल्यांकन पंजी
- सांस्कृतिक क्रियाकलाप पंजी

टीप- प्रत्येक छात्राध्यापक को केवल आवंटित शाला में ही उपलब्ध अभिलेखों का ही निम्नलिखित प्रारूप में अवलोकन करना है-

शालेय अभिलेख संधारण प्रपत्र

शाला का नाम -

दिनांक-

क्रमांक	**अभिलेख/पंजी का नाम**	**महत्व**	**संधारण प्रक्रिया दैनिक/मासिक/वार्षिक/लगातार**
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			

शाला प्रमुख हस्ताक्षर (सील सहित)……

नाम -.....

संस्था का नाम - .....

दिनांक- .....

छात्राध्यापक के हस्ताक्षर.....

नाम -.....

संस्था का नाम - .....

दिनांक-.....

7. मनोविज्ञान प्रयोगात्मक (क्रेडिट 02)

मनोवैज्ञानिक परीक्षण/मनोविज्ञान के प्रयोग-

किसी शिक्षक को अपने विद्यार्थियों के विषय में विभिन्न प्रकार की जानकारी होना चाहिए। शिक्षको को विद्यार्थियों की बुद्धि, सृजनात्मकता, रुचि, अभियोग्यता, व्यक्तित्व, सांमजस्य क्षमता आदि की ज्ञानकारी होने पर वे विद्यार्थियों से उसके अनुरूप व्यवहार कर पायेंगे। मनोविज्ञान के अन्तर्गत इन को विभिन्न परीक्षणों के माध्यम से मापा जा सकता है इन्हें ही मनोविज्ञान परीक्षण या मनोविज्ञान में प्रयोग कहते है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत दो मनोवैज्ञानिक प्रयोगों को करना है एवं लिखना है। यहाँ दो मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के विषय में जानकारी दी जा रही है, यदि आपके पास (अध्ययन केन्द्र में) ये परीक्षण उपलब्ध न हो तो अन्य कोई दो परीक्षण आप कर सकते है।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण के उद्देश्य-

i) सांमजस्य क्षमता की जानकारी प्राप्त हो जायेगी।

ii) मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के निष्कर्षों का उपयोग शिक्षण प्रक्रिया कर पायेंगे।

प्रथम प्रयोग - बुद्धि परीक्षण -

बुद्धि का शिक्षा के साथ गहरा संबंध है। बुद्धि की जानकारी होने पर शिक्षक विद्यार्थी से उसके अनुरूप व्यवहार करता है, कमजोर (अल्प बुद्धि) छात्रों से अलग एवं तीव्र बुद्धि छात्रों से अलग। इसलिए एक शिक्षक को बुद्धि परीक्षण आना चाहिए। बुद्धि परीक्षण कई प्रकार के होते है जैसे- शाब्दिक, अशाब्दिक, व्यक्तिगत, सामूहिक इत्यादि होते है। अलग-अलग परिस्थिति में अलग-अलग परीक्षणों को प्रयोग में लाये जाते हैं। यहाँ पर एक शाब्दिक सामूहिक बुद्धि परीक्षण(जलोटा का बुद्धि परीक्षण) को समझाया जा रहा है।

जलोटा का शाब्दिक सामूहिक बुद्धि परीक्षण-

इस परीक्षा का निर्माण एस. एस. जलोटा तथा उनके छात्र एस. के. पाण्डेय द्वारा 1951 में किया गया यह एक मानकीकृत शाब्दिक सामूहिक बुद्धि परीक्षण है। इसमें 1960 एवं 1963 में संशोधन किया गया। इस परीक्षण में 100 प्रश्न है तथा 14 उदाहरण है यह परीक्षण निम्न योग्यताओं पर आधारित है–

1. समान शब्दावली (Vocabulary-Similar)
2. विलोम शब्दावली (Vocabulary-Opposite)
3. अंक श्रृंखला(Number Series)
4. वर्गीकरण (Classification)
5. श्रेष्ठ उत्तर (Best Answer)
6. निष्कर्ष (Inference)
7. तुल्यता या समानता (Analogies)

इस परीक्षण में 100 प्रश्न है, जिनके उत्तर 20 मिनट देने हैं। प्रयोज्य (प्रयोग देने वाला विद्यार्थी) द्वारा दिये गये कुल सही प्रश्नों की संख्या ज्ञात कर परीक्षण विवरण पुस्तिका (मेन्युअल) से मानसिक आयु ज्ञात कर लेते है। मानसिक आयु की सहायता से I.Q. बुद्धि लब्धि ज्ञान कर लेते है। यह परीक्षण कक्षा 8 से 11 तक के विद्यार्थियों या 12 से 16 वर्ष तक आयु वाले विद्यार्थियों के लिए है। इसका मानकीकरण 1341 छात्रों पर किया गया। इसका विश्वसमीयता गुणांक+ .938 तथा वैधता गुणांक+ .50 से + .78 तक है।

द्वितीय प्रयोग-व्यक्तित्व परीक्षण –

व्यक्तित्व की विभिन्नता के आधार पर अनेक प्रकार से व्यक्तियों का वर्गीकरण किया जाता है। इस वर्गीकरण के आधार पर शिक्षक को विद्यार्थी के विषय में निर्णय लेने में सुविधाप्राप्त होती है।

रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण-

यहाँ रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण को बतलाया जा रहा है। इस परीक्षण में काले और सफेद धब्बों वाले 5 कार्ड है, काले, सफेद और लाल रंग वाले 2 कार्ड है तथा भिन्न रंगों के 3 कार्ड है। इस प्रकार कुल 5+2+3=10 कार्ड है।

इन कार्डो पर कोई स्पष्ट आकृतियाँ नहीं है फिर भी प्रयोज्य (विद्यार्थी) अपनी व्यक्तित्व विशेषताओं का प्रक्षेपण कर मानव पशु तथा वस्तुओं आदि के चित्र देखते है।

प्रयोज्य (विद्यार्थी) द्वारा दिये गये उत्तरों का फलांकन विवरण पुस्तिका(मेन्युअल) के अनुसार करते है। इस परीक्षण का मूल्यांकन मुख्य रूप से तीन चरणों-स्थापना (Location) प्रत्युत्तर निर्धारक (Response determinations) विषय-वस्तु (Content) के अन्तर्गत किया जाता है। प्रत्येक कार्ड के उत्तर में कितना समय लगा, उत्तर देने का ढंग क्या था, तथा परीक्षार्थी का व्यवहार आदि भी लिखते जाते है। पूछताछ करके विद्यार्थी के बारे में अन्य बातों का भी स्पष्टीकरण कर लेते है।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण लिखने का प्रारूप

1. समस्या .....

.....

2. प्रयोग परिचय .....

.....

3. उपकल्पना .....

.....

4. उपकरण तथा सामग्री .....

.....

5. नियन्त्रण .....

.....

6. परीक्षण विधि .....

.....

7. परिणाम तालिका .....

.....

8. व्याख्या तथा निष्कर्ष .....

.....

8. सामुदायिक कार्य (क्रेडिट 01)

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ शिक्षण तक परिसीमित न रहकर समुदाय की विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता सुनिश्चित करना भी है। अतः छात्र अध्येता विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामुदायिक क्रियाकलापों जैसे- जागरूकता रैली, स्वच्छता कार्यक्रम, वृक्षारोपण आदि में उत्साहपूर्वक अपना सहयोग देंगे तथा विद्यालय को समाज के विभिन्न पहलुओं एवं वर्गों से जोड़ने का प्रयास करेंगे। इस सन्दर्भ में वे अपने अनुभवों एवं विचारों को एक रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत करेंगे। जिस समुदाय में रहते हैं उसकी भौगौलिक इकाई जैसे किसी गाँव या कस्बे के निवासियों की शैक्षिक पृष्ठभूमि पर आधारित सर्वेक्षण एवं अध्ययन भी कर सकते हैं। सामुदायिक कार्य के अन्तर्गत निम्न कार्य आ सकते हैं।

1. साक्षरता अभियान
2. स्वच्छता अभियान
3. रक्त दान शिविर
4. पल्स पोलियो शिविर
5. स्वास्थ्य परीक्षण शिविर
6. 'स्कूल चले हम' कार्यक्रम
7. स्वास्थ्य जागरूकता रैली
8. वृक्षारोपण

नीचे एक सर्वेक्षण का प्रारूप दिया जा रहा है इसी प्रकार अन्य कार्यक्रम का प्रपत्र बना सकते है।

सर्वे (गांव/मोहल्ला) प्रपत्र

(शाला से छात्र, पालक एवं समुदाय का सम्बन्ध जानने हेतु)

- शाला का नाम - .....
- मोहल्ला/वार्ड का नाम -.....
- गांव/वार्ड/शहर का नाम -.....
- जनसंख्या -.....
- साक्षरता की स्थिति -.....

- शालाओं की संख्या-
  - प्राथमिक -.....
  - माध्यमिक -.....
  - उच्चतर माध्यमिक -.....
- शाला में दर्ज/अप्रवेशी बच्चों की संख्या-.....
- पार्षद/सरपंच का नाम-.....
- चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता -.....
  - शासकीय -.....
  - अशासकीय -.....
- बाजार/हाट का आयोजन-दैनिक/साप्ताहिक/मासिक/त्रैमासिक -.....
- बैंक की सुविधा– हॉ/नहीं..... कौन-कौन सी हैं नाम लिखिए।.....
- पोस्ट ऑफिस की सुविधा– हाँ/नहीं -.....
- व्यवसाय के प्रकार - .....
- शाला में सामुदाय की सहभागिता के अवसर– रिकार्ड आधारित चर्चा के दौरान प्राप्त सबूतों के आधार पर लिखें।
  1. पी.टी.ए के दौरान
  2. उत्सव के दौरान
  3. खेलकूद के दौरान
  4. साक्षरता अभियान के दौरान
  5. टीकाकरण के दौरान
  6. जनचेतना अभियान के दौरान
- जनप्रतिनिधि द्वारा अप्रवेशी/शाला त्यागी बच्चों को विद्यालय में लाने हेतु किये गये प्रयास - .....
- सर्वे के उपरांत आपके द्वारा शाला की प्रगति में समुदाय की सहभागिता के लिये बनाई गई कार्ययोजना- .....

शाला प्रमुख के हस्ताक्षर (सील सहित)

नाम -.....

संस्था का नाम -.....

दिनांक-.....

छात्राध्यापक के हस्ताक्षर .....

नाम -.....

संस्था का नाम -.....

दिनांक-.....

9. सत्रांत शिक्षण (क्रेडिट 04)

इस सत्र के अंत में एक प्रायोगिक परीक्षा ली जाएगी जिसमें एक पाठ योजना बनाकर पढ़ाना होगा | इस पर 50 अंक होंगे | इसमे 25 अंक आंतरिक परीक्षक एवं 25 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकित किये जायेंगे । शेष 50 अंक की मौखिक परीक्षा होगी जिसका विवरण निम्नानुसार है-

- सूक्ष्म शिक्षण
- उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट
- प्रकरण अध्ययन
- क्रियात्मक अनुसंधान
- विद्यालय अभिलेखों का विवरण एवं प्रस्तुति
- सामुदायिक कार्य
- मनोविज्ञान प्रयोगात्मक
- बी.एड. पाठ्यक्रम से सम्बंधित जानकारी

सत्रांत परीक्षा पाठ योजना का प्रारूप निम्नानुसार होगा|

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीयहिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,Wardha
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)



पाठ योजना (Lesson Plan)

विद्यालय विषय शिक्षण (School Teaching Subject):----------

अध्ययन केंद्र (Study Center) :----------

बी.एड. (वर्ष 2015-17)

सत्र : तृतीय सत्र Session : 3rd Semestar

छात्र अध्यापक का नाम (Student- Teacher's Name) : ----------

पंजीयन संख्या (EnrollmentNo. :----------

विद्यालय का नाम (Name of School) :----------

---------- ----------

ई-मेल :---------- मोबाइल:---------- ------

शिक्षा स्नातक (बी.एड.) मुक्त एवं दूर शिक्षा

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)

पाठ योजना (Lesson Plan)

अध्ययन केंद्र (Study Center) :----------

छातत्राध्यापक का नाम(Student Teacher Name) : ----------

विद्यालय का नाम (Name of the School) :----------

विषय (Subject) :---------- कक्षा (Class) :---------- दिनांक: / /

कालखण्ड : ---------- अवधि : ----------

इकाई :----------

उप इकाई :----------

5. सामान्य उद्देश्य (Genral Objective) -

1. ----------
2. ----------
3. ----------
4. ----------
5. ----------

6. विशिष्ट उद्देश्य (Special Objective) -

1. ----------
2. ----------
3. ----------
4. ----------
5. ----------

7. शिक्षण सहायक सामग्री (Teaching- Learning Material) –

---

8. पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge) –

---

9. प्रस्तावना (Introduction) –

शिक्षक क्रिया (Teacher Activity)	छात्र क्रिया(Student Activity)
1.----------	1.----------
2.----------	2.----------
3.----------	3.----------
4.----------	4.----------
5.----------	5.----------
----------	----------
----------	----------

10. उद्देश्य कथन (Statement of the Aim) :

---

10. प्रस्तुतीकरण(Presentation) –

क्र.सं.	शिक्षण बिन्दु (Teaching Points)	छात्राध्यापक क्रिया (Teacher's Activity)	छात्र क्रिया (Student's Activity)	श्यामपट् कार्य (Black-Board work)
	----------	----------	----------	----------

7. प्रस्तुतीकरण(Presentation) –

क्र.सं.	शिक्षण बिन्दु (Teaching Points)	छात्राध्यापक क्रिया (Teacher's Activity)	छात्र क्रिया (Student's Activity)	श्यामपट् कार्य (Black-Board work)
	----------	----------	----------	----------

7. प्रस्तुतीकरण(Presentation) –

क्र.सं.	शिक्षण बिन्दु (Teaching Points)	छात्राध्यापक क्रिया (Teacher's Activity)	छात्र क्रिया (Student's Activity)	श्यामपट् कार्य (Black-Board work)
	----------	----------	----------	----------

7. प्रस्तुतीकरण(Presentation) –

क्र.सं.	शिक्षण बिन्दु (Teaching Points)	छात्राध्यापक क्रिया (Teacher's Activity)	छात्र क्रिया (Student's Activity)	श्यामपट् कार्य (Black-Board work)
	----------	----------	----------	----------

11. समापन कथन (Concluding Statement) :

---

12. पुनरावृत्ति (Recapitulation) :

---

13. गृहकार्य (Home Work) :

अभिप्राय (Remark) : ----------

छात्र अध्यापक हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक (नाम एवं हस्ताक्षर)

परियोजना कार्य: दिशा निर्देश

(Project Work: Guidelines)

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर - एमबीए

(Master of Business Administration - MBA)



दूर शिक्षा निदेशालय

(Directorate of Distance Education)

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

परियोजना कार्य: दिशा निर्देश

प्रस्तावना

एमबीए पाठ्यक्रम में परियोजना कार्य एक महत्वपूर्ण घटक है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना है, जिससे विद्यार्थियों में अंतरानुशासनिक सिद्धांतों एवं तकनीकों द्वारा संस्थागत समस्याओं को हल करने की क्षमता का विकास हो सके। परियोजना कार्य के अंतर्गत क्रेडिट प्वाइंट का समावेश है जिसे परियोजना पर्यवेक्षक के निरीक्षण में पूर्ण किया जाता है।

परियोजना कार्य का सामान्य परिचय निम्नवत है:

- परियोजना कार्य एमबीए पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य अंग है।
- यदि कोई विद्यार्थी परियोजना कार्य पूरा नहीं करता है तो उसका एमबीए पाठ्यक्रम अपूर्ण माना जाएगा एवं उसका नामांकन निर्धारित अवधि के पश्चात् स्वतः निरस्त मान लिया जाएगा ।
- विद्यार्थियों को परियोजना कार्य पूर्ण करने से संबंधित दिशा निर्देश
- परियोजना का शीर्षक प्रासंगिक, नया एवं चुनौतीपूर्ण होना चाहिए तथा प्रत्येक विद्यार्थी का शीर्षक अलग होना चाहिए।
- विद्यार्थियों से मौलिक एवं गुणवत्तापूर्ण परियोजना कार्य तैयार करवाने तथा उन्हें इससे संबंधित मार्गदर्शन देने का नैतिक दायित्व पर्यवेक्षक का होगा।
- संबंधित विद्यार्थियों के परियोजना पर्यवेक्षक दिए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से अनुपालन एवं कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगे।
- यदि परियोजना कार्य की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होगी तो उसमें आवश्यक सुधार के सुझाव देने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।
- परियोजना कार्य को हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में पूर्ण किया जा सकता है ।
- मूल्यांकन हेतु विद्यार्थियों के परियोजना कार्य की दो मुद्रित प्रतियाँ जिनमें विद्यार्थी तथा परियोजना पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर हों, विश्वविद्यालय में जमा कराने होंगे।
- परियोजना कार्य में परियोजना पर्यवेक्षक द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र का होना आवश्यक है जिसमें यह स्पष्ट रूप से लिखित हो कि विद्यार्थी द्वारा किया गया परियोजना कार्य परियोजना पर्यवेक्षक के मार्गदर्शन (Supervision) में संपन्न किया गया मौलिक कार्य है।

परियोजना कार्य पूर्ण करने की प्रक्रिया

- परियोजना पर्यवेक्षक का अनुमोदन
- परियोजना रूपरेखा का अनुमोदन
- परियोजना प्रतिवेदन (Project Report) का अनुमोदन

परियोजना पर्यवेक्षक संबंधी दिशा-निर्देश

परियोजना पर्यवेक्षक – ऐसे व्यक्ति जो विद्यार्थी द्वारा किये जा रहे शोध में विशेषज्ञता रखते हैं उन्हें परियोजना पर्यवेक्षक बनाया जा सकता है। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा परियोजना पर्यवेक्षक का आत्मवृत, शैक्षिक अर्हता एवं कार्यालय पहचान पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत कर विश्वविद्यालय से अनुमोदित कराना अनिवार्य है ।

परियोजना पर्यवेक्षक हेतु योग्यताएं:

- यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय, कॉलेज या संस्था के प्राध्यापक/प्रबंधक/समन्वयक जिनके पास न्यूनतम 05 वर्ष की सम्बंधित विशेषज्ञता/विषय में अध्यापन की अथवा प्रबंधकीय अनुभव हो ।
- किसी भी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, सरकारी विभाग,बैंक के प्रबंधक, बीमा कंपनियों के प्रबंधक या स्वयं सेवी संस्था में इंजीनियरिंग स्नातक, वाणिज्य में स्नातकोत्तर अथवा प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त व्यक्ति जिनके पास संबंधित क्षेत्र में न्यूनतम 05 वर्ष का प्रबंधकीय कार्यानुभव हो।
- उपर्युक्त श्रेणी के अवकास प्राप्त व्यक्ति भी परियोजना पर्यवेक्षक बन सकते हैं।

परियोजना रूपरेखा संबंधी दिशा-निर्देश

परियोजना रूपरेखा के चरण

1. **परियोजना कार्य का शीर्षक:** अध्ययन का शीर्षक ठीक से लिखें जो रूपरेखा की सामग्री को दर्शाता है, यह बहुत अधिक वर्णनात्मक नहीं हो और इसमें महत्वपूर्ण चर शामिल हों।
2. **प्रस्तावना:** अध्ययन के महत्व को स्थापित करने के लिए समस्या, उसकी पृष्ठभूमि, संबंधित साहित्य के विवरण का संक्षेप में वर्णन करें। यह हिस्सा प्रस्ताव के पाठक को यह समझाने के लिए है कि प्रस्तावित विषय पर एक अध्ययन अत्यधिक महत्वपूर्ण है और हल करने के लिए अभी भी कुछ प्रश्न / समस्याएं हैं।
3. **अध्ययन के उद्देश्य:** अध्ययन के उद्देश्यों की सूची स्पष्ट रूप से प्राप्त करने योग्य होनी चाहिए। आपके प्रस्ताव में कई उद्देश्य शामिल नहीं होने चाहिए जिन्हें प्राप्त करना मुश्किल है।
4. **परिकल्पना:** अध्ययन की परिकल्पना उपयुक्त होनी चाहिए।

5. **शोध प्रविधि:** यहां बताएं कि अध्ययन के उद्देश्यों के लिए आप किन शोध विधियों का उपयोग करना चाहते हैं, और उनकी पसंद के लिए एक तर्क दें। उपयोग किए जाने वाले शोध उपकरणों को सूचीबद्ध करें और ये कैसे किये जायेंगे।
6. **अध्ययन की उपयोगिता:** यहाँ अध्ययन की उपयोगिता का वर्णन करें। आपको अध्ययन के फायदों के बारे में बताना चाहिए और यह भी बताना चाहिए कि यदि इस प्रकार का अध्ययन नहीं किया गया तो क्या होगा।
7. **संभावित अध्याय सूची:** परियोजना कार्य के संभावित अध्याय सूची को उनकी संभावित सामग्री की संक्षिप्त रूपरेखा के साथ सूचीबद्ध करें।
8. **संदर्भ और ग्रंथ सूची:** संदर्भित पुस्तकों , आधार ग्रंथों, पत्र/पत्रिकाओं तथा वेबसाइट के विवरण को सूचीबद्ध करें ।

परियोजना कार्य करने हेतु दिशा-निर्देश

परियोजना कार्य को निर्धारित समयावधि के दौरान पूर्ण कर सबंधित दस्तावेज सीधे मुख्यालय, वर्धा पर जमा करना होगा विद्यार्थी यह ध्यान रखें कि उनके द्वारा जमा किया गया परियोजना कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो ।

सामान्य रूप में परियोजना कार्य के प्रतिवेदन को (Report) निम्नलिखित भागों में विभाजित कर तैयार किया जाता है-

- परियोजना मुख पृष्ठ (Title Page/Cover Page)
- अनुक्रमणिका तालिका (Table of Content)
- परिचय (Introduction)
- अनुसंधान का उद्देश्य (Objectives & Research)
- परिकल्पना (Hypothesis)
- अनुसंधान/शोध योजना एवं अनुसंधान प्रक्रिया/योजना (Research, Design & Methodology)
- डाटा संकलन (Data Collection)
- प्रयोगसिध्द विश्लेषण (Empirical Analysis)
- परिणाम एवं सुझाव (Finding & Suggessions)
- सीमाऐं एवं संभावनाएं (Scope & Limitations)
- निष्कर्ष एवं अनुशंसा (Conclusion and Recommendations)
- परिशिष्ट (Appendix)
- संदर्भ सूची (References)

- शब्दावली (Glossary)

1. **मुख पृष्ठ (Title Page/ Cover Page)**– यह परियोजना कार्य का प्रथम पृष्ठ होता है, जिसमें विद्यार्थी का नाम, पर्यवेक्षक का नाम, परियोजना शीर्षक, पाठ्यक्रम के नाम आदि का समावेश होता है।
2. **अनुक्रमणिका तालिका (Table of Content)**– इसका लक्ष्य पाठक को संक्षेप में प्रस्तावित कार्य के समस्त विवरण प्रदान करना है। इसे मुख्य खंड एवं उपखंडों का पृष्ठ क्रमांक के अनुसार प्रस्तुत करना होता है, जिससे पाठक किसी खंड या उपखंड पर आसानी से पहुँच सके। सचित्र, रेखाचित्र, अन्य तालिका आदि का अलग से विवरण सारिणी एवं उदाहरण सूची इस अनुक्रमणिका तालिका के अंतर्गत प्रस्तुत करना होता है।
3. **परिचय (Introduction)**– इसके अंतर्गत प्रस्तावित विषय तथा उससे संबंधित कंपनी उद्योग आदि का विस्तृत परिचय देना होता है।
4. **उद्देश्य (Objectives)** – इस खंड में शोधार्थी अपने चयनित विषय/शोध शीर्षक का उद्देश्य स्पष्ट करता है। उद्देश्यों में अपेक्षित परिणाम संभावित परिणाम, चयनित कंपनी के उद्योग का विकास, समृद्धि या उनके लिए कुछ सैध्दांतिक नियम आदि दिये जाने वाले सुझाव हो सकते हैं।
5. **शोध/अनुसंधान योजना (Research Methodology)** – इस खंड में विद्यार्थी द्वारा शोध हेतु बनाई गई योजना का विस्तृत वर्णन होता है। शोध/अनुसंधान हेतु प्रयोग में लायी गयी तकनीक जैसे नमूना, आकार, शोध/अनुसंधान क्षेत्र, अनुसंधान के चरणों, अनुसंधान हेतु बनाए गए प्रश्नों, प्रश्नावली का समावेश भी इसमें होता है। इसमें रिपोर्ट के अंतर्गत आंकडां का प्रस्तुतीकरण सुगठित, व्यवस्थित एवं तर्कपूर्ण होने चाहिए। सामान्य रूप में इसके अंतर्गत विभिन्न खंड होते हैं जिन्हें विभिन्न उप-खंडों में विभाजित किया जाता है।
6. **प्रयोगात्मक विश्लेषण (Empiricial Analysis)**– इस खंड के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा जमा किए हुए तथ्यों का प्रयोग परिकल्पना, सांख्यिकी नियम एवं सूत्र के आधार पर किया जाता है। यह परियोजना का महत्वपूर्ण कार्य है। इस खंड के अंतर्गत अपने अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी तर्कपूर्ण निष्कर्ष पहुँच जाता है।
7. **परिणाम एवं सुझाव** (Findings and Suggessions)– निष्कर्ष के अंतर्गत विद्यार्थी द्वारा किसी तर्कपूर्ण निष्कर्ष पर पहूँच कर उसका विविरण लिखा जाता है। सुझाव के अंतर्गत शोधार्थी द्वारा शोध किए गए बिदुओं / पहलुओं को लिखी संस्था/ कंपनी /उद्योग के विकास एवं उन्नति के लिए परामर्श हेतु भी दिया जा सकता है। परिणामों का प्रस्तुतीकरण सरल एवं समझने योग्य होना चाहिए जिसे निम्नांकित रूप से प्रस्तुत किया जा सकता है
    - सारिणी (Table)
    - बिंदुरेख (Graphs)
    - सचित्र (Charts)
    - रेखाचित्र (Diagram)

8. **निष्कर्ष एवं अनुशंसा(Conclusion and Recommendations)** - निष्कर्ष एवं अनुशंसा दोनों ही संपूर्ण परियोजना कार्य के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। निष्कर्ष शोधार्थी द्वारा शोध किए गए डाटा/तथ्यों के विश्लेषण एवं व्याख्या के बाद ही प्रस्तुत किए जाते हैं। यह शोधार्थी के लिए उपयोगी है यदि उसने प्रस्तावित निष्कर्ष एवं अनुसंधान के अलावा कोई अन्य विकल्प या आँकड़ों का संग्रहण किया हो।
9. **परिशिष्ट (Appendix)** - परिशिष्ट में उन तथ्यों का समावेश होना चाहिए जिनका उपयोग शोधार्थी/विद्यार्थी द्वारा किया गया हो। जो तथ्य मुख्य निष्कर्ष में आवश्यक न हों और शोधार्थी द्वारा उसका प्रयोग प्रमुख कार्य में किया गया हो, का उल्लेख परिशिष्ट के अंतर्गत किया जाता है। निम्नलिखित बिंदूओं को साधारणतः परिशिष्ट बिंदुओं में सम्मिलित किया जाता है –
    - प्रवाह सचित्र
    - प्रश्नावली
    - गणनाएँ
    - शब्दावली
10. **संदर्भ (References)** – इस खंड में संबंधित परियोजना कार्य में उपयोग में लायी गयी आधार पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, संदर्भित ग्रंथों आदि का विवरण देना होता है।
11. **शब्दावली (Glossary)** - इस खंड में उक्त कार्य में उपयोग किए गए तकनीकी शब्दों का विस्तृत अर्थ एवं विवरण होता है।

प्रस्तुति

ए-4 साइज, पेपर में अधिकतम 1.5 (Space) अंतर से टंकित न्यूनतम 60.80 पृष्ठों के (न्यूनतम 20,000 शब्दों तथा अधिकतम 25000 शब्द परिशिष्ट एवं संदर्भ) दो परियोजना कार्य की प्रतियों मे जमा करना होगा। इसमें निम्नांकित दस्तावेज अनिवार्य है जिसके बिना परियोजना कार्य निरस्त किया जा सकता है -

- प्रस्ताव प्रपत्र की प्रति तथा रूपरेखा
- परियोजना कार्य की मौलिकता का प्रमाणपत्र
- परियोजना पर्यवेक्षक का प्रमाण पत्र

मूल्यांकन पध्दतियाँ(मूल्यांकन के दिशानिर्देश)

1. मूल्यांकनकर्ता परियोजना कार्य की प्रविधि पर जार देने के साथ-साथ इसकी वैधता तथा विश्वसनीयता पर भी प्रकाश डालेंगे अन्यथा परियोजना कार्य अवैध तथा अविश्वसनीय माना जाएगा।
2. परियोजना कार्य में आद्यांत व्यावहारिक उपयुक्तता, सीमाओं एवं संभावनाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही परियोजना कार्य की रूपरेखा के सत्यापन एवं मूल्यांकन पर भी बल दिया जाएगा।

3. परियोजना कार्य हेतु प्रस्तुत समस्त विवरण एवं संदर्भ वास्तविक एवं विषय से संबंधित हों।

4. परियोजना कार्य का मूल्यांकन निम्नांकित पद्धतियों पर आधारित है –

    - शीर्षक एवं रूपरेखा का अनुमोदन
    - विषय की वैधता व गंभीरता
    - आंतरिक मूल्यांकन (पाठयक्रम संयोजक द्वारा)
    - अंतिम मूल्यांकन (बाह्य विशेषज्ञ द्वारा)

परियोजना का मूल्यांकन निम्नांकित आधार पर किया जाएगा –

आंतरिक मूल्यांकन: (240 अंक)

पाठयक्रम संयोजक द्वारा मूल्यांकन किए जाने वाले बिन्दु –

- परियोजना की उपयोगिता, लक्ष्य तथा उद्देश्य
- आँकड़ा संग्रह विश्लेषण तथा निर्वाचन हेतु अपनायी गयी शोध प्रविधि
- परियोजना के उद्देश्य के संदर्भ में विश्लेषण की उपयोगिता
- पर्यवेक्षक का अवलोकन
- रिपोर्ट

बाह्य मूल्यांकन -(560 अंक)

बाह्य मूल्यांकन :

- परियोजना कार्य की उपयोगिता, उद्देश्य तथा लक्ष्य
- आँकड़ा संग्रह विश्लेषण तथा निर्वाचन-पद्धति
- परियोजना के उद्देश्यों के संदर्भ में विश्लेषण की उपयोगिता
- पहलकदमी, (पाठ्यक्रम संयोजक का अवलोकन टिप्पणी)
- रिपोर्ट
- संपूर्ण प्रस्तुतीकरण

परियोजना कार्य का बाह्य मूल्यांकन इस कार्य हेतु नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा करवाया जाएगा। कुल निर्धारित अंको में से प्राप्त अंक बाह्य परीक्षक द्वारा विश्वविद्यालय को भेज दिए जाएँगे। जो परियोजना कार्य असंतोषप्रद पाए जाएँगे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा सुझाए गए सुझावों के अनुसार सुधारकर पुनः जमा करना होगा। संशोधित परियोजना कार्य के मूल्याकन हेतु अलग से शुल्क रू. 1000/- जमा करना अनिवार्य है।

परियोजना पर्यवेक्षक द्वारा दिये जाने वाले प्रमाणपत्र का प्रारूप

प्रमाणित किया जाता है कि एमबीए वर्ष_____में पंजीकृत छात्र/छात्रा श्री/सुश्री _____नामांकन संख्या _____

विशेषज्ञता का परियोजना कार्य विषय _____

_____

_____

का निरीक्षण में मूल रूप में (Original work) दिनांक _____ से _____ तक पूरा किया गया। यह इनका मौलिक परियोजना कार्य है ।

परियोजना पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

नाम (हिंदी) .....

Name (English) .....

...

परियोजना कार्य पर्यवेक्षक अनुमोदन हेतु छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले अनुरोध पत्र का प्रारूप

प्रति,
पाठ्यक्रम संयोजक (प्रबंधन पाठ्यक्रम)
दूर शिक्षा निदेशालय
म.गां.आं.हिं.वि.वि. वर्धा।

विषय : परियोजना कार्य पर्यवेक्षक अनुमोदन हेतु प्रस्ताव।

महोदय,

मैं ..... नामांकन संख्या: ..... आपके निदेशालय के MBA चतुर्थ सेमेस्टर में पंजीकृत छात्र/छात्रा हूँ। दिशा निर्देश के अनुसार परियोजना कार्य संपन्न करने हेतु मै निम्नांकित अनुसार पर्यवेक्षक चयन करना चाहता/चाहती हूँ।

पर्यवेक्षक का नाम	पर्यवेक्षक की उच्च्तम शैक्षिक अर्हता	पर्यवेक्षक का पदनाम (Designation of the Supervisor)	पर्यवेक्षक के कंपनी/कार्यालय का नाम	पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

पत्र के साथ उक्त पर्यवेक्षक का आत्म्वृत्त (बायो- डाटा) तथा शैक्षिक अर्हता (डिग्री, प्रमाण पत्र)/ कार्यालय पहचान पत्र की छायाप्रति विचारार्थ प्रस्तुत है।

कृपया अनुमोदित करने का कष्ट करें।

आपका विश्वासपात्र

(छात्र का नाम)

संलग्नक :

1. पर्यवेक्षक का आत्मवृत्त (बायो-डाटा)
2. शैक्षिक अर्हता (डिग्री, प्रमाण पत्र) संबंधित दस्तावेज
3. कार्यालय पहचान पत्र की छायाप्रति

"निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में बैंकों की लाभदायकता का मूल्यांकन"

(आई.सी.आई.सी.आई. एवं एस.बी.आई. बैंकों की वर्धा शाखाओं के विशेष संदर्भ में)



प्रस्तुतकर्ता

विशेष कुमार श्रीवास्तव

एम.बी.ए.

सत्र-2010

शोध निर्देशक

डॉ.रामप्रकाश ओ. पंचारिया

विभागाध्यक्ष

बी.डी.कॉलेज सेवाग्राम, वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442005 (महाराष्ट्र), भारत

"निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में बैंकों की लाभदायकता का मूल्यांकन"

(आई.सी.आई.सी.आई. एवं एस.बी.आई. बैंकों की वर्धा शाखाओंके विशेष संदर्भ में)

प्रस्तावना -

शोध-प्रबंध के अंतर्गत विद्यार्थी ने "निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में बैंकों की लाभदायकता का मूल्यांकन"(एस.बी.आई.एवं आई.सी.आई.सी.आई.बैंकों की वर्धा शाखाओं के विशेष संदर्भ में) एवं अग्रिम तथा विभिन्न प्रकार की बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के मध्य संबंध का गहन अध्ययन एवं विश्लेषण कर यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि क्या निजी एवं सार्वजनिक बैंक अपने निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में कहाँ तक सार्थक सिद्ध हुई है तथा बैंकों कि लाभदायकता से देश के आर्थिक विकास में वृद्धि हुई हैं।

प्रस्तुत शोध में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता के मूल्यांकन का अध्ययन प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही ऋण प्रबंध कि उपयोगिता पर भी शोधार्थी द्वारा पर्याप्त ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

<u>साहित्य पूनरावलोकन</u>-

शोध विषय से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित कुछ शोध कार्य जो विभिन्न शोधार्थियों द्वारा किए गए है, जिनमें से कुछ प्रमुख शोध कार्यों का अध्ययन शोधार्थी द्वारा भी किया गया है। जो कि निम्न इस प्रकार है-

महरोत्रा,एच.सी.- ने अपने शोध अध्ययन में **"मैनेजमेंट ऑफ अर्निंग्स इन इंडियन कंपनीज"** में देश कि प्रमुख लोहा एवं इस्पात, सीमेंट, कागज,कॉटन एवं जुट उद्योगों में आय के प्रबंध का विस्तृत अध्ययन एवं विश्लेषण किया है। साथ ही उन्होने अपने शोध अध्ययन एन आय (नेशनल इनकम) कि समस्या एवं उसके नियोजन से संबंधित प्रमुख सुझाव भी प्रस्तुत किए है।

सिंह,दीपक- अपने शोध अध्ययन में **"ए कम्परेटिवस्टडी ऑफ मार्केटिंग स्ट्राटेटीज़ ऑफ सिलेक्टेड कमर्शियल बैंकस"** के अंतर्गत व्यापारिक बैंकों में विभिन्न प्रकार की मार्केटिंग स्ट्राटेजीज का गहन अध्ययन एवं परीक्षण किया है। साथ ई उन्होने अपने शोध अध्ययन के माध्यम से व्यापारिक बैंकों की मार्केटिंग स्ट्रेटेजीज के लिए उपयोगी एवं महत्यपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए है।

गर्ग, निधि –ने अपने शोध अध्ययन के अंतर्गत ,**'मध्यप्रदेश के जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों का वित्तीय प्रबंध एक विश्लेषणात्मक अध्ययन'** किया है। उन्होने अपने शोध के अंतर्गत वित्तीय प्रबंध से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं का गहन अध्ययन एवं विश्लेषण किया है। उन्होने अपने शोध अध्ययन के नाट में वित्तीय प्रबंध से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए हैं और साथ ही भावी शोध की संभावनाओं पर भी पर्याप्त प्रकाश डाला है।

उपर्युक्त शोध अध्ययनों के अतरिक्त शोधार्थी ने अपने विषय से संबंधित अनेक विद्वानों के ग्रंथ,पत्र-पत्रिकाएँ, बैंक से संबंधित वार्षिक लेखें ,वित्तीय स्थिति विवरण, विभिन्न नीतियों एवं वार्षिक प्रतिवेदनों आदि का भी गहन अध्ययन किया जाएगा। शोध से संबंधित शोधार्थी ने पूर्व में शोध कार्य किए है शोधार्थी ने उनके अध्ययनों के अध्ययन के पश्चात अपना शोध शीर्षक "निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में बैंकों की लाभदायकता का मूल्यांकन" "(एस.बी.आई.एवं आई.सी.आई.सी.आई. बैंकों की वर्धा शाखाओं के विशेष संदर्भ में) चुना है।

शोध के उद्देश्य-

सामाजिक शोध का उद्देश्य केवल नए सिद्धांतों की खोज करना ही नहीं होता, किन्तु पुराने सिद्धांतों का नई परिस्थितियों में सत्यापन करना भी होता है। शोध के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए पी.बी.यंग ने कहा है कि "सामाजिक शोध का एक उद्देश्य अनुभव सिद्ध तथ्यों के आधार पर वैज्ञानिक अवधारणाओं को प्रस्तुत करना तथा उन्हें विकसित करना है।"

शोध प्रबंध के लिए मुख्य उद्देश्य होगा-

- निजी क्षेत्र में आई.सी.आई.सी.आई. बैंक कि स्थापना कि आवश्यकता का अध्ययन।
- सार्वजनिक क्षेत्र में एस.बी.आई. की स्थापना की आवश्यकता का अध्ययन।
- आई.सी.आई.सी.आई. एवं एस.बी.आई. वास्तविकता में जनता को लाभान्वित कर पा रहे है? और क्या स्वयं भी लाभान्वित हो रहे हैं, का अध्ययन करना।

इसके पूर्व विभिन्न प्रकार की बाँकों से संबन्धित जिनते भी शोध कार्य किए गए है वे सभी विकास की संभावनाओं अथवा कृषि उद्योग से जुड़े हुये क्षेत्रों तक ही सीमित है। अतः इन्हीं आवश्यकताओं और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपना शोध विषय चुना है।

परिकल्पना –

शून्य परिकल्पना -आई.सी.आई.सी.आई. एवं एस.बी.आई. द्वारा लोगों को उपलब्ध कराये जाने वाले सेवाओं एवं सुविधाओं में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

शोध परिकल्पना -आई.सी.आई.सी.आई. एवं एस.बी.आई. द्वारा लोगों को उपलब्ध कराये जाने वाले सेवाओं एवं सुविधाओं में सार्थक अंतर हैं।

शोध का क्षेत्र -

शोध अध्ययन प्रारंभ करने से पूर्व उसका क्षेत्र भी निश्चित कर लेना बहुत आवश्यक है । मौलिक समस्याओं के संबंध में शोध करते समय क्षेत्र का विस्तृत व व्यापक होना आवश्यक है।

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा आवश्यकता एवं उपयोगिता के आधार पर तथा साधनों की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए अपने शोध अध्ययन के क्षेत्र के रूप में वर्धा जिले को चुना है। क्योकि शोधार्थी की अधिकांशतः शिक्षा वर्धा जिला में ही हुई है इससे शोधार्थी का आकर्षण वर्धा जिला के प्रति होने के कारण वर्धा जिला को ही अपने शोध अध्ययन के क्षेत्र के रूप में चुना है।

शोध प्रविधि-

शोध अभिकल्प (Research Design)

प्रस्तुत शोध का स्वरूप मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों होने के कारण इस शोध में मिश्र पद्धति (Mixed Method) का उपयोग किया जाएगा।

निदर्शन का चयन/शोध का चयन- प्रस्तुत अध्ययन निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में बैंको की लाभदायकता का मूल्यांकन (आई.सी.आई.सी.आई. एवं एस.बी.आई.बैंकों की वर्धा शाखाओं के संदर्भ में) विषय से संबन्धित है वर्धा जिला में बैंको की इकाइयों का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है, और समग्र इकाइयों का अध्ययन करना शोधार्थी के लिए अत्यंत कठिन कार्य है । इसीलिए शोधार्थी ने अपने उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शोध क्षेत्र के आधार पर चयनित बैंको का अध्ययन करने का निर्णय लिया।

जिसमें निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों की बैंकों में से दैव निदर्शन विधि के आधार पर बैंकों का चयन किया गया है।

N=2 एस.बी.आई (सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक) ,आई.सी.आई.सी.आई. (निजी क्षेत्र की बैंक)

चूंकि शोधार्थी इन चयनित बैंकों से भलीभाँति परिचित है और ये चयनीत बैंक वर्धा शाखाओं के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसी आधार को मानकर इन चयनित बैंको का चयन किया है। चयनित इन दोनों बैंकों से सेवा प्राप्त कर रहे शिक्षित ग्राहकों से तथ्य संकलन हेतु 100 ग्राहकों का चयन किया जाएगा।

N =100

तथ्य संकलन प्रविधि

चयनित इन दोनों बैंकों से सेवा प्राप्त कर रहे शिक्षित ग्राहकों से तथ्य संकलन हेतु 100 ग्राहकों का चयन किया जाएगा। इन ग्राहकों से तथ्य संकलन हेतु प्रश्नावली तैयार कर उनसे भरवाई जाएगी।

तथ्य विश्लेषण प्रविधि

चयनित 100 ग्राहकों से प्राप्त तथ्यों का सांख्यिकीय विश्लेषण किया जाएगा। इसमें सारणी तथा आरेख का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावे मात्रात्मक प्रश्नों का विश्लेषण निर्वचनात्मक विधि के अंतर्गत किया जाएगा।

शोध अध्ययन की उपयोगिता-

शोध-प्रबंध निजी एवं सार्वजनिक बैंको की लाभदायकता के विभिन्न पहलुओं पर पर्याप्त प्रकाश डाला जाएगा। शोध अध्ययन में ये होगा की बैंको की लाभदायकता प्रबंध एवं उसकी उपयोगिता के स्तर को बेहतर बनाया जाए। इस शोध कार्य में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र क्षेत्र की अन्य बैंकों मे भी सुधार की आशा की जाएगी।

शोध की सीमाएं –

अध्ययन की उपादेयता की दृष्टि से उसकी सीमाएं निर्धारित करना अति आवश्यक है। इससे अध्ययन को विराम प्राप्त होता है तथा महत्वपूर्ण विषय भी हमारे समक्ष प्रस्तुत होता है। वर्धा शाखाओं में कार्यरत निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता का ही अध्ययन किया जाएगा।

संभावित अध्याय सूची-

प्रथम अध्याय – शोध अभिकल्प

1.1 शोध समस्या का चयन

1.2 शोध के उद्देश्य

1.3 शोध का क्षेत्र

1.4 निदर्शन का चयन

1.5 समकों का संकलन

1.6 शोध अध्ययन की उपयोगिता

1.7 शोध की सीमाएं

द्वितीय अध्याय – लाभदायकता की अवधारणा

2.1 लाभदायकता से अभिप्राय

2.2 लाभदायकता के उद्देश्य

2.3 लाभदायकता की आवश्यकता

2.4 निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक लाभदायकता का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान

2.5 आई.सी.आई.सी.आई. एवं एस.बी.आई का परिचय एवं वर्तमान स्थिति

तृतीय अध्याय –चयनित निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यप्रणाली

चतुर्थ अध्याय –चयनित निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों का लाभदायकता मूल्यांकन

पंचम अध्याय-

5.1 निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों की समस्या

5.2 निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों की समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव

निष्कर्ष

परिशिष्ठ

संदर्भ ग्रंथ सूची

शर्मा,विनय मोहन (2009). *शोध प्रविधि*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,वर्ष

जरारे, विजय (2007). *शोध प्रणाली* ए.बी.दी.पब्लिशर्स, जयपुर वर्ष

महरोत्रा,एच.सी.,*सार्वजनिक कंपनीयों में आय का प्रबंध* अप्रकाशित शोध प्रबंध, आगरा विश्वविद्यालय,आगरा.

भारद्वाज, मैथिली (2009). प्रसाद *शोध प्रविधि*, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा.

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)



एमएसडब्ल्यू मार्गदर्शक पुस्तिका

(MSW Information Booklet)

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र)

1) कार्यक्रम ध्येय और उद्देश्य(Programme's mission & objectives) :

एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन हेतु शिक्षित करके सामाजिक कार्य के पेशे को बढ़ावा देता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सक्षम पेशेवर के रूप में इस तरह तैयार करता है जिससे वे सामाजिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी सेवा प्रदान करने, अंतर्विषयक ज्ञान, सिद्धांत और व्यवहार तथा सामाजिक कार्य के मूल्यों को एकीकृत करने में सक्षम हो सकें। यह पाठ्यक्रम सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने हेतु आवश्यक ज्ञान प्रदान करने के साथ विद्यार्थियों को सिद्धांत एवं व्यवहार में उत्कृष्टता हेतु भी प्रेरित करता है। इस पाठ्यक्रम का ध्येय विविधता का स्वीकार एवं न्यायपूर्ण समाज की प्राप्ति के लिए सामाजिक बदलाव को प्रोत्साहित करना है। यह पाठ्यक्रम शिक्षा से वंचित विद्यार्थियों और सेवारत विद्यार्थियों को समाज कार्य शिक्षा का अवसर प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम के जरिए विद्यार्थी को निम्नलिखित क्षेत्र में सक्षम बनाना है –

- भारतीय समाज एवं समाज कार्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना ।
- विविधतापूर्ण समाज में पेशेवर समाज कार्य के लिए सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- अपने पेशेवर समाज कार्य के लिए समाज कार्य ज्ञान, कौशल, मूल्यों और नैतिकताओं के प्रयोग हेतु सक्षम बनाना।
- विद्यार्थी में आलोचनात्मक विवेक विकसित करना।
- समाज कार्य और अन्य अनुशासनों के अन्तर्विषयक ज्ञान को बढ़ाना।
- सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु विद्यमान दृष्टिकोणों की पहचान एवं नवीन दृष्टिकोणों की तलाश करने में सक्षम बनाना।
- समाज कार्य के नए क्षेत्रों की पहचान करना।

2) प्रस्तावित कार्यक्रम के संभावित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners):

इस कार्यक्रम के अतंर्गत निम्नलिखित संभावित शिक्षार्थी समूहों को रेखांकित किया गया है-

- स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी
- स्वयंसेवी संगठनों में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी
- गैर-सरकारी संगठनों में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी
- समाज कार्य की इच्छा रखने वाले और कार्य करने वाले स्नातक उत्तीर्ण स्त्री/पुरूष

3) दूर शिक्षा माध्यम से विशिष्ट कौशल एवं दक्षता प्राप्त करने में प्रस्तावित पाठ्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence) :

यह पाठ्यक्रम अपने आप में एक पेशेवर पाठ्यक्रम है अतएव विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरांत निम्नलिखित दक्षता प्राप्त कर सकेंगे –

- भारतीय समाज के बारे में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- समाज कार्य की प्राथमिक विधियों -वैयक्तिक कार्य, समूह कार्य एवं सामुदायिक विकास - का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- समाज कार्य की द्वितीयक विधियों –समाज कार्य अनुसंधान, सामाजिक क्रिया एवं समाज कल्याण प्रशासन - का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- समाज कार्य के नवीन क्षेत्रों की पहचान कर सकेंगे।
- सामाजिक समस्याओं को इंगित करना, अनुसंधान कर उन्हें दूर करने के तरीकों में सक्षम हो सकेंगे।
- प्रभावी सामाजिक कार्य कौशलों में दक्ष हो सकेंगे।
- सरकारी नीतियों का परिचय, क्रियान्वयन एवं समीक्षा में सक्षम हो सकेंगे।
- परियोजना प्रस्ताव बना सकेंगे।
- अनुसंधान प्रस्ताव बना सकेंगे।

4) निर्देशात्मक प्रारूप (Instructional Design) :

दूर शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थी के अध्ययन की व्यवस्था परम्परागत विश्वविद्यालयों से भिन्न होती है। यह पद्धति विद्यार्थी केन्द्रित होती है और इसकी सफलता विद्यार्थी के सक्रिय सहयोग और स्वाध्याय से संभव हो पाती है। इसमें संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पाठ्यक्रम से संबंधित निर्देश विद्यार्थी तक पहुँचाने हेतु विश्वविद्यालय बहुआयामी पद्धति अपनाता है-

- स्व-निर्देशित ऑनलाइन पाठ्यसामग्री - विद्यार्थियों को विषय से संबंधित ऑनलाइन पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। पीडीएफ फाइल प्रारूप में यह सामग्री निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। इस पाठ्यसामग्री को विद्यार्थी अपने कम्प्यूटर या मोबाइल पर निशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।
- ऑनलाइन विडियो सामग्री – ऑनलाइन पाठ्यसामग्री की सहायता के लिए निदेशालय पाठ्यचर्या के लिए ऑनलाइन विडियो की वेबसाइट पर अपलोड कर रहा है। इसे भी विद्यार्थी अपने कम्प्यूटर या मोबाइल पर निशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

- अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा अध्ययन केंद्र में सीधे परामर्श – विद्यार्थी जिस अध्ययन केंद्र में पंजीकृत हैं उन अध्ययन केंद्रों पर अपने अकादमिक परामर्शदाताओं से सम्पर्क कर सकते हैं। अकादमिक परामर्शदाता उन्हें सत्रीय कार्य, परियोजना कार्य,क्षेत्रकार्य आदि से संबंधित जानकारी प्रदान करते हैं।
- परामर्श सत्र – अध्ययन केंद्रों द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाता है। इन परामर्श सत्रों का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री अध्ययन के पश्चात यदि कोई शीर्षक या अवधारणा समझ में नहीं आती है तो वह उस समस्या का समाधान परामर्शदाता से परामर्श सत्र में प्राप्त करता है।
- अध्ययन केंद्रों पर पुस्तकालय की सुविधा – अध्ययन केंद्रों पर संबंधित पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध होती है। विद्यार्थी अध्ययन केंद्रों पर जाकर इस पुस्तकों की सहायता से विषय की समझ बढ़ा सकता है।

5) प्रवेश, पाठ्यचर्या कार्य सम्पादन एवं मूल्यांकन पद्धति (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation):

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश यूजीसी/दूर शिक्षा ब्यूरो द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार होगा और न्यूनतम अर्हता स्नातक रखी जाएगी। इस पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित शुल्क निर्धारण प्रथम वर्ष हेतु 11000/- तथा द्वितीय वर्ष हेतु 10750/- रखा गया है(इसमें विश्वविद्यालय द्वारा परिवर्तन किया जा सकता है)। निदेशालय के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के लिए छूट/शुल्क में कटौती और छात्रवृत्ति का भी प्रावधान है जिसका उल्लेख हर वर्ष विवरणिका में किया जाता है। पाठ्यचर्या कार्य सम्पादन के अंतर्गत वेबसाइट पर पूरी पाठ्यचर्या एवं पाठ्यसामग्री अपलोड की गई है और क्रेडिट विवरण की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है। कुल पूर्णांक में से सत्रांत/वार्षिक परीक्षा के लिए 70% तथा सत्रीय कार्य हेतु 30 % अधिभार निर्धारित है। परियोजना कार्य एवं क्षेत्र कार्य जर्नल 200 अंकों का होता है।

6) परामर्श सत्र (Counselling Sessions):

निदेशालय में विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम में क्षेत्रकार्य एवं परियोजना कार्य अनिवार्य है अतएव इन दोनों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त समस्त प्रश्नपत्रों से संबंधित कठिनाईयों को दूर करने के लिए भी परामर्शसत्र का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी द्वारा जब अध्ययन सामग्री को पढ़ता है तो उसे कुछ बिंदुओं को लेकर अस्पष्टता हो सकती है। परामर्श सत्र के जरिए उन्हें यह अवसर दिया जाता है कि वे अपनी समस्याओं को परामर्शदाता के साथ साझा करें और उस बिंदु को स्पष्ट रूप से समझें। परामर्श सत्र का उद्देश्य पाठ्यसामग्री के अध्ययन में आने वाली समस्याओं को दूर करना है। एमएसडब्ल्यू परामर्श सत्रों का संचालन संबंधित अध्ययन केंद्रों पर किया जाता है।

निदेशालय द्वारा संचालित किए जाने वाले एम.एस.डब्यू पाठ्यक्रम के अतंर्गत **पाठ्यचर्या** विवरण इस प्रकार है –

एम.एस.डब्ल्यू (MSW)

चार सेमेस्टर (कुल-80 क्रेडिट)

प्रथम सेमेस्टर

MSW 01	समाज कार्य का उद्भव और विकास	4 क्रेडिट
MSW 02	सामाजिक विज्ञान अवधारणाएं	4 क्रेडिट
MSW 03	समाज कार्य के क्षेत्र	4 क्रेडिट
MSW 04	व्यक्तित्व एवं मानव व्यवहार की गतिकी	4 क्रेडिट
MSW 05	भारतीय सामाजिक समस्याएं	4 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

द्वितीय सेमेस्टर

MSW 06	सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य	4 क्रेडिट
MSW 07	सामाजिक समूह कार्य	4 क्रेडिट
MSW 08	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया	4 क्रेडिट
MSW 09	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास	4 क्रेडिट
MSW 10	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन	4 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

तृतीय सेमेस्टर

MSW 11	समाज कार्य प्रबंधन	4 क्रेडिट
MSW 12	समाज कार्य अनुसंधान	4 क्रेडिट
MSW 13	सामुदायिक स्वास्थ्य	4 क्रेडिट
MSWFW01	क्षेत्र कार्य*	8 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

चतुर्थ सेमेस्टर

MSW 14	गांधीय समाज कार्य	4 क्रेडिट
MSW 15	परामर्श एवं सम्प्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य	4 क्रेडिट
MSW 16	संविधान और मानवाधिकार	4 क्रेडिट
MSWP01	परियोजना कार्य*	8 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

* क्षेत्र कार्य एवं परियोजना कार्य संबंधी मार्गनिर्देशन पुस्तिका अलग से पाठ्यसामग्री के साथ वेबसाइट पर उपलब्ध है।

समस्त पाठ्यसामग्री निम्नलिखित लिंक पर नि:शुल्क उपलब्ध है-

http://hindivishwa.org/distance/contentdtl.aspx?category=3&cgid=71&csgid=0#

MSW 01	समाज कार्य का उद्भव और विकास	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – समाज कार्य अनुशासन के रूप में

इकाई - 1 अनुशासन का उदय

इकाई - 2 अनुशासन एवं अंतरानुशासनिकता

इकाई - 3 अनुशासन के रूप में समाज कार्य का उदय

खण्ड - 2 - समाज कार्य का इतिहास: वैश्विक परिदृश्य

इकाई - 1 यूरोप में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 2 अमेरिका में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 3 एशिया में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 4 अफ्रीका व मध्य-पूर्व में समाज कार्य का इतिहास

खण्ड - 3 - समाज कार्य व्यवसाय एवं शिक्षा

इकाई - 1 समाज कार्य एक व्यवसाय के रूप में

इकाई - 2 समाज कार्य शिक्षा: सिंहावलोकन एवं संभावनाएं

इकाई - 3 दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से समाज कार्य शिक्षा

इकाई - 4 व्यावसायिक समाज कार्य के मूल्य, सिद्धान्त और नैतिकताएं

खण्ड - 4 - भारत में समाज कार्य का उद्गम और विकास

इकाई - 1 भारत में समाज कार्य का ऐतिहासिक विकास

इकाई - 2 विभिन्न धर्म और समाज कार्य

इकाई - 3 राज्य और समाज कार्य

इकाई - 4 गांधी विचार एवं समाज कार्य

इकाई - 5 समसामयिक प्रवृत्तियां

MSW 02	सामाजिक विज्ञान अवधारणाएं	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समाज की मूलभूत संकल्पनाएं

इकाई - 1 भारतीय समाज: संरचना, वर्गीकरण और स्तरीकरण

इकाई - 2 सामाजिक समूह, सामाजिक संस्थाएं और सामाजिक नियंत्रण

इकाई - 3 समुदाय की संकल्पना - शहरी,ग्रामीण एवं आदिवासी

इकाई - 4 सामाजिक बदलाव - अर्थ, विशेषताएं और कारक

खण्ड - 2 – सामाजिक समस्याएं एवं आंदोलन

इकाई - 1 भारत में सामाजिक समस्याएं एवं उनका प्रभाव

इकाई - 2 भारत में सामाजिक आंदोलन (स्वतंत्रता पूर्व)

इकाई - 3 भारत में सामाजिक आंदोलन (स्वतंत्रता पश्चात)

इकाई - 4 नव सामाजिक आंदोलन एवं विमर्श

खण्ड - 3 - पारिवारिक संरचना

इकाई - 1 परिवार एवं विवाह की अवधारणा

इकाई - 2 परिवार एवं विवाह के बदलते प्रतिमान

इकाई - 3 पितृसत्ता एवं जेंडर विमर्श

इकाई - 4 पारिवारिक व्यवस्था में समकालीन समस्याएं

खण्ड - 4 - समकालीन संकल्पनाएं

इकाई - 1 राजनीतिक विचारों का विकास : राष्ट्र-राज्य का उदय एवं राष्ट्रवाद

इकाई - 2 राजनीतिक विचारों का विकास : नवउपनिवेशवाद एवं लोकतंत्र विमर्श

इकाई - 3 सामाजिक विचारों का विकास : मैक्स वेबर, दुर्खीम, टॉल्कट पार्सन एवं पियरे बोर्दियू

इकाई - 4 सामाजिक विचारों का विकास : गांधी, अम्बेडकर एवं लोहिया

MSW 03	समाज कार्य के क्षेत्र	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – महिला एवं बाल विकास

इकाई - 1 भारतीय परिदृश्य में स्त्रियां एवं उनकी समस्याएं

इकाई - 2 स्त्री आंदोलन एवं सशक्तिकरण नीतियां

इकाई - 3 भारतीय परिदृश्य में बाल विकास

इकाई – 4 बाल विकास नीतियां – राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय

खण्ड - 2 – समुदाय विकास

इकाई - 1 जनजातीय विकास

इकाई - 2 ग्रामीण विकास

इकाई - 3 शहरी विकास

खण्ड - 3 – वंचित वर्गों का विकास

इकाई - 1 अनुसूचित जाति

इकाई - 2 अन्य पिछडा वर्ग

इकाई - 3 विशेष योग्यजन

इकाई - 4 तृतीय पंथी जन

खण्ड - 4 – अन्य क्षेत्र

इकाई - 1 अपराधशास्त्र एवं सुधारात्मक सेवाएं

इकाई - 2 चिकित्सीय एवं मनोचिकित्सीय सेवाएं

इकाई - 3 वृद्धावस्था सेवाएं

इकाई - 4 पर्यावरण विकास एवं आपदा प्रबंधन

इकाई - 5 युवा विकास

MSW 04	व्यक्तित्व एवं मानव व्यवहार की गतिकी	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – व्यक्तित्व : परिचय

इकाई - 1 व्यक्तित्व : अर्थ, परिभाषा एवं निर्धारक

इकाई - 2 व्यक्तित्व विकास की अवस्थाएं

इकाई - 3 जीवन अवधि

इकाई – 4 व्यक्तित्व और व्यवहार

खण्ड - 2 – मानव व्यवहार

इकाई - 1 मानव व्यवहार : अवधारणा और निर्धारक

इकाई - 2 समायोजन : अवधारणा, विशेषताएं और निर्धारक

इकाई - 3 असामान्य व्यवहार : लक्षण, कारक और प्रकार

इकाई - 4 नेतृत्व : आवश्यकता, प्रकार और प्रकार्य

खण्ड - 3 – मनोसामाजिक प्रक्रियाएं

इकाई - 1 अभिप्रेरणा

इकाई - 2 समाजीकरण

इकाई - 3 संवेदना –प्रत्यक्षीकरण

इकाई - 4 अभिवृत्ति

खण्ड - 4 – व्यक्तित्व के सिद्धांत

इकाई - 1 फ्रायड एवं जुंग

इकाई - 2 एडलर एवं एल्बर्ट बंडुरा

इकाई - 3 मार्सिया एवं पियाजे

इकाई - 4 एरिक एरिक्सन

MSW 05	भारतीय सामाजिक समस्याएं	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – सामाजिक समस्या की अवधारणा

इकाई - 1 सामाजिक समस्या : परिचय

इकाई - 2 सामाजिक समस्या के कारण एवं प्रकार

इकाई - 3 सामाजिक समस्या के प्रभाव

खण्ड - 2 – सामाजिक परिदृश्य

इकाई - 1 निर्धनता और बेरोजगारी

इकाई - 2 भ्रष्टाचार

इकाई - 3 पितृसत्ता

इकाई - 4 साम्प्रदायिकता एवं अस्मिता विमर्श

खण्ड - 3 – राजनीतिक परिदृश्य

इकाई - 1 क्षेत्रीयता

इकाई - 2 आतंकवाद

इकाई - 3 नक्सलवाद

खण्ड - 4 – समाज सुधार आंदोलन

इकाई - 1 समाज सुधार आंदोलन (स्वतंत्रता पूर्व)

इकाई - 2 समाज सुधार आंदोलन (स्वतंत्रता पश्चात)

इकाई - 3 नव सामाजिक आंदोलन

इकाई - 4 समसामयिक परिप्रेक्ष्य

MSW 06	सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य – I

इकाई - 1 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य : समाज कार्य प्रणाली के रूप में

इकाई - 2 सेवार्थी को समझने के लिए व्यवहारगत अवधारणाएं

इकाई - 3 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य का कार्यक्षेत्र

इकाई - 4 वैयक्तिक कार्य के घटक

खण्ड - 2 - सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य – II

इकाई - 1 वैयक्तिक सेवाकार्य के सिद्धांत

इकाई - 2 सहायता करने की सहायक तकनीकें

इकाई - 3 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य प्रक्रिया

इकाई - 4 वैयक्तिक सेवाकार्य के उपकरण

इकाई - 5 वैयक्तिक सेवाकार्य में कुछ सैद्धांतिक विचार मार्ग

खण्ड - 3 - परामर्श के मूलतत्व

इकाई - 1 परामर्श की जानकारी

इकाई - 2 परामर्श प्रक्रिया

इकाई - 3 परामर्श में प्रयोग की जानेवाली सहायक और व्यावहारिक विधियाँ

इकाई - 4 परामर्श में प्रयोग की जानेवाली संज्ञानात्मक और मनोविश्लेषणात्मक विधियाँ

इकाई - 5 परामर्श में निहित व्यावहारिक मुद्दे

खण्ड - 4 - साक्षात्कार और अभिलेखन

इकाई - 1 सामाजिक वैयक्तिक कार्य में साक्षात्कार

इकाई - 2 साक्षात्कार तथा संप्रेषण

इकाई - 3 साक्षात्कार - कौशल तथा तकनीकें

इकाई - 4 सामाजिक वैयक्तिक कार्य में अभिलेखन और प्रलेखन/दस्तावेज़

MSW 07	सामाजिक समूह कार्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - सामाजिक समूह कार्य का परिचय

इकाई - 1 सामाजिक समूह: विशेषताएँ और महत्व

इकाई - 2 समूह कार्य का ऐतिहासिक विकास

इकाई - 3 भारत में सामाजिक समूह कार्य का इतिहास

इकाई - 4 समाजकार्य की प्रणाली के रूप में सामाजिक समूह कार्य

खण्ड - 2 - समूह कार्य सक्रियता

इकाई - 1 सामाजिक समूह कार्य के सिद्धांत एवं प्रारूप

इकाई - 2 समूह विकास की अवस्थाएँ

इकाई - 3 समूह निर्माण की प्रक्रिया

इकाई - 4 सामाजिक समूह कार्य में मूल्य और सिद्धांत

खण्ड - 3 - सामाजिक कार्य में नेतृत्व और कौशल विकास

इकाई - 1 नेतृत्व और शक्ति/अधिकार

इकाई - 2 सामाजिक समूह कार्य के कौशल और तकनीकें

इकाई - 3 सामाजिक समूह कार्य में जीवन कौशल शिक्षा की प्रासंगिकता

इकाई - 4 सामाजिक समूह कार्य में कार्यक्रम नियोजन

खण्ड - 4 - विभिन्न स्थापनों में सामाजिक समूह कार्य

इकाई - 1 भारतीय संदर्भ में स्व सहायता समूहों की संकल्पना और सक्रियता

इकाई - 2 सामुदायिक स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 3 संस्थागत स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 4 शैक्षिक स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 5 समूह कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका

MSW 08	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समुदाय की अवधारणाएं और सामुदायिक विकास

इकाई - 1 समुदाय की अवधारणाएं और सामुदायिक कार्य

इकाई – 2 ग्रामीण एवं शहरी समुदाय

इकाई - 3 जनजातीय समुदाय

इकाई - 4 सामुदायिक विकास कार्यक्रम

खण्ड - 2 - सामुदायिक विकास के लिए सामुदायिक संगठन

इकाई - 1 सामुदायिक संगठन: संकल्पना

इकाई – 2 सामुदायिक संगठन का इतिहास

इकाई – 3 समाज कार्य प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन

इकाई - 4 सामुदायिक संगठन के प्रारूप और दृष्टिकोण

इकाई - 5 सामुदायिक संगठन में वर्तमान मुद्दे तथा सामुदायिक संगठनकर्ता की भूमिका

खण्ड - 3 - सामाजिक क्रिया : अवधारणा

इकाई - 1 सामाजिक क्रिया: अवधारणा एवं अनुप्रयोग

इकाई - 2 सामाजिक क्रिया के मॉडल

इकाई - 3 सामाजिक क्रिया में रणनीतियां तथा कौशल

इकाई - 4 सामाजिक क्रिया: समाज कार्य का एक तरीका

MSW 09	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - सामाजिक गतिकी एवं परिवर्तन

इकाई - 1 प्रवासन

इकाई - 2 ग्रामीण - शहरी द्वंद्व

इकाई - 3 उद्योगीकरण एवं वैश्वीकरण

इकाई - 4 परिवर्तनशील व्यावसायिक संरचना एवं उदारीकरण का प्रभाव

खण्ड - 2 - विकास की अवधारणाएं

इकाई - 1 सामाजिक और मानव विकास

इकाई - 2 सतत विकास

इकाई - 3 विकास और प्रगति: आर्थिक और सामाजिक आयाम

इकाई - 4 विकास का जेंडर परिप्रेक्ष्य

इकाई - 5 जनसंख्या और विकास

खण्ड - 3 - विकास: मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य

इकाई - 1 संविधान के सामाजिक आदर्श

इकाई - 2 सामाजिक कार्य और मानवाधिकार

इकाई - 3 हितकारी अर्थव्यवस्था और विकास

इकाई - 4 भारतीय न्यायिक प्रणाली

खण्ड - 4 - सामाजिक विधान

इकाई - 1 महिलाओं एवं बालकों /बालिकाओं के लिए कानूनी प्रावधान

इकाई - 2 बुर्जुगों एवं विशेष योग्यता वाले व्यक्तियों के लिए कानून

इकाई - 3 आदिवासियों के लिए कानून

इकाई - 4 सामाजिक विधान के समकालीन संदर्भ

MSW 10	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समाज कल्याण प्रशासन

इकाई - 1 समाज कल्याण प्रशासन: अवधारणाएं, इतिहास एवं प्रकृति

इकाई - 2 समाज कल्याण प्रशासन के कार्य, सिद्धांत और कार्यक्षेत्र

इकाई - 3 समाज कल्याण संगठन

इकाई - 4 समाज कल्याण सेवाओं का प्रबंधन

इकाई - 5 सामाजिक नीति और समाज कल्याण प्रशासन

खण्ड - 2- सामाजिक नीति

इकाई - 1 सामाजिक नीति : परिचय

इकाई - 2 सामाजिक नीति: प्रारूप एवं सिद्धांत

इकाई - 3 सामाजिक नीति और भारतीय संविधान

इकाई - 4 भारत में सामाजिक नीति

इकाई - 5 सामाजिक नीति और पंचवर्षीय योजनाएं

इकाई -6 नीति आयोग

खण्ड – 3 - सामाजिक नियोजन

इकाई - 1 सामाजिक नियोजन : अवधारणा, अर्थ परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रक्रिया

इकाई - 2 सामाजिक नियोजन : प्रकार्य ,सिद्धांत एवं प्रकार

इकाई - 3 सामाजिक नियोजन एवं पंचवर्षीय योजनाएं

इकाई - 4 भारत में सामाजिक नियोजन

इकाई - 5 सामाजिक एवं टिकाऊ विकास

MSW 11	समाज कार्य प्रबंधन	4 क्रेडिट

खंड – 1 . प्रबंधन : परिचय एवं भूमिका

इकाई 1. परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र

इकाई 2. प्रबंधन के सिद्धांत एवं स्तर

इकाई 3. प्रबंधन के प्रकार्य

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन प्रबंधन के मुद्दे

खंड-2 . गैर-सरकारी संगठनों की प्रस्तावना

इकाई 1. गैर-सरकारी संगठन – परिभाषा , अवधारणा, उद्देश्य एवं प्रकार

इकाई 2. गैर-सरकारी संगठनों की रणनीतियाँ

इकाई 3. गैर-सरकारी संगठन: भारत सरकार की विभिन्न योजनाएँ

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन: समस्याएँ एवं निराकरण

खंड- 3. संगठन संबंधी प्रक्रिया

इकाई 1. संगठन पंजीकरण, संविधान और नीतियाँ

इकाई 2. कार्यक्रम एवं परियोजना प्रबंधन

इकाई 3. गैर-सरकारी संगठन में खाते बनाना एवं वित्तीय विवरण

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन के लिए आयकर में छूट

MSW 12	समाज कार्य अनुसंधान	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समाज कार्य में अनुसंधान के मूल तत्व

इकाई - 1 सामाजिक अनुसंधान

इकाई - 2 सामाजिक अनुसंधान के प्रकार

इकाई - 3 शोध प्रारूप

खण्ड - 2 - समाज कार्य में अनुसंधान विधियॉं

इकाई - 1 शोध समस्या का निर्धारण

इकाई - 2 परिकल्पना

इकाई - 3 आंकड़ा स्रोत : प्राथमिक एवं द्वितीयक

इकाई - 4 अनुसंधान विधियॉं I : परीक्षणात्मक अनुसंधान

इकाई - 5 अनुसंधान विधियॉं II : गुणात्मक अनुसंधान

खण्ड - 3 - ऑंकड़ा संग्रहण की विधियॉं

इकाई - 1 प्रतिचयन

इकाई - 2 प्रश्नावली एवं अनुसूची

इकाई - 3 साक्षात्कार

इकाई- 4 अवलोकन

खण्ड - 4 - विश्लेषण प्रविधि

इकाई - 1 विश्लेषण प्रविधि

इकाई - 2 सांख्यिकी : परिचय एवं महत्व, सांख्यिकी माध्य

इकाई - 3 प्रस्तुतीकरण

इकाई – 4 संदर्भ लेखन

MSW 13	सामुदायिक स्वास्थ्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 सामुदायिक स्वास्थ्य की संकल्पना

इकाई - 1 स्वास्थ्य एवं बीमारी की संकल्पनाएं

इकाई - 2 स्वास्थ्य का समाजशास्त्र

इकाई - 3 स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक

इकाई - 4 समुदाय की स्वास्थ्य देखभाल

खण्ड - 2 भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रदाय व्यवस्था

इकाई - 1 राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

इकाई - 2 राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति

इकाई - 3 जनसंख्या नीति

इकाई - 4 सभी के लिए स्वास्थ्य

इकाई - 5 सहस्राब्दि विकास लक्ष्य

खण्ड - 3 स्वास्थ्य शोध, संचार एवं समाज कार्य

इकाई - 1 स्वास्थ्य सूचना एवं सांख्यिकी

इकाई - 2 स्वास्थ्य व्यवस्था एवं शोध

इकाई - 3 व्यवहार बदलाव संप्रेषण - सिद्धांत एवं रणनीति

इकाई - 4 स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक भागीदारी (पंचायतों की भूमिका)

खण्ड - 4 सामुदायिक स्वास्थ्य की गांधीय संकल्पना

इकाई - 1 स्वास्थ्य एवं सामुदायिक स्वास्थ्य की गांधी संकल्पना

इकाई - 2 प्राकृतिक चिकित्सा

इकाई - 3 स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रयोग

MSWFW01	क्षेत्र कार्य 8 क्रेडिट
	क्षेत्र कार्य के लिए क्षेत्र कार्य जर्नल निदेशालय की वेबसाइट के अंतर्गत पाठ्यसामग्री में अपलोड किया गया है। विद्यार्थी क्षेत्र कार्य जर्नल का अवलोकन करें एवं दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे भरेंगे। इसे तृतीय सत्र के सत्रीय कार्य के साथ जमा करना होता है।

MSW 14	गांधीय समाज कार्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – गांधी दर्शन के मूल आधार

इकाई - 1 सत्य की अवधारणा

इकाई - 2 अहिंसा

इकाई - 3 सत्याग्रह

इकाई - 4 हिंसा पर गांधी के विचार

खण्ड - 2 – गांधीय समाज कार्य - I

इकाई - 1 अहिंसात्मक संघर्ष की अवधारणा और उसका औचित्य

इकाई - 2 रचनात्मक कार्यक्रम

इकाई - 3 एकादश व्रत

इकाई - 4 सर्वोदय

खण्ड - 3 – गांधीय समाज कार्य - II

इकाई - 1 साम्प्रदायिक सद्भाव

इकाई - 2 ट्रस्टीशिप

इकाई - 3 स्वेदशी

इकाई - 4 बुनियादी शिक्षा

इकाई -5 अस्पृश्यता उन्मूलन

खण्ड - 4 – अहिंसक आंदोलन : गांधी के बाद

इकाई - 1 भूदान एवं ग्रामदान

इकाई - 2 सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन

इकाई - 3 सामाजिक आंदोलन की गांधीय प्रविधि

इकाई - 4 नव सामाजिक आंदोलन और गांधी

इकाई -5 गांधी की प्रासंगिकता

MSW 15	परामर्श एवं सम्प्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – परामर्श के मूल तत्व

इकाई - 1 परामर्श : अर्थ, अवधारणा और उद्देश्य

इकाई - 2 परामर्श की प्रक्रिया एवं अवस्थाएं

इकाई - 3 परामर्श तकनीक और उपकरण

इकाई - 4 समाज कार्य में परामर्श अभ्यास

खण्ड - 2 – परामर्श प्रक्रिया

इकाई - 1 व्यक्तिगत परामर्श

इकाई - 2 युगल और परिवार परामर्श

इकाई - 3 परामर्श एवं थेरेपी : अंतरसंबंध

इकाई - 4 सामाजिक कार्यकर्ता : एक परामर्शदाता के रूप में

खण्ड - 3 – संचार के मूल तत्व

इकाई - 1 संचार : अर्थ एवं अवधारणा

इकाई - 2 संचार के चरण एवं प्रारूप

इकाई - 3 संचार सैद्धांतिकी : संस्कृति उत्पाद, पब्लिक स्फेयर एवं सहमति निर्माण

इकाई - 4 भारत में संचार परिदृश्य

खण्ड - 4 – संचार एवं समाज कार्य

इकाई - 1 वैयक्तिक समाज कार्य अभ्यास में संचार

इकाई - 2 समूह समाज कार्य अभ्यास में संचार

इकाई - 3 सामुदायिक संगठन अभ्यास में संचार

इकाई - 4 सामाजिक क्रिया अभ्यास में संचार

MSW 16	संविधान और मानवाधिकार	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – भारतीय संविधान

इकाई - 1 भारतीय संविधान का इतिहास

इकाई - 2 भारतीय संविधान का परिचय

इकाई – 3 भारतीय संविधान की विशेषताएं

खण्ड - 2 – भारतीय संविधान की अन्तर्वस्तु

इकाई - 1 मूल अधिकार एवं कर्तव्य

इकाई - 2 राज्य के नीति निर्देशक तत्व

इकाई - 3 संविधान संशोधन की प्रक्रिया

इकाई - 4 संविधान संबंधी समसामयिक विमर्श

खण्ड - 3 – मानवाधिकार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

इकाई - 1 मानवाधिकार : परिचय

इकाई - 2 मानवाधिकार का दर्शन

इकाई - 3 मानवाधिकार विकास के चरण

इकाई - 4 मानवाधिकार के सिद्धांत

खण्ड - 4 – अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिदृश्य

इकाई - 1 मानवाधिकार का सार्वभौमिक घोषणा पत्र

इकाई - 2 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संविदाएं

इकाई - 3 मानवाधिकार संबंधी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं

इकाई - 4 मानवाधिकार संबंधी राष्ट्रीय संस्थाएं

MSWP01	परियोजना कार्य 8 क्रेडिट
	परियोजना कार्य संबंधी निर्देशिका निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड की गयी है। विद्यार्थी इसका अवलोकन कर परियोजना कार्य प्रस्तुत करेंगे। इसे चतुर्थ सत्र के सत्रीय कार्य के साथ भेजा जाना है।

परामर्श/अभ्यास कक्षाएं

विद्यार्थी जिस अध्ययन केंद्र में नामांकित हैं उन सभी अध्ययन केंद्रों पर परामर्श/अभ्यास कक्षाओं का संचालन किया जाता है। विद्यार्थी संबंधित अध्ययन केंद्रों पर जाकर इन परामर्श/कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित होकर अध्ययन कर सकते हैं। दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा मुख्यालय में नामांकित विद्यार्थियों के लिए एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम संबंधी समयसारणी निम्नानुसार है-

एमएसडब्ल्यू (सत्र 2022-23 सभी सत्रों के लिए)

दिन ⇩ समय ⇨	10.00-11.00	11.00-12.00	12.00-01.00	02.00-03.00	03.00-04.00	04.00-05.00
सोमवार	MSW 01	MSW 06	MSW 11	MSW 14	पाठ्यक्रम संबंधी परामर्श	ट्यूटोरियल/रिमेडियल कक्षाएं
मंगलवार	MSW 02	MSW 07	MSW 12	MSW 15		
बुधवार	MSW 03	MSW 08	MSW 13	MSW 16		
गुरूवार	MSW 04	MSW 09	MSWFW01	MSWP01		
शुक्रवार	MSW 05	MSW 10				

शिक्षक : डॉ.शंभू जोशी,एसोशिएट प्रोफेसर (संयोजक : एमएसडब्ल्यू)

स्थान : कक्ष क्रमांक 16 एवं 22 , दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सम्पर्क कक्षाएं

दूर शिक्षा निदेशालय में शुक्रवार, शनिवार और रविवार को सम्पन्न होने वाली सम्पर्क कक्षाओं के लिए अलग से सूचना निकाली जाएगी। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट का निरंतर अवलोकन करते रहें।

25/10/22

पाठ्यक्रम संयोजक

K. Balend

निदेशक : दूर शिक्षा निदेशालय

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –

पाठ्यक्रम संयोजक – एमएसडब्ल्यू

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)

संपर्क – (07152) – 247146 Ext. 188

09970865987 /shambhujoshi@gmial.com

टोलफ्री नं. -1800-233-1575

www.hindivishwa.org/distance

studentservicecentredde@gmail.com/ddemgahv@gmail.com

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

दूर शिक्षा निदेशालय

विद्यार्थी मार्गदर्शिका

जनवरी, 2021

MBA
MSW
MJ
MAHD
BA
BEd
BJ
PGDEM&FP
PGDJMC
PGDCA
PGDCWH
PGDT
PGDD&T
PGDMW
DCA
CL&A
CCL
CFL
CGL
CJL
CSL
CD&MNGO



श्री राम नाथ कोविंद
मा. कुलाध्यक्ष एवं भारत के राष्ट्रपति



प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी
मा. कुलाधिपति



प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति



प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
प्रतिकुलपति



प्रो. चंद्रकांत एस. रागीट
प्रतिकुलपति

अकादमिक सदस्य, दूर शिक्षा निदेशालय

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	प्रो. हरीश अरोड़ा	प्रोफेसर एवं निदेशक
2	डॉ. शंभू जोशी	एसोसिएट प्रोफेसर
3	डॉ. अमित राय	एसोसिएट प्रोफेसर
4	डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर
5	डॉ. प्रियंका मिश्र	एसोसिएट प्रोफेसर
6	डॉ. रामप्रकाश यादव	सहायक प्रोफेसर
7	डॉ. परिमल प्रियदर्शी	अनुसंधान अधिकारी

प्रशासनिक सदस्य, दूर शिक्षा निदेशालय

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	डॉ. एम.एम. मंगोड़ी	क्षेत्रीय निदेशक
2	डॉ. पीयूष कुमार पतंजलि	क्षेत्रीय निदेशक
3	श्री दीपक साल्वे	एमटीएस

अनुक्रम

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ
1	कुलपति का संदेश	01
2	निदेशक का वक्तव्य	02
3	निदेशालय का परिचय	03
4	अकादमिक कैलेंडर	04
5	पाठ्यक्रमों का विवरण	05
6	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)**	06
7	समाजकार्य में स्नातकोत्तर (MSW)	08
8	पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ)	08
9	एमए हिंदी (MAHD)	09
10	शिक्षा- स्नातक (BEd)**	10
11	कला में स्नातक (BA)	11
12	पत्रकारिता में स्नातक (BJ)	14
13	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM&FP)	14
14	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)***	14
15	कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA)	15
16	सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCWH)***	--
17	अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT)***	--
18	नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDD&T)***	--
19	मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMW)***	--
20	कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (DCA)	16
21	नेतृत्व एवं प्रशासन में प्रमाणपत्र (CL&A)***	--
22	चीनी भाषा में प्रमाणपत्र (CCL)***	--
23	फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (CFL)***	--
24	जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र (CGL)***	--
25	जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (CJL)***	--
26	स्पैनिश भाषा में प्रमाणपत्र (CSL)***	--
27	गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन में प्रमाणपत्र (CD&MNGO)***	--
28	शुल्क सारिणी	17
29	महत्त्वपूर्ण निर्देश	18
30	महत्त्वपूर्ण आवेदन पत्र*	
31	मान्यता संबंधी आदेश*	

नोट : * हेतु www.hindivishwa.org/distance देखें।

** यूजीसी डेब (UGC - DEB) से अनुमोदन की प्रत्याशा में स्थगित हैं। अनुमोदनोपरांत सूचना अलग से केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

*** पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाएगा।



कुलपति का संदेश...

प्रिय छात्र–छात्राओं,

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय में आपका स्वागत।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की स्थापना हिंदी को केंद्र में रखकर विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का सृजन करने और समर्थ युवा पीढ़ी के निर्माण के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान के रूप में की गई है। विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के प्रत्येक वर्ग, समुदायों, वंचितों और अल्प– प्रतिनिधित्व वाले समूहों तक पहुँचाना है।

रोजगार और वैश्विक परिदृश्य में लगातार हो रहे परिवर्तनों को केंद्र में रखते हुए भारत को एक विकसित देश बनाने तथा दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने के लिए यह आवश्यक है कि समाज का प्रत्येक वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त करे। उच्चस्तरीय शिक्षा वह उचित माध्यम है, जिससे देश की समृद्ध प्रतिभा और संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्द्धन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र विश्व की भलाई के लिए किया जा सकता है और यह तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक वर्ग उच्च शिक्षा ग्रहण करे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है और तकनीक के अधिकतम उपयोग के द्वारा दूरस्थ माध्यमों से सबको शिक्षा और श्रेष्ठ शिक्षा का लक्ष्य सहजता से प्राप्त होगा यह भी प्रतिपादित है । उक्त के परिप्रेक्ष्य में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की भूमिका अत्यन्त महत्त्व की है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय उन सभी विद्यार्थियों के लिए, चाहे उनका निवास स्थान कहीं भी हो, गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसी संकल्पना तथा निरंतर परिवर्तनशील वैश्विक परिदृश्य को केंद्र में रखते हुए निदेशालय ने व्यवसाय प्रशासन, समाजकार्य, पत्रकारिता, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, हिदी, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा कला, शिक्षा, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, पत्रकारिता में स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कंप्यूटर, पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा / डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं, जो उच्च शिक्षा को जन–जन के द्वार तक पहुँचाने में सार्थक होंगे।

निदेशालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों को लगातार लोकप्रियता प्राप्त हो रही है। मुझे विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय आपके सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास करते हुए एक योग्य, सक्षम एवं संवेदनशील नागरिक बनने का अवसर देगा। विश्वविद्यालय के अध्यापक और कर्मचारीगण सभी आपकी उच्च शिक्षा यात्रा में हर स्तर पर सहयोग एवं विकास में आपके साथ हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल)
कुलपति



निदेशक का संदेश...

हिंदी केवल भारत की नहीं वरन विश्व की सबसे अधिक वैज्ञानिक भाषा है। यह ज्ञान–विज्ञान के समस्त क्षेत्रों में अभिव्यक्ति के लिए न केवल उपयोगी है प्रत्युत वैश्विक संदर्भों में इसकी सार्थकता को भी सभी ने स्वीकार किया है। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत बिना किसी भेदभाव के भारतीय समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को पहुँचना प्रमुख लक्ष्य है। यह केवल ज्ञान प्रदान करने का माध्यम मात्र नहीं होगी वरन श्रेष्ठ व्यक्ति के निर्माण की संकल्पना को चरितार्थ करना इसका ध्येय है। यह शिक्षा प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा, आधुनिक जीवन मूल्यों और भविष्य की चुनौतियों को केंद्र में रखकर समन्वयवादी दृष्टि की होगी। इसीलिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने भारत के प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा को पहुँचने की दृष्टि से विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन आरंभ कर दिया है, जिसका लक्ष्य भारत के प्रत्येक व्यक्ति तक मूल्यपरक शिक्षा को पहुँचाना है। विशेष रूप से ऐसे सामाजिकों तक जिनके पास शिक्षा प्राप्त करने साधन अत्यन्त सीमित हैं।

शिक्षा संस्थानों की कमी, आर्थिक संसाधनों के अभाव और व्यस्ततम जीवनचर्या के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाने वाले सामाजिकों के लिए दूरशिक्षा सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय हिंदी भाषा के माध्यम से विभिन्न विषयों की शिक्षा देने के लिए संकल्पबद्ध है। निश्चित रूप से नयी शिक्षा नीति की मूल स्थापनाओं में शोध के नए आयामों और नवाचार के प्रतिमानों को प्राप्त करने में यह विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। इस दिशा में दूर शिक्षा निदेशालय विभिन्न रोज़गारोन्मुख पाठ्यक्रमों के संचालन द्वारा भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को चरितार्थ करने की दिशा में अग्रसर है। नए और उन्नत भारत के निर्माण में आप सभी का स्वागत है। निदेशालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के प्रति मैं हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ।



(प्रो. हरीश अरोड़ा)
निदेशक

निदेशालय का परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, भारतीय संसद द्वारा पारित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम, 1996 (1997 की अधिनियम संख्या 3) के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के लिए एक विकल्प उपस्थित करने का प्रयास है। विश्वविद्यालय की दृष्टि में यह वैकल्पिकता सक्रिय रूप में दिखाई पड़ती है। इसके शैक्षणिक ढाँचे में आवश्यकतानुसार लचीलेपन का समावेश लक्षित है। विश्वविद्यालय के अधिनियम की धारा 4 में उल्लिखित विश्वविद्यालय के उद्देश्य निम्नांकित हैं –

''विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणतः हिंदी भाषा तथा साहित्य का संवर्धन और विकास करना एवं उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों एवं अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना, देश तथा विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी की कार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन व भाषा विज्ञान आदि क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना, विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी सेवियों, विद्वानों एवं समूहों तक पहुँचना तथा विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण व अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा।'' साथ ही धारा 5 के उपबंध (V) के अंतर्गत विश्वविद्यालय को प्रदत्त शक्तियों में बताया गया है कि ''दूर शिक्षा माध्यम से उन व्यक्तियों को, जिनके बारे में वह अवधारित करे, सुविधाएँ प्रदान करना।'' इसी पृष्ठभूमि के आलोक में 15 जून, 2007 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय का उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष महामहिम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा किया गया।

दूर शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के हर तबके, विशेष तौर पर हाशिए पर रह रहे शिक्षा से वंचित लोगों तक पहुँचाना है। यह हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु कटिबद्ध है। निदेशालय स्त्री–अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने का प्रयास करेगा ताकि विश्वशांति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके। हिंदी में मौलिक वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध निदेशालय यह प्रयास करेगा कि एक ओर दूर शिक्षा कार्यक्रम शोध द्वारा हिंदी एवं ज्ञान के अनुशासनों में मौलिक सृजन करे, साथ ही दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आम जन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूर शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्त्वपूर्ण है। अतः यह उन सभी व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्ति का एक बेहतर अवसर प्रदान कर सकेगा जो किसी कारण शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। आशा है कि इसी राह पर चलते हुए यह निदेशालय अपने ध्येय 'शिक्षा जन–जन के द्वार' को चरितार्थ कर सकेगा।

दर्शन

दूर शिक्षा निदेशालय शिक्षा की औपचारिक व्यवस्था के लिए विकल्प उपस्थित करने, हिंदी में मौलिक सोच एवं अनुसंधान, समाज के हर तबके, विशेष तौर पर असुविधाग्रस्त तथा वंचित तबकों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुँच आसान बनाने हेतु ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की हिंदी भाषा के माध्यम से मौलिक प्रस्तुति एवं नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करते हुए दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का हिंदी माध्यम से प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करेगा।

उद्देश्य

- परंपरागत व्यवस्था से लाभ उठाने से वंचितों को उच्च शिक्षा में बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराना।
- बृहत् हिंदी–भाषी समुदाय के लिए उच्च शिक्षा में अत्याधुनिक, तकनीकी एवं विशिष्ट अनुशासनों के अवसरों में वृद्धि करना।
- हिंदी माध्यम से उपाधि प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अधिकतम सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

- नव–स्नातकों को पाठ्यक्रम की सफलतापूर्ण समाप्ति पर रोज़गार के नए एवं बेहतर अवसरों की ओर उन्मुख करने के लिए रोज़गारपरक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना।
- शिक्षा की इस पद्धति द्वारा हिंदी माध्यम से विशेषज्ञता प्राप्त करने को बढ़ावा देना।
- विश्वविद्यालयों की वर्तमान शैक्षणिक व्यवस्था में बेहतर अंतरसंबद्धता उपलब्ध कराने का सक्षम प्रयास करना।

अकादमिक कैलेंडर

सामान्य पाठ्यक्रम

विवरण	तिथियाँ
विज्ञापन जारी करने की तिथि	23.03.2021
आवश्यक दस्तावेज एवं पाठ्यक्रम शुल्क सहित प्रवेश आवेदन–पत्र ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि	30.04.2021
आवेदनों की छँटनी के उपरांत प्रवेश हेतु अर्ह आवेदकों की अभ्यास केंद्रवार सूची अपलोड करने की तिथि	15.05.2021
अंतिम नामांकन सूची विवि वेबसाइट पर प्रकाशित करने की तिथि एवं सत्रारंभ	15.05.2021
सत्रीय कार्य, परियोजना कार्य, क्षेत्रीय कार्य जर्नल, अवलोकन कार्य एवं परीक्षा फार्म आदि निदेशालय/ क्षेत्रीय केंद्र एवं अभ्यास केंद्र में जमा करने की अंतिम तिथि	***
प्रथम सत्रांत परीक्षा का आरंभ	***
प्रथम सत्रांत परीक्षा परिणाम विवि की वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि	***
द्वितीय सत्र का आरंभ	***
सत्रीय कार्य, परियोजना कार्य, क्षेत्रीय कार्य जर्नल, अवलोकन कार्य एवं परीक्षा फार्म आदि निदेशालय/ क्षेत्रीय केंद्र एवं अभ्यास केंद्र में जमा करने की अंतिम तिथि	***
द्वितीय सत्र की परीक्षा आरंभ	***
द्वितीय सत्रांत परीक्षा परिणाम विवि की वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि	***

* परीक्षा की तिथि एवं परीक्षा परिणाम के लिए निदेशालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance देखें।

- संपर्क -

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) – 442001

टोल फ्री क्रमांक : 18002331575 वेबसाइट : www.hindivishwa.org/distance

पाठ्यक्रमों का विवरण

(निदेशालय से संचालित समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (DEB), नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) से मान्यता प्राप्त हैं।)

क्र.	पाठ्यक्रम	कोड	पात्रता	पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने की अवधि न्यूनतम–	अधिकतम
1	व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)*	001	स्नातक (GEN/OBC- 45%, SC/ST/PH- 40%)	2 वर्ष	4 वर्ष
2	समाजकार्य में स्नातकोत्तर (MSW)	002	स्नातक	2 वर्ष	4 वर्ष
3	पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ)	003	पत्रकारिता में स्नातक (BJ)	1 वर्ष	3 वर्ष
4	एमए हिंदी (MAHD)	010	स्नातक	2 वर्ष	4 वर्ष
5	शिक्षा स्नातक (BEd)*	012	1. प्रारंभिक शिक्षा में प्रशिक्षित सेवारत अध्यापक 2. वे अभ्यर्थी, जिन्होने एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त नियमित रीति (फेस टू फेस) से अध्यापक पूर्ण किया है। 3. स्नातक (GEN- 50%, OBC-NCL/SC/ST/PH- 45%)	2 वर्ष	5 वर्ष
6	कला में स्नातक	017	10+ 2 / समकक्ष	3 वर्ष	6 वर्ष
7	पत्रकारिता में स्नातक (BJ)	007	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
8	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM&FP)	008	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
9	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)	009	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
10	कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA)	011	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
11	सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCWH)	018	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
12	अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT)	019	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
13	नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDD&T)	020	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
14	मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMW)	021	स्नातक (10+2+3) / समकक्ष	1 वर्ष	3 वर्ष
15	कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (DCA)	013	10+ 2 / समकक्ष	1 वर्ष	2 वर्ष
16	नेतृत्व एवं प्रशासन में प्रमाणपत्र (CL&A)**	022	10+ 2 / समकक्ष	6 महीने	1 वर्ष
17	चीनी भाषा में प्रमाणपत्र (CCL)**	023	10+ 2 / समकक्ष	6 महीने	1 वर्ष
18	फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (CFL)**	024	10+ 2 / समकक्ष	6 महीने	1 वर्ष
19	जर्मनी भाषा में प्रमाणपत्र (CGL)**	025	10+ 2 / समकक्ष	6 महीने	1 वर्ष
20	जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (CJL)**	026	10+ 2 / समकक्ष	6 महीने	1 वर्ष
21	स्पैनिश भाषा में प्रमाणपत्र (CSL)**	027	10+ 2 / समकक्ष	6 महीने	1 वर्ष
22	गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन में प्रमाणपत्र (CD&MNGO)**	028	10+ 2 / समकक्ष	3 महीने	6 महीने

नोटः. * यूजीसी डेब से अनुमोदन की प्रत्याशा में स्थगित हैं। अनुमोदनोपरांत सूचना अलग से केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। ** केवल मुख्यालय से संचालित किए जाएंगे।

1. व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (001MBA)*

यह हिंदी माध्यम द्वारा प्रबंधन क्षेत्र में दूर शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत संचालित होने वाला एकमात्र और अनोखा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम ने उन विद्यार्थियों, जिन्हें व्यवसाय प्रशासन में रुचि है, के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के द्वार खोल दिए हैं। इस पाठ्यक्रम से इसके अध्येताओं में आत्मविश्वास तो पैदा होगा ही, साथ ही वे दक्षता के साथ हर क्षेत्र में आगे भी बढ़ सकेंगे। वर्तमान संदर्भों में बाज़ार की माँग को ध्यान में रखते हुए विविध विशेषज्ञताओं में इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। यह पाठ्यक्रम कुल 90 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 401	प्रबंधन का मूल आधार	2
2	MS 402	संगठनात्मक व्यवहार	2
3	MS 403	प्रबंधकीय लेखांकन	4
4	MS 404	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र	4
5	MS 405	व्यवसाय के कानूनी पहलू	4
6	MS 406	प्रबंधन सूचना प्रणाली एवं संगणक के अनुप्रयोग	4

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 411	मानव संसाधन प्रबंधन	4
2	MS 412	वित्तीय प्रबंधन	4
3	MS 413	विपणन प्रबंधन	4
4	MS 414	अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन	4
5	MS 415	व्यावसायिक वातावरण	4
अनिवार्य		हिंदी भाषा दक्षता	4

तृतीय सेमेस्टर (अनिवार्य विषय)

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 420	शोध के मूल आधार	4
2	MS 421	उद्यमिता के मूल आधार	4
3	MS 422	व्यावसायिक संप्रेषण	4
अनिवार्य		संगणक (कंप्यूटर) दक्षता	4

विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित किसी एक विशेषज्ञता से 2 विषय एवं दूसरी विशेषज्ञता से 2 विषय का चयन करें।

विपणन

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 423	उपभोक्ता व्यवहार	2
2	MS 424	बिक्री प्रबंधन	2
3	MS 425	सेवा विपणन	2
4	MS 426	खुदरा प्रबंधन	2

वित्त

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 428	वित्तीय सेवाओं के मूल आधार	2
2	MS 429	वित्तीय संस्थानों का प्रबंधन	2
3	MS 430	कार्यशील पूँजी का प्रबंधन	2
4	MS 431	मुद्रा एवं बैंकिंग	2

मानव संसाधन

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 433	प्रशिक्षण और विकास	2
2	MS 435	औद्योगिक संबंधों का प्रबंधन	2
3	MS 436	श्रम कानून	2
4	MS 437	संगठनों में टीम बिल्डिंग	2

चतुर्थ सेमेस्टर (अनिवार्य विषय)

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 438	अंतिम अनुसंधान परियोजना	8
2	MS 439	सामरिक प्रबंधन	4
अनिवार्य		संगणकीय (कंप्यूटर) व्यावहारिक प्रशिक्षण	2

विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर के विशेषज्ञतानुसार निम्नलिखित किसी एक विशेषज्ञता से 2 विषय एवं दूसरी विशेषज्ञता से 2 विषय का चयन करें :

विपणन

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 442	विज्ञापन एवं बिक्री संवर्धन	2
2	MS 443	आपूर्ति शृंखला प्रबंधन	2
3	MS 444	ब्रांड प्रबंधन	2
4	MS 445	विपणन शोध	2

वित्त

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 446	विलय और अधिग्रहण	2
2	MS 447	स्टॉक मार्केट ऑपरेशंस	2
3	MS 448	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन	2
4	MS 449	अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन	2

मानव संसाधन

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MS 450	संगठनात्मक विकास	2
2	MS 451	मानव संसाधन विकास	2
3	MS 452	मुआवजा प्रबंधन	2
4	MS 453	मानव संसाधन नियोजन	2

एमबीए परियोजना रूपरेखा : परियोजना रूपरेखा को जमा/ परिवर्तन/ परिवर्धन/ संशोधन हेतु अधिकतम दो बार निःशुल्क अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके उपरांत ₹ 500 के साथ पुनः जमा किया जा सकेगा।

एमबीए परियोजना कार्य का माध्यम हिंदी होगा।

2. समाजकार्य में स्नातकोत्तर (002 MSW)

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को समाजकार्य से जुड़े व्यवसायों में उच्च अध्ययन के अवसर प्रदान करता है। समाजकार्य पाठ्यक्रम के परंपरागत विषयों के साथ यह वैश्वीकरण, विस्थापन, भारत में समाजकार्य का इतिहास, एड्स/एचआईवी इत्यादि समसामयिक व प्रासंगिक विषयों को भी समाहित करता है। इस पाठ्यक्रम का व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के रोज़गार की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण एवं उपयोगी है। यह पाठ्यक्रम 90 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MSW 01	समाज कार्य का उद्‌भव और विकास	4
2	MSW 02	सामाजिक विज्ञान अवधारणाएँ	4
3	MSW 03	समाज कार्य के क्षेत्र	4
4	MSW 04	व्यक्तित्व एवं मानव व्यवहार की गतिकी	4
5	MSW 05	भारतीय सामाजिक समस्याएँ	4

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MSW 06	सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य	4
2	MSW 07	सामाजिक समूह कार्य	4
3	MSW 08	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया	4
4	MSW 09	समाजकार्य एवं सामाजिक विकास	4
5	MSW 10	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन	4
अनिवार्य		हिंदी भाषा दक्षता	4

तृतीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MSW 11	समाज कार्य प्रबंधन	4
2	MSW 12	समाज कार्य अनुसंधान	4
3	MSW 13	सामुदायिक स्वास्थ्य	4
4	MSWFW01	क्षेत्र कार्य	8
अनिवार्य		संगणक (कंप्यूटर) दक्षता	4

चतुर्थ सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	MSW 14	गांधीय समाज कार्य	4
2	MSW 15	परामर्श एवं संप्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य	4
3	MSW 16	संविधान और मानवाधिकार	4
4	MSWP01	परियोजना कार्य	8
अनिवार्य		संगणकीय (कंप्यूटर) व्यावहारिक प्रशिक्षण	2

3. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (003 MJ)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य जनसंचार सिद्धांतों, मीडिया की विभिन्न धारणाओं–समस्याओं का विस्तृत एवं गहन अध्ययन कराना है। इस पाठ्यक्रम द्वारा माध्यमों (मीडिया) के संबंध में शोध प्रशिक्षण एवं सतत अध्ययन को गति देना, मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रुचि के अनुसार दक्षता का विकास किया जाना है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को पत्रकारिता की विभिन्न संस्थाओं में कार्य करने हेतु आवश्यक कौशल उपलब्ध कराया जाता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

क्र.	कोड	विषय	क्र.	कोड	विषय
1	MJ 101	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन	5.	MJ 105	विशेषीकृत पत्रकारिता एवं समाज
2	MJ 102	फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन	6	MJ 106	न्यू मीडिया प्रोडक्शन
3	MJ 103	जनसंचार शोध प्रविधि	7	MJ 107	न्यू मीडिया एवं समाज
4	MJ 104	जनसंचार के सिद्धांत	8	MJ 108	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट वर्क)

4. एमए हिंदी : (010 MAHD)

यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है जो स्वाध्याय केंद्रित दूर शिक्षा के माध्यम से हिंदी भाषा और साहित्य का सम्यक् अध्ययन कर हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं। सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप निर्मित 4 सेमेस्टर में विभक्त यह द्विवर्षीय पाठ्यक्रम कुल 90 क्रेडिट का है। यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा एवं साहित्य की परम्परागत पाठ्यचर्याओं के साथ ही 'प्रयोजनमूलक हिंदी', 'हिंदी पत्रकारिता', 'हिंदी भाषा एवं भाषा–शिक्षण' तथा 'सृजनात्मक लेखन' जैसी रोजगारोन्मुखी पाठ्यचर्याओं के अध्ययन का अवसर सुलभ कराता है। यह पाठ्यक्रम इस दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है कि इसमें 'हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण', 'तुलनात्मक भारतीय साहित्य', एवं 'नव सामाजिक विमर्श' जैसी अत्यन्त आवश्यक एवं प्रासंगिक पाठ्यचर्याओं के साथ ही नैतिक संस्कारों और जीवन मूल्यों की चेतना के निहितार्थ 'हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना' जैसी समाजोपयोगी पाठ्यचर्या का भी समावेश किया गया है। परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी के कालजयी रचनाकारों के समग्र कृतित्व एवं हिंदी की समवेत संस्कृति की स्थापना में सहायक विभिन्न प्रचार संस्थाओं / नाट्य–संस्थाओं, पत्र–पत्रिकाओं, साहित्यिक आंदोलनों, पुस्तकालयों, साहित्यिक केंद्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि के विशेष योगदान का सघन अध्ययन करने हेतु प्रवृत्त करना इस पाठ्यक्रम का अपना वैशिष्ट्य है।

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्य–विवरण

क्र.	कोड	अनिवार्य / वैकल्पिक	विषय	क्रेडिट
1	MAHD-01	अनिवार्य	प्रारम्भिक हिंदी काव्य	4
2	MAHD-02	अनिवार्य	हिंदी उपन्यास एवं कहानी	4
3	MAHD-03	अनिवार्य	भारतीय काव्यशास्त्र	4
4	MAHD-04	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास–1	4
5	MAHD-05	वैकल्पिक	प्रयोजनमूलक हिंदी	4
6	MAHD-06	वैकल्पिक	लोक–साहित्य	4

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य / वैकल्पिक	विषय	क्रेडिट
1	MAHD-07	अनिवार्य	मध्यकालीन हिंदी काव्य	4
2	MAHD-08	अनिवार्य	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	4
3	MAHD-09	अनिवार्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
4	MAHD-10	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास–2	4
5	MAHD-11	वैकल्पिक	हिंदी पत्रकारिता	4
6	MAHD-12	वैकल्पिक	हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	4
		अनिवार्य	हिंदी भाषा दक्षता	4

तृतीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य / वैकल्पिक	विषय	क्रेडिट
1	MAHD-13	अनिवार्य	आधुनिककालीन हिंदी काव्य	4
2	MAHD-14	अनिवार्य	हिंदी आलोचना	4
3	MAHD-15	अनिवार्य	हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि	4
4	MAHD-16	अनिवार्य	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	4
5	MAHD-17	वैकल्पिक	हिंदी भाषा एवं भाषा–शिक्षण	4
6	MAHD-18	वैकल्पिक	सृजनात्मक लेखन	4
		अनिवार्य	संगणक (कंप्यूटर) दक्षता	4

चतुर्थ सेमेस्टर

क्र.	कोड	अनिवार्य / वैकल्पिक	विषय	क्रेडिट
1	MAHD-19	अनिवार्य	हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना	4
2	MAHD-20	अनिवार्य	हिंदी के विविध गद्य–रूप	4
3	MAHD-21	अनिवार्य	भाषाविज्ञान	4
4	MAHD-22	अनिवार्य	नव सामाजिक विमर्श	4
5	MAHD-23	वैकल्पिक	परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन	4
6	MAHD-24	वैकल्पिक	परियोजना कार्य : हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन	4
		अनिवार्य	संगणकीय (कंप्यूटर) व्यावहारिक प्रशिक्षण	2

5. शिक्षा-स्नातक (012 BEd)*

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सेवारत शिक्षकों को सतत व्यावसायिक विकास का एक मंच प्रदान करना है, जो माध्यमिक स्तर पर प्रभावशाली अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया हेतु उन्हें सक्षम बना सके। यह पाठ्यक्रम सेवारत अध्यापकों के अनुभवों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सेवारत शिक्षकों में शिक्षाशास्त्रीय कुशलताओं को इस प्रकार से विकसित किया जाएगा कि वे शिक्षण के विभिन्न दार्शनिक, सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक आयामों के बृहत्तर परिदृश्य को भारतीय संदर्भ में समझ सकें। इस पाठ्यक्रम का निर्माण शिक्षा की समकालीन माँग को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यह पाठ्यक्रम दो वर्ष का है, जिसमें विद्यार्थी को कुल 80 क्रेडिट अर्जित करने होंगे।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य सेवारत अध्यापकों को निम्नलिखित के योग्य बनाना है :

1. सेवारत अध्यापकों के अनुभवों को व्यवस्थित करना और उनकी व्यावसायिक क्षमताओं को सुदृढ़ करना।
2. उन कौशलों को विकसित करना, जो माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के अध्ययन अनुभवों के चयन करने और उन्हें व्यवस्थित करने हेतु आवश्यक माने जाते हैं।
3. उन कौशलों को विकसित करना, जो विद्यार्थियों की शैक्षिक और निजी समस्याओं को सुलझाने हेतु आवश्यक हैं।
4. ज्ञान का निर्माण करना तथा कक्षा में उसका प्रयोग करना।
5. शैक्षिक आकलन व मूल्यांकन उपकरणों का चयन, विकास और प्रयोग करने हेतु सम्मिलित कौशलों को विकसित करना।
6. विद्यालय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान और बोध प्राप्त कराना।
7. विभिन्न शिक्षण, अनुदेशन और विद्यार्थी सहायता कार्य–कलाप आयोजित करने के लिए क्षमताएँ विकसित करना ।
8. वर्तमान, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भ में सामान्य तौर पर, नई शैक्षिक पद्धति में विशेष तौर पर अध्यापक की भूमिका के महत्त्व का बोध विकसित करना।

पाठ्य–विवरण

प्रथम सेमेस्टर			
क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	शिक्षा 011	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन	4
2	शिक्षा 012	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ	4
3	शिक्षा 013	समकालीन भारत एवं शिक्षा	4
4	शिक्षा 014	शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी	4
5	शिक्षा 015	विद्यालय प्रशासन एवं संगठन	4

द्वितीय सेमेस्टर			
क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	शिक्षा 021	संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण	4
2	शिक्षा 022	शैक्षिक आकलन	4
3	शिक्षा 023	विद्यालय विषय शिक्षण – I	2
4	शिक्षा 024	विद्यालय विषय शिक्षण – II	2
5	शिक्षा 025	विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व	4
6	शिक्षा 026	व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह के लिए)	4

तृतीय सेमेस्टर			
क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	शिक्षा 031	सूक्ष्म शिक्षण, पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन– विद्यालय विषय शिक्षण– I	05
2	शिक्षा 032	सूक्ष्म शिक्षण, पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन– विद्यालय विषय शिक्षण– II	05
3	शिक्षा 033	**प्रकल्प कार्य** (उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट, प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी), क्रियात्मक अनुसंधान, विद्यालय अभिलेखों का विवरण एवं प्रस्तुति, मनोविज्ञान प्रयोगात्मक, सामूहिक कार्य एवं रिपोर्ट)	06
4	शिक्षा 034	**सत्रांत शिक्षण** विद्यालय विषय शिक्षण – I	02
5	शिक्षा 035	**सत्रांत शिक्षण** विद्यालय विषय शिक्षण – II	02

चतुर्थ सेमेस्टर			
क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	शिक्षा 041	शिक्षा तकनीकी	4
2	शिक्षा 042	शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श	4
3	शिक्षा 043	ज्ञान एवं पाठ्यचर्या	4
4	शिक्षा 044	पर्यावरण शिक्षा	4
5	शिक्षा 045	जेंडर, विद्यालय और समाज (वैकल्पिक)	4
6	शिक्षा 046	मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (वैकल्पिक)	4

6. कला में स्नातक (038 BA)

यह हिंदी भाषा की अनिवार्यता के साथ स्नातक / बीए पाठ्यक्रम में दूर शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत संचालित होने वाला एक विशिष्ट पाठ्यक्रम है। जिन विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के अध्ययन में रुचि है उन्हें यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा के साथ अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के साथ किसी एक सामाजिक विज्ञान विषय के साथ स्नातक / बीए की उपाधि प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध कराता है साथ ही यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को इस बात का भी अवसर उपलब्ध कराता है कि यदि वह चाहे तो हिंदी भाषा के साथ किसी अन्य भाषा का चयन न कर सामाजिक विज्ञान समूह से ही दो विषयों का अध्ययन कर स्नातक उपाधि प्राप्त कर सकता है। इस पाठ्यक्रम के संरचना– विन्यास करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि विद्यार्थी जहाँ रोज़गार की दृष्टि से वर्तमान तकनीकी ज्ञान से समृद्ध हो सके, वहीं वह भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षा की ओर भी उन्मुख हो सके। यह पाठ्यक्रम कुल 96 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर (छमाही)			द्वितीय सेमेस्टर (छमाही)		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
CC	भाषा (हिंदी / मराठी / संस्कृत / उर्दू /अंग्रेज़ी) किसी एक का चयन करें	4	CC	प्रथम सेमेस्टर में चयनित भाषा का अध्ययन	4
DSC-1A	हिंदी अनुशासन–1	4	DSC-1B	हिंदी अनुशासन–2	4
DSC-2A	**समूह– ख** में से कोई एक अनुशासन –1	4	DSC-2B	**समूह– ख** में से चयनित अनुशासन –2	4
AECC-1	पर्यावरण	4	AECC-2	मानवाधिकार	4

द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर (छमाही)			चतुर्थ सेमेस्टर (छमाही)		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
CC	प्रथम सेमेस्टर में चयनित भाषा को छोड़ कर किसी एक अन्य भाषा का चयन करें	4	CC	तृतीय सेमेस्टर में चयनित भाषा का अध्ययन	4
DSC-1C	हिंदी अनुशासन–3	4	DSC-1D	हिंदी अनुशासन–4	4
DSC-2C	**समूह– ख** में से चयनित अनुशासन–3	4	DSC-2D	**समूह– ख** में से चयनित अनुशासन–4	4
SEC-1	कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें) • प्रिंट मीडिया लेखन • सृजनात्मक लेखन (काव्य)	4	SEC-2	कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें) • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन • सृजनात्मक लेखन (गद्य)	4

तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर (छमाही)			षष्ट सेमेस्टर (छमाही)		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
DSE-1A	हिंदी अनुशासन आधारित विषय–1	4	DSE-1B	हिंदी अनुशासन आधारित विषय–2	4
DSE-2A	**समूह– ख** से चयनित अनुशासन आधारित विषय–1	4	DSE-2B	**समूह– ख** से चयनित अनुशासन आधारित विषय– 2	4
SEC-3	कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें) • नाटक एवं रंगमंच • अनुवाद विज्ञान	4	SEC-3	कौशल संवर्धक पाठयक्रम (किसी एक का चयन करें) • प्रयोजनमूलक हिंदी • कंप्यूटर दक्षता	4
GE-1	सामान्य ऐच्छिक पाठयक्रम–1 हिंदी अनुशासन एवं समूह ख में से चयनित विषय को छोड कर किसी एक अन्य विषय का चयन करें	4	GE-2	सामान्य ऐच्छिक पाठयक्रम–2 हिंदी अनुशासन एवं समूह ख में से चयनित अनुशासन को छोड कर किसी एक का चयन करें	4

समूह क	हिंदी अनुशासन (अनिवार्य)						
समूह ख	समाजशास्त्र	राजनीति विज्ञान	इतिहास	दर्शनशास्त्र	मराठी	संस्कृत	उर्दू

Core Courses (CC) कोर कोर्स	प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से इन विषयों का अध्ययन करना है।	
	Core Compulsory (CC) कोर अनिवार्य भाषा	इसके अंतर्गत विद्यार्थी को चार सेमेस्टर तक प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में एक भाषा तथा तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर में एक अन्य भाषा को अध्ययन करना है
	Discipline Specific Core (DSC) अनुशासन आधारित कोर विषय	अनुशासन आधारित चयनित दो अनिवार्य विषयों (समूह क अनिवार्य होगा और समूह ख में से चयनित किसी एक अनुशासन) का अध्ययन चार सेमेस्टर तक करना होगा।
	Ability Enhancement Compulsory Course (AECC) अभिक्षमता संवर्द्धक अनिवार्य कोर्स Environment and Human Rights पर्यावरण एवं मानवाधिकार	विद्यार्थी को प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में क्रमशः पर्यावरण एवं मानवाधिकार का अध्ययन करना होगा।
Discipline Specific Elective Course (DSE) विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई एक)		पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में विद्यार्थी को कोर विषयों के समूह क एवं ख में चयनित विषय से **संबंधित** ऐच्छिक विषय का अध्ययन करना होगा।
Generic Elective (GE) सामान्य (जेनेरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम		पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में विद्यार्थी को अनुशासन आधारित कोर विषय **के अतिरिक्त** अन्य ऐच्छिक विषय का चयन कर अध्ययन करना होगा।
Skill Enhancement Course (SEC) कौशल–संवर्द्धन–पाठ्यक्रम	इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को मूल्य आधारित एवं कौशल आधारित ज्ञान अर्जित करना होगा।	तृतीय से षष्ठ सेमेस्टर तक विद्यार्थी को कौशल संवर्द्धक कोर्स का प्रदत्त समूह में से **एक** का चयन कर अध्ययन करना होगा।

7. पत्रकारिता में स्नातक (007 BJ)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय का व्यावहारिक और गहन प्रशिक्षण देना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यमों के प्रति रुचि उत्पन्न करता है जिससे विद्यार्थी मुद्रित माध्यमों, पत्र–पत्रिकाओं आदि से लेकर रेडियो, टेलीविजन, समाचार एजेंसियों और सरकारी एवं कार्पोरेट संस्थाओं में रोजगार प्राप्त करने के लिए अपेक्षित कौशल हासिल कर सके। यह पाठ्यक्रम 48 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

क्र.	कोड	विषय	क्र.	कोड	विषय
1	BJ01	कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया	5	BJ05	जनसंपर्क एवं विज्ञापन
2	BJ02	संचार एवं विकासात्मक संचार	6	BJ06	संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण
3	BJ03	जनसंचार माध्यमों का इतिहास	7	BJ07	मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून
4	BJ04	मीडिया लेखन	8	BJ08	परियोजना कार्य

8. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (008 PGD EM& FP)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन का विस्तृत एवं गहन अध्ययन कराना है। इसके अंतर्गत जनसंचार माध्यमों के संबंध में शोध प्रशिक्षण एवं सतत अध्ययन को गति देना, मीडिया के विभिन्न क्षेत्र में विशेष रुचि के अनुसार दक्षता पर विशेष बल दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हाउस और फिल्म प्रोडक्शन हाउस की विभिन्न संस्थाओं में कार्य करने हेतु आवश्यक कौशल उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

क्र.	कोड	विषय	क्र.	कोड	विषय
1	PGDEM&FP01	मीडिया : अवधारणा एवं सिद्धांत	4	PGDEM&FP04	फ़िल्म प्रबंधन
2	PGDEM&FP02	फ़िल्म परिचय एवं इतिहास	5	PGDEM&FP05	प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट कार्य
3	PGDEM&FP03	फ़िल्म प्रोडक्शन			

9. पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (009PGDJMC)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य मीडिया क्षेत्र में कार्यरत लोगों तथा उनके व्यावसायिक विकास से जुड़े ज्ञान व कौशल में वृद्धि कराना है। यह डिप्लोमा जनसंचार एवं पत्रकारिता के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक आयामों को सर्वांगीण दृष्टि प्रदान करता है। इस डिप्लोमा के लिए पटकथा लेखक, रिपोर्टर, संपादक, फोटोग्राफर, तकनीकी सहायक, जनसंपर्क अधिकारी आदि के अनुभव स्वीकार्य होंगे। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है।

पाठ्य–विवरण

क्र.	कोड	विषय	क्र.	कोड	विषय
1	PGDJMC01	जनसंचार एवं पत्रकारिता : स्वरूप और सिद्धांत	3	PGDJMC03	समाचार संकलन, लेखन एवं संपादन
2	PGDJMC02	मीडिया और समाज	4	PGDJMC04	जनसंपर्क एवं विज्ञापन

10. कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (011 PGDCA)

आधुनिक जीवन में कंप्यूटर का विशेष महत्त्व है। जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में – चाहे वह शिक्षण संस्थान हो या वैज्ञानिक अनुसंधान, बैंक हो या चिकित्सा जगत संबंधी कार्य, रक्षा अनुसंधान कार्य हो या उद्योग एवं व्यापार जगत, संचार माध्यम हो या अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, प्रकाशन कार्य हो या मनोरंजन जगत – कम्प्यूटर का उपयोग बढ़ता जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी में कंप्यूटर का आधारभूत सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना है। यह पाठ्यक्रम 40 क्रेडिट का है।

माध्यमः हिंदी / अंग्रेजी

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्य–विवरण

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	PGDCA-01	कंप्यूटरः आधारभूत परिचय / Fundamentals of Computer	4
2	PGDCA-02	ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम/ Operating System and Application Program	4
3	PGDCA-03	प्रोग्रामिंग लैंग्वेज/ Programming Language	4
4	PGDCA-04	C# के साथ ऑब्जेक्ट ओरएंटेट प्रोग्रामिंग / OOPS (Object oriented Programming) With C#	4
5	PGDCA-05	सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on C Programming	2
6	PGDCA-06	एप्लीकेशन प्रोग्राम एवं C# का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on Application Program and C#	2

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	PGDCA-07	डाटा बेस प्रोग्रामिंग / Data Base Programming	4
2	PGDCA-08	विन्डोज और वेब प्रोग्रामिंग के साथ C#. NET/C#. NET with Windows & Web Programming	4
3	PGDCA-09	इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग/ Internet and Web Page Designing	4
4	PGDCA-10	डीटीपी (डेस्क टॉप पब्लिशिंग) / DTP (Desk Top Publishing)	4
5	PGDCA-11	परियोजना कार्य / Project Work	4

11. सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (018 PGDCWH)**

12. अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (019 PGDT)**

13. नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (020 PGDD&T)**

14. मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (021 PGDMW)**

** पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाएगा।

15. कंप्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (013 DCA)

आधुनिक युग में कंप्यूटर मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। अतः सूचना क्रांति व प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में कंप्यूटर का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यार्थी इसके माध्यम से कंप्यूटर का आधारभूत सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करे। यह पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का है।
माध्यमः हिंदी / अंग्रेजी

पाठ्य–विवरण

प्रथम सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	DCA-01	कंप्यूटरः आधारभूत परिचय / Fundamentals of Computer	4
2	DCA-02	ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम/ Operating System and Application Program	4
3	DCA-03	प्रोग्रामिंग लैंग्वेज/ Programming Language	4
4	DCA-04	सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on C Programming	4
5	DCA-05	एप्लीकेशन प्रोग्राम का व्यावहारिक प्रशिक्षण / Practical on Application Program	4

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	कोड	विषय	क्रेडिट
1	DCA-06	डाटा बेस प्रबंधन प्रणाली / Data Base Management System	4
2	DCA-07	विजुअल बेसिक / Visual Basics(VB)	4
3	DCA-08	इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग/ Internet and Web Page Designing	4
4	DCA-09	परियोजना कार्य / Project Work	4

नोट : समस्त पाठ्यक्रमों के अंग्रेज़ी पाठ्य–विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

16. नेतृत्व एवं प्रशासन में प्रमाणपत्र (022 CL&A)**

17. चीनी भाषा में प्रमाणपत्र (023 CCL)**

18. फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (024 CFL)**

19. जर्मनी भाषा में प्रमाणपत्र (025 CGL)**

20. जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (026 CJL)**

21. स्पैनिश भाषा में प्रमाणपत्र (027 CSL)**

22. गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन में प्रमाणपत्र (028 CD&MNGO)**

** पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाएगा।

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों का माध्यम हिंदी है। सभी पाठ्यक्रमों के लिए समय–समय पर संपर्क कक्षाओं (Contact Classes) का आयोजन किया जाएगा। इसकी सूचना विश्वविद्यालय की **वेबसाइट : www.hindivishwa.org/distance पर दी जाएगी।**

शुल्क सारणी

क्र.	पाठ्यक्रम	शिक्षण शुल्क	प्रवेश शुल्क	नामांकन शुल्क	परिचय पत्र शुल्क	परीक्षा शुल्क	उपाधि शुल्क	कुल पाठ्यक्रम शुल्क(रु.में)
1	MBA	11,500 (प्रथम वर्ष)	200	200	100	2,500	–	14,500
		11,500 (द्वितीय वर्ष)	–	–	–	2,500	250	14,250
2	MSW	8,000 (प्रथम वर्ष)	200	200	100	2,500	–	11,000
		8,000 (द्वितीय वर्ष)	–	–	–	2,500	250	10,750
3	MJ	9,500	200	200	100	2,000	250	12,250
4	MAHD	4,000 (प्रथम वर्ष)	200	200	100	2,500	–	7,000
		4,000 (द्वितीय वर्ष)	–	–	–	2,500	250	6,750
5	BEd	10,000 (प्रथम वर्ष)	200	200	100	2,500	–	13,000
		10,000 (द्वितीय वर्ष)	–	–	–	2,500	250	12,750
6	BA	3000 (प्रथम वर्ष)	200	200	100	2,000	–	5,500
		3000 (द्वितीय वर्ष)	–	–	–	2,000	–	5,000
		3000 (तृतीय वर्ष)	–	–	–	2,000	250	5,250
7	BJ	5,000	200	200	100	2,000	250	7,750
8	PGDEM&FP	5,500	200	200	100	1,300	250	7,750
9	PGDJMC	3,200	200	200	100	1,000	250	5,000
10	PGDCA	5,000	200	200	100	1,000	250	6,750
11	PGDCWH	3,250	200	200	100	1,000	250	5,000
12	PGDT	3,250	200	200	100	1,000	250	5,000
13	PGDD&T	3,250	200	200	100	1,000	250	5,000
14	PGDMW	3,250	200	200	100	1,000	250	5,000
15	DCA	4,250	200	200	100	1,000	250	6,000
16	CL&A	1,250	200	200	100	1,000	250	3,000
17	CCL	1,250	200	200	100	1,000	250	3,000
18	CFL	1,250	200	200	100	1,000	250	3,000
19	CGL	1,250	200	200	100	1,000	250	3,000
20	CJL	1,250	200	200	100	1,000	250	3,000
21	CSL	1,250	200	200	100	1,000	250	3,000
22	CD&MNGO	750	200	200	100	500	250	2,000

शिक्षण शुल्क में छूट : दिव्यांग एवं बीपीएल वर्ग के लिए संबंधित प्रमाणपत्र जमा करने पर शिक्षण शुल्क में क्रमशः 50%तथा 25% छूट का प्रावधान है।

महत्त्वपूर्ण निर्देश

प्रवेश प्रक्रिया

आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार्य हैं। बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश 'मेरिट' के आधार पर होगा। आवेदन–पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance पर उपलब्ध है, जिसे आवश्यक संलग्नकों के साथ निर्धारित अंतिम तिथि तक विश्वविद्यालय में जमा करना होगा। उक्त की जाँच के बाद चयनित विद्यार्थियों की सूची वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

ऑनलाइन आवेदन

ऑनलाइन आवेदन हेतु दूर शिक्षा निदेशालय के वेब पेज (www.hindivishwa.org/ distance) पर प्रवेश स्थान पर उपलब्ध ऑनलाइन आवेदन पर क्लिक करना होगा।

भुगतान प्रक्रिया

निर्धारित पाठ्यक्रम–शुल्क (वार्षिक/सत्रानुसार, जो लागू हो) सामान्यतः एकमुश्त देय है। रु. 10000 (दस हज़ार) से अधिक शुल्क की स्थिति में विद्यार्थी यदि चाहे तो संबंधित पाठ्यक्रम–शुल्क का भुगतान दो समान किस्तों (प्रथम–प्रवेश आवेदन के साथ तथा द्वितीय, परीक्षा आवेदन के साथ) में कर सकता है। **समस्त शुल्क केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएँगे।**

जमा किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस, स्थानांतरित या समायोजित नहीं किया जाएगा। यदि शुल्क विवरण में कोई परिवर्तन होगा, तो यह परिवर्तन सभी पर लागू होगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।

संलग्नकों की सूची

आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है :

1. कक्षा 10 वीं की अंकसूची तथा प्रमाणपत्र (दोनों)
2. कक्षा 12 वीं की अंकसूची
3. डीएड/समकक्ष (बीएड के लिए अनिवार्य)
4. स्नातक की अंकसूची एवं प्रमाणपत्र/डिग्री/अंतिम प्रमाणपत्र (स्नातकोत्तर विषयों के लिए अनिवार्य)
5. अद्यतन अनुभव/सेवा प्रमाणपत्र (जहाँ लागू है।) बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शिक्षणाधिकारी द्वारा जारी सेवारत प्रमाणपत्र अनिवार्य है।
6. स्थायी पता का प्रमाण
7. जाति प्रमाण पत्र (OBC-NCL/SC/ST/EWS)
8. आधार कार्ड

विधिवत एवं पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेज़ के साथ निर्धारित तिथि तक निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें –

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पो. हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) – 442 001

अपूर्ण एवं अपाठ्य आवेदन बिना किसी सूचना के निरस्त करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास है।

पात्रता एवं प्रवेश

1. प्रत्येक पाठ्यक्रम में विद्यार्थी की निश्चित संख्या या लक्षित समूह की संख्या के निर्धारण का अधिकार विश्वविद्यालय का है, साथ ही यह संख्या पाठ्यक्रम की माँग व संचालित करने की क्षमता पर भी निर्भर होगी।
2. लक्षित समूह में नव–स्नातक विद्यार्थी, नौकरीपेशा अभ्यर्थी इत्यादि शामिल हैं।

3. प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश निर्धारित 'प्रवेश–पात्रता' के आधार पर ही होगा, जैसा कि विद्यार्थी मार्गदर्शिका में निर्देशित है।
4. सभी पाठ्यक्रमों का माध्यम हिंदी है।
5. स्नातक परीक्षा परिणाम हेतु प्रतीक्षारत विद्यार्थी भी आवेदन कर सकता है।
6. DEC/अधिसूचना/ 40.5.1.5/2012, दि. 01.11.2012 के अनुसार विद्यार्थी किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान से एक साथ दो स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र नहीं है। अधिक जानकारी के लिए उक्त अधिसूचना संज्ञान में लें।

परीक्षा केंद्र

अभ्यास केंद्र ही परीक्षा केंद्र हो यह अनिवार्य नहीं है। समस्त पाठ्यक्रमों की सत्रांत/वार्षिक परीक्षाएँ नियमानुसार विश्वविद्यालय द्वारा चयनित केंद्रों पर होंगी। विशेष परिस्थिति में परीक्षा केंद्र में परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय का है।

परीक्षा केंद्रों का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

परीक्षा-आवेदन

अभ्यास केंद्र संचालक ध्यान रखें कि विद्यार्थियों द्वारा स्वहस्ताक्षरित परीक्षा आवेदन–प्रपत्र स्पष्ट और पूर्ण रूप से भरा हो यथा–परीक्षा केंद्र का नाम, पंजीयन संख्या/नामांकन संख्या, परीक्षार्थी का नाम (हिंदी व अंग्रेज़ी में), माता–पिता का नाम (हिंदी व अंग्रेज़ी में), पाठ्यक्रम का नाम एवं कोड, जन्मतिथि, प्रश्न पत्र का नाम व कोड, यदि पूरक है तो पूरक वाले कॉलम में ही अंकित है या नहीं, उपस्थिति–पत्रक एवं प्रवेश–पत्र भी पूर्ण रूप से भरा है या नहीं। अपूर्ण परीक्षा आवेदन–प्रपत्र किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा एवं बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त कर दिया जाएगा। इसका सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।

मूल्यांकन एवं परिणाम

दूर शिक्षा निदेशालय विद्यार्थियों के मूल्यांकन हेतु आंतरिक एवं सत्रांत मूल्यांकन पद्धति को अपनाता है। इसमें कुल पूर्णांकों में से 30 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन/संपर्क कक्षाओं तथा शेष 70 प्रतिशत सत्रांत मूल्यांकन का होगा। सत्रांत मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी दोनों पूर्णांकों (100) में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करेगा, वही उत्तीर्ण माना जाएगा। 40 प्रतिशत प्राप्तांक लाने में असफल विद्यार्थी को अगली सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए निर्धारित शुल्क ₹300/- प्रति प्रश्नपत्र जमा करना होगा। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं होने पर अगले सत्र में सत्रीय कार्य पुनः जमा करने हेतु निर्धारित शुल्क ₹250/- जमा करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय के निशुल्क दूर भाष क्रमांक 18002331575 पर संपर्क किया जा सकता है।

चयन-सूचना

चयनित विद्यार्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance पर उपलब्ध होगी। विद्यार्थी दूर शिक्षा के कार्यालय एवं संबंधित अभ्यास केंद्र से संपर्क कर वांछित जानकारी प्राप्त कर सकता है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु चयनित अभ्यर्थियों द्वारा विश्वविद्यालय में निर्धारित शुल्क जमा कराने के बाद ही उनका नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा एवं नामांकन संख्या प्रदान की जाएगी। यह संख्या उनके परिचय–पत्र पर अंकित की जाएगी, जो पाठ्यक्रम पूर्ण करने की अवधि तक मान्य होगी। नामांकन हेतु प्रपत्र विद्यार्थी द्वारा चयनित अभ्यास–केंद्र से प्राप्त होगा। विद्यार्थी द्वारा भरा हुआ नामांकन प्रपत्र चयनित अध्ययन–केंद्र द्वारा अग्रेषित होना आवश्यक है।

नामांकन प्रक्रिया

1. अभ्यर्थी अर्हता संबंधी दस्तावेज़ को स्वयं प्रमाणित करेगा तथा अपने अभ्यास केंद्र का चुनाव भी सुविधानुसार करेगा।
2. अभ्यर्थी पूर्णरूप से भरा आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेज की स्वप्रमाणित छायाप्रति एवं आवश्यक शुल्क के साथ चयनित अभ्यास केंद्र में निर्धारित तिथि के भीतर विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराने हेतु जमा कराएगा।
3. चयनित अभ्यर्थी को एक स्थाई पंजीयन संख्या एवं अभ्यास केंद्र उपलब्ध कराया जाएगा। अभ्यास केंद्र में आवंटित अभ्यर्थी की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट, दूर शिक्षा निदेशालय, क्षेत्रीय केंद्रों एवं संबंधित अभ्यास केंद्र में उपलब्ध होगी।
4. किसी भी स्थिति में अभ्यर्थी को आवंटित अभ्यास केंद्र को बदला नहीं जाएगा। सामान्यतः विश्वविद्यालय अभ्यर्थी को आवंटित अभ्यास केंद्र को अगले वर्ष भी जारी रखेगा, लेकिन असामान्य परिस्थिति में विश्वविद्यालय किसी अभ्यर्थी का आवंटित अभ्यास केंद्र बदल भी सकता है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय अभ्यर्थी एवं अभ्यास केंद्र की किसी शिकायत की सुनवाई नहीं करेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।

विद्यार्थी सहायता केंद्र

वांछित अभ्यास–केंद्र का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा। उसी के अनुसार अभ्यास–केंद्र निर्धारित किया जाएगा। किन्हीं कारणों से वांछित केंद्र का निर्धारण संभव नहीं होगा तो विद्यार्थी के गृह जनपद के समीप का कोई अन्य अभ्यास–केंद्र, जहाँ विद्यार्थी द्वारा चयनित पाठ्यक्रम की सुविधा उपलब्ध हो, सुनिश्चित किया जाएगा। चयनित केंद्र–परिवर्तन की माँग सामान्यतः स्वीकार नहीं की जाएगी, किंतु विशेष परिस्थिति में किन्हीं औचित्यपूर्ण कारणों पर विचार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रार्थना–पत्र पूर्व में चयनित अभ्यास–केंद्र के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा।

परिचय पत्र

निर्धारित शुल्क जमा होने के बाद विद्यार्थी को परिचय–पत्र जारी किया जाएगा। परिचय–पत्र में विद्यार्थी का नाम, पाठ्यक्रम का नाम, नामांकन संख्या आदि का उल्लेख किया जाएगा। किसी पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने की न्यूनतम/अधिकतम अवधि के दौरान परिचय पत्र खो जाने पर निर्धारित शुल्क देकर पुनः बनवाना अनिवार्य है। इसके लिए रु.100 का माँगपत्र जमा कराना होगा।

पाठ्यक्रम सत्र

दूर शिक्षा निदेशालय सत्रीय/वार्षिक प्रणाली (Semester / Annual System) के आधार पर पाठ्यक्रम संचालित करेगा। हर विद्यार्थी को प्रदत्त अधिकतम अवधि के भीतर संबंधित पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करना होगा। इस अवधि में नामांकित वर्ष की भी गणना की जाएगी।

पाठ्यसामग्री का वितरण

दूर शिक्षा प्रणाली में अध्ययन की व्यवस्था परंपरागत विश्वविद्यालयों से भिन्न है। इसमें शिक्षा 'विद्यार्थी केंद्रित' है और इसकी सफलता विद्यार्थी के सक्रिय सहयोग एवं स्वाध्याय पर निर्भर है। परंपरागत प्रणाली से विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त होती है। दूर शिक्षा प्रणाली में बहुआयामी व्यवस्था के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी विद्यार्थी को दी जाती है। इस हेतु विद्यार्थी को संबंधित अभ्यास/क्षेत्रीय केंद्र/विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, VMOU, कोटा, RTOU, इलाहाबाद द्वारा निर्मित उच्चस्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण **ई-पाठ्यसामग्री अथवा मुद्रित उपलब्ध पाठ्यसामग्री प्रेषित की जाएगी। किसी पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध न होने की स्थिति में संदर्भ ग्रंथों की सूची अथवा संबंधित पाठ्यक्रम का पाठ्यविवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा संबंधित सत्र हेतु उक्त का संदर्भ लेना अनिवार्य होगा।** इस संबंध में विश्वविद्यालय अभ्यर्थी एवं अभ्यास केंद्र की किसी शिकायत की सुनवाई नहीं करेगा।

प्रायोगिक एवं परियोजना कार्य

प्रयोगात्मक कार्य अथवा परियोजना कार्य की व्यवस्था निर्धारित केंद्रों पर ही की जाएगी। यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित परीक्षा के पूर्व प्रयोगात्मक व परियोजना कार्य पूरा नहीं करता है, तो वह सत्रांत परीक्षा के लिए अर्ह नहीं होगा और अगली परीक्षा के प्रयोगात्मक कार्य के लिए निर्धारित शुल्क रु. 250 प्रति प्रश्नपत्र अलग से पुनः जमा करना होगा।

सामान्य जानकारी

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने के बाद कागज़ी प्रति (हार्ड कॉपी) एक सप्ताह के भीतर चयनित अध्ययन केंद्र पर उपलब्ध करानी अनिवार्य है।

आवेदन–पत्र भरने से पूर्व विश्वविद्यालय की वेबसाइट या विद्यार्थी मार्गदर्शिका में दिए गए दिशा–निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।

- प्रवेश–आवेदन के साथ संलग्न होने वाले समस्त दस्तावेज़ स्वप्रमाणित हों। अपूर्ण, असत्यापित, अस्पष्ट, पूर्ण शैक्षिक एवं आवश्यक अर्हता न रखने वाले आवेदनों को बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त कर दिया जाएगा।
- क्रेडिट स्थानांतरण के अंतर्गत प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु निर्धारित तिथि तक आवेदन जमा कर सकता है। आवेदन में क्रेडिट स्थानांतरण का उल्लेख तथा उत्तीर्ण किए गए संबंधित पाठ्यक्रम की अंकतालिका तथा विषय संबंधी पाठ्य विवरण संलग्न करना अनिवार्य है।
- संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शासन द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/संस्थान की 10+2+3 शैक्षिक पद्धति ही स्वीकार्य है।
- आवश्यक दस्तावेज़ डाउनलोड करने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance पर लॉग ऑन करें। कोई भी नवीनतम/सामयिक/आधुनिकतम सूचना /दस्तावेज़ डाउनलोड करने से पूर्व संबंधित कड़ी (Link) को एक बार रिफ्रेश (Refresh) अवश्य करें। आवश्यकता पड़ने पर निदेशालय से निःशुल्क दूरभाष 18002331575 पर (सोमवार से शुक्रवार प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक) संपर्क किया जा सकता है।
- विद्यार्थियों/पाठ्यक्रमों/परीक्षाओं/अन्य से संबंधित सूचनाएँ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। अतः सभी विद्यार्थी व अभ्यास केंद्रों के संचालक नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित होने वाली सूचनाओं को भली–भाँति देखें व समझ लें, तदनुसार ही उसका अनुपालन सुनिश्चित करें। किसी भी विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से सूचना देना संभव नहीं है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित होनेवाली नवीनतम सूचनाओं को अंतिम माना जाए।
- **<u>प्रत्येक पाठ्यक्रम में चयनित विद्यार्थी को संबंधित सत्र/वर्ष के सत्रीय/अनिवार्य कार्य जमा करने के बाद ही सत्रांत/वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित किया जाएगा।</u>**

छात्रवृत्ति सुविधा

दिव्यांग तथा आरक्षित वर्ग के छात्रों को भारत सरकार द्वारा छात्रवृत्ति का प्रावधान है। इस कोटि के विद्यार्थी छात्रवृत्ति हेतु संबंधित राज्य के संबंधित विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार आवेदन करें। पूर्ण एवं विधिवत रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में प्राप्त होने के पश्चात विभाग इस आवेदन पत्र को सत्यापित कर पुनः विद्यार्थी को प्रेषित करेगा, जिसे विद्यार्थी आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित राज्य के संबंधित विभाग में जमा कराएँगे। छात्रवृत्ति सुविधा की अधिक जानकारी राज्य के संबंधित विभाग/अभ्यास केंद्र से प्राप्त की जा सकती है।

परामर्श कार्यक्रम

अभ्यास केंद्र द्वारा विद्यार्थी के शिक्षा–प्रशिक्षण हेतु समय–समय पर व्यक्तिगत कक्षाएँ/परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, जिससे कि :

- विद्यार्थियों में आवश्यक दक्षता एवं स्वस्थ प्रतियोगिता के गुण विकसित हों ।

- अभ्यास केंद्र द्वारा निश्चित दिनों के अध्ययन के दौरान विद्यार्थी अपनी शंकाओं एवं समस्या का समाधान खोज सकें।
- पर्यवेक्षक द्वारा जाँचे गए निर्दिष्ट कार्यों, प्रयोगों, परियोजना कार्यों तथा सत्रीय कार्यों को प्राप्त कर सकें एवं अभ्यास केंद्र में उपलब्ध पुस्तकों का अध्ययन कर सकें।
- अभ्यास केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थी की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित हो।

विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे अपनी क्षमता निर्माण हेतु सभी परामर्श कार्यक्रमों में भाग लें। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस पाठ्यक्रम में इस कार्य के लिए निश्चित अवधि तय की गई है।

परामर्श और परीक्षा केंद्र

यह आवश्यक नहीं है कि जहाँ विद्यार्थी ने परामर्श या प्रायोगिक घटकों का अध्ययन किया है, वहीं प्रायोगिक/सत्रांत परीक्षा का भी आयोजन हो। नियमित परामर्श सत्रों को विद्यार्थी सहायता केंद्रों में संचालित किया जाएगा।

विद्यार्थी के नाम/उपनाम में सुधार परिवर्तन

विद्यार्थी को प्रवेश पत्र पर अपना सही नाम, जो कि उसके हाईस्कूल के प्रमाण पत्र पर अंकित है, ही लिखना है। यदि विद्यार्थी का नाम/उपनाम उसके हाईस्कूल के प्रमाण पत्र पर अंकित नाम से अलग है तो उसे इसका वैध साक्ष्य भी संलग्न करना होगा। नाम/उपनाम में परिवर्तन हेतु प्रवेश की पुष्टि होते ही विद्यार्थी–पंजीकरण–प्रभाग को भेजने के लिए निम्नलिखित में से कोई एक प्रमाण प्रस्तुत करना होगा –

1. दैनिक समाचार पत्र में नाम परिवर्तन की अधिसूचना की मूल प्रति।
2. नाम के परिवर्तन के संबंध में उचित मूल्य के स्टैंप पेपर पर पहली श्रेणी के मैजिस्ट्रेट के सामने ली गई शपथ का मूल शपथ पत्र।
3. शादी का कार्ड, शादी का प्रमाण पत्र, यदि किसी महिला विद्यार्थी के उपनाम में परिवर्तन है।
4. नाम/उपनाम में परिवर्तन को प्रदर्शित करती हुई राजपत्र में जारी की गई अधिसूचना की मूलप्रति। इस हेतु वित्ताधिकारी, मगांअंहिंवि के पक्ष में तथा वर्धा में देय ₹400/- का माँगपत्र जमा करना होगा। नाम/उपनाम में सुधार या परिवर्तन हेतु प्रार्थना, पाठ्यक्रम के समाप्त होने से पहले ही स्वीकार्य होगी।

पता परिवर्तन/सुधार*

पता परिवर्तन हेतु संबंधित अभ्यास केंद्र के माध्यम से ही आवेदन स्वीकार्य होगा। यह सामान्यतया 4–6 हफ्तों मे होता है। इसलिए इस अवधि के दौरान विद्यार्थी अपने पत्रों को नए पते पर प्राप्त करने का प्रबंध स्वयं करें।

अन्य जानकारी

1. चूँकि यह पाठ्यक्रम दूर शिक्षा प्रणाली से संचालित है, इसलिए यह उस नियमित/परंपरागत प्रक्रिया द्वारा संचालित नहीं किया जाएगा, जैसे आप अब तक पढ़ते आए हैं।
2. इस पाठ्यक्रम के लिए आपको स्वयं अध्ययन करना होगा, जिसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्धता के आधार पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ई–सामग्री/मुद्रित अध्ययन सामग्री/संदर्भ ग्रंथों की सूची उपलब्ध कराई जाएगी।
3. कृपया अपनी पाठ्य सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें। इसे विशेष तौर पर स्वयं अध्ययन के लिए तैयार किया गया है। अपनी टिप्पणियाँ तैयार करें एवं उन खंडों को रेखांकित करें, जिसे आप ठीक से समझ नहीं पा रहे हैं। तत्पश्चात अध्ययन सामग्री में दिए गए निर्देशों के अनुसार उन्हें समझने का प्रयास करें।
4. आपके अभ्यास केंद्र द्वारा परामर्श सत्र आयोजित किए जाएँगे, जो आपकी समस्याओं/शंकाओं के समाधान हेतु होंगे।

5. परामर्श कार्यक्रमों में आप अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं। निर्देशन के लिए आग्रह कर सकते हैं।
6. आपके अभ्यास केंद्र द्वारा आपके लिए प्रायोगिक परामर्श कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जहाँ आप अपने विषय के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते/सकती हैं।
7. कृपया अभ्यास केंद्र में आपके लिए तैयार किए गए पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाओं का प्रयोग उपलब्धता के आधार पर अवश्य करें।
8. आपके प्रायोगिक विषयों का आंतरिक मूल्यांकन आपके अभ्यास केंद्र पर किया जाएगा।
9. अपने अभ्यास केंद्र से ही अपनी परीक्षा तिथियों का विवरण, परिचय पत्र तथा परीक्षा प्रवेश पत्र भी प्राप्त कर सकते हैं।
10. परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरांत आपका प्रमाण पत्र तथा परीक्षा परिणाम आपके अभ्यास केंद्र पर ही भेज दिया जाएगा।
11. परीक्षा तिथियों, परीक्षा परिणामों, प्रवेश पत्र इत्यादि से संबंधित जानकारी आप विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।
12. वार्षिक सत्रीय कार्य/परियोजना कार्य/लघु शोध निबंध की वैधता सत्रीय कार्य के अपलोड होने से एक वर्ष तक होगी। उसके बाद प्राप्त सत्रीय कार्यों के मूल्यांकन के अंकों को अगली परीक्षा में शामिल किया जाएगा।

सत्रांत परीक्षा

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए	:	100 अंक (क्षेत्रकार्य/परियोजना कार्य/प्रायोगिक कार्य के अंक पाठ्यक्रम की आवश्यकता अनुसार निर्धारित होंगे।)
सत्रांत मूल्यांकन	:	प्रत्येक प्रश्नपत्र के सैद्धांतिक/प्रायोगिक कार्य के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
आंतरिक मूल्यांकन	:	निर्दिष्ट कार्यों के लिए आंतरिक मूल्यांकन में 30 अंक निर्धारित हैं। सभी निर्दिष्ट कार्य प्रत्येक विद्यार्थी को समय से जमा करना अनिवार्य है।

विद्यार्थी का अंतिम परीक्षा परिणाम उसके सभी सत्रों के अंकों तथा प्रस्तुति इत्यादि को जोड़कर प्रकाशित किया जाएगा।

पुनर्गणना*

पुनर्गणना का अर्थ सत्रांत उत्तर पुस्तिकाओं में दिए गए अंकों की पुनर्गणना है। इसमें यह भी देखा जाएगा कि उत्तर पुस्तिका का कोई अंश बिना मूल्यांकित हुए छूट तो नहीं गया है। परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर इस हेतु आवेदन करना होगा तथा हर प्रश्न पत्र के लिए वित्ताधिकारी, मगांअंहिंवि, वर्धा के पक्ष में वर्धा देय रु. 200/- का माँगपत्र आवेदन के साथ जमा करना होगा। पुनर्गणना की अवधि सामान्यतः आवेदन करने की अंतिम तिथि से एक माह होगी। अगर पुनर्गणना में कोई परिवर्तन होता है, तो विश्वविद्यालय अधिक अंक को ही मान्यता देगा। नई अंक सूची बिना किसी शुल्क के विद्यार्थी को प्रदान की जाएगी।

यदि आप शुल्क जमा नहीं करते/करती हैं

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी भी प्रकार के शुल्क नियमानुसार समय पर जमा न करने की स्थिति में विद्यार्थी द्वारा किसी विशिष्ट कार्य हेतु किए गए अनुरोध पर कार्यवाही नहीं की जाएगी। अतः विद्यार्थी एवं अभ्यास केंद्र इस पर गंभीरता से ध्यान दें।

श्रेणी सुधार *

किसी भी पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी, जो अपने पूर्व के परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के इच्छुक हों, वे अलग से परीक्षा शुल्क जमा करके पुनः आगामी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। प्रमाण पत्र/डिग्री/डिप्लोमा निर्गत होने के पश्चात श्रेणी–सुधार की अनुमति नहीं दी जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी श्रेणी–शुल्क रु. 500 अतिरिक्त प्रति प्रश्नपत्र रु. 300 जमा कर सकते हैं। यह अवसर मात्र एक बार दिया जाएगा। इस परीक्षा में यदि प्राप्तांकों में कोई परिवर्तन होता है तो विश्वविद्यालय अधिक प्राप्तांकों को ही मान्यता देगा।

डिप्लोमा/डिग्री की प्रतिलिपि

प्रत्येक प्रमाण पत्र एवं अंकसूची की प्रतिलिपि प्राप्त करने हेतु आवेदन आवश्यक दस्तावेज सहित रु. 500 के माँगपत्र के साथ पूर्व प्रक्रिया की भाँति भेजें।

नियमों में संशोधन

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की अकादमिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से आवश्यकता पड़ने पर किसी भी पाठ्यक्रम के शुल्क विवरण, पाठ्य विवरण में संशोधन परिवर्तन, परिवर्धन, अद्यतन, किसी नियम में कुछ शामिल करने अथवा कमी करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है। यह संशोधन वर्तमान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट विद्यार्थियों के अलावा पूर्व में प्रवेशित छात्रों पर भी लागू होगा।

पुनः पंजीकरण*

जो विद्यार्थी स्वीकृत अधिकतम अवधि के भीतर अपना पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर पाते हैं, वे निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित अवधि से आगे पुनः पंजीकरण करा सकते हैं–

- पुनः पंजीकरण के लिए आवेदन निर्धारित तिथि तक अभ्यास केंद्र या मुख्यालय, वर्धा को भेजें। पुनः पंजीकरण के लिए विद्यार्थी को अपूर्ण पाठ्यक्रम का पूर्ण शुल्क जमा करना होगा।
- यह सुविधा वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रमों के लिए मान्य होगी।
- पाठ्य विवरण में परिवर्तन की स्थिति में यह सुविधा नहीं दी जाएगी ।

क्षेत्राधिकार

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय के समस्त अकादमिक कार्यक्रमों एवं परीक्षा/वित्तीय/प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़े विवादों का क्षेत्राधिकार मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ (महाराष्ट्र) होगा।

* प्रारूप के लिए www.hindivishwa.org/distance देखें।

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज

प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र कार्यालय
प्लॉट क्रमांक-06/आई-3
झूँसी योजना संख्या-03, झूँसी
प्रयागराज - 211019 (उ.प्र.)
संपर्क : 0532-2567442
ई-मेल mgahvalld@gmail.com

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
ऐकतान, ईजेडसीसी, आईए-290, सेक्टर-3,
साल्ट लेक, कोलकाता - 700 091 (प.बं.)
संपर्क : 033-23350144

विद्यार्थी सेवा केंद्र

दूर शिक्षा निदेशालय में पंजीकृत की सहायता एवं पाठ्यक्रमों से संबंधित किसी भी सुझाव / शिकायत एवं जानकारी के लिए विद्यार्थी सेवा केंद्र के ई-मेल studentservicecentredde@gmail.com पर लिखा जा सकता है।

अभ्यास केंद्र सहायता प्रकोष्ठ

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रम तथा विद्यार्थियों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं के निस्तारण हेतु
ई-मेल studycentermgahv@gmail.com
पर लिखा जा सकता है।



ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र)-442 001

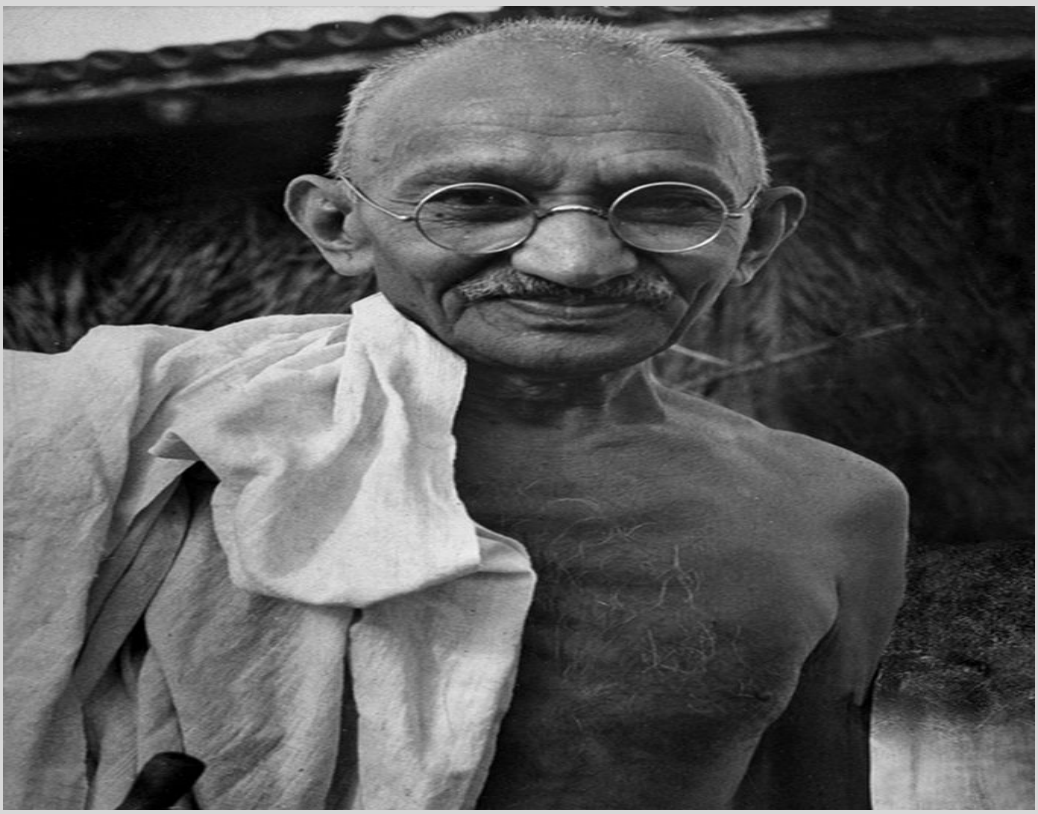
टोल फ्री : 1800 233 1575

E-mail : studentservicecentredde@gmail.com

Website : www.hindivishwa.org/distance

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) एवं दूरस्थशिक्षा ब्यूरो (DEB) से मान्यता प्राप्त



विद्यार्थी मार्गदर्शक पुस्तिका

दूर शिक्षा निदेशालय
महामना मदनमोहन मोहन मालवीय भवन
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

पाठ्यक्रम-परिचय

पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : MAHD - 010

एम. ए. हिंदी का यह पाठ्यक्रम उन अध्येताओं के लिए है जो स्वाध्याय केन्द्रित दूर शिक्षा के माध्यम से हिंदी भाषा और साहित्य का गहन और सम्यक् अध्ययन कर हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं। सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप निर्मित 4 सेमेस्टर का यह द्विवर्षीय पाठ्यक्रम कुल 80 क्रेडिट का है।

यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा एवं साहित्य की परम्परागत पाठ्यचर्याओं के साथ ही 'प्रयोजनमूलक हिन्दी', 'हिंदी पत्रकारिता', 'हिंदी भाषा एवं भाषा-शिक्षण' तथा 'सृजनात्मक लेखन' जैसी रोजगारोन्मुखी पाठ्यचर्याओं के अध्ययन का अवसर सुलभ कराता है। यह पाठ्यक्रम इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि इसमें इक्कीसवीं सदी की अकादमिक आवश्यकताओं के अनुरूप 'तुलनात्मक भारतीय साहित्य', 'नव सामाजिक विमर्श' एवं 'हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण' जैसी अत्यन्त आवश्यक एवं प्रासंगिक पाठ्यचर्या को शामिल किया गया है. जीवन में नैतिक मूल्यों की चेतना में अभिवृद्धि और उसकी आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य से 'हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना' जैसी समाजोपयोगी पाठ्यचर्या का भी समावेश इस पाठ्यक्रम में किया गया है।

परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है. परियोजना कार्य के अंतर्गत हिंदी के कालजयी रचनाकारों के समग्र कृतित्व एवं हिंदी की समवेत संस्कृति की स्थापना में सहायक विभिन्न प्रचार संस्थाओं/ नाट्य-संस्थाओं, पत्र-पत्रिकाओं, साहित्यिक आन्दोलनों, पुस्तकालयों, साहित्यिक केन्द्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि के विशेष योगदान का सघन अध्ययन करने हेतु प्रवृत्त करना इस पाठ्यक्रम का एक प्रमुख लक्ष्य है।

डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा : पाठ्यक्रम संयोजक
एसोशिएट प्रोफ़ेसर, कक्ष संख्या -18,
दूर शिक्षा निदेशालय, महामना मदनमोहन मालवीय भवन,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा.
ईमेल : amrendrakumarsharma@gmail.com संपर्क न. 9422905755

****

पाठ्य-योजना

लक्ष्य - यह पाठ्यक्रम उप विद्यार्थियों के लिए है जो स्वाध्याय केन्द्रित दूर शिक्षा के माध्यम से हिंदी भाषा और साहित्य का सम्यक् अध्ययन कर हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं।

पात्रता – स्नातक उपाधि या समकक्ष उपाधि।

आयु – कोई सीमा नहीं।

पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने की अवधि – न्यूनतम 2 और अधिकतम 4 वर्ष।

सेमेस्टर की संख्या – 4

पाठ्यचर्या – प्रत्येक सेमेस्टर में 6 पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं। इनमें से प्रथम 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याएँ हैं जबकि शेष 2 वैकल्पिक पाठ्यचर्याओं में से किसी 1 पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार कर सकते हैं। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रत्येक सेमेस्टर में 5 जबकि सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में कुल 20 पाठ्यचर्याओं का अध्ययन करना है।

अनिवार्य पाठ्यचर्या – प्रत्येक सेमेस्टर में 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं।

वैकल्पिक पाठ्यचर्या – प्रत्येक सेमेस्टर में पंचम पाठ्यचर्या स्वचयनानुसार विकल्पाधारित है। इसमें विद्यार्थी निर्दिष्ट विकल्पों में से स्वचयनानुसार विकल्प का चयन कर सकते हैं।

क्रेडिट – प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए अधिकतम 4 क्रेडिट / 100 अंक निर्धारित हैं। तदनुसार प्रत्येक सेमेस्टर के लिए अधिकतम 20 क्रेडिट / 500 अंक तथा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 क्रेडिट/ 2000 अंक निर्धारित हैं।

मूल्यांकन पद्धति – पाठ्यक्रम में निर्धारित 20 पाठ्यचर्याओं में से चतुर्थ सेमेस्टर में पंचम पाठ्यचर्या परियोजना कार्य पर आधारित है। परियोजना कार्य पर आधारित इस पाठ्यचर्या के लिए अधिकतम 4 क्रेडिट/ 100 अंक निर्धारित हैं। परियोजना कार्य का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा। 'परियोजना कार्य' पाठ्यचर्या के अतिरिक्त शेष 19 पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन सत्रांत/ लिखित परीक्षा एवं सत्रीय कार्य द्वारा क्रमशः 70 : 30 के अनुपातानुसार किया जाएगा। सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा। कुल मिलाकर विद्यार्थी को चारों सेमेस्टर में 1 परियोजना कार्य के साथ कुल 19 पाठ्यचर्याओं के सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं। साथ ही विद्यार्थी को 19 पाठ्यचर्याओं की सत्रांत/ लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए पूर्णांक 100 एवं उत्तीर्णांक 40 निर्धारित हैं।

****

पाठ्यक्रम का स्वरूप

पाठ्यचर्या समेस्टर	प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	चतुर्थ पाठ्यचर्या अनिवार्य	पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
प्रथम सेमेस्टर	प्रारम्भिक हिंदी काव्य	हिंदी उपन्यास एवं कहानी	भारतीय काव्यशास्त्र	हिंदी साहित्य का इतिहास – I	विकल्प I – प्रयोजनमूलक हिंदी
					विकल्प II – लोक-साहित्य
द्वितीय सेमेस्टर	मध्यकालीन हिंदी काव्य	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	हिंदी साहित्य का इतिहास – II	विकल्प I – हिंदी पत्रकारिता
					विकल्प II – हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण
तृतीय सेमेस्टर	आधुनिककालीन हिंदी काव्य	हिंदी आलोचना	हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपी	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	विकल्प I – हिंदी भाषा एवं भाषा-शिक्षण
					विकल्प II – सृजनात्मक लेखन
चतुर्थ सेमेस्टर	हिंदी नीतिकाव्य और मूल चेतना	हिंदी के विविध गद्य-रूप	भाषा विज्ञान	नव सामाजिक विमर्श	विकल्प I – परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन
					विकल्प II – परियोजना कार्य : हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

- यह द्विवर्षीय पाठ्यक्रम कुल 4 सेमेस्टर में विभक्त है।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 5 पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं जिनमें प्रथम 4 पाठ्यचर्याएँ अनिवार्य हैं जबकि पंचम पाठ्यचर्या वैकल्पिक है। विद्यार्थी को निर्धारित 2 विकल्पों में से किसी 1 विकल्प का चयन पंचम पाठ्यचर्या के रूप में करना है।
- प्रति पाठ्यचर्या अधिकतम 4 क्रेडिट निर्धारित हैं। इस प्रकार प्रति सेमेस्टर अधिकतम 20 क्रेडिट (4 x 5 = 20) जबकि सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 क्रेडिट (4 x 20 = 80)

****

पाठ्यचर्या-सूची

क्र.सं.	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या	अनिवार्य / वैकल्पिक	पाठ्यचर्या कोड	पाठ्यचर्या का शीर्षक	क्रेडिट
01	प्रथम	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 01	प्रारम्भिक हिंदी काव्य	4
02	प्रथम	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 02	हिंदी उपन्यास एवं कहानी	4
03	प्रथम	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 03	भारतीय काव्यशास्त्र	4
04	प्रथम	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 04	हिंदी साहित्य का इतिहास – I	4
05	प्रथम	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 05	प्रयोजनमूलक हिंदी	4
06	प्रथम	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 06	लोक-साहित्य	4
07	द्वितीय	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 07	मध्यकालीन हिंदी काव्य	4
08	द्वितीय	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 08	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	4
09	द्वितीय	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 09	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
10	द्वितीय	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 10	हिंदी साहितय का इतिहास – II	4
11	द्वितीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 11	हिंदी पत्रकारिता	4
12	द्वितीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 12	हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	4
13	तृतीय	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 13	आधुनिककालीन हिंदी काव्य	4
14	तृतीय	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 14	हिंदी आलोचना	4
15	तृतीय	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 15	हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि	4
16	तृतीय	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 16	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	4
17	तृतीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 17	हिंदी भाषा एवं भाषा-शिक्षण	4
18	तृतीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 18	सृजनात्मक लेखन	4
19	चतुर्थ	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 19	हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना	4
20	चतुर्थ	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 20	हिंदी के विविध गद्य-रूप	4
21	चतुर्थ	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 21	भाषाविज्ञान	4
22	चतुर्थ	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 22	नव सामाजिक विमर्श	4
23	चतुर्थ	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 23	परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन	4
24	चतुर्थ	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 24	परियोजना कार्य : हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन	4

कुल क्रेडिट : 80 (24x4)

****

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित 20 पाठ्यचर्याओं में से चतुर्थ सेमेस्टर की पंचम पाठ्यचर्या 'परियोजना कार्य' के अतिरिक्त शेष 19 पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन सत्रांत / लिखित परीक्षा एवं सत्रीय कार्य द्वारा क्रमश: 70:30 के अनुपातानुसार किया जाएगा। इनमें सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आतंरिक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा। इन उन्नीस 19 पाठ्यचर्याओं के प्रत्येक सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र के लिए पूर्णांक 30 एवं उत्तीर्णांक 12 निर्धारित हैं।

प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर की 6 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 2 विकल्पों में से किसी 1 पाठ्यचर्या का चयन करता है। विद्यार्थी को प्रथम 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में 1-1 सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में 5 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं। जबकि चतुर्थ सेमेस्टर की 6 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक में 1-1 सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को चतुर्थ सेमेस्टर में 4 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं। कुल मिलाकर विद्यार्थी को चारों सेमेस्टर में कुल उन्नीस (19) पाठ्यचर्याओं के सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने अनिवार्य हैं।

पाठ्यक्रम संयोजक द्वारा प्रत्येक पाठ्यचर्या हेतु सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र का निर्माण कर इन्हें दूर शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र निर्धारित अवधि में सम्पन्न किए जाने वाला गृह-कार्य है अत: अपेक्षित है कि विद्यार्थी दिए गए निर्देशों की अनुपालना में सत्रीय कार्य सम्पन्न कर उन्हें सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर निर्धारित अन्तिम दिनांक तक प्रस्तुत कर दें। अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केन्द्र पर ही जमा कराएँगे। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर ही किया जाएगा जबकि दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा केवल उन्हीं विद्यार्थियों के सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा जो सीधे तौर पर दूर शिक्षा निदेशालय में पंजीकृत हुए हैं।

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र समय-समय पर दूर शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएँगे जिसे निम्नलिखित URL का उपयोग कर डाउनलोड किया जा सकता है –

http://hindivishwa.org/distance/contentdtl.aspx?category=3&cgid=74&csgid=58

****

परियोजना कार्य

पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर की पंचम पाठ्यचर्या परियोजना कार्य पर आधारित है। इस पाठ्यचर्या के लिए अधिकतम चार (4) क्रेडिट/ 100 अंक निर्धारित हैं। परियोजना कार्य का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन पध्दति द्वारा किया जाएगा। परियोजना कार्य पाठ्यचर्या के लिए पूर्णांक 100 एवं उत्तीर्णांक 40 निर्धारित हैं।

विद्यार्थी द्वारा परियोजना कार्य हेतु निर्धारित 2 विकल्पों : MAHD – 23 (रचनाकार का विशेष अध्ययन) तथा MAHD – 24 (हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन) में से किसी 1 विकल्प का चयन कर उससे सम्बन्धित 1 परियोजना कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को कुल 1 परियोजना कार्य सम्पन्न कर जमा कराना है।

परियोजना कार्य निर्धारित अवधि में सम्पन्न किए जाने वाला गृहकार्य है अत: अपेक्षित है कि विद्यार्थी दिए गए निर्देशों की अनुपालना में परियोजना कार्य सम्पन्न कर उन्हें सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर निर्धारित अन्तिम दिनांक तक प्रस्तुत कर दें। अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपना-अपना परियोजना कार्य अध्ययन केन्द्र पर ही जमा कराएँगे। ऐसे विद्यार्थियों के परियोजना कार्य का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर ही किया जाएगा जबकि दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा केवल उन्हीं विद्यार्थियों के परियोजना कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा जो सीधे तौर पर दूर शिक्षा निदेशालय में पंजीकृत हुए हैं।

परियोजना कार्य के लिए निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं का अवलोकन करें। परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाएँ दूर शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित हैं जिन्हें निम्नलिखित URL का उपयोग कर डाउनलोड किया जा सकता है –

http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD-23_rachnakaar_ka_vishesh_aadhyayan.pdf
http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD-24_hindi_kee_sanshkriti_ka_vishesh_aadhyayan.pdf

****

सत्रांत/वार्षिक लिखित परीक्षा

पाठ्यक्रम में निर्धारित 20 पाठ्यचर्याओं में से चतुर्थ सेमेस्टर की पंचजम पाठ्यचर्या 'परियोजना कार्य' के अतिरिक्त शेष 19 पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन सत्रांक/लिखित परीक्षा एवं सत्रीय कार्य द्वारा क्रमश: 70 : 30 के अनुपातानुसार किया जाएगा। इन 19 पाठ्यचर्याओं के प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए पूर्णांक 70 एवं उत्तीर्णांक 28 निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र की अधिकतम समयावधि 3 घण्टे निर्धारित है।

सत्रांत/ लिखित परीक्षा दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा घोषित परीक्षा कार्यक्रमानुसार एवं परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएँगी।

प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर की 6 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 2 विकल्पों में से किसी 1 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में सत्रांत / लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में 5 पाठ्यचर्याओं की परीक्षा में उपस्थित होना है। जबकि चतुर्थ सेमेस्टर की 6 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 4 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक में सत्रांत/लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को चतुर्थ सेमेस्टर में 4 पाठ्यचर्याओं की परीक्षा में उपस्थित होना है। कुल मिलाकर विद्यार्थी को चारों समेस्टर में कुल 19 पाठ्यचर्याओं सत्रांत/लिखित परीक्षा में उपस्थित होना एवं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

सत्रांत / वार्षिक लिखित परीक्षा निम्नलिखित प्रारूपानुसार आयोजित की जाएगी –

क्र.सं.	प्रश्न वर्ग	उत्तर की शब्द–सीमा	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंकभार	कुल अंक
1	बहुविकल्पीय प्रश्न	सही उत्तर का चयन	5 प्रश्न	02 अंक	5 x 2 = 10 अंक
2	लघु उत्तरीय प्रश्न	लगभग 200 शब्द	5 में से कोई 3 प्रश्न	05 अंक	3 x 5 = 15 अंक
3	दीर्घ उत्तरीतय प्रश्न	लगभग 800 शब्द	5 में से कोई 3 प्रश्न	15 अंक	3 x 15 = 45 अंक

उपर्युक्त विवरणानुसार प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन प्रकार के प्रश्न पुछे जाएँगे –

1) बहुविकल्पीय प्रश्न – इस वर्ग में सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। परीक्षार्थी को दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन करना है।
2) लघु उत्तरीय प्रश्न – इस वर्ग में परीक्षार्थी को पूछे गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना है।
3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – इस र्व में परीक्षार्थी को पूछे गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर देना है।

****

पाठ्यक्रम

दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रम कोड : MAHD - 010) दूर शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित है जिसे निम्नलिखित URL का उपयोग कर प्राप्त (डाउनलोड) किया जा सकता है –

http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MA_HIN_Syllabus_DDE_2016-18.pdf

****

पाठ्ययामग्री

पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के अध्ययनार्थ पाठ्यसामग्री दूर शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित है जिसे निम्नलिखित URL का उपयोग कर प्राप्त (डाउनलोड) किया जा सकता है –

http://hindivishwa.org/distance/contentdtl.aspx?category+3&cgid=77&esgid+65

****

प्रवेश एवं परीक्षा सम्बन्धी सूचनाओं की जानकारी के लिए सम्पर्क सूत्र

प्रवेश एवं परीक्षा सम्बन्धी सूचनाओं की अद्यतन जानकारी के लिए दूर शिक्षा निदेशालय के टोल फ्री नंबर 1800-233-1575 या ईमेल – mgahvdistexam@gmail.com पर सम्पर्क करें अथवा निम्नलिखित URL का उपयोग करें – http://hindivishwa.org/distance/

****

पाठ्यक्रम, पाठ्यसामग्री के अध्ययन संबंधी कठिनई, संपर्क कक्षा/ परियोजना कार्य के विषय चयन/निर्धारण संबंधी दिशा-निर्देश के लिए संपर्क सूत्र:

डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा, पाठ्यक्रम संयोजक : एसोशिएट प्रोफ़ेसर,
कक्ष संख्या -18, दूर शिक्षा निदेशालय, महामना मदनमोहन मालवीय भवन,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा.
ईमेल : amrendrakumarsharma@gmail.com संपर्क न. 9422905755

डॉ. प्रियंका मिश्रा, एसोशिएट प्रोफ़ेसर,
कक्ष संख्या - 05, दूर शिक्षा निदेशालय, महामना मदनमोहन मालवीय भवन,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा. ईमेल : priyadarshnimishra85@gmail.com

****

पाठ्य–विवरण

एम.ए. इतिहास

एम.ए.एच

(क्रेडिट = 80)



दूर शिक्षा निदेशालय

2019-21

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(महाराष्ट्र)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. इतिहास (एमएएच) पाठ्यक्रम

प्रस्तावित एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम (चार सेमेस्टर : कुल – 80 क्रेडिट)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम संरचना

इस पाठ्यक्रम में कुल 80 क्रेडिट हैं। इस पाठ्यक्रम में शामिल सभी प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट के हैं। इस पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम चार वर्ष की है। अध्ययन के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में निम्न प्रश्नपत्र शामिल हैं।

प्रथम वर्ष (क्रेडिट=40)

प्रथम सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-01	इतिहास लेखन (Historiography)	4
एम.ए.एच.-02	प्राचीन भारतीय संस्कृति	4
एम.ए.एच.-03	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)	4
एम.ए.एच.-04	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)	4
एम.ए.एच.-05	इतिहास और लैंगिकता	4
	क्रेडिट	20

द्वितीय सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-06	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-1)	4
एम.ए.एच.-07	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)	4
एम.ए.एच.-08	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-1)	4
एम.ए.एच.-09	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-2)	4
एम.ए.एच.-10	भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा: समुद्रपारीय भारतीय समुदाय	4
	क्रेडिट	20

द्वितीय वर्ष (क्रेडिट=40)

तृतीय सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-11	आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार	4
एम.ए.एच.-12	भारत में अंग्रेजों का आगमन	4
एम.ए.एच.-13	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास	4
एम.ए.एच.-14	स्वातंत्र्योत्तर भारत	4
एम.ए.एच.-15	परियोजना कार्य	4
	क्रेडिट	20

चतुर्थ सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-16	भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन	4
एम.ए.एच.-17	आधुनिक भारत – विचार एवं विचारक	4
एम.ए.एच.-18	भारतीय संविधान	4
एम.ए.एच.-19	भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास	4
एम.ए.एच.-20	लघु शोध प्रबंध	4
	क्रेडिट	20

एम.ए. (इतिहास)

सेमेस्टर-1

1. इतिहास लेखन (Historiography)

खंड -1 इतिहास व इतिहास लेखन

इकाई-1 इतिहास लेखन – परिभाषा
इकाई-2 इतिहास : स्वरूप, अध्ययन क्षेत्र
इकाई-3 इतिहास तथा इसके सहायक शास्त्र – पुरातत्व, पुरालेखशास्त्र, प्रतिमाशास्त्र और मुद्राशास्त्र
इकाई-4 इतिहास और इसका अन्य अनुशासनों से संबंध

खंड -2 इतिहास की शोध पद्धति

इकाई-1 इतिहास के स्त्रोत – प्राथमिक एवं द्वितीयक
इकाई-2 आंकड़ों का संग्रहण एवं चयन
इकाई-3 स्रोत परीक्षण – बाह्य एवं आंतरिक
इकाई-4 पाद् टिप्पणी एवं संदर्भ ग्रंथ सूची

खंड -3 इतिहास लेखन के विभिन्न सिद्धांत

इकाई-1 कारणवाद – कार्य कारण सिद्धांत
इकाई-2 इतिहास लेखन में वस्तुनिष्ठता एवं पूर्वाग्रह
इकाई-3 प्रत्यक्षवाद
इकाई-4 इतिहास का चक्रवादी सिद्धांत

खंड -4 इतिहास लेखन की पद्धति – प्राचीन और मध्यकालीन

इकाई-1 ग्रीक रोमन
इकाई-2 अरेबियन
इकाई-3 मध्य यूरोपियन
इकाई-4 भारतीय

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति

खंड -1 सभ्यता एवं संस्कृति : परिभाषा एवं प्रारंभ

इकाई-1 सभ्यता एवं संस्कृति

इकाई-2 प्रागैतिहासिक संस्कृति

इकाई-3 हड़प्पा युगीन कला एवं स्थापत्य

इकाई-4 वैदिक कालीन धार्मिक स्थिति

खंड – 2 धर्म एवं संस्कृति

इकाई-1 सूत्रयुगीन धर्म एवं संस्कृति

इकाई-2 स्मृतियुगीन धर्म एवं संस्कृति

इकाई-3 छठी सदी ई. पू. में धार्मिक आंदोलन

इकाई-4 गुप्तकालीन धर्म एवं संस्कृति

खंड – 3 कला एवं स्थापत्य

इकाई-1 मौर्ययुगीन कला एवं स्थापत्य

इकाई-2 मौर्योत्तर काल : गांधार एवं मथुरा कला शैली

इकाई-3 गुप्तकालीन कला एवं स्थापत्य

इकाई-4 पूर्व मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य

खंड – 4 संस्कृति का विकास

इकाई-1 प्राचीन भारत में शिक्षा

इकाई-2 प्राचीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

इकाई-3 प्राचीन भारत में नारी

इकाई-4 बृहत्तर भारत में भारतीय संस्कृति का प्रसार

3. प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)

खंड -1 सिन्धु घाटी की सभ्यता

इकाई-1 हड़प्पा और मोहनजोदड़ो

इकाई-2 नगर निर्माण योजना

इकाई-3 सामाजिक आर्थिक एवं धार्मिक जीवन

इकाई-4 पतन व सातत्य

खंड -2 वैदिक काल

इकाई-1 वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, अरण्यक, उपनिषद)

इकाई-2 ऋगवैदिक काल (1500-1000 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन

इकाई-3 उत्तर वैदिक काल (1000-600 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन

इकाई-4 महाकाव्य काल – रामायण और महाभारत

खंड -3 छठी शताब्दी ई.पू. में धार्मिक आंदोलन

इकाई-1 छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति

इकाई-2 महावीर एवं जैन धर्म

इकाई-3 बुद्ध एवं बौद्ध धर्म

इकाई-4 भौतिकतावादी संप्रदाय – चार्वाक, आजीवक

खंड -4 महाजनपद से मौर्य साम्राज्य

इकाई-1 महाजनपद और मगध साम्राज्य

इकाई-2 मौर्य साम्राज्य

इकाई-3 अशोक और उसका धम्म

इकाई-4 मौर्य साम्राज्य का पतन

4. प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)

खंड -1 मौर्योत्तर काल

इकाई-1 भारत पर बाह्य आक्रमण – शक, हूण, कुषाण

इकाई-2 शिल्प, व्यापार, नगर (200 BC- 200 AD)

इकाई-3 सुदूर दक्षिण का इतिहास –चोल,पांड्य, चेर

इकाई-4 संगम युग एवं साहित्य

खंड -2 गुप्तकाल

इकाई-1 राजनैतिक उत्थान

इकाई-2 सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन

इकाई-3 आर्थिक जीवन

इकाई-4 स्वर्णकाल : विभिन्न मत

खंड -3 गुप्तोत्तर काल (उत्तर भारत)

इकाई-1 राजनीतिक स्थिति

इकाई-2 सामाजिक और आर्थिक स्थिति

इकाई-3 सांस्कृतिक विकास

इकाई-4 राजपूतों की उत्पत्ति एवं उत्थान

खंड -4 गुप्तोत्तर काल (दक्षिण भारत)

इकाई-1 चालुक्य, पल्लव

इकाई-2 सामाजिक स्थिति

इकाई-3 आर्थिक स्थिति

इकाई-4 सांस्कृतिक विकास

5. इतिहास और लैंगिकता

खंड -1 स्त्री इतिहास : आवश्यकता और प्रारंभिक दृष्टिकोण

इकाई-1 इतिहास लेखन में महिलाएँ

इकाई-2 इतिहास में महिलाओं की दृश्यता एवं अदृश्यता

इकाई-3 19वीं सदी में महिला प्रश्नों का इतिहास

इकाई-4 इतिहास में स्त्री – प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल

खंड -2 मध्यकालीन भारत और स्त्री

इकाई-1 इस्लाम और स्त्री

इकाई-2 हिंदू धर्म एवं स्त्री

इकाई-3 भक्ति आंदोलन एवं स्त्री

इकाई-4 विभिन्न धर्मों में स्त्री

खंड -3 आधुनिक काल और स्त्री

इकाई-1 सामाजिक सुधार आंदोलन और स्त्री मुद्दे

इकाई-2 राष्ट्रीय आंदोलन और स्त्री

इकाई-3 स्त्री शिक्षा

इकाई-4 विभाजन की त्रासदी और स्त्री

खंड-4 समकालीन इतिहास लेखन और स्त्री

इकाई-1 स्वतंत्रता उपरांत भारत में स्त्री

इकाई-2 स्वायत्त महिला आंदोलन

इकाई-3 वैश्वीकरण और स्त्री

इकाई-4 जाति, सांप्रदायिकता और स्त्री

सेमेस्टर- 2

6. मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-1)

खंड -1 पूर्व मध्यकालीन भारत

इकाई-1 पूर्व मध्यकाल में उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति

इकाई-2 सामाजिक स्थिति

इकाई-2 धार्मिक स्थिति

इकाई-3 आर्थिक स्थिति

खंड -2 दक्षिण भारतीय साम्राज्य

इकाई-1 राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

इकाई-2 चोल साम्राज्य (विशेष संदर्भ – स्थानीय प्रशासन)

इकाई-3 राष्ट्रकूट राजवंश

इकाई-4 विजयनगर और बहमनी साम्राज्य

खंड -3 उत्तर भारत में मुसलमानों का आगमन

इकाई-1 भारत पर अरबों का आक्रमण

इकाई-2 मुहम्मद गजनवी और मुहम्मद गोरी के आक्रमण

इकाई-3 राजपूतों की पराजय के कारण

इकाई-4 गुलाम वंश की स्थापना

खंड -4 सल्तनत काल

इकाई-1 खलजी, तुगलक और लोदी वंश

इकाई-2 सल्तनतकालीन सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था व सांस्कृतिक जीवन

इकाई-3 भक्ति आंदोलन

इकाई-4 सूफी आंदोलन

7. मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)

खंड -1 मुगल साम्राज्य की स्थापना

इकाई-1 बाबर के आगमन के पूर्व भारत की स्थिति

इकाई-2 बाबर : मुगल साम्राज्य की स्थापना

इकाई-3 हुमायूँ और शेरशाह-चौसा और कन्नौज की लड़ाई

इकाई-4 शेरशाह सूरी की प्रशासनिक व्यवस्था

खंड -2 मुगल साम्राज्य का सुदृढीकरण व विस्तार

इकाई-1 अकबर – राजपूत व धार्मिक नीति तथा मंसबदारी व्यवस्था

इकाई-2 जहाँगीर

इकाई-3 शाहजहाँ

इकाई-4 औरंगजेब – दक्षिण नीति एवं मुगल काल का पतन

खंड -3 मुगलों की प्रशासनिक, आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक नीतियाँ

इकाई-1 मुगलों की प्रशासनिक व राजनैतिक व्यवस्था

इकाई-2 आर्थिक स्थिति

इकाई-3 स्थापत्य और कला

इकाई-4 साहित्य व सांस्कृतिक विकास

खंड -4 मराठा साम्राज्य का उदय व विस्तार

इकाई-1 मराठा शक्ति का उत्कर्ष

इकाई-2 शिवाजी

इकाई-3 मुगलों के साथ मराठों का संबंध

इकाई-4 पेशवा का उदय व मराठा शक्ति का विस्तार

8. आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-1)

खंड -1भौगोलिक खोज से औद्योगिक क्रांति

इकाई-1 भौगोलिक खोज एवं पुनर्जागरण

इकाई-2 यूरोप में औद्योगिक क्रांति

इकाई-3 यूरोप में धर्म सुधार और वाणिज्यवाद का विकास

इकाई-4 वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उदय: प्रबोधन का युग

खंड -2 फ्रांसीसी क्रांति

इकाई-1 पुरानी शासन व्यवस्था- राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक स्थिति

इकाई-2 फ्रांस की राज्य क्रांति एवं क्रांति का स्वरूप

इकाई-3 दार्शनिकों की भूमिका

इकाई-4 नेपोलियन का उदय व पतन

खंड -3 राष्ट्रीय राज्यों का उदय

इकाई-1 इटली का एकीकरण

इकाई-2 जर्मनी का एकीकरण

इकाई-3 विस्मार्क – विदेश नीति

इकाई-4 वियना कांग्रेस, मेटरनिख व्यवस्था

खंड-4 यूरोप से इतर अन्य देशों में क्रांति एवं राष्ट्रवाद

इकाई-1 अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम

इकाई-2 आधुनिक जापान का उदय

इकाई-3 रूसी क्रांति

इकाई-4 रूस में नई आर्थिक नीति

9. आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-2)

खंड -1 प्रथम विश्वयुद्ध

इकाई-1 प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम

इकाई-2 वर्साय की संधि

इकाई-3 लीग ऑफ नेशन की स्थापना व कार्य

इकाई-4 वाशिंगटन सम्मेलन – (1921-42)

खंड -2 समाजवाद के वैश्विक उभार के प्रति प्रतिक्रिया- नाजीवाद व फासीवाद

इकाई-1 जर्मनी में नाजीवाद

इकाई-2 इटली में फासीवाद

इकाई-3 जापान में सैन्यवाद (1931-45)

इकाई-4 दो विश्व युद्धों के बीच निरस्त्रीकरण की समस्या

खंड -3 द्वितीय विश्वयुद्ध

इकाई-1 द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम

इकाई-2 संयुक्त राष्ट्र संघ

इकाई-3 शीत युद्ध

इकाई-4 सोवियत संघ का निर्माण एवं विघटन

खंड-4 आधुनिक एशिया की राजनीतिक व्यवस्था

इकाई-1 चीन में राष्ट्रवाद

इकाई-2 चीन में साम्यवादी क्रांति

इकाई-3 एशिया में विउपनिवेशीकरण

इकाई-4 अरब-इजराइल संबंध

10. भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा: समुद्रपारीय भारतीय समुदाय

खंड -1 भारतीय प्रवासन के चरण एवं स्वरूप

इकाई-1 प्राचीन एवं मध्यकाल

इकाई-2 आधुनिक/ औपनिवेशिक काल

इकाई-3 उत्तर औपनिवेशिक काल (1950 से 1980)

इकाई-4 उत्तर औपनिवेशिक काल (वैश्वीकरण के दौर – 1990 के बाद)

खंड -2 समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय

इकाई-1 हिन्द महासागर: श्रीलंका

इकाई-2 प्रशांत क्षेत्र- न्यूजीलैंड

इकाई-3 कैरेबियन क्षेत्र: गुयाना, सूरीनाम

इकाई-4 उत्तरी अमरीका, यूनाइटेड किंगडम

खंड -3 भारतीय डायस्पोरा का पहचान के लिए संघर्ष

इकाई-1 महात्मा गांधी का समुद्रपारीय भारतीयों के मानवाधिकार के लिए संघर्ष में योगदान

इकाई-2 दक्षिण अफ्रीका

इकाई-3 मॉरीशस

इकाई-4 फिजी

खंड-4 भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति: इतिहास व वर्तमान

इकाई-1 स्वतंत्रतापूर्व

इकाई-2 स्वतंत्रता के आरंभिक दशक

इकाई-3 वैश्वीकृत भारत

इकाई-4 प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा

सेमेस्टर- 3

11. आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार

खंड -1 इतिहास लेखन की परंम्परा

इकाई-1 प्राच्यवादी – 1) विलियम जोन्स 2) मैक्स मूलर
इकाई-2 साम्राज्यवादी – 1) जेम्स मिल 2) माउंटस्टुअर्ट एलिफंस्टन
इकाई-3 राष्ट्रवादी – 1) काशी प्रसाद जायसवाल 2) ताराचन्द
इकाई-4 मार्क्सवादी – 1) दामोदर धर्मानंद कोसंबी 2) राम शरण शर्मा

खंड -2 इतिहास लेखन की आधुनिक परंपरा

इकाई-1 सबाल्टर्न – 1) रंजीत गुहा 2) ज्ञान पाण्डे एवं शाहिद अमीन
इकाई-2 एनालेस – 1) एरिक हॉब्सवॉम 2) मार्क ब्लोख
इकाई-3 उत्तर आधुनिक – जीन लियोटार्ड 2) फ्रेडरिक जेमसन
इकाई-4 मौखिक इतिहास – डोनाल्ड ए. रिचि 2) वेलेरी रेले यो

खंड -3 पाश्चात्य इतिहासकार

इकाई-1 एडवर्ड हेल्लेट 'टेड' कार
इकाई-2 लियोपोल्ड वॉन रेंके
इकाई-3 रॉबिन जार्ज कोलिंगउड
इकाई-4 एडवर्ड गिबन

खंड -4 भारतीय इतिहासकार

इकाई-1 रमेशचन्द्र मजूमदार
इकाई-2 यदुनाथ सरकार
इकाई-3 इरफान हबीब
इकाई-4 रोमिला थापर

12. भारत में अंग्रेजों का आगमन

खंड -1 मुगल साम्राज्य का पतन और देशी राज्य

इकाई-1 मुगल साम्राज्य का पतन - उत्तर मुगलकालीन शासक

इकाई-2 देशी राज्यों का उदय-बंगाल, हैदराबाद, मैसूर, अवध व पंजाब,

इकाई-3 कर्नाटक-आंग्ल – फ्रेंच संघर्ष

इकाई-4 ईस्ट इंडिया कंपनी एवं बंगाल के नवाब (पलासी से बक्सर)

खंड -2 अंग्रेजी राज्य का विस्तार

इकाई-1 आंग्ल – मराठा संघर्ष

इकाई-2 ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण (दीवानी, द्वैध शासन प्रणाली, रेगूलेटिंग एक्ट, पिट्स इंडिया एक्ट)

इकाई-3 भू राजस्व प्रणाली (जमींदारी, रैयतवारी व महलवारी बंदोबस्त)

इकाई-4 ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – सहायक संधि और हड़प नीति

खंड -3 भारत में ब्रिटिश विरोधी आंदोलन एवं राष्ट्रवाद का उदय

इकाई-1 ब्रिटिश विरोधी जनआंदोलनों – नागरिक विद्रोह, आदिवासी

इकाई-2 1857 का विद्रोह – कारण एवं परिणाम

इकाई-3 1857 का विद्रोह – स्वरूप

इकाई-4 भारत में राष्ट्रवाद का उदय

खंड-4 कंपनी की प्रशासनिक नीतियाँ

इकाई-1 ब्रिटिश भारत में अकाल एवं अकाल नीतियाँ

इकाई-2 नागरिक व पुलिस व्यवस्था

इकाई-3 शिक्षा नीति

इकाई-14 प्रेस का उदय व प्रेस नीति

13. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास

खंड -1 भारत में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन और पुनर्जागरण

इकाई-1 राजा राम मोहन राय एवं ब्रह्म समाज

इकाई-2 दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज

इकाई-3 रामकृष्ण मिशन व विवेकानंद

इकाई-4 मुसलमान व पारसी समुदाय में सुधार आंदोलन

खंड -2 राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम

इकाई-1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं उसके चरण (नरम दल व गरमदल)

इकाई-2 बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन

इकाई-3 क्रांतिकारी आंदोलन का विकास

इकाई-4 सांप्रदायिकता का उदय एवं विकास

खंड -3 गांधी युग

इकाई-1 महात्मा गांधी : जीवन एवं उपस्थिति

इकाई-2 भारत में महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन –
असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन
एवं भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई-3 महात्मा गांधी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

इकाई-4 महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्य और उसके अंतर्विरोध

खंड -4 राष्ट्रीय आंदोलन का अंतिम चरण और स्वतंत्रता प्राप्ति

इकाई-1 क्रिप्स मिशन प्लान

इकाई-2 केबिनेट मिशन प्लान

इकाई-3 माउंटबेटन प्लान और भारत विभाजन

इकाई-4 भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम

14. स्वातंत्र्योत्तर भारत

खंड -1 नेहरू युग

इकाई-1 आधुनिक भारत की संकल्पना और नेहरू

इकाई-2 पंचवर्षीय योजना

इकाई-3 नेहरू की विदेश नीति (गुटनिरपेक्ष आंदोलन, पंचशील)

इकाई-4 धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद

खंड -2 नागरिक असंतोष

इकाई-1 किसान आंदोलन – तेलंगाना एवं तेभागा आंदोलन

इकाई-2 नक्सलवाड़ी एवं जनजातीय आंदोलन

इकाई-3 भाषाई असंतोष एवं राज्यों का पुनर्गठन

इकाई-4 श्रम सुधार एवं मजदूर आंदोलन

खंड -3 व्यवस्था विरोधी आंदोलन

इकाई-1 विनोबा भावे और भूदान आंदोलन

इकाई-2 लोहिया और समाजवाद

इकाई-3 आपात काल और संपूर्ण क्रांति

इकाई-4 पिछड़ी जाति का आंदोलन

खंड -4 भारत में वैश्वीकरण और उसका प्रभाव

इकाई-1 वैश्वीकरण और आर्थिक उदारीकरण

इकाई-2 वैश्विक राजनैतिक संरचना और भारत

इकाई-3 तकनीक और प्रगति: बदलते मानक व प्रारूप

इकाई-4 वैश्वीकरण का सामाजिक प्रभाव

15. परियोजना कार्य

अब तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों द्वारा पढ़े गए विभिन्न प्रश्नपत्रों में से किसी एक पर परियोजना कार्य के रूप में लगभग 40 पृष्ठों में हस्तलिखित विनिबंध तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा से पूर्व दूर शिक्षा निदेशालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

सेमेस्टर-4

16. भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन

खंड -1 भाषाई आंदोलन

इकाई-1 भाषा आयोग

इकाई-2 पहले भाषाई राज्य की स्थापना- आंध्र प्रदेश- तेलगू आंदोलन

इकाई-3 महाराष्ट्र व गुजरात का विभाजन

इकाई-4 हरियाणा व पंजाब

खंड -2 भारत में अलगाववादी आंदोलन

इकाई-1 वैचारिक पृष्ठभूमी

इकाई-2 काश्मीर

इकाई-3 पंजाब

इकाई-4 उत्तरपूर्व

खंड -3 नये राज्यों का निर्माण

इकाई-1 झारखंड

इकाई-2 उत्तरांचल

इकाई-3 छत्तीसगढ़

इकाई-4 तेलंगाना

खंड-4 नव-सामाजिक आंदोलन

इकाई-1 स्त्री विमर्श

इकाई-2 दलित विमर्श

इकाई-3 पर्यावरणवादी आंदोलन

इकाई-4 वर्ल्ड सोशल फोरम – (समलैंगिक, थर्ड जेंडर, बी. टी. कॉटन) आंदोलन

सेमेस्टर- 4

17. आधुनिक भारत – विचार एवं विचारक

खंड -1 सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

इकाई-1 सांस्कृतिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 बाल गंगाधर तिलक

इकाई-3 अरविंद घोष

इकाई-4 विनायक दामोदर सावरकर

खंड -2 आर्थिक राष्ट्रवाद

इकाई-1 आर्थिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 दादाभाई नौरोजी

इकाई-3 रमेश चन्द्र दत्त

इकाई-4 रजनी पाम दत्त

खंड -3 आधुनिक राष्ट्रवाद

इकाई-1 आधुनिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 जवाहरलाल नेहरू

इकाई-3 बाबासाहेब भीमराव रामजी अंबेडकर

इकाई-4 एरोड वेंकट रामास्वामी नायकर

खंड -4 मानवतावादी राष्ट्रवाद

इकाई-1 मानवतावादी राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 रविन्द्रनाथ टैगोर

इकाई-3 विनोबा भावे

इकाई-4 मानवेंद्र नाथ राय

18. भारतीय संविधान

खंड -1 भारत का संवैधानिक विकास

इकाई-2 भारतीय शासन अधिनियम 1858

इकाई-2 इंडियन कांउसिल एक्ट 1861, 1892

इकाई-3 सांविधानिक सुधार- मार्ले-मिन्टो सुधार (1909), मोंटेग्यू- चेम्सफोर्ड सुधार (1919)

इकाई-4 1935 का भारत अधिनियम

खंड -2 भारतीय संविधान का निर्माण व स्वरूप

इकाई-1 संविधान सभा एवं संविधान का निर्माण

इकाई-2 भारतीय संविधान की विशेषताएँ

इकाई-3 राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल

इकाई-4 संसद, उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय

खंड -3 भारतीय संविधान

इकाई-1 भारतीय संविधान के स्रोत

इकाई-2 मूल अधिकार व कर्तव्य

इकाई-3 नीति निर्देशक तत्व

इकाई-4 संघ- राज्य संबंध

खंड -4 भारतीय संविधान व संविधान संशोधन

इकाई-1 संविधान संशोधन की प्रक्रिया व उद्देश्य

इकाई-2 महत्वपूर्ण संविधान संशोधन-42 वां एवं 44 वां संशोधन

इकाई-3 पंचायती राज

इकाई-4 सूचना का अधिकार

19. भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास

खंड -1 पारिस्थितिकी व पर्यावरण: परिचय

इकाई-1 पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास की आवश्यकता

इकाई-2 प्रकृति और मनुष्य के बीच संबंध

इकाई-3 भारतीय भू-भाग

इकाई-4 अध्ययन क्षेत्र : पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय

खंड -2 आरंभिक समाज और पर्यावरण

इकाई-1 प्राकृतिक संसाधन और मनुष्य समाज

इकाई-2 शिकारी अवस्था

इकाई-3 कृषि का उदय

इकाई-4 ऊर्जा, वन और वन उपज (संसाधन)

खंड -3 प्राचीन व मध्यकालीन भारत की पर्यावरणिक चेतना

इकाई-1 प्राचीन भारत और पर्यावरण

इकाई-2 मध्यकालीन भारत और पर्यावरण

इकाई-3 धार्मिक स्थापत्य और पर्यावरण

इकाई-4 आधुनिक भारत और पर्यावरणिक चेतना

खंड-4 उपनिवेशवाद और पर्यावरण

इकाई-1 पर्यावरण और उपनिवेशवाद

इकाई-2 जनजातीय समाज और पर्यावरण

इकाई-3 संसाधनों का दोहन और उसका पर्यावरणिक प्रभाव

इकाई-4 पर्यावरणिक असुंतलन और आर्थिक मूल्यांकन

20. लघु शोध प्रबंध

- विद्यार्थी को एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- यह लघु शोध प्रबंध हस्तलिखित न्यूनतम 60 पृष्ठों का होगा।
- लघु शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थी संबंधित पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कर निर्धारित करेंगे।
- विद्यार्थियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध-प्रविधि का प्रयोग करें।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
बी.एड. (दूर शिक्षा) दूर शिक्षा निदेशालय

संलग्नक- 1

बी.एड. (दूर शिक्षा) (सत्र- 2021-23)
सेमेस्टरवार विषय एवं क्रेडिट

सेमेस्टर-I (20 क्रेडिट)

क्र. सं	कोर्स कोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार %)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार %)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**शिक्षा 011**	शिक्षा एवं शिक्षा का प्रयोजन (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_001_16_03_16.Pdf)	4/100	30	70
2.	**शिक्षा 012**	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf)	4/100	30	70
3.	**शिक्षा 013**	समकालीन भारत एवं शिक्षा (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_0003_18_03_16.Pdf)	4/100	30	70
4.	**शिक्षा 014**	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_004_13_04_16.Pdf)	4/100	30	70
5.	**शिक्षा 015**	विद्यालय संगठन एवं प्रशासन (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_005_17_03_16.Pdf)	2/50	30	70
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
7.	**शिक्षा 016 प्रायोगिक**	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-I)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1-	पाठ्यचर्या और भाषा पर	भाषा, संषप्रेण और शिक्षण , भाषा-शिक्षण, भाषा शिक्षा के माध्यम के रूप

	आधारित	में, पाठ्यचर्यापर्यंत भाषा की अवधारणा एवं महत्व। भारत की भाषायी विविधता, बहु भाषिकता और अस्मिता । नीतिगत दस्तावेजों के आलोक में शिक्षा और भाषा संबंध। भाषा अधिगम के सिद्धांत, भाषा कौशल , मातृभाषा अधिगम और द्वितीयक भाषा अधिगम। कक्षा विमर्श में भाषा , विभिन्न विषयों के अधिगम में भाषा की भूमिका। श्रवण : संप्रत्यय, श्रवण- संवर्धन की युक्तियां, विषय अधिगम हेतु सुनना। भाषण : प्रक्रिया, रुप, विषय-अधिगम में लेखन की भूमिका। पठन: संप्रत्यय, पठन- संवर्धन की युक्तियां, विषय अधिगम हेतु पठन। लेखन: प्रक्रिया, रुप, विषय अधिगम में लेखन की भूमिका।
2-	विभिन्न ज्ञानानुशासनों की प्रकृति तथा सह-संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन##	ज्ञानानुशासन की अवधारणा,विशेषताएँ,संगठन, ज्ञानानुशासन के दार्शनिक,सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परिपेक्ष्य, बहु अनुशासनात्मकता एवं अंतरानुशासनात्मकता विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर ज्ञानानुशासन विज्ञान :प्रकृति , विद्यालयी विषय के रूप में विज्ञान और इसका अन्य विषयों से संबंध गणित :प्रकृति , विद्यालयी विषय के रूप में गणित और इसका अन्य विषयों से संबंध भाषा :प्रकृति , विद्यालयी विषय के रूप में भाषा और इसका अन्य विषयों से संबंध सामाजिक विज्ञान :प्रकृति , विद्यालयी विषय के रूप में सामाजिक विज्ञान और इसका अन्य ज्ञानानुशासनों के विशेष संदर्भ में विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम एवं ज्ञान का निर्माण और शिक्षण सामग्री ज्ञानानुशासनों के विशेष संदर्भ में मूल्य शिक्षा,शांति शिक्षा ,कला एकीकृत अधिगम आदि

सेमेस्टर- II (20 क्रेडिट)

क्र. सं	कोर्स कोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	**शिक्षा 021**	संज्ञान,अधिगम एवं शिक्षण (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/cogni_14_06_16.Pdf)	4/100	30	70
2.	**शिक्षा 022**	शैक्षिक आकलन (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/educa_14_06_16.Pdf)	4/100	30	70
3.	**शिक्षा 023**	ज्ञान और पाठ्यचर्या (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_043_24_04_17.Pdf)	4/100	30	70
4.	**शिक्षा 024**	विद्यालय विषय शिक्षण-I (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/physics_14_06_16.Pdf) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/soc_14_06_16.Pdf)	2/50	30	70
5.	**शिक्षा 025**	विद्यालय विषय शिक्षण-II (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/hindi_14_06_16.Pdf) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/marathi_14_06_16.Pdf) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bio_14_06_16	2/50	30	70

		.Pdf) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/math_14_06_16.Pdf) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/sanskrit_bhasha_25_07_16.Pdf) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/TEACHING%20OF%20ENGLISH%20MGAHV%20final_26_07_16.Pdf)			
7.	**शिक्षा 026 क्षेत्र कार्य**	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम	4/100	100	
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-II)

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (100 अंक) क्रेडिट -4

अ.क्र.	कोड	क्रेडिट	व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह के लिए)	अंक	कुल अंक
01	026	02	कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन : चयनित विषयों के कक्षा अवलोकन (10) एवं अन्य विषयों के कक्षा अवलोकन (05) एवं सारांश लेखन (प्रत्येक कक्षा अवलोकन के लिए अधिकतम अंक 03 और सारांश लेखन के लिए अधिकतम अंक 05)	50	50
02		02	विद्यालय परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन, रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना: (अधिकतम अंक 15)	15	50
			पाठ सहगामी क्रिया का आयोजन, प्रबंधन एवं रिपोर्ट लेखन (प्रत्येक पाठ सहगामी क्रियाओं के लिए अधिकतम अंक 04)	20	
			विद्यालय दैनिकी (एक सप्ताह के लिए): (प्रत्येक दिन के दैनिकी के लिए अधिकतम अंक 02 एवं रिपोर्ट लेखन अधिकतम अंक 03)	15	
कुल क्रेडिट 4					**100**

विद्यालय विषय शिक्षण

समूह-1
मानविकी और सामाजिक विज्ञान वर्ग
सामाजिक विज्ञान शिक्षण
विज्ञान वर्ग

समूह-2
मानविकी और सामाजिक विज्ञान वर्ग (कोई एक)
हिन्दी शिक्षण, मराठी शिक्षण, संस्कृत शिक्षण, अंग्रेजी शि
विज्ञान वर्ग (कोई एक)
गणित शिक्षण

सेमेस्टर-III (20 क्रेडिट)

विद्यालय प्रशिक्षु ता कार्यक्रम (School Internship Programme) - प्रायोगिक कार्यों की मूल्यांकन संबंधीसंरचना (20 क्रेडिट)			
क्र.सं.	**विद्यालय प्रशिक्षु ता कार्यक्रम**	**क्रेडिट**	**अंक**
1	विद्यालय विषय शिक्षण- I	02 क्रेडिट	50 (बाह्य प्रायोगिक मूल्यांकन)
2	विद्यालय विषय शिक्षण- II	02 क्रेडिट	50 (बाह्य प्रायोगिक मूल्यांकन)
3	सूक्ष्म पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन	02 क्रेडिट	50
4	पाठयोजना –निर्माण	02 क्रेडिट	50
5	पाठयोजना –क्रियान्वयन	02 क्रेडिट	50
6	उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट	01 क्रेडिट	25
7	प्रकरण अध्ययन	02 क्रेडिट	50
8	क्रियात्मक अनुसंधान	02 क्रेडिट	50
9	विद्यालय अभिलेखों का विवरण एवं प्रस्तुति	02 क्रेडिट	50
10	मनोविज्ञान प्रयोगात्मक	02 क्रेडिट	50
11	समुदाय के साथ अंतर्क्रिया (रिपोर्ट)	01 क्रेडिट	25
	कुल	20 क्रेडिट	500

सेमेस्टर-IV (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत/बाह्य मूल्यांकन (अधिभार%)
1.	**शिक्षा 041**	समावेशी विद्यालयी शिक्षा	4/100	30	70
2.	**शिक्षा 042**	जेंडर, विद्यालय और समाज (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_045_24_04_17.Pdf)	4/100	30	70
3.	**शिक्षा 043**	प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/final_unit_24_04_17.Pdf)	2/50	30	70
4.	**शिक्षा 045**	अस्मिता एवं आत्मबोध	2/50	30	70
	शिक्षा 046	शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_042_24_04_17.Pdf)	4/100	30	70
5.	**शिक्षा 047**	वैकल्पिक पाठयक्रम (कोई एक) (मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/046_human_rites_and_piece_education_optional.Pdf) (http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_044_24_04_17.Pdf)	4/100	30	70
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	**शिक्षा**	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	

	048 प्रायोगिक				
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		**20/500**		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-IV)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1	वैकल्पिक/ विशिष्ट विद्यालयों का अवलोकन*	वैकल्पिक/ विशिष्ट विद्यालयों का अवलोकन एवं प्रलेखन
2	'प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा' विषय पर कार्यशाला[#]	अभिनय शिक्षणशास्त्र, भूमिका मंचन आदि से संबंधित पाठ का निर्माण एवं कृत्रिम विद्यालयी वातावरण में क्रियान्वयन
3	अस्मिता एवं आत्मबोध[##]	छात्राध्यापकों द्वारा आत्मकथा लेखन एवं अपनी क्षमताओं तथा कमियों का स्व-आकलन
4.	साहित्य में शिक्षा	साहित्य में शिक्षा संबंधी क्रियाकलाप

नोट : * समावेशीविद्यालयी शिक्षा से संबंधित

[#]प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा विषय-पत्र से संबंधित

[##]अस्मिता एवं आत्म-बोध विषय-पत्र से संबंधित

सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रथम सेमेस्टर

(1) सृजनात्मक लेखन के सिद्धान्त

(2) सृजनात्मक लेखन (काव्य)

(3) प्रायोगिक प्रश्नपत्र (08 क्रेडिट)

द्वितीय सेमेस्टर

(4) सृजनात्मक लेखन (कथा साहित्य)

(5) सृजनात्मक लेखन (अन्य गद्य विधाएँ)

(6) प्रायोगिक प्रश्नपत्र/ परियोजना कार्य (08 क्रेडिट)

कोर्स(Paper) का नाम – सृजनात्मक लेखन के सिद्धान्त संयोजक : प्रो.हरीश अरोड़ा

पाठ्यचर्या - 1 कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**सृजनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरुप एवं सिद्धांत**
इकाई 1	सृजनात्मक लेखन की अवधारणा और स्वरुप
इकाई 2	सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र और लेखन के विविध रूप (मौखिक और लिखित, गद्य और पद्य रूप, कथात्मक और कथेतर रूप, प्रौढ़ और बाल लेखन)
इकाई 3	रचनाकार पैदा होता है या बनाया जाता है?
इकाई 4	रचना प्रक्रिया, भाव और विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
खण्ड 2	**रचना का उद्देशय**
इकाई 5	रचना का कारण (तात्कालिक कारण, दीर्घकालिक कारण – स्वांतः सुखाय, यश-अर्थ कामना, सामाजिक परिवर्तन)
इकाई 6	उद्देश्य की सृजनात्मक परिणति (विषय वस्तु का चयन, विधा का चयन, भाषा-शैली आदि)
इकाई 7	विश्वसनीयता, प्रामाणिकता एवं स्पष्टता (अनुभूति की सत्यता, तथ्य और सत्य)
खण्ड 3	**लेखन की अंतर्वस्तु :रचनात्मक महत्व**
इकाई 8	विषय वस्तु का निर्धारण
इकाई 9	लेखन का आरंभ (रचना का आरंभ, रचना की पकड़, विभिन्न विधाओं मे आरंभ)
इकाई 10	रचना का विकास (विभिन्न विधाओं के संदर्भ में), रूप और अंतर्वस्तु, विषय वस्तु और अंतर्वस्तु, रचना दृष्टि रचना के विकास की पद्धतियाँ
इकाई 11	रचना की समाप्ति (रचना की समाप्ति का महत्व, व्यवस्था और अंत का बोध, आरंभ और अंत में संबंध, रचना-दृष्टि और अंत)
खण्ड 4	**रूप निर्धारण**
इकाई 12	उचित साहित्यिक रूप की खोज
इकाई 13	काव्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य, नवगीत, गजल आदि)
इकाई 14	कथात्मक गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (कहानी, लघुकथा, उपन्यास)
इकाई 15	अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, नाटक, निबंध, यात्रा संस्मरण, डायरी, व्यंग्य)

कोर्स(Paper) का नाम – सृजनात्मक लेखन (काव्य)　　संयोजक : प्रो.हरीश अरोड़ा

पाठ्यचर्या – 2　　कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**कविता की सैद्धांतिकता**
इकाई 1	कविता की अवधारणा और स्वरुप
इकाई 2	कविता का शास्त्रीय स्वरुप - छंद बद्ध, छंद मुक्त, मुक्त छंद
इकाई 3	प्रबंध काव्य (महाकाव्य, खंडकाव्य)
इकाई 4	मुक्तक काव्य (कविता, प्रगीत, नवगीत)
खण्ड 2	**काव्य भाषा और शब्द-विचार**
इकाई 5	भाषा के विभिन्न प्रकार (मानक भाषा, बोलचाल की भाषा, सर्जनात्मक भाषा)
इकाई 6	भाषा और रचना (भाषा और समय, भाषा और विचार, भाषा और लेखक)
इकाई 7	भाषिक सृजन और शब्द, रचना प्रकृति और कथ्य के अनुरूप शब्द प्रयोग, शब्द विन्यास
इकाई 8	लेखकीय व्यक्तित्व और काव्य रचना
खण्ड 3	**काव्य में सृजनात्मक लेखन : रचना कौशल**
इकाई 9	शब्द शक्ति (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), शब्दशक्ति और रचनात्मकता
इकाई 10	प्रतीक, प्रतीकों का वर्गीकरण, प्रतीक और रचनात्मकता
इकाई 11	बिम्ब, बिम्बों का वर्गीकरण, बिम्ब और रचनात्मकता
इकाई 12	अलंकरण, अलंकारों का वर्गीकरण, प्रमुख अलंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा , रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विरोधाभास, अतिशयोक्ति, मानवीकरण)
खण्ड 4	**काव्य लेखन**
इकाई 13	कविता लेखन
इकाई 14	गीत लेखन व नवगीत लेखन
इकाई 15	गजल लेखन
इकाई 16	अन्य काव्य रूप (मंचीय कविता, फिल्म गीत, हाइकु)

कोर्स(Paper) का नाम – प्रायोगिक प्रश्न पत्र (काव्य) संयोजक : प्रो.हरीश अरोड़ा

पाठ्यचर्या – 3 कुल क्रेडिट – 8

प्रायोगिक प्रश्नपत्र : काव्य की विभिन्न विधाओं का लेखन

इसके अंतर्गत विद्यार्थी ओ विभिन्न विषयों और पंक्तियों पर काव्य लेखन के लिए प्रायोगिक रूप में प्रेरित किया जाएगा। इसके अंतर्गत काव्य विभिन्न विधाओं अथवा रचना कौशल संबंधी पर लेखन प्रायोगिक कार्य दिये जाएंगे।

1. विषय संबंधी प्रायोगिक कार्य
2. पंक्ति संबंधी प्रायोगिक कार्य
3. शब्द संबंधी प्रायोगिक कार्य
4. विधा संबंधी प्रायोगिक कार्य
5. अलंकार व छंद संबंधी प्रायोगिक कार्य
6. बिम्ब व प्रतीक संबंधी प्रायोगिक कार्य

कोर्स(Paper) का नाम – सृजनात्मक लेखन (कथा साहित्य) संयोजक : प्रो.हरीश अरोड़ा

पाठ्यचर्या – 4 कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**कथा साहित्य के विभिन्न विद्याएँ : सैद्धान्तिक स्वरूप**
इकाई 1	कहानी का सैद्धान्तिक स्वरूप
इकाई 2	लघु कथा का सैद्धान्तिक स्वरूप
इकाई 3	उपन्यास का सैद्धान्तिक स्वरूप
इकाई 4	कथाकार के गुण
खण्ड 2	**कहानी व लघुकथा लेखन**
इकाई 5	कहानी के स्रोत (समकालीनता, राजनीतिक प्रश्न, सामाजिक प्रश्न, स्त्री-पुरुष संबंध, राष्ट्रबोध)
इकाई 6	विषय वस्तु का चयन (निजी अनुभव, निजी अनुभव का व्यापकीकरन, सस्ती लोकप्रियता, उद्देश्य या मूल संवेदना केन्द्रित)
इकाई 7	कहानी का चरित्र विधान (चरित्रों की पहचान, चरित्र के स्रोत, चरित्रों की विश्वसनीयता, चरित्र का निर्माण)
इकाई 8	कहानी की भाषा और शैली
इकाई 9	कहानी कैसे लिखें (कहानी का आरंभ, कहानी का मध्य भाग, कहानी का अंत)
इकाई 10	लघुकथाके स्रोत
इकाई 11	लघुकथा की रचना प्रक्रिया
खण्ड 3	**उपन्यास लेखन**
इकाई 12	उपन्यास के स्रोत
इकाई 13	विषय वस्तु का चयन
इकाई 14	उपन्यास का चरित्र विधान
इकाई 15	उपन्यास की भाषा और शैली
इकाई 16	उपन्यास की रचना प्रक्रिया

कोर्स(Paper) का नाम – सृजनात्मक लेखन (अन्य गद्य विधाएँ) संयोजक : प्रो.हरीश अरोड़ा

पाठ्यचर्या – 5 कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**नाट्य लेखन**
इकाई 1	नाट्य विधा के विविध रूप (पूर्णकालिक नाटक, एकाँकी, नुक्कड़ नाटक और काव्य नाटक)
इकाई 2	नाटक की रचना प्रक्रिया
इकाई 3	नुक्कड़ नाटक की रचना प्रक्रिया
इकाई ४	एकाँकी की रचना प्रक्रिया
खण्ड 2	**निबंध लेखन**
इकाई 5	निबंध का सैद्धान्तिक आधार
इकाई 6	निबंध की रचना प्रक्रिया
खण्ड 3	**रिपोर्ताज लेखन**
इकाई 7	रिपोर्ताज का सैद्धान्तिक आधार
इकाई 8	रिपोर्ताज की रचना प्रक्रिया
खण्ड 4	**जीवनी एवं आत्मकथा लेखन**
इकाई 7	जीवनी का सैद्धान्तिक आधार
इकाई 8	जीवनी की रचना प्रक्रिया
इकाई 9	आत्मकथा का सैद्धान्तिक आधार
इकाई 10	आत्मकथा की रचना प्रक्रिया
खण्ड 5	**रेखाचित्र और संस्मरण लेखन**
इकाई 11	रेखाचित्र का सैद्धान्तिक आधार
इकाई 12	रेखाचित्र की रचना प्रक्रिया
इकाई 13	संस्मरण का सैद्धान्तिक आधार
इकाई 14	संस्मरण की रचना प्रक्रिया
खण्ड 6	**व्यंग्य लेखन**
इकाई 15	व्यंग्य, विनोद और हास्य
इकाई 16	व्यंग्य की रचना प्रक्रिया

कोर्स(Paper) का नाम – प्रायोगिक प्रश्न पत्र (गद्य) संयोजक : प्रो.हरीश अरोड़ा

पाठ्यचर्या – 6 कुल क्रेडिट – 8

प्रायोगिक प्रश्नपत्र : गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन

इसके अंतर्गत विद्यार्थी को गद्य के विभिन्न विधाओं के लिए प्रायोगिक कार्य करने होंगे

1. विषय व शैली संबंधी कहानी लेखन
2. विषय संबंधी उपन्यास लेखन
3. भाव के आधार पर गद्य लेखन
4. विचार के आधार पर गद्य लेखन

सहायक ग्रंथ

- अरोड़ा, हरीश; सृजनात्मक लेखन, (2014 द्वितीय संस्करण), युवा साहित्य चेतना मण्डल, एन-23 श्री निवास पुरी, नयी दिल्ली-110065
- गौतम, रमेश (सं॰), रचनात्मक लेखन, (2008 प्रथम संस्कारण), ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
- मुक्तिबोध, नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, (1971), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- अरोड़ा, हरीश; आधुनिक साहित्य चिंतन, (2016 प्रथम संस्करण), युवा साहित्य चेतना मण्डल, नयी दिल्ली-110065
- आचार्य, नंदकिशोर (सं॰), 'साहित्य का उद्देश्य', 'उपन्यास', 'साहित्य की प्रगति', 'मानसिक पराधीनता', प्रेमचंद का चिंतन, (2012), वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
- जगूड़ी, लीलाधार; रचना प्रक्रिया से जूझते हुए, (200), वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- त्रिपाठी, विश्वनाथ; देश के इस दौर में (प्रथम 2000), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- वर्मा, निर्मल; कला के जोखिम, (1981), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- मिश्र, विद्यानिवास; साहित्य के सरोकार (2007), वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; रचना के सरोकार (1987), वाणी प्रकाशन, दिल्ली

- शुक्ल, रामचंद्र, 'काव्य मे लोकमंगल की साधनावस्था', साधारणीकरण और व्यक्ति वैचित्रयवाद', चिंतामणि, (2014), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
- मिश्र, दयानिधि (सं॰), 'समाज परिवर्तन और साहित्य', साहित्य का अमृतत्व', 'सहितय की पहचान', 'साहित्य और लोक', 'रचना का संकट', 'रस निष्पत्ति', विद्यानिवास मिश्र संचयिता, (2015), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- अज्ञेय,'संस्कृति की चेतना', 'इतिहास और स्वतंत्र्यबोध', खुले में खड़ा पेड़ : संस्कृति चिंतन, (1999), वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
- गुप्ता, रमणिका (सं॰), आदिवासी समाज और साहित्य, (2016), सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
- बाल्मीकि, ओमप्रकाश; दलित साहित्य : अनुभव संघर्ष और यथार्थ, (2020), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- वर्मा, महादेवी; शृंखला की कड़ियाँ, (1944), साधना सदन, प्रयाग

नाटक एवं रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

संयोजक : डॉ प्रियंका मिश्र

प्रथम सेमेस्टर

(1) हिन्दी नाटक और रंगमंच : सिद्धांत एवं इतिहास (04 क्रेडिट)

(2) पाश्चात्य नाटक और रंगमंच ; सिद्धांत और इतिहास(04 क्रेडिट)

(3) प्रायोगिक प्रश्नपत्र (08 क्रेडिट)

द्वितीय सेमेस्टर

(4) दृश्य-श्रव्य माध्यम (04 क्रेडिट)

(5) रंगमंच : नाटक और प्रयोग (04 क्रेडिट)

(6) प्रायोगिक प्रश्नपत्र/ परियोजना कार्य (08 क्रेडिट)

कोर्स(Paper) का नाम – हिन्दी नाटक और रंगमंच : सिद्धांत एवं इतिहास

पाठ्यचर्या-1 कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**संस्कृत नाटक और रंगमंच**
इकाई 1	रंगमंच की विकास यात्रा
इकाई 2	नाटक : रूप और स्वरुप
इकाई 3	रंगमंच एवं रंगशाला
इकाई 4	रंगशैली : लोकधर्मी और नाट्यधर्मी
खण्ड 2	**हिंदी नाटक एवं रंग चिंतन**
इकाई 5	भारतेंदु हरिश्चंर
इकाई 6	जयशंकर प्रसाद
इकाई 7	मोहन राकेश
इकाई 8	जगदीशचंद्र माथुर
खण्ड 3	**हिंदी रंगमंच का अध्ययन**
इकाई 9	अव्यवसायिक रंगमंच
इकाई 10	व्यावसायिक रंगमंच (पारसी रंगमंच)
इकाई 11	पृथ्वी थिएटर, इप्टा
इकाई 12	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
खण्ड 4	**पारंपरिक रंगमंच एवं नाट्य रूप**
इकाई 13	पारंपरिक रंगमंच की सामान्य विशेषताएं
इकाई 14	रामलीला-रासलीला
इकाई 15	स्वांग, नौटंकी
इकाई 16	ख्याल, माच, बिदेसिया

कोर्स(Paper) का नाम – पाश्चात्य नाटक और रंगमंच ; सिद्धांत और इतिहास

पाठ्यचर्या-2 कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**आदि रंगमंच**
इकाई 1	ग्रीक रंगमंच
इकाई 2	रोमन रंगमंच
खण्ड 2	**मध्यकालीन रंगमंच**
इकाई 3	शेक्सपीयर युगीन रंगमंच
इकाई 4	यथार्थवादी रंगमंच
खण्ड 3	**आधुनिककालीन रंगमंच**
इकाई 5	विसंगतवादी रंगमंच
इकाई 6	अभिव्यन्जनावादी रंगमंच
इकाई 7	प्रतीकवादी रंगमंच
इकाई 8	अतियथार्थवादी रंगमंच
इकाई 9	ब्रेख्त का महाकाव्य रंगमंच
खण्ड 4	**पश्चिमी नाट्य भेद**
इकाई 10	त्रासदी
इकाई 11	कामदी
इकाई 12	मेलोड्रामा
इकाई 13	फार्स

पाठ्यचर्या-3 कुल क्रेडिट – 8

व्यावहारिक परियोजना

1. विद्यार्थी को प्रत्यक्ष रूप से किसी भारतीय नाटक को रंगमंच पर देखते हुये उसकी समीक्षा लिखना।
2. विद्यार्थी को प्रत्यक्ष रूप से किसी पश्चिमी नाटक को रंगमंच पर देखते हुये उसकी समीक्षा लिखना।
3. विद्यार्थी को किसी नाटक की विडियो के आधार पर उसकी रंगमंचित समीक्षा लिखना।
4. छोटे-छोटे विषयों पर नाट्य-पाठ तैयार करना। इसके अंतर्गत विभिन्न पाठ संकेतों और रंग संकेतों को यथास्थान लिखने का अभ्यास।
5. किसी एक भारतीय नाटक के हिन्दी अनुवाद का प्रस्तुतीकरण
6. किसी एक पश्चिमी नाटक के हिन्दी अनुवाद का प्रस्तुतीकरण

कोर्स(Paper) का नाम – दृश्य-श्रव्य माध्यम

पाठ्यचर्या-4 कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**रेडियो नाटक एवं रंगमंच**
इकाई 1	रेडियो नाटक की परिभाषा एवं शिल्प
इकाई 2	रेडियो नाटक की विशेषताएं
इकाई 3	रेडियो नाटक और रंग नाटक में अंतर
खण्ड 2	**रेडियो नाटक के भेद**
इकाई 4	रेडियो धारावाहिक
इकाई 5	रेडियो रूपांतर
इकाई 6	पद्य और संगीत नाटक
इकाई 7	रेडियो फेंटेसी
खण्ड 3	**टी-वी नाटक : कला एवं तकनीक का परिचय**
इकाई 8	टेलीविज़न नाटक : कला एवं तकनीक
इकाई 9	रंग नाटक – टी.वी. नाटक में अंतर
इकाई 10	फिल्म और टेलीफिल्म में अंतर
इकाई 11	सोप ओपेरा और धारावाहिक में अंतर
खण्ड 4	**भारत में टेलीविज़न : एक परिचय**
इकाई 12	पटकथा लेखन के विविध प्रारूप
इकाई 13	धारावाहिक लेखन के मूल तत्व
इकाई 14	लेखन विधियाँ

कोर्स(Paper) का नाम – रंगमंच : नाटक और प्रयोग

पाठ्यचर्या-5 कुल क्रेडिट – 4

खण्ड 1	**प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन**
इकाई 1	प्रस्तुति -- आलेख की अनिवार्यता
इकाई 2	दृश्य रचना
खण्ड 2	**प्रस्तुति प्रक्रिया के विभिन्न घटक**
इकाई 3	नाटक और रंगमंच
इकाई 4	आलेख
इकाई 5	अभिनेता
इकाई 6	दर्शक
इकाई 7	निर्देशक
इकाई 8	संगीत एवं प्रकाश
खण्ड 3	**रंगमंच की दृष्टि से नाटकों का विशिष्ट अध्ययन**
इकाई 9	मृच्छकटिक का रंगमचीय अध्ययन
इकाई 10	बकरी : पारंपरिक रंगचेतना का नाटक
इकाई 11	यहूदी की लड़की का रंगमंचीय अध्ययन
इकाई 12	आषाढ़ का एक दिन : यथार्थवादी रंगचेतना का नाटक
खण्ड 4	**रंगमंच की दृष्टि से विशिष्ट अध्ययन**
इकाई 13	किसी एक कहानी के रंगमंचीय अध्ययन
इकाई 14	किसी एक काव्य नाटक का रंगमंचीय अध्ययन
इकाई 15	किसी एक कविता का रंगमंचीय अध्ययन
इकाई 15	किसी एक नुक्कड़ नाटक का रंगमंचीय अध्ययन

पाठ्यचर्या-6 **कुल क्रेडिट – 8**

1. विद्यार्थी को किसी विशेष परिस्थिति पर नाट्य पाठ का निर्माण करना होगा।
2. विद्यार्थी को किसी विषय पर नाट्य पाठ का निर्माण करना होगा।
3. विद्यार्थी को रेडियो के लिए एक एकाँकी अथवा नाट्य पाठ का निर्माण करना होगा
4. टेलिविजन के लिए एक धारावाहिक का निर्माण करना होगा। इसमें 5 विद्यार्थी मिलकर इसका निर्माण कर सकते हैं।
5. किसी एक कहानी का नाट्य रूपान्तरण तैयार करना होगा।
6. एकल अभिनय के अंतर्गत विद्यार्थी को 10 मिनट की विडियो का निर्माण करना होगा।

संदर्भ

- शास्त्री, बाबूलाल शुक्ल (सं॰), नाट्यशास्त्र (चार खंडों में), (2017) चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- मिश्र, दयानिधि (सं॰), 'रस निष्पत्ति', विद्यानिवास मिश्र संचयिता, (2015), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- मिश्र, प्रियंका (सं॰), नाटक और रंगमंच विमर्श, (2013) साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली
- प्रज्ञा, नुक्कड़ नाटक : रचना और प्रस्तुति, (2004), राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय, दिल्ली
- बंसल, कुसुम (सं॰), गद्य-सागर, (2017), हरियाणा साहित्य अकादेमी, पंचकुला
- रस्तोगी, गिरीश; नाटक और रंगमंच परिकल्पना, (1992), विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
- अरोड़ा, हरीश (सं॰), हिन्दी नाटक : समय से संवाद (2016), साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली
- चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच, (1964), हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
- भारद्वाज, मदन; भारतीय नाट्य परंपरा और रन्गभूमि, (2001), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- मिश्र, विश्वनाथ; भारतीय नाट्यशास्त्र और आज का रंगमंच, (2005), उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- आर्य, सुषमा, प्रेमसिंह, रंग प्रक्रिया के विविध आयाम, (2007), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- अंकुर, देवेंद्रराज; रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, (2006), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- अंकुर, देवेंद्रराज; रंग कोलाज, (2000), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

- मुद्राराक्षस, रंग भूमिकाएँ, (2006), राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली
- शर्मा, ओमप्रकाश, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी रंगमंच, (1994), ऊदल प्रकाशन, कानपुर
- शर्मा, रंजन्म, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी नाटक, (1985), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- शेलदान बेनी, रंगमंच; अनुवाद : श्री कृष्ण दास, (1965), हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश
- पावड़े, सतीश, रंग विमर्श, (2020 प्रथम), शब्द सृष्टि, नवी मुंबई
- शर्मा, विश्वनाथा; भारत की हिन्दी नाट्य संस्थाएं और नाट्य शालाएँ, (1973), कलमघर प्रकाशन, जोधपुर
- https://delphipages.live/hi/%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%A7/post-world-war-ii-theatre
- https://hi.vvikipedla.com/wiki/Theatre_of_ancient_Rome
- https://www.proquest.com/docview/305277638/
- https://hi.vvikipedla.com/wiki/Theatre_of_ancient_Greece
- https://hi.vvikipedla.com/wiki/History_of_theatre
- https://ia801604.us.archive.org/1/items/in.ernet.dli.2015.480602/2015.480602.Natya-lekhan.pdf

कार्यवृत्त

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा सत्र: 2020-21 से प्रस्तावित बी.ए. (सामान्य) पाठ्यक्रम की संरचना को अंतिम रूप प्रदान करने हेतु दिनांक: 23.06.2020 को माननीय प्रतिकुलपति प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में निम्नानुसार बी.ए. पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण एवं पाठ्यक्रम संरचना निर्धारित की गई-

विषय समूह विवरण :

समूह-क आधार पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	समूह-ख (भाषा समूह)	समूह-ग (सामाजिक विज्ञान समूह)	अनिवार्य/अतिरिक्त प्रश्नपत्र
हिंदी भाषा एवं साहित्य	मराठी संस्कृत उर्दू अंग्रेज़ी स्पैनिश जापानी	समाजशास्त्र राजनीति विज्ञान इतिहास जनसंचार	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3. भारतीय संस्कृति 4. भारतीय चिंतक
			1. कंप्यूटर दक्षता 2. हिंदी भाषा दक्षता

कला में स्नातक (बी.ए.) पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या संरचना:

प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
अनिवार्य-1 पर्यावरण (4 क्रेडिट)	**अनिवार्य-2** भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार (4 क्रेडिट)	**अनिवार्य-3** भारतीय संस्कृति (2 क्रेडिट)
अतिरिक्त अनिवार्य- 1 कंप्यूटर दक्षता (4 क्रेडिट)	**अतिरिक्त अनिवार्य-2** हिंदी भाषा दक्षता (4 क्रेडिट)	**अनिवार्य-4** भारतीय चिंतक (2 क्रेडिट)
समूह-क हिंदी (12 क्रेडिट)	**समूह-क हिंदी** (12 क्रेडिट)	**समूह-क हिंदी** (18 क्रेडिट)
समूह-ख/एवं ग (24 क्रेडिट)	**समूह-ख/एवं ग** (24 क्रेडिट)	**चयनित विषय** (18 क्रेडिट)
40 क्रेडिट	**40 क्रेडिट**	**40 क्रेडिट**

कुल: 120 क्रेडिट

महत्वपूर्ण बिंदु :

1. सभी विद्यार्थियों को **आधार पाठ्यचर्या** (हिंदी भाषा एवं साहित्य) का अध्ययन प्रथम 2 वर्षों में करना अनिवार्य होगा। तृतीय वर्ष में उन्हें चयनित तीन विषयों में किन्हीं दो का अध्ययन करना होगा।
2. विद्यार्थी **समूह-ख** एवं **समूह-ग** से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में **समूह-ख** से 2 विषय लेने की अनुमति नहीं होगी। यदि विद्यार्थी द्वारा **समूह-ख** से किसी भाषा का चयन नहीं किया जाता है तो, **समूह-ग** से किन्हीं दो विषय का चयन करना होगा।
3. **कंप्यूटर दक्षता** (4 क्रेडिट) **प्रथम वर्ष** में एवं **हिंदी भाषा दक्षता** (4 क्रेडिट) **द्वितीय वर्ष** में अतिरिक्त पाठ्यचर्या होगी। स्नातक स्तर पर उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।
4. विद्यार्थी तीन वर्षों की अवधि में अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या को अलग-अलग वर्षों में अथवा एक ही साथ उत्तीर्ण कर सकते हैं।

(प्रो. के. के. सिंह)
प्रभारी, दूर शिक्षा

(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)
प्रतिकुलपति

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

विषय :- समाजशास्त्र

बी. ए. के विद्यार्थियों हेतु

सत्र 2020-23

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

स्नातक समाजशास्त्र (बीएएस) पाठ्यक्रम
द्वितीय सेमेस्टर
समाजशास्त्र का परिचय

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -30
बाह्य मूल्यांकन – 70

क्रेडिट - 4

बीएएस 02 : समाजशास्त्र का परिचय

इकाई 01 : समाजशास्त्र

- अर्थ एवं परिभाषा
- प्रकृति
- क्षेत्र एवं विषय-वस्तु

इकाई 02: समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध

- मानवविज्ञान
- मनोविज्ञान
- अर्थशास्त्र
- राजनीतिशास्त्र

इकाई 03: मूल अवधारणाएँ

- समाज
- समुदाय
- संस्था
- समिति एवं समूह

इकाई 04 : सामाजिक संस्थाएं

- परिवार
- विवाह
- नातेदारी

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology.* Chicago: The University of Chicago Press.

Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur: Rawat Pbc.

गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन

विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

स्नातक समाजशास्त्र (बीएएस) पाठ्यक्रम
चतुर्थ सेमेस्टर
भारतीय समाज के परंपरागत आधार

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -30
बाह्य मूल्यांकन – 70

क्रेडिट - 4

बीएएस 04 : भारतीय समाज के परंपरागत आधार

इकाई 01: परंपरागत आधार

- धर्म
- कर्म
- पुनर्जन्म

इकाई 02: वर्ण व्यवस्था

- वर्ण व्यवस्था का अर्थ एवं उत्पत्ति के सिद्धांत
- वर्ण धर्म, समान धर्म एवं आपधर्म
- वर्ण प्रकार्यों की अन्योन्याश्रितता एवं वर्ण असमानताएँ

इकाई 03: आश्रम व्यवस्था

- अर्थ विशेषताएँ एवं महत्त्व
- ब्रह्मचर्य एवं गृहस्थ
- वानप्रस्थ
- सन्यास

इकाई 04: पुरुषार्थ

- अर्थ, विशेषताएँ एवं महत्त्व
- धर्म एवं अर्थ
- काम एवं मोक्ष

<u>संस्तुत पुस्तकों की सूची:</u>

विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

स्नातक समाजशास्त्र (बीएएस) पाठ्यक्रम

षष्टम सेमेस्टर

शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (II)

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -30
बाह्य मूल्यांकन – 70

क्रेडिट - 4

बीएएस 06: शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (II)

इकाई 01 : कार्ल मार्क्स

- ऐतिहासिक भौतिकवाद
- उत्पादन प्रणाली
- वर्ग एवं वर्ग संघर्ष

इकाई 02 : परेटो

- तार्किक एवं अतार्किक क्रिया
- भ्रांत तर्क
- अभिजन परिभ्रमण

इकाई 03 : सोरोकिन

- सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत

इकाई 04 : थोर्स्टीन वेब्लेन

- संपन्न वर्ग का सिद्धांत
- सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा

संतुत पुस्तकों की सूची :

Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield and Nicholson.

Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.

Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works*. London: Sage.

Calhoun, J. Craig. (2007). *Classical Sociological Theory. 2nd Edition*. Blackwell

दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

रावत, हरिकृष्ण. (2005). *समाजशास्त्रीय चिंतक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

स्नातक (बी. ए.) इतिहास

(पाठ्यक्रम कोड- बीएएच)

सत्र : 2019-22

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - 4

द्वितीय प्रश्न-पत्र (बीएएच 02)

प्राचीन भारत का इतिहास (भाग - 2)

इकाई - 1

- भारत पर बाह्य आक्रमण - शक, हूण
- भारत पर बाह्य आक्रमण - कुषाण
- सुदूर दक्षिण का इतिहास - चोल
- सुदूर दक्षिण का इतिहास - पांड्य, चेर

इकाई - 2

- गुप्तकाल - राजनीतिक और आर्थिक जीवन
- गुप्तकाल - सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन
- समुद्रगुप्त
- चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य)

इकाई - 3

- गुप्तोत्तर काल - राजनीतिक एवं आर्थिक जीवन
- गुप्तोत्तर काल - सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन
- हर्षवर्धन
- राजपूतों की उत्पत्ति एवं उत्थान

इकाई - 4

- संगम युग
- पल्लव वंश
- चालुक्य वंश
- दक्षिण पूर्व एिशया में भारतीय सांस्कृतिक विस्तार

पुस्तक सूची

1. प्राचीन भारत - राधाकुमुद मुखर्जी (राजकमल प्रकाशन)
2. अशोक - राधाकुमुद मुखर्जी (मोतीलाल बनारसी दास)
3. प्राचीन भारत सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की पड़ताल - द्विजेंद्र नारायण झा (ग्रंथ शिल्पी)
4. प्राचीन भारत - द्विजेंद्र नारायण झा (ग्रंथ शिल्पी)
5. प्राचीन भारत - डॉ. रमेशचंद्र मजूमदार (मोतीलाल बनारसी दास)

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम
द्वितीय सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - 4

प्रथम प्रश्न-पत्र (बीएएच 03)

मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग - 1)

इकाई - 1

- मध्यकालीन भारत के इतिहास के स्रोत - साहित्यिक एवं पुरातात्विक
- पाल वंश
- गुर्जर-प्रतिहार वंश
- राष्टकूट वंश

इकाई - 2

- चोल साम्राज्य (स्थानीय प्रशासन एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ)
- काकातीय साम्राज्य
- विजयनगर साम्राज्य
- बहमनी साम्राज्य

इकाई - 3

- भारत पर अरबों का आक्रमण
- महमूद गजनवी का आक्रमण
- मुहम्मद गोरी का आक्रमण
- उत्तर भारत में दिल्ली सल्तनत की स्थापना

इकाई - 4

- गुलाम वंश - अल्तमश एवं बलबन
- अलाउद्दीन खलजी एवं उसका बाजार नियंत्रण नीति
- मुहम्मद - बिन - तुगलक एवं उसके प्रयोग
- फ़िरोज तुगलक - प्रशासन

पुस्तक सूची

1. भारतीय इतिहास में मध्यकाल - इरफान हबीब (ग्रंथ शिल्पी)
2. मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास - इरफान हबीब (राजकमल प्रकाशन)
3. मध्यकालीन भारत - नए आयाम - हरबंश मुखिया (राजकमल प्रकाशन)
4. दिल्ली सल्लनत का राजनीतिक सिद्धांत - मोहम्मद हबीब (ग्रंथ शिल्पी)
5. अकबर से औरंगजेब तक - डब्ल्यू. एच. मोरलैंड (ग्रंथ शिल्पी)
6. खलजीकालीन भारत - सैयद अतरह अब्बास रिजवी (राजकमल प्रकाशन)
7. तुगलककालीन भारत - सैयद अतरह अब्बास रिजवी (राजकमल प्रकाशन)

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - 4

प्रथम प्रश्न-पत्र (बीएएच-05)

आधुनिक भारत का इतिहास (भाग - 1)

इकाई - 1

- उत्तरकालीन मुगल शासक
- देशी राज्यों का उदय - बंगाल, हैदराबाद
- देशी राज्यों का उदय - मैसूर, अवध
- आंग्ल – फ्रेंच संघर्ष

इकाई - 2

- पलासी की लड़ाई
- बक्सर का युद्ध
- ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण - द्वैध शासन प्रणाली
- ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण - रेगुलेटिंग एक्ट, पिट्स इंडिया एक्ट

इकाई - 3

- वारेन हैस्टिंग्स - प्रशासनिक सुधार
- लार्ड कार्नवालिस - प्रशासनिक सुधार
- स्थायी बंदोबस्त
- रैयतवारी एवं महालवारी बंदोबस्त

इकाई - 4

- लार्ड वेल्सली - सहायक संधि
- विलियम बैंटिक - शिक्षा नीति
- लार्ड हार्डिंग - पंजाब
- लार्ड डलहौजी - हड़प नीति

पुस्तक सूची

1. आधुनिक भारत - बिपन चंद्र (NCERT)
2. आज का भारत - रजनीपाम दत्त (ग्रंथ शिल्पी)

स्नातक इतिहास (बीएएच) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

अधिकतम अंक- 100
आंतरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन - 75

क्रेडिट - 2 4

द्वितीय प्रश्न-पत्र (बीएएच-06)

आधुनिक भारत का इतिहास (भाग - 2)

इकाई - 1

- 1857 के पूर्व नागरिक विद्रोह एवं आदिवासी विद्रोह
- 1857 की क्रांति - कारण
- 1857 की क्रांति - परिणाम
- 1857 की क्रांति - स्वरूप

इकाई - 2

- ब्रह्म समाज
- आर्य समाज
- रामकृष्ण मिशन
- वहाबी आंदोलन

इकाई - 3

- 1858 का एक्ट
- 1861 का इंडियन काउंसिल एक्ट
- लिटन - प्रशासनिक सुधार
- रिपन - इलबर्ट बिल

इकाई - 4

- भारत में राष्ट्रवाद का उदय
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
- लार्ड कर्जन का प्रशासनिक सुधार
- बंगाल विभाजन

पुस्तक सूची

1. आधुनिक भारत का इतिहास - बी. एल. ग्रोवर और यशपाल - एस. चन्द एण्ड कम्पनी (प्राइवेट लि. नई दिल्ली)
2. आधुनिक भारत - दीनानाथ वर्मा - ज्ञानदा प्रकाशन, पटना

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (प्रथम सेमेस्टर)

संचार सिद्धांत एवं जनमाध्यमों का विकास (4 क्रेडिट)

इकाई-1 संचार की अवधारणा एवं सिद्धांत

1. संचार का अर्थ एवं परिभाषा
2. संचार का महत्व, तत्व एवं संचार के 7 सी एवं संचार के प्रकार
3. अरस्तू का संचार प्रतिरूप एवं लासवेल का संचार प्रतिरूप
4. शैनन एवं वीवर का संचार प्रतिरूप
5. विल्बर श्राम का संचार प्रतिरूप

इकाई-2 प्रिंट मीडिया का विकास

1. भारत में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
2. भारत में प्रथम समाचार (-हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के अंग्रेजी पत्र एवं पत्रिकाएं)
3. स्वतंत्रता पूर्व भारत की पत्रकारिता
4. स्वतंत्रता आन्दोलन और पत्रकारिता
5. पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति

इकाई-3 रेडियो का विकास एवं रेडियो माध्यम

1. भारत में रेडियो का उद्भव एवं विकास
2. स्वतंत्रता आन्दोलन में रेडियो की भूमिका
3. एफ एम रेडियो
4. कम्यूनिटी रेडियो
5. इंटरनेट रेडियो

इकाई-4 टेलीविजन का विकास

1. भारत में टेलीविजन का आगमन और विकास
2. टेलीविजन धारावाहिकों का इतिहास
3. निजी टेलीविजन चैनलों का आगमन एवं विकास
4. प्रमुख टेलीविजन चैनल
5. टेलीविजन और सामाजिक परिवर्तन

Ramesh
04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रिंट मीडिया : प्रमुख समाचारपत्र एवं रिपोर्टिंग (4 क्रेडिट)

इकाई 1 प्रमुख राष्ट्रीय समाचारपत्र

1. दैनिक जागरण
2. हिन्दुस्तान समाचारपत्र
3. दैनिक भास्कर
4. राजस्थान पत्रिका
5. अमर उजाला

इकाई-2 रिपोर्टिंग एवं समाचार लेखन

1. समाचार: अवधारणा, तत्व एवं प्रकार, स्रोत एवं संकलन
2. प्रिंट मीडिया रिपोर्टिंग तत्व एवं प्रकार
3. रिपोर्टिंग के प्रमुख सिद्धांत
4. संवाददाता के प्रमुख गुण एवं कार्य
5. संवाददाता के दायित्व एवं सीमाएं

इकाई-3 मीडिया लेखन के विविध आयाम एवं रिपोर्टिंग क्षेत्र

1. संपादकीय लेखन
2. अग्रलेख लेखन
3. लेखन के विविध क्षेत्र: साक्षात्कार लेखन, स्तम्भ लेखन, फीचर लेखन एवं समीक्षा लेखन
4. रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्र: संसदीय रिपोर्टिंग, अपराध रिपोर्टिंग, खेल एवं फिल्म रिपोर्टिंग
5. विकासपरक एवं आर्थिक रिपोर्टिंग

इकाई-4 संपादन सिद्धांत एवं तकनीक

1. संपादन की अवधारणा एवं विभिन्न स्वरूप
2. संपादन के प्रमुख सिद्धांत, तत्व एवं प्रकार
3. संपादन की तकनीकी शब्दावली
4. समाचार पत्र के विविध पृष्ठों का संपादन
5. संपादन की सावधानियां एवं चुनौतियां

Parmesh
04/03/2020

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (तृतीय सेमेस्टर)

महात्मा गांधी की पत्रकारिता (4 क्रेडिट)

इकाई-1 महात्मा गांधी का परिचय

1. महात्मा गांधी का जीवन परिचय
2. गांधी जी के मुख्य विचार
3. सेवाग्राम में निवास
4. महात्मा गांधी: संपादक के रूप में
5. गांधी जी के प्रमुख आंदोलन

इकाई-2 गांधी जी द्वारा संपादित पत्र/पत्रिकाएं

1. इंडियन ओपिनियन
2. यंग इंडिया
3. नवजीवन
4. हरिजन
5. समाचार पत्रों का समाज पर प्रभाव

इकाई-3 महात्मा गांधी की पत्रकारिता

1. पत्रकार के रूप में महात्मा गांधी
2. स्वतंत्रता संग्राम और महात्मा गांधी की पत्रकारिता
3. महात्मा गांधी के पत्रकारीय उद्देश्य
4. महात्मा गांधी की पत्रकारिता की विशिष्टताएं
5. महात्मा गांधी की पत्रकारिता का समाज पर प्रभाव

इकाई-4 महात्मा गांधी की पुस्तकें

1. सत्य के प्रयोग
2. हिन्द स्वराज
3. ग्राम स्वराज
4. आरोग्य की कुंजी
5. पुस्तकों का समाज पर प्रभाव

Darush
04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (पंचम सेमेस्टर)

संचार शोध एवं मीडिया नियमन (4 क्रेडिट)

इकाई-1 शोध की अवधारणा

1. शोध का अर्थ एवं परिभाषा
2. मीडिया शोध का अभिप्राय एवं प्रकार
3. मीडिया शोध का क्षेत्र
4. शोध के चरण
5. डाटा के प्रकार (प्राथमिक डाटा एवं द्वितीय डाटा)

इकाई-2 शोध प्रविधि एवं आकड़ा संकलन विधि

1. अंतर्वस्तु विश्लेषण, अवलोकन, सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार
2. प्रश्नावली, अनुसूची
3. शोध प्रतिवेदन लेखन विधि
4. आंकड़ा विश्लेषण
5. संदर्भ लेखन

इकाई-3 प्रेस स्वतंत्रता की अवधारणा एवं प्रेस आयोग

1. प्रेस की स्वतंत्रता की अवधारणा एवं संवैधानिक स्थिति
2. आपातकाल और प्रेस स्वतंत्रता पर नियंत्रण
3. प्रेस आयोग (प्रथम एवं द्वितीय)
4. संसदीय विशेषाधिकार
5. प्रेस परिषद के दिशा-निर्देश

इकाई-4 अधिनियम परिचय

1. प्रसार भारती अधिनियम एवं सूचना प्रौद्योगिकीय अधिनियम
2. मानहानि कानून एवं न्यायलय की अवमानना अधिनियम 1971
3. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005
4. कॉपीराइट अधिनियम 1957
5. प्रेस परिषद अधिनियम 1978

Ramesh
04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (षष्ठम सेमेस्टर)
रेडियो, टीवी एवं न्यू मीडिया तकनीक (4 क्रेडिट)

इकाई-1 रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं तकनीक

1. रेडियो कार्यक्रम प्रसारण : भाषा-शैली, उच्चारण एवं स्पष्टता
2. रेडियो समाचार बुलेटिन की संरचना
3. रेडियो कार्यक्रम विधाएं : वार्ता, परिचर्चा, साक्षात्कार, फोन इन एवं फीचर
4. विशेष श्रोता समूह कार्यक्रम
5. रेडियो तकनीक : माइक्रोफोन के प्रकार एवं रिकार्डिंग

इकाई -2 प्रमुख राष्ट्रीय मीडिया संस्थान

1. दूरदर्शन
2. आजतक
3. एनडीटीवी समूह
4. जी टीवी समूह
5. सीएनवीसी आवाज

इकाई-3 टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण एवं रिपोर्टिंग तकनीक

1. टेलीविजन समाचार संरचना
2. टेलीविजन कार्यक्रम विधाएं : समाचार कार्यक्रम, टॉक शो, चैट शो एवं पैनल चर्चा
3. टेलीविजन रिपोर्टर की भूमिका एवं जिम्मेदारियां
4. पीस टू कैमरा, बोक्स पॉप, सीधा/सजीव प्रसारण एवं टेली प्रोंप्टर का उपयोग
5. रन डाउन: आवश्यकता एवं महत्व

इकाई- 4 न्यू मीडिया के विविध आयाम

1. इंटरनेट का परिचय
2. सोशल मीडिया की अवधारणा
3. सोशल मीडिया साक्षरता की आवश्यकता एवं महत्व
4. वेब पत्रकारिता एवं ब्लॉग लेखन
5. वेब संस्करण : समाचारपत्र-पत्रिकाएं, रेडियो व न्यूज चैनल

04/03/2020

बी. ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं जनसंचार (चतुर्थ सेमेस्टर)
जनसम्पर्क, कॉर्पोरेट संचार एवं विज्ञापन (4 क्रेडिट)

इकाई-1 जनसंपर्क : अवधारणा व स्वरूप

1. जनसंपर्क : अवधारण
2. जनसंपर्क : उद्भव एवं विकास
3. जनसंपर्क : उद्देश्य महत्व एवं क्षेत्र
4. जनसंपर्क के उपकरण
5. संस्थागत जनसंपर्क : सरकारी, सार्वजनिक एवं निजी

इकाई-2 जनसंपर्क के संगठनात्मक व्यावसायिक महत्व

1. जनसंपर्क : व्यावसायिक संगठन
2. जनसंपर्क : बजट एवं मूल्यांकन
3. जनसंपर्क : प्रशिक्षण एवं अनुसंधान
4. जनसंपर्क अधिकारी के कार्य, दायित्व एवं चुनौतियां
5. आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क

इकाई-3 कॉर्पोरेट संचार के विविध आयाम एवं क्षेत्र

1. कार्पोरेट संचार की अवधारणा
2. कॉर्पोरेट संचार रणनीति (नियमित रणनीति, आपदा के समय रणनीति, संशोधित रणनीति)
3. कॉर्पोरेट पहचान: छवि निर्माण
4. कॉर्पोरेट संचार संबंध: मीडिया, प्रशासनिक एवं कर्मचारी
5. कॉर्पोरेट संचार संबंध: निवेशक एवं विपणन

इकाई-4 अवधारणा, विज्ञापन निर्माण एवं विज्ञापन माध्यम

1. विज्ञापन: अवधारणा
2. विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया एवं भाषा
3. विज्ञापन अभियान
4. विज्ञापन बजट
5. विज्ञापन माध्यम: बाह्य, समाचार-पत्र, रेडियो, टेलिविजन एवं ऑनलाइन विज्ञापन

04/03/2020

पाठ्यक्रम

(Syllabus)

विषय :- राजनीति विज्ञान

बी. ए. के विद्यार्थियों हेतु

सत्र 2019-22

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट - 4

इकाई – 1

- राजनीति विज्ञान का अर्थ एवं परिभाषा
- राजनीति विज्ञान की प्रकृति एवं क्षेत्र (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)
- राजनीति विज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)

इकाई – 2

- राज्य का अर्थ, परिभाषा एवं राज्य के तत्व, (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)
- राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त : दैवीय, शक्ति, सामाजिक संमझौता, एवं विकासवादी सिद्धांत (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि)

इकाई – 3

- राज्य के कार्य के सिद्धान्त : उदारवादी एवं मार्क्सवादी
- लोक कल्याणकारी राज्य : योगक्षेम की अवधारणा
- सम्प्रभुता : एकलवादी एवं बहुलवादी

इकाई – 4

- विधि/कानून
- अधिकार
- स्वतंत्रता और समानता

अनुशंसित पुस्तकें –

1. राजनीतिक सिद्धांत, ए.डी. अर्शीवादम, एस.चाँद एण्ड कंपनी, नई दिल्ली।
2. राजनीतिक सिद्धांत की रूपरेखा, ओम प्रकाश गावा, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
3. राजनीतिक सिद्धांत, गांधीजी राय, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. राजनीतिक सिद्धांत एक परिचय, राजीव भार्गव, अशोक आचार्य, पीयरसन, दिल्ली।
5. राजनीतिक सिद्धांत, ज्ञान सिंह संधु, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
6. आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, डिस्कवरी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. वेदों में राजनीतिशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद ज्ञानपुर, भदोही।
8. राजनीतिक विज्ञान के मूल आधार, डॉ. मधुमुंकुल चतुर्वदी, राज पब्लिकेशन, जयपुर।
9. राजनीतिक सिद्धांत, डॉ. लोकेश अग्रवाल, डिस्कवरी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. राजनीतिक सिद्धांत, बी. आर. पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

सरकार का संगठन

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट -4

इकाई – 1

- सरकार के अंग
- व्यवस्थापिका
- कार्यपालिका
- न्यायपालिका

ईकाई – 2

- शासन के प्रकार
- राजतंत्र, अल्पतंत्र, लोकतंत्र, अधिनायक तंत्र
- एकात्मक और संघात्मक शासन
- संसदीय और अध्यक्षीय शासन

इकाई – 3

- शक्तिपृथक्करण का सिद्धांत
- निर्वाचन प्रितनिधित्व प्रणाली : साधारण बहुमत प्रणाली, अनुपातिक प्रतिनिधित्व मत प्रणाली

इकाई – 4

- राजनीतिक दल
- दवाव समूह
- जनमत/लोकमत

अनुशंसित पुस्तकें –

1. राजनीति विज्ञान के सिद्धांत - बी. आर. पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. सरकार - पुखराज जैन, साहित्य भवन, आगरा।
3. राजनीति विज्ञान के सिद्धांत – इकबाल नारायण, ग्रंथ विकास अकादमी, नई दिल्ली।
4. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति (समकालीन प्रवृत्तियाँ)- आशा गुप्ता, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली।
5. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति – गांधीजी राय, भारती भवन, पटना।
6. तुलनात्मक सरकारे – ए. पी. त्यागी, आर. के. रस्तोगी, संजीव प्रकाशन, मेरठ।
7. तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण- डॉ. डी. एस. यादव, रजत प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. तुलनात्मक राजनीति- जे. सी. जौहरी, स्टर्लिंग प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. तुलनात्मक राजनीति रूपरेखा – ओम प्रकाश गाबा, मयुर पेपर वैक्स, नोएडा।
10. तुलनात्मक राजनीति- एस. आर. माहेश्वरी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, नई दिल्ली।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

भारतीय संविधान

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट - 4

इकाई प्रथम

- भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ
- भारतीय संविधान की दार्शनिक पृष्ठभूमि (प्रस्तावना)

इकाई द्वितीय

- मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य
- राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्त
- संघीय कार्यपालिका – राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री एवं मंत्रिमण्डल

इकाई तृतीय

- संघीय व्यवस्थापिका (संसद)
- राष्ट्रपति, लोकसभा एवं राज्यसभा
- सर्वोच्च न्यायालय

इकाई चतुर्थ

- राज्य विधान मण्डल : विधान सभा एवं विधान परिषद
- राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं राज्य मन्त्रिपरिषद
- उच्च न्यायालय

अनुशंसित पुस्तकें –

1. भारतीय शासन एवं राजनीति - महेन्द्र प्रसाद सिंह, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
2. भारतीय राजनीति, प्रणाली संरचना नीति और विकास - महेन्द्र प्रसाद सिंह, हिमांशु राय, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
3. भारत में राजनीतिक प्रक्रिया - बी.एन.चौधरी, युवराज कुमार, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
4. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था - एस.एम.सईद, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
5. भारत का संविधान परिचय - दुर्गा दास बासु, लेक्सिस नेक्सिस, नागपुर।
6. भारत का संविधान - जय नारायण पाण्डेय, सेंट्रल एजेन्सी, इलाहाबाद।
7. भारत का संविधान - ब्रज किशोर शर्मा, पी.एच.आई.लर्निंग प्रा.लि. नई दिल्ली।
8. भारतीय शासन एवं राजनीति - रूपा मंगलानी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
9. भारतीय सरकार एवं राजनीति - आर.पी.जोशी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. संसदीय प्रक्रिया - सुभाष कश्यप, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम
चतुर्थ सेमेस्टर
भारतीय राजनीतिक चिन्तन

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75 क्रेडिट - 4

प्रथम प्रश्न-पत्र (बीएपीएस-05)

इकाई 1

- मनु के राजनीतिक विचार
- कौटिल्य के राजनीतिक विचार
- राजा मोहन राय के राजनीतिक विचार
- गोपाल कृष्ण गोखले के राजनीतिक विचार

इकाई 2

- बाल गंगाधर तिलक के राजनीतिक विचार
- स्वामी दयानन्द सरस्वती के राजनीतिक विचार
- स्वामी विवेकानंद के राजनीतिक विचार
- श्री अरविन्द घोष के राजनीतिक विचार

इकाई 3

- आचार्य नरेन्द्र देव के राजनीतिक विचार
- जयप्रकाश नारायण के राजनीतिक विचार
- राम मनोहर लोहिया के राजनीतिक विचार
- महात्मा गांधी के राजनीतिक विचार

इकाई 4

- अरविंद घोष के राजनीतिक विचार
- जवाहर लाल नेहरू के राजनीतिक विचार
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर के राजनीतिक विचार
- पं. दीन दयाल उपाध्याय के राजनीतिक विचार

अनुशंसित पुस्तकें –

1. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन – एस.सी. सिंघल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
2. प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ – परमात्माशरण, मीनाक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक – डॉ. बी. आर. पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक – डॉ. वी. पी. वर्मा, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
5. भारतीय राजनीतिक विचारक – डॉ. ए. पी. अवस्थी, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
6. भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाएँ एवं विचारक, अजय कुमार / इस्लाम अली, पियरसन, नई दिल्ली।
7. भारतीय राजनीतिक चिंतन प्रमुख अवधारणाएँ एवं चिंतक – रुचि त्यागी, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
8. भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाए एवं विचारक - संपादक: अजय कुमार, पियरसन, दिल्ली।
9. भारतीय राजनीतिक चिंतन - प्रो. के.एल. कमल, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन - विद्युत चक्रवर्ती राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्नातक राजनीति विज्ञान (बीएपीएस) पाठ्यक्रम

पंचम सेमेस्टर

पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75

क्रेडिट -4

द्वितीय प्रश्न-पत्र (बीएपीएस-06)

इकाई 1

- प्लेटो के राजनीतिक विचार
- अरस्तू के राजनीतिक विचार
- मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तन : प्रमुख विशेषताएँ
- मैकियावेली के राजनीतिक विचार

इकाई 2

- टॉमस हॉब्स के राजनीतिक विचार
- जॉन लॉक के राजनीतिक विचार
- जीन जैक्स रूसो के राजनीतिक विचार
- बेन्थम के राजनीतिक विचार

इकाई 3

- जे.एस.मिल. के राजनीतिक विचार
- हीगेल के राजनीतिक विचार
- टी.एच.ग्रीन के राजनीतिक विचार
- कार्ल मार्क्स के राजनीतिक विचार

इकाई 4

- माओ-त्से-तुंग के राजनीतिक विचार
- जॉन रॉल्स के राजनीतिक विचार
- रॉबर्ट नाजिक के राजनीतिक विचार
- हन्ना आरेन्ट के राजनीतिक विचार

अनुशंसित पुस्तकें –

1. प्रमुख राजनीतिक चिंतक - ब्रज किशोर झा, Vol-I, II, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
2. पाश्चात्य राजनीतिक विचारक - ओम प्रकाश गाबा, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
3. प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक - प्रो. के.एल.कमल, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन - प्रभुदत्त शर्मा, कालेज बुक डिपो, दिल्ली।
5. राजनीतिक दर्शन का स्वाध्याय - सी.एल.वेपर, किताब महल, इलाहाबाद।
6. प्रमुख राजनीतिक विचारक - नागपाल नखाडे, अमृत नखाडे, किताब महल, दिल्ली।
7. राजनीतिक विचारक विश्वकोश - ओम प्रकाश गाबा, मयुर पेपर बैक्स, नोएडा।
8. पाश्चात्य राजनीतिक विचारक - सुर्भतो मुखर्जी, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
9. राजनीतिक चिंतन का विकास - वी.आर.पुरोहित, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. यूनानी राजनीति सिद्धांत – सर अर्नेस्ट वार्कर, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

छष्टम् सेमेस्टर

अंतरराष्ट्रीय संबंध (द्वितीय विश्वयुद्ध से वर्तमान तक)

अधिकतम अंक- 100
आन्तरिक मूल्यांकन -25
बाह्य मूल्यांकन – 75

क्रेडिट - 4

इकाई प्रथम

- अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र
- अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा की भूमिका
- अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति की अवधारणा

इकाई द्वितीय

- द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्तिया
- संयुक्त राष्ट्र
- राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती हुई अवधारणा।

इकाई तृतीय

- शीत युद्ध की उत्पत्ति, विकास एवं तनाव शैथिल्य
- तनाव शैथिल्य तथा इसका विश्व राजनीति पर प्रभाव
- तृतीय विश्व एवं गुट निरपेक्ष आंदोलन

इकाई चतुर्थ

- साम्यवादी गुट का विघटन एवं शीतयुद्ध की समाप्ति
- एक ध्रुवीय विश्व की संकल्पना
- नई विश्व व्यवस्था एवं बहुध्रुवीय विश्व की संकल्पना

अनुशंसित पुस्तकें –

1. अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत-अजय कुमार, पीयरसन, नई दिल्ली।
2. अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत-महेन्द्र कुमार, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी,आगरा।
3. अंतरराष्ट्रीय संबंध –वी. एन. खन्ना, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. अंतरराष्ट्रीय राजनीति (सिद्धांत एवं व्यवहार)- वी. एल फाडिया, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
5. अंतरराष्ट्रीय राजनीति, यू. आर. घई, न्यू एकेडमिक पब्लिशिंग हाऊस, जालंधर।
6. अंतरराष्ट्रीय संबंध- एस. पाल. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
7. अंतरराष्ट्रीय राजनीति- बी. एल. प्रसाद, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
8. अंतरराष्ट्रीय संबंध- पुष्पेप पंत, टी. एम. एच., नई दिल्ली।

एम.ए. जनसंचार

M.A. MASS COMMUNICATION

पाठ्यक्रम/सत्र – 2020-22

SYLLABUS / SESSION : 2020-22

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंचार विभाग

DEPARTMENT OF MASS COMMUNICATION

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(महाराष्ट्र)

MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA
WARDHA, MAHARASHTRA

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

जनसंचार विभाग

DEPARTMENT OF MASS COMMUNICATION

जनसंचार विभाग संपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में गुंथी हुई संचार व्यवस्था केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय

1. संचार की वाचिक परंपरा तथा लिपिविहीन समाजों की संचार संपदा का संकलन और अध्ययन।
2. हिंदी मीडिया की भाषा में हो रहे विकास और ह्रास का अनुशीलन और समुचित दिशा देने का यत्न।
3. स्थान और समय की चुनौतियों के अनुरूप हिंदी मीडिया की भाषा का सिद्धांत निर्माण।
4. इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करना और अपने ज्ञान को उस पर अपलोड करना और डिजिटल आर्काइव बनाना।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के मीडिया के साथ हिंदी मीडिया का संबंध जोड़ना और विभिन्न भाषाओं की पत्रकारिता में सहकार संबंध स्थापित करना। भारत की समस्त भाषाओं के मीडिया में संचार सौंदर्य का संकलन और अनुशीलन।
6. सही और गलत समाचारों को अलग करने का शास्त्र और उसकी तकनीक विकसित करना और उसका प्रशिक्षण देना।
7. भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेलखंडी, अंगिका, ब्रज, हरियाणवी आदि बोलियोंवाले समाज तथा हिंदीतर भाषाओं के सांस्कृतिक संचार के रूपक और प्रतिमानों का अध्ययन और संकलन।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्य योजना-

1. हिंदी मीडिया की भाषा के स्वरूप को गढ़ना और निरंतर समृद्ध करते रहना। उदाहरण के लिए मुबंई के हिंदी मीडिया में मुंबइया हिंदी, हैदराबाद में हैदराबादी हिंदी, कलकत्ता में कलकतिया हिंदी, भोपाल के हिंदी मीडिया में भोपाली हिंदी के संचार प्रभावों का अध्ययन। विज्ञापन की भाषा में भी स्थानीय भाषा के प्रयोग की संभावनाओं का अध्ययन।
2. किसान की भाषा, मजदूर की भाषा, व्यापारियों की भाषा, निम्न मध्यवर्गीय भाषा, सधुक्कड़ी भाषा, घुमंतू और विलुप्त हो रही जनजातियों की भाषा के संचार प्रभावों का अध्ययन।
3. जनभाषा, शास्त्र की भाषा और बाजार की भाषा के बीच संवाद स्थापित करते हुए मुद्रित, दृश्य-श्रव्य और नव माध्यम के लिए लेखन का प्रशिक्षण।

4. वर्तनी का मानकीकरण, सरलीकरण और देसीकरण। तदनुसार मीडिया पाठ्यक्रम तैयार करना और प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
5. हिंदी मीडिया का शब्द निर्माण। शब्द कोश निर्माण।

- **पाठ्यक्रम की विशेषताएं :**
    1. यह पाठ्यक्रम जनसंचार क्षेत्र के मूल सिद्धान्तों, प्रक्रिया एवं व्यावहारिक पहलुओं का विश्लेणात्मक अध्ययन के निमित्त है।
    2. जनसंचार माध्यमों की विषय वस्तु, तकनीक और उपयोगिता का विवेचन।
    3. मीडिया लेखन विशेषकर रिपोर्टिंग और संपादन जैसे कौशल केंद्रित विषय में दक्षता प्राप्त करने हेतु व्यावहारिक कार्यों पर बल।
    4. जनसंचार क्षेत्र में गहन शोध एवं अध्ययन।
- **अध्ययन प्रणाली :**
    1. सैद्धांतिक अवधारणाओं की विभिन्न माध्यमों से तुष्टि।सूचना, तथ्य, जानकारी, अनुभव आदान-प्रदान विशेषज्ञों के व्याख्यानों के माध्यम से।
    2. तकनीक एवं व्यावहारिक अध्ययन, कम्प्यूटर, इंटरनेट, व ऑनलाइन अध्ययन के साथ व्यक्तित्व विकास।
    3. संस्थागत कार्य अध्ययन, अध्ययन में शोध-कार्य एवं प्रबंधन, केस स्टडी कर नए ज्ञान में केंद्र व विश्वविद्यालय के प्रति उत्तरदायी बनाना।
    4. शैक्षणिक-भ्रमण, अत्याधुनिक उपकरणों व तकनीक से सम्पूर्णसंचास-क्षेत्र में सक्रिय प्रतिनिधित्व एवं अवसर उपलब्ध कर मुख्यधारा में लाना।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. जनसंचार

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप जनसंचार विभाग में संचालित किए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों के अतंर्गत मूल एवं ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं का विवरण इस प्रकार है –

सेमेस्टर	मूलप्रश्नपत्र संख्या	मूल (Core) पाठ्यचर्या	क्रेडिट	ऐच्छिक प्रश्नपत्र संख्या	ऐच्छिक (Elective) पाठ्यचर्या	क्रेडिट	कुलयोग
प्रथम सेमेस्टर	I	संचार : सिद्धांत एवं प्रतिरूप	04	V	जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट संचार	04	22 क्रेडिट
	II	जनमाध्यमों का विकास	04	VI	मीडिया लेखन	02	
	III	जनमाध्यमों की रिर्पोर्टिंग	04				
	IV	जनमाध्यमों का संपादन	04				
द्वितीय सेमेस्टर	I	मीडिया विधि एवं आचार संहिता	04	V	विज्ञापन	04	22 क्रेडिट
	II	वेब पत्रकारिता	04	VI	भारतीय संचारक	02	
	III	गांधी एवं अंबेडकर की पत्रकारिता	04				
	IV	सतत एवं समावेशी विकास संचार	04				
तृतीय सेमेस्टर	I	संचार शोध प्रविधि	04	V	रचनात्मक एवं समसामयिक मुद्दों पर लेखन	04	24 क्रेडिट
	II	फोटो पत्रकारिता एवं तकनीक	04	VI	पत्रकारिता की नवीन शैलियां	04	
	III	राजनीतिक संचार	04				
	IV	मीडिया प्रबंधन	04				
चतुर्थ सेमेस्टर	I	सांस्कृतिक संचार	04	V	ग्रामीण संचार	04	22 क्रेडिट
	II	भारतीय ज्ञान परंपरा और संचार	04	VI	मोबाइल पत्रकारिता	02	
	III	मीडिया प्रोडक्शन (प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक/प्रायोगिक)	04				
	IV	परियोजना कार्य एवं मौखिकी	04				
कुल क्रेडिट योग			**64 क्रेडिट**			**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

नोट : एम.ए. स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदाय आयोग द्वारा अनुमोदितMOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से 18 क्रेडिट तक की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओंके चयन करने की सुविधा होगी।

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र – I

संचार :सिद्धांत एवं प्रतिरूप (मूल) (क्रेडिट 04)

इकाई-1 संचार की अवधारणा

1.1 संचार का अर्थ एवं परिभाषा
1.2 संचार का महत्व एवं कार्य
1.3 संचार के तत्व
1.4 संचार के 7 सी
1.5 संचार के चरण एवं मार्ग

इकाई-2 संचार के प्रकार

2.1 अंतः व्यक्तिक संचार
2.2 अंतर व्यक्तिक संचार
2.3 समूह संचार
2.4 जनसंचार

इकाई-3 संचार के सिद्धांत एवं प्रतिरूप

3.1 लासवेल का संचार प्रतिरूप
3.2 शैनन एवं वीवर का संचार प्रतिरूप
3.3 विल्बर श्राम का संचार प्रतिरूप
3.4 एजेंडा सेटिंग सिद्धांत
3.5 स्पाइरल ऑफ साइलेंस सिद्धांत
3.6 सीमित प्रभाव का सिद्धांत

इकाई-4 जनसंचार के नियामक सिद्धांत

5.1 प्रभुत्ववादी सिद्धांत
5.2 उदारवादी सिद्धांत
5.3 साम्यवादी सिद्धांत
5.4 सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत
5.5 लोकतांत्रिक सहभागिता का सिद्धांत

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- संचार के सिद्धांतों एवं प्रारूप का व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करना
- संचार कौशल का व्यवहारिक प्रशिक्षण देना
- समय के अनुसार व्यवहार परिवर्तन का प्रशिक्षण देना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- संचार के सिद्धांतों की समझ विकसित करना
- संचार सिद्धांत को भारतीय परिपेक्ष्य में अनुप्रयोग में लाना

संदर्भ सूची

- संचार के सिद्धांत - आशा हींगड़ एवं अन्य –राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी , तृतीय संस्करण, 2012
- संचार के मूल सिद्धांत – डॉ. ओमप्रकाश सिंह,लोक भारती प्रकाशन , 2018
- सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धांत– डॉ. श्रीकांत सिंह, भारतीय पब्लिशर्स, फैजाबाद, 1992
- जनसंचार सिद्धांत एवं अनुप्रयोग– विष्णु राजगढिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र – II

जनमाध्यमों का विकास (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई- 1 प्रिंट मीडिया का विकास

- विश्व पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
- भारत में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
- प्रथम समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएँ (अंग्रेजी, हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के)
- स्वतंत्रता पूर्व भारत की पत्रकारिता
- स्वतंत्रता आन्दोलन और पत्रकारिता

इकाई-2 रेडियो का विकास

- विश्व में रेडियो का उद्भव एवं विकास
- भारत में रेडियो का उद्भव एवं विकास
- स्वतंत्रता आन्दोलन में रेडियो की भूमिका
- एफ एम चैनल्स का उद्भव एवं विकास

इकाई- 3 टेलीविजन का विकास

- विश्व में टेलीविजन का उद्भव एवं विकास
- भारत में टेलीविजन का आगमन और विकास
- टेलीविजन धारावाहिकों का इतिहास
- निजी चैनलों का आगमन एवं विकास
- निजी टेलीविजन चैनलों का आगमन एवं विकास

इकाई- 4 सिनेमा

- विश्व में सिनेमा का उद्भव एवं विकास
- भारत में सिनेमा का उद्भव एवं विकास
- सिनेमा के विविध प्रकारः कला, मनोरंजन, समानांतर एवं व्यावसायिक सिनेमा
- बालीवुड, क्षेत्रीय सिनेमा

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- किसी पुराने समाचार पत्र और नए समाचार पत्र के ई पेपर का तुलनात्मक अध्ययन, किसी रेडियो बुलेटिन की समीक्षा, किसी टेलीविजन कार्यक्रम की समीक्षा। किसी फिल्म के कला पक्ष की समीक्षा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- विद्यार्थी जन माध्यमों के उद्भव और विकास से भलीभांति अवगत हो सकेंगे।

संदर्भ सूची

- बर्नहार्ड, जिम (2007). हाउ न्यूजपेपर्स गेट देयर नेम्स. कोलंबियाः यूनिवर्सिटी आफ मिसौरी प्रेस
- एंड्रिज, अलेक्जेंडर (डि.सं. 2011). द हिस्टी आफ ब्रिटिश जर्नलिज्म वोल्यूम-1. आर. बेंटली.
- दुबे, प्रो. श्यामाचरण (1986). संचार और विकास. नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
- ली, चुनमिंग और झांग वी (2006). माइक्रोफिल्मिंग एंड डिजिटलाइजेशन आफ न्यूजपेपर्स इन चाइना. टोक्योः प्री कान्फ्रेंस आफ डब्लूएलआइसी 2006 प्रिजर्वेशन एंड कंजर्वेशन इन एशिया, नेशनल डिएट लाइब्रेरी, टोक्यो, आगस्ट 16 एंड 17 2006,
- इवेल, जैनेट. बलबेल, माइकेल. आस्टिन, इलेन. हैम रैंडी (2015). जर्नलिज्मः पब्लिशिंग एक्रास मीडिया. गुडहार्ट-विलकाक्स
- बोकार्ड ए. ग्रेगरी (2018). ए नरेटिव हिस्ट्री आफ अमेरिकन प्रेस. न्यूयार्कः राउटलेज,
- कौल, चंद्रिका (2003). रिपोर्टिंग द राजः द ब्रिटिश प्रेस ऐंड इंडिया सी 1880-1922. मैनचेस्टरः मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस.
- रौडाकोवा, नटालिया (2017). लूजिंग प्रावदा. कैंब्रिजः कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.
- कौल, चंद्रिका (2006). मीडिया ऐंड द ब्रिटिश इम्पायर. न्यूयार्कः पैलग्रेव मैकमिलन
- श्रीधर, विजय दत्त (2016). भारतीय पत्रकारिता कोश .नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन.
- जे(चेतनक्रांति .आर-.सं) नटराजन .. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास. दिल्लीः प्रकाशन विभाग. सूचना व प्रसारण मंत्रालयभारत सरकार ,
- मिश्र, कृष्णबिहारी. हिंदी पत्रकारिताः जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि. दिल्लीः भारतीय ज्ञानपीठ
- अनुजामंगला .डा ,. भारतीय पत्रकारिताः नींव के पत्थर. भोपालः मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
- मिश्रअच्युता ,नंद (सं.) हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं (दो खंड). भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
- मिश्र, नवनीत. वाणी आकाशवाणीनई दिल्ली ,सूचना और प्रसारण मंत्रालय ,प्रकाशन विभाग ,
- कश्यप, श्याम और कुमारमुकेश,. टेलीविजन की कहानी ,दिल्लीः राजकमल प्रकाशननई दिल्ली ,
- पश्चिम और सिनेमा ,श्रीनेत दिनेश ,दिल्लीः वाणी प्रकाशननई दिल्ली ,
- हिंदी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहासनई दिल्ली ,भारतीय पुस्तक परिषद ,दिलचस्प ,
- न्यू मीडिया ,हंस ,नवसंचार के जनाचार ,विशेषांक ,सोशल मीडिया-सितंबर 2018
- इंडिया कनेक्टेडः न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षा ,(.सं) सुनेत्रा सेन नारायण और शालिनी नारायण ,दिल्लीः सेज भाषा
- Joglekar, K.G (2005) Press Freedom: The Indian Story, Publication Division, Ministry of Information and broadcasting, Govt of India

- Jeffrey, Robin (2000) *Indians Newspaper Revolution: Capitalism, Politics and the Indian-Language Press 1977-99*, New Delhi: Oxford University Press
- Ninan, Sevanti (2007) *Headlines from the Heartland: Reinventing the Hindi Public Sphere*, New Delhi: Thousand Oaks, Calif.: Sage Publications.

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र- III
जनमाध्यमों की रिर्पोटिंग (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई- 01 समाचार की अवधारणा एवं रिपोर्टिंग

1.1 समाचार : अर्थ,परिभाषा एवं अवधारणा
1.2 समाचार बोध, मूल्य
1.3 समाचार के स्त्रोत एवं प्रकार
1.4 रिपोर्टिंग के सिद्धांत,बिट
1.5 रिपोर्टर की विशेषताएँ,दायित्वएवं चुनौतियां

इकाई- 2 प्रिंट मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक

2.1 समाचार की संरचना
2.2 रिपोर्टिंग तकनीक एवं उपकरण:समाचार पत्र ,पत्रिका एवं समाचार एजेंसी
2.3 लीड निर्धारण, बाइलाइन स्टोरी
2.4समाचार लेखन कौशल: 5W's, 1H
2.5 साक्षात्कार, प्रेस वार्ता, फालोअप स्टोरी, स्कूप्स

इकाई- 3 रेडियो एवं टीवी मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक

3.1 रेडियो तथा टीवी समाचार की संरचना
3.2 रेडियो एवं टीवी रिपोर्टिंग तकनीक एवं उपकरण
3.3 रेडियो, टीवी साक्षात्कार तकनीक एवं प्रस्तुति,
3.4 रेडियो रिपोर्टिंग: समाचार कैप्सूल,रेडियो उद्घोषणा,क्षेत्र रिपोर्टिंग एवं वॉइस डिस्पैच
3.5 टीवी रिपोर्टिंग : पीस टू कैमरा, वॉइस ओवर, स्टिंग आपरेशन, लाइव रिपोर्टिंग,बुलेटिन, पैनल चर्चा , ब्रेकिंग समाचार

इकाई- 4 रिपोर्टिंग: विविध क्षेत्र

4.1 संसदीय रिपोर्टिंग
4.2 राजनीति रिपोर्टिंग
4.3 अपराध रिपोर्टिंग
4.4 विकासपरक एवं आर्थिक रिपोर्टिंग
4.5 खेल एवं फिल्म रिपोर्टिंग

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- प्रिंट मीडिया, रेडियो तथा टीवी मीडिया में विविध समाचारों की प्रस्तुति का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
- आसपास की घटनाओं पर वृत्त संकलित कर समाचार लेखन का कार्य करना।
- विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रमों के समाचार रिपोर्टिंग का कार्य करना।
- विविध समसामयिक तथा तात्कालिक विषयों का अध्ययन तथा लेखन करना।
- टीवी मीडिया के समाचार बुलेटिन तैयार करना।
- रेडियो मीडिया के लिए समाचार कैप्सूल तैयार करना।
- समूह में विद्याथियों द्वारा क्षेत्र रिपोर्टिंग का कार्य करना।
- रिपोर्टिंग के व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों को मीडिया समूह में इंटर्नशिप हेतु भेजकर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- विद्यार्थियों में समाचार रिपोर्टिंग एवं लेखन का कौशल विकसित करना।
- प्रिंट मीडिया, रेडियो तथा टीवी मीडिया में रिपोर्टर के रूप में कार्य करने हेतु विद्यार्थियों को तैयार करना।
- मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक तथा संसाधनों का प्रयोग करने की कुशलता निर्माण करना।
- समाचार एजेंसी में रिपोर्टर के कार्य करने हेतु विद्यार्थियों को तैयार करना।

संदर्भसूची

- समाचार लेखन आर्य .के.पी :, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला हरिमोहन :, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, लेखक- डॉ. देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- खोजी पत्रकारिता – एच भीष्मपल .प्रकाशन विभाग -1988
- ब्रेकिंग न्यूज- पूण्य प्रसून वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- साइबर पत्रकारिता-विजय कुल श्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2012
- क्लास रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन कानपुर, 2014
- टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन,लेखक-एचएच मुस्तफा जैदी,प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
- एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेई, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- Reporting for Newspapers, Magazines, Radio & T.V.: B.N. Ahuja & S.S. Chhabra
- News Reporting & Editing: K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi
- News writing and Reporting: James M. Neal & Suzanne S. Brown, Blackwell, reprinted in India by Surjeet, .2007
- News Reporting and Writing: Alfred Lawrence Lorenz & John Vivian, Pearson Education, .2006
- "News Reporting and Writing". Mencher, Melvin, New York. McGraw Hill Pub. .2003

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र – IV

जनमाध्यमों का संपादन (मूल) (क्रेडिट 04)

इकाई- 01 प्रिंट मीडिया एवं फिल्म माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- समाचारपत्र संपादन
- समाचार पत्रिका संपादन
- फिल्म पत्रकारिता के लिए संपादन
- संपादन साफ्टवेयर : क्वार्क एक्सप्रेस एडोब पेजमेकर एवं इन डिजाइन

इकाई - 02 रेडियो माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- ऑडियो रिकाडिंग तकनीकी एवं उपकरण
- माइक्रोफोन : प्रकार एवं चयन
- संपादन साफ्टवेयर : ऑडासिटी, साउण्ड फोर्ज एवं पॉवर गोल्ड

इकाई- 03 टेलीविजन माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- विडियो रिकार्डिंग तकनीक एवं उपकरण
- टेलीविजन कार्यक्रमों का संपादन
- संपादन साफ्टवेयर : एडोब, शॉर्टकट एवं एफ सी पी

इकाई - 04 वेब माध्यम संपादन तकनीक

- संपादन : अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- संपादन : दायित्व एवं सावधानियां
- ऑनलाइन सामग्री की सुरक्षा तकनीक
- साइबर सुरक्षा संबंधी नीति
- ऑनलाइन वेब सामग्री का संपादन

प्रायोगिकी /गृह कार्य

- समाचारपत्र की कापी तैयार करना
- फिल्मों के समाचारों में आवश्यकता के अनुरूप संशोधन करना
- समाचार पत्रिका के समाचारों का संपादन करना
- टेलीविज़न समाचारों को आवश्यक के अनुरूप विकसित करना
- रेडियो कार्यक्रम का निर्माण एवं संपादित करना
- ऑनलाइन वेब सामग्री को आवश्यकता के अनुसार निर्माण एवं संशोधन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- समाचारपत्र संपादन करने की क्षमता का विकास
- फिल्मों के समाचारों में आवश्यक के अनुरूप बनानें की क्षमता
- समाचार पत्रिका संपादन करने की क्षमता का विकास
- टेलीविज़न समाचारों को आवश्यक के अनुरूप विकसित करने में सक्षम
- रेडियो कार्यक्रम का निर्माण एवं संपादित करने में सक्षम
- ऑनलाइन वेब सामग्री को आवश्यकता के अनुसार निर्माण एवं संशोधन की क्षमता

संदर्भ सूची

- मास कम्युनिकेशन इन इंडिया (हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण), लेखक- केवल जयकुमार, प्रकाशकजायको -, पब्लिकेशन मुंबई।
- टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन, लेखक- एचएच मुस्तफा जैदी, प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ ।
- एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेई, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, लेखक- डॉ देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- दूरदर्शन माध्यम और तकनीक, लेखक- डॉ. धरवेश कठेरिया, प्रकाशक- नेहा प्रकाशन, दिल्ली।
- रेडियो माध्यम और तकनीक, डॉ. धरवेश कठेरिया, प्रकाशक- शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

एम.ए.जनसंचार,प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र -V
जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट संचार (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

इकाई -1 जनसंपर्क : अवधारणा व स्वरूप

1.1. जनसंपर्क: अर्थ,परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व
1.2. जनसंपर्क का उद्भव एवं विकास
1.3. जनसंपर्क के क्षेत्र एवं कार्य
1.4. जनसंपर्क के उपकरण तथा तकनीक,ई- जनसंपर्क, गृहपत्र
1.5. संस्थागत जनसंपर्क :सरकारी,सार्वजनिक, निजी

इकाई -2 जनसंपर्क का व्यावसायिक संगठनात्मक स्वरूप

2.1. जनसंपर्क : व्यावसायिक संगठन
2.2. जनसंपर्क: बजट एवं मूल्यांकन
2.3. जनसंपर्क : प्रशिक्षण एवं अनुसंधान
2.4. जनसंपर्क अधिकारी की विशेषताएं,दायित्व एवं चुनौतियां
2.5. जनसंपर्क : आपदा प्रबंधन, संकटकालीन (Crisis) प्रबंधन

इकाई -3कार्पोरेट संचार : अवधारणा एवं स्वरुप

3.1. कार्पोरेट संचार की अवधारणा
3.2. कार्पोरेट संचार का इतिहास
3.3. कॉर्पोरेट संचार के प्रमुख सिद्धांत
3.4. कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं इवेन्ट प्रबंधन
3.5. कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क में अंतर्संबंध

इकाई -4 कॉर्पोरेट संचार के विविध आयाम

4.1. स्टेक होल्डर थ्योरी
4.2. संचार रणनीति
4.3. कॉर्पोरेट पहचान
4.4. कॉर्पोरेट लॉबिंग, एडोकेसी
4.5. कॉर्पोरेट संचार : उपभोक्ता संबंध,कर्मचारीसंबंध, निवेशक संबंध, मीडिया संबंध, विपणन संबंध

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- विविध कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का समाचार लेखन करना।
- जनसंपर्क विभाग में होनेवाले कार्य से विद्यार्थियों को परिचित कर रिपोर्ट तैयार करना।
- जनसंपर्क के विविध उपकरणों के माध्यम से प्रचार कार्य का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- सरकारी जनसंपर्क अभियान का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु क्षमता विकसित करना।
- जनसंपर्क तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।
- जनसंपर्क क्षेत्र में आए तकनीकी बदलाव से परिचित करना।
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तथा इवैंट प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।

संदर्भ सूची

- द रोल ऑफ पब्लिक रिलेशन्स इन मैनेजमेंट – सेम ब्लैक, यूनिवर्सल बूक स्टाल, नई दिल्ली
- भारत में जनसंपर्क– बलदेव राज गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म इन इंडिया मेहता .एस.डी -:एलाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली
- जनसंपर्क– चंद्रकांत सरदाना एवं सुषमा कस्बेकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर
- जनसंपर्क एवं विज्ञापन– डॉ सुधीर सोनी, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
- जनसंचार विश्वकोश -रमेश जैन प्रो -नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर
- जनसंपर्क एवं विज्ञापन– डॉ निशांत सिंह,राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- Brand Equity & Advertising- Advertising's role in building strong brands, -2013David A. Aker, Alexander L. Biel, Psychology Press
- Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication.

एम.ए.जनसंचार, प्रथम सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - VI
मीडिया लेखन (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 02)

इकाई- 01 प्रिंट मीडिया एवं फिल्म पत्रकारिता के लिए लेखन

- समाचारपत्र के लिए लेखन
- समाचार पत्रिकाओके लिए लेखन
- समाचार समितियों के लिए लेखन
- प्रिंट लेखन की विशेषताएं, दायित्व एवं चुनौतियां
- फिल्मपत्रकारिता के लिए लेखन

इकाई - 02 रेडियो,टेलिविजन एवं वेब माध्यम के लिए लेखन

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन की भाषा एवं प्रस्तुति
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन की सावधानियां एवं चुनौतियां
- रेडियोमाध्यम के लिए लेखन
- टेलीविज़नमाध्यम के लिए लेखन
- वेब माध्यम के लिए लेखन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- टेलीविज़नकार्यक्रमों के लिए लेखन का अभ्यास
- पीस टू कैमरा एवं वायस ओवर का अभ्यास
- टेलीविज़न समाचार लेखन का अभ्यास
- रेडियो के लिए लेखन का अभ्यास
- वेब माध्यम के लिए लेखन एवं प्रायोग

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

उक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया संस्थानों में कैरियर के विकल्प चुनने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थियों में रिपोर्टर, संपादक, फिल्म पत्रकार के रूप में रेडियो टेलीविजन एवं वेब के क्षेत्र में, कैरियर बनाने का अवसर प्राप्ता होगा।

संदर्भ सूची

- टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन,लेखक-एचएच मुस्तफा जैदी,प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
- एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेई, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,लेखक- डॉ देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- दूरदर्शन माध्यम और तकनीक,लेखक-डॉ. धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- नेहा प्रकाशन, दिल्ली।
- फिल्मपत्रकारिता,लेखक- विनोद तिवारी,प्रकाशक- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- इंटरनेटपत्रकारिता,लेखक- सुरेश कुमार,प्रकाशक- तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- रेडियो माध्यम और तकनीक,डॉ. धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,दिल्ली।

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - I
मीडिया विधि एवं आचार संहिता (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई एक

- भारत में स्वतन्त्रता पूर्व एवं पश्चात प्रेस कानून
- प्रेस की स्वतंत्रता की अवधारणा
- भारतीय संविधान में प्रेस स्वतंत्रता का स्थापत्य
- प्रेस स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त निर्बंधन, आपातकाल
- वैश्विक प्रसार की मीडिया और नियमन

इकाई दो

- प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867
- शासकीय गोपनियता अधिनियम 1923
- न्यायलय की अवमानना अधिनियम 1971
- मीडिया को प्रभावित करने वाले भारतीय दंड संहिता 1860 के प्रावधान
- आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता प्रमुख प्रावधान के (1973)

इकाई तीन

- प्रेस परिषद अधिनियम 1978
- श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम 1955
- सूचना का अधिकार अधिनियम 2005
- बौद्धिक संपदा संरक्षण की अवधारणा, नियमन और मीडिया में उपयोग
- सिनेमेटोग्राफी अधिनियम 1952
- टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया एक्ट 1997

इकाई चार

- प्रसार भर्ती अधिनियम 1990
- सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम 2000 व संशाधित नियम 2011
- संसद एवं राज्य विधान मंडलों के विशेषाधिकार
- प्रेस आयोग का स्थापत्य एवं भूमिका (प्रथम व द्वितीय प्रेस आयोग)
- रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण की आचार संहिता
- सामाजिक निर्माण, मूल्य और नैतिकता के वैधानिक एवं पत्रकारीय दृष्टिकोण

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- पाठ्यचर्या से संबंधित विभिन्न अद्यतन उदाहरण एवं प्रकरण को जनमाध्यमों में अवालोकित कराना .
- संचार एवं सूचना संबंधी अधिनियमों की व्याख्याओं को मीडिया संस्थानों में उपयोग व संचालन करने की व्यवस्थाओं का प्रतिरूप देखना.
- मीडिया विधि के संदर्भ तथा आख्यानों को समझाना .
- समकालीन मीडिया में मीडिया विधि के नैतिक पक्ष को खोजना.
- मूल्यपरक उदाहरणों को संकलित करना.
- मीडिया विधि के पालन एवं उल्लंघन की समीक्षा करना.

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- मीडिया विधि के विविध आयामों से अवगत होनापित करना गरिमा को स्थाविद्यार्थियों में पत्रकारीय पेशे की उच्च . . के अनुपानार्थ मीडिया विधि एवं संबंधित वैधानिक अनुक्रमों का ज्ञान एवं प्रशिक्षणव प्रतिष्ठाय महत्वतथा राष्ट्री मीडिया की नैतिकता तथा अनुशासनात्मक अभिव्यक्ति को स्थापित करने हेतु सक्षम व्यावसायिक व्यक्तियों का निर्माण संभव.

संदर्भ सूची

- शर्मा ब्रजकिशोर, भारत का संविधान.प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया : नई दिल्ली .
- त्रिखा नंदकिशोर.विद्यालय प्रकाशनविश्व :वाराणसी .प्रेस विधि .
- Neelmalar, M. (2016). Media Law and Ethics. New Delhi: PHI Learning Private Limited.
- Jain, M.P. (2008). Indian Constitution Law. Nagpur: Wadhwa& Company.
- Wadehra, B.L. (2003). Patents Trade Marks Copyright Designs & Geographical Indications. New Delhi, Universal Law Publishing.
- Dhirajlal&Ratanlal. The Indian Penal Code.Nagpur, Wadhwa& Company.

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - II
वेब पत्रकारिता (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई - 1:वेब पत्रकारिता : अवधारणा एवं स्वरूप

- साइबर युग का आरंभ एवं तकनीक संचार व्यवस्था
- संचार प्रौद्योगिकी का विस्तार
- संचार प्रौद्योगिकी के प्रमुख कार्य क्षेत्र
- मीडिया कनवर्जेन्स
- मल्टीमीडिया उपकरण

इकाई - 2:विविध वेब जनमाध्यम :

- वेब पोर्टल, ब्लॉग एवं ब्लॉगिंग तकनीक
- फेसबुक
- ट्विटर
- इंस्टाग्राम
- व्हाट्सएप्प
- यूट्यूब

इकाई - 3:वेब संचालन तकनीक एवं प्रबंधन

- ऑडियो संपादन तकनीक एवं सॉफ्टवेयर
- वीडियो संपादन तकनीक एवं सॉफ्टवेयर
- फोटो संपादन तकनीक एवं संपादन
- ऑनलाइन सामग्री की सुरक्षा तकनीक
- साइबर सुरक्षा संबंधी नीति

इकाई - 4:वेब निर्माण : लेखन एवं संपादन

- वेब माध्यमों के लिए लेखन
- वेब माध्यमों की भाषा शैली-
- वेब लेखन की चुनौतियां व सावधानियां
- वेब माध्यमों हेतु विषयवस्तु संकलन
- वेब सामग्री का संपादन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- वेब माध्यमों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराना व संचालन
- ऑनलाइन माध्यमों पर कार्य निष्पादन
- ऑडियो-वीडियो सामग्री का ऑनलाइन प्रयोग
- ब्लॉग व यू-ट्यूब चैनल निर्माण व विषयवस्तुर संपादन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- नवजनमाध्यमों की कार्यशैली से समकालीन संदर्भ में तकनीकी दक्ष विद्यार्थी। तकनीकी एवं साफ्टवेयर पर कार्य प्रशिक्षण से आत्मविश्वास से परिपूर्ण मीडिया कर्मी का निर्माण। मीडिया जगत में संभावी रोजगार के लिए कुशल पत्रकारिता का संचालन।

संदर्भ सूची

- साइबर पत्रकारिता, लेखक-विजय कुलश्रेष्ठम,प्रकाशक-राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी,जयपुर,राजस्थान।
- An Introduction to Cyber Law,Writer,JP Mishra,Central Law Publication,Allahabad,UP.
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,लेखक- डॉ देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- इंटरनेटपत्रकारिता,लेखक- सुरेश कुमार,प्रकाशक- तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जनमाध्यम और भारतीय संस्कृति,लेखक-धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - III
गांधी और अम्बेडकर की पत्रकारिता (मूल) (4 क्रेडिट)

इकाई-1 महात्मा गांधी के सिद्धांत

- महात्मा गांधी के मुख्य विचारः सत्य, अहिंसा
- सत्याग्रह, सर्वोदय
- एकादश ब्रत, रचनात्मक कार्यक्रम, ग्राम स्वराज
- हिंद स्वराज

इकाई-2 महात्मा गांधी की पत्रकारिता

- इंडियन ओपिनियन
- यंग इंडिया
- नवजीवन
- हरिजन

इकाई-3 अम्बेडकर के विचार

- स्वतंत्रता
- समानता
- बंधुता
- शिक्षा

इकाई-4 अम्बेडकर की पत्रकारिता

- मूकनायक
- बहिष्कृत भारत
- समता
- जनता
- प्रबुद्ध भारत

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- गांधी हेरिटेज पोर्टल डाट ओआरजी आर्काइव में जाकर गांधी द्वारा संपादित समाचार पत्रों का अवलोकन और अध्ययन। अंबेडकर के समाचार पत्रों का वस्तु विवेचन।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- संचारक के रूप में गांधी के महत्व को और अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के सिद्धांत के प्रति विद्यार्थी समझ बना सकेंगे और उनके पत्रकारीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।

संदर्भ सूची

- गांधी, मो.क. (2018)सत्य के साथ मेरे प्रयोग. अहमदाबादः नवजीवन ट्रस्ट
- गांधी, मो.क. (2017)दक्षिण भारत के सत्याग्रह का इतिहास. वाराणसीः सर्व सेवा संघ
- गांधी, मो.क. (2018) हिंद स्वराज. अहमदाबादः नवजीवन ट्रस्ट
- महात्मा गांधी के विचार. दिल्लीः प्रकाशन विभाग
- गांधी, मो.क.(2012) मेरे सपनों का भारत. वाराणसीः सर्व सेवा संघ

- श्यौराज सिंह बेचैन, 2014 अम्बेडकर गांधी और दलित पत्रकारिता अनामिका पब्लिशर्स :नई दिल्ली .
- Dr. Babasaheb Ambedkar: The Architect of Modern India, 125th Birth Anniversary (Ed) RashtrasantTukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur
- Pradeep Aglave (2014). Dr Ambedkar on Nation and Nationalism. Nagpur: BSPK Book Publishing Company
- Dilip Kumar Jauhar (2014). Ambedkarism& Buddhism. Delhi: Ekta Prakashan
- Pradeep Hadke(Ed.) (2015). Dr. Babasaheb Ambedkar: Vision and 21stcentury. Nagpur: Dr Ambedkar Teachers' Welfare Association.

एम.ए.जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - IV
सतत् एवं समवेशी विकास संचार (मूल) (क्रेडिट –04)

इकाई- 1 **विकास : अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा**

- विकास का उद्देश्य, महत्त्व, कारक एवं तत्त्व
- सतत्एवंसमावेशीविकास
- विकसितएवंविकासशीलसमाज : स्वरूपएवंअंतर
- महात्मा गांधी का वैकल्पिक विकास मॉडल

इकाई- 2 **विकास के विभिन्न मुद्दे**

- गरीबी, भूख, शिक्षा, बेरोजगारी
- लैंगिक असमानता, महिला एवं बाल विकास
- निम्न जीवन स्तर,पर्यावरण एवं कृषि
- विकास सूचकांक- **HDI, GDP**
- संयुक्त राष्ट्र संघ और सतत् विकास लक्ष्य

इकाई- 3 **विकास संचार सिद्धांत**

- विकास संचार
- विकास सहयोगी संचार
- सहभागी विकास संचार
- निर्भरता का सिद्धांत
- नवाचार का विस्तार

इकाई- 4 **सतत् विकास - परियोजनाएं**

- सतत विकास की कार्यदायी संस्थाएँ - **UNDP, NITI**
- सतत् विकास की परियोजनाएं
- साइट और खेड़ा प्रोजेक्ट
- बांग्लादेश ग्रामीण बैंक
- सतत् विकास लक्ष्य एवं मीडिया की भूमिका

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- एक गाँव के विकास एवं वहाँ चल रहे विकास योजनाओं का अध्ययन।
- विकास सम्बंधी खबरों की रिपोर्टिंग करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- छात्र/ छात्राएँ विकास एवं संचार के अंतरसंबंध को समझेंगे।
- छात्र/छात्राएँ सतत विकास लक्ष्य एवं भारत के वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करेंगे।
- छात्र/ छात्राएँ गाँव के विकास में आए अवरोध एवं उसके निदान बेहतर समझ पाएँगे।

संदर्भ सूची

- डॉ सुशील त्रिवेदी & डॉ शशिकांत शुक्ल(2013). विकास संचार और पत्रकारिता, दिल्ली : प्रिया पुस्तक सदन
- राधेश्याम शर्मा (2014). विकास पत्रकारिता, केंद्रीय वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
- विकास संचार के विविध परिदृश्य – चंद्रा शेखर यादव, हिमाद्रि पब्लिकेशन
- Mass Communication In India, Kewal J. Kumar. Jaico Publication.
- Communication for Development in the Third World- Srinivas R Melkote and H Leslie Steeves. SagePublication
- Development Communication- Theory and Practice, Uma Narula ,Har Anand Publications
- India Development and Participation- Jean Dreze& Amartya Sen, Oxford University Press

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - V
विज्ञापन (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

इकाई-01 विज्ञापन: अवधारणा एवं विकास

1.1 विज्ञापन अर्थ :, परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व
1.2 विज्ञापन उद्भव एवं विकास
1.2 विज्ञापन के तत्त्व एवं कार्य
1.4 विज्ञापन एवं माध्यम चयन
1.5 विज्ञापन के प्रकार

इकाई :- 02 विज्ञापन: विपणन सिद्धांत एवं उपभोक्ता व्यवहार

2.1 विज्ञापन एवं विपणन संचार
2.2 विपणन सिद्धांत
2.3 आयडा सिद्धांत
2.4 डेगमार सिद्धांत
2.5 उपभोक्ता व्यवहार सिद्धांत

इकाई- 03 विज्ञापन: कॉपी लेखन एवं निर्माण तकनीक

3.1 प्रिंट विज्ञापन कॉपी लेखन
3.2 रेडियो विज्ञापन कॉपी लेखन
3.3 टीवी विज्ञापन कॉपी लेखन
3.4 टीवी, रेडियो विज्ञापननिर्माणतकनीक
3.5 आउटडोर विज्ञापन

इकाई- 04 विज्ञापन: एजेंसियों की संरचना व प्रक्रिया

4.1 विज्ञापन एजेंसी की संरचना
4.2 विज्ञापन एजेंसी के कार्य
4.3 विज्ञापन एजेंसी और ग्राहक संबंध
4.4 विज्ञापन की आचार संहिता
4.5 भारतीय विज्ञापन मानक परिषद

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- प्रिंट, रेडियो, टीवी तथा इंटरनेट मीडिया के विज्ञापनों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- प्रिंट, रेडियो, टीवी मीडिया के लिए कॉपी लेखन करना।
- प्रिंट, रेडियो, टीवी मीडिया के लिए विज्ञापन तैयार कर प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- विज्ञापन तकनीक का कौशल विकसित करना।
- विविध मीडिया के विज्ञापन कॉपी लेखन का कौशल विकसित करना।
- विविध मीडिया के विज्ञापन निर्माण की तकनीक की कुशलता विकसित करना।
- विज्ञापन उद्योग, विज्ञापन एजेंसी के क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।
- स्लोगन, जींगल तैयार करने की क्षमता विकसित करना।

संदर्भसूची

- विज्ञापन – सिद्धांत एवं प्रयोग: डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, माया प्रकाशन मंदिर, जयपुर
- एडवरटाइजिंग– आर्ट एण्ड आइडियाज़ : जी ,रेगे .एम. आशितोष प्रकाशन, मुंबई
- विज्ञापन– व्यवसाय एवं कला: रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, जयपुर
- जनसंपर्क एवं विज्ञापन– डॉ निशांत सिंह,राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- विज्ञापन निर्माण एवं प्रक्रिया– डॉ निशांत सिंह, रणविजय प्रकाशन, गाजियाबाद
- विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत– नरेंद्र सिंह यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
- Advertising and Promotion : An Integrated Marketing Communications Perspective George Belch and Michael Belch, 2015, 10th Edition, McGraw Hill Education
- Contemporary Advertising, 2017, 15th Edition, William Arens, Michael Weigold and Christian Arens, Hill Higher Education
- Kleppner's Advertising Procedure – Ron Lane and Karen King, 18th edition, 2011– Pearson a. Education Limited
- Advertising: Planning and Implementation, 2006– Raghuvir Singh, Sangeeta Sharma – Prentice Hall Advertising Management, 5th Edition, 2002– Batra, Myers and Aaker – Pearson Education
- Advertising Principles and Practice, - 2012Ruchi Gupta – S.Chand Publishing
- Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication.
- The Advertising Association Handbook - J. J. D. Bullmore, M. J. Waterson, - 1983Holt Rinehart & Winston
- Integrated Advertising, Promotion, and Marketing Communications, Kenneth E. Clow and Donald E. Baack, 5th Edition, 2012– Pearson Education Limited
- Kotler Philip and Eduardo Roberto, Social Marketing, Strategies for Changing Public Behaviour, 1989, The Free Press, New York.
- Confessions of an Advertising Man, David Ogilvy, 2012, Southbank Publishing
- Advertising, 10th Edition, - 2010Sandra Moriarty, Nancy D Mitchell, William D. Wells, Pearson

एम.ए.जनसंचार, द्वितीय सेमेस्टर ,प्रश्नपत्र- VI
(भारतीय संचारक)क्रेडिट-2

इकाई – 1

- अभिनव गुप्त
- रविन्द्रनाथ टैगोर
- स्वामी विवेकानंद
- मदनमोहन मालवीय

इकाई – 2

- डॉ. राज मनोहर लोहिया
- जय प्रकाश नारायण
- दीनदयाल उपाध्याय
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी

प्रायोगिकी/ गृह कार्य

- भारतीय संचारकों के अवदान का विस्तृत विवेचन
- संचार के सिद्धांतों एवं भारतीय दर्शन के अंतरसंबंधो काविवेचन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- छात्र/ छात्राएँ भारत की संचार एवं दर्शन के अंतरसंबंध को समझेंगे
- भारतीय संचारकों के योगदान को समझेंगे

संदर्भ सूची

- आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन – डॉ. बी.आर.पुरोहित, 2017 मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
- सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा – मो. क. गांधी, नवजीवन प्रकाशन
- हिंद स्वराज- महात्मा गांधी, नवजीवन प्रकाशन
- एकात्म मानववाद – दीनदयाल उपाध्याय, प्रभात प्रकाशन
- आधुनिक भारत के निर्माता- मदनमोहन मालवीय, सीताराम चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय
- प्रमुख राजनीतिक विचारक – वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - I

संचार शोध प्रविधि (मूल) (4 क्रेडिट)

इकाई-1 शोध की अवधारणा

1.1 शोध एवं मीडिया शोध की अवधारणा
1.2 वैज्ञानिक शोध के दृष्टिकोण
1.3 वैज्ञानिक शोध के तत्व
1.4 शोध के उद्देश्य एवं सीमाएं
1.5 सामाजिक शोध एवं मीडिया शोध में अंतर्संबंध

इकाई-2 शोध कार्यविधि

2.1 साहित्य पुनरावलोकन
2.2 चर-प्रकार, परिभाषा, अर्थ, महत्व
2.3 परिकल्पना (अर्थ, परिभाषा, प्रकार)
2.4 शोध विधियां (सर्वेक्षण, अंतर्वस्तु विश्लेषण, व्यक्तिक अध्ययन)
2.5 आकड़ा संग्रह उपकरण (प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार, अवलोकन)

इकाई-3 शोध अभिकल्प

3.1 गुणात्मक शोध एवं मात्रात्मक शोध व मिक्स्ड मेथड
3.2 मौलिक एवं अनुप्रयुक्त शोध
3.3 वर्णात्मक एवं विश्लेष्णात्मक शोध
3.4 अनुभवजन्य एवं वैचारिक शोध
3.5 निदर्शन

इकाई -4 आकड़ों का विश्लेषण एवं विवेचन

4.1 फीडबैक स्टडी, फीडफॉरवर्ड स्टडी, फोकस ग्रुप स्टडी,
4.2 डाटा के प्रकार (प्राथमिक डाटा एवं द्वितीय डाटा) (नोमिनल, ओर्डिनल, स्केल, रेश्यो)(पैरामीट्रिक, नॉन-पैरामीट्रिक) (गुणात्मक एवं मात्रात्मक)
4.3 डाटा प्रोसेसिंग (कोडिंग, वर्गीकरण, सारणीकरण)

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- शोध दृष्टि विकसित कराना
- शोध पेपर प्रस्तुत कराना
- माइनर प्रोजेक्ट तैयार करना
- शोध पेपर लिखना
- रिसर्च डिजाइन बनाना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- जनसंचार शोध प्राविधि का परिचय एवं अनुप्रयोग कराना.
- पत्रकारिता में शोध की उपयोगिता से परिचय कराना.
- मीडिया के विभिन्न विषयों एवं मुद्दों पे शोध करने हेतु सही प्राविधि एवं तकनीक का उपयोग करने हेतु प्रशिक्षण

संदर्भ सूची

- मीडिया शोध – डॉ. मनोज दयाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला , 2003
- अनुसंधान परिचय–सी. पी. पारसनाथ राय एवं भटनागर चंद लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा, 1973
- सामाजिक अनुसंधान– सुरेन्द्र सिंह, उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमि 1995

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - II

फोटो पत्रकारिता एवं तकनीक (मूल) (4 क्रेडिट)

इकाई 1: फोटो पत्रकारिता की अवधारणा

1.1 फोटो पत्रकारिता की विकास यात्रा
1.2 फोटो पत्रकार के गुण एवं दायित्व
1.3 फोटो पत्रकारिता की चुनौतियां
1.4 फोटो पत्रकारिता की सावधानियां
1.5 फोटो पत्रकारिता का महत्व

इकाई 2: कैमरे का परिचय एवं तकनीकी

2.1 फोटो कैमरे का परिचय
2.2 लेंस का परिचय एवं प्रकार
2.3 कैमरा शटर स्पीड
2.4 कैमरा अपर्चर
2.5 आईएसओ सेंसर

इकाई 3: फोटो पत्रकारिता का तकनीकी पक्ष

3.1 कैमरा एंगल
3.2 कैमरा शॉट्स के प्रकार
3.3 शॉट्सफ़्रेम एवं कंपोजीशन
3.4 लाइटिंग तकनीक : 1/2/3/ लाइटिंग
3.5 लाइटिंग स्रोत : प्राकृतिक, कृतिम

इकाई 4: फोटो संपादन प्रक्रिया

4.1 फोटो संपादन : प्रमुखसॉफ्टवेयर का परिचय
4.2 फोटो संपादन तकनीक एवं उपकरण
4.3 फोटो संपादन की विशेषताएं
4.4 फोटो चयन प्रक्रिया
4.5 विभिन्न उपयोग हेतु फोटो फॉर्मेट

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- फोटोग्राफी के लिए कैमरा हैंडलिंग
- फोटो खीचने का अभ्यास
- फोटो शीर्षक लेखनका अभ्यास
- फोटो संपादनका अभ्यास

- फोटो फीचर का निर्माण
- फोटो प्रदर्शनी का आयोजन एवं फोटोग्राफी हेतु क्षेत्र भ्रमण।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- उक्त कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया संस्थानों में कैरियर के विकल्प चुनने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी प्रेस रिपोर्टर, फोटो संपादक, फोटो फीचर संपादक के साथ साथ फोटोग्राफी के क्षेत्र में-भी फ्रीलांस फोटोग्राफर के रूप में कैरियर बना सकता है वह स्वयं भी फोटोग्राफी का व्यवसाय आरंभ कर सकता है

संदर्भ सूची

- डिजिटल फ़ोटोग्राफ़ी (हिंदी),लेखक-विशनू प्रिया सिंह,प्रकाशक- कम्प्यूटेकप्रकाशन लिमिटेड, दिल्ली,इंडिया।
- फोटोग्राफी तकनीक और उपयोग, लेखक-नरेंद्र सिंह यादव,प्रकाशक-राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी ,राजस्थान, इंडिया।
- प्रैक्टिकल फोटोग्राफी डिजिटल कैमरा स्कूल: महान चित्र लेने के लिए कदम दर कदम गाइड,लेखक -कार्लटन बुक्स,प्रकाशक- कार्लटन बुक्स लिमिटेड,लंदन।
- डिजिटल फोटोग्राफी (हिंदी),लेखक-रियाज हसन,प्रकाशक- बूक एन्क्लेव, जयपुर, राजस्थान, इंडिया।

एम.ए.जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र –III

राजनीतिक संचार (मूल) (क्रेडिट - 02)

इकाई -1 राजनीतिक संचार – अवधारणा एवं तकनीक

- राजनीतिक संचार
- जनमत निर्माण
- प्रॉपगैंडा एवं परसुएसन
- मैन्युफ़ैक्चरिंग कन्सेंट

इकाई -2 राजनीतिक संचार -सिद्धांत

- एजेंडा सेटिंग सिद्धांत
- फ्रेमिंग सिद्धांत
- मीडियाकरण सिद्धांत
- राजनीतिक ब्रांडिंग

इकाई -3

- चुनाव प्रचार
- राजनीतिक विज्ञापन
- मतदान व्यवहार
- चुनाव आयोग

इकाई - 4

- ई- राजनीति
- सूडो– इवेंट्स
- हेट स्पीच
- मीडिया साक्षरता

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- हाल के किसी चुनावी प्रचार प्रसार का अध्ययन।
- राजनीतिक विज्ञापनों का अध्ययन।
- जनमत निर्माण तकनीक का अध्ययन

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- राजनीतिक संचार की समझ छात्रों को ज़्यादा मीडिया साक्षर बनाएगी।
- चुनावी प्रचार प्रसार को बेहतर समझेंगे।
- जनमत निर्माण के तकनीकों को समझेंगे।

संदर्भ सूची –

- राजनीतिक समाजशास्त्र की रूपरेखा – शशि शर्मा, राजकमल इलेक्ट्रिक प्रेस, द्वितीय संस्करण
- Lillekar, D.G. (2009). Key Concepts in Political Communnication. Los Angeles: Sage.
- Kaid, L. L.&Holtz-Bacha, C. (2008). Encyclopedia of Political Communication. Los Angeles: Sage publication
- McNair, B. (2011). An introduction to Political Commnication. London: Routledge
- Kaid, L. L. &Holtz-Bacha (2004) C. Handbook of Political Communication Research. London: Lawrence Associate Publishers

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र- IV

मीडिया प्रबंधन (मूल) क्रेडिट-04

इकाई-1 प्रबंधन: अवधारणाएवं सिद्धांत

1.1 प्रबंधन की अवधारणा

1.2 प्रबंधन के सिद्धांत एवं कार्य

1.3 प्रबंधन के स्तर

1.4 प्रबंधकीय संचार

1.5 संगठनात्मक व्यवहार

इकाई-02 मीडिया स्वामित्व का स्वरूप एवं प्रकार

2.1 मीडिया स्वामित्व के प्रकार: एकल,संयुक्त पूंजी कंपनी, ट्रस्ट, सोसायटी

2.2 चैन स्वामित्व

2.3 क्रॉस मीडिया स्वामित्व

2.4 कॉगलोमरेट स्वामित्व

2.5 वर्टिकल इंटिग्रेसन

इकाई-3 मीडिया स्वामित्व : समकालीन परिदृश्य

3.1 मीडिया स्वामित्व एवं मीडिया स्वतंत्रता

3.2 मीडिया स्वामित्व और भारतीय मीडिया परिदृश्य

3.3 मीडिया स्वामित्व संबंधी नीतियां

3.4 मीडिया स्वामित्व एवं मीडिया एकाधिकार

3.5 मीडिया स्वामित्व एवं वैश्विक परिदृश्य

इकाई-4 मीडियाप्रबंधन

4.1 मीडिया संगठन का प्रबंधकीय स्वरुप

4.2 मीडिया का संगठनात्मक स्वरूप एवं प्रबंधन

4.3 मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन

4.4 विपणन प्रबंधन,विज्ञापन प्रबंधन

4.5 जनसंपर्क प्रबंधनइवेंट प्रबंधन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- विविध मीडिया संस्थाओं के स्वामित्व पद्धति का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- मीडिया संस्थाओं के प्रबंधन पद्धति का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम -

- प्रबंधकीय कुशलता विकसित करना।

- मीडिया प्रबंधन के रूप कार्य हेतु तैयार करना।
- मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु तैयार करना।

संदर्भ सूची

- आधुनिक मीडिया प्रबंधन– डॉ भगवान देव पाण्डेय और मिथिलेश कुमार पाण्डेय, तक्षशीला प्रकाशन**,** नई दिल्लीAgrawal, R.D.Organization and Management- TMH, New Delhi
- Stoner and Freeman, Management, Prentice Hall, N. Delhi.
- Koontz, O' Donnell Wechrich, Principles of Management, McGraw Hill, New York.
- Peter F. Drucker, The Practice of Management, Allied Publishers.
- Massie, Essentials of Management, AITBS, New Delhi.
- Terry and Franklin,Principles of Management, AITBS, New Delhi.
- Luthans Fred, Organizational Behaviour.,New York, McGraw Hill.
- Robbins S.P., Organizational Behaviour, New Delhi, PHI.
- Davis Keith, Human Behaviour at Work, TMH, New Delhi
- Pareek Udai, Organizational Behaviour, Oxford, IBH, Mumbai
- Hersey Paul and Blanchard, Management of Organizational Behaviour,Prentice Hall of India, New Delhi.
- Uma Shekharan, Organization Behaviour, TMH, New Delhi.
- . Dwivedi, R.S. Human Relations and Organizational Behaviour, Galgotia,New Delhi.
- Advertising and Promotion : An Integrated Marketing Communications Perspective George Belch and Michael Belch, 2015, 10th Edition, McGraw Hill Education
- Strategic Brand Management – Kevin Lane Keller, 4th Edition, 2013 – Pearson Education Limited
- Advertising: Planning and Implementation, 2006 – Raghuvir Singh, Sangeeta Sharma – Prentice Hall
- Advertising Management, 5th Edition, 2002 – Batra, Myers and Aaker – Pearson Education
- Brand Equity & Advertising- Advertising's role in building strong brands, 2013- David A. Aker, Alexander L. Biel, Psychology Press
- Brand Positioning – Strategies for Competitive Advantage, Subroto Sengupta, 2005, Tata McGraw Hill Publication.
- Integrated Advertising, Promotion, and Marketing Communications, Kenneth E. Clow and Donald E.
- Bell A. H. and Dayle Smith 1999 Management Communication, Singapore: John Wiley & Sons (Asia) Pvt. Ltd.

एम.ए.जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्नपत्र -V

रचनात्मक एवं समसामयिक मुद्दों पर लेखन (ऐच्छिक) (क्रेडिट 04)

इकाई एक : रचनात्मक लेखन की अवधारणात्मक पहलू

- रचनात्मक लेखन :आशय, आवश्यकता एवं आधार
- मीडिया में उपयुक्त प्रमुख रचनात्मक लेखन के तत्व
- रचनात्मक लेखन संबंधी संरचना व आख्यान निर्माण विधि
- सूचनायुग में रचनात्मक लेखन की भाषा एवं शैली
- रचनात्मक लेखन की विशिष्टताएं एवं प्रयोग तकनीक

इकाई दो : समकालीन सामाजिकमुद्दे और लेखन

- शिक्षा, ज्ञान, नवाचार एवं राजनीतिक श्रंखला
- पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं परिस्थितिकी
- मानव अधिकार, संवेदना एवं संरक्षण
- जेंडरव संबंधित संवेदनशील प्रकरण
- श्रम, मानव संसाधन एवं रोजगार व कौशल विकास के परिदृश्य

इकाई तीन : आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दे: अवलोकन, समीक्षा एवं लेखन दृष्टि

- प्रमुख आर्थिक एवं वित्तीय उपक्रम एवं प्रकरण
- उद्योग, अर्थव्यवस्था, बजट एवं बैंकिंग क्षेत्र
- लोक एवं निजी क्षेत्र के वित्तीय उपक्रम
- अंतरराष्ट्रीय निवेशएवं विश्व व्यापार
- कॉरपोरेट जगत और उत्तरदायी शासन

इकाई चार: अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे और उपयुक्तलेखन

- अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि में भारत एवं विश्व संगठन
- एशिया में भारत और पड़ौसी राष्ट्र
- वैश्विक स्तर परयोग एवं खेल
- भारतीय संस्कृति, विश्व पर्यटन एवं सांस्कृति धरोहर
- सिनेमा एवं वृत्त चित्र हेतु लेखन

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- विभिन्न जनमाध्यमों के आलोक में रचनाधर्मिता की समझ विकसित करना.
- समसामयिक चर्चा के विषयों पर रचनात्मक लेखों एवं प्रस्तुतियों के समानान्तर लेखन कार्य को विकसित करना .
- रचनात्मक विषयों पर सामग्री संकलन, मानक लेखन एवं संपादन के अभयास का सतत कार्य कराना.
- स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मीडिया लेखन का अवलोकन.
- समीक्षात्मक एवं तुलनात्मक तरीकों से रचना संसार को संचार माध्यमों के बीच खोजना .
- लेखन की नवीन शैली को विकसित करना तथा बहुआयामी जनमाध्यमों हेतु लेखन उपक्रम को विकसित करना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम -

भारतीय मीडिया के लिए मानक उत्कृष्टता के लेखनकार्य हेतु प्रशिक्षित विद्यार्थी की उपलब्धता. मीडिया संस्थानों के समानान्तर उच्च गुणवता की प्रशिक्षण शैली द्वारा विद्यार्थियों में निपुणता. लेखकीनय उपक्रम हेतु राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय एवं डिजिटल अभिव्यक्ति हेतु व्यक्तिगत कार्यों हेतु दक्षतायुक्त मानव संसाधन का निर्माण.

संदर्भ सूची

- भारतीय स्वंतत्रता आंदोलन का इतिहास–डॉ. तारा चंद्र, प्रकारशन विभाग 1978
- भारतीय संविधान– सुभाष कश्यप, नैशनल बुक ट्रस्ट - 2010
- भारत – 2020 प्रकाशन विभाग
- राष्ट्रीय महिला आयोग वार्षिकी रिपोर्ट
- समसामयिक पत्र पत्रकाएँ

एम.ए. जनसंचार, तृतीय सेमेस्टर, प्रश्न पत्र- VI
पत्रकारिता की नवीन शैलियाँ (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

इकाई : 1

- अम्बुश पत्रकारिता)Ambush Journalism)
- एडवोकेसी पत्रकारिता (Advocacy Journalism)
- बैकपैक पत्रकारिता (Backpack Journalism)
- बैंडवैगन पत्रकारिता (Bandwagon Journalism)
- चेकबुक पत्रकारिता (Checkbook Journalism)

इकाई : 2

- चुर्नालिज्म (Churnalism)
- सहयोगी पत्रकारिता (Collaborative Journalism)
- कॉमिक्स पत्रकारिता (Comics Journalism)
- कम्प्यूटेशनल पत्रकारिता (Computational Journalism)
- डाटा पत्रकारिता (Data Journalism)

इकाई : 3

- एंबेडेड पत्रकारिता (Embedded Journalism)
- एंटरप्राइज़ पत्रकारिता (Enterprise Journalism)
- गोंज़ो पत्रकारिता (Gonzo Journalism)
- विसर्जन पत्रकारिता (Immersion Journalism)
- शांति पत्रकारिता (Peace Journalism)

इकाई : 4

- सकारात्मक पत्रकारिता (Positive Journalism)
- सनसनीखेज पत्रकारिता (Sensational Journalism)
- वॉचडॉग पत्रकारिता (Watchdog Journalism)
- संदर्भ विहीन पत्रकारिता
- ब्रेल पत्रकारिता

प्रायोगिकी/गृहकार्य

- पत्रकारिता में नवीन शैली का प्रशिक्षण देना
- पत्रकारिता में नवीन शैली का प्रयोग करना ।
- प्रिंट, इलेक्टोनिक एवं सोशल मीडिया में पत्रकारिता के नए ट्रेंड्स के प्रभाव को जानना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम -

1. पत्रकारिता की नवीन शैलियों से अवगत कराना एवं अनुप्रयोग कराना।
2. मीडिया लेखन के सभी रूपों के संपादन के बारे में छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना।

संदर्भ सूची

- खोजी पत्रकारिता – एच भीष्मपल .प्रकाशन विभाग -1988
- भारतीय कार्टून कला – डॉ॰ बीना बंसल, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी - 2015
- ब्रेकिंग न्यूज- पूण्य प्रसून वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- साइबर पत्रकारिता-विजय कुल श्रेष्ठ, राजस्थानहिंदी ग्रंथ अकादमी , 2012
- क्लास रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन कानपुर, 2014

एम.ए.जनसंचार,चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - I
सांस्कृतिक संचार (मूल) (क्रेडिट - 04)

इकाई -1 संस्कृति – अवधारणा

- संस्कृति: अर्थ, परिभाषा, अवधारणा
- संस्कृति के मूलभूत तत्व
- अंतर सांस्कृतिक संचार
- लोकप्रिय संस्कृति

इकाई -2 संस्कृति, विचारधारा और वर्चस्ववाद

- शासनकर्ता वर्ग एवं सत्तारूढ़ विचार
- विचारधारा
- वर्चस्ववाद – एंटोनियो ग्राम्सी
- सांस्कृतिक उद्योग – मैक्स होर्कहाईमर एवं थीयडॉर एडोर्नो

इकाई -3 मीडिया एवं सांस्कृतक अध्ययन

- संचार की संस्कृति
- साइबर संस्कृति
- संचार और उपभोक्तावाद की संस्कृति
- सांस्कृतिक पहचान सिद्धांत

इकाई -4 सांस्कृतिक दृष्टि

- महात्मा गांधी
- पंडितदीनदयालउपाध्याय
- स्टूअर्ट हॉल
- फ्रैंकफ़र्ट स्कूल

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- सिनेमा, टीवी, विज्ञापन द्वारा लोकप्रिय संस्कृति के निर्माण की प्रक्रिया को उदाहरण सहित विश्लेषण
- सांस्कृतिक उद्योग में संचार की भूमिका का विश्लेषण।
- गांधी एवं दीनदयाल उपाध्याय की सांस्कृतिक दृष्टि का विश्लेषण

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- छात्र संस्कृति की अवधारणा समझेंगे।
- छात्र संचार की संस्कृति एवं सांस्कृतिक उद्योग को समझेंगे।
- छात्र भारतीयों संचारकों के सांस्कृतिक दृष्टि को समझेंगे।

संदर्भ सूची

- संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर, जनवाणी प्रिंटर एंड पब्लिशर्स https://bestmotivationalstoryhindi.files.wordpress.com/2017/02/skca.pdf
- हिंद स्वराज- महात्मा गांधी, नवजीवन प्रकाशन
- एकात्म मानववाद – दीनदयाल उपाध्याय, प्रभात प्रकाशन
- An Introduction to Cultural Studies- Pramod K Nayar, Viva Books
- Media and Cultural Studies- Meenakshi Gigi Durham, Douglas M. Kellner, Blackwell Publishing
- The Media and Cultural Production- P. Eric Louw, Sage Publication
- Cultural Sociology- Lyn Spillman, Blackwell Publishers
- Cultural Theory and Popular Culture- John Storey, Pearson Longman

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्नपत्र II
भारतीय ज्ञान परंपरा और संचार (मूल) क्रेडिट- 04

इकाई 1 भारतीय ज्ञान परंपरा : अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा

- भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा
- भारतीय ज्ञान परंपरा का स्वरूप
- भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्त्व
- भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रक्रिया
- वर्तमान संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका

इकाई 2 भारतीय ज्ञान परंपरा और संचार

- संचार की भारतीय परम्परा और तत्व
- भारतीय ज्ञान परंपरा की संचारिक दृष्टि
- संचार की वैदिक दृष्टि
- संचार की उपनिषदयी दृष्टि
- संचार की लोक दृष्टि

इकाई 3 भारतीय ज्ञान परंपरा और प्रमुख संचारक

- आदि संचारक नारद
- महर्षि पाणिनि
- गौतम बुद्ध
- भरत मुनि
- कबीर
- महात्मा गांधी
- महर्षि अरविंद

इकाई 4 जनमाध्यमा और भारतीय संस्कृति

- ज्ञानात्मक संवाद की भारतीय परम्पराएं
- देशज ज्ञान परम्पराएं एवं प्रासंगिकता
- भारतीय ज्ञान परम्परा की वैश्विक परिपाटी
- जीवन शैली का स्थापत्य और भारतीय प्रारूप
- जीवन अनुसंधान की भारतीय दृष्टियों

प्रायोगिकी/गृह कार्य –

- पारंपरिक एवं देशज ज्ञान का प्रबोधन व साहित्य अध्ययन एवं अवलोकन.
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत का प्रारूप व अनुसंधानात्कदृष्टि से लेखन.
- संचार और वैदिक, उपनिषदीय व सूत्र संहिताओं से ज्ञान मीमांसा के तत्वोंका अवलोकन .

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- समकालीन जीवन दर्शन हेतु भारतीय ज्ञानात्मकता का बोध लेखन.
- परंपराओं की वर्तमान प्रासंगिकता के क्षेत्रों की व्याख्या.
- लोक दृष्टि व संचारकों की भूमिका एवं दृष्टियों का सूत्रपात
- विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा का बोध करानानों से एवं संवाद की समृद्ध विरासत व आख्यात्त्वों निहित संचार . त्मिक संचारकों की दृष्टियों को आध्या में उपलब्धदेजश ज्ञान एवं वैदिक व उपनिषदीय साहित्य .परिचित कराना प्रम .विकसित करानाःुख भारतीय परंपरा के आध्यात्मिक संचारकों की दृष्टि का बोध करानारत विद्यार्थियों में भा . .बोध विकसित करना

संदर्भ सूची–

- संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
- संचार मी विवेकानंदअवधारणा एवं प्रक्रिया स्वा :, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय , भोपाल.
- भारतीयता की पहचान, विद्यानिवास मिश्र (2016) दिल्ली : वाणी प्रकाशन
- वैदिक संपत्ति, पं. रघुनंदन शर्मा (1932) गोंविदराम हासनंद, 4408, नई सड़क, दिल्ली -06,
- संचार अवधारणा एवं प्रक्रिया महर्षि पाणिनि :, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
- भारतीय ज्ञान परंपरा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
- आदि पत्रकार नारद का संचार दर्शन, डॉओमप्रकाश सिंह ., अर्चना प्रकाशन, भोपाल
- संचार अवधारणा एवं प्रक्रिया महर्षि अरविंद :, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल.
- Indian Tradition & Communication, Dr Nirmala Mani Adhikary, MCNUJ&C, Bhopal.

एम.ए.जनसंचार,चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्नपत्र - III

मीडिया प्रोडक्शन (प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक/प्रायोगिक) (मूल) (क्रेडिट - 04)

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र- IV

परियोजना कार्य एवं मौखिकी (क्रेडिट - 04)

मीडिया संबंधी सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन, समकालीन विषय, मुद्दे, विशिष्ट व्यक्तित्व, संस्थानों एवं क्षेत्र पर शोध कार्य का लेखन।

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र संख्या – V
ग्रामीण संचार (ऐच्छिक) क्रेडिट- 04

इकाई-1 गांव की अवधारणा

- गांव की अवधारणा
- ग्रामीण जीवन
- गांव और शहर में अंतर
- ग्रामीण सामाजिक ढांचा
- ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाएँ

इकाई-2 ग्रामीण संचार के मूल तत्व

- ग्रामीण संचार : उद्भव एवं विकास
- ग्रामीण पत्रकारों के दायित्व
- ग्रामीण पत्रकारिता के आयाम
- ग्रामीण पत्रकारिता के बाधक तत्व
- ग्रामीण पत्र पत्रिकाएँ

इकाई-3 परंपरागत संचार के प्रकार

- परंपरागत अंत: व्यक्ति संचार
- परंपरागत अंर्तव्यक्ति संचार
- परंपरागत समूह संचार
- परंपरागत जनसंचार

इकाई-4 प्रमुख परंपरागत माध्यम

- संगीत, नृत्य
- नाटक, वाद्ययंत्र
- मूर्ति, चित्रकला, पेंटिंग
- पर्व एवं त्यौहार
- ग्रामीण खेल

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- गाँव का भ्रमण कराना
- वॉल पत्र निकालना
- ग्रामीण आयोजन का अवलोकन करना
- ग्रामीण संचार की समस्या के बारे में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कराना
- ग्रामीण विकास का आकलन करना

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

1. ग्रामीण पत्रकारिता के स्वरूप का ज्ञान करना।
2. भारतीय संस्कृति की समझ विकसित करना।
3. ग्रामीण विकास के स्वरूप को जानना।

संदर्भ सूची :

- भारतीय संस्कृति– साने गुरुजी
- ग्रामीण क्षेत्र की पत्रकारिता – डॉ रेणुका नैयर .हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, 2002
- संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
- भारत की राष्ट्रीय संस्कृति– एस आविद हुसैन .नेशनल बुक ट्रस्ट, 2010
- भारतीय संगीत की परंपरा– मंजीरी जोशी,नैशनल बुक ट्रस्ट, 2013

एम.ए. जनसंचार, चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र संख्या – VI
मोबाइल पत्रकारिता (ऐच्छिक) क्रेडिट- 02

इकाई 1:मोबाइल पत्रकारिता : आगमन एवं विकास

- मोबाइल तकनीक की विकास यात्रा
- मोबाइल पत्रकारिता और तकनीक एवं सावधानियां
- मोबाइल पत्रकारिता का प्रभाव
- मोबाइल पत्रकारिता का भविष्य एवं चुनौतियां
- मोबाइल पत्रकारिता के प्रमुख उपयोगी एप्प

इकाई 2: मोबाइल पत्रकारिता: तकनीक एवं कार्य स्वरूप

- मोबाइल पत्रकारिता के आवश्यक तकनीकी संसाधन
- मोबाइल न्यूज गेदरिंग की सावधानियां
- मोजो उपकरण चेक लिस्ट
- मोबाइल पत्रकारिता हेतु संपादन
- मोजो प्रसारण

प्रायोगिकी/ गृह कार्य

- मोबाइल तकनीक के संबंध में कार्य
- मोबाइल पत्रकारिता पर लेखन कार्य
- मोजो न्यूज गेदरिंग व कैमरा हैंडलिंग में अनुभव
- ऑनलाइन प्रयोग द्वारा सोशल मीडिया सहित मोजो के प्रायोगिक कार्य

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम

- आधुनिक मीडिया की नवाचार तकनीक में कार्य करने में सक्षम
- मोबाइल पत्रकारिता की कार्यशैली से तकनीकी दक्षता का ज्ञान
- मोजो तकनीकी एवं साफ्टवेयर पर कार्य प्रशिक्षण से तकनीकी रूप से सक्षम
- नए युग की पत्रकारिता में तकनीकी ज्ञान में बेहतर

संदर्भ सूची:

- इंटरनेट पत्रकारिता,लेखक- सुरेश कुमार,प्रकाशक- तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जनमाध्यम और भारतीय संस्कृति,लेखक-धरवेश कठेरिया,प्रकाशक- शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
- मोबाइल-फ़र्स्ट जर्नलिज्म: सोशल और इंटरेक्टिव मीडिया,लेखक-स्टीव हिल एवं पॉल ब्रैडशॉ ,प्रकाशक- रूटलेज,लंदन, यूनाइटेड किंगडम।

विस्तृत पाठ्यविवरण
(Detailed Syllabus)

बी.एड.(दूर शिक्षा)
B.Ed. (Distance Education)



शिक्षा विभाग (दूर शिक्षा निदेशालय)

(Department of Education: Dirocteret of Distance Education)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

प्रस्तावना

शिक्षा एवं साक्षरता निर्विवादित रूप से किसी भी समाज के विकास के मापदंड एवं मानदंड के तौर पर देखी जाती रही है। कहा जाता है कि देश के प्रारब्ध का निर्माण उसकी कक्षाओं में होता है। ऐसी स्थिति में देश के प्रारब्ध-निर्माण में शिक्षक की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसीलिए कहा गया है कि - किसी समाज की गुणवत्ता का स्तर उसके शिक्षकों के स्तर से प्रतिबिम्बित होता है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की रूपरेखा के निर्धारण का सुदीर्घ इतिहास रहा है एवं विभिन्न कालखंडों में, विभिन्न विचारधाराओं के प्रादुर्भाव एवं प्रभाव के साथ साथ, शैक्षिक प्रक्रिया एवं पाठ्यचर्या के सन्दर्भ में सम्पूर्ण शैक्षिक उपक्रम के साथ साथ अध्यापक-शिक्षा के साथ भी अनगिनत प्रयोग होते रहे हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीय संविधान में शिक्षा को मूल अधिकार का दर्जा दिया गया है। इसके साथ-साथ नीतिगत दस्तावेजों में शिक्षा को बाल-केन्द्रित, अनुभव आधारित एवं स्वतंत्र चेतना के विकास में उत्प्रेरक के रूप में देखा गया है। समय-समय पर राष्ट्रीय स्तर पर एवं राज्यों में विद्यालयी पाठ्यचर्या के पुनरावलोकन और पुनरीक्षण के माध्यम से इन मूल्यों के पोषण का प्रयत्न भी किया जाता रहा है। अध्यापक शिक्षा की रूपरेखा पर भी समय-समय पर विद्यालयी शिक्षा के सन्दर्भ में किये गए प्रयोगों एवं पुनरीक्षणों का प्रभाव पड़ा है। यद्यपि यह प्रभाव अभी भी अधिकतर सैद्धांतिक रूप से नीतिगत दस्तावेजों तक ही सीमित रहा है। शिक्षक-प्रशिक्षण अथवा अध्यापक शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर बने पाठ्यक्रम एवं उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन के माध्यम से अभी तक अध्येता पूर्व-स्थापित विद्यालयी व्यवस्था में समायोजित होने भर के लिए ही तैयार किये जाते हैं। वर्तमान विद्यालयी व्यवस्था में सकारात्मक रूप से परिवर्तन हेतु हस्तक्षेप के लिए शायद ही कोई शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम या अध्यापक शिक्षा की रूपरेखा प्रभावी भूमिका निभाती हो।अबतक के शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षकों को मात्र कुछ सूचनाओं एवं शिक्षण के यांत्रिक प्रकृति के कौशलों से युक्त कर देना भर होता रहा है। इन कार्यक्रमों में न तो विद्यालय एवं समाज से जुड़े व्यापक और समसामयिक मुद्दों पर चर्चा करने का पर्याप्त अवसर होता था, न ही नए प्रकार के शैक्षणिक अनुभवों एवं विमर्श के लिए समुचित संभावना। विगत कुछ वर्षों में सैद्धांतिक रूप से भले ही छात्र-केन्द्रित शिक्षा प्रक्रिया की चर्चा होने लगी है, तथापि अध्येता अंततः उसी पुरानी विद्यालयी व्यवस्था के यंत्रवत अंग हो जाते रहे हैं जहां पर येन-केन-प्रकारेण परीक्षा के पूर्व तक किसी प्रकार पाठ्यक्रम के समापन की संस्कृति विद्यमान है। जहाँ शिक्षक द्वारा हस्तांतरित ज्ञान को बिना प्रश्न किये स्वीकार कर लेने की परंपरा अन्तर्निहित है। अध्यापक-शिक्षा के अब तक प्रचलित कार्यक्रमों में पाठ्यचर्या, विषयवस्तु, विषयानुशासन की प्रकृति एवं पाठ्यक्रम में भाषा की केन्द्रीयता पर विमर्श की पर्याप्त संभावना नहीं रही है, न ही ज्ञान के निर्माण की दिशा में किये जाने योग्य प्रयत्न के लिए समुचित अवसर प्रतीत होते हैं। अधिकतर शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षु शिक्षकों के मौलिक चिंतन एवं अनुभवों की अभिव्यक्ति के पर्याप्त अवसर की कमी रही है। इन सब का परिणाम विद्यालयों के वर्तमान शैक्षिक स्वरूप पर दिखाई देता है।

वर्तमान शैक्षिक विमर्शों में शिक्षकों की भूमिका में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। पहले की शिक्षक-केन्द्रित कक्षा की केन्द्रीय सत्ता से हटकर शिक्षक की भूमिका उस मार्गदर्शक के रूप में देखी जाने लगी है जो ज्ञान का हस्तांतरण करने की जगह छात्रों के ज्ञान निर्माण करने के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण करता है एवं उनके सीखने की प्रक्रिया में सहायक की भूमिका निभाता है। शिक्षक की भूमिका का यह स्वरूप वर्तमान शिक्षक पर और अधिक उत्तरदायित्व डालता है। ज्ञान की निर्माणवादी विचारधारा शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में छात्रों की अधिक सक्रिय भूमिका को इंगित करती है जिसमें समुचित प्रेरणा प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। वर्तमान विमर्श में शिक्षक की भूमिका स्वयं सतत ज्ञान की खोज करने वाले जिज्ञासु के रूप में, अनुसंधानकर्ता के रूप में, छात्रों की जिज्ञासा के उत्प्रेरक के रूप में देखी जाती है। यह अपेक्षा की जाती है कि शिक्षक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय एवं शिक्षाशास्त्रीय अवधारणाओं के व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझे एवं तदनुसार सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया में स्वयं की भूमिका को

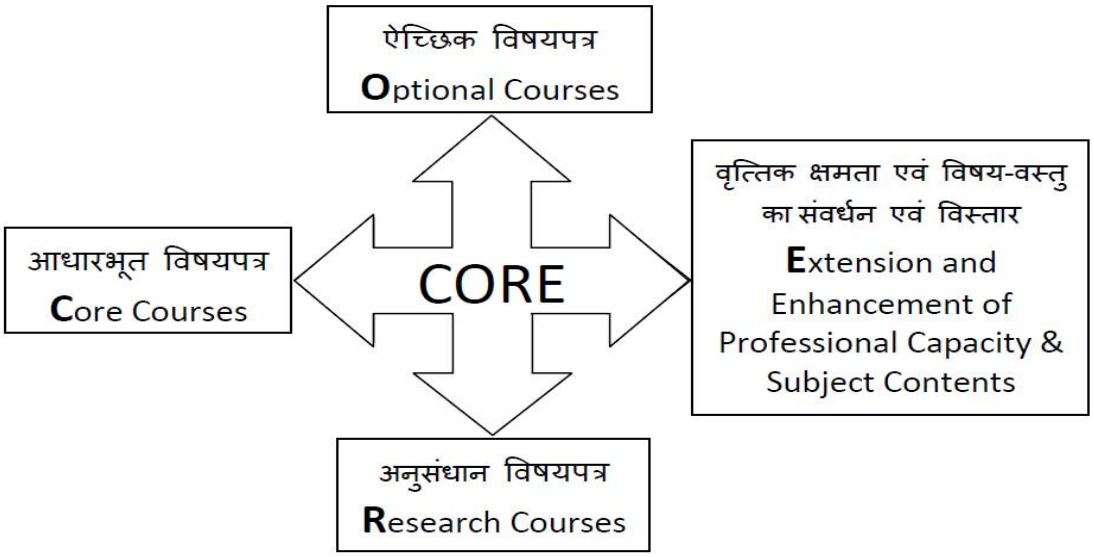
आत्मसात करे। इसके साथ ही शैक्षिक प्रक्रियाओं पर छात्र एवं शिक्षक के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सन्दर्भों के प्रभाव की समझ एवं संवेदनशीलता भी वर्तमान शैक्षिक सरोकार के अपरिहार्य तत्व हैं, जिसपर अध्यापक-शिक्षा की पाठ्यचर्या में एवं शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न स्तरों पर समुचित विमर्श की संभावना होनी चाहिए।

यह समस्त मीमांसा, अध्यापक-शिक्षा की पाठ्यचर्या में आमूल-चूल परिवर्तन की अपेक्षा करती है, जिसे ध्यान में रखते हुए बी.एड. की इस नयी पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम का निर्माण हुआ है। इस पाठ्यचर्या के निर्माण में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) द्वारा सुझाए गए बी.एड. पाठ्यचर्या की रूपरेखा के साथ-साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम(CBSE)' संबंधी दिशानिर्देशों को भी ध्यान में रखा गया है. यह प्रयास किया गया है कि छात्र अध्यापक शिक्षा के आधारभूत अवयवों के साथ-साथ अन्य अनुशासनों से भी अपनी रूचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकें एवं इस प्रकार अपने ज्ञान एवं शैक्षिक अनुभव का समुचित संवर्धन एवं विस्तार कर सकें। यह अपेक्षित है कि यह पाठ्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति में सक्षम हो:

- अध्येता शिक्षा एवं शैक्षिक प्रक्रिया के विभिन्न अवयवों के दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, एवं शिक्षाशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य को समझ सकें एवं तदनुसार अपने अनुभवों एवं अंतर्दृष्टि का समुचित संवर्धन एवं विस्तार कर सकें।
- प्रशिक्षु साझे अनुभव से होने वाले ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया की विशिष्टता को व्यक्तिगत अनुभव से समझें एवं छात्रों के सीखने की प्रक्रिया के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण कर सकारात्मक रूप से उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकें।
- शिक्षकों की सृजनात्मक क्षमता का समुचित विकास हो एवं उनमें नवाचार की प्रवृत्ति विकसित हो। साथ ही क्रियात्मक अनुसंधान के लिए उनमें आवश्यक तत्परता आए।
- शैक्षिक आकलन एवं मूल्यांकन का सीखने की प्रक्रिया के साथ सार्थक संबंध हो।
- ज्ञान को पृथकता में न समझा जाए बल्कि उसे शिक्षार्थियों के समग्र परिवेश से जोड़कर एवं विभिन्न विषयानुशासनों के साथ के अंतर्संबंध के परिप्रेक्ष्य में समझने की प्रवृत्ति विकसित हो सके।
- अध्येता अपने शिक्षण-विषयों के साथ-साथ अन्य विषयों की प्रकृत्ति को भी व्यापक अर्थ में समझ सकें एवं उनकी वृत्तिक क्षमता का समुचित संवर्धन एवं विकास हो सके।
- सूचना तकनीकी के साथ-साथ अन्य नयी तकनीकों की जानकारी लेकर उन्हें अपने कार्य का माध्यम बना सकें एवं समय-समय पर उसे अद्यतन भी करते रहें।
- प्रभावी शिक्षण के लिए कला की विभिन्न विधाओं के महत्त्व की समझ विकसित हो सके एवं शिक्षक उन विधाओं का व्यावहारिक प्रयोग अपने शिक्षण में कर सकें।
- समाज के विभिन्न वर्गों से आने वाले छात्रों के सामाजिक-सांस्कृतिक-शैक्षिक-आर्थिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो एवं शिक्षक समावेशी शैक्षिक वातावरण का निर्माण कर सकें।
- अध्येता अपने परिवेश एवं समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझ सकें एवं उसी भावना का विकास अपने छात्रों में भी करने योग्य बन सकें।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित बी.एड.पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या "कोर" मॉडल ('Core' Model) पर आधारित हैं. इस "कोर" मॉडल ('Core' Model) के निम्नलिखित घटक हैं:

CORE MODEL
(कोर मॉडल)



CORE MODEL (कोर मॉडल) आधारित विषयवार विवरण

C	O		R	E
Core Courses आधारभूत विषयपत्र	**O**ptional Courses ऐच्छिक विषय पत्र		**R**esearch courses अनुसंधान विषयपत्र	**E**xtension and Enhancement of Professional Capacity & Subject Contents वृत्तिक क्षमता एवं विषय-वस्तु का संवर्धन एवं विस्तार
	Pedagogy of School Subject विद्यालय विषय शिक्षण (एक)	Other Optional Courses अन्य वैकल्पिक विषय पत्र (एक)		
• शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन • शिक्षार्थी एवं उसका सन्दर्भ • समकालीन भारत एवं शिक्षा • संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण • शैक्षिक आकलन • ज्ञान और पाठ्यचर्या	• हिन्दी शिक्षण • अंग्रेजी शिक्षण • संस्कृत शिक्षण • मराठी शिक्षण • सामाजिक विज्ञान शिक्षण • भौतिकीय विज्ञान शिक्षण • जीव विज्ञान शिक्षण • गणित शिक्षण • प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा • स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा	• हिन्दी शिक्षण • अंग्रेजी शिक्षण • संस्कृत शिक्षण • मराठी शिक्षण • सामाजिक विज्ञान शिक्षण • भौतिकीय विज्ञान शिक्षण • जीव विज्ञान शिक्षण • गणित शिक्षण • प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा • स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा • जेण्डर, विद्यालय और समाज • मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा	• क्रियात्मक अनुसंधान	• विद्यालय संपर्क कार्यक्रम • विद्यालय अनुभव (इंटर्नशिप) कार्यक्रम • शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी • विद्यालय प्रशासन एवं संगठन • विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व • प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा • स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा • शिक्षा तकनीकी • शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श • पर्यावरण शिक्षा • जेण्डर, विद्यालय और समाज • मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा

दो वर्षीय बी.एड.पाठ्यक्रम की संरचना

प्रथम सेमेस्टर			**द्वितीय सेमेस्टर**		
कोर्सकोड	**विषय**	**पूर्णांक / क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**पूर्णांक / क्रेडिट**
सैद्धांतिक शिक्षा 011	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन	100 / 4	***सैद्धांतिक*** शिक्षा 021	संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण	100 / 4
शिक्षा 012	शिक्षार्थी एवं उसका सन्दर्भ	100 / 4	शिक्षा 022	शैक्षिक आकलन	100 / 4
शिक्षा 013	समकालीन भारत एवं शिक्षा	100 / 4	शिक्षा 023	विद्यालय विषय शिक्षण	100 / 4
शिक्षा 014	शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी	100 / 4	शिक्षा 024	विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व	100 / 4
शिक्षा 015	विद्यालय प्रशासन एवं संगठन	100 / 4	शिक्षा 025	व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह)	100 / 4
सत्रीय कार्य	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन शिक्षार्थी एवं उसका सन्दर्भ समकालीन भारत एवं शिक्षा शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी विद्यालय प्रशासन एवं संगठन		***सत्रीय कार्य*** ***प्रायोगिक*** शिक्षा 025	संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण शैक्षिक आकलन विद्यालय विषय शिक्षण विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह)	
	कुल अंक / क्रेडिट	**500/ 20**		**कुल अंक / क्रेडिट**	**500/ 20**

तृतीय सेमेस्टर			**चतुर्थ सेमेस्टर**		
कोर्स कोड	**विषय**	**पूर्णांक/क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**पूर्णांक/क्रेडिट**
प्रायोगिक शिक्षा 031	विद्यालय शिक्षण अनुभव कार्यक्रम (18 सप्ताह)	400 /16	***सैद्धांतिक*** शिक्षा 041	• शिक्षा तकनीकी	100 / 4
प्रायोगिक शिक्षा 032	विषय शिक्षा (प्रायोगिक)	100 /04	शिक्षा 042	• शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श	100 / 4
			शिक्षा 043	• ज्ञान और पाठ्यचर्या	100 / 4
			शिक्षा 044	• पर्यावरण शिक्षा	100 / 4
			शिक्षा 045	• जेण्डर, विद्यालय और समाज (ऐच्छिक विषय)	100 / 4
			शिक्षा 046	• मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (ऐच्छिक विषय)	100 / 4
			सत्रीय कार्य	• शिक्षा तकनीकी	
				• शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श	
				• ज्ञान और पाठ्यचर्या	
				• पर्यावरण शिक्षा	
				• जेण्डर, विद्यालय और समाज (ऐच्छिक विषय)	
				• मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (ऐच्छिक विषय)	
	कुल अंक / क्रेडिट	**500/ 20**		**कुल अंक / क्रेडिट**	**500 / 20**

विद्यालय संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह) – 4 क्रेडिट

1	कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन : चयनित विषयों के (05) एवं अन्य विषयों के (10) कक्षा अवलोकन एवं सारांश ***(प्रत्येक कक्षा अवलोकन के लिए अधिकतम 03 अंक और सारांश लेखन के लिए अधिकतम 05 अंक)***	2 क्रेडिट
2	• विद्यालय परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन, रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना ***(अधिकतम 15 अंक)*** • पाठ-सहगामी क्रिया का आयोजन तथा प्रबंधन (05 पाठ-सहगामी क्रिया) ***(प्रत्येक पाठ-सहगामी क्रिया का आयोजन, प्रबंधन एवं रिपोर्ट लेखन के लिए अधिकतम 04 अंक)*** • विद्यालयी दैनिकी (एक सप्ताह) ***(प्रत्येक दिन की दैनिकी के लिए अधिकतम 02 अंक और रिपोर्ट लेखन के लिए अधिकतम 03 अंक)***	2 क्रेडिट
	कुल	**4 क्रेडिट**

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम (18 सप्ताह) - 16 क्रेडिट

1	• सूक्ष्म शिक्षण (05 कौशल) व्याख्या कौशल, दृष्टांत देना, उद्दीपन परिवर्तन, श्यामपट का प्रयोग, पुनर्बलन पर सूक्ष्म पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन • चयनित विषयों की पाठ योजना का निर्माण (20) • पाठ योजना का क्रियान्वयन (20) • उपलब्धि परिक्षण रिपोर्ट • प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी) • क्रियात्मक अनुसंधान • विद्यालय अभिलेखोंका विवरण एवं प्रस्तुति • मनोविज्ञान प्रयोगात्मक • सामुदायिक कार्य एवं रिपोर्ट	02 02 02 01 02 02 02 02 01
2	सत्रांत शिक्षण (Final Teaching)	04 क्रेडिट
	कुल	**16 क्रेडिट**

मूल्यांकन विधि

बी.एड. पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों के लिए मूल्यांकन विधि निम्नलिखित रूप से होगी.

सेमेस्टर - 1

क्र.सं	कोर्स कोड	कोर्स / विषय का नाम	पूर्णांक / क्रेडिट	मूल्यांकन विधि
1	शिक्षा 011	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
2	शिक्षा 012	शिक्षार्थी एवं उसका सन्दर्भ	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
3	शिक्षा 013	समकालीन भारत एवं शिक्षा	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
4	शिक्षा 014	शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
5	शिक्षा 015	विद्यालय प्रशासन एवं संगठन	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन

सेमेस्टर - 2				
क्र.सं.	**कोर्स कोड**	**कोर्स / विषय का नाम**	**पूर्णांक / क्रेडिट**	**मूल्यांकन विधि**
1	शिक्षा 021	संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
2	शिक्षा 022	शैक्षिक आकलन	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
3	शिक्षा 023	विद्यालय विषय शिक्षण	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
4	शिक्षा 024	विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
5	शिक्षा 025 (प्रायोगिक)	व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह)	100 / 4	आन्तरिक मूल्यांकन

सेमेस्टर -3				
क्र.सं	**कोर्स कोड**	**कोर्स / विषय का नाम**	**पूर्णांक / क्रेडिट**	**मूल्यांकन विधि**
1	शिक्षा 031 (प्रायोगिक)	विद्यालय शिक्षण अनुभव कार्यक्रम (18 सप्ताह)	400 /16	आन्तरिक मूल्यांकन
2	शिक्षा 032 (प्रायोगिक)	विषय शिक्षण (प्रायोगिक)	100 /04	आन्तरिक मूल्यांकन

सेमेस्टर - 4				
क्र.सं	**कोर्स कोड**	**कोर्स / विषय का नाम**	**पूर्णांक / क्रेडिट**	**मूल्यांकन विधि**
1	शिक्षा 041	• शिक्षा तकनीकी	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
2	शिक्षा 042	• शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
3	शिक्षा 043	• ज्ञान और पाठ्यचर्या	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
4	शिक्षा 044	• पर्यावरण शिक्षा	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
5	शिक्षा 045	• जेण्डर, विद्यालय और समाज (ऐच्छिक विषय)	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन
6	शिक्षा 046	• मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (ऐच्छिक विषय)	100 / 4	सत्रांत मूल्यांकन+ आन्तरिक मूल्यांकन

टिप्पणी

- बी.एड. पाठ्यक्रम कुल 80 क्रेडिट का होगा एवं इसकी अवधि चार सेमेस्टर (दो वर्ष) की होगी।
- प्रत्येक सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा।
- कुल 80 क्रेडिट के विषयपत्रों में से 64 क्रेडिट के विषयपत्र दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा पढाए जायेंगे।
- प्रत्येक सेमेस्टर में सैद्धांतिक विषयों के शिक्षण के अलावा सत्रीय एवं प्रायोगिक कार्य भी आयोजित किये जायेंगे। इसके लिए विभिन्न सैद्धांतिक विषयों तथा अकादमिक संवर्धन हेतु सत्रीय एवं प्रायोगिक कार्य निर्धारित किये गए हैं।
- विभिन्न विषयों की मूल्यांकन विधि आतंरिक एवं सत्रांत मूल्यांकन का योग होगी। सत्रांत मूल्यांकन लिखित परीक्षा के रूप में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जायेगी वहीँ आतंरिक मूल्यांकनदूर शिक्षा निदेशालय के

संबंधीत शिक्षक एवं अध्ययन केंद्र के शिक्षकों द्वारा सत्रीय एवं प्रायोगिक कार्य आदि के माध्यम से सतत एवं व्यापक रूप से आयोजित की जायेगी। सैद्धांतिक विषयों के आतंरिक मूल्यांकन का आधार उनसे संबंधीसत्रीय एवं प्रायोगिक कार्य हो सकते हैं। प्रायोगिक विषय जैसे विद्यालय संपर्क कार्यक्रम तथा विद्यालय अनुभव (इंटर्नशिप) कार्यक्रम का मूल्यांकन केवल आतंरिक रूप से किया जायेगा।

- प्रत्येक विषय में कुल 100 अंकों में से सत्रांत मूल्यांकन70 अंकों का तथा आतंरिक मूल्यांकन30 अंकों का होगा।
- प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित पाठ्य-वस्तु में संबंधी शिक्षक द्वारा इसके शिक्षण के दौरान उत्पन्न कठिनाइयों तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया जा सकता है।
- अध्येता स्नातक स्तर पर पढ़े गए विषयों में से किसी एक विषय को विद्यालय विषय शिक्षण के रूप में चुनेंगे तथा विद्यालय संपर्क कार्यक्रम एवं विद्यालयअनुभव (इंटर्नशिप) कार्यक्रम के दौरान अनिवार्य रूप से उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक स्तर पर इससे जुडी गतिविधियों का क्रमशः अवलोकन तथा क्रियान्वयन करेगे।
- विषय शिक्षा (प्रायोगिक) के क्रियान्वयन हेतु विभिन्न अध्ययन केंद्रोपर सत्रांत शिक्षण परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें अध्येता को विद्यालय विषय शिक्षण के रुप में चयनित विषय पाठयोजना का निर्माण एवं क्रियान्वयन किया जायेगा। तृतीय सेमेस्टर में निर्धारित प्रायोगिक कार्य पर आधारित मौखिक परीक्षा होगी, जिसका मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नामित आतंरिक एवं वाह्यपरीक्षक द्वारा किया जायेगा।

पाठ्यक्रम की सेमेस्टरवार विवेचना

प्रथम सेमेस्टर

शिक्षा 011:शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन
(Education and Its Purpose) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अध्येताओं को शिक्षा के बुनियादी विचारों और अवधारणाओं से परिचित कराना है।
- इसके द्वारा वे विभिन्न सैद्धान्तिक एवं दार्शनिक परम्पराओं में व्यक्त शिक्षा, ज्ञान और सीखने की मान्यताओं का परीक्षण कर सकेगें।
- इसके अतिरिक्त वे शिक्षा की प्रक्रिया में मूल्यों की भूमिका का भी आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेगें।

इकाई1: शिक्षा की अवधारणा

शिक्षा की अवधारणा: अर्थ, प्रक्रिया, स्वरूप, उद्देश्य और आधारभूत अवधारणाएँ: सीखना, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुदेशन, खोज, सूचना, आगमन व निगमन, अनुभव, अन्वेषण और संवाद।

इकाई 2:शिक्षा में पाश्चात्य विचारकों का योगदान

पाश्चात्य विचारकों का योगदानः प्लेटो, अरस्तू, फ्रोबेल, मारिया माण्टेसरी, रूसो, ड्यूई, पाउलो फ्रेरे, देकार्ते, स्पिनोजा, इमेनुएल कांट।

इकाई 3:शिक्षा सम्बन्धी भारतीय विचारक और भारतीय शिक्षा दर्शन

शिक्षा विषयक भारतीय विचारः कुछ प्रमुख भारतीय शिक्षा विचारकों का योगदानः महात्मा गांधी, रवीन्द्र नाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, जिद्दू कृष्णमूर्ति, श्री अरबिन्द, गिजु भाई । न्याय, सांख्य, योग, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदांत दर्शन के अनुसार शिक्षा, बौद्ध एवं जैन धर्म के अनुसार शिक्षा।

इकाई 4: शिक्षा और मूल्य

मूल्यों की प्रकृति और स्त्रोत, समकालीन समाज में मूल्य, मूल्यों के लिए शिक्षा की प्रासंगिकता, विद्यालय के सन्दर्भ में मूल्यों का निर्माण, मूल्यों के विकास और पोषण के संदर्भ में शिक्षक की भूमिका, सामाजिक संघर्ष की चुनौतियां और शांति स्थापना।

शिक्षा 012 :शिक्षार्थी एवं उसका सन्दर्भ
(Learner and the Context) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य अध्येता को मानव विकास की प्रक्रिया और प्रश्नों से परिचित कराना है।
- इसके द्वारा विद्यार्थी संज्ञानात्मक सामाजिक व नैतिक विकास के सैद्धान्तिक समझ को विकसित करेगें।
- इसके आलोक में भारतीय संदर्भो में बाल्यावस्था और किशोरवस्था की बहुलता को समझ सकेंगे।

इकाई 1:विकास की अवधारणा

मानव विकास: अवधारणाएँ, परिपक्व विकास व इनसे जुड़ी बहसें, विकास एक प्रक्रिया के रूप में: बहुआयामी, सतत व असतत जीवन पर्यन्त विकास को प्रभावित करने वाले सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ।

इकाई 2: संज्ञानात्मक विकास

पियाजे का सिद्धान्तः संज्ञानात्मक संरचनाएँ और प्रक्रियाएँ, विकास की अवस्थाएँ, वायगात्स्की का सिद्धान्तः संज्ञान के सामाजिक स्त्रोत, सांस्कृतिक उपकरण और विकास, भाषा की भूमिका, सीखना और विकास।

इकाई 3: सामाजिक और नैतिक विकास

स्व और पहचान का विकास, स्वधारणा और आत्म सम्मान का विकास, स्व और अन्य परिवार, हम उम्र साथी और दोस्त, स्व और भावना, इरिक्सन और कोहलबर्ग का सिद्धांत और इनके निहितार्थ।

इकाई 4: भारतीय समाज में बड़ा होना

बाल्यावस्था और किशोरावस्था के दौरान विकास की प्रक्रिया, भारतीय संदर्भ में बाल्यावस्था और किशोरावस्था से जुड़े विमर्श।

शिक्षा 013: समकालीन भारत एवं शिक्षा
(Contemporary India and Education) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- यह पाठ्यक्रम भारत की शैक्षिक व्यवस्था के सन्दर्भ में विद्यालयी शिक्षा के विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से परिचित कराता है।

- यह अन्य स्तरों से विद्यालयी शिक्षा के सम्बन्ध और इसके संगठनात्मक ढाँचे के बारे में भी बताता है।
- इसके साथ शिक्षा में गुणवत्ता के बहस से भी संलग्न करता है।

इकाई 1: आधुनिक शिक्षा का विकास

भारतीय शिक्षा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य- वैदिक कालीन, बौद्ध कालीन तथा मध्ययुगीन शिक्षा, वर्ष 1800 से 1947 के दौरान हुए प्रयासों का विहंगमावलोकन, स्वतंत्र भारत में गठित विभिन्न आयोगों और समितियों की संस्तुतियों का अध्ययन, इनका क्रियाकरण और वर्तमान शिक्षा के विकास मेंउनकी भूमिका।

इकाई 2: सांगठनिक और प्रशासनिक संरचना

पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चशिक्षा के स्तर पर, शिक्षा से जुड़े प्रशासनिक अभिकरणः एम.एच.आर.डी.,सी.बी.एस.ई.,एन.सी.ई.आर.टी., एस.सी.ई.आर.टी., डायट, बी.आर.सी., सी.आर.सी. आदि।

इकाई 3: विद्यालय संगठन व प्रबन्ध

प्रबन्ध समिति व इसके कार्य, विद्यालय प्रशासन, समुदाय की सहभागिता, विद्यालय बजट, भौतिक संसाधन, पाठ्यचर्या का नियोजन, विद्यालय अनुशासन, पाठ्य सहगामी क्रियाएँ, समय सारणी, विद्यालय सुरक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, मध्याहन भोजन व अन्य योजनाएँ।

इकाई 4: समकालीन विमर्श

शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षा के अधिकार कानून 2009 के बाद आए बदलाव, महिलाओं, आदिवासियों एवं हाशिए के समुदाय से जुड़े लोगों की शिक्षा, प्रगतिशील विद्यालयों जैसे राजघाट स्कूल, ओरोविलो, आनन्द निकेतन, शिक्षा और एल.पी.जी.।

शिक्षा 014: शिक्षा में सूचना एवं संचारतकनीकी
(Information and Communication Technology in Education) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- सूचना एवं संचार तकनीकी की ज्ञान निर्माण में भूमिका की जानकारी प्राप्तकरना।
- अभिक्रमित अनुदेशन के व्यवहार और उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।
- अभिक्रमित अनुदेशन और संगणक सहाय अनुदेशन द्वारा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का ज्ञान अर्जित करना।
- आई.सी.टी.का ज्ञान प्राप्ति, कौशल विकास, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया, व्यक्तित्व विकास आदि के लिए बहुआयामी उपयोग करने की क्षमता विकसित करना।

इकाई 1: परिचय

- शिक्षा के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी की आवश्यकता और महत्व।
- सूचना एवं संचारतकनीकी के विविध साधन और उनके उपयोग के सम्भाव्यक्षेत्र।
- ज्ञान निर्माण में आई.सी.टी. की भूमिका।

इकाई 2: अभिक्रमित अनुदेशन

- सिद्धान्त, विशेषताएँ और प्रकार (रैखिक और शाखित)।
- अभिक्रमित अनुदेशन का विकासः तैयारी, लेखन, परीक्षण और मूल्यांकन।
- संगणक सहायक अधिगम और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया।

इकाई 3: संगणक का प्रयोग

- संगणक और उससे जुड़े यंत्रों के प्रयोग का कार्यात्मकज्ञान।

- कुछ प्रमुख साफ्टवेयरों के प्रयोग, इनके प्रयोग के आधार पर शिक्षण सहायक सामग्रियों का निर्माण।
- कम्प्यूटर का उपयोग।

इकाई 4: आई.सी.टी. का बहुप्रयोग

- सीखने-सिखाने में, वृत्तिक विकास में, विद्यालयी प्रबन्धन में।
- ई-लर्निंग/वर्चुअल लर्निंग, ई-रिसोर्सेज, स्मार्ट क्लासरूम, मल्टीमीडिया पैकेज।
- इंटरनेट का प्रयोग, भाषा प्रयोगशाला, नैतिक सरोकार, कुछ प्रमुख आई सी टी आधारित शैक्षिक कार्यक्रम।

शिक्षा 015: विद्यालय संगठन एवं प्रशासन
(School Organization and administretioon) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तर पर शिक्षा से जुड़े प्रशासनिक अभिकरण का स्वरूप समझ सकेंगे।
- विद्यालय संगठन और प्रबंध समिति और इसके कार्यों के बारें में जान पाएंगे।
- विद्यालय के भौतिक संसाधन के बारें में जानकारी पाएंगे।
- विद्यालय प्रशासन के कार्य और विद्यालय के बजट के बारे में समझ पाएंगे।
- विद्यालय का अनुशासन और समय सारिणी, विद्यालय की सुरक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा इन सबके बारे में समझ पाएंगे।
- शैक्षिक नेतृत्व का अर्थ जान सकेंगे।
- शिक्षा नेतृत्व के कार्यों के बारें में जान सकेंगे।
- पर्यवेक्षण का अर्थ, प्राचार्य की पर्यवेक्षण में भूमिका और शिक्षक की विद्यालय में भूमिका।

इकाई -1: विद्यालयी शिक्षा से जुड़े प्रशासनिक अभिकरण

शिक्षा प्रशासन के अभिकरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD), राष्ट्रीय शिक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT), शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (CTE), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE), शिक्षा और प्रशिक्षण के ज़िला संस्थान (DIET)।

इकाई - 2 : विद्यालय में भौतिक संसाधन

शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक प्रबंधन, विद्यालय में भौतिक संसाधन, पुस्तकालय।

इकाई - 3 : समय सारिणी, अनुशासन एवं स्वास्थ्य शिक्षा

विद्यालय बजट, अनुशासन, समय सारिणी, स्वास्थ्य शिक्षा।

इकाई - 4 : शैक्षिक नेतृत्व

शिक्षा नेतृत्व का अर्थ, नेतृत्व के लिए आवश्यक गुण, शैक्षिक नेतृत्व आवश्यकता एवं महत्व तथा कार्य, पर्यवेक्षण, शिक्षक की विद्यालय में भूमिका एवं कार्य।

द्वितीय सेमेस्टर

शिक्षा 021 :संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण (Cognition, Learning and Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- आप सीखने का अर्थ, विभिन्न उपागमों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- शिक्षण के निर्माणवादी परिप्रेक्ष्य को जान पाएंगे ।
- बुद्धि की संकल्पना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
- स्मृति के प्रकार और इसके शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थों को समझ सकेंगे ।
- अभिप्रेरणा की प्रकृति को समझते हुए इसके महत्व को जान पाएँगे ।
- विद्यार्थियों में रचनाशीलता को विकसित करने की विभिन्न युक्तियों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- मानव विविधता की संकल्पना को समझ पाएंगें ।
- विशिष्ट आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की संकल्पना और प्रकारों को जान पाएंगे ।
- पथ निवासी बच्चे और बाल श्रमिक जैसे हाशिए के वर्गों से आने वाले बच्चों की शैक्षिक चुनौतियों को समझ सकेंगे ।

इकाई 1: सीखना

सीखने की परिभाषाएँ, सीखने की प्रकृति, सीखने के सिद्धान्त, सीखने के प्रमुख व्यवहारवादी सिद्धान्त, थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त, पावलॉव का शास्त्रीय अनुबन्धन का सिद्धान्त, स्किनर का क्रिया प्रस्तुत अनुबन्धन का सिद्धान्त, सीखने के संज्ञानवादी सिद्धान्त, सीखने का समग्राकृति (गेस्टाल्ट) सिद्धान्त ।

इकाई 2: सीखने का निर्माणवादी परिप्रेक्ष्य

निर्माण वाद: वैयक्तिक निर्माणवाद और सामाजिक निर्माणवाद का विस्तृत अध्ययन, बुद्धिः अवधारणा, मापन से जुड़े प्रश्न; बहुबुद्धि सिद्धान्त; सीखने के तरीके, स्मृतिः प्रकृति, प्रकार, सांवेगिक, अल्पकालिक तथा दीर्घकालीक स्मृति, कार्यात्मक स्मृति, वर्किंग मेमोरी, विस्मरण के कारण, स्मृति बढ़ाने की युक्तियाँ ।

इकाई 3: अभिप्रेरणा

अभिप्रेरणा की परिभाषा, अभिप्रेरणात्मक चक्र, अभिप्रेरणा के प्रकार, अभिप्रेरणा के सिद्धान्त, अभिप्रेरित व्यवहार की विशेषताएँ, सृजनशीलता, सृजनशीलता की प्रकृति तथा विशेषताएँ, बच्चों में सृजनशीलता का विकास, समस्या समाधान, समस्या समाधान की वैज्ञानिक विधि, समस्या समाधान की युक्तियाँ, समस्या समाधान को प्रभावित करने वाले कारक ।

इकाई 4: मानव विविधता

वैयक्तिक भिन्नता, विद्यार्थियों में वैयक्तिक भिन्नता, विविधता का कक्षा में समावेशन, विशिष्ट आवश्यकता वाले विद्यार्थी, प्रतिभाशाली विद्यार्थी, सृजनशील विद्यार्थी, सांवेगिक और व्यवहारजन्य समस्या से ग्रसित विद्यार्थी, सामाजिक दृष्टि से अपवंचित विद्यार्थी. स्ट्रीट चिल्ड्रेन, सामाजिक दृष्टि से अपवंचित विद्यार्थी. बाल श्रमिक ।

शिक्षा 22: शैक्षिक आकलन (Educational Assessment) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- आकलन व मूल्यांकन पद्धति के समकालीन परिप्रेक्ष्य की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।

- वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में प्रचलित आकलन व मूल्यांकन पद्धति का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
- आकलन, मापन, परीक्षण एवं मूल्यांकन के विभेद का सूक्ष्म प्रत्यक्षीकरण कर सकेंगे ।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अवधारणा के विभिन्न घटकों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- अधिगम उद्देश्यों के वर्गीकरण के संज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक आयामों की सोदाहरण विवेचना कर सकेंगे ।
- उपलब्धि परीक्षण का निर्माण कर सकेंगे ।
- सांख्यिकी की विविध प्रविधियों का अर्थ तथा उनका शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग से परिचित कर सकेंगे ।

इकाई 1: शैक्षिक आकलन व मूल्यांकन का परिप्रेक्ष्य

आकलन व मूल्यांकन का व्यवहारवादी प्रारूप बनाम निर्माणवादीप्रारूप, आकलन व मूल्यांकन काव्यवहारवादी प्रारूप, आकलन व मूल्यांकन का निर्माणवादी प्रारूप, आकलन व मूल्यांकन के व्यवहारवादी तथा निर्माणवादी प्रारूप मेंविभेद, सीखने का आकलन और सीखने के लिए आकलन में विभेद, प्रचलित मूल्यांकन व आकलन प्रक्रिया का आलोचनात्मक विश्लेषण ।

इकाई 2: शैक्षिक आकलन व मूल्यांकनकी मुख्य अवधारणाएँ

शैक्षिक आकलन, मापन, परीक्षण, मूल्यांकन, आकलन और मूल्यांकन मापन एवं परीक्षण में अंतर, सतत व व्यापक मूल्यांकन, आकलन के उद्देश्य : ब्लूम टैक्सोनामी का आलोचनात्मक अध्ययन ।

इकाई 3: आकलन परीक्षणों का निर्माण एवं विभिन्न आकलन प्रविधियाँ

आकलन परीक्षणों का निर्माण, वस्तुनिष्ठ परीक्षा, वस्तुनिष्ठ परीक्षा के गुण, वस्तुनिष्ठ परीक्षा की सीमाएँ, वस्तुनिष्ठ परीक्षा-प्रकार, निबन्धात्मक परीक्षा, निबन्धात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक परीक्षा के गुण, निबन्धात्मक परीक्षा की सीमाएँ, आकलन हेतु कार्य, प्रदत्त कार्य द्वारा आकलन, परियोजना द्वारा आकलन, पोर्टफोलियो, समूह साथी मूल्यांकन समाजमिति, अवलोकन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन।

इकाई 4: प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रतिपुष्टि

बुनियादी सांख्यिकी, केन्द्रिय प्रवृत्ति का मापन, विचलनशीलता का मापन, आँकड़ो का रेखीय प्रदर्शन, सामान्य प्रायिकता वक्र, सहसंबंध, प्रतिशतांक और प्रतिशतांक क्रमः प्रतिपुष्टि देने के तरीके ।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : हिंदी शिक्षण
(Padagogy of School Subject: Hindi Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- हिन्दी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को समझने में समर्थ होंगे ।
- हिन्दी शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे ।
- हिन्दी शिक्षण के कौशलों के अभ्यास में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे ।
- हिन्दी शिक्षण उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे ।
- हिन्दी पाठ योजनाओं को समझेंगे एवं निर्माण करेंगे ।

इकाई 1 - परिचय

भाषा का स्वरूप, समाज में भाषा, भाषा और लिंग, भाषा और अस्मिता, घर की भाषा, बच्चे की भाषा, स्कूल की भाषा, संविधान और शिक्षा समितियों की रिपोर्ट में भाषा, ताराचन्द समिति - (1948), मुदलियार शिक्षा आयोग - (1952-53), कोठारी आयोग - (1964-66), सुनीति कुमार चटर्जी आयोग - 1956;56, वर्तमान पाठ्यचर्या में हिन्दी का स्थान, हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य, मातृभाषा शिक्षण का उद्देश्य, दूसरी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण का उद्देश्य, भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धान्त, अध्ययन का सिद्धान्त, स्वाभाविकता का सिद्धान्त, प्रभाव का सिद्धान्त, रुचि का सिद्धान्त, अभिप्रेरणा का सिद्धान्त, क्रियाशीलता का सिद्धान्त, जीवन समन्वय का सिद्धान्त, वैयान्तिक भिन्नता का सिद्धान्त।

इकाई 2 - भाषा शिक्षण

भाषा का आधार, दार्शनिक आधार, मनोवैज्ञानिक आधार, सामाजिक आधार, भाषा शिक्षण की प्रचलित विधियाँ, व्याकरण-अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, ढांचागत विधि, संप्रेषणात्मक विधि, व्याख्यान विधि, भारत का बहुभाषिक परिदृश्य, भारत में भाषाएँ एवं भाषा परिवार, भाषा के बहुभाषिकता के आयाम।

इकाई - 3 भाषा कौशलें

श्रवण कौशल, श्रवण कौशल अर्थ, श्रवण कौशल शिक्षण का महत्त्व, श्रवण कौशल शिक्षण के उद्देश्य, श्रवण कौशल की विकास क्रियाएँ, श्रवण कौशल शिक्षण के विधियाँ, मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का शिक्षण, मौखिक अभिव्यक्ति का अर्थ, मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का महत्त्व, मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के उद्देश्य, मौखिक अभिव्यक्ति कौशल की विकास क्रियाएँ, मौखिक अभिव्यक्ति कौशल शिक्षण के विधियाँ, पठन कौशल, पठन कौशल का अर्थ, पठन कौशल शिक्षण का महत्व, पठन कौशल शिक्षण के उद्देश्य, पठन कौशल की विकास क्रियाएँ, पठन कौशल शिक्षण के विधियाँ, लेखन कौशल, लेखन कौशल का अर्थ, लेखन कौशल शिक्षण का महत्त्व, लेखन कौशल शिक्षण के उद्देश्य, लेखन कौशल की विकास क्रियाएँ, लेखन कौशल शिक्षण के विधियाँ।

इकाई - 4 पाठ्यक्रम तथा पुस्तकें

माध्यमिक स्तर का पाठ्यक्रम, उच्च स्तर का पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक तथा पूरक पुस्तके, पाठ्यपुस्तकोंका महत्व, पाठ्यपुस्तकोंकी विशेषताएं, पाठ्यपुस्तकोंकी समीक्षा, हिंदी में पाठ्य सहगामी क्रियाँ का अर्थ, पाठ्य सहगामी क्रियाँ का महत्व,भाषा से सम्बन्धीत पाठ्य सहगामी क्रियाँए, श्रव्य-द्रुक साधनों का तात्पर्य, भाषा में द्रुक-श्रव्य साधन।

इकाई- 5 विभिन्न विधाओं का शिक्षण

गद्य का शिक्षण, गद्य का स्वरूप, गद्य शिक्षण का उद्देश्य, गद्य का शिक्षण विधियाँ, पद्य का शिक्षण, पद्य का स्वरूप, पद्य शिक्षण का उद्देश्य, पद्य का शिक्षण विधियाँ, नाटक का शिक्षण, नाटक का स्वरूप, नाटक शिक्षण का उद्देश्य, नाटक का शिक्षण विधियाँ, रचना का शिक्षण, रचना का स्वरूप, रचना शिक्षण का उद्देश्य, रचना का शिक्षण विधियाँ, व्याकरण का शिक्षण, व्याकरण का स्वरूप, व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य, व्याकरण का शिक्षण विधियाँ।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : मराठी शिक्षण
(Padagogy of School Subject: Marathi Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- भाषेचा अर्थ उत्पत्ती व स्वरूप या विषयी माहिती अवगत करणे.
- भाषेचे जीवनातील व अभ्यासक्रमातील स्थान व महत्व याचे ज्ञान अवगत करणे.
- श्रवण, भाषण, वाचन, लेखनाची उदिष्ट्ये व क्षमता अवगत करणे.
- विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण पद्धतीचा विकास करता येणे.
- सूक्ष्म नियोजनाच्या विविध कौशल्याचे अद्यापनातील महत्व समजून घेता येणे.
- दैनंदिन पाठ नियोजन, घटक नियोजन, वार्षिक नियोजनाचे ज्ञान व कौशल्य प्राप्त करता येणे.

- विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण (अध्यापन व मुल्यांकन) पद्धतीचा विकास करता येणे.
- परीक्षा पद्धतीचे प्रकार व गुणदोषाचे ज्ञान प्राप्त करता येते.

घटक १ : मराठी भाषेची उत्पत्ती, जीवनातील व अभ्यासक्रमातील स्थान व महत्व

भाषेचा अर्थ, स्वरूप व उत्पत्ती. भाषेची वैशिष्ट्ये, तत्व व प्रकार. मराठी भाषा शिक्षणाचे जीवनातील व अभ्यासक्रमातील स्थान व महत्व. मराठी भाषेचा इतर शालेय विषयाशी सहसंबंध (संस्कृत, हिंदी, इंग्रजी, इतर भाषा, सामाजिक शास्त्र, विज्ञान, गणित इ.)

घटक २ : भाषा कौशल्य

भाषा कौशल्य (श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन), भाषा कौशल्याच्या (श्रवण) अभिव्यक्तीचे महत्व, उद्दिष्ट, विकासाचे उपक्रम, मूल्यमापन, भाषा कौशल्याच्या (भाषण) अभिव्यक्तीचे महत्व, उद्दिष्ट, विकासाचे उपक्रम, मूल्यमापन, भाषा कौशल्याच्या (वाचन) अभिव्यक्तीचे महत्व, उद्दिष्ट, विकासाचे उपक्रम, मूल्यमापन, भाषा कौशल्याच्या (लेखन) अभिव्यक्तीचे महत्व, उद्दिष्ट, विकासाचे उपक्रम, मूल्यमापन.

घटक ३ : अध्यापन पद्धती व तंत्र

व्याख्यान, स्पष्टीकरण, कथाकथन, पर्यवेक्षित अभ्यास, संभाषण, भूमिका अभिनय, परिसंवाद, बुद्धीमंथन, आगमन-निगमन, भाषा प्रयोगशाला पद्धती. अध्यापन प्रक्रीयेत आधुनिक अध्यापन पद्धतीचा उपयोग.

घटक ४ : अध्यापन अनुभवाचे नियोजन

सूक्ष्म नियोजन, दैनंदिन पाठ नियोजन, घटक नियोजन, वार्षिक नियोजन. मुल्यांकन मूल्यांकनाचे तंत्र, परीक्षा पद्धती - लेखी परीक्षा, तोंडी परीक्षा, प्रश्न प्रकार, परीक्षा पद्धतीचे गुणदोष.

घटक ५ : मराठीचा अभ्यासक्रम व पुस्तके

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तरावरील मराठी पाठ्यपुस्तकाचे परीक्षण. पाठ्यपुस्तक व पूरक पुस्तकाचे महत्व व वैशिष्ट्ये. पाठ्यपुस्तकाची समीक्षा व तुलनात्मक विश्लेषण अभ्यासपुरक कार्यक्रम. मराठीत प्रसार माध्यमाची भूमिका.

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : अंग्रेजी शिक्षण
(Padagogy of School Subject: English Teaching) - 4 क्रेडिट

Aims of English Teaching :

- **Understand importance of English in multilingual society.**
- **Know the factors affecting language learning and describe the role of language in different domains of life.**
- **Understand about different methods of teaching English like direct method, communicative approach etc.**
- **Apply the knowledge of these teaching methods in classroom context.**
- **Know inter-intra correlation between different subjects.**
- **Develop an understanding about maxims and principles of teaching English.**
- **Understand the concept of listening, speaking, reading and writing, apply the knowledge of writing composition in different contexts, anow about various study skills like note making and note taking, differentiate between types of reading and develop an understanding of referencing.**
- **Know about the format of lesson plan.**
- **Plan a lesson on specific topic.**
- **Know about methods of teaching prose, poetry and grammar.**

Unit 1: Fundamentals of Language:

Importance of English in a multi-lingual society; factors affecting language learning: physical, psychological and social: role of language in life: intellectual, emotional, social and cultural development.

Unit 2: Method and Approaches:

Method and approaches: direct method, communicative approach, and constructivist approach: intra - inter correlation: prose, poetry, grammar and composition. History, geography, mathematics, science, economics and commerce: principles and maxims of language teaching

Unit 3: Language acquisition Inside/Outside the Classroom:

Listening: concept, significance and activities to develop listening: speaking: concept, significance and activities to develop speaking; reading: concept, methods (phonic, whole word), types (loud, silent, intensive, extensive and supplementary), techniques to increase speed of reading (phrasing, skimming, scanning, columnar reading, key word reading), Writing: types of composition (guided, free and creative), evaluating compositions, letter writing (formal, informal): supplementary skills: study skills (note taking and making), reference skills (Dictionary, Encyclopaedia and Thesaurus).

Unit 4: Aspects of Language Teaching and Learning Resources:

Planning a lesson, instructional objectives and specifications for prose: techniques (discussion, narration, questioning); methods (story-telling, dramatization); poetry: methods (recitation, song-action), techniques of appreciation: grammar: types (functional, formal), methods (inductive, deductive); learning resources: Computer Assisted Language Learning (CALL), library, language laboratory.

Unit 5: Evaluation:

Types of test items and development of achievement test in English.Meaning and significance of comprehensive and continuous evaluation in English; diagnostic and remedial teaching; identifying learning difficulties in language; dealing with language difficulties of the learner, critical appraisal of an English text book.

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : संस्कृत शिक्षण
(Padagogy of School Subject: Sanskrut Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- संस्कृत भाषा शिक्षण के विभिन्न उद्देश्यों का ज्ञान प्राप्त करना।
- संस्कृत भाषा का अन्य भारतीय भाषाओं के साथ संम्बन्ध का ज्ञान प्राप्त करना।
- संस्कृत भाषा शिक्षण की आधुनिक पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करना।
- संस्कृत शिक्षण की विभिन्न विधियाँ एवं शिक्षण विधिओं की उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त करना।
- संस्कृत विभिन्न विधाओं की पाठ योजना का ज्ञान प्राप्त करना।

- सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, सामाजिक विषयों का परिचय प्राप्त कराना।
- संस्कृत साहित्य का विभिन्न विधाओं का परिचय कराना।

इकाई -1 संस्कृत भाषा शिक्षण

संस्कृत भाषा का महत्व, वैज्ञानिक महत्व, सांस्कृतिक महत्व, व्यावहारिक महत्व, आधुनिक भारत में संस्कृत का महत्व, संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य, संस्कृत शिक्षण के सामान्य उद्देश्य, संस्कृत भाषा शिक्षण के स्तरानुसार उद्देश्य, प्रारम्भिक स्तर पर संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य, मध्य स्तर पर संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य, उच्च स्तर पर संस्कृत-शिक्षण के उद्देश्य, संस्कृत शिक्षण के विशिष्ट उद्देश्य, ज्ञानात्मक उद्देस्य, कौशलात्मक उद्देश्य, प्रयोगात्मक उद्देश्य, अभिवृत्त्यात्मक उद्देश्य, विविध समितियों की रिपोर्ट में संस्कृत भाषा, ताराचन्द समिति, मुदलियार शिक्षा आयोग -(1952-53), कोठारी आयोग - (1964-66), सुनीति कुमार चटर्जी आयोग-1956-56, पाठयक्रम में संस्कृत भाषा का स्थान, प्रथम दृष्टिकोण, द्वितीय दृष्टिकोण, तृतीय दृष्टिकोण, भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धान्त, अभ्यास का सिद्धान्त, स्वाभाविकता का सिद्धान्त, प्रभाव का सिद्धान्त, रुचि का सिद्धान्त, अभिप्रेरणा का सिद्धान्त, क्रियाशीलता का सिद्धान्त, जीवन समन्वय का सिद्धान्त, वैयक्तिक भिन्नता का सिद्धान्त।

इकाई - 2 संस्कृत शिक्षण पद्धतियाँ

संस्कृत शिक्षण पद्धतियाँ, परम्परा पद्धति, भण्डारकर पद्धति, प्रत्यक्ष पद्धति, पाठ्यपुस्तक पद्धति, आगमन-निगमन पद्धति, समाहार पद्धति, हरबार्टीय पंचपदी, संस्कृत भाषा शिक्षण के शिक्षण सूत्र।

इकाई - 3 संस्कृत भाषा के विभिन्न विधाओं का शिक्षण

गद्य का शिक्षण, गद्य का स्वरूप, गद्य शिक्षण का उद्देश्य, गद्य का शिक्षण विधियाँ, गद्य शिक्षण की पाठ्य योजना निर्माण का सोपान, पद्य का शिक्षण, पद्य का स्वरूप, पद्य शिक्षण का उद्देश्य, पद्य का शिक्षण विधियाँ, पद्य शिक्षण की पाठ्य योजना निर्माण का सोपान, नाटक का शिक्षण, नाटक का स्वरूप, नाटक शिक्षण का उद्देश्य, नाटक का शिक्षण विधियाँ, नाटक शिक्षण की पाठ्य योजना निर्माण का सोपान, रचना का शिक्षण, रचना का स्वरूप, रचना शिक्षण का उद्देश्य, रचना का शिक्षण विधियाँ, रचना शिक्षण की पाठ्य योजना निर्माण का सोपान, व्याकरण का शिक्षण, व्याकरण का स्वरूप, व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य, व्याकरण का शिक्षण विधियाँ, व्याकरण शिक्षण की पाठ्य योजना निर्माण का सोपान।

इकाई - 4 पाठ्य पुस्तक एवं सहगामी क्रिया

पाठ्यपुस्तकों का अर्थ, पाठ्यपुस्तकों का महत्व, संस्कृत पाठ्य पुस्तकों का उद्देश्य, पाठ्य पुस्तक का गुण, पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा, पाठ्य-सहगामी क्रिया, पाठ्यसहगामी क्रिया का अर्थ, पाठ्यसहगामी क्रियाओं का महत्व, भाषा से सम्बन्धित पाठ्य सहगामी क्रियाएँ, दृश्य-श्रव्य उपकरण, श्रव्य-दृश्य साधनों का तात्पर्य, भाषा में श्रव्य-दृश्य साधनें, संस्कृत भाषा शिक्षक, संस्कृत भाषा शिक्षक के सामान्य गुण, संस्कृत भाषा शिक्षक के विशिष्ट गुण।

इकाई - 5 मूल्यांकन पद्धति

मूल्यांकन का संप्रत्यय, मूल्यांकन का अर्थ, मूल्यांकन की परिभाषा, मूल्यांकन के उद्देश्य, मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान, मूल्यांकन का स्वरूप, मूल्यांकन के प्रकार, लिखित परीक्षा, मौखिक परीक्षा, उत्तम परीक्षण के गुण, मूल्यांकन में ध्यान देने योग्य बातें।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : सामाजिक विज्ञान शिक्षण
(Padagogy of School Subject: Social Science Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- ज्ञानानुशासन के रूप में सामाजिक सामाजिक विज्ञान के विकास को समझ सकेंगे।
- सामाजिक विज्ञान और सामाजिक अध्ययन में अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।

- सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के विभिन्न उपागम के बारे में।
- सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन करने की क्षमता विकसित होगी।
- लोकतंत्र, नागरिकता के विमर्श और सामाजिक विज्ञान शिक्षक के महत्त्व को समझेंगे।
- सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विभिन्न विधियों के बारे में।
- विभिन्न पाठ्य सहगामी गतिविधियों से अवगत होंगे।

इकाई 1- ज्ञानानुशासन के रूप में सामाजिक विज्ञान: परिचय

ज्ञानानुशासन के रूप में सामाजिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान के दार्शनिक व सैद्धान्तिक आधार, सामाजिक विज्ञान का विद्यालयी विषय के रूप में विकास व प्रवृत्तियां, सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध, सामाजिक विज्ञान तथा सामाजिक अध्ययन में अन्तर।

इकाई 2 - विषय ज्ञान समृद्धि

इस इकाई में विषय ज्ञान समृद्धि के लिए अध्येता के संपर्क केंद्र पर जब अनिवार्य सम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा उस दौरान उन्हें कार्यशाला व गोष्ठियों के माध्यम से उनके विषय ज्ञान को समृद्ध किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त नीचे कुछ पुस्तकों की सूची दी गई है। अध्येता इन पुस्तकों के माध्यम से भी अपने विषय ज्ञान का संवर्धन कर सकेंगे।

इकाई 3 - सामाजिक विज्ञान शिक्षण

लक्ष्य व उद्देश्य, माध्यमिक व उच्चत्तर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम व पुस्तकें, सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के उपागम, सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन, लोकतंत्र, नागरिकता और मानवाधिकार के विमर्श और सामाजिक विज्ञान शिक्षक के निहितार्थ।

इकाई 4- सीखना-सिखाना

सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विधियाँ, पाठ्यपुस्तक विधि, व्याख्यान विधि, कहानी विधि, नाट्य रूपांतरण विधि, तुलनात्मक विधि, सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सम सामयिक राजनैतिक घटनाओं का प्रयोग, पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ, क्षेत्र भ्रमण, फिल्म स्क्रीनिंग, सर्वेक्षण।

इकाई 5- आकलन

सतत और व्यापक मूल्यांकनः उद्देश्य, सिद्धान्त और आवश्यकता, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन कीचुनौतियां, सीखने के लिए आकलन, आकलन का वर्तमान परिदृश्य, रचनात्मक आकलन, योगात्मक आकलन, रचनात्मक व योगात्मक आकलन में अन्तर, आकलन के लिए उपकरणों का विकास।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : जीव विज्ञान शिक्षण (Padagogy of School Subject: Biology Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- विज्ञान की प्रकृति को समझते हुए उसके अर्थ को स्पष्ट करने में सक्षम हो पाएंगे।
- अनुशासन के रुप में जीव विज्ञान की प्रकृति को समझेंगे।
- माध्यमिक तथा उच्च स्तर के जीव विज्ञान पाठ्यक्रम के विषयगत ज्ञान समृद्धी के लिए परिप्रेक्ष्य निर्माण की आवश्यकता तथा महत्व की आलोचनात्मक समझ विक्सित कर पाएंगे।
- राष्ट्रिय पाठ्यचर्या रुपरेखा (2005) के सन्दर्भ में विज्ञान शिक्षण की भूमिका एवं जीव विज्ञान के स्थान जान पाएंगे।

इकाई 1- जीव विज्ञान: एक अनुशासन

विज्ञान क्या है ?, विज्ञान की प्रकृति, वैज्ञानिक विधि, वैज्ञानिक विधि के प्रयोग, वैज्ञानिक विधि की आवश्यकता एवं इससे उत्पन्न प्रवित्तियां, वैज्ञानिक विधि के गुण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं अभिवृत्ति, विज्ञान की शाखाएं, जीव विज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, विद्यालय पाठ्यक्रम में जीव विज्ञान का महत्व एवं स्थान, जीव विज्ञान का विज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज में अन्तःक्षेपण।

इकाई 2 - जीव विज्ञान पाठ्यक्रम के विषयगत ज्ञान की समृद्धि के लिए परिप्रेक्ष्य का विकास

माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के जीव विज्ञान पाठ्यक्रम पर आधारित, विषयगत ज्ञान को केंद्र में रखकर परिप्रेक्ष्य का विकास करने की आवश्यकता तथा महत्व, विषय ज्ञान की समृद्धि के लिए विज्ञान कार्यगोष्ठी/संगोष्ठी, कार्यशाला, विज्ञान क्लब आदि गतिविधियों का आयोजन, विज्ञान कार्यगोष्ठी/संगोष्ठी, विज्ञान कार्यशाला, विज्ञान क्लब ।

इकाई 3 - जीव विज्ञान शिक्षण

विद्यालय स्तर पर विज्ञान के सीखने-सिखाने के लक्ष्य एवं उद्देश्य, विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य, विद्यालय के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य, विद्यालय स्तर पर विज्ञान शिक्षण के लिए निर्धारित उदेश्य, उद्देश्यों के वर्गीकरण का आधार, जीव विज्ञान के निर्धारित उद्देश्यों का विशिष्टीकारण अथवा अधिगम परिणाम, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में विज्ञान शिक्षण की भूमिका एवं विज्ञान का स्थान, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में विज्ञान शिक्षण की भूमिका, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में विज्ञान का स्थान, जीव विज्ञान शिक्षण के प्रचलित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन, जीव विज्ञान शिक्षण के प्रचलित पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन, नवाचार आधारित पाठ्यक्रम, विज्ञान के प्रचार में स्वयं सेवी संगठनों की भूमिका, जीव विज्ञान के सन्दर्भ में निर्माणवाद की व्याख्या और निहितार्थ, विज्ञान के निर्माणवाद कक्षा के विशेषता।

इकाई- 4 विज्ञान में सीखना-सिखाना

वैज्ञानिक घटनाओं के प्रति बच्चों की समझ, बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाएं और इसके शिक्षा शास्त्रीय निहितार्थ, विज्ञान सीखने सिखाने में प्रेक्षण-प्रयोग खोज और अन्त: प्रज्ञा (सूक्ष्म) की भूमिका, शिक्षण शास्त्रीय युक्तियां: समस्या समाधान, खोज प्रदर्शन, प्रयोग, सामूहिक गतिविधियां, क्षेत्र अध्ययन, अवलोकन, वैयक्तिक अनुदेशन कार्यक्रम, कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन, विज्ञान मेला व विज्ञान प्रोजेक्ट, विज्ञान सीखने-सिखाने में आई. सी. टी. का प्रयोग, ई-लर्निंग, निकटवर्ती परिवेश से सीखने-सिखाने के संसाधनों को खोजना और कक्षा में उनका प्रयोग करना, विज्ञान किट का निर्माण, क्षेत्र अवलोकन, हरबेरियम का निर्माण, विज्ञान में प्रायोगिक कार्य के द्वारा सीखना-सिखाना।

इकाई 5 विज्ञान में आकलन

आकलन का अर्थ, निरंतर और व्यापक मूल्यांकन, मूल्यांकन: अर्थ एवं परिभाषा, मापन एवं मूल्यांकन में अन्तर, मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान, मूल्यांकन के उद्देश्य, विज्ञान में मूल्यांकन : अध्यापक निर्मित उपलब्धि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण का अर्थ, उपलब्धि परीक्षणों का महत्व, उपलब्धि परीक्षणों की विशेषताएं, उपलब्धि परीक्षणों की परिसीमाएं, जीव विज्ञान में एक उपलब्धि परीक्षण का निर्माण, परीक्षा प्रणाली, निबन्धात्मक परीक्षा प्रणाली, वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली, विज्ञान में आकलन के विभिन्न तरीके, प्रदत्त कार्य द्वारा आकलन, परियोजना द्वारा आकलन, सृजनात्मक अभिव्यक्ति एवं आकलन।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : भौतिकीय विज्ञान शिक्षण
(Padagogy of School Subject: Phigical Science Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- विज्ञान की प्रकृति को समझते हुए उसके अर्थ को स्पष्ट करने में सक्षम हो जाएँगे।
- अनुशासन के रूप में भौतिकीय विज्ञान की प्रकृति को समझेंगे।

- एक अनुशासन के रूप में भौतिकीय विज्ञान के विकास को समझते हुए वर्तमान में विद्यालयों में इसके स्थान एवं महत्व को जानेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान का विज्ञान की अन्य शाखाओं से सह-सम्बन्ध समझेंगे तथा भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के लिए समन्वित उपागम (Integrated Approach) का विकास करेंगे।
- माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विज्ञान पाठ्यक्रम के विषयगत ज्ञान की समृद्धि के लिए परिप्रेक्ष्य के निर्माण की आवश्यकता तथा महत्व की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
- विज्ञान पाठ्यक्रम के विषय ज्ञान को केंद्र में रखकर परिप्रेक्ष्य का विकास करने के लिए विद्यालय में आयोजित की जानेवाली गतिविधियों जैसे संगोष्ठी, कार्यशाला, विज्ञान क्लब आदि के संगठन तथा आयोजन की समझ विकसित कर सकेंगे।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा (2005) के सन्दर्भ में विज्ञान शिक्षण की भूमिका एवं भौतिकीय विज्ञान के स्थान को जान पाएंगे।
- नवाचार आधारित पाठ्यक्रम जैसे होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानेंगे।
- विज्ञान के प्रचार-प्रसार में स्वयं सेवी संगठन की भूमिका जैसे - जवाहर बाल भवन, किशोर भारती, विक्रम साराभाई सामुदायिक विज्ञान केंद्र, आंध्र प्रदेश विज्ञान केंद्र आदि के बारे में जानेंगे।
- विज्ञान शिक्षण की विभिन्न विधियों के प्रमुख चरणों, गुणों तथा सीमाओं का वर्णन कर सकेंगे।
- विज्ञान शिक्षण हेतु प्रत्यक्ष अवलोकन, प्रयोग एवं खोज की भूमिका के विषय में समझ विकसित कर सकेंगें।

इकाई -1 भौतिकीय विज्ञान: एक अनुशासन

वैज्ञानिक विधि, वैज्ञानिक प्रयोग, वैज्ञानिक विधि की आवश्यकता एवं इसकी प्रवृत्तियां, वैज्ञानिक विधि के गुण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं अभिवृत्ति, विज्ञान की शाखाएँ, भौतिकीय विज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, विद्यालय पाठ्यक्रम में भौतिकीय विज्ञान का महत्व एवं स्थान, भौतिकीय विज्ञान का विज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज में अन्तःक्षेपण।

इकाई-2 विज्ञान पाठ्यक्रम के विषयगत ज्ञान की समृद्धि के लिए परिप्रेक्ष्य का विकास

माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विज्ञान पाठ्यक्रम पर आधारित विषयगत ज्ञान को केंद्र में रखकर परिप्रेक्ष्य का विकास करने की आवश्यकता तथा महत्व, गतिविधियों का आयोजन विषय ज्ञान की समृद्धि के लिए विज्ञान कार्यगोष्ठी/संगोष्ठी, कार्यशाला, विज्ञान क्लब आदि विज्ञान कार्यगोष्ठी/संगोष्ठी, विज्ञान कार्यशाला, विज्ञान क्लब।

इकाई-3 भौतिकीय विज्ञान का शिक्षण

विद्यालय स्तर पर विज्ञान के सीखने-सिखाने के लक्ष्य एवं उद्देश्य, विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य, विद्यालय के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य, विद्यालय स्तर पर विज्ञान शिक्षण के लिए निर्धारित उदेश्य, उद्देश्यों के वर्गीकरण का आधार, भौतिकीय विज्ञान के निर्धारित उद्देश्यों का विशिष्टीकरण अथवा अधिगम परिणाम, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में विज्ञान शिक्षण की भूमिका एवं विज्ञान का स्थान, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में विज्ञान शिक्षण की भूमिका, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में विज्ञान का स्थान, भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के प्रचलित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन, भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के प्रचलित पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन, नवाचार आधारित पाठ्यक्रम, विज्ञान के प्रचार में स्वयं सेवी संगठनों की भूमिका, भौतिकीय विज्ञान के सन्दर्भ में निर्माणवाद की व्याख्या और निहितार्थ, विज्ञान के निर्माणवाद कक्षा की विशेषता।

इकाई- 4 : सीखना-सिखाना

वैज्ञानिक घटनाओं के प्रति बच्चों की समझ, बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाएँ और इसके शिक्षा शास्त्रीय निहितार्थ, विज्ञान सीखने-सिखाने में प्रेक्षण-प्रयोग, खोज और अन्तः प्रज्ञा (सूक्ष्म) की भूमिका, शिक्षण शास्त्रीय युक्तियां, समस्या

समाधान, खोज प्रदर्शन, प्रयोग, सामूहिक, गतिविधियाँ, क्षेत्र अध्ययन, अवलोकन, वैयक्तिक अनुदेशन कार्यक्रम, कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन, विज्ञान मेला व विज्ञान प्रोजेक्ट, विज्ञान सीखने-सिखाने में आई. सी. टी. का प्रयोग, ई-लर्निंग, निकटवर्ती परिवेश से सीखने-सिखाने के संसाधनों को खोजना और कक्षा में उनका प्रयोग करना, विज्ञान किट का निर्माण, विज्ञान में प्रायोगिक कार्य के द्वारा सीखना-सिखाना।

इकाई -5 विज्ञान में आकलन

आकलन का अर्थ, सतत और व्यापक मूल्यांकन, मूल्यांकन: अर्थ एवं परिभाषा, मापन एवं मूल्यांकन में अन्तर, मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान, मूल्यांकन के उद्देश्य, विज्ञान में मूल्यांकन : अध्यापक निर्मित उपलब्धि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण का अर्थ, उपलब्धि परीक्षणों का महत्व, उपलब्धि परीक्षणों की विशेषताएँ, उपलब्धि परीक्षणों की परिसीमाएँ, भौतिकीय विज्ञानों में एक उपलब्धि परीक्षण का निर्माण, परीक्षा प्रणाली, निबन्धात्मक परीक्षा प्रणाली, वस्तुनिष्ठ परीक्षा प्रणाली, विज्ञान में आकलन के विभिन्न तरीके, प्रदत कार्य (Assignment) द्वारा आकलन, परियोजना (Project) द्वारा आकलन, सृजनात्मक अभिव्यक्ति (Creative Expression) एवं आकलन।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : गणित शिक्षण
(Padagogy of School Subject: Mathematics Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- गणित का इतिहास और भारतीय गणितज्ञों एवं पाश्चात्य गणितज्ञों के योगदान को समझ पाएँगे।
- गणित की प्रकृति को समझते हुए उसके अर्थ को स्पष्ट करने में सक्षम हो जाएँगे।
- गणित विषय का अन्य विषयों के साथ सह-संबंध को समझेंगे।
- गणितीय संरचनाओं के निर्माण को समझते हुए गणित को मानव रचित विषय के रूप में समझ पाएँगे।
- पियाजे, ब्रुनर और वाइगोटस्की के अंतर्दृष्टि चिंतन का विश्लेषण कर सकेंगे।
- गणित के विभिन्न प्रसंगों का शैक्षिक विश्लेषण कर सकेंगे।
- गणित शिक्षण में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न शिक्षण विधियों का शिक्षण में उपयोग कर सकेंगें।
- गणित शिक्षण की विभिन्न विधियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- गणित शिक्षण में विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर विभिन्न प्रसंगों के लिए उपयुक्त शिक्षण विधियों का चुनाव कर सकेंगें।
- पाठ योजना का निर्माण करना सीख पाएँगे।
- अंकगणित शिक्षण के लिए उपयुक्त शिक्षण विधियों का चयन कर पाएँगे।
- बीजगणित शिक्षण के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तियों का चयन कर पाएँगे।
- रेखागणित शिक्षण के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तियों का चयन कर पाएँगे।
- गणित के अन्य प्रसंगों जैसे त्रिकोणमिति एवं सांख्यिकी के लिएउपयुक्त शिक्षण युक्तियों का चयन कर पाएँगे।
- गणित के विभिन्न शाखाओं के शिक्षण के महत्व और उपयोगिता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई -1: गणितीय संप्रत्यय, उद्देश्य और चिंतन का परिचय

गणित शिक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए गणित का इतिहास, भारतीय गणितज्ञों का योगदान, गणित का अर्थ, गणित का क्षेत्र, गणित की प्रकृति, गणित शिक्षण के उद्देश्य और प्राप्य उद्देश्य, गणित का अन्य विषयों के साथ सह-सम्बंध, पैटर्न की रचना जानना व सामान्यीकृत पैटर्न के रूप में गणित का अध्ययन, आकृतियों का पैटर्न, सांख्यकीय पैटर्न, अमूर्त पैटर्न की पहचान और विश्लेषण, गणित को मानव द्वारा रचित विषय के रूप में समझना, गणितीय संरचना (structure) का निर्माण, स्वयंसिद्धियाँ (Axioms), अभीगृहीतियाँ (Postulates), प्रमाण (Proof): प्रमाण क्या है ? प्रमाण के विभिन्न विधियाँ: प्रत्यक्ष (Direct), अप्रत्यक्ष(Indirect), विपरीत उदाहरण (Counter Examples) और आगमन के द्वारा प्रमाण, दिन-प्रतिदिन प्रयुक्त गणित, बहुसांस्कृतिक गणित, गणित में सौंदर्य सिद्धांत।

इकाई-2 गणित सीखना, पाठ्यक्रम और विधियाँ

संज्ञानात्मक विकास का अर्थ, जीन पियाजे, जे. एस. ब्रुनर, वाइगोटस्की, पेडागोजिकल विश्लेषण, शिक्षण-बिंदुओं के निर्धारण की आवश्यकता, शिक्षण-बिंदुओं को निर्धारण करने की विधि, पेडागोजिकल विश्लेषण (Pedagogical Analysis) प्रकरण: समुच्चय, प्रकरण : अनुपात एवं समानुपात, गणित शिक्षण की विधि, व्याख्यान विधि, आगमन विधि, निगमन विधि, विश्लेषण विधि, संश्लेषण विधि, प्रदर्शन विधि, पूछताछ और खोज विधि, समस्या समाधान विधि, प्रोजेक्ट विधि, प्रयोगशाला विधि।

इकाई-3 पाठ्यक्रम और योजना

इकाई योजना तथा उसका प्रारूप, इकाई योजना की परिभाषा, इकाई-योजना की विशेषताएँ, इकाई योजना के उद्देश्य, इकाई योजना के गुण, इकाई योजना के दोष, इकाई परीक्षण का प्रारूप, पाठ योजना, पाठ-योजना का आशय एवं परिभाषाएँ, अच्छी पाठ-योजना की विशेषताएँ, पाठ योजना की आवश्यकता, पाठ योजना का महत्व, पाठ योजना का निर्माण, माध्यमिक स्तर के गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तिओं का चयन करना, अंकगणित-शिक्षण, बीजगणित-शिक्षण, रेखागणित शिक्षण, त्रिकोणमिति शिक्षण, सांख्यिकी शिक्षण।

इकाई - 4 हम आसानी से गणित कैसे सिखाए ?

सीखने की संस्कृति, कक्षा में सक्रिय वातावरण का निर्माण, कक्षा में विचारों को साझा करना तथा खोज करना, नव परिवर्तनशील प्रक्रिया को बढ़ावा देना, गणित की कक्षा में संचार की भूमिका, कक्षा में गणितज्ञों का समूह बनाना: गणितीय क्लब, गणितीय चिंतन में श्रव्य-दृश्य सामग्री, गणित से जुड़ी कहानियां, गणित में तकनीकी का उपयोग, गणित की प्रकृति और गणित सीखने के विषय में शिक्षक के विश्वास और ज्ञान का गणित शिक्षण में महत्व, विद्यालयी गणित की उत्कृष्टता में शिक्षक की भूमिका।

इकाई - 5 गणित शिक्षण में मूल्यांकन

मापन और मूल्यांकन की अवधारणा, मापन का प्रत्यय, मूल्यांकन का प्रत्यय, मूल्यांकन उपकरण: अर्थ और आवश्यकता, मापन तथा मूल्यांकन की तकनीकें, मापन व मूल्यांकन के उपकरण, नैदानिक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण, व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ परीक्षण, संरचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन, सतत और व्यापक मूल्यांकन, निकष संदर्भित और मानक संदर्भित मूल्यांकन, ब्लू-प्रिंट की रचना और गणित में शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का निर्माण।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा
(Padagogy of School Subject: Health and Yoga Teaching) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

- विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता के महत्व के बारे में बताना।
- स्वास्थ जीवन शैलिसे सम्बंधित स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं की जानकारी।

- विद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर होने वाले विभिन्न प्रतियोगिता के बारे में जानना।
- स्वास्थ्य के कार्यक्रमों को आयोजित करने सम्बंधि सिद्धांतो की जानकारी देना।

इकाई 1: स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा

स्वास्थ्य का अर्थ, परिभाषा, स्वास्थ्य के प्रमुख आयाम, स्वास्थ्य और सेहत का आरेखीय प्रतिरूप, स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा, स्वास्थ्य शिक्षा के सिद्धांत, संतुलित आहार क्या है ? संक्रामक रोग तथा इससे बचाव के तरीके व उपचार।

इकाई 2: शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान

शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान का अर्थ व परिभाषा, पाचन संस्था : कार्य तथा व्यायाम का प्रभाव, मासपेशी संस्था : कार्य तथा व्यायाम का प्रभाव, रक्त परिचरण संस्थान: उच्च रक्त चाप, निम्न रक्त चाप, रक्त वर्ग।

इकाई 3: मनोरंजन एवं प्राथमिक उपचार

मनोरंजन: परिचय, अर्थ एवं इसके प्रकार, उद्देश्य। चक्र स्पर्धाएं, अन्तसंस्थान एवं अंतर्संस्थान प्रतियोगिता, खेल चोटें, प्राथमिक उपचार।

इकाई 4: योग शिक्षा

योग का अर्थ एवं परिभाषा, अष्टांग योग-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधी। विभिन्न योगासन एवं उनके लाभ, योग का वर्तमान जीवन में महत्व।

शिक्षा 23: विद्यालय विषय शिक्षण : प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा (Padagogy of School Subject: Performing arts and education) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व के सन्दर्भ में समझ पाएंगे।
- कला का अर्थ, परिभाषा, तत्व, संक्षिप्त इतिहास- नाट्यकला के सन्दर्भ में जान पाएंगे।
- संगीत का उद्भव (भौतिक , अतिभौतिक, मानसिक अथवा मनोवैज्ञानिक) के सन्दर्भ में अपनी समझ विकसित कर पाएंगे।
- वैदिक काल में संगीत, जैन काल, बौद्ध काल, पौराणिक काल, स्मृति ग्रंथों में संगीत, मौर्य काल, कनिष्क काल, गुप्त काल, यवन काल, खिलजी युग, मुग़ल काल के सन्दर्भ में समझ पाएंगे।
- भारतीय नृत्य, संगीत एवं नाट्य के प्रकार एवं परिचयके सन्दर्भ में जान पाएंगे।
- हिन्दुस्तानी गायन शैलियां ,कृति) दक्षिण गायन शैलियां (जनभ ,टप्पा ,ठुमरी ,तराना ,खयाल ,ध्रुपद या ध्रुवपद) (कीर्तनम ,पदम् तथा जावलि ,तिल्लाना ,पल्लवी-तानम-रागम सन्दर्भ में समझ पाएंगे।
- स्वर, ठाठ एवं राग-शास्त्र का संक्षिप्त परिचय सन्दर्भ में समझ पाएंगे।
- विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग शिक्षा के विशेष संदर्भ में सन्दर्भ में समझ पाएंगे।

इकाई 1 - प्रदर्शनकारी कलाएं

शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व, कलाएं प्रदर्शन के सन्दर्भ में, कला का अर्थ, कला की परिभाषा, कला के तत्व, संक्षिप्त इतिहास- नाट्यकला।

इकाई 2 - संगीत का उद्भव (भौतिक, अतिभौतिक, मानसिक अथवा मनोवैज्ञानिक)

संगीत की विकास यात्रा सिंधु-वैदिक सभ्यता से लेकर आधुनिक युग तक, वैदिक काल में संगीत, जैन काल, बौद्ध काल, पौराणिक काल, स्मृति ग्रंथों में संगीत, मौर्य काल, कनिष्क काल, गुप्त काल, यवन काल, खिलजी युग, मुग़ल काल,

प्रायोगिक अभ्यास (गायन)-स्वर अभ्यास, स्वरों पर दिए गए चिन्हों का स्पष्टीकरण,(भातखंडे पद्धति), स्वर बोध-(अभ्यास), प्रायोगिक अभ्यास (नाट्य)- स्वर अभ्यास, वहन शक्ति, स्वरमान, भ्रमण सीमा और लोच, प्रायोगिक प्रदर्शन गायन, प्रायोगिक प्रदर्शन नाट्य।

इकाई 3 - भारतीय नृत्य, संगीत एवं नाट्य के प्रकार एवं परिचय

भारतीय नृत्य, संगीत एवं नाट्य के प्रकार एवं परिचय, भारतीय नृत्य कला, भरत नाट्यम, कथकलि, मणिपुरी, कथक, कुचिपुड़ी, ओड़िसी, मोहिनीअट्टम, भारतीय संगीत के प्रकार, हिन्दुस्तानी संगीत, कर्नाटक संगीत, हिन्दुस्तानी गायन शैलियां (ध्रुपद या ध्रुवपद, खयाल, तराना, ठुमरी, टप्पा, भजन) दक्षिण गायन शैलियां (कृति, रागम-तानम-पल्लवी, तिल्लाना, पदम् तथा जावलि, कीर्तनम), वाद्यों के प्रकार (तत वाद्य, सुषिर वाद्य, अवनद्ध वाद्य, घन वाद्य), नाट्य के प्रकार एवं परिचय (नाटक, प्रकरण, समवकार, ईहामृग, डिम,भाण, वीथी, प्रहसन, उत्सृष्टिकांक, लोक संगीत के विभिन्न प्रकार, विभिन्न प्रदेशों की लोकप्रिय गीत-शैली (धुनें) व नृत्य, प्रागोगिक अभ्यास- पद गायन एवं लय-1, प्रायोगिक अभ्यास-2, नाट्य के विभिन्न अवयव या घटक, प्रायोगिक प्रदर्शन।

इकाई 4 - स्वर, ठाठ एवं रागशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

स्वर, शुद्ध स्वर, शुद्ध तीव्र तथा विकृत (कोमल) स्वर, थाट, दस थाट तथा उनके सांकेतिक चिन्ह, राग शास्त्र और उसका संक्षिप्त परिचय, राग के कुछ आवश्यक तथ्य, प्रायोगिक- विभिन्न रागों को सुनना-सुनाना, एक परिचय, नाट्य में धर्मिताएं, काकु प्रयोग नाट्य एवं गायन के विशेष सन्दर्भ में, विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग शिक्षा के विशेष संदर्भ में, पूर्व प्राथमिक स्तर, प्राथमिक स्तर, उच्च प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर, उच्चतर माध्यमिक स्तर।

शिक्षा 24: विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व
(School Management and Leadership) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य

- विद्यालय प्रबंधन की अवधारणा एवं क्षेत्र के विषय में अपनी समझ का विकास कर पाएँगे।
- प्रबंधन के विभिन्न सिद्धान्तों को समझ पाएँगें।
- प्रबंधन के विभिन्न चरणों के बारें में जान पाएंगे।
- विद्यालय का वार्षिक कैलेन्डर, दैनिक कार्यक्रम की योजना, समय सारणी, स्टाफ मीटिंग आदि के बारें में जान पाएँगे।
- विद्यालयों में संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से होता है, इसके बारें में जान पाएँगे।
- इस इकाई का पहला उद्देश्य छात्रों को विद्यालय संगठन सम्बन्धी जानकारी से परिचित कराना है।
- इकाई का दूसरा उद्देश्य विद्यालय के अन्य शैक्षिक संस्थाओं से सम्बन्ध की जानकारी छात्रों को देना है।

इकाई 1: विद्यालय प्रबंधन

विद्यालय प्रबंधन की अवधारणा एवं क्षेत्र, प्रबन्धन का अर्थ एवं परिभाषा, प्रबन्धन की विशेषताएँ, प्रबन्धन अथवा प्रशासन की परिभाषा, प्रबन्धन के आयाम, प्रबन्धन की अवधारणा, प्रबन्धन का क्षेत्र, भारत में विद्यालय प्रबन्धन, विद्यालय प्रबंधन के विभिन्न चरण, प्रबंधन के सिद्धान्त-क्लासिकल, नियो-क्लासिकल एवं आधुनिक।

इकाई 2: विद्यालय प्रबंधन की गतिविधियाँ

वार्षिक कैलेन्डर, दैनिक कार्यक्रम की योजना, समय सारणी, स्टाफ मीटिंग, छात्रों की समस्याएँ, विद्यालय संसाधनों का प्रबंधन।

इकाई 3: विद्यालय संगठन

विद्यालय संगठन- अर्थ, विशेषताएँ, क्षेत्र, विद्यालय संगठन तथा प्रशासन, विद्यालय का अन्य शैक्षिक संस्थानों से सम्बन्ध, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE), अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (CTE)।

इकाई 4 : नेतृत्व

नेतृत्व का अर्थ, प्रभुत्व और नेतृत्व में अंतर, प्रशासन और नेतृत्व में अंतर, नेतृत्व की विशेषताएं, नेतृत्व के लिए आवश्यक गुण, शैक्षिक नेतृत्व का अर्थ, शैक्षिक नेतृत्व में बाधाएं, नेतृत्व की संभावनाएं, संगठन में संसाधनों का प्रबन्धन, शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में समुदाय की सहभागिता।

शिक्षा 25: विद्यालय संपर्क कार्यक्रम (School Contact Programme) - 4 क्रेडिट

विद्यालय संपर्क कार्यक्रम अध्यापक शिक्षा का एक अभिन्न अंग है । यह अध्येताओं को शिक्षण अभ्यास से परिचित कराता है तथा तत्संबंधी मार्गदर्शन भी करता है । इस कार्यक्रम के अंतर्गत वे माध्यमिक/ उच्च माध्यमिक विद्यालय में नियमित रूप से होने वाली सभी गतिविधियों का अवलोकन करेंगे, वहाँ के शिक्षक, छात्र एवं अन्य संबंधित लोगों से अंत: क्रिया करेंगे एवं शिक्षण योजना का निर्माण भी करेंगे । इसके साथ ही वे निम्नलिखित कार्यों का व्यवस्थित रूप से निष्पादन करेंगे -

- कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन करना।
- विद्यालय परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना।
- पाठ सहगामी क्रिया का आयोजन तथा प्रबंधन करना।
- विद्यालय दैनिकी

इस कार्यक्रम में विद्यालय अवलोकन से प्राप्त अनुभवों द्वारा अध्येता अपने विषय शिक्षण के ज्ञान और समझ को परिमार्जित करेंगे तथा पूर्ण आत्मविश्वास के साथ परवर्ती शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम के विभिन्न गतिविधियों का प्रभावशाली रूप में निष्पादन करेंगे।

तृतीय सेमेस्टर

शिक्षा 31: विद्यालय शिक्षण अनुभव कार्यक्रम (18 सप्ताह) (School Internship Programme) - 16 क्रेडिट

इसके अंतर्गत अध्येता विद्यालय में नियमित शिक्षक की भांति अध्यापन करेंगे एवं विद्यालय के समस्त क्रियाकलाप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे । इस दौरान छात्राध्यापकों से अपेक्षा रहेगी कि वे पाठ योजना बनाना, विद्यालय के अन्य पाठ्य-सहगामी क्रियाओं के लिए योजना बनाना, शिक्षण, मूल्यांकन, विद्यालय के अन्य शिक्षकों, छात्रों, उनके

अभिभावकों एवं समुदाय के अन्य सदस्यों के साथसार्थक विमर्श करते हुए विद्यालयी अनुभव को समग्रता में ग्रहण करेंगे। उनके मूल्यांकन के निम्नलिखित मापदंड होंगे: सूक्ष्म शिक्षण, पाठयोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन, उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट, प्रकरण अध्ययन, क्रियात्मक अनुसंधान, विद्यालय अभिलेखों का विवरण एवं प्रस्तुति, मनोविज्ञान प्रयोगात्मक, समुदाय के साथ अंतर्क्रिया (रिपोर्ट)।

शिक्षा 32: विद्यालय विषय शिक्षण (प्रायोगिक)
Pedagogy of School Subject (Practical) - 4 क्रेडिट

इस सत्र के अंत में एक प्रायोगिक परीक्षा ली जाएगी जिसमें एक पाठ योजना बनाकर पढ़ाना होगा। इस पर 50 अंक होंगे। इसमे 25 अंक आंतरिक परीक्षक एवं 25 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकित किये जायेंगे। शेष 50 अंक की मौखिक परीक्षा होगी। उनके मूल्यांकन के निम्नलिखित मापदंड होंगे: सूक्ष्म शिक्षण, उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट, प्रकरण अध्ययन, क्रियात्मक अनुसंधान, विद्यालय अभिलेखों का विवरण एवं प्रस्तुति, सामुदायिक कार्य, मनोविज्ञान प्रयोगात्मक, बी.एड. पाठ्यक्रम से सम्बंधित जानकारी आदि।

चतुर्थ सेमेस्टर

शिक्षा 041 : शिक्षा तकनीकी (Educational Technology) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य

- शैक्षिक तकनीकी के प्रत्यय, क्षेत्र एवं उपयोगिता का सामान्यीकरण कर सकेंगे।
- शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न प्रकारों की विवेचना कर सकेंगे।
- वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी की भूमिका की समालोचना कर सकेंगे।
- अनुदेशन तंत्र में संप्रेषण की प्रभावात्मकता को जान पाएंगे तथा कक्षा-कक्ष गतिविधि के दौरान अपने संप्रेषण को प्रभावी बनाएंगे।
- शिक्षा में जनसंचार के द्वारा संप्रेषणके माध्यमों के बारे में जानेंगे।
- प्रत्यक्ष एवं दूरस्थ शिक्षा तथा प्रशिक्षण के अन्य वैकल्पिक माध्यम को जानेंगे।
- शिक्षण हेतु प्रयुक्त विभिन्न अनुदेशन नीतियों के विषय में समझ विकसित कर सकेंगें।
- विभिन्न शिक्षण प्रतिमानों की व्याख्या कर सकेगें।
- शिक्षा तकनीकी में विभिन्न नवाचारों को समझ सकेंगे।

इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी: प्रत्यय, प्रकृति एवं क्षेत्र

शैक्षिक तकनीकी: प्रत्यय, क्षेत्र एवं महत्व, शैक्षिक तकनीकी: प्रत्यय, शैक्षिक तकनीकी: क्षेत्र एवं महत्त्व, शैक्षिक तकनीकी के प्रकार: शिक्षण तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी एवं व्यवहार तकनीकी, शिक्षण तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी, व्यवहार तकनीकी, शैक्षिक तकनीकी के उपागम- हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, तंत्र एवं संप्रेषणमनोविज्ञान, शिक्षण के प्रकार - अनुकूलन, प्रशिक्षण, मतारोपण एवं अनुदेशन, शिक्षा में तकनीकी की भूमिका।

इकाई 2: संप्रेषण एवं अनुदेशन

अनुदेशन तंत्र में संप्रेषणकी प्रभावात्मकता, संप्रेषण-प्रकार, प्रक्रिया एवं बाधकतत्व, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण की प्रक्रिया, संप्रेषण के बाधक तत्व, शिक्षा में जन संचार के द्वारा संप्रेषण के माध्यम, कार्य विश्लेषण की अवधारणा, अनुदेशन के युक्तियाँ एवं अनुदेशन के माध्यम, अनुदेशन के युक्तियाँ, अनुदेशन के माध्यम, शिक्षा एवं प्रशिक्षण: प्रत्यक्ष, दूरस्थ एवं अन्य वैकल्पिक माध्यम।

इकाई 3: अनुदेशन प्रारूप

अनुदेशन प्रारूप: प्रत्यय, प्रक्रिया एवं अनुदेशन प्रारूप के विकास की अवस्थाएँ, अभिक्रमित अनुदेशन: उत्पत्ति एवं प्रकार- रेखीय, शाखीय एवं मैथेटिक्स अभिक्रम, अभिक्रमित अनुदेशन सामग्री का निर्माण, अनुदेशन नीतियाँ: व्याख्यान, वार्तालाप, संगोष्ठी एवं टूटोरिअल, टेली कॉन्फ्रेंसिंग, देशव्यापी कक्षा परियोजना, उपग्रह आधारित अनुदेशन।

इकाई 4: शिक्षक व्यवहार में सुधार

सूक्ष्म शिक्षण, सूक्ष्म शिक्षण का इतिहास, सूक्ष्म शिक्षण की परिभाषाएँ, सूक्ष्म शिक्षण की मूलभूत मान्यताएँ, सूक्ष्म शिक्षण के सिद्धांत, सूक्ष्म शिक्षण के चरण, सूक्ष्म शिक्षण का भारतीय प्रतिमान, सूक्ष्म शिक्षण के लाभ, सूक्ष्म शिक्षण के उपयोग, सूक्ष्म शिक्षण की सीमाएँ, अनुकरणीय सामाजिक कौशल प्रशिक्षण, अनुकरणीय सामाजिक कौशल प्रशिक्षण का अर्थ, अनुकरणीय सामाजिक कौशल प्रशिक्षण की विशेषताएँ, अनुकरणीय सामाजिक कौशल प्रशिक्षण के तत्व, अनुकरणीय प्रविधि के सोपान, अनुकरणीय सामाजिक कौशल प्रशिक्षण से लाभ, अनुकरणीय सामाजिक कौशल प्रशिक्षण की उपयोगिता, अनुकरणीय सामाजिक कौशल प्रशिक्षण की सीमाएँ, टोली शिक्षण, टोली शिक्षण का अर्थ एवं परिभाषा, टोली शिक्षण की विशेषताएँ, टोली शिक्षण के उद्देश्य, टोली शिक्षण के लाभ, टोली शिक्षण के उपयोग, टोली शिक्षण की सीमाएँ, फ्लैण्डर्स की अंत:क्रिया विश्लेषण प्रविधि, अंत:क्रिया विश्लेषण का अर्थ एवं परिभाषाएँ, अंत: क्रिया विश्लेषण के उद्देश्य, फ्लैण्डर्स की अंत:क्रिया विश्लेषण की दस वर्ग प्रणाली, फ्लैण्डर्स की अंत: क्रिया विश्लेषण की विशेषताएँ, फ्लैण्डर्स की आधारभूत मान्यताएँ, फ्लैण्डर्स विधि की सीमाएँ, शिक्षण प्रतिमान, शिक्षण प्रतिमान की परिभाषाएँ, शिक्षण प्रतिमान के प्रकार, आधुनिक शिक्षण प्रतिमान, विकासात्मक प्रतिमान, संप्रत्यय उपलब्धि प्रतिमान, अग्रिम संगठक प्रतिमान, दिशा-विहीन शिक्षण प्रतिमान, शैक्षिक तकनीकी में शोध, शैक्षिक तकनीकी में अनुसंधानों पर आधारित नवीन प्रवृत्तियाँ।

शिक्षा 042 : शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श
(Educational Guidance and Counseling) 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य

- अध्येता निर्देशन एवं परामर्श की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- वे विद्यार्थियों को व्यवसाय के चयन में निर्देशन व परामर्श दे सकेंगे।
- विद्यालय में दिव्यांग तथा विविध क्षमताओं वाले विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर सकेंगे।
- व्यवसाय में कार्य का विश्लेषण कर सकेंगे।
- समायोजन की प्रक्रिया में विद्यालय और शिक्षकों की भूमिका की व्याख्या कर सकेंगे।
- प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रदान किये जाने वाले व्यक्तिगत परामर्श की प्रकृति एवं महत्ता को समझ सकेंगे।

इकाई 1: संकल्पना निर्देशन

निर्देशन का अर्थ, निर्देशन की प्रकृति- निर्देशन के कार्य, शैक्षिक, व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत निर्देशन की आवश्यकता, शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक निर्देशन, व्यक्तिगत निर्देशन, राष्ट्रीय विकास के लिए निर्देश, निर्देशन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, निर्देशन के उद्देश्य, निर्देशन के सिद्धान्त, निर्देशन में परीक्षणों एवं उपकरणों की भूमिका, बुद्धि परीक्षण, उपलब्धि

परीक्षण, योग्यता परीक्षण, व्यक्तित्व परीक्षण, संचयित रिकार्ड, वास्तविक रिकार्ड, मामला अध्ययन, साक्षात्कार, सामाजिक तकनीकी।

इकाई 2: व्यावसायिक निर्देशन

व्यावसायिक निर्देशन, व्यावसायिक चयन, व्यावसायिक विकास, विकासात्मक कार्य, निर्धारक एवं सिद्धांत, विकासात्मक कार्य, व्यावसायिक चयन एवं विकास के निर्धारक, व्यावसायिक चयन एवं कर्मचारी चयन, कार्य विश्लेषण, कार्य विवरण एवं कार्य विशिष्टीकरण, कार्य-विश्लेषण में सूचना के स्त्रोत, कर्मचारी विश्लेषण, प्रमुख कर्मचारी चयन विधियां, व्यावसायिक समायोजन, व्यावसायिक समायोजन के सिद्धांत, व्यावसायिक निर्देशन में मनोवैज्ञानिकों की भूमिका।

इकाई 3: समायोजन

समायोजन, समायोजनात्मक प्रक्रिया के घटक, समायोजन के विविध क्षेत्र, व्यक्तिगत समायोजन, शारीरिक विकास और स्वास्थ्य संबंधी समायोजन, मानसिक विकास और स्वास्थ्य समायोजन, संवेगात्मक समायोजन, लैंगिक समायोजन, व्यक्तिगत आवश्यकताओं से संबंधित समायोजन, सामाजिक समायोजन, घर - परिवार से समायोजन, मित्र और संबंधियों से समायोजन, पड़ोसियों तथा समुदायों के अन्य सदस्यों से समायोजन, व्यावसायिक समायोजन, एक भली भांति समायोजित व्यक्ति की विशेषताएं, कुसमायोजन, व्यक्तिगत निर्देशन, समायोजन की प्रक्रिया में विद्यालय और शिक्षकों की भूमिका।

इकाई 4: परामर्श

परामर्श- संकल्पना, अर्थ एवं परिभाषा, विभिन्न परामर्श सिद्धांत, परामर्श की विधियाँ एवं तकनीक, परामर्श के लिए साक्षात्कार की आवश्यकता, परामर्श में हाल की प्रवृत्तियाँ, परामर्श और मार्गदर्शन में शोध, परामर्श और मार्गदर्शन में अंत, विद्यालय में परामर्श सेवा, विशिष्ट बालकों के लिए परामर्श।

शिक्षा 043 : ज्ञान एवं पाठ्यचर्या
(Knowledge and Curriculum-I) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- छात्रों को पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया तथा इसमें विभिन्न पक्षों की भूमिका से अवगत कराना है।
- पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम में संबंध का ज्ञान प्राप्त करना।
- समय सारणी की आवश्यकता तथा महत्व का प्राप्त करना।
- समय सारिणी के प्रकार का ज्ञान प्राप्त करना।
- समय-सारिणी बनाने के सिद्धांत का ज्ञान प्राप्त करना।
- पाठ्य-पुस्तक के विभिन्न गुणों का ज्ञान प्राप्त करना।
- पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा ज्ञान प्राप्त करना।

इकाई - 1 ज्ञान मीमांसा एवं शिक्षा का सामाजिक सन्दर्भ

ज्ञान मीमांसा की संकल्पना, सामाजिक शिक्षा की संकल्पना, ज्ञान और कौशल, अध्यापन और प्रशिक्षण, ज्ञान, तर्क एवं विश्वास, विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षा, क्रियाकलाप, खोज एवं संवाद की संकल्पना: गांधी, डीवी और प्लेटो के सन्दर्भ में।

इकाई - 2 पाठ्यक्रम शिक्षा समाज और आधुनिक मूल्य

समाज, संस्कृति और आधुनिकता, औद्योगीकरण, लोकतंत्र एवं वैयक्तिक स्वायत्ता, अम्बेडकर के संदर्भ में आधुनिक मूल्य, वैयक्तिक अवसर, सामाजिक न्याय एवं नैतिकता और शिक्षा, राष्ट्रीयता, वैश्विकता एवं धर्म निरपेक्षता का शिक्षा से अंत:संबंध।

इकाई - 3 पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, पाठ्यक्रम की रूपरेखा, पाठ्यक्रम के निर्माण में सहभागी घटक, पाठ्यक्रम विकास के उपागम, पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया, पाठ्यक्रम मूल्यांकन की प्रक्रियाएँ, पाठ्यक्रम निर्माण में शासन की भूमिका, पाठ्यक्रम निर्माण में सामाजिक घटकों की भूमिका।

इकाई - 4 पाठ्यचर्या

पाठ्यचर्या, पाठ्यचर्या का अर्थ, पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम में संबंध पाठ्यक्रम के उद्देश्य, पाठ्यचर्या की आवश्यकता एवं महत्व, पाठ्यचर्या के प्रकार, समय सारिणी, समय सारिणी का अर्थ, समय सारिणी की आवश्यकता तथा महत्व, समय सारिणी के प्रकार, समय सारिणी के सिद्धांत, समय सारिणी बनाने में कठिनाइयाँ, मुख्याध्यापक तथा समय-सारिणी एवं पाठ्य पुस्तक, पाठ्य पुस्तकों का महत्व, पाठ्य-पुस्तकों की विशेषताएँ, पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा।

शिक्षा 044 - पर्यावरण शिक्षा
(Environmental Education) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- पर्यावरण के अर्थ, संप्रत्यय एवं इसके विभिन्न अवयवों के विषय में वर्णन कर सकेंगे।
- पर्यावरण प्रदूषण के संप्रत्यय व प्रदूषण के प्रकार, स्रोत, प्रभाव तथा नियंत्रण की विधियों का वर्णन कर सकेंगे।
- वनोंमूलन, भूक्षरण, ग्रीन हाउस, ओजोन के कारण व प्रभाव के विषय में समझ विकसित कर सकेंगे।
- पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व की समीक्षा कर सकेंगे।
- पर्यावरण शिक्षा के विभिन्नि पक्षों से परिचित होंगें।
- पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करेंगे।
- पर्यावरण शिक्षा के तरीके एवं उपागम के बारे में जानेंगे।
- पर्यावरण शिक्षा के प्रसारण में जनसंचार, चलचित्र एवं दूरदर्शन की भूमिका स्पष्ट करेंगे।
- पर्यावरण जागरूकता के विकास में अध्यापकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व को समझ पाएंगे।

इकाई - 1 पर्यावरण: संप्रत्यय एवं समस्याएँ

पर्यावरण का अर्थ एवं अवयव, पर्यावरण अवनयन, प्रदूषण: अर्थ एवं प्रकार, नियंत्रण के लिए उपाय, वनोंमूलन, भूक्षरण, ग्रीन हाउस प्रभाव, ओजोन परत का अवक्षय।

इकाई - 2 पर्यावरण शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व

पर्यावरण शिक्षा का अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति, पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व, पर्यावरण शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारक, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत धारणीय विकास।

इकाई - 3 पर्यावरण शिक्षा : पाठ्यक्रम

शिक्षा के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता, प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा के स्तर पर पर्यावरण शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा तथा पाठ्यक्रम, पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण परिवर्तन के लिये शिक्षा।

इकाई - 4 पर्यावरण शिक्षा : शिक्षण उपागम एवं रणनीतियाँ

पर्यावरण शिक्षा के तरीके एवं उपागम, पर्यावरण शिक्षा को प्रभावशाली बनाने के तरीके एवं रणनीतियाँ, क्षेत्र भ्रमण, परिचर्चा, रोल प्ले, समस्या निवारण विधा, केस अध्ययन विधा, ब्रेन स्टोर्मिंग विधा, परियोजनाएं एवं सर्वेक्षण, पर्यावरण

क्लब, पर्यावरण शिक्षा के प्रसारण में जनसंचार, चलचित्र एवं दूरदर्शन की भूमिका, समाचार-पत्रों की भूमिका, रेडियो की भूमिका, दूरदर्शन की भूमिका, फिल्म एवं वृत्तचित्र, पोस्टर, पर्यावरण जागरूकता के विकास में अध्यापकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व, पर्यावरण जागरूकता के विकास में अध्यापकों की भूमिका, पर्यावरण प्रदूषण दूर करने में शिक्षक द्वारा उठाये जाने योग्य अपेक्षित सोपान।

शिक्षा 045 - जेंडर, विद्यालय एवं समाज
(Gender, School and Society) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- जेंडर विमर्श के विभिन्न पक्षों से परिचित होंगे।
- विद्यालय, समाज और जेंडर के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कर सकेंगे।
- भारतीय समाज में जेंडर के परिप्रेक्ष्य में समाजीकरण की प्रक्रिया के विषय में समझ विकसित कर सकेंगे।
- स्त्रियों की शिक्षा में विद्यमान असमानता एवं प्रतिरोध के कारणों के विषय में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- महिलाओं के लिए शिक्षा के असमान अवसरों के संदर्भ में स्त्रीवादी दृष्टिकोण से विमर्श करते हुए अपने विचार अभिव्यक्त कर पाएंगे।
- विद्यालय पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और विद्यालय गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से विवेचना कर सकेंगे।
- जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र की आलोचनात्मक व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई 1: परिचय

जेंडर, लिंग, पितृसत्ता, स्त्रीत्व और पुरुषत्व, जेंडर रूढ़ियाँ, जेंडर के मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य: धुर नारीवादी (रैडिकल), समाजवादी नारीवादी।

इकाई 2: जेंडर आधारित समाजीकरण की प्रक्रिया

जेंडर आधारित समाजीकरण की प्रक्रिया, जेंडर आधारित पहचान के विकास में परिवार, समुदाय, विद्यालय और अन्य सामजिक संगठन कृत समाजीकरण की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन, भारतीय सन्दर्भ में हुए नृजातीय अध्ययन।

इकाई 3: लड़कियों की शिक्षा

असमानता और प्रतिरोध, भारत में महिला शिक्षा का इतिहास, भारत में लड़कियों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति व चुनौतियां, स्त्रीवादी दृष्टिकोण से शिक्षा के अवसरों की असमानता की व्याख्या, मीडिया और अन्य लोकप्रिय माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण।

इकाई 4: विद्यालयों में जेंडर असमानता

स्कूली अनुभवों जैसे पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और विद्यालयी गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या विद्यालय पाठ्यचर्या की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या, विद्यालय शिक्षणशास्त्र की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या, विद्यालय गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या, जेंडर के सन्दर्भ में प्रछन्न पाठ्यक्रम, कक्षागत प्रक्रियाओं द्वारा जेंडररुढियों का पुनर्बलन, जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र, जेंडर की दृष्टि से विद्यालयी अनुभवों पर मनन और युक्तियाँ, शिक्षकों की संवेदनशीलता ।

शिक्षा: 046 - मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा
(Human Rights and Peace Education) - 4 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य:

- विद्यालय में शांति शिक्षा के प्रसार में शिक्षक की भूमिका को जान सकेंगे।
- मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास के बारे में जान सकेंगे।
- नागरिक अधिकार कानून, सामाजिक सांस्कृतिक अधिकार कानून से परिचित हो सकेंगे।
- मानवाधिकार के नीतिगत परिप्रेक्ष्य के सन्दर्भ में भारतीय संविधान की भूमिका को जान सकेंगे।
- शांति शिक्षा की चुनौतियाँ सामुदायिक एवं साम्प्रदायिक संघर्ष के बारे में जान सकेंगे।
- शांति शिक्षा के संदर्भ में महात्मा गाँधी, टैगोर,जे.कृष्णमूर्ति, दलाई लामा, पाउलो फ्रेरे के विचार को जान सकेंगे।
- शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय एवं शिक्षक की भूमिका कोसमझ सकेंगे।

इकाई 1: मानवाधिकार की अवधारणा

मानवाधिकार का अर्थ, व्यापकता, प्रकृति, क्षेत्र, मानवाधिकार: सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ, मानवाधिकार की आवश्यकता एवं समकालीन परिदृश्य, स्त्री, दलित, समाज के वंचित वर्ग एवं मानवाधिकार, बाल अधिकार, मानवाधिकार को सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ।

इकाई 2: मानवाधिकार का नीतिगत परिप्रेक्ष्य

मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास, मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र, मानवाधिकार सम्बन्धी घोषणा पत्र के मुख्य तत्व एवं विशेषता, नागरिक अधिकार कानून, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार कानून, भारतीय संविधान की भूमिका, मानवाधिकार आयोग, मानवाधिकार के स्थिरत्व में अंतरराष्ट्रीय संघटन।

इकाई 3: शांति शिक्षा के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

शांति शिक्षा का उद्भव एवं विकास, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नकारात्मक एवं सकारात्मक शांति की अवधारणा, स्त्री, दलित एवं शांति शिक्षा सांस्कृतिक समन्वय, लोकतान्त्रिक मूल्य, धर्म निरपेक्षता एवं शांति शिक्षा, शांति शिक्षा की चुनौतियाँ, सामुदायिक एवं सांप्रदायिक संघर्ष, जीवनशैली के रूप में शांति के लिए शिक्षा।

इकाई 4: शांति शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

शांति शिक्षा के सन्दर्भ में महात्मा गाँधी, टैगोर, अरबिंदो, कृष्णमूर्ति एवं दलाई लामा के विचार, शांति शिक्षा के सन्दर्भ में पाउलो फ्रेरे के विचार: क्रिटिकल कान्सशनेस के लिए शिक्षा, शांति शिक्षा में समालोचनात्मक चेतना की विधियां, संवाद, जाँच पड़ताल और मुक्त्यात्मक शिक्षा, शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय शिक्षक की भूमिका।

❖

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidayalalya, Wardha

PROGRAMME TITLE : Postgraduate Diploma in Journalism & Mass Communication (PGJMC)

PROGRAMME DURATION : 1Year (can be completed in 4 years)

TOTAL NUMBER OF CREDITS : 32

PROGRAMME STRUCTURE

Programme		Course Title
PG DIPLOMA In JOURNALISM And MASS COMMUNICATION	1.	INTRODUCTION TO COMMUNICATION
	2.	MASS MEDIA & SOCIETY
	3.	REPORTING, WRITING & EDITING
	4.	PUBLIC RELATIONS

Altogether, there are 4 Courses and each Course is made up of 5 Blocks. Each Block is further divided into 5-6 Units. In all, there are 90 Units. Each course is of 8 Credits. Thus, the learner is expected to earn a total of 32 CREDITS.

3. SCHEME OF STUDY

PROGRAMME CONTENT AND COURSE OUTLINE

COUTSE - 1 : INTRODUCTION TO JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

Objective

To acquaint the learner with principles and concepts of Journalism and Mass Communication.

Course Outline

Journalism : Nature and Scope of Journalism, Duties & Responsibilities of Journalists, Fundamental Principles of Journalism, Code of Ethics & Freedom of Press, Career aspects of Journalism.

Mass Communication: Principles of Mass Communication, Definition, Nature and Process of Communication, Relevance of Inter – Personal and Group Communication, Levels of Communication, Theories, Themes & Issues in Mass Communication.

COURSE - 2 : MASS MEDIA AND SOCIETY

Objective

To make the learner aware of the crucial role mass media play in society and to understand the flow of information between the two.

Course Outline

Role of Journalism and Mass Media in Society; Role of Mass Communication in National Development and Relationship with Society, Trends in Modern Communication Technologies, Role of International Media Agencies, National Committee on Media; Media Agencies in Developing Countries; Flow of Information between Countries; New World Economic Order; New World Information and Communication Order; NAM Media; Regional Agencies; and Direct Broadcasting Systems.

COURSE - 3: REPORTING, WRITING AND EDITING

Objective

To make the learner aware of the various techniques of News Reporting, Writing and Editing with reference to both Print and Electronic Media.

Course Outline

Qualities of a good Reporter; Sources of News Principles of News Writing, Lead and Body; News Value, Lead Writing; Investigative Reporting; Interpretative Reporting; Development Reporting; Speech, Interviewing; Feature Writing; Crime and Court News; Sports News; Reporting Government Activity; Politics, Economic News; Natural Calamities; Obituaries; Human Interest Stories; Reviewing Criticism, Legislature Reporting; Photography; and Photo Journalism.

Editorial Writing; Principles of Good Writing; the Writer's Marker; Types of Newspapers and Mega serving Special interest, Articles Types; Slanting Articles for Publications; and Text Editing.

COURSE - 4 : PUBLIC RELATIONS

Objective

To make the learner familiar with the principles and practice of Public Relations.

Course Outline

Definitions; Origin and Development of Public Relations; Propaganda and Publicity; Public Opinion in Public Relations; PR Functions; Characteristics and Qualifications of PR Personnel; and Professional Organization.

Organizational Set-up of PR Department & Agencies; PR in Private & Public Sector Organizations; Industrial, Central & State Government Department; Planning PR Programmes and Evaluation of Feedback.

PR Counseling & Consultancy; Press Relations; PR Tools – House Journals, Brochures and Newsletter Conduct of Press Conferences etc; Preparation of PR Campaign Plans; Preparation of Handouts; and Ethics of Public Relations.

PRINT MATERIAL

Properly planned self-instructional material is the mainstay. The study material prepared by the university is self-instructional in nature. Lessons, which are called Units, are structured to facilitate self study.

PRINTED MATERIALS

Please note that each Course has been divided into 5 Blocks- of 8 credits. Each Block has a number of Units (lessons). The units of block have thematic unity. The course material will be provided to you in the form of well- designed printed booklets. Each booklet is a block and contains 5-6 units.

The first page of each block indicates the numbers and titles of the units comprising the block. In the first block of each course we start with course introduction. This is followed by a brief introduction to the block.

Each unit begins with an introduction in which we tell you about the contents of the unit. We also outline a list of objectives which we expect you to achieve after working through this unit. This is followed by the main body of the unit, which is divided into various sections and sub-sections. We end up each unit by summarizing what has been said in the whole unit to enable you recall the main points.

In each unit, there are several self assessment exercises called 'Check Your Progress'. These are meant to help you to assess your understanding of the subject contents.

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

कार्यक्रम कोड - पी. जी. डी. जे. एम. सी.

पात्रता - स्नातक उपाधि या समकक्ष

तथा

जनसंचार/मीडिया संगठन में दो वर्ष का कार्यानुभव

आयु - कोई सीमा नहीं

न्यूनतम - 4 वर्ष

माध्यम - हिन्दी

पाठयक्रम विवरण

जे एम सी - 01 - संचार एक परिचय
जे एम सी - 02 - जनसंचार एवं समाज
जे एम सी - 03 - रिपोर्टिंग , लेखन एवं संपादन
जे एम सी - 04 - जनसम्पर्क

PGDJMC-01
जनसंचार एवं पत्रकारिता : स्वरूप और सिद्धान्त

प्रथम खण्ड - संचार की भूमिका

इकाई - 1 संचार का स्वरूप
इकाई - 2 संचार के माडल
इकाई - 3 जनसंचार के सिद्धान्त
इकाई - 4 संचार शोध
इकाई - 5 जनमाध्यमों का प्रभाव

द्वितीय खण्ड - पत्रकारिता

इकाई - 1 पत्रकारिता : अर्थ स्वरूप एवं दायित्व
इकाई - 2 भाषायी पत्रकारिता की भूमिका
इकाई - 3 भारत में अंग्रेजी पत्रकारिता
इकाई - 4 पत्रकारिता का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप
इकाई - 5 प्रेस की स्वतंत्रता : अवधारणा एवं आकलन

तृतीय खण्ड - विविध जनमाध्यम

इकाई - 1 मुद्रित माध्यम
इकाई - 2 पारम्परिक लोक माध्यम
इकाई - 3 रेडियो
इकाई - 4 टेलीविजन
इकाई - 5 भारत में नई सूचना तकनीक

चतुर्थ खण्ड - मीडिया प्रबंधन

इकाई - 1 समाचार समितियाँ
इकाई - 2 माध्यमों के विभिन्न विभागों का संगठन
इकाई - 3 सरकार के मीडिया संगठन
इकाई - 4 भारत में मीडिया व्यवसाय
इकाई - 5 शैक्षणिक मीडिया

पंचम खण्ड - पत्रकारिता का इतिहास

इकाई - 1 हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास
इकाई - 2 स्वतन्त्रता आन्दोलन और उत्तर प्रदेश की हिन्दी पत्रकारिता
इकाई - 3 विश्व के पत्र एवं विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता
इकाई - 4 हिन्दी के विशिष्ट पत्र एवं अनुकरनीय पत्रकार

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)
पाठयक्रम विवरण
पी.जी.डी. जे.एम.सी. - 02 - मीडिया और समाज

प्रथम खण्ड - जनसंचार और समाज में सम्बन्ध

इकाई - 1 भारतीय समाज - ऐतिहासिक एवं समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्य
इकाई - 2 जनसंचार और समाज
इकाई - 3 जनसंचार तक पहुँच
इकाई - 4 जनसंचार की नीतियाँ

द्वितीय खण्ड - जनसंचार और विकास

इकाई - 1 विकास और विकास संचार की अवधारणा
इकाई - 2 कृषि और विकास संचार
इकाई - 3 सूचना प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास
इकाई - 4 अद्यतन विकास एवं संचार

तृतीय खण्ड - अन्तरराष्ट्रीय संचार

इकाई - 1 नई विश्व संचार व्यवस्था
इकाई - 2 अन्तरराष्ट्रीय सूचना समिति एवं संगठन
इकाई - 3 सूचना प्रवाह एवं असंतुलन
इकाई - 4 नई सूचना प्रौद्योगिकी एंव अन्तरराष्ट्रीय संचार
इकाई - 5 मीडिया की समसामयिक स्थिति

चतुर्थ खण्ड - इलेक्ट्रानिक मीडिया का प्रभाव क्षेत्र

इकाई - 1 भारत में इलेक्ट्रानिक मीडिया
इकाई - 2 पर्यावरण और जनसंचार
इकाई - 3 मीडिया और महिला जगत
इकाई - 4 जनमाध्यमों का प्रभाव क्षेत्र

पंचम खण्ड - प्रेस विधि

इकाई - 1 भारतीय संविधान का संक्षिप्त परिचय
इकाई - 2 भारत में प्रेस कानूनों का संक्षिप्त इतिहास
इकाई - 3 स्वतंत्र भारत में प्रेस कानून
इकाई - 4 मानहानि एवं अन्य दाण्डिक विधि
इकाई - 5 प्रेस आयोग, प्रेस परिषद एवं आचार संहिता

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)

पाठयक्रम विवरण

पी.जी.डी. जे.एम.सी.- 03 - समाचार-संकलन, लेखन एवं सम्पादन

प्रथम खण्ड - समाचार रिपोर्टिंग

इकाई - 1 समाचार: परिभाषा, समाचार की महत्ता, समाचार के स्रोत
इकाई - 2 समाचार रिपोर्टिंग के प्रकार, उद्देश्य पूरक, निर्वचनीय, खोजपूरक और अपराध पत्रकारिता
इकाई - 3 संवाददाता के गुण एवं उत्तरदायित्व
इकाई - 4 संवाददाता के लिए आवश्यक साक्षात्कार दक्षता

द्वितीय खण्ड - विशेषीकृत रिपोर्टिंग

इकाई - 1 अपराध और न्यायालय रिपोर्टिंग
इकाई - 2 संसदीय रिपोर्टिंग
इकाई - 3 खेल रिपोर्टिंग
इकाई - 4 कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी
इकाई - 5 आर्थिक, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक रिपोर्टिंग

तृतीय खण्ड - जनमाध्यमों के लिए लेखन

इकाई - 1 समाचार लेखन के मूलतत्व
इकाई - 2 फीचर लेखन
इकाई - 3 सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन
इकाई - 4 स्वतंत्र लेखन और पत्रिका लेखन

चतुर्थ खण्ड - रेडियो एवं टी वी के लिए लेखन

इकाई - 1 रेडियो समाचार
इकाई - 2 रेडियो के विविध कार्यक्रम
इकाई - 3 टी वी चैनल्स
इकाई - 4 टी वी प्रोडक्शन
इकाई - 5 फोटो एवं फिल्म

पंचम खण्ड - सम्पादन

इकाई - 1 सम्पादन के सिद्वान्त
इकाई - 2 फोटो सम्पादन
इकाई - 3 इलेक्ट्रानिक सम्पादन
इकाई - 4 मुद्रण एवं पृष्ठ सज्जा
इकाई - 5 अनुवाद एवं भाषा दक्षता

पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)

पाठयक्रम विवरण

पी.जी.डी. जे.एम.सी.- 04 - जनसम्पर्क एवं विज्ञापन

प्रथम खण्ड - जनसम्पर्क का स्वरूप - विवेचन

इकाई - 1 जनसम्पर्क की परिभाषा, प्रक्रिया एवं उपयोगिता
इकाई - 2 जनसम्पर्क, जनमत, प्रचार, प्रकाशन एवं विज्ञापन
इकाई - 3 जनसम्पर्क अधिकारी
इकाई - 4 कैरियर के रूप में जनसम्पर्क
इकाई - 5 विकास के संदर्भ में जनसम्पर्क

द्वितीय खण्ड - जनसम्पर्क अभियान

इकाई - 1 जनसम्पर्क : व्यवसाय या लोक विज्ञान
इकाई - 2 सरकारें और जनसम्पर्क
इकाई - 3 गृह पत्रिका
इकाई - 4 प्रेस और जनसम्पर्क
इकाई - 5 जनसम्पर्क अभियान

तृतीय खण्ड - जनसम्पर्क का उद्‌भव और विकास

इकाई - 1 विदेशों में जनसम्पर्क का उद्‌भव
इकाई - 2 भारत में जनसम्पर्क का विकास
इकाई - 3 व्यावसायिक जनसम्पर्क संगठन
इकाई - 4 जनसम्पर्क : प्रशिक्षण एवं अनुसंधान
इकाई - 5 जनसम्पर्क की प्रवृत्ति

चतुर्थ खण्ड - विज्ञापन : प्रविधि एवं आयाम

इकाई - 1 विज्ञापन: अर्थ, प्रकार और लक्ष्य
इकाई - 2 विज्ञापन के विविध आयाम
इकाई - 3 विज्ञापन के विविध माध्यम
इकाई - 4 विज्ञापन कापी की प्रस्तुति
इकाई - 5 विज्ञापन की भाषा

पंचम खण्ड - विज्ञापन के सिद्धान्त एवं स्वरूप

इकाई - 1 विज्ञापनों का विकास
इकाई - 2 विज्ञापन एजेन्सी एवं नारी
इकाई - 3 विज्ञापन बजट एवं बाजार अनुसंधान

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(Established by Parliament by Act no. 3 of 1997)

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

(Master of Journalism)

पाठ्यक्रम कोड - एम.जे

Course Code - MJ

MJ-1 . जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन

खण्ड - 1 जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन-1

इकाई - 1 लेखन के मूल तत्व

इकाई - 2 फीचर-लेखन

इकाई - 3 टेलीविजन के लिए फीचर-लेखन

इकाई - 4 टेलीविजन के लिए लेखन

इकाई - 5 टेलीविजन - संवाददाता

खण्ड - 2 जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन-2

इकाई - 6 नाटक - लेखन

इकाई - 7 रेडियो के लिए लेखन

इकाई - 8 उद्घोषणा - लेखन

इकाई - 9 दूरदर्शन से सीधा प्रसारण

खण्ड - 3 जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन-3

इकाई - 10 विभिन्न मुद्रित-माध्यमों के लिए विज्ञापन-लेखन

इकाई - 11 इलाक्ट्राय-माध्यमों के लिए विज्ञापन-लेखन

इकाई - 12 भेंटवार्ता-लेखन

इकाई - 13 संस्मरण-लेखन

खण्ड - 4 जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन-4

इकाई - 14 जनसंपर्क के लिए लेखन

इकाई - 15 मुद्रित-माध्यमों के लिए समूह-लेखन

इकाई - 16 इलाक्ट्राय (रेडियो) माध्यम के लिए समूह-लेखन

इकाई - 17 स्तंभ-लेखन

इकाई - 18 व्यंग्य-लेखन

खण्ड - 5 जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन-5

इकाई - 19 सृजनात्मक लेखन

इकाई - 20 आत्मकथा लेखन

इकाई - 21 रिपोर्ताज लेखन

इकाई - 22 समाचार लेखन

इकाई - 23 संपादन के रूप में लेखन

MJ- 2 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन

खण्ड - 1 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन - 1

इकाई - 1 फीचर : अर्थ, परिभाषा, गुण एवं प्रकार

इकाई - 2 फीचर : अन्य विधाएं एवं फीचर संरचना

इकाई - 3 अच्छे फीचर लेखन के गुण

इकाई - 4 सामाजिक फीचर लेखन

इकाई - 5 रेडियो के लिए फीचर लेखन

खण्ड - 2 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन - 2

इकाई - 6 भारत में मुक्त लेखन

इकाई - 7 उद्योगों के लिए लेखन

इकाई - 8 कृषी के लिए लेखन

इकाई - 9 पर्यावरण के लिए लेखन

इकाई - 10 फिल्मों के लिए लेखन

इकाई - 11 बच्चों के लिए लेखन

खण्ड - 3 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन - 3

इकाई - 12 पत्रकारिता के विविध आयाम

इकाई - 13 सामाजिक पत्रकारिता

इकाई - 14 फिल्म पत्रकारिता

इकाई - 15 बाल पत्रकारिता

इकाई - 16 विशेष विषय-पत्रिकाएं

खण्ड - 4 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन - 4

इकाई - 17 नाटक समीक्षा-1

इकाई - 18 नाटक समीक्षा-2

इकाई - 19 फिल्म समीक्षा

इकाई - 20 कला समीक्षा

इकाई - 21 पुस्तक समीक्षा

खण्ड - 5 फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन - 5

इकाई - 22 समाचारपत्र का संपादकीय प्रबंधन

इकाई - 23 पत्रिकाओं का संपादन

इकाई - 24 पत्रिका प्रकाशन की अर्थव्यवस्था

इकाई - 25 पत्रिका विज्ञापन एवं वितरण प्रबंध

इकाई - 26 वाणिज्य एवं व्यापरिक लेखन

MJ-3 जनसंचार शोध प्रविधि

खण्ड - 1 जनसंचार शोध प्रविधि - 1

इकाई - 1 जनसंचार शोध प्रविधि : अर्थ एवं प्रकृति

इकाई - 2 जनसंचार शोध की प्रक्रिया

इकाई - 3 शोध अध्ययन के विविध प्रकार

इकाई - 4 शोध अध्ययन : ऐतिहासिक सर्वेक्षण, सामग्री विश्लेषण एवं प्रकरण अध्ययन

खण्ड - 2 जनसंचार शोध प्रविधि - 2

इकाई - 5 जनसंचार-शोध में विषयनिष्ठता की समस्या

इकाई - 6 जनसंचार-शोध-विषय का चयन एवं प्रक्रिया-निर्धारण

इकाई - 7 जनसंचार-शोध अध्ययन की परिकल्पना

इकाई - 8 जनसंचार-शोध तथ्य की तकनीक भाग-1 (प्रश्नावली एवं अनुसूची)

इकाई - 9 जनसंचार-शोध तथ्य की तकनीक भाग-2 (साक्षात्कार अवलोकन और प्रक्षेपी तकनीक)

इकाई - 10 (अ) साक्षात्कार एवं स्रोत सामग्री

इकाई - 10 (ब) सामाजिक प्रक्रिया के रूप में साक्षात्कार

खण्ड - 3 जनसंचार शोध प्रविधि - 3

इकाई - 11 शोध परिकल्पनाएं-भाग 1

इकाई - 12 शोध परिकल्पनाएं-भाग 2

इकाई - 13 सर्वेक्षण शोध

खण्ड - 4 जनसंचार शोध प्रविधि - 4

इकाई - 14 केंद्रीय प्रवृत्ति की मापें : माध्य, मध्यका, बहु लक

इकाई - 15 अपकिरण की मापें एवं विषमता

इकाई - 16 सह संबंध (Correlation)

इकाई - 17 जनसंचार एवं राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में शोध

MJ-4 जनसंचार के सिद्दांत

खण्ड - 1 जनसंचार के सिद्दांत -1

इकाई - 1 संचार-जनसंचार : अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई - 2 जनसंचार : लक्ष्य, कार्य और प्रक्रिया

इकाई - 3 जनसंचार माध्यम एवं सामाजिक परिवर्तन

इकाई - 4 जनसंचार माध्यम विशेषज्ञों के विशेष प्रतिवेदन (मैकब्राइड प्रतिवेदन)

खण्ड - 2 जनसंचार के सिद्दांत -2

इकाई - 5 समाज और जनसंचार

इकाई - 6 जनसंचार और राजनीति

इकाई - 7 सरकारें एवं जनसंचार

इकाई - 8 जनमत और प्रचार

खण्ड - 3 जनसंचार के सिद्दांत -3

इकाई - 9 जनसंचार के सिद्दांत भाग-1

इकाई - 10 जनसंचार के सिद्दांत भाग-2

इकाई - 11 संचार की प्रकृति एवं विधि

इकाई - 12 संचार के प्रकार, व्यक्ति और जनसंचार

खण्ड - 4 जनसंचार के सिद्दांत -4

इकाई - 13 संचार के नए आयाम एवं नई सूचना प्रौद्योगिकी

इकाई - 14 जनसंचार एवं संस्कृति

इकाई - 15 भारत की जनसंचार नीति

द्वितीय वर्ष

MJ-6 दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि

खण्ड - 1 दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि-1

इकाई - 1 नई सहस्त्राब्दी में इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम

इकाई - 2 भारत में इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम (विशेषताएं एवं प्रासंगिकता)

इकाई - 3 भारत में रेडियो

इकाई - 4 भारत में सिनेमा भाग-1

इकाई - 5 भारत में सिनेमा भाग-2

इकाई - 6 भारत में दूरदर्शन

खण्ड - 2 दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि-2

इकाई - 7 टेलीविजन के मूल सिद्दांत -1

इकाई - 8 टेलीविजन के मूल सिद्दांत -2

इकाई - 9 सिनेमा प्रोजेक्टर

इकाई - 10 टेप रिकार्डर एवं कैसेट

खण्ड - 3 दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि-3

इकाई - 11 दक्षेस देशों में जनसंचार एवं नई सूचना प्रौद्योगिकी

इकाई - 12 अमेरिका और ब्रिटेन में टेलीविजन

इकाई - 13 अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सूचना एवं प्रसारण विधि

इकाई - 14 दूरदर्शन संरचना एवं प्रबन्ध

खण्ड - 4 दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि-4

इकाई - 15 रेडियो प्रसारण के सिद्दांत

इकाई - 16 आकाशवाणी की प्रसारण सेवाएँ

इकाई - 17 रेडियो की भाषा और अनुवाद

इकाई - 18 टेलीविजन के लिए समाचार लेखन

इकाई - 19 दूरदर्शन समाचारों का अनुवाद

खण्ड - 5 दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि-5

इकाई - 20 भारत में संचार क्रांति

इकाई - 21 भारत में जन प्रसारण क्रांति

इकाई - 22 भारत में निजी टेलीविजन क्रांति

इकाई - 23 भारत में इंटरनेट एवं कम्प्यूटर क्रांति

खण्ड - 6 दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि-6

इकाई - 24 टेलीविजन निर्देशन

इकाई - 25 टेलीविजन आलेख

इकाई - 26 टेलीविजन धारावाहिक लेखन

MJ-11 परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

किन्हीं तीन पाठ्यक्रमों का चयन कीजिए :

MJ-5 विश्व का समाचार-जगत्

खण्ड - 1 विश्व का समाचार-जगत्-1

इकाई - 1 समाचारपत्रों का उद्‌गम और विकास

इकाई - 2 अंतर्राष्ट्रीय समाचार-जगत्

इकाई - 3 विश्व के विकसित समाचारपत्र

खण्ड - 2 विश्व का समाचार-जगत्-2

इकाई - 4 एशिया में जनसंचार और नई सूचना-प्रौद्‌योगिकी-1(दक्षिण एशिया)

इकाई - 5 एशिया में जनसंचार और नई सूचना-प्रौद्‌योगिकी-2 (दक्षिणी पूर्वी एशिया)

इकाई - 6 एशिया में जनसंचार और नई सूचना-प्रौद्‌योगिकी-3 (पूर्वी-एशिया)

खण्ड - 3 विश्व का समाचार-जगत्-3

इकाई - 7 एशिया में प्रेस कानून एवं प्रेस परिषद

इकाई - 8 अंतर्राष्ट्रीय प्रेस कानून एवं प्रेस परिषद

इकाई - 9 प्रेस की स्वतंत्रता : अवधारणा एवं आकलन

खण्ड - 4 विश्व का समाचार-जगत्-4

इकाई - 10 टेलीविजन का वैश्वीकरण (एशिया के विशेष संदर्भ में)

इकाई - 11 भारत में केबल एवं सैटेलाइट टेलीविजन

इकाई - 12 विश्व में रेडियो का उद्‌गम और विकास

MJ-7 विकासात्मक जनसंचार

खण्ड - 1 विकासात्मक जनसंचार-1

इकाई - 1 विकासात्मक जनसंचार : अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व

इकाई - 2 तीसरी दुनिया में विकासात्मक जनसंचार

इकाई - 3 तीसरी दुनिया में विकास की प्रक्रिया और सामाजिक परिवर्तन

इकाई - 4 तीसरी दुनिया में विकासात्मक संचार : प्रकरण अध्ययन

खण्ड - 2 विकासात्मक जनसंचार-2

इकाई - 5 जनसंचार माध्यमों का विकास एवं जीवन स्तर

इकाई - 6 पारम्परिक जनसंचार माध्यम : महत्व एवं उपयोग

इकाई - 7 विकासात्मक समाचार

खण्ड - 3 विकासात्मक जनसंचार-3

इकाई - 8 ग्रामीण विकास की समस्याएं-1

इकाई - 9 ग्रामीण विकास की समस्याएं-2 (ग्रामीण विकास हेतु कुशल प्रशिक्षण जरूरी)

इकाई - 10 जनसंचार एवं संस्कृति

इकाई - 11 उन्नत ड्डषि में जनसंचार माध्यमों का योगदान

खण्ड - 4 विकासात्मक जनसंचार-4

इकाई - 12 विकासात्मक जनसंचार शोध : एक समीक्षा

इकाई - 13 शैक्षणिक तकनोलॉजी

इकाई - 14 इनफारमेशन तकनोलॉजी बिल (Information Technology Bill)

MJ-8 ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता

खण्ड - 1 ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता-1

इकाई - 1 ग्रामीण जनसंचार की प्रकृति एवं क्षेत्र

इकाई - 2 लोक माध्यम

इकाई - 3 भारत के प्रमुख लोक माध्यम

इकाई - 4 मौखिक परंपराएं और लोकमाध्यम

खण्ड - 2 ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता-2

इकाई - 5 पर्यावरण की अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई - 6 भारत में पर्यावरण एवं पर्यावरणीय समस्याएं

इकाई - 7 पर्यावरण और जनसंचार

इकाई - 8 भारत में पर्यावरणीय आन्दोलन

खण्ड - 3 ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता-3

इकाई - 9 ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता

इकाई - 10 ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंचार का योगदान

इकाई - 11 ग्रामीण जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन

इकाई - 12 ग्रामीण पत्रकारिता की लघु एवं मध्यम पत्र-पत्रिकाएं

खण्ड - 4 ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता-4

इकाई - 13 ग्रामीण जनसंचार एवं ग्रामीण विकास

इकाई - 14 पर्यावरणीय कानून

इकाई - 15 भारत की भाषाई पत्रकारिता

इकाई - 16 ग्रामीण जनसंचार में इलेक्ट्रोनिक माध्यमों का योगदान

MJ-9 मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन

खण्ड - 1 मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन-1

इकाई - 1 मुद्रण का इतिहास (विश्व के संदर्भ में)

इकाई - 2 भारत में मुद्रण का विकास

इकाई - 3 टाइप सैटिंग (टाइपोग्राफी)

इकाई - 4 इकाई 4 (अ) डैक्स टॉप पब्लिशिंग (डी.टी.पी.)

इकाई - 4 इकाई 4 (ब) Glossary (Publishing & Computer)

खण्ड - 2 मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन-2

इकाई - 5 प्रेस-कॉपी

इकाई - 6 प्रूफ रीडिंग एवं प्रूफ रीडर

इकाई - 7 समाचार पत्रों का प्रबंध संगठन

इकाई - 8 विज्ञापन और मीडिया आयोजन

खण्ड - 3 मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन-3

इकाई - 9 विज्ञापन और प्रसार विभाग का संगठन

इकाई - 10 पत्रकार संगठन

इकाई - 11 श्रमजीवी पत्रकार कानून

इकाई - 12 श्रमजीवी पत्रकारों का वेतनमान

खण्ड - 4 मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन-4

इकाई - 13 पत्रकार वेतनमान-मणिसाना वेज बोर्ड

इकाई - 14 भारतीय प्रेस परिषद

इकाई - 15 भारतीय प्रेस परिषद की संरचना एवं कार्य विधि

खण्ड - 5 मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन-5

इकाई - 16 समाचार समितियों का प्रबन्ध संगठन

इकाई - 17 समाचार समितियां : समस्याएं एवं संभावनाएं

इकाई - 18 समाचारपत्र का सम्पादकीय विभाग (संरचना एवं कार्य विधि)

MJ-10 लघु शोध प्रंबध (प्रदत्त विषय पर)

(एम.जे..-10 उन विद्यार्थियों हेतु जिन्होंने बीजे.एम.सी./बी.जे./पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म में 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त किए हैं)

BJMC-01 - कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया - 01

खण्ड - 1 कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया - 01

इकाई - 1 कम्प्यूटर तथा इसका विकास

इकाई - 2 कम्प्यूटर संरचना व कार्य

इकाई - 3 मीडिया में कम्प्यूटर की भूमिका

इकाई - 4 कम्प्यूटर एवं मल्टीमीडिया : इलेक्ट्रानिक माध्यमों में

इकाई - 5 कम्प्यूटर एवं मल्टीमीडिया : मुद्रित माध्यमों में

इकाई - 6 वेबसाइट : तत्व, प्रकार, निर्माण एवं उपयोगिता

इकाई - 7 इंटरनेट : अवधारणा, स्वरूप एवं सेवाएं

इकाई - 8 साइबर मीडिया : अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई - 9 वेब रेडियो एवं टेलीविजन

इकाई - 10 साइबर मीडिया का प्रबंध एवं अर्थशास्त्र

इकाई - 11 ई-संपादन एवं ई-प्रकाशन

BJMC-02 - संचार एवं विकासात्मक संचार-02

खण्ड - 1 संचार एवं विकासात्मक संचार-02

इकाई - 1 संचार : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार

इकाई - 2 संचार के विविध मॉडल

इकाई - 3 भारत में संचार क्रांति

इकाई - 4 संचार शोध पद्धतियां एवं तकनीक

इकाई - 5 जनसंचार के नियामक सिद्धान्त

इकाई - 6 जनसंचार के सामाजिक सिद्धान्त

इकाई - 7 विकास : अर्थ एवं अवधारणा

इकाई - 8 विकास संचार : अर्थ, अवधारणा एवं प्रक्रिया

इकाई - 9 विकास में संचार माध्यमों की भूमिका

इकाई - 10 कृषि - संचार और ग्रामीण विकास

इकाई - 11 ग्रामीण लेखन और जनसंचार

इकाई - 12 ग्रामीण लेखन की भाषा और शिल्प

इकाई - 13 वैश्वीकरण, उदारीकरण एवं विकास

BJMC-03 - जनसंचार माध्यमों का इतिहास-03

खण्ड - 1 जनसंचार माध्यमों का इतिहास-03

इकाई - 1 भारत में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास-भाग 1 (स्वतंत्रता पूर्व पत्रकारिता)

इकाई - 2 भारत में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास-भाग 2 (स्वतंत्र्योत्तर)

इकाई - 3 राजस्थान की हिन्दी पत्रकारिता

इकाई - 4 भारतीय प्रेस-चुनौतियां एवं संभावनाएं

इकाई - 5 भारत की भाषायी पत्रकारिता

इकाई - 6 समाचार समिति : अवधारणा, स्वरूप एवं विकास

इकाई - 7 भारत में जनसंचार शिक्षा

इकाई - 8 भारत में रेडियो प्रसारण का उद्भव एवं विकास

इकाई - 9 एफ.एम. रेडियो का विकास एवं निजी प्रसारण

इकाई - 10 रेडियो प्रसारण की विधाएं एवं स्वरूप

इकाई - 11 भारत में टेलीविजन का उद्भव एवं विकास

इकाई - 12 टेलीविजन प्रसारण की विधाएं एवं स्वरूप

इकाई - 13 शैक्षणिक टेलीविजन प्रसारण

इकाई - 14 केबल टेलीविजन एवं निजी चैनलों का विकास

इकाई - 15 भारत में फिल्म का उद्भव एवं विकास

इकाई - 16 भारत में फिल्म संगठन

BJMC-04 - मीडिया लेखन

खण्ड - 1 मीडिया लेखन

इकाई - 1 समाचार : अवधारणा एवं लेखन तकनीक

इकाई - 2 संवाददाता, समाचार स्त्रोत एवं **संकल्पना**

इकाई - 3 साक्षात्कार

इकाई - 4 समाचारों का वर्गीकरण (भाग-1)

इकाई - 5 समाचारों का वर्गीकरण (भाग-2)

इकाई - 6 स्तम्भ लेखन

इकाई - 7 फीचर लेखन

इकाई - 8 समीक्षा लेखन

इकाई - 9 रेडियो समाचार लेखन

इकाई - 10 रेडियो लेखन के सिद्धांत

इकाई - 11 टेलीविजन समाचार लेखन

इकाई - 12 टेलीविजन के लिए पटकथा लेखन

इकाई - 13 साइबर मीडिया के लिए लेखन

BJMC-05 - जनसम्पर्क एवं विज्ञापन

खण्ड - 1 जनसम्पर्क एवं विज्ञापन

इकाई - 1 जनसंपर्क : अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई - 2 जनसंपर्क : सिद्धान्त एंव व्यवहार

इकाई - 3 जनसंपर्क : उद्‌भव एवं विकास

इकाई - 4 जनसंपर्क के विविध आयाम

इकाई - 5 जनसंपर्क के कार्य एवं भूमिका

इकाई - 6 केंद्र एवं राज्यों में जनसंपर्क संस्थाएं

इकाई - 7 सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं में जनसंपर्क

इकाई - 8 जनसंपर्क के उपकरण

इकाई - 9 जनसंचार में कॅरियर

इकाई - 10 कॉर्पोरेट संचार : केस अध्ययन

इकाई - 11 गृह पत्रिकाएं, प्रतिवेदन एवं विविध प्रचार सामग्री

इकाई - 12 विज्ञापन : अवधारणा एवं उद्‌देश्य

इकाई - 13 विज्ञापन : सिद्धान्त एवं स्वरूप

इकाई - 14 विज्ञापन : उद्‌भव एवं विकास

इकाई - 15 विज्ञापन का समाजशास्त्र

इकाई - 16 विज्ञापन के माध्यम एवं तत्व

इकाई - 17 विज्ञापन कॉपी की प्रस्तुति

इकाई - 18 विज्ञापन अभियान

इकाई - 19 विज्ञापन एजेसिंयां : संगठन एवं कार्यप्रणाली

इकाई - 20 विज्ञापन का मानोविज्ञान

BJMC-06 - संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण

खण्ड - 1 संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण

इकाई - 1 समाचार पत्र का संपादन : सिद्धांन्त एवं स्वरूप

इकाई - 2 पत्रिका संपादन : सिद्धान्त एवं स्वरूप

इकाई - 3 संपादकीय विभाग की संरचना

इकाई - 4 शीर्षक लेखन

इकाई - 5 संपादकीय पृष्ठ एवं संपादकीय लेखन

इकाई - 6 संदर्भ पत्रकारिता

इकाई - 7 ऑनलाइन संपादन : समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं में

इकाई - 8 समाचार पत्र एवं पत्रिका की पृष्ठ-सज्जा : सिद्धान्त एवं तकनीक

इकाई - 9 जनसंचार माध्यमों में फोटोग्राफी

इकाई - 10 फोटोग्राफी की तकनीक एवं संपादन

इकाई - 11 मुद्रण की परम्परागत प्रणालियां

इकाई - 12 मुद्रण की आधुनिक प्रणालियां

इकाई - 13 डेस्क टॉप पब्लिशिंग (डी.टी.पी.)

BJMC-07 - मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून

खण्ड - 1 मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून

इकाई - 1 समाचार पत्र प्रबंधन एवं व्यवस्था : सम्पादकीय एवं विज्ञापन प्रबंधन

इकाई - 2 समाचार पत्र प्रबंधन एवं व्यवस्था : वितरण प्रबंधन (कार्मिक, वित्तीय एवं भंडार प्रबंधन)

इकाई - 3 आकाशवाणी का संगठन एवं नेटवर्क

इकाई - 4 दूरदर्शन का संगठन एवं प्रबंधन

इकाई - 5 समाचार समिति का प्रबंधन एवं संगठन

इकाई - 6 भारतीय संविधान का सामान्य परिचय

इकाई - 7 भारत में मीडिया के प्रमुख कानून-प्रथम भाग

इकाई - 8 भारत में मीडिया के प्रमुख कानून-द्वितीय भाग

इकाई - 9 प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) अधिनियम-1990

इकाई - 10 विज्ञापन विषयक कानून

इकाई - 11 चुनाव आचार संहिता एवं मीडिया

इकाई - 12 साइबर कानून

इकाई - 13 सूचना का अधिकार

इकाई - 14 बौद्धिक संपदा अधिकार एवं कानून

'इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा'
(Post Graduate Diploma in Electronic Media & Film Production)

प्रथम प्रश्न पत्र - मीडिया अवधारणा एवं सिद्धान्त

खंड - 1 संचार और संचार व्यवस्था

इकाई - 1 संचार एवं जन संचार माध्यम
इकाई - 2 संचार के मॉडल एवं सिद्धांत
इकाई - 3 मौखिक माध्यम
इकाई - 4 पारंपारिक माध्यम
इकाई - 5 मुद्रित माध्यम

खंड - 2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

इकाई - 1 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
इकाई - 2 प्रसारण
इकाई - 3 ट्रान्समीटर
इकाई - 4 माइक्रो फोन
इकाई - 5 मास मीडिया का जनमानस पर प्रभाव

खंड - 3 रेडियो

इकाई - 1 रेडियो का व्यक्तित्व
इकाई - 2 रेडियो समाचार
इकाई - 3 विश्व रेड़ियो की विकास यात्रा
इकाई - 4 भारत में रेडियो
इकाई - 5 रेडियो की वर्तमान स्थिति

खंड - 4 टेलीविजन

इकाई - 1 टेलीविजन-परिचय, स्वरूप, सिद्धांत
इकाई - 2 दूरदर्शन
इकाई - 3 टी.वी. के लिए लेखन
इकाई - 4 एवं इकाई 5 - टी.वी. प्रोडक्शन : तकनीक एवं कार्य

खंड - 4 सूचना प्रौद्योगिकी

इकाई - 1 नई सूचना तकनीक
इकाई - 2 कम्प्यूटर
इकाई - 3 इंटरनेट
इकाई - 4 केबिल
इकाई - 5 संचार प्रौद्योगिकी

द्वितीय प्रश्न पत्र - फिल्म परिचय एवं इतिहास

खंड - 1 फिल्म का परिचय

इकाई - 1 फोटो पत्रकारिता
इकाई - 2 फिल्म संक्षिप्त परिचय
इकाई - 3 फिल्म पत्रकारिता के आयाम
इकाई - 4 डाकूमेंन्ट्री
इकाई - 5 करेंट अफेयर्स कार्यक्रम

खंड - 2 सिनेमा और समाज

इकाई - 1 एवं इकाई 2 - सिनेमा और समाज
इकाई - 3 एवं इकाई 4 - सिनेमा और साहित्य
इकाई - 5 हिंदी फिल्मों का यर्थाथवाद

खंड - 3 फिल्म और तत्कालीन संदर्भ

इकाई - 1 सिनेमा और इतिहास
इकाई - 2 सिनेमा की व्यावसायिकता
इकाई - 3 सिनेमा की विविधता
इकाई - 4 एवं इकाई - 5 फिल्म फोटोग्राफी

खंड - 4 फिल्म का इतिहास

इकाई - 1 विश्व फिल्म इतिहास
इकाई - 2 फिल्मों की यात्रा
इकाई - 3 फिल्म विकास की महत्वपूर्ण बातें

खंड - 5 फिल्म का इतिहास (भारत)

इकाई - 1 भारतीय सिनेमा
इकाई - 2 एवं इकाई 3 - पाकिस्तान और बंगलादेश
इकाई - 4 एवं इकाई 5 - बॉलीवुड एवं अन्य

तृतीय प्रश्न पत्र - फिल्म प्रोडक्शन

खंड - 1 पटकथा

इकाई - 1 कथावस्तु
इकाई - 2 टुकड़ों में बँटी जिन्दगी (लघु फिल्म)
इकाई - 3 संवाद लेखन
इकाई - 4 सीरियल निर्माण की प्रक्रिया
इकाई - 5 सीरियल का एक उदाहरण

खंड - 2 कैमरा एवं शूटिंग

इकाई - 1 मूवी कैमरा का विकास एवं फिल्म निर्माण
इकाई - 2 थ्रिल, एक्शन, विशिष्ठ दृष्य-फिल्मांकन

खंड - 3 फिल्म प्रोडक्शन

इकाई - 1 एवं इकाई 2 - फिल्म प्रोडक्शन
इकाई - 3 छायांकन के आयाम
इकाई - 4 दृश्य व संवाद
इकाई - 5 विशिष्ट शूटिंग

खंड - 4 निर्देशन

इकाई - 1 एवं इकाई 2 - फिल्म निर्देशन
इकाई - 3 गीत-संगीत और वेशभूषा
इकाई - 4 फिल्म निदेशक
इकाई - 5 फिल्म संगीत तथा नृत्य

खंड - 5 अभिनय

इकाई - 1 अभिनय कल्प
इकाई - 2 अभिनेता : विविध रूप
इकाई - 3 अभिनय वैविध्य

चतुर्थ प्रश्न पत्र - फिल्म प्रबन्धन

खंड - 1 फिल्म प्रबन्धन

इकाई - 1 एवं इकाई 2 - भारतीय सिनेमा
इकाई - 3 तकनीक
इकाई - 4 एवं इकाई 5 - शूटिंग एवं फिल्मांकन

खंड - 2 फिल्म प्रोडक्शन-I

इकाई - 1 फिल्म निर्माण : कला, स्टण्ट, प्रचार-प्रसार तथा लोकेशन
इकाई - 2 एवं इकाई 3 - फिल्म संपादन
इकाई - 4 संपादन के आधार
इकाई - 5 रिकार्डिंग एवं डबिंग

खंड - 3 फिल्म निर्माण तकनीक -I

इकाई - 1 फिल्म निर्माण तकनीक -I
इकाई - 2 फिल्म तकनीकी -II
इकाई - 3 संकट मोचन
इकाई - 4 सम्पादन प्रासंगिकता

खंड - 4 फिल्म संगठन

इकाई - 1 फिल्म संस्थाएँ
इकाई - 2 प्रशिक्षण संस्थाएँ
इकाई - 3 फिल्म शिक्षण - प्रशिक्षण व्यवस्था
इकाई - 4 सम्पादन प्रासंगिकता

खंड - 5 पोस्ट प्रोडक्शन

इकाई - 1 पोस्ट प्रोडक्शन
इकाई - 2 फिल्म का मायाजाल
इकाई - 3 सिनेमा वैविध्य
इकाई - 4 एवं इकाई 5 - उत्तर प्रदेश फिल्म नीति, उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद

पाठ्यविवरण

(Syllabus)

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर – एमबीए

(Master of Business Administration - MBA)

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय (Directorate of Distance Education)

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

प्रत्येक सेमेस्टर के विषयों की सूची (List of Subjects for each Semester)

प्रथम सेमेस्टर (First Semester)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 401	प्रबंधन के मूल आधार	Fundamentals of Management	2
2.	एमएस 402	संगठनात्मक व्यवहार	Organisational Behaviour	2
3.	एमएस 403	प्रबंधकीय लेखांकन	Managerial Accounting	4
4.	एमएस 404	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र	Managerial Economics	4
5.	एमएस 405	व्यवसाय के कानूनी पहलु	Legal Aspects of Business	4
6.	एमएस 406	प्रबंध सूचना प्रणाली एवं संगणक के अनुप्रयोग	Management Information System and Computer Applications	4
			कुल क्रेडिट्स	20
द्वितीय सेमेस्टर (Second Semester)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 411	मानव संसाधन प्रबंधन	Human Resource Management	4
2.	एमएस 412	वित्तीय प्रबंधन	Financial Management	4
3.	एमएस 413	विपणन प्रबंधन	Marketing Management	4
4.	एमएस 414	अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन	Management of International Business	4
5.	एमएस 415	आर्थिक वातावरण	Economic Environment	4
			कुल क्रेडिट्स	20
तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 420	शोध के मूल आधार	Fundamentals of Research	4
2.	एमएस 421	उद्यमिता के मूल आधार	Fundamentals of Entrepreneurship	4
3.	एमएस 422	व्यावसायिक सम्प्रेषण	Business Communication	4
विद्यार्थी अपने रुचि के अनुसार निम्नलिखित में से किसी एक विशेषज्ञता से 2 विषय एवं दूसरी विशेषज्ञता से 2 विषय का चयन करें:				
4.		ऐच्छिक विषय – I	Elective – I	2
5.		ऐच्छिक विषय – II	Elective – II	2
6.		ऐच्छिक विषय – III	Elective – III	2
7.		ऐच्छिक विषय – IV	Elective – IV	2
			कुल क्रेडिट्स	20
ऐच्छिक विषयों की सूची – विपणन (Marketing)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 423	उपभोक्ता व्यवहार	Consumer Behaviour	2
2.	एमएस 424	बिक्री प्रबंधन	Sales Management	2
3.	एमएस 425	सेवा विपणन	Service Marketing	2
4.	एमएस 426	खुदरा प्रबंधन	Retail Management	2
ऐच्छिक विषयों की सूची – वित्त (Finance)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 428	वित्तीय सेवाओं के मूल आधार	Fundamentals of Financial Services	2
2.	एमएस 429	वित्तीय संस्थानों का प्रबंधन	Management of Financial Institutions	2

3.	एमएस 430	कार्यशील पूँजी का प्रबंधन	Working Capital Management	2
4.	एमएस 431	मुद्रा एवं बैंकिंग	Money and Banking	2
ऐच्छिक विषयों की सूची – मानव संसाधन (Human Resource)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 433	प्रशिक्षण और विकास	Training & Development	2
2.	एमएस 435	औद्योगिक संबंधों का प्रबंधन	Management of Industrial Relations	2
3.	एमएस 436	श्रम कानून	Labour Law	2
4.	एमएस 437	संगठनों में टीम बिल्डिंग	Team Building in Organisations	2
चतुर्थ सेमेस्टर (Fourth Semester)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 438	अंतिम अनुसंधान परियोजना	Final Research Project	8
2.	एमएस 439	सामरिक प्रबंधन	Strategic Management	4
विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर के विशेषज्ञतानुसार निम्नांकित किसी एक विशेषज्ञता से 2 विषय एवं दूसरी विशेषज्ञता से 2 विषय का चयन करें:				
3.		ऐच्छिक विषय – I	Elective – I	2
4.		ऐच्छिक विषय – II	Elective – II	2
5.		ऐच्छिक विषय – III	Elective – III	2
6.		ऐच्छिक विषय – IV	Elective – IV	2
			कुल क्रेडिट्स	20
ऐच्छिक विषयों की सूची – विपणन (Marketing)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 442	विज्ञापन एवं बिक्री संवर्धन	Advertising and Sales Promotion	2
2.	एमएस 443	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	Supply Chain Management	2
3.	एमएस 444	ब्रांड प्रबंधन	Brand Management	2
4.	एमएस 445	विपणन शोध	Marketing Research	2
ऐच्छिक विषयों की सूची – वित्त (Finance)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 446	विलय और अधिग्रहण	Mergers & Acquisitions	2
2.	एमएस 447	स्टॉक मार्केट ऑपरेशंस	Stock Market Operations	2
3.	एमएस 448	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन	Security Analysis & Portfolio Management	2
4.	एमएस 449	अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन	International Financial Management	2
ऐच्छिक विषयों की सूची – मानव संसाधन (Human Resource)				
क्र. सं.	विषय कोड	विषय का नाम	Name of the subject	क्रेडिट्स
1.	एमएस 450	संगठनात्मक विकास	Organisational Development	2
2.	एमएस 451	मानव संसाधन विकास	Human Resource Development	2
3.	एमएस 452	मुआवज़ा प्रबंधन	Compensation Management	2
4.	एमएस 453	मानव संसाधन नियोजन	Human Resource Planning	2

विषय कोड: MS 401 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: प्रबंधन के मूल आधार (Fundamentals of Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को प्रबंधन के कार्यों के विषय में जानकारी उपलब्ध कराना।
- प्रबंधकीय कौशल का विकास करना।
- प्रबंधकीय समस्या को सुलझाने के लिए क्षमताओं को विकसित करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: प्रबंधन का परिचय (Introduction to Management)

- प्रबंधन का अर्थ एवं विशेषताएँ (Meaning and Characteristics of Management)
- प्रबंधन के कार्य एवं प्रकृति (Functions and Nature of Management)
- प्रबंधन के सिद्धांत (Principles of Management)
- प्रबंधन के स्तर (Levels of Management)
- प्रशासन और प्रबंधन (Administration and Management)
- प्रबंधकीय भूमिकाएं (Managerial Roles)

इकाई – II: नियोजन एवं निर्णयन (Planning and Decision Making)

- नियोजन का अर्थ एवं विशेषताएँ (Meaning and Characteristics of Planning)
- नियोजन का महत्व एवं सीमाएँ (Importance and limitations of planning)
- नियोजन प्रक्रिया एवं नियोजन के प्रकार (Planning Process and Types of Planning)
- निर्णयन का अर्थ एवं विशेषताएँ (Meaning and Characteristics of Decision Making)
- निर्णयन प्रक्रिया (Decision Making Process)
- उद्देश्यों द्वारा प्रबंधन (Management by Objectives)

इकाई – III: पूर्वानुमान एवं संगठन (Forecasting and Organising)

- पूर्वानुमान का अर्थ एवं आवश्यकता (Meaning and Need of Forecasting)
- पूर्वानुमान की तकनीक (Techniques of Forecasting)
- संगठन का अर्थ एवं प्रक्रिया (Meaning and process of Organising)
- अधिकार एवं उत्तरदायित्व (Authority and Responsibility)
- अधिकारों का प्रत्यायोजन (Delegation of Authority)

इकाई – IV: समन्वय एवं विभागीयकरण (Coordination and Departmentalization)

- समन्वय का अर्थ एवं महत्व (Meaning and Importance of Coordination)
- विभागीयकरण का अर्थ एवं महत्व (Meaning and Importance of Departmentalization)
- विभागीयकरण का आधार (Basis of Departmentalization)

इकाई – V: नियंत्रण (Controlling)

- नियंत्रण का अर्थ (Meaning of Controlling)
- नियंत्रण का महत्व एवं सीमाएँ (Importance and limitations of Controlling)
- नियोजन एवं नियंत्रण में संबंध (Relationship between Planning and Controlling)
- नियंत्रण प्रक्रिया (Controlling Process)
- नियंत्रण तकनीक (Controlling Techniques)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Robbins, Stephen P., Coulter, M. &Vohra, N. (2011). Management. Pearson, New Delhi.
- Tripathi, P.C. & Reddy, P.N. (2008), Principles of Management, 4th Edition, the McGraw Hill, New Delhi.
- Pettinger, R. (2007), Introduction to Management, 4th Edition, Palgrave McMillan, New Delhi.

विषय कोड: MS 402 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: संगठनात्मक व्यवहार (Organisational Behaviour)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- संगठन के अंदर व्यक्तियों और समूहों के व्यवहार की समझ को विकसित करना ।
- संगठन के अंदर और बाहर दोनों ओर व्यक्तियों में पारस्परिक सम्बन्ध और समूह प्रक्रिया को बढ़ाना ।
- संगठनात्मक प्रक्रियाओं के प्रबंधन के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि ।।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: संगठनात्मक व्यवहार का परिचय (Introduction to Organisational Behaviour)

- संगठनात्मक व्यवहार का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Organisational Behaviour)
- संगठनात्मक व्यवहार की विशेषताएँ (Characteristics of Organisational Behaviour)
- संगठनात्मक व्यवहार के मुख्य अंग (Main Components of Organisational Behaviour)
- संगठनात्मक व्यवहार की मूल धारणाएँ (Basic concepts of organisational behaviour)
- व्यक्तित्व का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Personality)
- व्यक्तित्व की मुख्य विशेषताएँ एवं निर्धारक तत्व (Main Features and Determinants of Personality)

इकाई – II: संगठनात्मक संदर्भ : डिज़ाइन और संस्कृति (Organizational Context: Design and Culture)

- संगठन के सिद्धांत (The organizational Theory)
- आधुनिक संगठनात्मक डिजाइन (Modern Organizational Designs)
- संगठनात्मक संस्कृति प्रसंग (The Organizational Culture Context)
- संस्कृति बनाना और बनाए रखना (Creating and Maintaining a Culture)
- संगठनात्मक परिवर्तन (Organizational Change

इकाई – III: सीखना, मनोवृत्ति एवं धारणा (Learning, Attitude and Perception)

- सीखना तथा शिक्षार्थियों के प्रकार (Learning and Types of learners)
- सीखने की प्रक्रिया एवं सीखने के सिद्धांत (The learning Process and Learning theories)
- मनोवृत्ति का अर्थ एवं विशेषताएँ (Meaning and Characteristics of Attitude)
- मनोवृत्ति के अवयव एवं मापन (Components and Measurement of Attitude)
- धारणाओं का अर्थ एवं महत्व (Meaning and Importance of Perception)
- धारणाओं को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Influencing Perception)

इकाई – IV: नेतृत्व एवं अभिप्रेरण (Leadership and Motivation)

- नेतृत्व का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Leadership)
- नेतृत्व की विशेषताएँ एवं महत्व (Characteristics and Importance of Leadership)
- एक अच्छे नेता के गुण (Qualities of as Good Leader)
- नेतृत्व की शैलियाँ (Leadership Styles)
- परिवर्तन का प्रबंधन (Management of Change)
- अभिप्रेरण का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Motivation)
- अभिप्रेरण की विशेषताएँ एवं महत्व (Characteristics and Importance of Motivation)
- अभिप्रेरण की प्रक्रिया एवं सिद्धांत (Process and Theories of Motivation)

- मौद्रिक तथा अमौद्रिक अभिप्रेरण (Monetary and Non-Monetary Motivation)

इकाई – V: संघर्ष का प्रबंधन एवं कार्य दबाव (Conflict Management and Work Pressure)

- संघर्ष का अर्थ एवं परिणाम (Meaning and Results of Conflict)
- संघर्ष की प्रकृति एवं प्रकार (Nature and Types of Conflict)
- संघर्ष के समाधान की विधियाँ (Methods of Conflict Resolution)
- कार्य दबाव का अर्थ एवं प्रकार (Meaning and Types of Work Pressure)
- कार्य दबाव के कारण एवं प्रबंधन (Reasons and Management of Work Pressure)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Robbins, P. Stephen, Judg,e A. Timothy, Sanghi, Seema, 2010, Essentials of Organizational Behavior, 10th Edition, Pearson Publication, Delhi.
- Luthans, Fred, 2011, Organizational Behavior: An Evidence-Based Approach, 12th Edition, Tata McGraw Hill Publishing Ltd., New Delhi.
- Mcshane, L.S., Von, Glinow A. M., Sharma R. R, 2010, Organisational Behaviour, 4th EditionTata McGraw Hill Publishing Ltd., New Delhi.

विषय कोड: MS 403 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: प्रबंधकीय लेखांकन (Managerial Accounting)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को लेखांकन तथा मूल्य की मूल अवधारणाओं को समझने में मदद करना तथा संस्थाओं के वार्षिक विवरण का उपयोग निर्णय लेने के लिये करना।
- विद्यार्थियों को लेखांकन के क्षेत्र में हुए डेवलपमेंट को समझाना।
- विद्यार्थियों को वित्तीय लेखांकन के मूल अवधारणाओं से परिचित करवाना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: प्रबंधकीय लेखांकन की अवधारणा (Concept of Managerial Accounting)

- लेखांकन का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Accounting)
- लेखांकन का विकास (Development of Accounting)
- वित्तीय विवरण (Financial Statements)
- वित्तीय विवरणों के प्रकार (Types of Financial Statements)
- वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की विधियाँ (Methods of Analyzing Financial Statements)

इकाई – II: बजट, कार्यशील पूँजी और धन प्रवाह (Budget, Working Capital and Cash Flow)

- बजट का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Budget)
- बजटरी नियंत्रण (Budgetary Control)
- कार्यशील पूँजी की अवधारणा एवं प्रकार (Concept and Types of Working Capital)
- परिचालन चक्र (Operating Cycle)
- संतुलित कार्यशील पूँजी (Balanced Working Capital)
- कार्यशील पूँजी को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting Working Capital)
- अनुकूलतम रोकड़ का निर्धारण (Determination of Optimum Cash)

इकाई – III: पूँजी संरचना (Capital Structure)

- विनियोग पूँजी ढाँचा (Appropriate Capital Structure)
- विनियोग को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting Appropriation)
- पूँजी के विभिन्न स्त्रोत (Different Sources of Capital)
- पूँजी के विभिन्न साधनों की लागत (The Cost of Various Instruments of Capital)
- मूल्यांकन एवं प्रत्याय दरें (Appraisal and Recession Rates)
- औसत प्रत्याय विधि, शुद्ध वर्तमान मूल्य विधि एवं आंतरिक प्रत्याय दर विधि (Average Return Method, Net Present Value Method and Internal Rate of Return Method)

इकाई – IV: कोष प्रवाह विवरण (Fund Flow Statement)

- कोष प्रवाह विवरण का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Fund Flow Statement)
- कोष प्रवाह विवरण के उद्देश्य (Objectives of Fund Flow Statement)
- कोष प्रवाह विवरण का महत्व एवं सीमाएं (Importance and Limitations of Fund Flow Statement)
- कोष प्रवाह विवरण बनाना (Creating Fund Flow Statement)
- रोकड़ प्रवाह विवरण (Cash Flow Statement)

इकाई – V: सीमान्त लागत (Marginal Cost)

- सीमान्त लागत का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Marginal Cost)
- सीमान्त लागत लेखांकन का महत्व एवं सीमाएं (Importance and Limitations of Marginal Cost Accounting)
- परिवर्तनशीलता के आधात पर लागत का वर्गीकरण (Classification of Costs on the Basis of Variability)
- अर्द्ध परिवर्तनशील उपरिव्ययों के विभाजन की विधियां (Methods of Division of the Semi-Variable Overhead)
- सीमान्त लागत विवरण (Marginal Cost Statement)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Arora M.N. (2010). Accounting for Management .First Edition. Himalaya Publishing House, New Delhi.
- Mukherjee and Hanif, (2003). Financial Accounting. First Edition. Tata McGraw Hill, New Delhi.
- Ashok and Deepak, (2006). Fundamentals of Financial Accounting. Fifth Edition. Taxmann's, New Delhi.

विषय कोड: MS 404 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: प्रबंधकीय अर्थशास्त्र (Managerial Economics)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र के मूलभूत तथा आधुनिक अवधारणाओं से अवगत करवाना जिसके आधार पर वे प्रबंधकीय निर्णय ले सकें ।
- व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा लिये गए निर्णयों का अर्थशास्त्रीय सिधान्तों के आधार पर मूल्यांकन करना ।
- अर्थशास्त्रीय सिद्धांतों के सन्दर्भ में व्यवसायों में हुए डेवलपमेंटो को समझना ।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: प्रबंधकीय अर्थशास्त्र का परिचय (Introduction to Managerial Economics)

- प्रबंधकीय अर्थशास्त्र का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Managerial Economics)
- प्रबंधकीय अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र (Nature and Scope of Managerial Economics)
- सीमान्त एवं उपयोगिता विश्लेषण (Marginal and Utility Analysis)

इकाई – II: मांग विश्लेषण एवं उदासीनता वक्र विश्लेषण (Demand Analysis and Analysis of Indifference Curve)

- मांग का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Demand)
- मांग के प्रकार एवं मांग अनुसूची (Types of Demand and Demand Schedule)
- मांग का नियम (Law of Demand)
- मांग के लोच की परिभाषा एवं प्रकार (Definition and Type of Elasticity of Demand)
- उदासीनता वक्र विश्लेषण (Analysis of Indifference Curve)

इकाई – III: उत्पादन एवं लागत विश्लेषण (Production and Cost Analysis)

- उत्पादन एवं लागत (Production and Cost)
- परिवर्तनशील अनुपात का नियम (Rule of variable proportions)
- लागत विश्लेषण (Cost Analysis)

इकाई – IV: बाज़ार ढाँचा एवं प्रकार (Market Structure and Type)

- बाज़ार ढाँचा (Market Structure)
- बाज़ार के प्रकार (Types of Market)
- एकाधिकार एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता (Monopoly and Monopolistic Competition)
- अल्पाधिकार (Oligopoly)

इकाई – V: मुद्रास्फीति एवं राष्ट्रीय आय (Inflation and National Income)

- रोजगार (Employment)
- मुद्रास्फीति (Inflation)
- राष्ट्रीय आय एवं आय का मापन (National Income and Measuring National Income)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Christopher R. Thomas & S. Charles Maurice (2006), Managerial Economics, Tata McGraw Hill, New Delhi.

- Truett & Truett (2004). Managerial Economics. John Wiley & Sons Inc.
- Petersen, H. Craig & Cris, L W (2004). Managerial Economics. Pearson Education Ltd.

विषय कोड: MS 405 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: व्यवसाय के कानूनी पहलु (Legal Aspects of Business)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- अनुबंध की अवधारणा तथा माल बिक्री अधिनियम से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।
- साझेदारी अधिनियम तथा कम्पनी अधिनियम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 (Indian Contract Act, 1872)

- भारतीय अनुबंध अधिनियम: एक परिचय (Indian Contract Act: An Introduction)
- अनुबंध करने की क्षमता (Capacity to Contract)
- व्यर्थ एवं व्यर्थनीय अनुबंध (Void and Voidable Contract)
- अनुबंधों का निष्पादन (Performance of Contracts)

इकाई – II: वस्तु विक्रय अधिनियम, 1930 (Sales of Goods Act, 1930)

- वस्तु विक्रय अधिनियम: एक परिचय (Sales of Goods Act: An Introduction)
- शर्त एवं आश्वासन (Conditions and Warranties)
- माल सुपुर्दगी संबंधी नियम (Rules for Delivery of Goods)
- स्वामित्व तथा स्वत्व का हस्तांतरण (Transfer of Ownership and Title)
- अदत्त विक्रेता के अधिकार तथा नीलामी द्वारा विक्रय (Rights of an Unpaid Seller and Sale by Auction)

इकाई – III: भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 (Indian Partnership Act, 1932

- भारतीय साझेदारी अधिनियम: एक परिचय (Indian Partnership Act: An Introduction)
- अवयस्क साझेदार (Minor Partner)
- साझेदारों के आपसी संबंध (Mutual Relations of Partners)
- साझेदारी फर्म का समापन (Dissolution of a Partnership Firm)

इकाई – IV: उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं कंपनी अधिनियम, 2013 (Consumer Protection Act, 1986 and Companies Act, 2013)

- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम: एक परिचय (**Consumer Protection** Act: An Introduction**)**
- जिला, राज्य एवं केन्द्रीय फोरम (District, State and Central Forum)
- उपभोक्ता संरक्षण परिषद (Consumer Protection Council)
- उपभोक्ता के अधिकार (Consumer rights)
- कंपनी अधिनियम: एक परिचय (Companies Act: An Introduction)
- कंपनी निर्माण की प्रक्रिया (Formation of Company)

इकाई – V: कंपनी की पूँजी, प्रबंधन एवं समापन (Company's Capital, Management and Winding Up)

- शेयर, शेयर-पूँजी तथा इसका आबंटन (Shares, Share Capital and its Allotment)
- ऋण लेने के अधिकार, प्रभार एवं ऋण-पत्र (Borrowing Powers, Charges and Debentures)
- कंपनी का प्रबंधन (Company Management)
- अत्याचार एवं कुप्रबंधन की रोकथाम (Prevention of Oppression and Mismanagement)
- कंपनी का समापन (Winding Up of a Company)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Gogna P.P.S. (2008), Mercantile Law, 4th Edition, S. Chand & Co. Ltd., India.
- Pathak Akhileshwar (2010), Legal Aspects of Business, 4th Edition, Tata McGraw Hill.
- Shukla M.C. (2007), Mercantile Law, First Edition, S. Chand & Company Ltd.
- Maheshwari & Maheshwari (2009), Elements of Corporate Laws, Himalaya Publishing House Pvt. Limited, India.
- Kapoor N. D. (2009), Elements of mercantile Law, Latest Edition, Sultan Chand and Company, India.

विषय कोड: MS 406 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: प्रबंधन सूचना प्रणाली एवं संगणक के अनुप्रयोग (Management of Information System and Applications of Computer)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- संगणक की अवधारणा एवं इसके कार्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- एम एस वर्ड एवं एम एस एक्सेल पर कार्य करने की पद्धतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- प्रबंधन सूचना प्रणाली की आवश्यकता एवं स्त्रोतों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: संगणक की अवधारणा (Concept of Computer)

- संगणक का इतिहास (History of Computer)
- संगणक के लाभ एवं सीमाएँ (Benefits and Limitations of Computer)
- संगणक प्रणाली के विशिष्ट गुणधर्म (Specific Features of Computer System)
- संगणक के विकास की पीढियां (Generations of computer)

इकाई – II: संगणक की संरचना एवं वर्गीकरण (structure and classifications of Computer)

- संगणक की मूल संरचनाएँ (Basic Structures of Computer)
- इनपुट इंटरफ़ेस एवं आउटपुट इंटरफ़ेस (Input Interface and Output Interface)
- स्टोरेज/एक्सटर्नल मेमोरी (Storage/External Memory)
- हार्डवेयर भागों के कार्य (Functions of Hardware Parts)
- सेंट्रल प्रोसेसिंग इकाई (Central Processing Unit)
- संगणक के वर्गीकरण का आधार (Basis of Classification of Computers)
- संगणक प्रणाली के आकर की विविधता (Diversity of the Size of Computer system)

इकाई – III: ऑपरेटिंग सिस्टम एवं संगणक के अनुप्रयोग (Operating System and Applications of Computer)

- विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम का परिचय (Introduction to the Windows Operating System)
- विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम के मुख्य कार्य (Main Functions of the Windows Operating System)
- संगणक के अनुप्रयोग क्षेत्र (Computer Application Areas)

इकाई – IV: वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेर एवं एम एस एक्सेल (Word Processing Software and MS Excel)

- वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेर (एम एस वर्ड) का परिचय (Introduction to Word Processing Software(MS Word))
- एम एस वर्ड पर कार्य करना (Working on MS Word)
- एम एस एक्सेल का परिचय (Introduction to MS Excel)
- एम एस एक्सेल पर कार्य करना (Working on MS Excel)

इकाई – V: प्रबंधन सूचना प्रणाली (Management Information System)

- प्रबंधन सूचना प्रणाली का परिचय (Introduction to Management Information System)
- सूचना प्रणाली की आवश्यकता (Need of Information System)
- सूचना प्रणाली के स्त्रोत (Source of Information System)
- सूचना एवं प्रबंधन (Information and Management)

- सिस्टम एप्रोच (System Approach)

सम्बन्धित पुस्तकें :

- Goel Anita, Computer Fundamentals, First Edition, Pearson Education India, 2010.
- Kenneth C. Laudon & Jane P. Laudon, Essentials of Management Information Systems, Tenth Edition, Pearson Prentice-Hall, 2012.
- McNurlin, Sprague & Bui, Information Systems Management in Practice, Eighth Edition, Prentice Hall, 2013.

विषय कोड: MS 411 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: मानव संसाधन प्रबंधन (Human Resource Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- मानव संसाधन प्रबंधन का सार समझना तथा संगठन में मानव संसाधन प्रबंधक की भूमिकाओं और कार्यों को समझना।
- यह समझना कि वर्तमान व्यापारिक परिदृश्य में मानव संसाधन प्रबंधन किसी भी व्यापारिक संगठन के कामकाज में कैसे एक महत्वपूर्ण भूमिका हासिल कर ली है ।
- समकालीन संगठनों में उभरते मानव संसाधन मुद्दों में एक अंतर्दृष्टि हासिल करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: मानव संसाधन प्रबंधन के लिए परिचय (Introduction to Human Resource Management)

- एचआरएम की प्रकृति, स्कोप और महत्व (Nature, scope & significance of HRM)
- एचआरएम की उद्देश्य, प्रासंगिकता और कार्य (Objectives, Relevance and Function of HRM)
- एचआरएम और उसके पर्यावरण (HRM and its environment)
- मानव संसाधन योजना (Human Resource Planning)
- भर्ती और चयन (Recruitment and selection)

इकाई – II: मानव संसाधन का विकास (Developing Human Resources)

- आगमन और संगठनात्मक समाजीकरण (Induction & Organizational socialization)
- प्रशिक्षण नीतियां: कार्यक्रम और तकनीक (Training policies: programmes & techniques)
- प्रबंधन विकास कार्यक्रम (Management Development programmes)
- जॉब डिजाइनिंग: नौकरी इज़ाफ़ा और संवर्धन (Job Designing: Job Enlargement & Enrichment)
- वैकल्पिक कार्य व्यवस्था (Alternative work arrangements)

इकाई – III: प्रदर्शन सिस्टम और कैरियर योजना (Performance Systems & Career Planning)

- प्रदर्शन और क्षमता मूल्यांकन (Performance and Potential Appraisal)
- कैरियर योजना और उत्तराधिकार अवधारणा (Career Planning and Succession Concepts)
- कर्मचारी परामर्श एवं अधिकारिता (Employee Counselling & Empowerment)
- कार्य जीवन की गुणवत्ता (Quality of Work Life)

इकाई – IV: मुआवजा या प्रतिफल (Compensation)

- कार्य मूल्यांकन (Job evaluation)
- वित्तीय प्रोत्साहन की प्रकृति और भूमिका (Nature & role of financial incentives)
- कर्मचारी लाभ और सेवायें (Employee benefits and services)
- शिकायत निवारण (Grievance Handling)

इकाई – V: समकालीन मानव संसाधन प्रथायें (Contemporary Human Resource Practices)

- समकालीन वैश्विक रुझान और मानव संसाधन प्रबंधन (Contemporary global trends and human resources management)
- कार्य में विविधता (Diversity at Work)
- सशक्तिकरण और लैंगिक मुद्दे (Empowerment and gender issues)
- मानव संसाधन सूचना प्रणाली (Human Resource Information system)
- कारोबारी प्रक्रिया की पुनर्रचना (Business Process Reengineering)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Dessler G.& Varkkey, B. 2011, Human Resource Management, 12th Edition, Pearson Education, Inc, Delhi
- Decenzo, D. A. & Robbins, S. P., 2009, Fundamentals of Human Resource Management, 10th Edition, John Wiley& Sons Inc., New Delhi

विषय कोड: MS 412 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: वित्तीय प्रबंधन (Financial Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- वित्तीय प्रबंधन की मूल अवधारणाओं को समझने तथा वित्त की विभिन्न स्रोतों के बारे में जानने में विद्यार्थियों की मदद करना।
- वित्त के लिए विभिन्न उपयोगों को समझना।
- वित्तीय प्रबंधन में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न तकनीकों से छात्रों को अवगत कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: वित्तीय प्रबंधन का परिचय (Introduction to Financial Management)

- वित्तीय प्रबंधन का अर्थ, विकास और स्कोप (Meaning, Evolution and Scope of Financial Management)
- वित्तीय प्रबंधन के उद्देश्य; वित्त कार्य (Objectives of Financial Management; Finance Functions)
- वित्तीय लक्ष्य: लाभ बनाम वेल्थ (Financial Goal: Profit Versus Wealth)
- वित्तीय, निवेश और लाभांश निर्णय (Financial, Investment and Dividend Decisions)
- एक वित्त प्रबंधक के कार्य (Functions of a Finance Manager)

इकाई – II: धन का सामयिक मूल्य (Time Value of Money)

- धन के समय मूल्य की संकल्पना और तकनीक (Concept and Technique of Time Value of Money)
- भुगतान की श्रृंखला और वार्षिकी का भविष्य मूल्य (Future Value of Series of Payments and an Annuity)
- भुगतान की श्रृंखला और वार्षिकी का वर्तमान मूल्य (Present Value of a Series of Payments and an Annuity)
- समय मूल्य तकनीक का व्यावहारिक अनुप्रयोग (Practical Applications of Time Value Techniques)

इकाई – III: पूंजी संरचना (Capital Structure)

- वित्त के स्रोत (Sources of Finance)
- पूंजी की लागत का अर्थ, संकल्पना और महत्व (Meaning, Concept and Significance of Cost of Capital)
- पूंजी की लागत: भारित और सीमांत औसत (Cost of Capital: Weighted Average and Marginal)
- पूंजी संरचना: फार्म और महत्व; इष्टतम पूंजी संरचना (Capital Structure: Forms and Importance; Optimal Capital Structure)
- पूंजी संरचना के सिद्धांत: शुद्ध आय, शुद्ध परिचालन आय और परंपरागत दृष्टिकोण (Theories of Capital Structure, Net Income, Net Operating Income and The Traditional Approach)

इकाई – IV: लाभांश नीति और फर्म मूल्यांकन (Dividend Policy and Firm Valuation)

- लाभांश नीति और उसके प्रकार (Dividend Policy and its Types)
- लाभांश नीति को प्रभावित कारक और बोनस शेयर (Factors Influencing Dividend Policy and Bonus Shares)
- बोनस शेयर जारी करना, लाभांश नीति और कंपनी वैल्यू के लिए सेबी के दिशानिर्देश (SEBI Guidelines for Issue of Bonus Share, Dividend Policy and Firm Value)

- लाभांश सिद्धांत: वाल्टर मॉडल, गॉर्डन मॉडल, मोदिग्लिआनी मिलर मॉडल (Dividend Theories: Walter's Model, Gordon's Model, Modigliani-Miller Model)

इकाई – V: लिवरेज और पूंजी बजट की तकनीक (Leverages and Techniques of Capital Budgeting)

- लिवरेज और उसके प्रकार (Leverages and its Types)
- पूंजी बजट का अर्थ और महत्व (Meaning and Importance of Capital Budgeting)
- पूंजी बजट में कठिनाइयाँ (Difficulties in Capital Budgeting)
- परंपरागत तकनीक: ऋण वापसी की अवधि, आईआरआर (Traditional Techniques: Pay Back Period, ARR)
- आधुनिक तकनीक: एनपीवी, आईआरआर और पीआई (Modern Techniques: NPV, IRR and PI)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Prasanna Chandra (2011) Financial Management, Eighth Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi.
- Parrino & Kidwell (2011) Fundamentals of corporate finance, First Edition, Wiley India Pvt. Ltd., New Delhi.
- Khan and Jain (2011) Financial Management (Text Problems and Cases), Fifth Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi.

विषय कोड: MS 413 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: विपणन प्रबंधन (Marketing Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को विपणन सिद्धांतों तथा अवधारणाओं की जानकारी देना।
- उत्पाद, मूल्य निर्धारण, स्थान और संवर्धन के लिए उचित रणनीति का चयन करके प्रभावी विपणन कार्यक्रम डिजाइन करने के लिए विद्यार्थियों को सक्षम करना।
- विद्यार्थियों को विपणन में वर्तमान मुद्दों के साथ-साथ उभरती प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: विपणन प्रबंधन का परिचय (Introduction to Marketing Management)

- विपणन प्रबंधन का अर्थ और महत्व (Meaning and Importance of Marketing Management)
- बाजार ऑफ़रिंग्स और मुख्य विपणन अवधारणायें (The Market Offerings and Core Marketing Concepts)
- विपणन दर्शन (Marketing Philosophies)
- विपणन प्रक्रिया (The Marketing Process)

इकाई – II: पर्यावरण स्कैनिंग और जानकारी जुटाना (Environmental Scanning and Information Gathering)

- विपणन वातावरण का विश्लेषण (Analyzing the Marketing Environment)
- विपणन सूचना प्रणाली (Marketing Information System)
- विपणन शोध प्रक्रिया (Marketing Research Process)

इकाई – III: उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण, बाजार क्षेत्रों की पहचान और लक्षित करना (Analyzing Consumer Behavior, Identifying Market Segments and Targeting)

- ख़रीदना निर्णय प्रक्रिया और उपभोक्ता व्यवहार प्रभावित करने वाले कारक (The Buying Decision Process and Factors Influencing the Consumer Behavior)
- बाजार विभाजन (Market Segmentation)
- बाजार को लक्षित करना (Market Targeting)

इकाई – IV: विपणन मिश्रण को समझना (Understanding the Marketing Mix)

- उत्पाद निर्णय (Product Decisions)
- मूल्य निर्णय (Pricing Decisions)
- वितरण निर्णय (Distribution Decisions)
- संवर्धन निर्णय (Promotion Decisions)

इकाई – V: विपणन में वर्तमान मुद्दे और उभरते रुझान (Current Issues and Emerging Trends in Marketing)

- ग्राहक संबंध प्रबंधन और ग्रामीण विपणन (Customer Relationship Management and Rural Marketing)
- ई विपणन और सेवा विपणन (E-Marketing and Services Marketing)
- ग्रीन विपणन, सामाजिक विपणन और विपणन में नैतिक मुद्दे (Green Marketing, Social Marketing and Ethical Issues in Marketing)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Kotler Philip; Keller Kevin Lane; Koshy Abraham & Jha Mithileswar (2009), Marketing Management: A South Asian Perspective, 13th Edition, Pearson Education, New Delhi.
- Ramaswamy V.S. & Namakumari S. (2009), Marketing Management: Global Perspective Indian Context, 4th Edition, Macmillan Publishers India Ltd., New Delhi.
- Karunakaran K. (2010), Marketing Management: Text and Cases in Indian Context, 3rd Edition, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai.

विषय कोड: MS 414 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन (Management of International Business)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- जब संगठन अंतरराष्ट्रीय कारोबारी माहौल में कार्य कर रहा हो तो विद्यार्थियों को व्यवसाय का प्रबंधन करने में सक्षम बनाना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन का परिचय (Introduction to International Management)

- अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन की संकल्पना और परिभाषा (Concept and Definition of International Management)
- अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन की प्रकृति और स्कोप (Nature and Scope of International Management)
- अंतरराष्ट्रीय जाने के कारण (Reasons for Going International)

इकाई – II: प्रवेश मोड और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की चुनौतियां (Entry Modes and Challenges of International Business)

- अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश मोड: फायदे और नुकसान (International Entry Modes: Advantages and Disadvantages)
- व्यापार के अंतर्राष्ट्रीयकरण में रणनीति (Strategy in the Internationalization of Business)
- वैश्विक चुनौतियां और प्रवेश बाधायें (Global Challenges and Entry Barriers)
- इंटरनेशनल बिजनेस के लिए भारत के प्रति आकर्षण (India's Attractiveness for International Business)

इकाई – III: व्यापारिक पर्यावरण (Business Environment)

- सांस्कृतिक व्यापारिक पर्यावरण (Cultural Business Environment)
- संस्कृति के अन्दर और बाहर विविधता प्रबंधन (Managing Diversity within and Across Culture)
- संवेदनशीलता प्रशिक्षण के माध्यम से सांस्कृतिक अनुकूलन (Cultural Adaptation through Sensitivity Training)
- राजनीतिक, कानूनी, आर्थिक, और तकनीकी व्यापारिक पर्यावरण और उनका प्रबंधन (Political, Legal, Economic, Ecological and Technological Business Environment and their Management)

इकाई – IV: अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीति तैयार करना (Formulating Strategy for International Business)

- एक अवधारणा के रूप में रणनीति (Strategy as a Concept)
- वैश्विक रणनीति का कार्यान्वयन (Implementing Global Strategy)
- अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करना और कायम रखना (Achieving and Sustaining International Competitive Advantage)
- वैश्विक विलय और अधिग्रहण (Global Mergers and Acquisition)

इकाई – V: अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए आयोजन और नियंत्रण (Organizing and Controlling for International Competitiveness)

- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन – अवधारणा और आयाम (International Human Resource Management – concept and Dimensions)

- नेतृत्व के मुद्दे और प्रेरणा (Leadership Issues and Motivation)
- वैश्विक आयामों के संदर्भ में संगठनात्मक डिजाइन के लिए बुनियादी मॉडल (Basic Models for Organization Design in Context of Global Dimensions)
- वैश्विक संचालन प्रबंधन (Global Operations Management)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Daniels, John D. and Radebaugh, Lee H. (2005). International Business. Wiley India.
- Thakur, M., Burton & Gene, E (2002). International Management. Tata McGraw Hill.
- Deresky (2003). International Management: Managing across boarders and culture. Pearson Education.

विषय कोड: MS 415 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: आर्थिक वातावरण (Economic Environment)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- भारतीय आर्थिक वातावरण से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- व्यापारिक संगठन को प्रभावित करने वाले बुनियादी आंतरिक और बाह्य कारकों को समझने के लिए विद्यार्थियों को सक्षम करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: व्यावसायिक पर्यावरण के सैद्धांतिक ढांचे (Theoretical Framework of Business Environment)

- व्यावसायिक पर्यावरण की संकल्पना, महत्व और प्रकृति (Concept, significance and nature of Business Environment)
- पर्यावरण के तत्व: आंतरिक और बाहरी (Elements of Environment: Internal and External)
- व्यावसायिक पर्यावरण के बदलते आयाम (Changing dimensions of Business Environment)
- पर्यावरण स्कैनिंग और निगरानी की तकनीक (Techniques of Environmental Scanning and Monitoring)

इकाई – II: व्यवसाय के आर्थिक पर्यावरण (Economic Environment of Business)

- आर्थिक वातावरण के महत्व और तत्व (Significance and Elements of Economic Environment)
- आर्थिक प्रणाली और व्यावसायिक पर्यावरण (Economic systems and Business Environment)
- भारत में आर्थिक नियोजन (Economic Planning in India)
- सरकार की नीतियां - औद्योगिक नीति (Government policies – Industrial Policy)
- आर्थिक सुधार और उदारीकरण (Economic Reforms and Liberalization)

इकाई – III: व्यवसाय के राजनीतिक और कानूनी पर्यावरण (Political and Legal Environment of Business)

- राजनीतिक माहौल के महत्वपूर्ण तत्व (Critical elements of Political Environment)
- एमआरटीपी अधिनियम, प्रतिस्पर्धा अधिनियम, फेमा और लाइसेंसिंग नीति (MRTP Act, Competition Act, FEMA and Licensing Policy)
- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, भूमि अधिग्रहण और सेज (Consumer Protection Act, Land Acquisition and SEZ)

इकाई – IV: सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण (Socio-Cultural Environment)

- सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण के महत्वपूर्ण तत्व (Critical elements of Socio-Cultural Environment)
- व्यवसाय की सामाजिक झुकाव (Social Orientations of Business)
- विभिन्न वर्गों के लिए जिम्मेदारियां (Responsibilities to Different Sections)
- व्यवसाय की सामाजिक जिम्मेदारी (Social responsibility of Business)

इकाई – V: अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण (International Environment)

- बहुराष्ट्रीय कंपनियां (Multinational Corporations)

- आर्थिक संस्थानों: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष,, विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन (Economic Institutions: IMF, World Bank and WTO)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Cherunilam Francis, (2008).Business Environment Text and Cases. Eighteenth Edition. Himalaya Publishing House, Mumbai.
- Misra S.K. & Puri V.K., (2009).Indian Economy. Twenty Seventh Edition. Himalaya Publishing House, Mumbai.
- Saleem Shaikh, (2010).Business Environment. Second Edition. Pearson Education, New Delhi.

विषय कोड: MS 420 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: शोध के मूल आधार (Fundamentals of Research)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को अनुसंधान की बुनियादी अवधारणाओं को समझने में सक्षम करना।
- विश्लेषण के लिए डेटा संग्रहण उपकरणों, प्रतिदर्शन और डेटा तैयार करने के लिए विद्यार्थियों को सक्षम करना।
- विद्यार्थियों को अनुसंधान तकनीकों के उपयोग को समझने में सक्षम करना: कहां तकनीक का उपयोग करें और क्यों।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: विज्ञान और शोध

- विज्ञान का अर्थ
- अनुसंधान का अर्थ
- अनुसंधान की विशेषताएँ
- अनुसंधान के क्षेत्र
- अनुसंधान प्रक्रिया के पदक्रम

इकाई – II: अनुसंधान के प्रकार

- अनुसंधान का वर्गीकरण
- अनुसंधान के प्रकार: स्वरूपानुसार शोध प्रकार
- अनुसंधान के प्रकार: प्रक्रियानुसार शोध प्रकार
- अनुसंधान के प्रकार: आधार सामग्रीनुसार शोध प्रकार

इकाई – III: शोध विधियां/पद्धति

- शोध विधियों का वर्गीकरण
- शोध विधियों के प्रकार: ऐतिहासिक शोध विधियां
- शोध विधियों के प्रकार: वर्णनात्मक शोध विधियां
- शोध विधियों के प्रकार: प्रयोगात्मक शोध विधियां

इकाई – IV: जनसंख्या, प्रतिदर्श, शोध प्रस्ताव एवं रूपरेखा

- जनसंख्या का अर्थ एवं प्रकार
- प्रतिदर्श का अर्थ एवं स्वरुप
- प्रतिदर्शन विधि के प्रकार
- शोध रूपरेखा का अर्थ एवं स्वरूप
- शोध रूपरेखा का वर्गीकरण/प्रकार

इकाई – V: शोध प्रलेख एवं प्रदत्त सामग्री संकलन के उपकरण

- शोध कार्य एवं प्रलेखन के पदक्रम
- शोध प्रलेखन का तकनीक एवं स्वरूप
- प्रदत्त सामग्री के उपकरण: स्वनिर्मित उपकरण एवं पूर्वनिर्मित उपकरण

सम्बन्धित पुस्तकें:

- प्रसाद के. एल. (2009), अनुसंधान पद्धतिशास्त्र, कावेरी बुक्स, नई दिल्ली.
- सिंह के. ए. (2017), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली.

- आहूजा आर. (2015), सामाजिक अनुसंधान, रावत पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली.
- Best J.W. (1999). Research in Education, New Delhi: Prentice Hall of India Pvt. Ltd.

विषय कोड: MS 421 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: उद्यमिता के मूल आधार (Fundamentals of Entrepreneurship)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- उद्यमी तथा उद्यमिता के बारे में जानकारी देकर विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल का विकास करना ।
- व्यक्तिगत तथा बाहरी संसाधनों को व्यवस्थित कर एक नए उद्यम को शुरू तथा विकास करना ।
- विद्यार्थियों को विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के बारे में जानकारी देना जो उद्यमिता विकास में मदद करते हैं ।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: उद्यमी परिप्रेक्ष्य (The Entrepreneurial Perspective)

- उद्यमिता की प्रकृति और महत्व (The Nature and Importance of Entrepreneurship)
- व्यक्तिगत उद्यमी (The Individual Entrepreneur)
- उद्यमियों का वर्गीकरण (Classification of Entrepreneurs)
- अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता के सुनहरे अवसर (International Entrepreneurship Opportunities)

इकाई – II: उद्यम शुरू करना (Creating and Starting the Venture)

- रचनात्मकता और व्यवसायिक विचार (Creativity and Business Idea)
- अवसरसंबंधी विचार (Idea to Opportunity)
- उद्यमी के लिए कानूनी मुद्दे (Legal Issues for the Entrepreneur)
- उद्यमिता और बौद्धिक संपदा अधिकार (Entrepreneurship and Intellectual Property Rights)

इकाई – III: उद्यमी विकास और व्यापार योजना (Entrepreneurial Development and Business Plan)

- उभरते बाजार में उद्यमिता विकास (Entrepreneurship Development in Emerging Markets)
- उद्यमशीलता विकास के मॉडल (Entrepreneurial Development Models)
- व्यापार की योजना (The Business Plan)

इकाई – IV: नये उद्यम का प्रबंधन विकास और समापन (Managing, Growing, and Ending the New venture)

- उद्यमी रणनीति: नई प्रविष्टियों का सृजन और शोषण (Entrepreneurial Strategy: Generating and Exploiting New Entries)
- विकास के लिए रणनीतियां और विकास के निहितार्थ प्रबंध (Strategies for Growth and Managing the Implications of Growth)
- पूँजी जुटाना (Going Public)
- उद्यम का समापन (Ending the Venture)

इकाई – V: सहयोगी संस्थाओं की भूमिका (Role of Support Institutions)

- केंद्रीय स्तर की संस्थाएं: KVIC, SIDO, NSIC, NIESBUD, IIE और EDII (Central Level Institutions: KVIC, SIDO, NSIC, NIESBUD, IIE and EDII)
- राज्य स्तर की संस्थाएं: DIs, DICs, SFCs, SIDCs and SSIDCs (State Level Institutions: DIs, DICs, SFCs, SIDCs and SSIDCs)
- सिडबी और नबार्ड (SIDBI and NABARD)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Hisrich, R.D., Peters, M.P. & Shepherd, D.A., (2008), Entrepreneurship, Sixth Edition, Tata McGraw-Hill, New Delhi.
- Charantimath P.M., (2008), Entrepreneurship Development & Small Business Enterprise, Third Edition, Pearson Education, New Delhi.
- Desai, Vasant, (2011), The Dynamics of Entrepreneurial Development and Management, Sixth Edition, Himalaya Publishing House, Mumbai.

विषय कोड: MS 422 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: व्यावसायिक सम्प्रेषण (Business Communication)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रयोगात्मक विधि द्वारा विद्यार्थियों के लिखित एवं मौखिक सम्प्रेषण का विकास ।
- विद्यार्थियों को व्यावसायिक सम्प्रेषण के सिद्धांतों तथा तकनीकों को समझने में मदद करना ।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: सम्प्रेषण के सिद्धांत (Theory of Communication)

- सम्प्रेषणकी प्रकृति, महत्व और भूमिका (Nature, Importance and Role of Communication)
- सम्प्रेषण प्रक्रिया (The Communication Process)
- सम्प्रेषणकी बाधाएँ (Barriers to Communication)

इकाई – II: सम्प्रेषण के रूप (Forms of Communication)

- लिखित सम्प्रेषण (Written Communication)
- गैर मौखिक सम्प्रेषण (Non-Verbal Communication)
- मौखिक सम्प्रेषण: सार्वजनिक बोलने की कला, प्रभावी सुनना (Oral Communication: Art of Public Speaking, Effective Listening)

इकाई – III: सम्प्रेषण के उपयोग (Applications of Communication)

- परियोजना रिपोर्ट लेखन (Writing a Summer Project Report)
- सीवी एवं आवेदन पत्र लेखन (Writing CVs & Application Letters)
- समूह चर्चा और साक्षात्कार (Group Discussions & Interviews)

इकाई – IV: सम्प्रेषण के महत्वपूर्ण मानक (Important Parameters in Communication)

- व्यावसायिक सम्प्रेषणके अंतर सांस्कृतिक आयाम (The Cross Cultural Dimensions of Business Communication)
- प्रौद्योगिकी और सम्प्रेषण (Technology and Communication)
- व्यावसायिक सम्प्रेषणमें नैतिक और कानूनी मुद्दे (Ethical & Legal Issues in Business Communication)
- जन संचार (Mass Communication)

इकाई – V: अन्य सम्प्रेषण मानक (Other Communication Parameters)

- बातचीत की प्रक्रिया और उसका प्रबंधन (Negotiation Process & its Management)
- विजुअल कम्युनिकेशन डिजाइनिंग (Designing Visual Communication)
- ऑनलाइन प्रस्तुतियाँ बनाना और प्रदर्शित करना (Creating and Delivering Online Presentations)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Scot, O. (2004). Contemporary Business Communication. Biztantra, New Delhi.
- Lesikar, R.V. & Flatley, M.E. (2005). Basic Business Communication Skills for Empowering the Internet Generation. Tata McGraw Hill Publishing Company Ltd. New Delhi.

- Ludlow, R. & Panton, F. (1998). The Essence of Effective Communications. Prentice Hall of India Pvt. Ltd.

विषय कोड: MS 423 **क्रेडिट्स:** 4 क्रेडिट

विषय का नाम: उपभोक्ता व्यवहार (Consumer Behaviour)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- उपभोक्ता व्यवहार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
- उपभोक्ता व्यवहार को प्रभावित करने वाले बाह्य और आंतरिक कारकों विश्लेषण करना और विपणन रणनीति के विकास के लिए इस समझ का अनुप्रयोग करना ।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: उपभोक्ता व्यवहार का परिचय (Introduction to Consumer Behavior)

- उपभोक्ता व्यवहार: परिवर्तन और चुनौतियां (Consumer Behavior: Meeting Changes and Challenges)
- उपभोक्ता अनुसंधान प्रक्रिया (The Consumer Research Process)
- बाजार विभाजन और सामरिक लक्ष्य (Market Segmentation and Strategic Targeting)

इकाई – II: एक व्यक्ति के रूप में उपभोक्ता (The Consumer as an Individual)

- उपभोक्ता अभिप्रेरणा (Consumer Motivation)
- व्यक्तित्व एवं उपभोक्ता व्यवहार (Personality and Consumer Behaviour)
- उपभोक्ता प्रत्यक्षीकरण (Consumer Perception)
- उपभोक्ता अधिगम (Consumer Learning)
- उपभोक्ता अभिवृत्ति एवं और परिवर्तन (Consumer Attitude Formation and Changes)
- संप्रेषण एवं उपभोक्ता व्यवहार (Communication and Consumer Behaviour)

इकाई – III: सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में उपभोक्ता (Consumers in their social and Cultural Settings)

- पारिवारिक और सामाजिक वर्ग (The Family and Social Class)
- उपभोक्ता व्यवहार पर संस्कृति का प्रभाव (Influence of Culture on Consumer Behavior)
- अंतर-सांस्कृतिक उपभोक्ता व्यवहार: एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य (Cross-Cultural Consumer Behavior: An International Perspective)

इकाई – IV: उपभोक्ता निर्णयन की प्रक्रिया (Consumer Decision Making Process)

- पारिस्थितिक प्रभाव (Situational Influences)
- उपभोक्ता निर्णय लेने की प्रक्रिया और समस्या पहचान (Consumer Decision Process and Problem Recognition)
- सूचना अन्वेषण (Information Search)
- वैकल्पिक मूल्यांकन और चयन (Alternative Evaluation and Selection)
- आउटलेट चयन और खरीद (Outlet Selection and Purchase)
- क्रय-पश्चात् प्रक्रियाएँ, ग्राहक संतुष्टि, और ग्राहक प्रतिबद्धता (Post Purchase Processes, Customer Satisfaction, and Customer Commitment)

इकाई – V: नैतिक, संगठनात्मक और ऑनलाइन व्यवहार (Ethical, Organizational and Online Behaviour)

- विपणन नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी है (Marketing Ethics and Social Responsibility)
- संगठनात्मक क्रय व्यवहार (Organizational Buying Behavior)
- ऑनलाइन उपभोक्ता व्यवहार (Online Consumer Behavior)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Schiffman L.G. and Kanuk L.L. (2006), Consumer Behaviour, 9th Edition, Pearson Education, New Delhi.
- Hawkins, D. I., Mothersbaugh,D.L., and Mookerjee, A, (2010) Consumer Behaviour- Building Marketing Strategy, Tata McGraw Hill, New Delhi.
- Nair, R. Suja (2011), Consumer Behaviour in Indian Perspective, 2nd Edition, Himalaya Publishing House, New Delhi.

विषय कोड: MS 424 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: बिक्री प्रबंधन (Sales Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- बिक्री की एक ठोस समझ प्रदान करना जिसमें इसकी योजना, नियुक्तिकरण, संरचना तथा मूल्यांकन का विवरण हो।
- एक बिक्री प्रबंधक तथ विपणन प्रबंधन के दृष्टिकोण से यह समझना की बिक्री बल (कर्मियों) को कैसे प्रबंधित एवं प्रेरित किया जाय।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: बिक्री प्रबंधन का परिचय (Introduction to Sales Management)

- बिक्री प्रबंधन एवं व्यवसाय उपक्रम (Sales Management and the Business Enterprise)
- बिक्री से संबंधित विपणन नीतियों का निर्धारण (Determining Sales-Related Marketing Policies)
- बिक्री प्रबंधन, व्यक्तिगत बिक्री और बेचने का कार्य (Sales Management, Personal Selling and Salesmanship)
- व्यक्तिगत बिक्री की रणनीति तैयार करना (Formulating Personal-Selling Strategy)

इकाई – II: बिक्री प्रयास का आयोजन (Organizing the Sales Effort)

- प्रभावी बिक्री कर्मचारी (The Effective Sales Executive)
- बिक्री संगठन (The Sales Organization)
- बिक्री विभाग के संबंध (Sales Department Relations)
- वितरण नेटवर्क संबंध (Distributive-Network Relations)

इकाई – III: बिक्री बल प्रबंधन (Sales Force Management):

- बिक्री क्षेत्र में कार्मिक प्रबंधन (Personnel Management in the Selling Field)
- बिक्री कर्मियों का भर्ती और चयन (Recruiting and Selecting Sales Personnel)
- बिक्री बल विकास (Sales Force Development)
- बिक्री बल अभिप्रेरण (Sales Force Motivation)
- बिक्री बल का मुआवजा (Compensating the Sales Force)
- बिक्री कर्मियों का नियंत्रण (Controlling Sales Personnel)

इकाई – IV: बिक्री के प्रयास को नियंत्रित करना (Controlling the Sales Effort):

- बिक्री बजट (The Sales Budget)
- बिक्री कोटा (Sales Quotas)
- बिक्री इलाका (Sales Territories)
- बिक्री नियंत्रण एवं लागत विश्लेषण (Sales Control and Cost Analysis)

इकाई – V: अंतरराष्ट्रीय बिक्री प्रबंधन (International Sales Management)

- अंतरराष्ट्रीय बिक्री प्रबंधन (International Sales Management)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Still R. Richard, Cundiff W. Edward, Govono P. A. Norman, 2011, Sales Management: Decision, Strategy and Cases, 5th Edition, Pearson Publication, Delhi.

- Havaldar K. Krishna, Cavale M. Vasant, 2011, Sales and Distribution Management: Text and Cases, 2nd Edition, Tata McGraw Hill Publishing Ltd., New Delhi.
- Cron L. William, Decarlo E. Thomas, 2011, Sales Management: Concepts and Cases, 10th Edition, Wiley India (P.) Ltd., New Delhi.

विषय कोड: MS 425 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: सेवा विपणन (Service Marketing)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- अर्थव्यवस्था के विकास में सेवाओं की बढ़ती प्रासंगिकता को समझने के लिए विद्यार्थियों को सक्षम करना।
- ग्राहकों को कैसे बेहतर सेवाएं प्रदान करना तथा इसके प्रबंधन का ज्ञान विद्यार्थियों को देना।
- सेवा उद्योग में विभिन्न उभरती चुनौतियों की जानकारी देना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: सेवा विपणन का परिचय (Introduction to Service Marketing)

- सेवाओं के अर्थ एवं लक्षण (Meaning and Characteristics of Services)
- सेवाओं के लिए विपणन मिश्रण (Marketing Mix for Services)
- अर्थव्यवस्था में सेवाओं की भूमिका (Role of the Services in the Economy)
- सेवा में उपभोक्ता व्यवहार (Consumer Behavior in Services)
- सेवा की गुणवत्ता के गैप्स मॉडल (Gaps Model of Service Quality)

इकाई – II: ग्राहकों से रिश्ते बनाना (Building Customer Relationships)

- सेवा के ग्राहकों की अपेक्षायें (Customer Expectations of Service)
- सेवा के ग्राहक की धारणा एवं सेवा की गुणवत्ता (Customer Perception of Service and Service Quality)
- ग्राहक की अपेक्षाओं को समझने में विपणन शोध की भूमिका (The role of Marketing Research in understanding Customer Expectations)
- रिश्ता विपणन एवं रिश्ता विकास रणनीतियाँ (Relationship Marketing and Relationship Development Strategies)

इकाई – III: सेवा रिकवरी, सेवा नवाचार, डिजाइन और भौतिक साक्ष्य (Service Recovery, Service Innovation, Design and Physical evidence)

- सेवा विफलताओं के लिए ग्राहकों की प्रतिक्रिया (Customer Response to Service Failures)
- सेवा रिकवरी रणनीतियाँ (Service Recovery Strategies)
- नया सेवा विकास प्रक्रिया (New Service Development Process)
- भौतिक साक्ष्य रणनीति के लिए दिशानिर्देश (Guidelines for Physical Evidence Strategy)

इकाई – IV: सेवाओं की डिलीवरी और प्रदर्शन (Delivering and Performing Services):

- सेवा प्रदान करने में कर्मचारियों की भूमिका (Role of Employees in Service Delivery)
- सेवा प्रदान करने में ग्राहकों की भूमिका (Role of Customers in Service Delivery)
- मध्यस्थों एवं इलेक्ट्रॉनिक चैनलों के माध्यम से सेवा प्रदान करना (Delivering Services through Intermediaries and Electronic Channels)
- क्षमता एवं मांग के प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ (Strategies for Managing Capacity and Demand)

इकाई – V: सेवा वादों का प्रबंधन (Managing Service Promises)

- विपणन संचार में समन्वय की आवश्यकता (The Need of Coordination in Marketing Communication)
- सेवा संचार की प्रमुख चुनौतियों (Key Service Communication Challenges)
- सेवाओं के मूल्य निर्धारण की विधियां (Approaches to Pricing the Services)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Zeithaml Valarie A; Bitner Mary Jo; Gremler Dwayne D & Pandit Ajay (2011), Services Marketing: Integrating Customer Focus across the Firm, 5th Edition, Tata McGraw Hill Education Private Limited, New Delhi.
- Lovelock Christopher (2011), Services Marketing, 7th Edition, Pearson Education, New Delhi.

विषय कोड: MS 426 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: खुदरा प्रबंधन (Retail Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को खुदरा प्रबंधन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं की एक व्यापक समझ प्रदान करना।
- खुदरा प्रबंधन कैसे कार्य करता है का वर्णन तथा विश्लेषण करना।
- रणनीतिक स्तर पर समकालीन खुदरा प्रबंधन के मुद्दों के ज्ञान का विकास करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: खुदरा बिक्री का परिचय (Introduction to Retailing)

- खुदरा बिक्री की परिभाषा और महत्व (Definition and Importance of Retailing)
- खुदरा विक्रेताओं के प्रकार (Types of Retailers)
- वैश्विक और भारतीय खुदरा परिदृश्य (Global and Indian Retail Scenario)

इकाई – II: खुदरा रणनीति (Retailing Strategy)

- खुदरा बाजार रणनीति (Retail Market Strategy)
- वित्तीय रणनीति (Financial Strategy)
- रिटेल स्थान (Retail Location)
- खुदरा सूचना प्रणाली (Retail Information system)
- ग्राहक संबंध प्रबंधन (Customer Relationship Management)

इकाई – III: मर्केंडाइज प्रबंधन (Merchandise Management)

- मर्केंडाइज वर्गीकरण प्रबंधन (Managing Merchandise Assortments)
- मर्केंडाइज योजना प्रणाली (Merchandise Planning Systems)
- मर्केंडाइज खरीदी (Buying Merchandise)
- खुदरा मूल्य निर्धारण (Retail Pricing)
- खुदरा संचार मिश्रण (Retail Communication Mix)

इकाई – IV: भंडार प्रबंधन (Store Management)

- भंडार का प्रबंधन (Managing the Store)
- दुकान लेआउट, डिजाइन और विजुअल मर्केंडाइजिंग (Store Layout, Design & Visual Merchandising)
- ग्राहक सेवा और गैप्स मॉडल (Customer Service and GAPs Model)

इकाई – V: ई-रिटेलिंग (e-Retailing)

- ई-रिटेलिंग की नींव (Foundation of e-Retailing)
- ई-रिटेलिंग: एप्लीकेशन डोमेन (e-Retailing: The Application Domain)
- ई-रिटेलिंग: वर्तमान रुझान (e-Retailing: The Current Trends)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Levy M., Weitz B.A and Pandit A. (2008), Retailing Management, 6th Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi.
- Berman B. Evans J. R. (2011), Retail Management, 11th Edition, Pearson Education, New Delhi.

- Sharma, D.P. (2009), e-Retailing, 1st Edition, Himalaya Publishing House, New Delhi.

विषय कोड: MS 428 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: वित्तीय सेवाओं के मूल आधार (Fundamentals of Financial Services)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्तर पर वित्त एवं निवेश नियोजन में शामिल मुद्दों को समझने में सक्षम करना तथा उनको वित्तीय मुद्दों पर सलाह देने के स्तर तक बढ़ाना।
- विद्यार्थियों को वित्तीय प्रणाली तथा वित्तीय सेवाओं के बारे में समझाना जिसे वे अपने व्यावहारिक जीवन में उपयोग कर सकते हैं।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: वित्तीय प्रणाली का परिचय (Introduction to Financial System)

- वित्तीय प्रणाली: प्रकृति, विकास और संरचना (The Financial System: Nature, Evolution and structure)
- भारतीय वित्तीय प्रणाली (The Indian Financial System)
- आर्थिक विकास में वित्तीय प्रणाली की भूमिका (The Role of Financial System in Economic Development)
- वित्तीय प्रपत्र (Financial Instruments)
- वित्तीय मध्यस्थों के कार्य (The Functions of Financial Intermediaries)
- वित्तीय सेवायें: अर्थ, महत्व और प्रकार (Financial Services: Meaning, Importance and Types)

इकाई – II: बैंकिंग की उत्पत्ति एवं विकास (The Origin and Growth of Banking)

- बैंकिंग की उत्पत्ति (The Origin of Banking)
- भारतीय बैंकिंग प्रणाली (The Indian Banking system)
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI)
- बैंकों और प्रौद्योगिकी (Banks and technology)
- अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सेवाएं (International banking services)

इकाई – III: बीमा क्षेत्र (Insurance Sector)

- बीमा क्षेत्र: परिचय, परिभाषा, जरूरत और महत्व (Insurance Sector: Introduction, Definition, Need and Importance)
- जीवन एवं गैर जीवन बीमा (Life and non life insurance)
- निजी क्षेत्र के लिए बीमा क्षेत्र को खोलने के तर्क (Rationale for opening up of the Insurance sector to Private Sector)
- आईआरडीए अधिनियम तथा बीमा अधिनियम, 1938 का संक्षिप्त परिचय (A brief introduction to IRDA Act. Insurance Act, 1938)

इकाई – IV: मर्चेंट बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवायें (Merchant Banking and other Financial Services)

- मर्चेंट बैंकिंग: उत्पत्ति, अर्थ और कार्य (Merchant Banking: Origin, Meaning and Functions)
- मर्चेंट बैंकर की भूमिका (Role of a merchant Bankers)
- वाणिज्यिक बैंक और मर्चेंट बैंकिंग (Commercial Banks and Merchant Banking)
- मर्चेंट बैंकरों के लिए सेबी के दिशानिर्देश (SEBI guidelines for merchant bankers)
- पूंजी बाजार और शेयर बाजार (Capital market and Stock exchange)
- सेबी की भूमिका (Role of SEBI)

- क्रेडिट रेटिंग और बिल डिस्काउंटिंग (Credit Rating and Bill Discounting)
- उद्यम पूंजी (Venture Capital)

इकाई – V: म्युचुअल फंड और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स (Mutual funds and Money Market Instruments)

- म्युचुअल फंड: संरचना, प्रकार और लाभ (Mutual Funds: Structure, Types and Advantages)
- ट्रेजरी बिल और वाणिज्यिक बिल (Treasury bill and Commercial bill)
- कॉल मनी, नोटिस मनी और टर्म मनी (Call money, Notice money and Term money)
- क्रेडिट कार्ड (Credit card)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Khan M.Y. (2009), Financial Services, Fifth Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi.
- Bhole L.M, (2011). Financial Institutions and Markets, Fifth Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi.
- Siddaiah T. (2011), Financial Services. First Edition, Pearson, New Delhi.

विषय कोड: MS 429 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: वित्तीय संस्थानों का प्रबंधन (Management of Financial Institutions)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- वित्तीय संस्थानों के ज्ञान से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- विभिन्न वित्तीय तथा गैर वित्तीय संस्थानों के बारे में पता लगाना तथा समझना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: वित्तीय प्रणाली का परिचय (Introduction to Financial System)

- वित्तीय प्रणाली: प्रकृति, विकास और संरचना (The Financial System: Nature, Evolution and structure)
- भारतीय वित्तीय प्रणाली की संरचना (Structure of Indian Financial System)
- भारतीय मुद्रा बाजार (Indian Money Market)
- वैश्विक मुद्रा बाजार (Global Money Market)
- भारतीय पूंजी बाजार (Indian Capital Market)

इकाई – II: बैंकिंग वित्तीय संस्थायें - I (Banking Financial Institutions - I)

- बैंकिंग का परिचय (Introduction of Banking)
- विकास और इतिहास (Evolution and History)
- बैंकों की सेवायें (Services of Banks)
- बैंकिंग में प्रौद्योगिकी (Technology in Banking)
- आर्थिक विकास और वाणिज्यिक बैंक (Economic development and Commercial Banks)

इकाई – III: बैंकिंग वित्तीय संस्थायें - II (Banking Financial Institutions - II)

- बैंकिंग का सिस्टम (Systems of banking)
- केंद्रीय बैंकिंग (आरबीआई) (Central Banking(RBI))
- भारत में वाणिज्यिक बैंकिंग (Commercial banking in India)
- भारत में बैंकिंग कानून (Banking Legislation in India)

इकाई – IV: सहकारिता और विदेशी बैंक (Co-operatives and Foreign Banks)

- सहकारी बैंकिंग प्रणाली (Cooperative banking system)
- शहरी सहकारी बैंक (Urban Cooperative Banks)
- राज्य सहकारी बैंक (State Cooperative Banks)
- विदेशी बैंकिंग सिस्टम (Foreign Banking Systems)

इकाई – V: गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थायें (Non Banking Financial Institutions)

- औद्योगिक वित्त और संस्थायें - आईएफसीआई, आईसीआईसीआई, आईडीबीआई, एनएचबी, नाबार्ड, एलआईसी, जीआईसी (Industrial Finance and Institutions - IFCI, ICICI, IDBI, NHB, NABARD, LIC, GIC)
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं (International Financial Institutions)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Gomez, Clifford (2010), Financial Markets, Institutions and Financial Services, PHI Learning, New Delhi.
- Gordon, Natarajan (2010), Financial Markets and Services, Himalaya Publishing House, New Delhi.

- Kohn Meir (1999), Financial Institutions and Markets, Tata McGraw Hill, New Delhi.

विषय कोड: MS 430 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: कार्यशील पूँजी का प्रबंधन (Working Capital Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- कार्यशील पूंजी की अवधारणा तथा उसके समग्र प्रबंधन से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- कार्यशील पूंजी के विभिन्न घटक तथा उनके प्रबंधन की जानकारी विद्यार्थियों को देना।
- कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को निर्धारित करना तथा वित्तपोषण की जानकारी विद्यार्थियों को देना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: कार्यशील पूंजी प्रबंधन का परिचय (Introduction to Working Capital Management)

- कार्यशील पूंजी का अर्थ (Meaning of Working Capital)
- कार्यशील पूंजी की जरूरत (Need of Working Capital)
- कार्यशील पूंजी के प्रकार (Types of Working Capital)
- कार्यशील पूंजी का निर्धारण (Determination of Working Capital)

इकाई – II: कार्यशील पूंजी की योजना तथा वित्तपोषण (Planning and Financing Of Working Capital)

- कार्यशील पूंजी के उद्देश्य तथा तत्व (Objectives and Elements of Working Capital)
- कार्यशील पूंजी के स्त्रोत (Sources of Working Capital)
- कार्यशील पूंजी के प्रबंधन के लिए टंडन समिति और कोर समिति की सिफारिशें (Tandon Committee and Chore Committee Recommendations for Working Capital Management)
- तरलता का मापन और तरलता मापन का अनुपात (Measurement of Liquidity and Ratios of Measuring Liquidity)

इकाई – III: नकद प्रबंधन (Cash Management):

- नकदी रखने के कारण (Motives for Holding Cash)
- नकद प्रबंधन का उद्देश्य (Objective of Cash Management)
- नकद जरूरतों का निर्धारण के कारक (Factors Determining the Cash Needs)
- युक्ततम नकद बनाए रखने के लाभ (Advantages of Maintaining Optimum Cash)
- नकद प्रबंधन में मुद्दे (Issues in Cash Management)
- नकद अधिशेष का उपयोग (Utilization of Cash Surplus)
- कैश मॉडल्स (Cash Models)
- नकद पूर्वानुमान के तरीके (Methods of Cash Forecast)

इकाई – IV: धन के प्रवाह का विवरण (Fund Flow Statement):

- धन के प्रवाह अर्थ और संकल्पना (Meaning and Concept of Flow of Funds)
- धन प्रवाह तथा आय विवरण में अंतर (Difference between Fund Flow and Income Statement)
- क्या एक लेनदेन धन का प्रवाह होता है या नहीं जानने की प्रक्रिया (Procedure for knowing whether a Transaction results in the Flow of Funds)
- कार्यशील पूंजी में परिवर्तन की अनुसूची तैयार करने के लिए प्रक्रिया (Procedure for preparing Schedule of Changes in Working Capital)

इकाई – V: इन्वेंटरी और लेखा प्राप्य (Inventory and Accounts Receivable)

- इन्वेंटरी के प्रकार तथा रखने की आवश्यकता (Types and Need of holding Inventory)
- इन्वेंटरी नियंत्रण तकनीक (Inventory Control Techniques)
- प्राप्य खातों को बनाए रखने की लागत (Cost of maintaining accounts receivable)

- क्रेडिट नीतियों के निर्धारण (Formulation of credit policies)
- प्राप्तियों के आकार को प्रभावित करने वाले कारक (Factors influencing size of receivables)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Dr. Periasamy .P, (2010).Working Capital Management. Second Edition. Himalaya Publishing House, New Delhi.
- Rao P. Mohana, and Alok K. Pramanik. Working Capital Management. Deep and Deep Publishing House, New Delhi

विषय कोड: MS 431 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: मुद्रा एवं बैंकिंग (Money and Banking)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- बैंकिंग प्रमुख उत्पादों के बारे में विद्यार्थियों को बताना।
- बैंकिंग उद्योग के विभिन्न कानूनों और नियमों के से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: जोखिम और बीमा प्रबंधन की बुनियादी बातें (Basic Concepts of Risk and Insurance Management)

- जोखिम प्रबंधन का परिचय (Introduction to Risk Management)
- जोखिम प्रबंधन और बीमा की भूमिका (Risk Management and Role of Insurance)
- बीमा का इतिहास और विकास (History and Development of Insurance)
- भारत में जीवन बीमा की ग्रोथ (Growth of Life Insurance in India)

इकाई – II: जीवन बीमा उत्पाद (Life Insurance Products)

- जीवन बीमा उत्पादों के विभिन्न प्रकारों का एक परिचय (An Introduction to various types of Life Insurance Products)
- पारंपरिक उत्पाद और बाजार संबंधित योजनायें (Traditional Products and Market Related Plans)
- वार्षिकी, पेंशन योजना, समूह बीमा और वेतन बचत योजनाएं (Annuity, Pension Plans, Group Insurance and Salary Saving Schemes)
- विभिन्न योजनाओं के साथ जुड़े राइडर्स (Riders Associated with Different Plans)
- भारत में विभिन्न कंपनियों के जीवन बीमा उत्पादों की एक तुलनात्मक अवलोकन (A Comparative Overview of the Life Insurance Products of Different Companies in India)

इकाई – III: मूल्य निर्धारण और हामीदारी (Pricing and underwriting)

- जीवन बीमा पॉलिसियों के सिद्धांत (Principles of Life Insurance Policies)
- क़िस्त निर्धारित करना, विशेषाधिकार और शर्तें (Premium Setting, Privileges and Conditions)
- कानूनी और संविदात्मक प्रावधान (Legal and Contractual Provisions)
- हामीदारी, असाइनमेंट, नामांकन, जीवन बीमा पॉलिसी में MWP अधिनियम (Underwriting. Assignment, Nomination, MWP Act in Life Insurance Policy)

इकाई – IV: नियामक तंत्र (Regulatory Mechanism)

- जीवन बीमा का विपणन: तीन आयाम (Marketing Life Insurance: The Three Dimensions)
- वितरण चैनल: विपणन मध्यस्थ (Distribution Channel: Marketing Intermediaries)
- विनियमन और पर्यवेक्षण: दोहरे लक्ष्य (Regulation and Supervision: Twin Objectives)

इकाई – V: सामान्य बीमा की सिद्धांतों और प्रथाओं (Principles and practices of General Insurance)

- मरीन, आग और मोटर बीमा (Marine, Fire and Motor Insurance)
- स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा (Health and Accidental Insurance)
- विविध और कर्मकार क्षतिपूर्ति बीमा (Miscellaneous and Workmen Compensation Insurance)

- ग्रामीण और सामाजिक क्षेत्र की बीमा (Rural and Social Sector Insurance)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Arunajatesan S. &Viswanathan T.R. (2009), Risk Management & Insurance: Concepts and Practices of Life and General Insurance. Third Edition. Macmillan Publishers India.
- Gupta P.K. (2010). Insurance and Risk Management. Second Edition. Himalayan Publishing House Pvt. Ltd., New Delhi.
- Black, Kenneth and Horord D. Shipper (2010). Life & Health Insurance. Pearson Education, New Delhi.

विषय कोड: MS 433 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: प्रशिक्षण और विकास (Training and Development)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रशिक्षण की जरूरत के महत्व और संगठन में मानव संसाधन विकास के संबंध में विद्यार्थियों को शिक्षित करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: प्रशिक्षण का परिचय (Introduction to Training)

- बदलते संगठन (The Changing Organizations)
- मानव संसाधन और प्रशिक्षण कार्य (HR and the Training Functions)
- प्रशिक्षण के मॉडल (Models of Training)
- लर्निंग संगठन (The Learning Organisation)
- कंसल्टेंसी के रूप में प्रशिक्षण (Training as Consultancy)
- लर्निंग अवधारणाओं को समझना (Understanding Learning Concepts)

इकाई – II: प्रशिक्षण की जरूरत का विश्लेषण (Training Needs Analysis)

- टीएनए की प्रक्रिया और दृष्टिकोण (The Process and Approaches of TNA)
- प्रशिक्षण की जरूरत का विश्लेषण करने के लिये समूह कार्य (Team Work for Conducting Training Needs Analysis)
- टीएनए और प्रशिक्षण प्रक्रिया की योजना (TNA and Training Process Design)

इकाई – III: प्रशिक्षण योजना और मूल्यांकन - I (Training Design & Evaluation - I)

- प्रशिक्षण के उद्देश्यों को समझना और विकास करना (Understanding & Developing the Objectives of Training)
- प्रशिक्षु को केन्द्रित कर प्रशिक्षण की सुविधा (Facilitation of Training with Focus on Trainee)
- प्रशिक्षण योजना को केंद्रित कर प्रशिक्षण (Training with Focus on Training Design)

इकाई – IV: सिक्यूरिटी विश्लेषण (Training Design & Evaluation - I)

- संगठन हस्तक्षेप को केंद्रित कर स्थानांतरण की सुविधा (Facilitation of Transfer with Focus on Organization Intervention)
- प्रशिक्षण के तरीके (Training Methods)
- प्रशिक्षण कार्यक्रम का कार्यान्वयन और मूल्यांकन (Implementation and Evaluation of Training Programme)

इकाई – V: प्रबंधन विकास (Management Development)

- प्रबंधन विकास के लिए प्रयास (Approaches to Management Development)
- ज्ञान / कौशल अधिग्रहण के स्त्रोत (Sources of Knowledge / Skill acquisition)
- प्रबंधन विकास कार्यक्रम के प्रकार (Types of management Development Programmes)
- ईडीपी / सेमिनार और सम्मेलन, संगोष्ठियां (EDP's / Seminars and Conferences, Symposia)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Raymond Noe, A. (2005). Employees Training and Development", McGraw Hill Publication.
- O' Connor, Browner & Delaney (2003). Training for Organizations. Thompson Learning Press.

विषय कोड: MS 435 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: औद्योगिक संबंधों का प्रबंधन (Management of Industrial Relations)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- मानव संसाधन के विद्यार्थियों को किसी संगठन में औद्योगिक संबंधों के महत्व को समझाना।
- भारत में औद्योगिक संबंधों के परिदृश्य के सन्दर्भ में एक अंतर्दृष्टि विकसित करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I:

- औद्योगिक संबंध: सिद्धांत और विकास (Industrial Relations: Theories and evolution)
- औद्योगिक संबंधों का ऐतिहासिक विकास (Historical development of Industrial Relations)
- व्यापार संघवाद (Trade Unionism)
- व्यापार संघवाद के सिद्धांत (Theories of trade unionism)

इकाई – II:

- संघ- प्रबंधन संबंध (Union Management Relations)
- सार्वजनिक नीतियाँ और संघ प्रबंधन संबंध, राज्य, राष्ट्र, संविधान और श्रम नीतियों की भूमिका (Public policies and union management relations, role of state, constitution and labour Policies)
- आईएलओ, प्रमुख घटनाएँ और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे (ILO, Major events and international issues)
- मानव संसाधन/ औद्योगिक सम्बन्ध दृष्टिकोण को प्रभावित करने वाले परिवर्तन, भारतीय परिप्रेक्ष्य (Changes affecting HR/IR perspectives, Perspectives in India)

इकाई – III:

- औद्योगिक लोकतंत्र: अवधारणाएँ और औद्योगिक लोकतंत्र का क्षेत्र (Industrial Democracy: concepts and scopes of industrial democracy)|
- कर्मचारी सहभागिता (Worker's participation)
- भागीदारी की तार्किकता, सहभागिता में मुद्दे, सहभागिता को कार्यान्वित करने तथा इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए रणनीति (Rationale for participation, Issues in participation, strategies for making participation work and making participation more effective)|

इकाई – IV:

- भारत में औद्योगिक संबंध मशीनरी की विधियाँ; औद्योगिक विवाद समाधान के वैधानिक और गैर – वैधानिक तरीके; सुलह, मध्यस्थता, अनिवार्य मध्यस्थता और अधिनिर्णय (Methods of industrial relation machinery in India; Statutory and non –statutory methods of industrial dispute resolution; Conciliation, mediation, arbitration and adjudication)
- औद्योगिक विवाद/संघर्ष (Industrial Conflict)
- सामूहिक सौदेबाजी,समझौता/ सौदेबाजी कौशल, औद्योगिक विवाद समाधान (Collective bargaining, negotiation skills, industrial conflict resolution)

इकाई – V:

- तुलनात्मक औद्योगिक संबंध: यू.एस.ए, ब्रिटेन, सोवियत संघ, जर्मनी के अनुभव, और जापान के अनुभव (Comparative Industrial Relations: Experience of U.S.A, UK, USSR, Germany, and Japan)
- श्रम कल्याण: औचित्य, जरूरत और आवश्यकताएँ (Labour Welfare: Rationale need and Requirements)
- नई आर्थिक नीति और श्रम; सामाजिक अनुच्छेद और विश्व व्यापार संगठन (New Economic policy and labour; Social clause and WTO)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Bargaining and Industrial Relations, 4 th Edition, The McGraw Hill Companies.
- C.S. Venkat Ratnam, 2006, Industrial Relations: Text and Cases, Oxford University Press,Delhi.
- Michael Salamon, 2001, Industrial Relations: Theory & practice , 4th Edition, Pearson Education.

विषय कोड: MS 436 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: श्रम कानून (Labour Law)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को किसी संगठन के द्वारा पालन किये जाने वाले श्रम कानूनों के महत्त्व को समझाना।
- संगठन के अंतर्गत कर्मचारियों एवं श्रमिकों से सम्बंधित विभिन्न श्रम कानूनोंअधिनियमों के प्रति अंतर्दृष्टि को / विकसित करना ।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I:

- व्यापार संघ अधिनियम, 1926, (The Trade Unions Act, 1926)
- औद्योगिक विवाद/ संघर्ष अधिनियम, 1947 (The Industrial Disputes Act, 1947)

इकाई – II:

- औद्योगिक रोज़गार अधिनियम, 1997 (The Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946)
- अनुबंधित श्रम अधिनियम (विनियमन एवं उन्मूलन), 1970 (Contract Labour (Regulation and Abolition) Act,1970)

इकाई – III:

- कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923 (The Workmen's Compensation Act, 1923)
- वेतन/ भत्ता भुगतान अधिनियम, 1936 (Payment of Wages Act, 1936)
- न्यूनतम भत्ता/ वेतन अधिनियम, 1948 (Minimum Wages Act, 1948)
- बोनस/ अधिलाभांश भुगतान अधिनियम, 1936 (Payment of Bonus Act, 1965)

इकाई – IV:

- कारखाना अधिनियम, 1948 (Factories Act, 1948)
- खान/ खदान अधिनियम, 1952 (Mines Act, 1952)
- बागान/ पौधारोपण अधिनियम, 1951 (Plantation Labour Act, 1951)
- प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 (Apprentices Act, 1961)
- बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986)

इकाई – V:

- कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (The Employees State Insurance Act, 1948)
- आनुतोषिक भुगतान अधिनियम, 1972 (The Payment of Gratuity Act, 1972)
- कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम,1952 (The Employees' Provident Funds & Miscellaneous provision Act, 1952)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Malik P. L. 2009, Labour and Industrial Law, 9th Edn, Eastern Book Company, Lucknow.
- Sharma J. P, 2009, Simplified Approach to Labour Laws, 3rd Edn, Bharat Law House Pvt. Ltd, New Delhi.
- Kumar H. L, Digest of Labour Cases-1990 –2009, Universal Law Publishing Co. Pvt. Ltd, Delhi.

विषय कोड: MS 437 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: संगठनों में टीम बिल्डिंग (Team Building in Organisations)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को समूहों को ऊपर उठाने तथा उन्हें संगठन में भावुक टीमों में तब्दील करने के महत्व को समझाना।
- टीम को बनाये रखने के लिये व्यक्तियों को कैसा व्यवहार करना चाहिए की समझ विद्यार्थियों को देना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: कार्यसमूह बनाम टीम (Workgroup Vs. Teams)

- टीमों को समूह में बदलना (Transforming Groups to Teams)
- टीमों के प्रकार (Types of Teams)
- टीम बिल्डिंग के चरण और उसकी व्यवहारात्मक गतिशीलता (Stages of Team Building and its Behavioural Dynamics)
- टीम भूमिका और पारस्परिक प्रक्रियायें (Team Role and Interpersonal Processes)
- लक्ष्य निर्धारण और समस्या का समाधान (Goal Setting and Problem Solving)

इकाई – II: पारस्परिक क्षमता और टीम प्रभावशीलता (Interpersonal Competence & Team Effectiveness)

- टीम प्रभावशीलता और टीम प्रभावशीलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव (Team Effectiveness and Important Influences on Team Effectiveness)
- टीम बिल्डिंग में पारस्परिक क्षमता की भूमिका (Role of Interpersonal Competence in Team Building)
- पारस्परिक क्षमता मापन (Measuring Interpersonal Competence)
- दल के सदस्य भूमिका और विविधता (Team Member Roles and Diversity)
- टीम की प्रभावशीलता का मापन (Measuring Team Effectiveness)

इकाई – III: संचार और रचनात्मकता (Communication and Creativity)

- संचार प्रक्रिया (Communication Process)
- संचार प्रभावशीलता और प्रतिक्रिया (Communication Effectiveness & Feedback)
- टीम रचनात्मकता को बढ़ावा देना (Fostering Team Creativity)
- डेल्फी तकनीक, नाममात्र समूह तकनीक, पारंपरिक बुद्धिशीलता, इलेक्ट्रॉनिक बुद्धिशीलता, नकारात्मक बुद्धिशीलता (Delphi Technique, Nominal Group Technique, Traditional Brain Storming, Electronic Brain Storming, Negative Brain Storming)

इकाई – IV: टीमों में नेताओं की भूमिका (Role of Leaders in Teams)

- टीम की सहायता करना (Supporting Teams)
- टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत करना (Rewarding Team Players)
- भूमिका आवंटन (Role Allocation)
- टीमों के लिए संसाधन प्रबंधन (Resource Management for Teams)
- टीम के खिलाड़ियों का चयन (Selection of Team Players)
- सूत्रधारों और आकाओं के रूप में नेता (Leaders as Facilitators and Mentors)

इकाई – V: टीमों में सहयोग का विकास (Developing Collaboration in Teams)

- कार्यात्मक और बेकार सहयोग और प्रतिस्पर्धा (Functional and Dysfunctional Cooperation and Competition)
- संगठनों में सहयोग बनाने के लिए हस्तक्षेप (Interventions to Build Collaboration in Organizations)

- सामाजिक आवारगी (Social Loafing)
- टीमों में सिनर्जी (Synergy in Teams)
- स्वयं प्रबंधित टीमें (Self-Managed Teams)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- McShane, S. L & Glinow M. A. V. (2001). Organizational Behaviour: Emerging Realities for the Workplace Revolution. Tata McGraw-Hill Publishing Company Ltd.
- Hellriegel, D. & Slocum, J. W. (2004). Organizational Behaviour. Thomson Asia Pvt. Ltd., Singapore.

विषय कोड: MS 439 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: सामरिक प्रबंधन (Strategic Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को बुनियादी पाठ्यक्रम में पढ़ी गई रणनीतियों तथा विशिष्ट रणनीतिक ज्ञान का विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग करने हेतु सक्षम बनाना।
- विद्यार्थियों को प्रबंधक के रूप में अपने दैनिक जीवन में, बनाने के अमल और मूल्यांकन विभिन्न रणनीतियों के लिए छात्रों को सक्षम करें।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: सामरिक प्रबंधन का परिचय (Introduction to Strategic Management)

- रणनीति की अवधारणा: परिभाषाआवश्यकता और रणनीति के आयाम, रणनीतिक नियोजन औररणनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया (Concept of strategy: Definition need and dimension of strategy, strategic planning and strategic decision making process)
- रणनीति का स्तर: कॉर्पोरेट, व्यापार, क्रियात्मक स्तर (Levels of strategy: Corporate, business, functional level)
- सामरिक प्रबंधन की प्रक्रिया (Process of strategic management)
- रणनीतिक मंतव्य की स्थापना (Establishment of strategic intent)

इकाई – II: सामरिक निरूपण (Strategic Formulation)

- पर्यावरण मूल्यांकन: बाह्य मूल्यांकन (Environmental appraisal: The external assessment)
- संगठनात्मक मूल्यांकन (Organization appraisal)
- आंतरिक विश्लेषण (The internal analysis)
- व्यापार रणनीति (Business strategy)

इकाई – III: रणनीति कार्यान्वयन (Strategy Implementation)

- विभिन्न औद्योगिक संदर्भ में व्यापार स्तर रणनीति (Business level strategy in different industrial context)
- बहु-व्यापार रणनीति: संतुलित स्कोर कार्ड, रणनीतियों के प्रकार- सहक्रियता दृष्टिकोण (Multi business strategy: Balanced score card, types of strategies the synergy approach)
- रणनीतियों का क्रियान्वन: प्रबंधन और संचालन के मुद्दे (Implementing strategies: Management and operations issues)
- सामरिक विश्लेषण और विकल्प (Strategic analysis and choice)

इकाई – IV: रणनीतिक मूल्यांकन और नवाचार (Strategic Evaluation & Innovation):

- सामरिक समीक्षा, मूल्यांकन और नियंत्रण (Strategic review, evaluation and control)
- सामरिक प्रबंधन में चुनौतियां (Challenges in strategic management)
- संरचनात्मक और व्यवहारात्मक आयाम (Structural & behavioral dimensions)
- सूचना प्रौद्योगिकी और रणनीति (Information technology and strategy)
- ज्ञान प्रबंधन (Knowledge management)

इकाई – V: कॉर्पोरेट स्तर की रणनीति (Corporate Level Strategy)

- ऊर्ध्वाधर एकीकरण और फर्म की गुंजाइश (Vertical integration and the scope of firm)
- विकास रणनीतियों- प्रथम और द्वितीय (Growth strategies-I & II)

- घरेलू बाजारों के लिए रणनीतियां, वैश्विक रणनीति और बहुराष्ट्रीय निगम (Strategies for domestic markets, global strategies and the multinational corporation)
- बाजार संरचनाओं और नेटवर्क बाह्यता (Market structures and network externalities)
- रणनीतिक गठजोड़ (Strategic alliances)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Kazmi Azhar (2011). Business Policy and Strategic Management. 3rd Edition. Tata Mc Graw Hill, New Delhi.
- David R. Fred (2011). Strategic Management -Concepts and Cases. 13th Edition. PHI Learning, New Delhi.

विषय कोड: MS 442 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: विज्ञापन एवं बिक्री संवर्धन (Advertising and Sales Promotion)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विज्ञापन के सिद्धांतों तथा व्यवहारों की विस्तृत जानकारी देना।
- मीडिया चयन, निर्धारण और विज्ञापन के लिए बजट की एक बुनियादी समझ प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को एक प्रभावी विज्ञापन तैयार करने, विज्ञापन अभियान को डिज़ाइन करने तथा विज्ञापन के प्रभाव को मापने में सक्षम बनाना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: विज्ञापन का परिचय (Introduction to Advertising)

- विज्ञापन का अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य और महत्व (Meaning, Nature, Objectives and Importance of Advertising)
- विज्ञापन और संवर्धन के अन्य रूपों (Advertising and Other Forms of Promotion)
- विज्ञापन के प्रकार (Types of Advertising)
- संचार प्रक्रिया और संचार मॉडल (The Communication Process and Communication Models)

इकाई – II: विज्ञापन अभियान, विज्ञापन बजट और विज्ञापन एजेंसियां (Advertising Campaign, Advertising Budget and Advertising Agencies)

- विज्ञापन अभियानों के प्रकार (Types of Advertising Campaigns)
- विज्ञापन अभियान की योजना (Advertising Campaign Planning)
- विज्ञापन बजट प्रक्रिया (Advertising Budgeting Process)
- विज्ञापन एजेंसियों की संरचना और कार्य (Structure and Functions of Advertisement Agencies)

इकाई – III: मीडिया निर्णय, विज्ञापन कॉपी और विज्ञापन अपील (Media Decisions, Advertising copy and Advertising Appeals):

- विज्ञापन के लिए मीडिया के प्रकार (Types of Media for Advertising)
- मीडिया चयन निर्णय (Media Selection Decisions)
- विज्ञापन कॉपी और उसके तत्वों (Advertising Copy and its Elements)
- विज्ञापन अपील के प्रकार (Types of Advertising Appeals)
- विज्ञापन और रचनात्मकता (Advertising and Creativity)

इकाई – IV: विज्ञापन के प्रभाव को मापना (Measuring Advertising Effectiveness):

- विज्ञापन अनुसंधान (Advertising Research)
- विज्ञापन के लिए डैगमार दृष्टिकोण (DAGMAR Approach to Advertising)
- विज्ञापन मूल्यांकन के प्रकार (Types of Adverting Evaluation)
- पूर्व परीक्षण तकनीक और पोस्ट-परीक्षण तकनीक (Pre-testing Techniques and Post-testing techniques)

इकाई – V: विज्ञापन में समकालीन मुद्दे (Contemporary Issues in Advertising)

- विज्ञापन और समाज (Advertisement and Society)
- विज्ञापन के सामाजिक और आर्थिक पहलु (Social and Economic Aspects of advertising)
- विज्ञापन के नैतिक प्रभाव (Ethical Implications of Advertising)

- आधुनिक विज्ञापन (Modern Advertising)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Wells William D.; Burnett John & Inoriarty Sandra (2010), Advertising: Principles and practice, Pearson Education, New Delhi
- Batra Rajeev; Myres John G.; & Aaker David A. (2011), Advertising Management, Pearson Education, New Delhi
- Shah Kruti & D. Alen (2010), Advertising and Promotions: An IMC perspective, Tata McGraw Hill Education Private Limited, New Delhi.

विषय कोड: MS 443 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (Supply Chain Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- आपूर्ति श्रृंखला के डिजाइन की संकल्पना करना जो विनिर्माण और सेवा कंपनियों के लिए व्यापार मॉडल के साथ गठबंधन करते हैं ।
- आपूर्ति श्रृंखला रिश्तों के प्रभावी शासन के लिए आपूर्ति श्रृंखला डिजाइन का अनुबंध करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: आपूर्ति श्रृंखला का परिचय (Introduction to Supply Chain)

- आपूर्ति श्रृंखला को समझना (Understanding Supply Chain)
- आपूर्ति श्रृंखला में लौजिस्टिक्स की भूमिका (Role of Logistics in Supply Chain)
- आपूर्ति श्रृंखला बनाम मांग श्रृंखला (Supply Chain vs. Demand Chain)
- आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से मूल्य निर्माण (Value Creation Through Supply Chain)

इकाई – II: आपूर्ति श्रृंखला की उप-प्रणालियां (Supply Chain Sub-Systems)

- आपूर्ति श्रृंखला योजना और खरीद के तरीके (Supply Chain Planning and Procurement Methods)
- ई-प्रोक्योरमेंट और सामरिक सोर्सिंग (E-Procurement and Strategic Sourcing)
- लीन उत्पादन (Lean Manufacturing)
- वितरण निर्णय (Distribution Decisions)

इकाई – III: सामरिक और संचालन के निर्णय (Tactical And Operational Decisions)

- परिवहन और माल ढुलाई प्रबंधन (Transportation and Freight Management)
- इन्वेंट्री प्रबंधन और नेटवर्क डिजाइनिंग (Inventory Management and Network Designing)
- सूचना प्रणाली और आईटी सक्रियन (Information System and IT Enablement)

इकाई – IV: रणनीतिक दृष्टिकोण (Strategic Approach)

- गठबंधनों और आउटसोर्सिंग (Alliances and Outsourcing)
- एजाइल, ग्लोबल और रिवर्स आपूर्ति श्रृंखला (Agile, Global and Reverse Supply Chain)
- आपूर्ति श्रृंखला की एकीकरण रणनीतियाँ (Supply Chain Integration Strategies)
- कोल्ड चेन नेटवर्किंग (Cold Chain Networking)

इकाई – V: मापन और नियंत्रण (Measurements And Controls)

- आपूर्ति श्रृंखला में मात्रात्मक तकनीक (Quantitative Techniques in Supply Chain)
- आपूर्ति श्रृंखला जोखिम प्रबंधन (Supply Chain Risk Management)
- मूल्य निर्धारण, लागत और वित्तीय निर्णय (Pricing, Costing and Financial Decisions)
- प्रदर्शन मापन और नियंत्रण (Performance Measurement and Controls)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Sople, (2012), Supply Chain Management: Text and Cases, Pearson Education, New Delhi.
- Li, Ling, (2011), Supply Chain Management: Concepts, Techniques and Practices, Cambridge University Press India Pvt. Ltd., New Delhi.
- Mohanty, R.P., Deshmukh, S.G., (2011), Supply Chain Management: Theories and Practices, Biztantra, New Delhi.

विषय कोड: MS 444 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: ब्रांड प्रबंधन (Brand Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- ब्रांड अवधारणा की समझ को विकसित करना।
- ब्रांड प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को समझना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: ब्रांड एवं ब्रांड प्रबंधन का परिचय (Introduction to Brand and Brand Management)

- ब्रांड का अर्थ, प्रकृति और महत्व (Meaning, Nature and Importance of Brand)
- ब्रांड बनाम जेनरिक (Brand vs. Generics)
- ब्रांड जीवन चक्र (Brand Life Cycle)
- ब्रांड नाम और ब्रांड प्रबंधन (Brand Name and Brand Management)

इकाई – II: ब्रांड पहचान (Brand Identity)

- अवधारणा, योजना और निष्पादन (आकर मॉडल) (Conceiving, Planning and Executing (Aaker Model))
- ब्रांड निष्ठा (Brand Loyalty)
- निष्ठा के उपाय (Measures of Loyalty)

इकाई – III: ब्रांड इक्विटी (Brand Equity)

- ब्रांड इक्विटी की अवधारणाओं और उपाय (Concepts and Measures of Brand Equity)
- मूल्य और उपभोक्ता आधारित विधियां (Price and Consumer Based Methods)
- ब्रांड इक्विटी कायम रखना (Sustaining Brand Equity)

इकाई – IV: ब्रांड व्यक्तित्व और ब्रांड पोजिशनिंग (Brand Personality and Brand Positioning)

- ब्रांड व्यक्तित्व की परिभाषा और उपाय (Definition and Measures of Brand Personality)
- ब्रांड व्यक्तित्व का निरूपण (Formulation of Brand Personality)
- ब्रांड छवि बनाम ब्रांड व्यक्तित्व (Brand Image Vs Brand Personality)
- ब्रांड पोजिशनिंग की अवधारणा एवं परिभाषा (Concepts and Definitions of Brand Positioning)
- पुनर्स्थापन और सेलिब्रिटी समर्थन (Repositioning and Celebrity Endorsement)
- ब्रांड प्रसार (Brand Extension)

इकाई – V: अंतर लाभ (Differential Advantage)

- प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए रणनीतियाँ (Strategies for Competitive Advantage)
- ब्रांड पिरामिड (Brand Pyramid)
- विभिन्न क्षेत्रों में ब्रांडिंग (Branding in different sectors)
- ब्रांड प्रबंधन में इनफार्मेशन की भूमिका (Role of Information in Brand Management)
- ब्रांड प्रबंधन में ई-समुदायों की भूमिका (Role of e-communities in Brand Management)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Aaker, David (2002), Managing Brand Equity, Prentice Hall of India.

- Kumar, Ramesh (2004). Managing Indian Brands, Vikas Publishing House, Delhi.
- Keller K. L. (2003), Strategic Brand Management, 2nd Edition, Pearson Education.

विषय कोड: MS 445 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: विपणन शोध (Marketing Research)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विपणन निर्णयों के लिए शोध की विस्तृत और व्यवस्थित जानकारी देना।
- विपणन शोध में डाटा के संग्रह, विश्लेषण और रिपोर्टिंग में इस्तेमाल होने वाले मौलिक उपकरण, तकनीक और प्रक्रियाओं की एक बुनियादी समझ प्रदान करना।
- व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए विपणन शोध के प्रयोग को समझने में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: विपणन शोध का परिचय (Introduction to Marketing Research)

- विपणन शोध का अर्थ, प्रकृति और महत्व (Meaning, Nature and Importance of Marketing Research)
- विपणन सूचना प्रणाली और विपणन शोध (Marketing Information System and Marketing Research)
- विपणन शोध की स्कोप और सीमायें (Scope and Limitations of Marketing Research)
- विपणन शोध प्रक्रिया (The Marketing Research Process)

इकाई – II: शोध डिजाइन और डेटा संग्रह (The Research Design and Data Collection)

- शोध डिज़ाइन के प्रकार (Types of Research Design)
- सेकेंडरी डेटा: फायदे एवं स्त्रोत (Secondary Data: Advantages and Sources)
- प्राथमिक डेटा: फायदे एवं स्त्रोत (Primary Data: Advantages and Sources)
- प्रश्नावली डिजाइनिंग (Questionnaire Designing)

इकाई – III: मापन, स्केलिंग और सैम्पलिंग तकनीक (Measurement, Scaling and Sampling Techniques):

- तुलनात्मक स्केलिंग तकनीक (Comparative Scaling Techniques)
- गैर तुलनात्मक स्केलिंग तकनीक (Non-Comparative Scaling Techniques)
- सैम्पलिंग डिजाइन की प्रक्रिया (Sampling Design Process)
- गैर संभावना और संभावना सैम्पलिंग तकनीक (Non-Probability and Probability Sampling Techniques)

इकाई – IV: डाटा प्रोसेसिंग, डेटा विश्लेषण और रिपोर्टिंग (Data Processing, Data Analysis and Reporting):

- संपादन, कोडिंग और आंकड़ों का सारणीकरण; परिकल्पना परीक्षण (Editing, Coding and Tabulation of Data; Hypothesis Testing)
- विभेदक विश्लेषण और कारक विश्लेषण (Discriminant Analysis and Factor Analysis)
- क्लस्टर विश्लेषण और संयुक्त विश्लेषण (Cluster Analysis and Conjoint Analysis)
- बहुआयामी स्केलिंग (Multidimensional Scaling)
- रिपोर्ट तैयारी और प्रस्तुति (Report Preparation and Presentation)

इकाई – V: विपणन शोध के प्रयोग (Applications of Marketing Research)

- बिक्री विश्लेषण और पूर्वानुमान (Sales Analysis and Forecasting)
- नए उत्पाद का विकास और परीक्षण विपणन (New Product Development and Test Marketing)
- विज्ञापन शोध और कॉपी-परीक्षण (Advertising Research and Copy-testing)
- उत्पाद शोध और मूल्य निर्धारण शोध (Product Research and Pricing Research)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Malhotra Naresh K. & Dash Satayabhusan (2010), Marketing Research: An Applied Orientation, 6th Edition, Pearson Education, New Delhi.
- Beri G C (2011), Marketing Research, 4th Edition, Tata McGraw Hill Education Private Limited, New Delhi.
- Aaker David A.; Kumar V.; Day George S. & Leone Robert P.(2011), Marketing Research, 10th Edition, Wiley India Pvt. Ltd., New Delhi.

विषय कोड: MS 446 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: विलय और अधिग्रहण (Mergers and Acquisitions)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को विलय लहरों के ऐतिहासिक सिंहावलोकन के साथ हाल के रुझानों से परिचित कराना।
- विभिन्न कॉर्पोरेट रणनीतियों के द्वारा संचालित के विभिन्न प्रकार के विलय और अधिग्रहण को समझने के लिए विद्यार्थियों को सक्षम करना।
- विलय और अधिग्रहण में कारपोरेट घरानों के द्वारा अपनाये जाने वाले रणनीतियों के साथ-साथ मूल्यांकन तकनीक से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: विलय और अधिग्रहण के कारण (The Causes of Mergers and Acquisitions)

- विलय और अधिग्रहण के लिए प्रेरणाएँ (Motives for mergers and acquisitions)
- विलय और अधिग्रहण के फार्म (Forms of Mergers and Acquisitions)
- विलय के सिद्धांत (Theories of Mergers)
- विलय और अधिग्रहण में हाल की प्रवृत्तियां (Recent trends in Mergers and Acquisitions)
- मामले का अध्ययन (Case Study)

इकाई – II: विलय और अधिग्रहण का इतिहास और सामरिक दृष्टिकोण (History and Strategic approaches to Mergers and Acquisitions)

- विलय लहरें (Merger Waves)
- मामले का अध्ययन (Case Study)
- नए बाजारों में प्रवेश करने की रणनीतियाँ (Strategies for entering into new markets)
- विलय और अधिग्रहण में मूल्य सृजन रणनीति (Value creation Strategy in Mergers and Acquisitions)
- सामरिक दृष्टिकोण -BCG मैट्रिक्स, विविधीकरण तथा उत्पाद जीवन चक्र विश्लेषण (Strategic approaches -BCG Matrix Analysis, Ansoff Matrix Analysis, Product Life Cycle Analysis)

इकाई – III: विलय और अधिग्रहण का मूल्यांकन (Valuation of Mergers and Acquisitions)

- मूल्यांकन की मूल बातें (Basics of Valuation)
- मूल्य के विभिन्न भाव (Various expressions of value)
- मूल्यांकन के उद्देश्य (Objectives of valuation)
- सार्वजनिक क्षेत्र का मूल्यांकन (Public sector valuation)
- कॉर्पोरेट मूल्यांकन के लिए प्रयास (Approaches to Corporate Valuation)
- कॉर्पोरेट मूल्यांकन तकनीक (Corporate valuation techniques)

इकाई – IV: भारत में व्यापार मूल्यांकन मानक (Business Valuation Standards in India)

- मूल्य निर्धारकों और मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए एकीकृत आचार संहिता (Unified code of conduct for valuers and valuation process)
- विलय और अधिग्रहण के कानूनी पहलु (Legal aspects of Mergers and Acquisitions)

इकाई – V: मामले का अध्ययन (Case Studies)

- मामले का अध्ययन 1 (Case Study 1)
- मामले का अध्ययन 2 (Case Study 2)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Ray Ghosh Kamal, (2010).Mergers and Acquisitions Strategy, Valuation and Integration. Eastern Economy Edition. PHI, New Delhi.
- Gaughan A. Patrick. (2011). Mergers Acquisitions and Corporate Restructurings. Fifth Edition.Wiley India (P) Ltd. New Delhi.
- Kumar Rajesh B., (2011). Mergers and Acquisitions: Text and Cases. Tata McGraw Hill, New Delhi.

विषय कोड: MS 447 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: स्टॉक मार्केट ऑपरेशंस (Stock Market Operations)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- शेयर बाजार के बुनियादी अवधारणाओं को समझने में विद्यार्थियों की मदद करना।
- भारतीय शेयर बाजार की कार्यप्रणाली को समझना
- शेयर बाजार में प्रयुक्त विभिन्न शब्दावली के साथ – साथ शेयर बाजारों के व्यावहारिक निहितार्थ से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: भारत में वित्तीय बाजार के एक अवलोकन (An overview of Financial Markets in India)

- भारतीय वित्तीय प्रणाली का परिचय (Introduction of Indian Financial System)
- मुद्रा बाजार: विशेषताएं, उपकरण, संरचना और कार्य (Money market: Features, Instruments, Composition and Functions)
- न्यू इशू बाजार: कार्य, न्यू इशू फ्लोटिंग के तरीके, आईपीओ के लिए सेबी के दिशानिर्देश, न्यू इशू बाजार में हाल की प्रवृत्तियां (New Issue Market: Functions, Methods of Floating New Issue, SEBI Guidelines for IPO, Recent trends in New Issue Market)

इकाई – II: शेयर बाजार (Equity Market)

- शेयर बाजार में खिलाड़ी: डिपॉजिटरी संस्थायें, बीमा कंपनियां (Players in the equity market: Depository Institutions, Insurance Companies)
- एसेट मैनेजमेंट कंपनियां, निवेश बैंकिंग कंपनियां (Asset Management Firms, Investment Banking firms)
- सेकेंडरी बाजार की संरचना (Structure of Secondary market)
- सेकेंडरी बाजार ट्रेडिंग यांत्रिकी: आदेश के प्रकार, लघु बिक्री (Secondary Market Trading Mechanics: Types of orders, Short selling)
- दलाल: दलालों के प्रकार, वास्तविक बाजार में दलालों और व्यापारियों की भूमिका (Brokers: Kinds of brokers, Role of brokers and Dealers in Real market)

इकाई – III: शेयर बाजारों में ट्रेडिंग सिस्टम (Trading System in Stock Exchanges)

- शेयर बाजारों का अर्थ और कार्य (Meaning and Functions of Stock exchanges)
- भारत में शेयर बाजारों के संगठन: पारंपरिक संरचना, शेयर बाजारों के निगमीकरण (Organization of Stock Exchanges in India: Traditional structure, Corporatization of Stock exchanges)
- प्रतिभूतियों की लिस्टिंग: लिस्टिंग के लाभ, लिस्टिंग प्रक्रिया (Listing of Securities: Advantages of listing, listing Procedure)
- क्लियरिंग और निपटारा, ऑनलाइन ट्रेडिंग (Clearing and Settlement, Online Trading)
- सट्टा लेनदेन, मार्जिन ट्रेडिंग, शेयर बाजार कोटेशन (Speculative Transactions, Margin Trading, Stock Market Quotations)

इकाई – IV: भारतीय शेयर बाजार (Indian Stock Exchanges)

- NSE: सुविधाएँ, एनएसई का कॉर्पोरेट ढांचा, एनएसई का शेयर सूचकांक (NSE: Features, Corporate Structure of NSE, Stock Indices of NSE)
- एनएसई में ट्रेडिंग: थोक ऋण बाजार (डब्ल्यूडीएम), पब्लिक इश्यू ऑफरिंग (पीआईओ), समयबद्ध पीआईओ प्रणाली, स्क्रीन आधारित ट्रेडिंग सिस्टम (SBTS) (Trading at NSE: Wholesale Debt

Market (WDM), Public Issue Offerings(PIO), Time Bound PIO System, Screen Based Trading System(SBTS))

- बीएसई: परिचय, संगठनात्मक संरचना, बीएसई के अनुभाग (BSE: Introduction, Organisation structure, Segments of BSE)
- पूंजी बाजार और शेयर बाजार (Capital market and Stock exchange)
- सेबी की भूमिका (Role of SEBI)
- क्रेडिट रेटिंग और बिल डिस्काउंटिंग (Credit Rating and Bill Discounting)
- उद्यम पूंजी (Venture Capital)

इकाई – V: डेरिवेटिव बाजार (Derivatives Market)

- वित्तीय डेरिवेटिव का परिचय, भारत में डेरिवेटिव बाजार (Introduction to Financial Derivatives, Derivatives market in India)
- फारवर्ड अनुबंध, विदेशी मुद्रा की हेजिंग, मुद्रा फारवर्ड के माध्यम से जोखिम, फारवर्ड का लाभ और नुकसान (Forward Contract, Hedging of Foreign Exchange, Risk through Currency Forwards, Advantages and Disadvantages of Forwards)
- भविष्य अनुबंध, विकल्प, स्वैप (Future Contracts, Options, Swaps)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Gordan and Natrajan (2011), Financial Market Operation, First Edition, Himalaya Publishing House, New Delhi.
- Fabozzi and Modigliani (2010), Capital Markets Institutions and Instruments, Fourth Edition, PHI Learning, New Delhi.
- Chakrabarti (2010) Capital Markets in India, Second Edition, Response Books (Sage), New Delhi.

विषय कोड: एमएस 448 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: सिक्यूरिटी विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन (Security Analysis and Portfolio Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- वित्तीय परिसंपत्तियों, जोखिम और रिटर्न से संबंधित निवेश के निर्णयों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- सिक्यूरिटी बाजार के कामकाज के साथ-साथ पोर्टफोलियो प्रबंधन सिद्धांतों और अवधारणाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: निवेश का परिचय (Introduction to Investment)

- निवेश का अर्थ, प्रकृति और स्कोप (Meaning, Nature and Scope of Investment)
- निर्णय लेने की प्रक्रिया और पर्यावरण (Decision Process and Environment)
- निवेश जोखिम - ब्याज जोखिम, बाजार जोखिम, मुद्रास्फीति जोखिम, डिफ़ॉल्ट जोखिम, आदि (Investment Risks – Interest Risk, Market Risk, Inflation Risk, Default Risk, etc)
- सिक्यूरिटी का मूल्यांकन (Valuation of Securities)
- प्रभुत्व की धारणा (Notion of Dominance)

इकाई – II: पोर्टफोलियो प्रबंधन का परिचय (Introduction to Portfolio Management)

- पोर्टफोलियो प्रबंधन के अर्थ और चरण (Meaning and Phases of Portfolio Management)
- पोर्टफोलियो प्रबंधन के विकास (Evolution of Portfolio Management)
- पोर्टफोलियो प्रबंधन की भूमिका (Role of Portfolio management)

इकाई – III: जोखिम माप और उनके एप्लीकेशन (Risk Measurement and their Application)

- जोखिम माप की तकनीक और उनके आवेदन और पोर्टफोलियो मूल्यांकन (Techniques of Risk Measurement and their Application and Portfolio Evaluation)
- बीटा की संकल्पना (Concept of Beta)
- बीटा-गियरड और अनगियरड बीटा का वर्गीकरण (Classification of Beta-Geared and Ungeared Beta)
- परियोजना बीटा और पोर्टफोलियो बीटा (Project Beta and Portfolio Beta)
- सिक्यूरिटी बाजार लाइन और पूंजी बाजार लाइन (Securities Market line and Capital Market Line)
- पोर्टफोलियो संशोधन और पोर्टफोलियो पुनर्निर्माण (Portfolio Revision and Portfolio Reconstruction)

इकाई – IV: सिक्यूरिटी विश्लेषण (Security Analysis):

- मौलिक विश्लेषण (Fundamental Analysis)
- अर्थव्यवस्था, उद्योग, कंपनी और तकनीकी विश्लेषण (Economy, Industry, Company and Technical Analysis)
- निपुण बाजार अवधारणा (Efficient Market Hypothesis)
- डाओ जोन्स थ्योरी (Dow Jones Theory)
- व्यवस्थित और अव्यवस्थित जोखिम का मापन (Measurement of Systematic and Unsystematic Risk)

इकाई – V: पोर्टफोलियो विश्लेषण, पोर्टफोलियो चयन और पोर्टफोलियो सिद्धांत (Portfolio Analysis, Portfolio Selection and Portfolio Theories)

- मार्कोविच मॉडल और कैपिटल एसेट्स मूल्य निर्धारण मॉडल (Markowitz Model and Capital Assets Pricing Model)
- पोर्टफोलियो संशोधन और प्रबंधित पोर्टफोलियोज का कार्य मूल्यांकन (Portfolio Revision and Performance Evaluation of Managed Portfolios)
- शार्प अनुपात (Sharp Ratio)
- ट्रेयनर अनुपात: जेन्सेन अल्फा (Treynor Ratio: Jensen's Alpha)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Kevin (2011) Security Analysis and Portfolio Management, Tenth Edition, PHI Learning, New Delhi.
- Donald & Ronald (2011) Security Analysis and Portfolio Management, Sixth Edition, Pearson, New Delhi.

विषय कोड: एमएस 449 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन (International Financial Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन की अवधारणाओं को समझने में विद्यार्थियों की मदद करना।
- वैश्विक संदर्भ के लिए विद्यार्थियों को वित्तीय रणनीति समझाना।
- विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय लंबी अवधि के वित्त और अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्त के स्रोतों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: वैश्विक वित्तीय वातावरण का परिचय (Introduction to Global Financial Environment)

- वैश्विक वित्तीय वातावरण का अवलोकन (Overview of Global Financial Environment)
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली: विनिमय दर, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, यूरो मुद्रा बाजार (International Monetary System: Exchange Rate Regimes, IMF, Euro Currency Market)
- वैश्विक संदर्भ में वित्त प्रबंधक की भूमिका (Role of Finance Manager in Global context)
- भुगतान संतुलन: समझ, विश्लेषण और व्याख्या (Balance of Payments : Understandings, Analysis & Interpretation)

इकाई – II: विदेश विनिमय बाज़ार (Foreign Exchange Market)

- प्रकृति, संरचना और लेनदेन के प्रकार (Nature, Structure and Types of transactions)
- विनिमय दर उद्धरण एंड आर्बिट्राज (Exchange rate quotation & Arbitrage)
- स्पॉट और फॉरवर्ड (Spot & Forward)
- भारत में विदेशी मुद्रा बाजार: प्रकृति, संरचना, संचालन और सीमाएं (Foreign Exchange Market in India: Nature, Structure, Operations & Limitations)

इकाई – III: विनिमय दर निर्धारण (Exchange Rate Determination)

- विनिमय दर निर्धारण की संरचनात्मक मॉडल (Structural Models of Exchange Rate Determination)
- विनिमय दर पूर्वानुमान (Exchange Rate Forecasting)
- रुपया की विनिमय दर (The Exchange Rate of Rupee)

इकाई – IV: विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर (Foreign Exchange Risk Exposure)

- जोखिम के प्रकार (Types of Risk)
- जोखिम प्रबंधन की प्रक्रिया: हेजिंग, स्वैप, वायदा, विकल्प (The Risk management Process: Hedging, Swaps, Futures, Options)
- डेरिवेटिव्स के प्रकार (Types of Derivatives)
- सेबी की भूमिका (Role of SEBI)

इकाई – V: विदेशी निवेश के निर्णय (Foreign Investment Decision**)**

- अंतर्राष्ट्रीय परियोजना मूल्यांकन (International Project Appraisal)
- विनिमय दर जोखिम और पूंजी की लागत (Exchange Rate Risk & Cost of Capital)
- अंतरराष्ट्रीय संयुक्त उद्यम (International Joint Ventures)
- एनपीवी दृष्टिकोण का एक समीक्षा (A review of NPV Approach)
- फंड का पुनर्स्थापन (Repositioning of Funds)
- भारत में एफडीआई और एफआईआई (FDI & FII in India)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Apte, P.G. – International Financial Management (Tata Mcgraw–Hill)
- Sharan – International Financial Management (Prentice–Hall)
- Vij M – International Financial Management (Excel Books)
- Shapiro – Multinational Financial Management (Prentice–Hall)
- Kevin (2011) Security Analysis and Portfolio Management, Tenth Edition, PHI Learning, New Delhi.

विषय कोड: MS 450 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: संगठनात्मक विकास (Organisational Development)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- परिवर्तन और संगठनात्मक विकास के प्रबंधन हेतु विद्यार्थियों को व्यवहारिक विज्ञान की शक्ति से परिचित कराना।
- विभिन्न संस्कृतियों के लिए उपयोग में लाई जा सकने वाली नवाचारी तकनीकों के साथ हस्तक्षेप की समझ को विकसित करने के लिए।
- संगठनात्मक प्रभावशीलता हेतु संगठनात्मक विकास हस्तक्षेपों को प्रयुक्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: संगठनात्मक परिवर्तन और उसकी पहचान (Organisational Change and its Diagnosis)

- परिवर्तन और संगठन – संगठन क्यों बदलते हैं और क्यों नहीं बदलते (Change and Organisation – Why they change and why they do not change)
- परिवर्तन के लिए संगठनात्मक दबाव (Organisations Pressures for Change)
- परिवर्तन की पहचान- प्रतिमान (Diagnosis for Change- Models)
- क्रियात्मक/ कार्यवाही शोध (Action Research)

इकाई – II: संगठन विकास और संगठन परिवर्तन (Organisation Development and Organisation Transformation)

- संगठन विकास की संकल्पना और इतिहास (Concept and History of Organisation Development)
- संगठनात्मक विकास के मूल्य, मान्यताएँ और पूर्वधारणाएँ (Values, Assumptions and Beliefs of OD)
- संगठन विकास और संगठन रूपांतरण (Organisation Development and Organisation Transformation)
- संस्थागत निर्माण (Institutional Building)

इकाई – III: संगठनात्मक विकास हस्तक्षेप (OD Interventions)

- हस्तक्षेप की परिभाषा और हस्तक्षेप के वर्गीकरण (Definition of Interventions and classification of Interventions)
- व्यक्तिगत आधार पर हस्तक्षेप- जीवन और कैरियर योजना (Individual based interventions – Life and Career Planning)
- विनिमय विश्लेषण (Transaction Analysis)
- प्रशिक्षण एवं परामर्श और टी-समूह- संवेदनशीलता प्रशिक्षण (Coaching and Counseling and T-Group- Sensitivity Training)

इकाई – IV: संगठनात्मक हस्तक्षेप - समूह और अन्तर्समूह (OD Interventions – Group and Intergroup)

- प्रक्रिया विमर्श और भूमिका समझौता/ सौदेबाजी (Process Consultations and Role Negotiations)
- फिश बाउल और भूमिका विश्लेषण तकनीक (Fish Bowl and Role Analysis Techniques)
- संगठन प्रतिबिम्बन और थर्ड पार्टी शांति स्थापना (Organisation Mirroring and Third Party Peace Making)
- सर्वेक्षण प्रतिपुष्टि (Survey Feedback)

इकाई – V: संगठन विकास हस्तक्षेप- व्यापक (OD Interventions – Comprehensive)

- उद्देश्यानुसार प्रबंधन (MBO)
- ग्रिड संगठन विकास (Grid OD)
- सामना बैठक और सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (Confrontation Meeting and Total Quality Management)
- शक्ति, राजनीति और संगठन विकास (Power, Politics and Organisation Development)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Wendell L French and Cecil Bell, Jr.; Organisation Development Behavioural Science Interventions for Organisation Development, Prentice Hall of India Private Limited, New Delhi, 2005
- Ian Palmer, Reichard Dunford and Gib Akin; Managing Organisation Change – A Multiple Perspective Approach, Tata McGraw Hill Education Private Limited, New Delhi, 2011

विषय कोड: MS 451 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: मानव संसाधन विकास (Human Resource Development)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- मानव संसाधन विकास के विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।
- मानव संसाधन विकास सामग्री, परिणाम और प्रक्रियाओं को पहचानना तथा विविधता अनुप्रयोगों और संगठन पर उनके प्रभाव को समझना ।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: मानव संसाधन विकास का परिचय (Introduction to Human Resource Development)

- मानव संसाधन विकास का अर्थ, परिभाषा तथा क्षेत्र (Meaning, Definition, Scope of HRD)
- मानव संसाधन विकास के कार्य तथा उद्भव (Functions and Evolution of HRD)
- मानव संसाधन प्रबंधन से सम्बन्ध (Relationship with HRM)
- एच आर डी पेशेवरों की भूमिका तथा क्षमताएँ/ दक्षताएं (Roles and Competencies of HRD Professionals)
- संगठन की चुनौतियाँ तथा एच आर डी पेशेवर (Challenge to organization and HRD Professionals)

इकाई – II: एच आर डी की रूपरेखा (Frame work of Human Resource Development)

- एच आर डी प्रक्रियाएं, एच आर डी की आवश्यकताओं का अनुमान/ मूल्यांकन, एच आर डी प्रतिमान (HRD Process, Assessing HRD Needs, HRD Models)
- प्रभावशाली एच आर डी कार्यक्रम का निर्माण, अभिकल्पन एअव्म क्रियान्वन, एच आर डी हस्तक्षेप (Creating, Designing and Implementing effective HRD Program, HRD Interventions)
- मूल्यांकन के प्रतिमान एवं रूपरेखा, एच आर डी कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन (Models and Framework of Evaluation, Assessing the Impact of HRD Programs

इकाई – III: प्रशिक्षण और विकास (Training and Development)

- प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान, प्रशिक्षण रणनीति का विकास (Identifying Training Needs, Evolving Training Strategy)
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों का क्रियान्वन (Implementation of Training Programs)
- प्रशिक्षण तथा निष्पादन प्रबंधन (Training and Performance Management)
- कर्मचारी मार्गदर्शन/ परामर्श/ विमर्श तथा स्वास्थ्य सेवाएं (Employee Counseling and Wellness Services)

इकाई – IV: प्रतिस्पर्धी लाभ के लिए एच आर डी रणनीतियां (Human Resource Development Strategies for Competitive Advantage)

- मानव संसाधन आधारित संगठनात्मक रणनीतियां (Organizational Strategies based on Human Resources)
- मानव संसाधन आधारित रणनीतिके रूप में उत्पादकता (Productivity as an HR Based Strategy)
- मानव संसाधनों के आधिक्य एवं अल्पता का प्रबंधन- कार्यबल अपचयन/ न्यूनन तथा पुनर्स्थापन, मानव संसाधन निष्पादन एवं निर्देश तलचिह्न (Management of Human resource surplus and shortage- Work force reduction and realignment, HR performance and benchmarking)

- मानव संसाधनों का अवधारण, इसके निर्धारक तथा अवधारण प्रबंधन प्रक्रिया (Retention of Human Resources, Its Determinants and Retention Management Process)

इकाई – V: एच आर डी एवं वैश्वीकरण (HRD and Globalization)

- व्यवसाय का वैश्वीकरण तथा उसका एच आर डी पर प्रभाव- विविधता (Globalization of business and their Impact on HRD- Diversity)
- कार्यबल विविविधता का प्रबंधन (Managing Diversity of Workforce)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Arunajatesan S. &Viswanathan T.R. (2009), Risk Management & Insurance: Concepts and Practices of Life and General Insurance. Third Edition. Macmillan Publishers India.
- Gupta P.K. (2010). Insurance and Risk Management. Second Edition. Himalayan Publishing House Pvt. Ltd., New Delhi.
- Black, Kenneth and Horord D. Shipper (2010). Life & Health Insurance. Pearson Education, New Delhi.

विषय कोड: MS 452 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: मुआवज़ा प्रबंधन (Compensation Management)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- संगठनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मुआवजे की रणनीतिक महत्व पर चर्चा ।
- मुआवजा उद्देश्यों और व्यापार नीति के बीच संबंधों को पहचाना।
- एक बेहद सक्षम कर्मचारी को आकर्षित करने और बनाए रखने में मुआवजे की भूमिका पर चर्चा।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: मुआवजा प्रबंधन का परिचय (Introduction to Compensation Management)

- मुआवजे का संकल्पना, उद्देश्य और महत्व (Concept, objective and importance of compensation)
- मुआवजे की रणनीति तैयार करना (Designing a compensation strategy)
- आंतरिक और बाहरी इक्विटी (Internal and external equity)
- प्रोत्साहन योजनायें और मामूली लाभ (Incentive Plans and Fringe benefits)

इकाई – II: मुआवजा में सामरिक दृष्टिकोण (Strategic Perspectives in Compensation)

- सामरिक वेतन निर्णय (Strategic Pay Decisions)
- योग्यता के आधार पर मुआवजा कार्यक्रम (Competency Based Compensation Program)
- प्रदर्शन के आधार पर मुआवजा (Performance Based Compensation)

इकाई – III: मजदूरी और वेतन प्रशासन (Wages and Salary Administration)

- मजदूरी की अवधारणा (The concept of wages)
- मजदूरी के सिद्धांत (Theories of Wages)
- वेतन की नीति और इसके महत्व (Salary Policy and its Importance)

इकाई – IV: मुआवजा के कानूनी पहलू (Legal Aspects of Compensation)

- न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (The Minimum Wages Act, 1948)
- मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936 (The Payment of wages Act, 1936)
- बोनस भुगतान अधिनियम, 1976 (The Payment of Bonus Act, 1976)

इकाई – V: अंतरराष्ट्रीय मुआवजा (International Compensation)

- एक प्रवासी के लिए मुआवजा योजना (Compensation Plan for an expatriate)
- वैश्विक मुआवजा प्रबंधन (Managing Global Compensation)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Richard Henderson (1989.) Compensation Management; Rewarding performance, 5th Ed, (Prentice Hall, Englewood Cliffs. NT.
- Milkovich, George T, and Jerry M. Newman (2005). Compensation, 8th Edition, Mc Graw Hill/Irwin, New York.
- Bhatia Kanchan (2009). Compensation Management, First Edition, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai

विषय कोड: MS 453 **क्रेडिट्स:** 2 क्रेडिट

विषय का नाम: मानव संसाधन नियोजन (Human Resource Planning)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को मानव संसाधन नीतियां एवं नियोजन के महत्व को समझाना।
- व्यावसायिक संगठनों में मानव संसाधन नियोजन की भूमिका की समझ विद्यार्थियों को देना।

मूल्यांकन के मानदंड:

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सत्रीय कार्य : 30 %

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई – I: मानव संसाधन नीतियां एवं रणनीतियां (Human Resource Policies and Strategies)

- मानव संसाधन नीति: अर्थ एवं परिभाषा (Human Resources Policy: Meaning and Definition)
- मानव संसाधन नीतियों के निर्धारक चरण (Determining phases of human resource policies)
- रणनीतिक प्रबंधन में मानव संसाधन रणनीति की भूमिका (Role of Human Resource Strategy in Strategic Management)
- मानव संसाधन प्रबंधन रणनीति के प्रकार (Types of Human Resource Management Strategies)

इकाई – II: मानव संसाधन नियोजन का परिचय (Introduction to Human Resource Planning)

- मानव संसाधन नियोजन की आवश्यकता, उद्देश्य एवं लाभ (Need, Objectives and Benefits of HR Planning)
- विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन नियोजन (HR planning at different levels)
- मानव संसाधन आवश्यकता के लिए कारकों का विश्लेषण करना (Analysing factors for human resource requirements)
- मानव संसाधन नियोजन की प्रक्रिया (Process of HR Planning)
- मानव संसाधन नियोजन को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting HR Planning)
- मानव संसाधन सूचना प्रणाली (Human resources information system)

इकाई – III: मानव संसाधन नियोजन की भूमिका (Role of Human Resources Planning)

- उत्पादकता, प्रौद्योगिकी एवं मानव संसाधन नियोजन (Productivity, Technology and HR Planning)
- नौकरी का विश्लेषण, विवरण और मूल्यांकन (Job analysis, description and evaluation)
- नियुक्ति, चयन एवं अभिप्रेरण (Recruitment, selection and motivation)
- करियर नियोजन (Career Planning)

इकाई – IV: कर्मचारी के कौशल की वृद्धि एवं विकास (Employee skills enhancement and development)

- प्रदर्शन का मूल्यांकन (Performance evaluation)
- कौशल वर्धन (Skill Development)

इकाई – V: स्थानांतरण, पदोन्नति एवं नौकरी का चक्रीकरण (Transfer, promotion and job rotation)

- स्थानांतरण: अर्थ एवं परिभाषा (Transfer: Meaning and Definition)
- स्थानांतरण के प्रकार, कारण एवं नीति (Types, Reasons and Policies of Transfer)
- स्थानांतरण प्रक्रिया (Transfer Process)
- पदोन्नति एवं पदावनति (Promotion and Demotion)
- नौकरी का चक्रीकरण (Job Rotation)

सम्बन्धित पुस्तकें:

- Bhattacharya, D. K., (2012), Human Resource Planning, 3rd Ed, Excel Books, New Delhi.
- Tanuja Agarwala (2007), Strategic Human Resources Management, 1st Edition, Oxford Press, New Delhi.
- Kenneth McBey (2015), Strategic Human Resources Planning, 5th Ed, Nelson Canada.

"Be the change that you wish to see in the world"

- Mahatma Gandhi

Thank You

धन्यवाद

विस्तृत पाठ्य-विवरण

(Detailed Syllabus)

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर – एम. ए. एस.



एम.ए.- समाजशास्त्र

एम.ए.एस.

(क्रेडिट - 80)

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र) भारत

एम.ए. समाजशास्त्र (एम.ए.एस.) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष – (क्रेडिट - 40)

प्रथम सेमेस्टर			
क्रम.सं.	**कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
1.	**एमएएस-01**	**समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास**	**4**
2.	**एमएएस-02**	**समाजशास्त्रीय विचारक (I)**	**4**
3.	**एमएएस-03**	**समाजशास्त्र की अवधारणाएँ**	**4**
4.	**एमएएस-04**	**सामाजिक मानवविज्ञान**	**4**
5.	**एमएएस-05**	**शिक्षा का समाजशास्त्र**	**4**
		कुल क्रेडिट	**20**

द्वितीय सेमेस्टर			
क्रम.सं.	**कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
1.	**एमएएस-06**	**भारतीय समाज**	**4**
2.	**एमएएस-07**	**समाजशास्त्रीय विचारक (II)**	**4**
3.	**एमएएस-08**	**समाज मनोविज्ञान**	**4**
4.	**एमएएस-09**	**शोध प्रविधि (I)**	**4**
5.	**एमएएस-10**	**लिंग एवं समाज**	**4**
		कुल क्रेडिट	**20**

द्वितीय वर्ष – (क्रेडिट - 40)

तृतीय सेमेस्टर			
क्रम.सं.	**कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
1.	**एमएएस-11**	**आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)**	**4**
2.	**एमएएस-12**	**शोध प्रविधि (II)**	**4**
3.	**एमएएस-13**	**भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य**	**4**
4.	**एमएएस-14**	**सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण**	**4**
5.	**एमएएस-15**	**ग्रामीण समाजशास्त्र**	**4**
		कुल क्रेडिट	**20**

चतुर्थ सेमेस्टर			
क्रम.सं.	**कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
1.	**एमएएस-16**	**आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)**	**4**
2.	**एमएएस-17**	**भारतीय सामाजिक समस्याएँ**	**4**
3.	**एमएएस-18**	**संविधान एवं मानवाधिकार**	**4**
4.	**एमएएस-19**	**नगरीय समाजशास्त्र**	**4**
5.	**एमएएस-20**	**परियोजना कार्य**	**4**
		कुल क्रेडिट	**20**

विषय कोड : एमएएस- 01

विषय का नाम : समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत –

- समाजशास्त्र के उद्भव के कारणों को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के उद्भव के पीछे फ्रांस एवं औद्योगिक क्रांति की भूमिका को समझने में सक्षम होंगे।
- समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के इतिहास एवं विकास को समझ सकेंगे।
- विश्व के अन्य देशों में समाजशास्त्र के उद्भव एवं विकास को समझ सकेंगे।
- भारत में समाजशास्त्र के उद्भव एवं विकास के कारणों को समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास

खण्ड (1) समाजशास्त्र का उद्भव की पृष्ठभूमि

इकाई : 1 समाजशास्त्र के उदय की सामाजिक परिस्थितियाँ

इकाई : 2 फ्रांस की क्रांति

इकाई : 3 इंग्लैंड की औद्योगिक क्रांति

खण्ड (2) समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध

इकाई : 1 समाजशास्त्र एवं मानवविज्ञान

इकाई : 2 समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान

इकाई : 3 समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र

इकाई : 4 समाजशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र

खण्ड (3) समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास

इकाई : 1 यूरोप में समाजशास्त्र

इकाई : 2 अमेरिका में समाजशास्त्र

इकाई : 3 एक विषय के रूप में समाजशास्त्र

खण्ड (4) भारत में समाजशास्त्र

इकाई : 1 भारत में समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं इतिहास

इकाई : 2 भारत में समाजशास्त्र के संस्थापक

इकाई : 3 मनु, पुराण, ग्रंथ एवं कौटिल्य का समाजशास्त्र

इकाई : 4 समाजशास्त्र एवं भारतशास्त्र का संबंध

संदर्भ पुस्तकें -

Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology.* Chicago : The University of Chicago Press.

Coser, L. A. (1979). *Masters of sociological thought.* New York : Harcourt Brace Jovanovich.

Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur : Rawat Pbc.

Morrison, K. (1995). *Marx, Durkheim, Weber : Formation of modern social thought.* London : Sage Pbc.

Ritzer, G. (1996). *Sociological theory.* New Delhi : Tata-McGraw Hill.

Singh, Y. (1986). *Indian sociology : Social conditioning and emerging trends.* New Delhi : Vistaar.

Zeitlin, I. (1998). *Rethinking sociology : A critique of contemporary theory.* Jaipur : Rawat.

विषय कोड : एमएएस- 02

विषय का नाम : समाजशास्त्रीय विचारक (I)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त कर सकेंगे –

- समाजशास्त्र को एक विषय के रूप में स्थापित करने में समाजशास्त्रीय विचारकों की भूमिका को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के पितामह कहे जाने वाले अगस्त कॉम्ट के योगदान को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के विकास में हरबर्ट स्पेंसर की भूमिका को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के वैज्ञानिक पितामह कहे जाने वाले इमाइल दुर्खीम के सिद्धांत एवं योगदान को समझ सकेंगे।
- पारंपरिक विचारकों की श्रेणी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मैक्स वेबर के योगदान को छात्र समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

पारंपरिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

खण्ड (1) आगस्त कॉम्ट

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 तीन स्तरों का नियम एवं प्रत्यक्षवाद

इकाई : 3 विज्ञानों का संस्तरण, सामाजिक स्थिति विज्ञान एवं सामाजिक गति विज्ञान

इकाई : 4 सामाजिक पुनर्निर्माण का सिद्धांत

खण्ड (2) हरबर्ट स्पेंसर

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 समाज एक सावयव के रूप में

इकाई : 3 सामाजिक उद्विकास के नियम

इकाई : 4 सैनिक एवं औद्योगिक समाज

खण्ड (3) इमाइल दुर्खीम

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम : सामाजिक तथ्य एवं प्रत्यक्षवाद

इकाई : 3 आत्महत्या एवं श्रम विभाजन का सिद्धांत

इकाई : 4 धर्म का सामाजिक सिद्धांत एवं सावयवी तथा यांत्रिक एकता

खण्ड (4) मैक्स वेबर

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 सामाजिक क्रिया की अवधारणा एवं आदर्श प्रारूप

इकाई : 3 सामाजिक व्यवस्था : प्रभुत्व एवं शक्ति

इकाई : 4 धर्म एवं पूंजीवाद

संदर्भ पुस्तकें -

Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts.* India Ltd: Ms millan.

Aron, Raymond. (1965&1967). *Main currents in sociological thought. Vol.I&II*: Penguin.

Randall, Collins. (1997). *Sociological theory*. Jaipur : Rawat Publications.

Coser, Lewis. (1996). *Masters of Sociological thought*. Delhi : Rawat Publications.

Giddens, Anthony. (1997). *Capitalism and Modern Social Theory: An analyses of writings of Marx, Durkheim and Weber.* Cambridge : University Press.

Ritzer, George. (1992). *Sociological theory*. New York : McGraw Hill.

Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.

विषय कोड : एमएएस- 03

विषय का नाम : समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम हो सकेंगे –

- समाजशास्त्र की विषयवस्तु एवं इसकी उपयोगिता को समझ सकेंगे।
- छात्र समाज एवं समुदाय को समझ सकेंगे एवं इन दोनों में अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- समाजशास्त्र विषय एवं समाज के बीच के अंतरसंबंधों को समझ सकेंगे।
- सामाजिक गतिशीलता एवं सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा को समझ सकेंगे। इनमें अंतर को समझने में सक्षम हो सकेंगे।
- सामाजिक संस्थाओं की कार्यपद्धति तथा इनकी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी संस्कृति एवं सभ्यता को भी समझ सकेंगे। इनमें अंतर को भी स्पष्ट कर सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

खण्ड (1) समाजशास्त्र की परिभाषा एवं मुख्य अवधारणाएँ

इकाई : 1 समाजशास्त्र की परिभाषा, विषय क्षेत्र एवं विषयवस्तु

इकाई : 2 समाज : अर्थ, प्रकार एवं अवधारणाएँ

इकाई : 3 समुदाय एवं सामाजिक समूह

इकाई : 4 समिति एवं संस्था

खण्ड (2) सामाजिक संरचना

इकाई : 1 प्रस्थिति एवं भूमिका

इकाई : 2 सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता

इकाई : 3 आदर्श, मूल्य एवं सामाजिक प्रतिमान

खण्ड (3) सामाजिक संस्थाए एवं सामाजीकरण

इकाई : 1 समाजीकरण : अर्थ, परिभाषा, सिद्धांत एवं प्रकार

इकाई : 2 परिवार : अर्थ, प्रकार्य एवं नवीन प्रवृत्तियां

इकाई : 3 वर्ग : अर्थ, प्रकार एवं विशेषताएँ

खण्ड (4) संस्कृति एवं सभ्यता

इकाई : 1 संस्कृति: अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार

इकाई : 2 संस्कृति : तत्त्व, संकुल एवं सांस्कृतिक प्रतिमान

इकाई : 3 सभ्यता : अर्थ, परिभाषा एवं संस्कृति तथा सभ्यता में अंतर

संदर्भ पुस्तकें -

Dube, L. (1997). *Women and Kinship : Comparative Perspectives on Gender in South and South East Asia.* New Delhi : Sage Publications.

Fox, R. (1967). *Kinship and Marriage : An Anthropological Perspective.* Harmondsworth : Penguine Pbc.

International Encyclopaedia of Social Science, (1968).

Keesing, R. M. (1975). *Kin Groups and Social Structure.* New York : Holt Rinehart and Winston.

Radcliff Brown, A. R., & Daryll F. (Ed.). (1950). *African Systems of Kinship and Marriage.* London : Oxford University Press.

Shah, A. M. (1998). *The Family in India : Critical Essays.* New Delhi : Orient Longman Pbc.

Uberoi, Patricia. 1993. Family, Kinship and Marriage in India. New Delhi, Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 04

विषय का नाम : सामाजिक मानवविज्ञान

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम हो सकेंगे –

- सामाजिक मानवशास्त्र की प्रकृति, क्षेत्र, विषयवस्तु एवं मानवशास्त्र का अन्य विज्ञानों से संबंध को समझने में छात्र सक्षम होंगे।
- संस्कृति के तत्त्वों, उपदानों एवं सिद्धांतों को समझ सकेंगे। संस्कृति के सिद्धांत को समझने एवं समालोचना करने में सक्षम होंगे।
- धर्म, जादू एवं विज्ञान में अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे। समाज में इनकी प्रासंगिकता को भी समझ सकेंगे।
- आदिम जनजातियों के वंश, गोत्र एवं युवागृह की कार्यपद्धतियों को समझने में सक्षम होंगे।
- जनजातियों के अर्थव्यवस्था एवं विनिमय व्यवस्था को समझ सकेंगे तथा इनकी वर्तमान समाज के संदर्भ में समालोचना भी सकेंगे।
- आदिम जनजातियों की परिवार, विवाह एवं नातेदारी व्यवस्था को समझ सकेंगे।
- भारतीय जनजातियों से परिचित होंगे एवं उनकी कार्यपद्धती से भी छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

सामाजिक मानवविज्ञान

खण्ड (1) सामाजिक मानवशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र

इकाई : 1 मानवशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषयवस्तु

इकाई : 3 सामाजिक मानवशास्त्र परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषयवस्तु

इकाई : 4 मानवशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध

खण्ड (2) संस्कृति एवं परिवार

इकाई : 1 संस्कृति की प्रकृति, परिभाषा एवं मानवशास्त्रीय अर्थ

इकाई : 2 संस्कृति उपादान एवं संस्कृति के सिद्धांत

इकाई : 3 परिवार : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं उत्पत्ति के सिद्धांत

इकाई : 4 नातेदारी : परिभाषा एवं प्रकार

खण्ड (3) आदिम समाज - I

इकाई : 1 धर्म, जादू, विज्ञान एवं टोटम

इकाई : 2 वंश, गोत्र एवं भ्रातृदल

इकाई : 3 युवागृह : संरचना एवं प्रकार्य

इकाई : 3 आदिम अर्थव्यवस्था

खण्ड (4) आदिम समाज - II

इकाई : 1 जनजाति : अर्थ, वर्गीकरण, वितरण एवं परिवर्तन

इकाई : 2 विवाह : परिभाषा, प्रकार एवं सिद्धांत

इकाई : 3 भारत की जनजातियां : भील, गोंड, संथाल, थारु, ख़ासी, गारो, जयंतिका एवं नागा

इकाई : 4 जनजातीय समस्याएँ एवं कल्याणार्थ योजनाएं

संदर्भ पुस्तकें -

Desai, A. R. (1979). *Peasant struggles in India.* Bombay : Oxford University Press.

Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India.* New Delhi : Vikas Pbc.

Hasnain, N. (1983). *Tribes in India.* New Delhi : Harnam Publications.

Rao, M. S. A. (1979). *Social Movements in India.* Delhi : Manohar Pbc.

Raza, M., & Ahmad, A. (1990). An Atlas of Tribal India. Delhi : Concept Publishing.

Sharma, S. (1994). Tribal Identity and Modern World. New Delhi : Sage Pbc.

Singh, K. S. (1985). *Tribal Society.* Delhi : Manohar Pbc.

Singh, K. S. (1984). *Economies of the Tribes and Their Transformation.* New Delhi : Concept Publishing.

Singh, K. S. (1982). *Tribal Movements in India (Vol. I & II).* New Delhi : Manohar Pbc.

Singh, K. S. (1995). *The Scheduled Tribes.* New Delhi : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 05

विषय का नाम : समाजशास्त्र एवं शिक्षा

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम हो सकेंगे –

- समाजशास्त्र एवं शिक्षा के बीच अंतरसंबंध को समझ सकेंगे।
- सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक विकास के लिए शिक्षा के महत्त्व को छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय समाज में शिक्षा के उद्भव एवं विकास को समझ सकेंगे।
- छात्र महिला एवं दूर शिक्षा के महत्त्व को समझ सकेंगे।
- प्राथमिक, उच्च, एवं तकनीकी शिक्षा से भी छात्र परिचित होंगे।
- राष्ट्रीय विकास में शिक्षा किस प्रकार अपना योगदान दे रही है इसकी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्र एवं शिक्षा

खण्ड (1) समाजशास्त्र एवं शिक्षा

इकाई : 1 शिक्षा एवं समाजशास्त्र : परिभाषा, विशेषताएं, सिद्धांत एवं संबंध

इकाई : 2 शिक्षा एवं समाजीकरण

इकाई : 3 सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा का संबंध

खण्ड (2) शिक्षा एवं वैश्वीकरण

इकाई : 1 पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण एवं शिक्षा

इकाई : 2 धर्म, धर्मनिरपेक्षता एवं शिक्षा

इकाई : 3 मानवाधिकार एवं शिक्षा

खण्ड (3) भारतीय समाज में शिक्षा

इकाई : 1 भारतीय शिक्षा व्यवस्था की विकास-यात्रा

इकाई : 2 महिला शिक्षा

इकाई : 3 मुक्त दूरस्थ शिक्षण

खण्ड (4) भारतीय समाज, राज्य एवं शिक्षा

इकाई : 1 भारतीय संविधान एवं शिक्षा

इकाई : 2 शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति : प्राथमिक, उच्च, तकनीकी एवं कंप्यूटर शिक्षा

इकाई : 3 शिक्षा : राजनीतिक विचारधाराएं एवं भौगोलिक सीमाएं

संदर्भ पुस्तकें -

Acker, S. (1994). *Gendered Education: Sociological Reflections on Women.* Buckingham: Open University Press.

Olive, B. (1971). *Sociology of Education.* London : Batsford.

Banks, J. A., & Lynch, J. (Ed.). (1986). *Multicultural Education in Western Societies.* London : Holt Saunders.

Blackledge, D., & Hunt, B. (1985). *Sociological Interpretations of Education.* London : Crom Helm..

Chanana, K. (1988). *Socialization, Education and Women : Explorations in Gender Identity.* New Delhi : Orient Longman.

Chanana, K. (1979). *Towards a Study of Education and Social Change.* In Economic and Political Weekly, 27&14 (4) 64-157.

Chitnis, S., & Altbach, P. G. (1993). *Higher Education Reform in India, Experience and Perspectives.* New Delhi : Sage.

Craft, M. (Ed.). (1970). *Family, Class and Education : A Reader.* London : Longman Pbc.

Dreze, J. & Sen, A. (1995). *India Economic Development and Social Opportunity.* Oxford : Oxford University Press.

Gandhi, M. K. (1962). *Problems of Education.* Ahmedabad : Navjeevan Prakashan.

Gore, M. S. (Ed.). (1975). *Papers on the Sociology of Education in India.* New Delhi : NCERT.

Halsey, A. H., Hugh, L., Phillips, B., & Wells, A. S. (1997). *Education, Culture, Economy and Society.* Oxford : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 06

विषय का नाम : भारतीय समाज

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- भारतीय समाज की ग्रामीण एवं शहरी सामाजिक संरचना से छात्र परिचित होंगे।
- भारतीय विवाह, परिवार एवं नातेदारी व्यवस्था से छात्र परिचित होंगे। इनके प्रकारों को भी छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था एवं प्रकार्य को छात्र समझ सकेंगे।
- जाति एवं वर्ग की अवधारणा को छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों से छात्र परिचित होंगे।
- विभिन्न भारतीय सामाजिक संगठनों से छात्र परिचित होंगे। इन संगठनों के उद्देश्य एवं कार्यपद्धति को विद्यार्थी समझ सकेंगे एवं इनमें अंतर भी स्पष्ट कर सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

भारतीय समाज

खण्ड (1) सामाजिक संरचना

इकाई : 1 वर्ण व्यवस्था

इकाई : 2 आश्रम व्यवस्था : विशेषताएं एवं प्रकार

इकाई : 3 ग्रामीण सामाजिक संरचना

इकाई : 4 नगरीय सामाजिक संरचना

खण्ड (2) परिवार, विवाह एवं नातेदारी

इकाई : 1 संयुक्त परिवार : परिभाषा, प्रकार एवं बदलते प्रतिमान

इकाई : 2 हिंदू विवाह : अर्थ, प्रकार एवं बदलते प्रतिमान

इकाई : 3 मुस्लिम विवाह : अर्थ, भेद एवं विवाह विच्छेद

इकाई : 4 नातेदारी : अवधारणा, व्यवस्था एवं आयाम

खण्ड (3) जाति एवं समुदाय

इकाई : 1 जाति : अवधारणा, विशेषताएं एवं सिद्धांत

इकाई : 2 जाति : निरंतरता एवं परिवर्तन

इकाई : 3 अनुसूचित जाति, पिछडी जाति एवं अल्पसंख्यक समूह

खण्ड (4) भारत में सामाजिक संगठन

इकाई : 1 हिंदू सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 मुस्लिम सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई : 3 सिक्ख एवं पारसी सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई : 4 बौद्ध एवं जैन सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

संदर्भ पुस्तकें -

Bose, N. K. (1967). *Culture and Society in India.* Bombay : Asia Publishing House.

Dube, S. C. (1990). *Society in India.* New Delhi : National Book Trust.

Dube, S. C. (1995). *Indian Village.* London : Routledge.

Dube, S. C. (1958). *India's Changing Villages.* London : Routledge & Kegan Paul.

Karve, I. (1961). *Hindu Society : An Interpretation.* Puna : Deccan College.

Lannoy, R. (1971). *The Speaking Tree : A Study of Indian Society and Culture.* Delhi : Oxford University Press.

Mandelbaum, D. G. (1970). *Society in India.* Bombay : Popular Prakashan.

Srinivas, M. N. (1980). *India : Social Structure.* New Delhi : Hindustan Publishing Corporation.

Srinivas, M. N. (1963). *Social Change in Modern India.* Berkeley : University of California Press.

Singh, Y. (1973). *Modernization of Indian Tradition.* Delhi : Thomson Press).

Uberoi, P. (1993). *Family, Kinship and Marriage in India.* New Delhi : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 07

विषय का नाम : समाजशास्त्रीय विचारक (II)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत छात्र –

- पाश्चात्य पारंपरिक समाजशास्त्रियों से परिचित होंगे।
- कार्ल मार्क्स के सिद्धांतों एवं विचारों से विद्यार्थी परिचित होंगे। विद्यार्थी मार्क्स के सिद्धांत की समालोचना कर सकेंगे।
- समाजशास्त्री विचारक विलफ्रेड़ों परेटो के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- तार्किक-अतार्किक क्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन के चक्रीय सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- पारसन्स के सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक क्रिया एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- राबर्ट के मर्टन के सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्रीय विचारक (II)

खण्ड (1) कार्ल मार्क्स

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 द्वंद्वात्मक भौतिकवाद एवं ऐतिहासिक भौतिकवाद

इकाई : 3 अधिसंरचना, अधोसंरचना एवं अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत

इकाई : 4 वर्ग एवं वर्ग-संघर्ष का सिद्धांत

खण्ड (2) विलफ्रेडो परेटो

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 तार्किक तथा अतार्किक क्रिया

इकाई : 3 विशिष्ट चालक एवं भ्रांत-तर्क

इकाई : 4 अभिजन-वर्ग एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत

खण्ड (3) टालकट पारसंस

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 सामाजिक क्रिया एवं सामाजिक व्यवस्था का सिद्धांत

इकाई : 3 प्रकार्यात्मक एवं सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत

खण्ड (4) राबर्ट के. मर्टन

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 मध्य स्तरीय सिद्धांत

इकाई : 3 संरचना-प्रकार्यात्मक विश्लेषण का पेराडिम

इकाई : 4 संदर्भ समूह, सामाजिक संरचना एवं आदर्श शून्यता का सिद्धांत

संदर्भ पुस्तकें -

Parsons, T. (). *The structure of social Action (vol.I&II).* New York : McGraw Hill.

Nisbet. (1966). *The Sociological Tradition.* London : Heinemann Educational Books Ltd.

Zeitlin, I. (1981). *Ideology and the Development Sociological Theory.* USA : Prentice Hall.

Dahrendorf, R. (1959). *Class and Class Conflict in an Industrial Society.* USA : Stanford University Press.

Popper, K. (1945). *Open Society and its Enemies.* London : Routledge Pbc.

Coser, L. A. (1977). *Masters of Sociological Thought.* New York : Harcourt Brace, pp. 43-87, 129-174, 217-260.

Giddens, A. (1970). *Capitalism and Modern Social Theory : An analysis of Writings of Marx, Durkheim and Weber.* England : Cambridge University Press.

Hughes, J. A., Martin, P. J., & Sharrock, W. W. (1995). *Understanding Classical Sociology : Marx, Weber and Durkheim.* London : Sage Publications.

विषय कोड : एमएएस- 08

विषय का नाम : समाज मनोविज्ञान

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- समाज मनोविज्ञान के स्वरूप एवं उपागम से छात्र परिचित होंगे।
- संज्ञान एवं संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा को समझने में छात्र सक्षम होंगे।
- समूह निर्माण प्रक्रिया एवं नेतृत्व से छात्र परिचित होंगे।
- मनोवृत्ति निर्माण एवं परिवर्तन को छात्र समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाज मनोविज्ञान

खण्ड (1) सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय

इकाई : 1 सामाजिक मनोविज्ञान की परिभाषा एवं प्रकृति

इकाई : 2 समाज मनोविज्ञान की विधियां

इकाई : 3 समकालीन सामाजिक परिवर्तन एवं वर्तमान सामाजिक समस्याएं

इकाई : 4 पर्यावरण, मनोविज्ञान अंतर-समूह द्वंद्व एवं स्वास्थ्य

खण्ड (2) सामाजिक संज्ञान

इकाई : 1 सामाजिक संज्ञान

इकाई : 2 आत्म प्रत्यक्षीकरण

इकाई : 3 व्यक्तिक प्रत्यक्षीकरण

इकाई : 4 गुणारोपन

खण्ड (3) मनोवृत्ति

इकाई : 1 मनोवृत्ति : परिभाषा, अवधारणा एवं विशेषताएँ

इकाई : 2 मनोवृत्ति निर्धारक तत्त्व एवं मानव मूल्य

इकाई : 3 मनोवृत्ति परिवर्तन एवं मनोवृत्ति के सिद्धांत

खण्ड (4) समूह एवं नेतृत्त्व

इकाई : 1 समूह : परिभाषा, प्रकृति एवं कार्य

इकाई : 2 समूह प्रभाव एवं समूह मनोबल

इकाई : 3 नेतृत्त्व : अर्थ, प्रकृति, विशेषताएँ एवं कार्य

इकाई : 4 नेतृत्त्व के प्रकार एवं सिद्धांत

संदर्भ पुस्तकें -

त्रिपाठी, एल. बी. एवं सहयोगी (1993). *आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान*. आगरा : हर प्रसाद भार्गव

Baron, R.A. & Mishra, G. (2014). *Psychology: Indian Subcontinent Edition.* Pearson.

Baron. R.A., Byrne, D. & Bhardwaj, G. (2010). *Social Psychology (12th Ed)*. New Delhi: Pearson.

Mishra, G. (1990). *Applied Social Psychology*. New Delhi: Sage.

Mishra, G. (2009). *Psychology in India, Volume 4: Theoretical and Methodological Developments (ICSSR survey of advances in research)*. New Delhi: Pearson.

Taylor, S. E., Peplau, L. A. & Sears, D.O. (2006). *Social Psychology (12th Ed)*. New Delhi: Pearson.

Husain, A. (2012). *Social psychology.* New Delhi: Pearson.

Myers, D. G. (2008). *Social psychology.* New Delhi: Tata McGraw-Hill.

विषय कोड : एमएएस- 09

विषय का नाम : शोध प्रविधि (I)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- शोध प्रविधि की परिभाषा, प्रकृति, विशेषताएँ एवं उद्देश्यों से छात्र परिचित हो सकेंगे।
- सामाजिक घटनाओं में वैज्ञानिक शोध की आवश्यकता एवं शोधार्थी की नैतिकता से छात्र परिचित होंगे।
- शोध के विभिन्न प्रकारों एवं इनकी अवश्यकताओं से छात्र परिचित होंगे।
- शोध की प्रक्रिया एवं शोध के चरण से छात्र परिचित होंगे।
- शोध सारांश, शोध पत्र एवं शोध आलेख से छात्र परिचित होंगे तथा इनमें अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- पुस्तक समीक्षा एवं शोध परियोजना प्रतिवेदन से छात्र परिचित होंगे।
- संदर्भ ग्रंथ सूची के विभिन्न प्रकारों से छात्र अवगत होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

शोध प्रविधि (II)

खण्ड (1) सामाजिक विज्ञान में शोध

इकाई : 1 शोध : अवधारणा, प्रकृति, उद्देश्य एवं विशेषताएं

इकाई : 2 तथ्य, सिद्धांत एवं अवधारणा

इकाई : 3 सामाजिक विज्ञान में शोध एवं शोध की वस्तुनिष्ठता

इकाई : 4 शोध एवं शोधार्थी की नैतिकता एवं आवश्यकताएं

खण्ड (2) शोध प्ररचना/अभिकल्प

इकाई : 1 वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक

इकाई : 2 आनुभविक एवं अन्वेषणात्मक

इकाई : 3 मात्रात्मक एवं गुणात्मक

इकाई : 4 निदानात्मक एवं परीक्षणात्मक

खण्ड (3) शोध पद्धतियां

इकाई : 1 व्यक्तिक अध्ययन एवं व्यक्तिक वृत्त/इतिहास पद्धति

इकाई : 2 अंतर्वस्तु विश्लेषण

इकाई : 3 समाजमिति एवं प्रक्षेपी प्रविधि

इकाई : 4 नृजाति अध्ययन एवं क्यू पद्धति

खण्ड (3) शोध के चरण

इकाई : 1 सामाजिक शोध के चरण

इकाई : 2 साहित्य पुनरावलोकन

इकाई : 3 परिकल्पना/उपकल्पना

इकाई : 4 निदर्शन/प्रतिचयन

संदर्भ पुस्तकें -

Beteille, A., & Madan, T. N. (1975). *Encounter and Experience : Personal Accounts of Fieldwork.* New Delhi : Vikas Publishing House.

Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.

Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.

Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.

Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.

Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Sage Pbc.

Srinivas, M. N., & Shah. A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.

Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.

Barnes, J. A. (1979). *Who Should Know What? Social Science, Privacy and Ethics.* Harmondsworth : Penguin Book.

Bleicher, M. (1988). *The Hermeneutic Imagination.* London : Routeldege & Kegan Paul.

Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.

Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.

DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.

Hughes, J. (1987). *The Philosphy of Social Research.* London : Longman Pbc.

Irvine, J., Miles, I., & Evans, J. (ed.). (1979). *Demystifying Social Statistics.* London : Pluto Press.

Madge, J. (1970). *The Origins of Scientific Sociology.* London : Tavistock Pbc.

विषय कोड : एमएएस- 10

विषय का नाम : लिंग एवं समाज

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम होंगे -

- लिंग एवं जेंडर की अवधारणा से परिचित होंगे एवं इनमें अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- लैंगिक असमानता के सिद्धांतों एवं अध्ययन के उपागमों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- उत्तर-आधुनिक नारीवादी विद्वानों एवं सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- महिला विकास एवं सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- महिला सशक्तिकरण की विभिन्न संकल्पनाओं से छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

लिंग एवं समाज

खण्ड (1) लिंग का सामजिक निर्माण

इकाई : 1 जेंडर एवं सामाजिक संरचनाएं

इकाई : 2 इतिहास में स्त्रिया

इकाई : 3 पित्र सत्ता

इकाई : 4 जाति व्यवस्था एवं पितृसत्ता का अंतरसंबंध

खण्ड (2) नारीवादी सिद्धांत की विभिन्न धाराएं

इकाई : 1 उदारवादी

इकाई : 2 रेडिकल

इकाई : 3 समाजवादी एवं मार्क्सवादी

इकाई : 4 अश्वेत एवं दलित नारीवाद

खण्ड (3) महिला एवं विकास

इकाई : 1 विकास के विभिन्न नजरिए एवं आर्थिक विकास में स्त्री की भूमिका

इकाई : 2 स्त्री सशक्तिकरण के सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयास

इकाई : 3 विकास की स्त्रीवादी आलोचना एवं वैकल्पिक विषय

इकाई : 4 भारतीय संविधान में स्त्री विषयक प्रावधान

खण्ड (4) जाति वर्ग एवं जेंडर

इकाई : 1 जाति, वर्ग एवं जेंडर का अंतरसंबंध एवं स्त्री मुक्ति का सवाल

इकाई : 2 आदिवासी एवं ख़ानाबदोश स्त्री के प्रश्न

इकाई : 3 सकारात्मक विभेद

संदर्भ पुस्तकें -

Altekar, A. S. (1983). *The Position of Women in Hindu Civilization.* Delhi : Motilal Banarasidass.

Chodrow, N. (1978). *The Reproduction of Mothering.* Berkeley : University of California Press.

Desai, N., & Krishnaraj, M. (1987). *Women and Society in India.* Delhi : Ajanta.

Dube, L. (Ed.). (1986). *Visibility and Power : Essays on Women in Society and Development.* New Delhi : OUP.

Forbes, G. (1998). *Women in Modern India.* New Delhi : Cambridge University Press.

Maccoby, E., & Carol, J. (1975). *The Psychology of Sex Differences.* Stanford : Stanford University Press.

McCormack, C., & Strathern, M. (Ed.). (1980). *Nature, Culture and Gender.* Cambridge : Cambridge University Press.

Myers, K. A. (Ed.). (1998). *Feminist Foundations : Towards Transforming Sociology.* New Delhi : Sage.

Oakley, A. (1972). *Sex, Gender and Society.* New York : Harper & Row Pbc.

Sharma, U. (1983). *Women, Work and Property in North-West India.* London : Tavistock Press.

Shulamitz, R., & Davidman, L. (1991). *Feminist Research Methods.* New York : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस-11

विषय का नाम : आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- आधुनिक विचारकों के सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- प्रघटना विज्ञान की परिभाषा, अर्थ एवं विद्वानों के योगदानों से छात्र परिचित होंगे।
- लोकविधि विज्ञान की अवधारणा एवं सिद्धांतवेत्ताओं से छात्र परिचित होंगे।
- लोकविधि एवं प्रघटना विज्ञान अध्ययन पद्धति की उपयोगिता को छात्र समझ सकेंगे।
- नवप्रकार्यवाद सिद्धांत एवं इस सिद्धांत को मनाने वाले विद्वानों से छात्र परिचित होंगे।
- नावमार्क्सवाद की अवधारणा को छात्र समझ सकेंगे। इस अवधारणा को स्थापित करने वाले विद्वानों के विचारों से छात्र अवगत होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

खण्ड (1) प्रघटना विज्ञान

इकाई : 1 प्रघटना विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 एडमण्ड हर्सेल

इकाई : 3 अल्फ्रेड श्युट्ज़

इकाई : 4 पीटर बर्जर एवं थॉमस लकमैन

खण्ड (2) लोकविधि विज्ञान

इकाई : 1 लोकविधि विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 हेराल्ड गार्फ़िंकल

इकाई : 3 इरविंग गॉफमैन

इकाई : 4 लोकविधि विज्ञान एवं प्रघटनाशास्त्र

खण्ड (3) नवप्रकार्यवाद

इकाई : 1 नवप्रकार्यवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 निकलास लुहमान

इकाई : 3 जेफ्रे सी. अलेक्जेंडर

खण्ड (4) नवमार्क्सवाद

इकाई : 1 नवमार्क्सवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 जुरगेन हेबरमास

इकाई : 3 लुइस अल्थुजर

इकाई : 4 नवप्रकार्यवाद एवं नवमार्क्सवाद

संदर्भ पुस्तकें :

Alexander, J. C. (1987). *Twenty lectures : Sociological theory since world war II.* New York : Columbia University Press.

Craib, I. (1992). *Modern social theory : From Parsons to Habermas.* London : Harvester Press.

Giddens, A. (1983). *Central problems in social theory : Action, structure and contradiction in social analysis.* London : Macmillan Pbc..

Turner, J. H. (1995). *The structure of sociological theory.* New Delhi : Rawat.

Zeitlin, I. M. (1998). *Rethinking sociology : A critique of contemporary theory*. New Delhi : Rawat Pbc.

Alexander, Jeffrey C. Ed. 1985. Neofunctionalism, London: Sage Publication.

Apter, David, E and Charles F. Andrin. 1972. Contemporary Analytical Theory. N.J. Prentice-Hall,

Inc, Englewood, Cliffs.

Bourdieu, Pierre. 1990. In Other Words: Essays Towards a Reflexive Sociology, Stanford: Stanford

University Press.

Derrida, J. 1978. Writing and Difference, Chicago: University of Chicago.

Focault, M. 1971. The Archaeology of Knowledge, New York: Pantheon Books.

Garfinkel, H. 1984. Studies in Ethnomethodology, Cambridge: Polity Press.

Luckmann, T. (ed.). 1978. Phenomenology and Sociology, Middlesex: Penguin Books.

Ritzer.G. 2005 (5th edition). Modern Sociological Theory, New York: McGraw –Hill Publication

Seidman,S.& Alexander, J.C. 2001. The New Social Theory Reader, London: Routledge.

विषय कोड : एमएएस-12

विषय का नाम : शोध प्रविधि (II)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- सामाजिक घटनाओं के अध्ययन में शोध प्रविधि के अनुप्रयोगों से छात्र परिचित होंगे।
- तथ्य संग्रहण के तकनीकों एवं श्रोतों से छात्र परिचित होंगे।
- सामाजिक शोध की विभिन्न गुणात्मक पद्धतियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- शोध में सांख्यकीय पद्धतियों के प्रयोगों से भी छात्र परिचित होंगे।
- केंद्रीय प्रवृत्ति माप, विचलन एवं सह-संबंध पद्धतियों से छात्र परिचित होंगे। शोध में इन पद्धतियों का प्रयोग कैसे एवं कब करें इसे भी विद्यार्थी सीखेंगे।
- काई काई स्क्वायर (x^2) परीक्षण, t परीक्षण एवं F परीक्षण से भी छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

शोध प्रविधि (II)

खण्ड (1) तथ्य : संग्रहण तकनीक एवं स्रोत

इकाई : 1 प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत

इकाई : 2 प्रश्नावली एवं अनुसूची

इकाई : 3 अवलोकन एवं साक्षात्कार

खण्ड (2) शोध सांख्यिकी - I

इकाई : 1 केंद्रीय प्रवृत्ति की माप

इकाई : 2 विचलन

इकाई : 3 सह-संबंध

खण्ड (3) शोध सांख्यिकी - II

इकाई : 1 काई स्क्वायर (x^2) परीक्षण

इकाई : 2 t – परीक्षण

इकाई : 3 F – परीक्षण

खण्ड (4) शोध पद्धतियाँ

इकाई : 1 चर (VARIABLE)

इकाई : 2 विश्वसनीयता एवं वैधता

इकाई : 3 शोध में कंप्यूटर की भूमिका एवं उपयोग

संदर्भ ग्रंथ सूची -

Beteille, A., & Madan, T. N. (1975). *Encounter and Experience : Personal Accounts of Fieldwork.* New Delhi : Vikas Publishing House Pvt Ltd.

Fayeraband, P. (1975). *Against Method : Outline of an Anarchistic Theory of Knowledge*. London : Humanities Press.

Hawthorne, G. (1976). *Enlightment and Despair : A Hitory of Sociology.* Cambridge : Cambridge University.

Kuhn, T. S. (1970). *The Structure of Scientific Revolutions.* London : The University of Chicago Press.

Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.

Popper, K. (1999). *The Logic of Scientific Discovery*. London : Routledge Pbc.

Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.

Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.

Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.

Srinivas, M. N., & Shah, A. M. (1979). *Field Worker and the Field.* New Delhi : Oxford Press.

Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.

DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.

विषय कोड : एमएएस-13

विषय का नाम : भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- अध्ययन के भारतीय सैद्धांतिक उपागमों से छात्र परिचित होंगे।
- भारत शास्त्र या ग्रंथ परिप्रेक्ष्य से छात्र परिचित होंगे । इस परिप्रेक्ष्य से संबंधित भारतीय विद्वानों के सिद्धांतों एवं विचारों से भी छात्र परिचित होंगे।
- संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक एवं मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य को विद्यार्थी समझ सकेंगे । छात्र इन परिप्रेक्ष्यों से जुड़े हुए विद्वानों से भी परिचित होंगे।
- भारतीय समाज के अध्ययन में आंद्रे बेतेई एवं योगेंद्र सिंह के सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- भारतीय समाज के अध्ययन में सभ्यतावादी एवं अधीनस्थ समूह अध्ययन से को छात्र समझ सकेंगे।
- छात्र इन अध्ययन उपागमों के आधार पर भारतीय सामाजिक विद्वानों को समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

खण्ड (1) **भारत शास्त्र/ग्रंथ परिप्रेक्ष्य**

इकाई : 1 जी.एस. घुर्ये

इकाई : 2 लुई ड्यूमा

इकाई : 3 राधा कमल मुकर्जी

इकाई : 4 इरावती कर्वे

खण्ड (2) **संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य एवं मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य**

इकाई : 1 एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे

इकाई : 2 डी.पी. मुखर्जी

इकाई : 3 ए.आर. देसाई

इकाई : 4 रामकृष्ण मुखर्जी

खण्ड (3) **संस्तरणात्मक परिप्रेक्ष्य एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य**

इकाई : 1 आंद्रे बेतेइ

इकाई : 2 योगेंद्र सिंह

खण्ड (4) **सभ्यतात्मक परिप्रेक्ष्य एवं अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य**

इकाई : 1 एन.के. बोस

इकाई : 2 सुरजीत सिन्हा

इकाई : 3 बी.आर. अंबेडकर

इकाई : 4 रणजीत गुहा, डेविड हार्डीमेन

Dube, S. C. (1973). *Social Sciences in a Changing Society.* Lucknow : Lucknow University Press.

Dube, S. C. (1967). *The Indian Village.* London : Routledge.

Dumont, L. (1970). *Homo Hierarchicus : The Caste System and its Implications.* New Delhi : Vikas Pbc.

Karve, I. (1961). *Hindu Society : An Interpretation.* Puna : Deccan College Press.

Mukherjee, D. P. (1958). *Diversities People's.* Delhi : Publishing House.

Oommen, T. K., & Mukherjee, P. N. (Ed.). (1986). *Indian Sociology : Reflections and Introspections.* Bombay : Popular Prakashan.

Srinivas, M. N. (1960). *India's Villages.* Bombay : Asia Publishing House.

Dhanagare. D.N.: Themes and perspectives in Indian sociology. Rawat Publication. Jaipur, 1993.

Dumont. Louis Homo Hyerrchicus : The Caste System and its implications. Vikas publications, New Delhi, 1970

Hardiman, David: the coming of the Devi : Adivasi Assertion in western India. Oxford University Press, 1987.

Marrott. Mckim : India through Hindu categories . Sage publication, Delhi, 1990.

Momin. A. R. : The legacy of G.S. Ghurye. A cemennial festschrift. Popular prakashan. Bombay. 1996.

Mukherjee. D.P. Diversities . Peoples publication house. Delhi. 1958.

Singh. Y: Indian Sociology social conditioning and emerging concerns. Vistaar publication. Delhi. 1996.

Singh. Y: Modernisation of Indian tradition. Thomson press. Delhi. 1973.

Singh. K.S. : The Peoples of India. An introduction. Seagull books. Calcutta. 1992.

Singh Y. Identity & Theory in Indian Sociology, Rawat Publication, Jaipur, 2004

विषय कोड : एमएएस-14

विषय का नाम : सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- छात्र सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
- सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न अवधाराणाओं को छात्र समझेंगे।
- विकास , उद्विकास एवं प्रगति में छात्र अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।
- सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न कारकों एवं सिद्धांतों को समझने तथा लिखने में छात्र सक्षम होंगे।
- सामाजिक नियंत्रण अर्थ एवं परिभाषा से छात्र परिचित होंगे।
- समाज में नियंत्रण के औपचारिक एवं अनौपचारिक साधन की भूमिका से छात्र परिचित होंगे।
- सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांतकारों की भूमिका से विद्यार्थी परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

खण्ड (1) सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा एवं प्रक्रिया

इकाई : 1 सामाजिक परिवर्तन : परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप

इकाई : 2 सामाजिक उद्विकास एवं प्रगति

इकाई : 3 सामाजिक क्रांति एवं विकास

इकाई : 4 सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं : नगरीकरण, औद्योगीकरण, आधुनिकीकरण एवं संस्कृतिकरण

खण्ड (2) सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांत

इकाई : 1 सामाजिक परिवर्तन के जैविक एवं जनसंख्यात्मक कारण

इकाई : 2 सामाजिक परिवर्तन के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक

इकाई : 3 सामाजिक परिवर्तन के रेखीय एवं चक्रीय सिद्धांत

इकाई : 4 मार्क्सवादी एवं प्रौद्योगिक निर्णयवादी सिद्धांत

खण्ड (3) सामाजिक नियंत्रण : अर्थ एवं आधार

इकाई : 1 सामाजिक नियंत्रण : परिभाषा, तत्त्व एवं उद्देश्य

इकाई : 2 सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक साधन

इकाई : 3 सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधन

खण्ड (4) सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत

इकाई : 1 ई. ए. रॉस

इकाई : 2 दुर्खीम

इकाई : 3 पारसंस

इकाई : 4 डब्ल्यू. जी. समनर

विषय कोड : एमएएस- 15

विषय का नाम : ग्रामीण समाजशास्त्र

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- ग्रामीण समाजशास्त्र की अवधारणा, प्रकृति एवं उपयोगिता से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण समाजशास्त्र की उत्पत्ति, विकास एवं ग्रामीण अध्ययन के उपागमों से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण समाज की विभिन्न अवधारणाओं से छात्र परिचित होंगे।
- भारतीय ग्रामीण परंपरा एवं ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण जाति व्यवस्था, जाति पंचायत, जजमानी व्यवस्था एवं ग्रामीण शक्ति संरचना से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण विकास में पंचायती राज व्यवस्था एवं लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की व्यवस्था से छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

ग्रामीण समाजशास्त्र

खण्ड (1) ग्रामीण समाजशास्त्र : एक परिचय

इकाई : 1 ग्रामीण समाजशास्त्र : अवधारणा, महत्त्व एवं उपयोगिता

इकाई : 1 ग्रामीण समाजशास्त्र : उत्पत्ति एवं विकास

इकाई : 3 ग्रामीण समाजशास्त्र : अध्ययन के उपागम

खण्ड (2) ग्रामीण समाजशास्त्र की अवधारणाएं

इकाई : 1 लघु समुदाय, कृषक समाज एवं लोक-संस्कृति

इकाई : 2 लघु एवं बृहद परंपराएं

इकाई : 3 ग्रामीण नगरीय सातत्य

इकाई : 4 भारतीय ग्रामीण एवं नगरीय समुदाय

खण्ड (3) ग्रामीण सामाजिक संरचना

इकाई : 1 ग्रामीण सामाजिक स्तरीकरण

इकाई : 2 जाति-व्यवस्था एवं जाति पंचायत

इकाई : 3 अंतरजातीय संबंध एवं जजमानी व्यवस्था

इकाई : 4 ग्रामीण शक्ति संरचना : प्रभु जाति, ग्रामीण गुट एवं नेतृत्त्व

खण्ड (4) ग्रामीण शासन एवं विकास

इकाई : 1 ग्रामीण स्थानीय शासन : संरचना एवं प्रकार्य

इकाई : 2 पंचायत राज एवं लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण

इकाई : 3 भारत में ग्रामीण पुनर्निर्माण

इकाई : 4 सामुदायिक विकास कार्यक्रम

संदर्भ पुस्तकें -

Desai, A. R. (1959). *Rural Sociology India.* Bombay : Popular Prakashan.

Desai, A.R. (1979). *Rural India in Transition.* Bombay : Popular Prakashan.

Dsouza, A. (1978). *The Indian City : Poverty , Ecology and Urban development.* New Delhi : Manohar Pbc.

Berch, B. (Ed.). (1992). Class, State and Development in India. New Delhi : Sage.

Desai, A. R. (1977). *Rural Sociology in India.* Bombay : Popular Prakashan.

Radhakrishnan, P. (1989). *Peasant Struggles : Land reforms and Social Change in Malabar 1836-1982.* New Delhi : Sage Publications.

Thorner, D., & Thorner A. (1962). Land and Labour in India. Bombay : Asia Publications.

Betille, A. (1974). *Six Essays in Comparitive Sociology.* New Delhi : OUP.

Dhanagare, D. N. (1988). *Peasant Movements in India.* New Delhi : OUP.

Ashish, N. (1999). *Ambiguous Journey to the City.* New Delhi : OUP.

विषय कोड : एमएएस-16

विषय का नाम : आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- आधुनिक विचारकों के योगदानों से छात्र परिचित होंगे।
- विवेचनात्मक सिद्धांत की परिभाषा एवं इस सिद्धांत से संबंधित विद्वानों के सिद्धांतों को भी छात्र समझने में सक्षम होंगे।
- संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद में अंतर को समझेंगे। छात्र इन सिद्धांतों से संबंधित सिद्धांतकारों के योगदान को लिखने में सक्षम होंगे।
- आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा एवं भारत में आधुनिकता की प्रासंगिकता को छात्र समझ सकेंगे तथा समालोचना करने में भी सक्षम होंगे।
- आधुनिकता के सिद्धांतों की भी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।
- उत्तर-आधुनिक सिद्धांत के क्षेत्र से छात्र परिचित होंगे।
- उत्तर-आधुनिक सिद्धांत के सिद्धांतकारों के विचारों की प्रासंगिकता एवं इनकी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

3. सत्रांत परीक्षा : 70 %
4. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

खण्ड (1) विवेचनात्मक सिद्धांत

इकाई : 1 विवेचनात्मक सिद्धांत : अर्थ एवं परिभाषा

इकाई : 2 मैक्स होर्खाईमर

इकाई : 3 थिओडोर एडोर्नो

इकाई : 3 हर्बर्ट मार्कुज

खण्ड (2) संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद/नवसंरचनावाद

इकाई : 1 संरचनाकरण : अर्थ एवं परिभाषा

इकाई : 2 लेवी स्ट्रास

इकाई : 3 उत्तर-संरचनावाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 4 लुई अल्थ्यूजर

खण्ड (3) आधुनिकता

इकाई : 1 आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण

इकाई : 2 भारत में आधुनिकता एवं भारतीय सिद्धांतवेत्ता

इकाई : 3 आधुनिकता : सिद्धांत एवं पाश्चात्य सिद्धांतवेत्ता

इकाई : 4 गिडेंस

खण्ड (4) उत्तर-आधुनिकता

इकाई : 1 उत्तर-आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण

इकाई : 2 जॉक देरिदा एवं मिशेल फूको

इकाई : 3 फ्रेड्रिक जेमेंसन एवं ल्योतार्ड

इकाई : 4 ज्यां बोड्रिलार्ड एवं जॉर्ज रिट्जर

Abraham, M. F. (1990). *Modern Sociological Theory : An Introduction.* New Delhi : OUP.

Appadurai, A. (1997). *Modernity At Large : Cultural Dimensions of Globalization.* New Delhi : OUP.

Harrison, D. (1989). *The Sociology of Modernization and Development.* New Delhi : Sage.

Sharma, S. L. (1994). Salience of Ethnicity in Modernization : Evidence from India. Sociological Bulletin, 39(1&2) 33-51.

Giddens, A. (1990). *The Consequences of Modernity.* Cambridge : Polity Press.

Wallerstein, I. (1974). *The Modern World System.* New York : OUP.

Levi Strauss. Clande (1953), Social Structure; in A.L.Krocher's edited Anthropology today, Chicago

University Press.

Majumdar. D.N. & T.N. Madan. An Introduction to Social Anthropology. New York.

Radcliffe-Brown. A.R., (1952), Structure & Function in Primitive Societies (edited by E.E. Evans-

Pritchard): The English Language Book Society & Cohen & West Ltd. London.

Ritter. G (1998). Sociological Theory. N.Y. Macgraw Hill.

Turner, J.H. The Structure of Sociological Theory. Homewood. Dorsey Press.

Abraham and Morgan, Sociological Thought: Macmillan India Limited.

Abraham. Francis. Modern Sociological theory: Oxford University Press.

Makhanjha. An Introduction to Anthropology..

Parsons. 1(195 I) The Social System, Glenoce. III The Free Press.

Max Black-Social Theories of Talcott Parsons.

विषय कोड : एमएएस-17

विषय का नाम : भारतीय सामाजिक समस्याएँ

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- भारतीय समाज एवं सामाजिक समस्याओं के विभिन्न स्वरूपों को छात्र समझने में सक्षम होंगे।
- सामाजिक समस्याओं को समझने की विभिन्न अध्ययन पद्धतियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- सामाजिक समस्या की पहचान एवं निवारण के विभिन्न साधनों से छात्र परिचित होंगे।
- समाज के विभिन्न वर्गों की सामाजिक समस्याओं की पहचान एवं निवारण की प्रक्रिया को छात्र समझ सकेंगे।
- सामाजिक समस्या के आंतरिक एवं बाह्य कारणों तथा समाधान की प्रक्रिया को छात्र जानेंगे।
- पर्यावरण संसाधन की समस्या एवं निवारण से भी छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

5. सत्रांत परीक्षा : 70 %
6. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

भारतीय सामाजिक समस्याएँ

खण्ड (1) भारतीय सामाजिक रूपरेखा एवं समस्याएँ

इकाई : 1 सामाजिक समस्या एवं सामाजिक परिवेश

इकाई : 2 सामाजिक समस्या : अवधारणा एवं उपागम

इकाई : 3 सामाजिक रूपांतरण एवं समस्याएं

इकाई : 4 अध्ययन पद्धतियां एवं संगठन

खण्ड (2) सामाजिक संरचनात्मक संक्रमण एवं समस्याएं

इकाई : 1 पारिवारिक संरचना

इकाई : 2 नगरीकरण

इकाई : 3 प्रवासन एवं विस्थापन

इकाई : 4 सामाजिक जननांकिकी

खण्ड (3) पहचान, अलगाव एवं सामाजिक न्याय

इकाई : 1 महिलाए, वृद्ध, बच्चे एवं युवा वर्ग

इकाई : 2 नृजातीयता, अल्पसंख्यक एवं अनुसूचित वर्ग

इकाई : 3 श्रमिक वर्ग एवं रोजगार : बाल, महिला, ग्रामीण एवं औद्योगिक

इकाई : 4 हिंसा, आतंकवाद एवं मादक द्रव्य व्यसन

खण्ड (4) पर्यावरण एवं संसाधन : पहुंच, नियंत्रण एवं प्रबंधन

इकाई : 1 जल

इकाई : 2 जंगल

इकाई : 3 मृदा

इकाई : 4 राज्य एवं अन्य संगठन

Agarwal, B. (1994). *A Field of One's Own : Gender and Land Rights in South Asia.* Cambridge : Cambridge University Press.

Dereze, J., & Sen. A. (1996). *India : Economic Development and Social Opportunity.* New Delhi : OUP.

Giddens, A. (1996). *Global Problems and Ecological Crisis in Introduction to Sociology.* New York : W.W. Norton & Co.

Srinivas, M. N. (1966). *Social Change in Modern India.* Berkley : University of Berkley.

UNDP. Sustainable Development. New York : OUP.

Sharma, S. L. (2000). *Empowerment Without Antagonism : A Case for Reformulation of Women's Empowerment Approach.* Sociological Bulletin, 49(1).

World Commission on Environment and Development. (1987). *Our Common Future.*

(Brundland Report). New Delhi : OUP.

Singh, K. S. (1992). *The People of India : An Introduction.* Calcutta : Seagull Publishing.

Smith, A. (1986). *The Ethnic Origins of Nations.* Oxford : Blackwell Press.

Veer, V. P. (1994). *Religious Nationalism : Hindus and Muslims in India.* Berkeley : University of California Press.

Walker, C. (1994). *Ethnonationalism : The Quest for Understanding.* Princeton : Princeton University Press.

Guha, R. C. (1991). *Subaltern Studies.* New York: OUP.

Inden, R. (1990). *Imaging India.* Oxford : Brasil Blackward.

विषय कोड : एमएएस-18

विषय का नाम : संविधान एवं मानवाधिकार

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- संविधान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र को छात्र समझ सकेंगे।
- संविधान की नींव एवं इनके प्रकारों को छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय संविधान के मूल कर्तव्य को समझने और लिखने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
- भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्व एवं संविधान में संशोधन की प्रक्रिया को आप समझने में सक्षम होंगे।
- मानवाधिकार के दार्शनिक पक्षों एवं इनके निर्माण को समझने में विद्यार्थी समझ होंगे।
- मानवाधिकार के विकास के चरण एवं सिद्धांतों को समझने एवं लिखने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
- मानवाधिकार के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगठनों से परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

7. सत्रांत परीक्षा : 70 %
8. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

संविधान एवं मानवाधिकार

खण्ड (1) भारतीय संविधान

इकाई : 1 भारतीय संविधान का इतिहास

इकाई : 2 भारतीय संविधान का परिचय

इकाई : 3 भारतीय संविधान की विशेषताएँ

खण्ड (2) भारतीय संविधान की अंतर्वस्तु

इकाई : 1 मूल अधिकार एवं कर्तव्य

इकाई : 2 राज्य के नीति निर्देशक तत्व

इकाई : 3 संविधान संशोधन की प्रक्रिया

इकाई : 4 संविधान संबंधी समसामयिक विमर्श

खण्ड (3) मानवाधिकार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

इकाई : 1 मानवाधिकार का परिचय

इकाई : 2 मानवाधिकार का दर्शन

इकाई : 3 मानवाधिकार के विकास का चरण

इकाई : 4 मानवाधिकार के सिद्धांत

खण्ड (4) अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिदृश्य

इकाई : 1 मानवाधिकार का सार्वभौमिक घोषणा-पत्र

इकाई : 2 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संविदाएं

इकाई : 3 मानवाधिकार संबंधी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं

इकाई : 4 मानवाधिकार संबंधी राष्ट्रीय संस्थाएं

संदर्भ पुस्तकें :

कश्यप, सुभाषा. (1995). *हमारा संविधान*. नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रष्ट.

मेल्लील्ली, कुमार. प्रवीण. (2017). *भारत का संविधान, वृत्तिक अचरनीति और मानव अधिकार*. नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन.

नंदकिशोर, आचार्य. (2003). *मानवाधिकार के तकाजे*. बीकानेर: वाग्देवी प्रकाशन.

शर्मा, सुभाष. (2009). *भारत में मानवाधिकार*. नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रष्ट.

उपाध्याय, जय राम. (1999). *मानव अधिकार*. इलाहाबाद: सेंट्रल लॉ एजेंसी.

मानवाधिकार शिक्षण प्रतिष्ठान. (2009). *मानवाधिकार: एक परिचय*. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

विषय कोड : एमएएस-19

विषय का नाम : नगरीय समाजशास्त्र

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित को समझेंगे -

- नगरीय समाजशास्त्र के अध्ययन क्षेत्र एवं विषय-वस्तु से छात्र परिचित होंगे।
- नगर के बसावट एवं नगरीय पारिस्थितिकी को छात्र समझने में सक्षम होंगे।
- भारतीय नगरों के काल, उद्भव एवं विकास को विद्यार्थी समझेंगे एवं लिखने में सक्षम होंगे।
- नगरीकरण की प्रक्रिया एवं भारतीय समाज में नगरीकरण के प्रभाव को छात्र समझ सकेंगे तथा विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- नगरीय समस्याओं के कारणों एवं निवारण को छात्र पढ़ेंगे एवं लिखने में सक्षम होंगे।
- नगरीय प्रशासन व्यवस्था एवं कार्यपद्धति से छात्र परिचित होंगे।
- नगर नियोजन के सिद्धांत एवं भारत में नगरीय प्रशासन स्थापना एवं कार्यपद्धति से छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

9. सत्रांत परीक्षा : 70 %
10. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

नगरीय समाजशास्त्र

खण्ड (1) नगरीय समाजशास्त्र का परिचय

इकाई : 1 नगरीय पारिस्थितिकी : अवधारणा, सिद्धांत एवं बसावट

इकाई : 2 भारतीय नगर : काल, प्रकार एवं स्वरूप

इकाई : 3 भारत में नगरीय समाजशास्त्र : उद्भव, विकास एवं महत्त्व

खण्ड (2) नगरीकरण एवं उसका प्रभाव

इकाई : 1 नगरीकरण : स्तर एवं प्रवृत्ति

इकाई : 2 वैश्वीकरण एवं नगर

इकाई : 3 पारंपरिक पड़ोस एवं आधुनिक शहर

इकाई : 4 नगरीय विस्तार एवं ग्रामीण क्षेत्र

खण्ड (3) नगरीय समस्या

इकाई : 1 गरीबी

इकाई : 2 मलीन झुग्गी बस्तियां (स्लम)

इकाई : 3 पर्यावरण एवं बुनियादी संरचना

इकाई : 4 नगरीय विकास कार्यक्रम

खण्ड (4) नगरीय प्रशासन

इकाई : 1 स्थानीय स्व-प्रशासन एवं स्वयंसेवी संगठन

इकाई : 2 भारत में नगरीय शासन : अर्थ एवं सिद्धांत

इकाई : 3 नगर नियोजन

संदर्भ पुस्तकें :

Quinn, J. A. (1955). *Urban Sociology.* New Delhi : S Chand & Co.

Pickwance, C. G. (Ed.). (1976). *Urban Sociology.* Methuen : Critical Essays.

Abrahimson, M. (1976). *Urban Sociology.* Englewoot : Prentice Hall.

Ronnan, P. (2001). *Handbook of Urban Studies.* India : Sage.

Gold, H. (1982). *Sociology of Urban Life.* Englewood Cliff : Prentice Hall.

DSouza, A. (1979). *The Indian City : Poverty, ecology and urban development.* Delhi : Manohar Pbc.

Desai, A. R., & Pillai, S. D. (Ed.). (1970). *Slums and Urbanisation.* Bombay : Popular Prakashan.

Castells, M. (1977). *The Urban Question.* London : Edward Arnold.

Ramachandran, R. (1991). *Urbanisation and Urban Systems in India.* Delhi : OUP.

Ellin, N. (1996). *Post Modern Urbanisim.* Oxford : Oxford University Press.

Edward, W. S. (2000). *Post Metropolis : Critical Studies of cites and regions.* Oxford : Blakcwell.

Sylvia, F. F. (1968). *New Urbanism in World Perspectives-a Reader.* New York : T.Y.Cowell.

विषय कोड : एमएएस-20

विषय का नाम : परियोजना कार्य

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस परियोजना कार्य को पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी –

- शोध की विभिन्न तकनीकों के प्रयोगों को विद्यार्थी सीखेंगे।
- किसी घटना का अध्ययन कैसे और किन तकनीकों के प्रयोग से पूर्ण करना है, इस प्रक्रिया को विद्यार्थी सीखेंगे।
- सामाजिक घटनाओं के अवलोकन एवं विश्लेषण करने की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
- शोध परियोजना को पूर्ण करने के चरणों एवं इन विभिन्न चरणों की उपयोगिता से छात्र परिचित होंगे।
- विद्यार्थी अपने आस-पास घटने वाली समस्याओं के कार्य-कारण जानने में सक्षम होंगे।

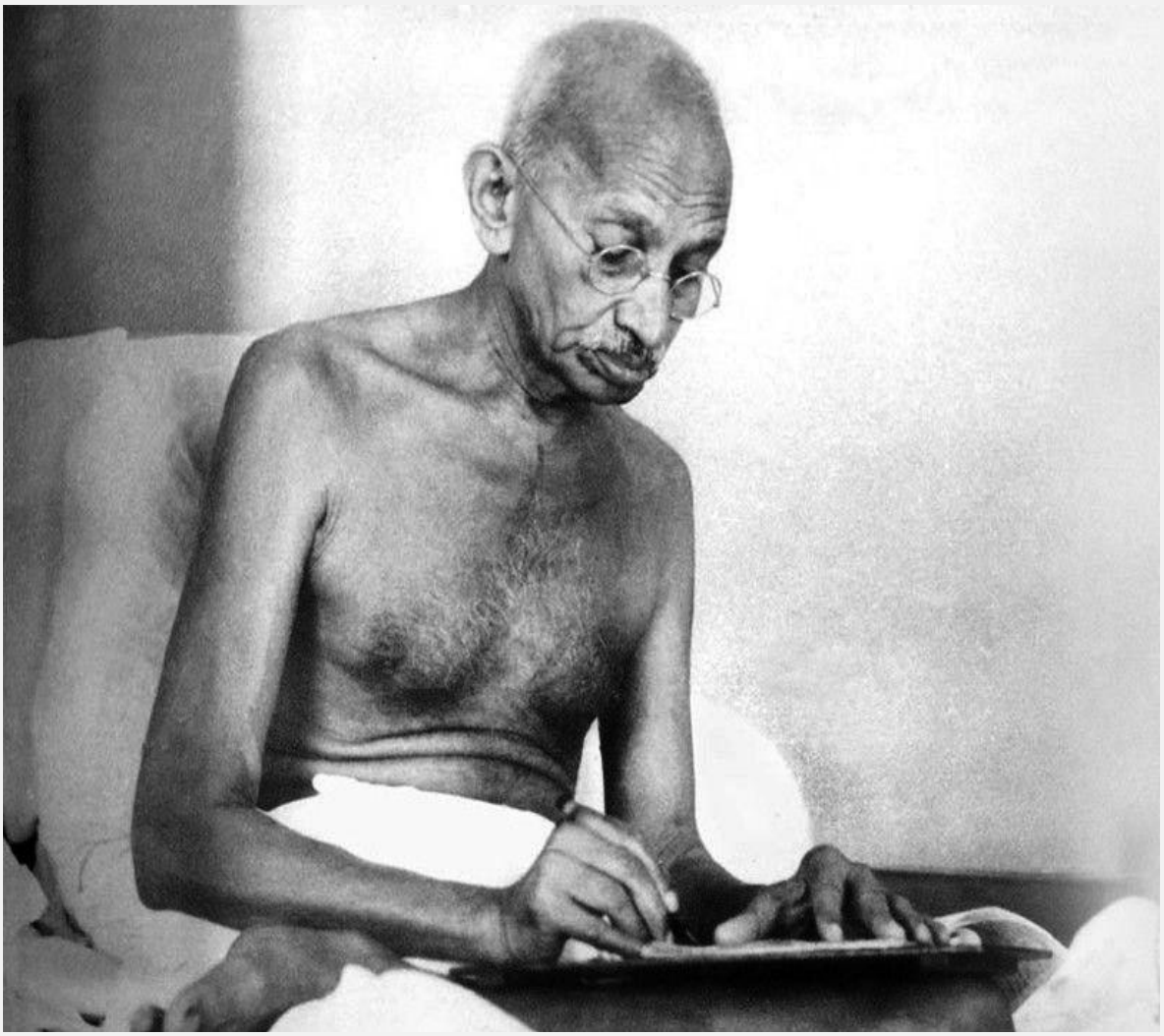
मूल्यांकन के मानदंड :

11.सत्रांत परीक्षा : 70 %

12.सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) एवं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (DEB) से मान्यता प्राप्त



ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) एवं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (DEB) से मान्यता प्राप्त

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के दूर शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत संचालित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के अध्ययनार्थ निर्धारित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम परिकल्पना, संरचना एवं संयोजन :
पुरन्दरदास
अनुसंधान अधिकारी एवं पाठ्यक्रम संयोजक – एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम
दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रकाशक :
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र, पिन कोड : 442001
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

© महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रथम संस्करण : अप्रैल 2016
द्वितीय संशोधित-परिवर्धित संस्करण : जनवरी 2018

आवरण पृष्ठ पर संयुत महात्मा गाँधी का छायाचित्र इंटरनेट से साभार

इस कृति का कोई भी अंश लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

M.A. HINDI Curricula and Courses
For Directorate of Distance Education, M.G.A.H.V., Wardha
By Purandara Dass Course Coordinator, M.A. Hindi Programme
Published by M.G.A.H.V., Wardha
First Edition 2016
Second Edition 2018

मार्गदर्शन

प्रो॰ गिरीश्वर मिश्र
कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ आनन्द वर्धन शर्मा
प्रतिकुलपति एवं निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ अरबिन्द कुमार झा
प्रोफेसर, शिक्षा विद्यापीठ, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
एवं पूर्व निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ सूर्यप्रसाद दीक्षित
पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

पाठ्यचर्या भारांक हेतु समिति

प्रो॰ आनन्द वर्धन शर्मा (अध्यक्ष)
प्रतिकुलपति एवं निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ कृष्ण कुमार सिंह (प्रथम समिति के अध्यक्ष)
विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग एवं पूर्व अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रो॰ चन्द्रकला त्रिपाठी (बाह्य सदस्य)
प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो॰ अरुण कुमार त्रिपाठी (सदस्य)
प्रोफेसर एडजंक्ट, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

डॉ॰ रामानुज अस्थाना (प्रथम समिति के सदस्य)
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

डॉ॰ अशोकनाथ त्रिपाठी (प्रथम समिति के सदस्य)
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

श्री संदीप मधुकर सपकाले (प्रथम समिति के आमन्त्रित सदस्य)
असिस्टेंट प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पुरन्दरदास (सदस्य सचिव)

पाठ्यचर्या संरचना सहयोग

प्रो॰ सूरज प्रसाद पालीवाल
पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग एवं पूर्व अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

डॉ॰ बुद्धिनाथ मिश्र
पूर्व मुख्य प्रबन्धक, राजभाषा, ओ॰एन॰जी॰सी॰

प्रो॰ अनिल कुमार पाण्डेय
विभागाध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

प्रो॰ कमलानन्द झा
प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

डॉ॰ राकेश कुमार मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

डॉ॰ सुनील कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

श्री संदीप कुमार वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यालयीय सहयोग

श्री विनोद रमेशचंद्र वैद्य
सहायक कुलसचिव, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010

(सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप)

पाठ्य-योजना

लक्ष्य : यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है जो स्वाध्याय केन्द्रित दूर शिक्षा के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य का सम्यक् अध्ययन कर हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं।

पात्रता : स्नातक उपाधि या समकक्ष उपाधि।

आयु : कोई सीमा नहीं।

पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने की अवधि : न्यूनतम दो (2) और अधिकतम चार (4) वर्ष।

सेमेस्टर की संख्या : चार (4)।

पाठ्यचर्या : प्रत्येक सेमेस्टर में पाँच (5) पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं। तदनुसार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में कुल बीस (20) पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं।

अनिवार्य पाठ्यचर्या : प्रत्येक सेमेस्टर में चार (4) अनिवार्य पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं । तदनुसार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में सोलह (16) अनिवार्य पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं।

वैकल्पिक पाठ्यचर्या : प्रत्येक सेमेस्टर में पंचम पाठ्यचर्या स्वचयनानुसार विकल्पाधारित है। इसमें विद्यार्थी निर्दिष्ट विकल्पों में से स्वचयनानुसार विकल्प का चयन कर सकते हैं। तदनुसार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में चार (4) वैकल्पिक पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं।

क्रेडिट : प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए अधिकतम चार (4) क्रेडिट निर्धारित हैं। तदनुसार प्रत्येक सेमेस्टर के लिए अधिकतम बीस (20) क्रेडिट तथा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम अस्सी (80) क्रेडिट निर्धारित हैं। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में सोलह (16) अनिवार्य पाठ्यचर्याओं के लिए अधिकतम चौसठ (64) तथा चार (4) वैकल्पिक पाठ्यचर्याओं के लिए अधिकतम सोलह (16) क्रेडिट निर्धारित हैं।

परियोजना कार्य : पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर में पंचम पाठ्यचर्या परियोजना कार्य पर आधारित है। परियोजना कार्य पर आधारित इस पाठ्यचर्या के लिए अधिकतम चार (4) क्रेडिट निर्धारित हैं।

मूल्यांकन पद्धति : पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर की परियोजना कार्य पर आधारित पंचम पाठ्यचर्या का मूल्यांकन आतंरिक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा । शेष उन्नीस (19) पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन सत्रीय कार्य तथा सत्रांत परीक्षा द्वारा क्रमश: 30 : 70 के अनुपातानुसार किया जाएगा। इनमें सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आतंरिक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010

(सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप)

पाठ्यचर्या —› / सेमेस्टर ¬	प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)	पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
प्रथम सेमेस्टर	प्रारम्भिक हिन्दी काव्य	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी	भारतीय काव्यशास्त्र	हिन्दी साहित्य का इतिहास – I	विकल्प I – प्रयोजनमूलक हिन्दी
					विकल्प II – लोक-साहित्य
द्वितीय सेमेस्टर	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	हिन्दी साहित्य का इतिहास – II	विकल्प I – हिन्दी पत्रकारिता
					विकल्प II – हिन्दी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण
तृतीय सेमेस्टर	आधुनिककालीन हिन्दी काव्य	हिन्दी आलोचना	हिन्दी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	विकल्प I – हिन्दी भाषा एवं भाषा-शिक्षण
					विकल्प II – सृजनात्मक लेखन
चतुर्थ सेमेस्टर	हिन्दी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना	हिन्दी के विविध गद्य-रूप	भाषाविज्ञान	नव सामाजिक विमर्श	विकल्प I – परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन
					विकल्प II – परियोजना कार्य : हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

- यह द्विवर्षीय पाठ्यक्रम कुल 4 सेमेस्टर में विभक्त है।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 5 पाठ्यचर्याएँ निर्धारित हैं जिनमें प्रथम 4 पाठ्यचर्याएँ अनिवार्य हैं जबकि पंचम पाठ्यचर्या वैकल्पिक है। विद्यार्थी को निर्धारित 2 विकल्पों में से किसी 1 विकल्प का चयन पंचम पाठ्यचर्या के रूप में करना है।
- प्रति पाठ्यचर्या अधिकतम 4 क्रेडिट निर्धारित हैं। इस प्रकार प्रति सेमेस्टर अधिकतम 20 क्रेडिट (4 x 5 = 20) तथा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 क्रेडिट (4 x 20 = 80) निर्धारित हैं।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010
(सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप)

पाठ्यचर्या-सूची

कुल क्रेडिट : 80 (20 X 4)

क्र.सं.	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या	अनिवार्य / वैकल्पिक	पाठ्यचर्या कोड	पाठ्यचर्या का शीर्षक	पृ. क्र.
01.	प्रथम	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 01	प्रारम्भिक हिन्दी काव्य	01 – 01
02.	प्रथम	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 02	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी	02 – 03
03.	प्रथम	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 03	भारतीय काव्यशास्त्र	04 – 05
04.	प्रथम	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 04	हिन्दी साहित्य का इतिहास – I	06 – 07
05.	प्रथम	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 05	प्रयोजनमूलक हिन्दी	08 – 08
06.	प्रथम	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 06	लोक-साहित्य	09 – 10
07.	द्वितीय	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 07	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	11 – 12
08.	द्वितीय	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 08	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	13 – 14
09.	द्वितीय	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 09	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	15 – 15
10.	द्वितीय	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 10	हिन्दी साहित्य का इतिहास – II	16 – 17
11.	द्वितीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 11	हिन्दी पत्रकारिता	18 – 18
12.	द्वितीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 12	हिन्दी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	19 – 19
13.	तृतीय	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 13	आधुनिककालीन हिन्दी काव्य	20 – 21
14.	तृतीय	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 14	हिन्दी आलोचना	22 – 22
15.	तृतीय	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 15	हिन्दी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि	23 – 24
16.	तृतीय	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 16	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	25 – 26
17.	तृतीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 17	हिन्दी भाषा एवं भाषा-शिक्षण	27 – 27
18.	तृतीय	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 18	सृजनात्मक लेखन	28 – 28
19.	चतुर्थ	प्रथम	अनिवार्य	MAHD – 19	हिन्दी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना	29 – 30
20.	चतुर्थ	द्वितीय	अनिवार्य	MAHD – 20	हिन्दी के विविध गद्य-रूप	31 – 32
21.	चतुर्थ	तृतीय	अनिवार्य	MAHD – 21	भाषाविज्ञान	33 – 34
22.	चतुर्थ	चतुर्थ	अनिवार्य	MAHD – 22	नव सामाजिक विमर्श	35 – 36
23.	चतुर्थ	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 23	परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन	37 – 37
24.	चतुर्थ	पंचम	वैकल्पिक	MAHD – 24	परियोजना कार्य : हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन	38 – 39

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 01
पाठ्यचर्या का शीर्षक : प्रारम्भिक हिन्दी काव्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : लोक, सत्ता और प्रारम्भिक हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : प्रारम्भिक हिन्दी साहित्य की काव्य-प्रवृत्तियाँ

इकाई – 2 : मुक्तक-काव्य-परम्परा में प्रवहमान नीति, वीर, शृंगार तथा सुभाषितपरक दोहों का अनुशीलन

इकाई – 3 : अपभ्रंश-प्रभावित एवं अपभ्रंश-प्रभाव से मुक्त हिन्दी-रचनाएँ

खण्ड – 2 : रासो-काव्य-परम्परा

इकाई – 1 : 'पृथ्वीराज रासो' में तथ्य और कल्पना, प्रामाणिकता : ऐतिहासिक तथ्य, तिथि, भाषा तथा कवि सम्बन्धी मत

इकाई – 2 : 'पृथ्वीराज रासो' की साहित्यिकता, काव्य-रूप, छन्द-योजना, अलंकार-निरूपण, कथानक रूढ़ियाँ

इकाई – 3 : 'पृथ्वीराज रासो' का महाकाव्यत्व एवं काव्य-सौष्ठव

खण्ड – 3 : विद्यापति का पदावली साहित्य

इकाई – 1 : 'पदावली' की राधा-कृष्ण-कथा और उनका स्वरूप

इकाई – 2 : 'पदावली' का काव्य-सौष्ठव

इकाई – 3 : विद्यापति का प्रेम-दर्शन

इकाई – 4 : 'पदावली' की भाषा एवं अलंकार-विधान

इकाई – 5 : विद्यापति की काव्य-भाषा

खण्ड – 4 : अमीर ख़ुसरो का हिन्दवी काव्य

इकाई – 1 : ख़ुसरो की रचनाधर्मिता, प्रमुख रचनाएँ, पहेलियाँ, मुकरियाँ, दो सुखने, गज़ल, शेर आदि

इकाई – 2 : ख़ुसरो के काव्य की प्रकृति एवं विशेषताएँ

इकाई – 3 : हिन्दू-मुस्लिम साझी संस्कृति के आदिपुरुष के रूप में ख़ुसरो की प्रतिष्ठा, ख़ुसरो की हिन्दी निष्ठा एवं हिन्दी प्रेम, खड़ी बोली (हिन्दवी) के प्रथम एवं समर्थ कवि के रूप में ख़ुसरो की पहचान

इकाई – 4 : अमीर ख़ुसरो का हिन्दी काव्य : प्रामाणिकता की समस्या

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

1. पृथ्वीराज रासो – चन्दवरदाई (पद्मावती समय)
2. विद्यापति पदावली (चयनित पद)
3. अमीर ख़ुसरो का हिन्दवी काव्य (चयनित रचनाएँ)

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 02
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी उपन्यास एवं कहानी

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : उपन्यास और कहानी-साहित्य

इकाई – 1 : हिन्दी उपन्यास की क्रमिक विकास-यात्रा और परिवर्तित स्वरूप : प्रेमचंद-पूर्व हिन्दी उपन्यास, वर्गीकरण, सामाजिक, ऐतिहासिक, घटनात्मक उपन्यास; प्रेमचंद-युगीन हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास : प्रकृतवादी, व्यक्तिवादी, मनोविश्लेषणवादी, सामाजिक यथार्थवादी, ऐतिहासिक, पौराणिक, आंचलिक उपन्यास; आधुनिकता-बोध के उपन्यास, महिला उपन्यासकार

इकाई – 2 : हिन्दी कहानी की क्रमिक विकास-यात्रा और परिवर्तित स्वरूप : प्रारम्भिक कहानी, प्रेमचंद-पूर्व हिन्दी कहानी; प्रेमचंद-युग : हिन्दी कहानी का नवोन्मेष, प्रेमचंदोत्तर-युग में हिन्दी कहानी, नयी-कहानी, विविध कहानी आन्दोलन : साठोत्तरी-कहानी / समकालीन-कहानी / अ-कहानी, सचेतन-कहानी, सहज-कहानी, समान्तर-कहानी, जनवादी-कहानी, सक्रिय-कहानी; समकालीन कथाकार, महिला कहानीकार

खण्ड – 2 : गोदान

इकाई – 1 : महाकाव्यात्मक उपन्यास की दृष्टि से 'गोदान' का मूल्यांकन, 'गोदान' का कथा-शिल्प, 'गोदान' शीर्षक की सार्थकता

इकाई – 2 : 'गोदान' की पात्र-सृष्टि : ग्रामीण-पात्र बनाम नगरवासी-पात्र, पुरुष-पात्र बनाम स्त्री-पात्र, प्रमुख पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ, प्रेमचंद की नारी-दृष्टि

इकाई – 3 : 'गोदान': भारतीय कृषक की संघर्षमय जीवन-गाथा का जीवन्त दस्तावेज़ बनाम मध्यमवर्ग की समस्याओं का चित्रण

खण्ड – 3 : बाणभट्ट की आत्मकथा

इकाई – 1 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में इतिहास-बोध, सांस्कृतिक चेतना, इतिहास और कल्पना का मणिकांचन योग

इकाई – 2 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की आधुनिकता, 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का रचना-कौशल

इकाई – 3 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के नारी-पात्र और आचार्य द्विवेदी की उदात्त मूल्य-चेतना, निपुणिका की चरित-सृष्टि : रचनाकार की नारी मुक्ति की आकांक्षा

इकाई – 4 : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में निपुणिका और भट्टिनि के चरित्रों के आधार पर प्रेम-दर्शन

खण्ड – 4 : कहानी – 1

इकाई – 1 : उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

इकाई – 2 : कफ़न – प्रेमचंद

इकाई – 3 : पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
इकाई – 4 : पत्नी – जैनेन्द्रकुमार
इकाई – 5 : हीली-बोन् की बत्तखें – अज्ञेय
इकाई – 6 : रसप्रिया – फणीश्वरनाथ 'रेणु'
इकाई – 7 : परिन्दे – निर्मल वर्मा

खण्ड – 5 : कहानी – 2
इकाई – 1 : दोपहर का भोजन – अमरकान्त
इकाई – 2 : टूटना – राजेन्द्र यादव
इकाई – 3 : यही सच है – मन्नू भण्डारी
इकाई – 4 : वापसी – उषा प्रियंवदा
इकाई – 5 : बादलों के घेरे – कृष्णा सोबती
इकाई – 6 : अमृतसर आ गया है... – भीष्म साहनी
इकाई – 7 : मलबे का मालिक – मोहन राकेश

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :
01. गोदान – प्रेमचंद (चयनित अंश)
02. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारीप्रसाद द्विवेदी (चयनित अंश)
03. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
04. कफ़न – प्रेमचंद
05. पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
06. पत्नी – जैनेन्द्रकुमार
07. हीली-बोन् की बत्तखें – अज्ञेय
08. रसप्रिया – फणीश्वरनाथ रेणु
09. परिन्दे – निर्मल वर्मा
10. दोपहर का भोजन – अमरकान्त
11. टूटना – राजेन्द्र यादव
12. यही सच है – मन्नू भण्डारी
13. वापसी – उषा प्रियंवदा
14. बादलों के घेरे – कृष्णा सोबती
15. अमृतसर आ गया है... – भीष्म साहनी
16. मलबे का मालिक – मोहन राकेश

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 03
पाठ्यचर्या का शीर्षक : भारतीय काव्यशास्त्र

क्रेडिट – 4

खण्ड – 01 : काव्य का स्वरूप
- इकाई – 1 : काव्य-लक्षण
- इकाई – 2 : काव्य-हेतु
- इकाई – 3 : काव्य-प्रयोजन

खण्ड – 02 : काव्य के भेद
- इकाई – 1 : काव्य के भेद

खण्ड – 03 : शब्द-शक्तियाँ
- इकाई – 1 : शब्द-शक्तियाँ : अर्थ और भेद

खण्ड – 04 : अलंकार सिद्धान्त
- इकाई – 1 : अलंकारों का वर्गीकरण, मूल स्थापनाएँ और मूल्यांकन

खण्ड – 05 : गुण सिद्धान्त
- इकाई – 1 : गुण : स्वरूप-विवेचन, काव्य-गुण और मूल्यांकन

खण्ड – 06 : रीति सिद्धान्त
- इकाई – 1 : रीति : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- इकाई – 2 : रीति के भेद या प्रकार, रीति एवं शैली (स्टाइल)

खण्ड – 07 : वक्रोक्ति सिद्धान्त
- इकाई – 1 : वक्रोक्ति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- इकाई – 2 : वक्रोक्ति के भेद, वक्रोत्ति एवं अभिव्यंजनावाद

खण्ड – 08 : ध्वनि सिद्धान्त
- इकाई – 1 : ध्वनि का अर्थ, लक्षण और स्वरूप, काव्यात्मा के रूप में ध्वनि, ध्वनि तथा रस सिद्धान्त का सम्बन्ध
- इकाई – 2 : ध्वनि-काव्य और उसके भेद, गुणीभूत व्यंग्य और उसके भेद, अधम काव्य (चित्रकाव्य)

खण्ड – 09 : रस सिद्धान्त

इकाई – 1 : रस : अर्थ एवं परिभाषा, भाव : स्वरूप और महत्त्व, रस तथा भाव का सम्बन्ध, रस के अवयव, रस का स्वरूप

इकाई – 2 : भरत के रससूत्र की व्याख्या, रस-निष्पत्ति : उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद

इकाई – 3 : रस और साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

इकाई – 4 : काव्य की आत्मा और रस, रस की सुख-दुःखात्मकता

खण्ड – 10 : औचित्य सिद्धान्त

इकाई – 1 : औचित्य : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, औचित्य के भेद

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 04
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास – I

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1: हिन्दी साहित्य : इतिहास-लेखन

इकाई – 1 : साहित्य का इतिहास-दर्शन, आधारभूत सामग्री

इकाई – 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, इतिहास-लेखन की विभिन्न पद्धतियाँ, प्रमुख इतिहास-ग्रन्थ

इकाई – 3 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

इकाई – 4 : हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, पूर्वापर समय-सीमा निर्धारण एवं नामकरण

खण्ड – 2 : आदिकालीन हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : आदिकाल की पूर्वापर समय-सीमा निर्धारण, नाम-निर्धारण की समस्या एवं पृष्ठभूमि

इकाई – 2 : सिद्ध-नाथ एवं जैनादि कवियों की मानववादी विचारधारा एवं साहित्यिक अवदान

इकाई – 3 : रासो-काव्य-परम्परा, लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य

इकाई – 4 : आदिकालीन हिन्दी साहित्य की आधारसामग्री की साहित्यिकता, प्रामाणिकता तथा काव्य-भाषा

खण्ड – 3 : भक्ति-आन्दोलन का उदय, तत्त्व-दृष्टि एवं जीवन-दर्शन

इकाई – 1 : भक्ति-आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति-आन्दोलन और लोक-जागरण

इकाई – 2 : भक्ति-आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख सम्प्रदाय, प्रमुख आचार्य, आलवार सन्त

इकाई – 3 : भक्तिकाव्य का स्वरूप एवं भेद, निर्गुण-सगुण की अवधारणा, निर्गुण-सगुण का सम्बन्ध, साम्य-वैषम्य

इकाई – 4 : भक्त-कवियों की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक दृष्टि : नारी, वर्ण-व्यवस्था, जाति

इकाई – 5 : भक्तिकाव्य और लोक-जीवन, भक्तिकालीन काव्य-मूल्यों की प्रासंगिकता

खण्ड – 4 : हिन्दी निर्गुण-काव्य-परम्परा

इकाई – 1 : भारतीय धर्म साधना और हिन्दी सन्त काव्य, निर्गुण सन्तकवियों का अवदान

इकाई – 2 : सन्तकवियों की सामाजिक चेतना

इकाई – 3 : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य

इकाई – 4 : सूफी कवियों की लोक-संसक्ति, सांस्कृतिक-दृष्टि, सूफी साहित्य की भाषा, काव्य-रूप तथा छन्द-योजना

खण्ड – 5 : हिन्दी सगुणभक्ति-काव्य-परम्परा

इकाई – 1 : कृष्णभक्ति काव्य का दार्शनिक आधार, कृष्णभक्ति-काव्य-परम्परा, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, पुष्टिमार्ग

इकाई – 2 : रामभक्ति काव्य का वैचारिक आधार, रामभक्ति-काव्य-परम्परा, रसिक सम्प्रदाय

इकाई – 3 : तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य-रूप और उनका महत्त्व

इकाई – 4 : तुलसी के समाज-दर्शन की प्रासंगिकता

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 05
पाठ्यचर्या का शीर्षक : प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी : भाषिक स्वरूप एवं प्रयुक्तियाँ
- इकाई – 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी : तात्पर्य एवं विषयक्षेत्र
- इकाई – 2 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ
- इकाई – 3 : प्रशासनिक भाषा के रूप में खड़ीबोली का विकास
- इकाई – 4 : कार्यालयी हिन्दी : मसौदा एवं टिप्पणी लेखन
- इकाई – 5 : पारिभाषिक शब्दावली : आवश्यकता, सिद्धान्त, विकास

खण्ड – 2 : राजभाषा हिन्दी की सांविधिक स्थिति एवं व्यवहार
- इकाई – 1 : संविधान में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधान
- इकाई – 2 : राजभाषा अधिनियम 1963 एवं राजभाषा नियम 1976
- इकाई – 3 : भारत सरकार के राजभाषा सम्बन्धी अनुदेश
- इकाई – 4 : राजभाषा कार्यान्वयन के विविध पहलू

खण्ड – 3 : राजभाषा प्रबन्धन
- इकाई – 1 : राजभाषा कार्मिकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण
- इकाई – 2 : राजभाषा सम्बन्धी वार्षिक वित्त प्रबन्धन
- इकाई – 3 : राजभाषा सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन
- इकाई – 4 : कार्यान्वयन की समुचित रिपोर्टिंग प्रणाली

खण्ड – 4 : अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार
- इकाई – 1 : अनुवाद प्रक्रिया का सैद्धान्तिक स्वरूप
- इकाई – 2 : संप्रेषण में अनुवाद कला एवं कौशल की भूमिका
- इकाई – 3 : सांविधिक दस्तावेजों का अनुवाद : मुख्य ध्यातव्य बिन्दु
- इकाई – 4 : अनुवाद सम्बन्धी नवीनतम सुविधाओं का उपयोग

❖❖❖

प्रथम सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 06
पाठ्यचर्या का शीर्षक : लोक-साहित्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : लोक-साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई – 1 : लोक, लोकवार्ता और लोक-साहित्य, लोक-साहित्य और संस्कृति, लोकवार्ता के तत्त्व और लोक-मानस, लोक-साहित्य में समानान्तरता और प्रसार

इकाई – 2 : भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिन्दी लोक-साहित्य के विशिष्ट अध्येता, लोक-साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया, लोक-साहित्य संकलन

इकाई – 3 : लोक-साहित्य : लक्षण, परिभाषा और क्षेत्र, लोक-साहित्य और अन्य समाज-विज्ञान, हिन्दी के प्रारम्भिक साहित्य में लोकतत्त्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अन्तःसम्बन्ध

खण्ड – 2 : लोक-साहित्य के प्रमुख रूप : 1

इकाई – 1 : लोक-गीत : प्रतिपाद्य एवं महत्त्व, सामान्य प्रवृत्तियाँ और रूढ़ियाँ, लोकगीत एवं शिष्टगीत, लोकगीतों का वर्गीकरण : समस्या और समाधान, लोकगीतों के वर्गीकरण की परम्परा, लोकगीत के निर्माण तत्त्व, लोकगीतों में निरूपित संस्कृति, विभिन्न प्रकार के गीत यथा – संस्कार गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत आदि का परिचय, लोकगीतों में संगीत का विधान एवं वाद्य-यन्त्र, लोकगीतों के गाने में प्रयुक्त लोक-वाद्य, लोकगायक, लोकगायकों का वर्गीकरण, विशिष्ट लोक-धुनों का परिचय

इकाई – 2 : लोक-नाट्य : लक्षण-निर्धारण, नाट्यधर्मिताएँ, लोकनाट्यों का उद्‌भव एवं विकास, लोकनाट्य परम्परा एवं प्रविधि, लोकनाट्यों की विशेषताएँ, लोकमंच का स्वरूप और उसके उपादान, लोकनाट्यों की लोकप्रियता के कारण, लोकनाट्यों के प्रकार, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव, भारत के प्रसिद्ध लोकनाट्यों यथा – बहुरूप या नकल, नसीरा, भगत, रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, यक्षगान, भवाई, विदेसिया, माच, भांड, तमाशा, स्वाँग, नौटंकी, जात्रा, कथकली, ख्याल, तुर्राकलंगी, रम्मत आदि का परिचय

इकाई – 3 : लोक-नृत्य : परिभाषा, वैशिष्ट्य, उत्पत्ति, श्रेणी-विभाजन, भारतीय परम्परा, प्रस्तुतीकरण, भारत के प्रसिद्ध लोक-नृत्यों यथा – घूमर, अग्निनृत्य, चरीनृत्य, तेरातली, डांडिया-गेर, भांगड़ा, गिद्दा, बिहू, पिण्डवानी, गरबा, गवाल-सींग, डिंडी और काला आदि का परिचय

इकाई – 4 : लोकोत्सव : प्रतिपाद्य एवं महत्त्व, वर्गीकरण, लोकोत्सवों की लोकप्रियता के कारण, भारत के विशिष्ट लोकोत्सव यथा – गणगौर, रामनवमी, गुरुपूर्णिमा, रक्षाबन्धन, हरियाली तीज एवं कजली तीज, नागपंचमी, जन्माष्टमी, गणेशचतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा

अथवा विजयादशमी, दीपावली, भाईदूज, शिवरात्रि, मकरसंक्रान्ति, बसन्तपंचमी, होली आदि का परिचय

खण्ड – 3 : लोक-साहित्य के प्रमुख रूप : 2

इकाई – 1 : लोक-कथा : पुरातन परम्परा स्रोत, परिभाषा, लोक-कथाओं का शिल्प, विशेषताएँ, वर्गीकरण, फेबुल, व्रतकथा, परीकथा, लीजेण्ड, मिथ : पौराणिक कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय, छोगे एवं बात बणाव आदि, लोककथा कथन में कथक्कड़ की भूमिका

इकाई – 2 : लोक-गाथा : परिभाषा, विशेषताएँ, उत्पत्ति, श्रेणी-विभाजन, भारतीय परम्परा, प्रस्तुतीकरण, भारत की प्रसिद्ध लोक-गाथाओं यथा – ढोला-मारू, भरथरी, लोरिकायन, नल-दमयन्ती, लैला-मझनूँ, हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल, बगडावत, आल्हा, हरदौल, पाबूजी री पड़, वीर तेजा आदि का परिचय

इकाई – 3 : प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्ति – परम्परा, उद्‌भव और विकास, लक्षण, परिभाषा एवं वर्गीकरण, मुहावरे – मुहावरों और लोकोक्तियों का अन्तर, मुहावरों के प्रकार, लोकोक्तियों और मुहावरों में लोकसंस्कृति का प्रतिबिम्ब, पहेलियाँ – उद्‌भव और विकास, परम्परा, वर्गीकरण, लघुगीत

इकाई – 4 : लोक कलाएँ : प्रतिपाद्य एवं महत्त्व, लोक-कला की शिल्प-कलाएँ, विशेषताएँ, वर्गीकरण, भारत की प्रसिद्ध लोक-कलाओं यथा – माँडणा, मेहँदी, पटचित्र, भित्तिचित्र आदि का परिचय

खण्ड – 4 : हिन्दी का लोक-साहित्य

इकाई – 1 : हिन्दी के लोक-साहित्य का इतिहास, विभिन्न जनपदीय बोलियाँ यथा – राजस्थानी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, हरियाणवी, खड़ीबोली, कुमाऊँनी, गढ़वाली, छत्तीसगढ़ी, बघेली, मालवी, कन्नौजी और लोक-साहित्य

इकाई – 2 : हिन्दी-लोक-साहित्य के अग्रणी विद्वानों यथा – संकलन-संग्रह करने वाले विद्वान, अध्ययन की प्रेरणा देने वाले विद्वान एवं अनुसंधान करने वाले विद्वान आदि के कार्यों की समीक्षा, हिन्दी-प्रदेश का लोक-साहित्य : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ

इकाई – 3 : हिन्दी की विभिन्न जनपदीय बोलियाँ यथा – राजस्थानी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, हरियाणवी, खड़ीबोली, कुमाऊँनी, गढ़वाली, छत्तीसगढ़ी, बघेली, मालवी, कन्नौजी आदि के लोक-साहित्य का लोक-गीत, लोकनाट्य, लोक-नृत्य, लोकोत्सव, लोककथा, लोकगाथा, प्रकीर्ण साहित्य, लोक कलाओं आदि प्रमुख रूपों के अन्तर्गत परिचय

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 07
पाठ्यचर्या का शीर्षक : मध्यकालीन हिन्दी काव्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी निर्गुण-काव्य

इकाई – 1 : निर्गुण सन्त-काव्य में निर्गुण ब्रह्म का स्वरूप, सद्‌गुरु का महत्त्व और माया सम्बन्धी विचार
इकाई – 2 : निर्गुण सन्तकवियों की विचार चेतना और उसकी प्रासंगिकता
इकाई – 3 : कबीर की रहस्यवादी चेतना का स्वरूप
इकाई – 4 : जायसी के काव्य में रहस्यवाद, विरह-वर्णन, प्रेम-व्यंजना, सौन्दर्यदृष्टि
इकाई – 5 : 'पद्‌मावत' में रूपकतत्त्व एवं लोकतत्त्व का निर्वहन

खण्ड – 2 : हिन्दी सगुणभक्ति-काव्य

इकाई – 1 : भ्रमरगीत परम्परा में सूर की मौलिक उद्‌भावना
इकाई – 2 : भ्रमरगीत का काव्य-सौष्ठव, भाव-सौन्दर्य, वाग्वैभव तथा विरह-वर्णन
इकाई – 3 : तुलसी के राम का स्वरूप, कबीर के राम और तुलसी के राम में साम्य-वैषम्य
इकाई – 4 : 'मानस' का महाकाव्यत्व, 'मानस' में सौन्दर्यतत्त्व, 'मानस' का वैशिष्ट्य
इकाई – 5 : 'अयोध्याकाण्ड' में भक्ति का स्वरूप, 'चित्रकूट सभा' का वैशिष्ट्य

खण्ड – 3 : रीतिबद्ध एवं रीतिसिद्ध काव्य

इकाई – 1 : केशव का आचार्यत्व, केशव का संवाद-सौष्ठव, केशव की हृदयहीनता
इकाई – 2 : 'रामचन्द्रिका' का महाकाव्यत्व
इकाई – 3 : बिहारी : मुक्तक कवि की दृष्टि से
इकाई – 4 : बिहारी की बहुज्ञता : लोकसम्बन्धी एवं विविध शास्त्रसम्बन्धी ज्ञान
इकाई – 5 : बिहारी सतसई में शृंगार निरूपण, नख-शिख वर्णन

खण्ड – 4 : रीतीतर एवं रीतिमुक्त काव्य

इकाई – 1 : सन्तकवि सुन्दरदास की भक्ति-भावना, सुन्दरदास और लोकधर्म
इकाई – 2 : सुन्दरदास की बहुज्ञता, सुन्दरदास का काव्यकलागत वैशिष्ट्य
इकाई – 3 : भूषण के काव्य में युग-बोध; भूषण की राष्ट्रीय भावना; भूषण : एक जातीय कवि अथवा राष्ट्रीय कवि
इकाई – 4 : घनानन्द की प्रेमानुभूति, विरहानुभूति, भगवद्‌भक्ति
इकाई – 5 : घनानन्द का भाषा-सौष्ठव

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

1. कबीर (चयनित साखी तथा पद)

2. पद्मावत – मलिक मुहम्मद जायसी (नागमती वियोग खण्ड)
3. भ्रमरगीत – सूरदास (चयनित पद)
4. रामचरितमानस – तुलसीदास (अयोध्याकाण्ड – चयनित अंश)
5. रामचन्द्रिका – केशवदास (सोलहवाँ प्रकाश – रावण-अंगद-संवाद)
6. बिहारी (चयनित दोहा)
7. सुन्दर-विलास – सुन्दरदास (उपदेश चितावनी कौ अंग)
8. भूषण (चयनित छन्द)
9. घनानन्द (चयनित छन्द)

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 08
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी नाटक साहित्य

इकाई – 1 : नाटक का स्वरूप, नाटक के तत्त्व, नाटक के प्रकार

इकाई – 2 : नाटक का उद्‌भव एवं विकास : भारतेन्दु-पूर्व युग, भारतेन्दु युग, संक्रान्ति युग, अनूदित नाटक, प्रसादयुगीन नाटक, प्रसादोत्तर नाटक, समकालीन नाटककार, महिला नाटककार

इकाई – 3 : एकांकी नाटक का स्वरूप और क्रमिक विकास

इकाई – 4 : गीतिनाट्य : स्वरूप और परम्परा, प्रमुख गीतिनाट्य

इकाई – 5 : नुक्कड़ नाटक : स्वरूप, सम्प्रेषण की तीव्रता, प्रमुख नुक्कड़ नाटक

खण्ड – 2 : रंगमंच : एक प्रदर्शनकारी कला

इकाई – 1 : रंगमंच की परिकल्पना, व्याख्या, प्रकृति तथा स्वरूप : परिचयात्मक पाठ

इकाई – 2 : प्रदर्शन की विविध इकाइयाँ : मंचन, प्रदर्शन, प्रस्तुति आदि

इकाई – 3 : नाट्य-लेखन की समीक्षा

इकाई – 4 : भरत के नाट्यशास्त्र में वर्णित अभिनय

खण्ड – 3 : अन्धेर नगरी

इकाई – 1 : 'अन्धेर नगरी' में व्यंग्य-विधान

इकाई – 2 : 'अन्धेर नगरी' की प्रासंगिकता

इकाई – 3 : रंगमंच की दृष्टि से 'अन्धेरनगरी'

इकाई – 4 : 'अन्धेर नगरी' का भाषा-शिल्प

खण्ड – 4 : चन्द्रगुप्त

इकाई – 1 : प्रसाद की नाट्यकला और 'चन्द्रगुप्त' नाटक

इकाई – 2 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक में अभिव्यक्त सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना

इकाई – 3 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक में 'अन्तर्द्वन्द्व' का महत्त्व

इकाई – 4 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक की पात्र-संयोजना एवं प्रमुख पात्रों का चारित्रिक वैशिष्ट्य

इकाई – 5 : 'चन्द्रगुप्त' नाटक का भाषा-शिल्प

खण्ड – 5 : अन्धा युग

इकाई – 1 : मिथकीय आख्यान का पुनर्सृजन

इकाई – 2 : 'अन्धा युग' में चरित्र-सृष्टि

इकाई – 3 : नाट्य-शिल्प, प्रयोगधर्मिता और नाट्यभाषा की दृष्टि से नाटक का वैशिष्ट्य

इकाई – 4 : शीर्षक की सार्थकता एवं 'अन्धा युग' का प्रतिपाद्य

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

1. अन्धेर नगरी चौपट्ट राजा – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. चन्द्रगुप्त – जयशंकर 'प्रसाद' (चयनित अंश)
3. अन्धा युग – धर्मवीर भारती (चौथा अंक – गान्धारी का शाप)

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 09
पाठ्यचर्या का शीर्षक : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : प्रमुख विचारक – 1
- इकाई – 1 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक अरस्तू
- इकाई – 2 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक लोंजाइनस
- इकाई – 3 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक विलियम वर्ड्सवर्थ
- इकाई – 4 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक सैम्युअल टेलर कॉलरिज

खण्ड – 2 : प्रमुख विचारक – 2
- इकाई – 1 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक मैथ्यू आर्नल्ड
- इकाई – 2 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक बेनेदितो क्रोचे
- इकाई – 3 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक टी. एस. एलियट
- इकाई – 4 : काव्यशास्त्र के पाश्चात्य विचारक आई. ए. रिचर्ड्स

खण्ड – 3 : सिद्धान्त और वाद
- इकाई – 1 : स्वच्छन्दतावाद
- इकाई – 2 : मार्क्सवाद
- इकाई – 3 : मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद
- इकाई – 4 : रूपवाद

खण्ड – 4 : आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ
- इकाई – 1 : संरचनावाद
- इकाई – 2 : शैलीविज्ञान
- इकाई – 3 : उत्तर-आधुनिकतावाद
- इकाई – 4 : विखण्डनवाद

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 10
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास – II

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : रीतिकालीन हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : नामकरण की समस्या, विभिन्न मत, नाम-निर्धारण, रीतिकालीन परिस्थितियाँ एवं परिवेश

इकाई – 2 : रीतिकालीन काव्य का स्वरूप

इकाई – 3 : काव्यानुभूति के विविध आयाम : शृंगार-वर्णन, नायिका-भेद, सौन्दर्य-बोध, प्रकृति-चित्रण

इकाई – 4 : अभिव्यंजना शिल्प : भाषा, शैली, रस, छन्द, अलंकार आदि काव्यांग

खण्ड – 2 : आधुनिक काल : पूर्वपीठिका

इकाई – 1 : आधुनिकता की अवधारणा, आधुनिकता से अभिप्राय, नामकरण

इकाई – 2 : सांस्कृतिक चेतना और नवजागरण, नवजागरण की अवधारणा, परिस्थितियाँ

इकाई – 3 : हिन्दी कविता और आधुनिकता ; हिन्दी कविता की भाषा : ब्रजभाषा बनाम खड़ीबोली, रीतिकाल का विरोध

इकाई – 4 : हिन्दी गद्य का विकास, दक्षिणी हिन्दी, उत्तर भारत में हिन्दी गद्य, खड़ी बोली गद्य और फोर्ट विलियम कॉलेज

खण्ड – 3 : पुनर्जागरण, नवजागरण और स्वच्छन्दता

इकाई – 1 : सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा भारतेन्दु और उनका मण्डल

इकाई – 2 : भारतेन्दुयुगीन नाटक, काव्य, निबन्ध, साहित्यिक पत्रकारिता और अन्य गद्य-विधाएँ

इकाई – 3 : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, जागरण-सुधार, हिन्दी प्रचार कार्य, हिन्दी पाठकों में वृद्धि

इकाई – 4 : द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता की ऐतिहासिक भूमिका, द्विवेदीयुगीन कथा-साहित्य, साहित्यिक पत्रकारिता और 'सरस्वती' पत्रिका का योगदान, नवजागरण के सन्दर्भ में 'सरस्वती' पत्रिका का अवदान, विविध विषयपरक अनूदित साहित्य और अन्य गद्य-विधाएँ, हिन्दी आलोचना का आरम्भिक विकास

खण्ड – 4 : छायावाद युग : छायावादी काव्य और उसके समानान्तर विकसित गद्य-साहित्य

इकाई – 1 : छायावाद की पृष्ठभूमि, नामकरण, छायावाद के कवि और उनका काव्य

इकाई – 2 : छायावादी युग की अन्य काव्यधाराएँ, राष्ट्रीय कविता, प्रेम-व्यंजना एवं काव्य का विचलन

इकाई – 3 : प्रेमचंद और हिन्दी कथा-साहित्य

इकाई – 4 : प्रसाद और उनके समकालीन नाटककार

इकाई – 5 : शुक्लयुगीन आलोचना, निबन्ध और अन्य गद्य-विधाएँ

खण्ड – 5 : छायावादोत्तर युग और स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

इकाई – 1 : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

इकाई – 2 : प्रेमचन्दोत्तर कथा-साहित्य, प्रसादोत्तर नाटक और एकांकी, शुक्लोत्तर आलोचना, निबन्ध और अन्य गद्य-विधाएँ

इकाई – 3 : नयी कविता, साठोत्तरी कविता आन्दोलन, समकालीन कविता, नवगीत, हिन्दी ग़ज़ल

इकाई – 4 : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास, कहानी, आलोचना, नाटक, एकांकी, निबन्ध और अन्य गद्य-विधाएँ

इकाई – 5 : प्रवासी भारतीयों का हिन्दी लेखन

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 11
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी पत्रकारिता

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार
- इकाई – 1 : भारतीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- इकाई – 2 : हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम : लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्टिंग, सम्पादन
- इकाई – 3 : हिन्दी पत्रकारिता की भाषा का क्रमिक विकास
- इकाई – 4 : पत्रकारिता-केन्द्रित साहित्य
- इकाई – 5 : हिन्दी और आंचलिक पत्रकारिता

खण्ड – 2 : हिन्दी पत्रकारिता का उदय और विकास
- इकाई – 1 : उद्‌बोधन काल
- इकाई – 2 : स्वातन्त्र्य संघर्ष काल
- इकाई – 3 : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता

खण्ड – 3 : हिन्दी पत्रकारिता का विस्तार
- इकाई – 1 : हिन्दीभाषी राज्यों में हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 2 : गैर-हिन्दीभाषी राज्यों में हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 3 : वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी पत्रकारिता

खण्ड – 4 : जनमाध्यम और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 1 : रेडियो और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 2 : टेलीविजन और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 3 : सिनेमा और हिन्दी पत्रकारिता
- इकाई – 4 : नव जनमाध्यम और हिन्दी पत्रकारिता (ऑन-लाइन पत्रकारिता, हिन्दी ब्लॉग, हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ, हिन्दी ई-पोर्टल, हिन्दी वेबसाइट्स तथा हिन्दी विकीपीडिया के सन्दर्भ में)

खण्ड – 5 : हिन्दी पत्रकारिता के गौरव और उनका अवदान
- इकाई – 1 : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मदनमोहन मालवीय, महावीरप्रसाद द्विवेदी, युगल किशोर सुकुल, बालमुकुन्द गुप्त
- इकाई – 2 : बाबूराव विष्णु पराडकर, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', प्रेमचंद, स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय
- इकाई – 3 : माखनलाल चतुर्वेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, बनारसीदास चतुर्वेदी, प्रभाष जोशी

❖❖❖

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – II

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 12

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : कंप्यूटर और हिन्दी

इकाई – 1 : कंप्यूटर में हिन्दी का आरम्भ और विकास

इकाई – 2 : कंप्यूटर और हिन्दी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

इकाई – 3 : कंप्यूटर में हिन्दी के विभिन्न प्रयोग

इकाई – 4 : हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर्स

खण्ड – 2 : हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी

इकाई – 1 : हिन्दी फ़ॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात्

इकाई – 2 : हिन्दी कुंजीपटल का स्वरूप एवं विकास

इकाई – 3 : हिन्दी के विभिन्न कुंजीपटलों के सन्दर्भ में एम.एस. ऑफिस का अध्ययन, हिन्दी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेजमेकर में कार्य

खण्ड – 3 : कंप्यूटर पर हिन्दी लेखन एवं प्रकाशन

इकाई – 1 : हिन्दी वेब डिज़ाइनिंग, हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी ई-पोर्टल और हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ : विषयवस्तु एवं भाषिक विश्लेषण

इकाई – 2 : इंटरनेट पर सामग्री सृजन, हिन्दी ब्लॉग लेखन-प्रकाशन, इनकोडिंग, फाइल शेयरिंग, फाइल कन्वर्ज़न, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, यू-ट्यूब

इकाई – 3 : हिन्दी विकिपीडिया लेखन और उसकी विकास-प्रक्रिया का अध्ययन

इकाई – 4 : हिन्दी लेखन एवं वेब प्रकाशन के आवश्यक उपकरण : वर्ड प्रोसेसिंग, डेटा प्रोसेसिंग, फ़ॉण्ट प्रबन्धन, विविध तकनीक

खण्ड – 4 : कंप्यूटर-कृत हिन्दी भाषा की उपादेयता

इकाई – 1 : हिन्दी भाषा-शिक्षण और ई-लर्निंग, ई-पाठशाला

इकाई – 2 : हिन्दी भाषा और ई-गवर्नेंस, साइबर क़ानून

इकाई – 3 : राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कंप्यूटर-कृत हिन्दी भाषा की भूमिका

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 13
पाठ्यचर्या का शीर्षक : आधुनिककालीन हिन्दी काव्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी नवजागरण काव्य

इकाई – 1 : भारतेन्दु के काव्य में पुनर्जागरण की चेतना का स्वरूप, राष्ट्रीय भावना, सामाजिक चेतना, निजभाषा प्रेम, नवीन भाषा एवं विविध काव्य-विधाओं का सूत्रपात, 'देखी तुमरी कासी' में अभिव्यक्त समाज

इकाई – 2 : द्विवेदीयुगीन कविता की ऐतिहासिक भूमिका, राष्ट्रीयता की भावना, सामाजिकता, श्रीधर पाठक का काव्यगत वैशिष्ट्य

इकाई – 3 : 'हरिऔध' का काव्य-शिल्प, 'प्रियप्रवास' का सामयिक सन्दर्भ, विश्वप्रेम

इकाई – 4 : मैथिलीशरण गुप्त का काव्य-शिल्प, गुप्त के काव्य में युगीन परिवेश, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय भावना, 'साकेत' में उर्मिला की विरह-भावना, 'साकेत' में लोक-कल्याण की भावना

इकाई – 5 : रामनरेश त्रिपाठी का काव्यगत वैशिष्ट्य, 'पथिक' का सन्देश

खण्ड – 2 : छायावादी काव्य

इकाई – 1 : 'कामायनी' में निहित आधुनिक सन्दर्भ, दर्शन, परम्परा और आधुनिकता, कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपकतत्त्व, प्रसाद की सौन्दर्य चेतना, समरसतावादी दृष्टि

इकाई – 2 : लम्बी कविता के रूपबंध की दृष्टि से 'राम की शक्तिपूजा', मानवीय चेतना का काव्य, आत्मसंघर्ष का कथ्य, प्रासंगिकता

इकाई – 3 : पन्त की काव्य-कला, पन्त की सौन्दर्य चेतना

इकाई – 4 : महादेवी का गीति सौष्ठव, विरहानुभूति, 'दीपक' का प्रतीकार्थ

खण्ड – 3 : छायावादोत्तर काव्य

इकाई – 1 : प्रगतिशीलता की अवधारणा, प्रगतिवाद का मूल भाव, प्रगतिवादी साहित्य का वैचारिक आधार

इकाई – 2 : प्रगतिशील कवियों की जनवादी चेतना, सामाजिक चेतना

इकाई – 3 : रामधारीसिंह दिनकर के काव्य में निहित राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना

इकाई – 4 : केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में अभिव्यक्त किसान संवेदना, काव्य-शिल्प

इकाई – 5 : नागार्जुन की कविता में अभिव्यक्त लोकदृष्टि, नागार्जुन के काव्य का रचना-विधान, संवेदना के रूप

खण्ड – 4 : प्रयोगवादी काव्य और नयी कविता

इकाई – 1 : प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की काव्य-दृष्टि का अन्तर, नये पथ के अन्वेषण की भावना, नये शिल्प का प्रयोग, प्रयोगवाद और नकेनवाद का अन्तर, नयी कविता की काव्य-भाषा का नयापन, लघु मानव की प्रतिष्ठा

इकाई – 2 : 'असाध्य वीणा' का मूल प्रतिपाद्य, अज्ञेय के काव्य में आधुनिक भावबोध, काव्य-भाषा और काव्य-शिल्प

इकाई – 3 : 'अँधेरे में' कविता का मूल प्रतिपाद्य, मुक्तिबोध और फैंटेसी, मुक्तिबोध का काव्य-शिल्प, मुक्तिबोध का जीवन-दर्शन

इकाई – 4 : रघुवीर सहाय की राजनैतिक चेतना, रघुवीर सहाय का भाषा-शिल्प

इकाई – 5 : मिथकीय चेतना और नयी कविता, कुँवर नारायण की मिथकीय चेतना

इकाई – 6 : केदारनाथ सिंह की कविताओं का कथ्य, बिम्ब-विधान, बिम्ब और प्रतीक का अन्तर

खण्ड – 5 : समकालीन हिन्दी कविता

इकाई – 1 : साठोत्तरी कविता आन्दोलन : विद्रोही पीढ़ी, अ-कविता, बीट पीढ़ी, युयुत्सावादी कविता, श्मशानी कविता, वाम कविता, सहज कविता, विचार कविता

इकाई – 2 : समकालीन हिन्दी कविता, काव्य-दृष्टि, काल संसक्ति, लोक संसक्ति, आधुनिकता और समकालीनता का अन्तर

इकाई – 3 : नवगीत : अर्थ एवं महत्त्व, हिन्दी नवगीत परम्परा, प्रमुख नवगीतकार

इकाई – 4 : ग़ज़ल का मिज़ाज, भाषिक वैशिष्ट्य, हिन्दी ग़ज़ल परम्परा, प्रमुख ग़ज़लकार

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. प्रेमजोगिनी नाटिका – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, (प्रथम अंक : दूसरा गर्भांक – देखी तुमरी कासी)
02. देश-गीत, सुन्दर भारत, स्वदेश-विज्ञान – श्रीधर पाठक
03. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (सप्तदश सर्ग)
04. साकेत – मैथिलीशरण गुप्त (नवम सर्ग – चयनित अंश)
05. पथिक – रामनरेश त्रिपाठी (दूसरा सर्ग)
06. कामायनी – जयशंकर प्रसाद (चिन्ता, श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
07. राम की शक्ति-पूजा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
08. परिवर्तन – सुमित्रानन्दन पन्त
09. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुःख की बदली – महादेवी वर्मा
10. मंगल-आह्वान, हिमालय – रामधारी सिंह 'दिनकर'
11. गाँव का महाजन, पैतृक सम्पत्ति, वह चिड़िया जो – केदारनाथ अग्रवाल
12. अन्न-पचीसी, पुरानी जूतियों का कोरस – नागार्जुन
13. असाध्य वीणा – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
14. अँधेरे में – गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
15. आत्महत्या के विरुद्ध, एक समय था, अनाज के इस्तेमाल – रघुवीर सहाय
16. नचिकेता, उपसंहार, चक्रव्यूह – कुँवर नारायण
17. पानी की प्रार्थना, लुखरी, चींटियों की रुलाई – केदारनाथ सिंह

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 14
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी आलोचना

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : आलोचना की सैद्धान्तिकी और विकास
- इकाई – 1 : आलोचना का स्वरूप
- इकाई – 2 : आलोचना का विकास: भारतेन्दुयुगीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना
- इकाई – 3 : शुक्लयुगीन आलोचना
- इकाई – 4 : शुक्लोत्तरयुगीन आलोचना

खण्ड – 2 : प्रमुख आलोचक
- इकाई – 1 : रामचन्द्र शुक्ल
- इकाई – 2 : नन्ददुलारे वाजपेयी
- इकाई – 3 : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- इकाई – 4 : रामविलास शर्मा

खण्ड – 3 : कवि आलोचक
- इकाई – 1 : कवि आलोचक जयशंकर प्रसाद
- इकाई – 2 : कवि आलोचक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- इकाई – 3 : कवि आलोचक गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
- इकाई – 4 : कवि आलोचक विजयदेवनारायण साही

खण्ड – 4 : कवि आचार्य शिक्षण परम्परा
- इकाई – 1 : कवि आचार्य केशवदास
- इकाई – 2 : कवि आचार्य चिन्तामणि
- इकाई – 3 : कवि आचार्य देव
- इकाई – 4 : कवि आचार्य भिखारीदास

खण्ड – 5 : हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- इकाई – 1 : व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक
- इकाई – 2 : तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी
- इकाई – 3 : सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय
- इकाई – 4 : मार्क्सवादी एवं प्रगतिशील आलोचना

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 15
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : हिन्दी भाषा का विकास : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इकाई – 1 : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
इकाई – 2 : मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
इकाई – 3 : आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण

खण्ड – 2 : हिन्दी भाषा-समुदाय

इकाई – 1 : हिन्दी शब्द का अर्थ और प्रयोग
इकाई – 2 : हिन्दी भाषा-समुदाय का वर्गीकरण
इकाई – 3 : भाषा-समुदाय – प्रथम वर्ग (हिन्दी की उपभाषाएँ) : राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी भाषाएँ
इकाई – 4 : भाषा-समुदाय – द्वितीय वर्ग (हिन्दी की बोलियाँ) : पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर, पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ – खड़ीबोली, बांगरू, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बुन्देली का परिचय, पूर्वी हिन्दी की बोलियाँ – अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी का परिचय)
इकाई – 5 : भाषा-समुदाय – तृतीय वर्ग (हिन्दी की विभाषाएँ) : हिन्दवी, दक्खिनी हिन्दी, रेख़्ता, उर्दू, हिन्दुस्तानी

खण्ड – 3 : हिन्दी की भाषा संरचना

इकाई – 1 : हिन्दी ध्वनियों का निरूपण : उच्चारण अवयव, ध्वनियों का वर्गीकरण, सन्धि तथा उसके भेद-प्रभेद
इकाई – 2 : हिन्दी शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, उपसर्ग और परसर्ग में अन्तर
इकाई – 3 : व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर हिन्दी शब्द वर्ग : (i) विकारी शब्द – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया (ii) अविकारी शब्द – क्रिया विशेषण, सम्बन्धबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक तथा निपात
इकाई – 4 : भाषा संरचना की व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, कारक, काल, पक्ष, वृत्ति तथा वाच्य
इकाई – 5 : हिन्दी वाक्य-रचना : वाक्य के प्रकार, उपवाक्य, उपवाक्य के प्रकार, पदक्रम और अन्विति

खण्ड – 4 : हिन्दी के विविध रूप

इकाई – 1 : भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी
इकाई – 2 : माध्यम भाषा, संचार भाषा
इकाई – 3 : हिन्दी का आधुनिक विकास और सांवैधानिक स्थिति
इकाई – 4 : हिन्दी का वैश्विक रूप

खण्ड – 5 : लिपि का उदय और विकास

इकाई – 1 : लिपि का विकास

इकाई – 2 : भारतीय लिपियाँ और देवनागरी लिपि

इकाई – 3 : देवनागरी लिपि : नामकरण के आधार, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

इकाई – 4 : देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानकीकरण

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 16
पाठ्यचर्या का शीर्षक : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : भारतीय साहित्य की अवधारणा

इकाई – 1 : भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य का इतिहास, आधुनिक भारतीय साहित्य : प्रवृत्त्यात्मक परिचय

इकाई – 2 : भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई – 3 : भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब

इकाई – 4 : भारतीयता का समाजशास्त्र

खण्ड – 2 : काव्य

इकाई – 1 : उर्दू : किया तुझ इश्क़ ने ज़ालिम ख़राब आहिस्ता आहिस्ता, सरोदे ऐश गावें हम अगर वो इश्वासाज़ आवे – वली दक्कनी

इकाई – 2 : बांग्ला : ब्राह्मण, भारत तीर्थ, धूलि-मन्दिर – रवीन्द्रनाथ टैगोर

इकाई – 3 : तमिल : रे विदेशियो ! भेद न हममें, सब शत्रुभाव मिट जाएँगे – सुब्रह्मण्यम् भारती

इकाई – 4 : पंजाबी : सबसे ख़तरनाक, मेरी बुलबुल – पाश

इकाई – 5 : संताली : क्या तुम जानते हो, बिटिया मुर्मू के लिए, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा ! – निर्मला पुतुल

खण्ड – 3 : उपन्यास

इकाई – 1 : मलयालम : मछुआरे – तकषि शिवशंकर पिल्लै

इकाई – 2 : ओड़िया : महामोह – प्रतिभा राय

खण्ड – 4 : नाटक

इकाई – 1 : मराठी : खामोश ! अदालत जारी है – विजय तेंडुलकर

इकाई – 2 : कन्नड़ : तुग़लक – गिरीश कार्नाड

खण्ड – 5 : कहानी

इकाई – 1 : बांग्ला : काबुलीवाला – रवीन्द्रनाथ टैगोर

इकाई – 2 : उर्दू : टोबा टेकसिंह – सआदत हसन मंटो

इकाई – 3 : राजस्थानी : दुविधा – विजयदान देथा

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. किया तुझ इश्क़ ने ज़ालिम ख़राब आहिस्ता आहिस्ता, सरोदे ऐश गावें हम अगर वो इश्वासाज़ आवे – वली दक्कनी

02. ब्राह्मण, भारत तीर्थ, धूलि-मन्दिर – रवीन्द्रनाथ टैगोर
03. रे विदेशियो ! भेद न हममें, सब शत्रुभाव मिट जाएँगे – सुब्रह्मण्यम् भारती
04. सबसे ख़तरनाक, मेरी बुलबुल – पाश
05. क्या तुम जानते हो, बिटिया मुर्मू के लिए, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा ! – निर्मला पुतुल
06. मछुआरे – तकषि़ शिवशंकर पिल्लै (चयनित अंश)
07. महामोह – प्रतिभा राय (चयनित अंश)
08. ख़ामोश ! अदालत जारी है – विजय तेंडुलकर (चयनित अंश)
09. तुग़लक – गिरीश कार्नाड (चयनित अंश)
10. काबुलीवाला – रवीन्द्रनाथ टैगोर
11. टोबा टेकसिंह – सआदत हसन मंटो
12. दुविधा – विजयदान देथा

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 17
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी भाषा एवं भाषा-शिक्षण

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : भाषा और भाषा-शिक्षण
- इकाई – 1 : भाषा : अवधारणा और स्वरूप
- इकाई – 2 : भाषा-शिक्षण की अवधारणा
- इकाई – 3 : पाठ्यक्रम की प्रकृति, निर्धारण और उसका विकास
- इकाई – 4 : भाषा मूल्यांकन और परीक्षण

खण्ड – 2 : हिन्दी भाषा-संरचना
- इकाई – 1 : ध्वनि संरचना
- इकाई – 2 : शब्द संरचना
- इकाई – 3 : रूप संरचना
- इकाई – 4 : वाक्य संरचना

खण्ड – 3 : भाषा-शिक्षण : प्रविधि और अधिगम
- इकाई – 1 : भाषा-शिक्षण विधियाँ
- इकाई – 2 : उत्तरसंरचना विधियाँ
- इकाई – 3 : भाषा-शिक्षण में कंप्यूटर और मल्टीमीडिया का अनुप्रयोग
- इकाई – 4 : ऑन-लाइन भाषा-शिक्षण

खण्ड – 4 : हिन्दी भाषा-शिक्षण (मातृभाषा और अन्य भाषा के सन्दर्भ में)
- इकाई – 1 : वाचन और लेखन
- इकाई – 2 : हिन्दी श्रवण और भाषण-क्षमता का विकास
- इकाई – 3 : शब्दावली और व्याकरण
- इकाई – 4 : साहित्य-शिक्षण

❖❖❖

तृतीय सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 18
पाठ्यचर्या का शीर्षक : सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : सृजनात्मक लेखन के सामान्य नियम
- इकाई – 1 : सृजनात्मक लेखन : अर्थ, क्षेत्र और महत्त्व
- इकाई – 2 : रचना प्रक्रिया
- इकाई – 3 : रचना का उद्देश्य : स्वरूप की प्राप्ति
- इकाई – 4 : विषयवस्तु का निर्धारण

खण्ड – 2 : सृजनात्मकता के सामाजिक-दार्शनिक आधार
- इकाई – 1 : लेखक की सामाजिक पृष्ठभूमि और दार्शनिक विचार
- इकाई – 2 : लेखक के सामाजिक सरोकार
- इकाई – 3 : सृजनात्मकता में राजनैतिक विचारों का महत्त्व
- इकाई – 4 : लेखकीय मनोविज्ञान

खण्ड – 3 : फ़ीचर लेखन
- इकाई – 1 : फ़ीचर लेखन : परिचय, अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व
- इकाई – 2 : संचार माध्यम और विभिन्न विषयों पर फ़ीचर लेखन
- इकाई – 3 : रिपोर्ताज : अर्थ एवं स्वरूप
- इकाई – 4 : रेडियो लेखन, वार्ता लेखन, पटकथा लेखन, कविता लेखन

खण्ड – 4 : हिन्दी सृजनात्मक लेखन में नवाचार
- इकाई – 1 : समकालीन पॉपुलर साहित्य : परिचय एवं प्रकार
- इकाई – 2 : लप्रेक एवं यूनी कवि : परिचय एवं वैशिष्ट्य
- इकाई – 3 : गैर कथात्मक लेखन और नवाचार
- इकाई – 4 : सृजनात्मक लेखन से सम्बन्धित प्रमुख ब्लॉग : परिचय एवं वैशिष्ट्य

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 19
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : नीति और नीतिकाव्य : अवधारणा एवं सैद्धान्तिकी

इकाई – 1 : 'नीति' और 'नीतिकाव्य' : अवधारणा एवं स्वरूप, नीति के प्रकार, नीतिकाव्य : काव्यत्व विषयक मत, नीतिकाव्य का प्रयोजन, पद्य, सूक्ति और काव्य में भेद

इकाई – 2 : मूल्य चेतना : अवधारणा एवं स्वरूप, मूल्य और जीवन-मूल्य, जीवन-मूल्य विषयक भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण, विविध पक्ष

इकाई – 3 : नीतिकाव्य की परम्परा : वैदिक साहित्य, संस्कृत साहित्य, पालि साहित्य, प्राकृत साहित्य, अपभ्रंश साहित्य, आदिकालीन साहित्य, भक्तिकालीन साहित्य, रीतिकालीन साहित्य में नीति और मूल्य चेतना

खण्ड – 2 : सन्तकवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : कबीर

इकाई – 2 : रज्जब

इकाई – 3 : सुन्दरदास

खण्ड – 3 : भक्तकवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : तुलसीदास

इकाई – 2 : रहीम

खण्ड – 4 : रीतिकालीन कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : बिहारीलाल

इकाई – 2 : वृन्द

इकाई – 3 : घाघ-भड्डरी

इकाई – 4 : गिरिधर कविराय

इकाई – 5 : दीनदयाल गिरि

खण्ड – 5 : अन्य कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना

इकाई – 1 : रैदास (रविदास)

इकाई – 2 : नानक, रसखानि

इकाई – 3 : जमाल, रामसहाय दास, सम्मन, बेताल

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. कबीर (चयनित साखी)
02. रज्जब (चयनित साखी)
03. सुन्दरदास (चयनित छन्द)
04. तुलसीदास (चयनित दोहा)
05. रहीम (चयनित दोहा)
06. बिहारीलाल (चयनित दोहा)
07. वृन्द (चयनित दोहा)
08. घाघ (चयनित कहावतें)
09. भड्डरी (चयनित कहावतें)
10. गिरिधर कविराय (चयनित छन्द)
11. दीनदयाल गिरि (चयनित छन्द)
12. रैदास (चयनित पद)
13. नानक (चयनित साखी)
14. रसखानि (चयनित दोहा)
15. जमाल (चयनित दोहा)
16. रामसहाय दास (चयनित दोहा)
17. सम्मन (चयनित दोहा)
18. बेताल (चयनित छन्द)

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 20
पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी के विविध गद्य-रूप

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : निबन्ध साहित्य

इकाई – 1 : आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्णसिंह
इकाई – 2 : उत्साह – रामचन्द्र शुक्ल
इकाई – 3 : अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
इकाई – 4 : भाषा बहता नीर – कुबेरनाथ राय
इकाई – 5 : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

खण्ड – 2 : विविध गद्य-रूप – 1

इकाई – 1 : आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन
इकाई – 2 : जीवनी-साहित्य : आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
इकाई – 3 : यात्रा-साहित्य : किन्नर देश की ओर – राहुल सांकृत्यायन

खण्ड – 3 : विविध गद्य-रूप – 2

इकाई – 1 : संस्मरण : पथ के साथी : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – महादेवी वर्मा
इकाई – 2 : रेखाचित्र : रजिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
इकाई – 3 : डायरी : मोहनराकेश की डायरी – मोहन राकेश
इकाई – 4 : रिपोर्ताज : बूढ़ी बामणी – सत्यनारायण

खण्ड – 4 : विविध गद्य-रूप – 3

इकाई – 1 : साक्षात्कार : एक अपना ही अजनबी – मनोहरश्याम जोशी
इकाई – 2 : पत्र-साहित्य : भिक्षु के पत्र – भदन्त आनन्द कौसल्यायन
इकाई – 3 : गद्यकाव्य : साहित्य देवता – माखनलाल चतुर्वेदी
इकाई – 4 : व्यंग्य विधा : इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्णसिंह
02. उत्साह – रामचन्द्र शुक्ल
03. अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
04. भाषा बहता नीर – कुबेरनाथ राय
05. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
06. क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन (चयनित अंश)
07. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर (चयनित अंश)

08. किन्नर देश की ओर – राहुल सांकृत्यायन
09. पथ के साथी : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – महादेवी वर्मा
10. रज़िया – रामवृक्ष बेनीपुरी
11. मोहन राकेश की डायरी – मोहन राकेश (चयनित अंश)
12. बूढ़ी बामणी – सत्यनारायण
13. एक अपना ही अजनबी – मनोहर श्याम जोशी
14. भिक्षु के पत्र – भदन्त आनन्द कौसल्यायन (चयनित अंश)
15. साहित्य-देवता – माखनलाल चतुर्वेदी
16. इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 21
पाठ्यचर्या का शीर्षक : भाषाविज्ञान

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : भाषा और भाषाविज्ञान

इकाई – 1 : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण
इकाई – 2 : भाषाओं का वर्गीकरण तथा उनके आधार और आकृतिमूलक वर्गीकरण
इकाई – 3 : पारिवारिक वर्गीकरण तथा भारतीय भाषाएँ
इकाई – 4 : भाषाविज्ञान : स्वरूप और व्याप्ति; भाषाविज्ञान के अंग
इकाई – 5 : भाषाविज्ञान की शाखाएँ : वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान
इकाई – 6 : भाषा परिवर्तन : स्वरूप, कारण एवं दिशाएँ

खण्ड – 2 : ध्वनि विज्ञान

इकाई – 1 : वाग्यंत्र, वाग्यंत्र का वर्गीकरण
इकाई – 2 : स्वर-व्यंजन, वैदिक संस्कृत ध्वनियाँ, हिन्दी ध्वनियाँ, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण
इकाई – 3 : स्वनिम – परिभाषा, स्वनिम तथा संस्वन, स्वनिम निर्धारण की विधि, संस्वन निर्धारण की विधि, स्वनिम के भेद – (क) खंडीय स्वनिम (ख) खंडेतर स्वनिम, हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था
इकाई – 4 : ध्वनि विज्ञान और स्वनिम विज्ञान, निष्पादक स्वनिम विज्ञान, निष्पादक स्वनिम विज्ञान तथा प्रभेदक लक्षण, हिन्दी की स्वनिमिक समस्याएँ – अ लोप की समस्या, उत्क्षिप्त ध्वनियाँ, नासिक्य ध्वनियों की समस्या, महाप्राण ध्वनियों की समस्या
इकाई – 5 : ध्वनि परिवर्तन : कारण, परिवर्तन तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ

खण्ड – 3 : रूपविज्ञान (पदविज्ञान)

इकाई – 1 : रूपविज्ञान (पदविज्ञान) : स्वरूप एवं विषयवस्तु
इकाई – 2 : पद और शब्द, पद और सम्बन्धतत्त्व, पद विभाग : अर्थतत्त्व और सम्बन्धतत्त्व का संयोग, पद, पदबंध और वाक्य
इकाई – 3 : रूप परिवर्तन की दिशाएँ और रूप परिवर्तन के कारण

खण्ड – 4 : वाक्य विज्ञान

इकाई – 1 : वाक्य विज्ञान का स्वरूप, पद और वाक्य (अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद)
इकाई – 2 : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व
इकाई – 3 : वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार

इकाई – 4 : उपवाक्य और उसके प्रकार
इकाई – 5 : पदिम

खण्ड – 5 : अर्थ विज्ञान
इकाई – 1 : अर्थ का लक्षण, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध
इकाई – 2 : अर्थबोध (संकेत ग्रह) के साधन, अर्थबोध (संकेत ग्रह) के बाधक तत्त्व
इकाई – 3 : एकार्थक शब्दों का अर्थ निर्णय, नानार्थक शब्दों का अर्थ निर्णय
इकाई – 4 : अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण
इकाई – 5 : अर्थिम, अर्थतत्त्व, अर्थिम और रूपिम में सम्बन्ध

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 22
पाठ्यचर्या का शीर्षक : नव सामाजिक विमर्श

क्रेडिट – 4

खण्ड – 1 : विमर्शों की सैद्धान्तिकी

इकाई – 1 : स्त्री विमर्श : अर्थ, परिभाषा, लिंग तथा जेंडर, पितृसत्ता की उत्पत्ति एवं विचारधारा, यौनिकता, सत्ता, हिंसा, स्त्रीत्व, पुरुषत्व, समानता, सशक्तीकरण, नारीवाद के प्रकार तथा सिद्धान्त; महिला आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय); समकालीन हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्शमूलक साहित्य लेखन

इकाई – 2 : दलित विमर्श : दलित साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, वैचारिकता, दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता, दलित साहित्य की धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मान्यताएँ, दलित साहित्य की शिल्पगत प्रवृत्तियाँ : भाषा, बिम्ब, प्रतीक, मिथक; हिन्दी काव्य में दलित पीड़ा की अभिव्यक्ति, दलित-काव्यधारा, हिन्दी समीक्षा और दलित साहित्य, समकालीन हिन्दी साहित्य में दलित विमर्शमूलक साहित्य परिदृश्य

इकाई – 3 : आदिवासी विमर्श : अवधारणा और स्वरूप ; जल, जंगल, जमीन और अस्मिता का सवाल, आदिवासी चेतना, मौखिक और लिखित साहित्य परम्परा, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, आदिवासी दर्शन एवं वैचारिकता, आदिवासी भाषाएँ और बोलियाँ; समकालीन हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्शमूलक साहित्य लेखन

खण्ड – 2 : काव्य

इकाई – 1 : स्त्रियाँ, बेजगह, तुलसी का झोला – अनामिका

इकाई – 2 : इस स्त्री से डरो, सात भाइयों के बीच चम्पा, गार्गी – कात्यायनी

इकाई – 3 : कैसा उदारवाद यह, छत की तलाश, सुनो ब्राह्मण ! – मलखान सिंह

इकाई – 4 : चिड़िया जो मारी गई, तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?, शम्बूक – कँवल भारती

इकाई – 5 : कथन शालवन के अंतिम शाल का, जड़ी-बूटी पीसने की तरह, राजा ठाकुर होते थे – रामदयाल मुण्डा

इकाई – 6 : एक और जनी-शिकार, कलम को तीर होने दो, हे समय के पहरेदारो ! – ग्रेस कुजूर

खण्ड – 3 : उपन्यास

इकाई – 1 : एक जमीन अपनी – चित्रा मुद्गल

इकाई – 2 : नीला आकाश – सुशीला टाकभौरे

इकाई – 3 : जंगल के गीत – पीटर पौल एक्का एस. जे.

खण्ड – 4 : कहानी

इकाई – 1 : अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्ठी – सुधा अरोड़ा

इकाई – 2 : अम्मा – ओमप्रकाश वाल्मीकि
इकाई – 3 : मैना – रोज केरकेट्टा

खण्ड – 5 : आत्मकथा
इकाई – 1 : मुर्दहिया – तुलसीराम

निर्धारित पाठ्य कृतियाँ :

01. स्त्रियाँ, बेजगह, तुलसी का झोला – अनामिका
02. इस स्त्री से डरो, सात भाइयों के बीच चम्पा, गार्गी – कात्यायनी
03. कैसा उदारवाद यह, छत की तलाश, सुनो ब्राह्मण ! – मलखान सिंह
04. चिड़िया जो मारी गई, तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?, शम्बूक – कँवल भारती
05. कथन शालवन के अंतिम शाल का, जड़ी-बूटी पीसने की तरह, राजा ठाकुर होते थे – रामदयाल मुण्डा
06. एक और जनी-शिकार, कलम को तीर होने दो, हे समय के पहरेदारो ! – ग्रेस कुजूर
07. एक ज़मीन अपनी – चित्रा मुद्गल (चयनित अंश)
08. नीला आकाश – सुशीला टाकभौरे (चयनित अंश)
09. जंगल के गीत – पीटर पौल एक्का एस॰ जे॰ (चयनित अंश)
10. अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्ठी – सुधा अरोड़ा
11. अम्मा – ओमप्रकाश वाल्मीकि
12. मैना – रोज केरकेट्टा
13. मुर्दहिया – तुलसीराम (चयनित अंश)

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – I
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 23
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – रचनाकार का विशेष अध्ययन

अधिकतम अंक – 100 क्रेडिट – 4

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के प्रथम विकल्प के रूप में "रचनाकार का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है जिसमें विभिन्न युगों के उन्नायक और विधा विशेष के शीर्षस्थ 20 (बीस) रचनाकार निर्धारित किये गए हैं। विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह हिन्दी के उन कालजयी रचनाकारों का विशेष अध्ययन करे जिन्होंने चिन्तन और सर्जन के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान किया है और जिनका लेखन आज भी प्रासंगिक है। प्रस्तुत परियोजना कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थी द्वारा निर्दिष्ट रचनाकारों में से किसी एक रचनाकार के समग्र कृतित्व का सघन अध्ययन करना एवं उसका सम्यक् मूल्यांकन करते हुए न्यूनतम 10,000 (दस हजार) शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

01. कबीरदास
02. दादूदयाल
03. सुन्दरदास
04. मलिक मुहम्मद जायसी
05. सूरदास
06. मीरा
07. तुलसीदास
08. केशवदास
09. बिहारी
10. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
11. जयशंकर प्रसाद
12. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
13. प्रेमचंद
14. यशपाल
15. राही मासूम रज़ा
16. कृष्णा सोबती
17. रामचन्द्र शुक्ल
18. हजारीप्रसाद द्विवेदी
19. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय
20. तुलसीराम

❖❖❖

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन
अधिकतम अंक – 100 क्रेडिट – 4

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के द्वितीय विकल्प के रूप में "हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है जिसका उद्देश्य हिन्दी की समवेत संस्कृति की स्थापना, विस्तार एवं प्रचार-प्रसार में सहायक विभिन्न प्रचार संस्थाओं / नाट्य-संस्थाओं, पत्र-पत्रिकाओं, साहित्यिक आन्दोलनों, पुस्तकालयों, साहित्यिक केन्द्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि के विशेष योगदान को निरूपित करना है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य है कि एम.ए. स्तर का विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य तक ही सीमित न रहकर हिन्दी की विस्तृत संस्कृति से भी भली-भाँति परिचित हो सके। प्रस्तुत पाठ्यचर्या में परियोजना कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से एक-एक (1-1) इकाई से सम्बद्ध विषय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करे एवं प्रत्येक खण्ड से सम्बन्धित विषय का न्यूनतम दो हजार पाँच सौ (2500) शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करे।

खण्ड – 1 : हिन्दी की संस्कृति : संस्थाएँ

श्रीवेंकटेश प्रेस, बम्बई; भारत जीवन प्रेस, काशी; नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ; इंडियन प्रेस, इलाहाबाद; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी एवं आरा; गंगा ग्रन्थागार, लखनऊ; हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद, पटना, गया; राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा; राजस्थान साहित्य अकादेमी, उदयपुर; असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी; महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे; दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई; भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा; उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना; भारतीय हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद आदि तथा हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख नाट्य-संस्थाएँ

खण्ड – 2 : हिन्दी की संस्कृति : पत्रिकाएँ

हिन्दी प्रदीप, आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, प्रभा, चाँद, हंस, नई कहानियाँ, कल्पना, दिनमान, आलोचना, पूर्वग्रह, प्रतीक, धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, सारिका, नटरंग, पहल, वसुधा, रंग-प्रसंग, तद्भव, दलित अस्मिता, मगहर, लहर, वातायन, कहानी, साहित्यकार, नया साहित्य, कवि, कृति, नई कविता, इन्दु, नई धारा, ज्योत्स्ना, माध्यम, नया ज्ञानोदय, कथादेश, वागर्थ, परीकथा, पाखी, वर्तमान साहित्य आदि

खण्ड – 3 : हिन्दी की संस्कृति : आन्दोलन

ब्रजभाषा बनाम खड़ीबोली, खड़ीबोली का आन्दोलन, हिन्दी-उर्दू-हिन्दुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आन्दोलन, परिमल, भारतीय नाट्य आन्दोलन, दलित लेखन, लघुपत्रिका आन्दोलन, हिन्दी की आभासी (वर्चुअल) दुनिया आदि

खण्ड – 4 : हिन्दी की संस्कृति और उसका प्रसार

1. पुस्तकालय : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी का आर्यभाषा पुस्तकालय; काशीनरेश का पुस्तकालय, रामनगर; दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा के महाराजाओं के पुस्तकालय; नेशनल आर्काइव्स पुस्तकालय, पटियाला; गायकवाड ओरियंटल रिसर्च इंस्टिटयूट, बड़ोदरा; शिवसिंह सेंगर का पुस्तकालय; गोविन्द चतुर्वेदी, जवाहरलाल चतुर्वेदी मथुरा के पुस्तकालय; शूरवीर सिंह, अलीगढ़ का पुस्तकालय; भवानीसिंह याज्ञिक का पुस्तकालय; श्रीरामानन्द सरस्वती पुस्तकालय, जोकहरा, आजमगढ़ आदि
2. हिन्दी क्षेत्र के प्रमुख केन्द्र, यथा – कलकत्ता, पटना, बनारस, इलाहाबाद, दिल्ली, भोपाल आदि की साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ
3. साहित्य का अन्य माध्यमों में रूपान्तरण : साहित्यिक कृतियों पर बनने वाली फ़िल्में / सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिक, कहानियों और कविताओं का मंचन
4. प्रकाशक : मोतीलाल बनारसीदास, पटना; रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद; इंडियन प्रेस प्रा. लि., इलाहाबाद; पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली; ज्ञानमण्डल प्रा. लि., वाराणसी; साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद; सस्ता साहित्य मण्डल, नयी दिल्ली; नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद; चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद; किताब महल, इलाहाबाद; नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली; प्रकाशन विभाग, नयी दिल्ली; भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली; साहित्य अकादेमी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; हिन्द पॉकेट बुक्स, नयी दिल्ली; राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली; राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली; राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली आदि

❖❖❖



http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MA_HIN_Syllabus_DDE_2016-18.pd

एम.एस.डब्ल्यू/MSW

सत्र /SESSION: – 2015-17 से लागू

दूर शिक्षा निदेशालय

Directorate of Distance Education

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA

WARDHA, MAHARASHTRA

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूरशिक्षा निदेशालय

निदेशालय द्वारा संचालित किए जाने वाले एम.एस.डब्ल्यू पाठ्यक्रम के अतंर्गत पाठ्यचर्या विवरण इस प्रकार है–

एम.एस.डब्ल्यू (MSW)

चार सेमेस्टर (कुल-80 क्रेडिट)

प्रथम सेमेस्टर

MSW 01	समाज कार्य का उद्भव और विकास	4 क्रेडिट
MSW 02	सामाजिक विज्ञान अवधारणाएं	4 क्रेडिट
MSW 03	समाज कार्य के क्षेत्र	4 क्रेडिट
MSW 04	व्यक्तित्व एवं मानव व्यवहार की गतिकी	4 क्रेडिट
MSW 05	भारतीय सामाजिक समस्याएं	4 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

द्वितीय सेमेस्टर

MSW 06	सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य	4 क्रेडिट
MSW 07	सामाजिक समूह कार्य	4 क्रेडिट
MSW 08	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया	4 क्रेडिट
MSW 09	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास	4 क्रेडिट
MSW 10	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन	4 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

तृतीय सेमेस्टर

MSW 11	समाज कार्य प्रबंधन	4 क्रेडिट
MSW 12	समाज कार्य अनुसंधान	4 क्रेडिट
MSW 13	सामुदायिक स्वास्थ्य	4 क्रेडिट
MSWFW01	क्षेत्र कार्य	8 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

चतुर्थ सेमेस्टर

MSW 14	गांधीय समाज कार्य	4 क्रेडिट
MSW 15	परामर्श एवं सम्प्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य	4 क्रेडिट
MSW 16	संविधान और मानवाधिकार	4 क्रेडिट
MSWP01	परियोजना कार्य	8 क्रेडिट
	कुल क्रेडिट	20 क्रेडिट

MSW 01	समाज कार्य का उद्भव और विकास	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – समाज कार्य अनुशासन के रूप में

इकाई - 1 अनुशासन का उदय

इकाई - 2 अनुशासन एवं अंतरानुशासनिकता

इकाई - 3 अनुशासन के रूप में समाज कार्य का उदय

खण्ड - 2 - समाज कार्य का इतिहास: वैश्विक परिदृश्य

इकाई - 1 यूरोप में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 2 अमेरिका में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 3 एशिया में समाज कार्य का इतिहास

इकाई - 4 अफ्रीका व मध्य-पूर्व में समाज कार्य का इतिहास

खण्ड - 3 - समाज कार्य व्यवसाय एवं शिक्षा

इकाई - 1 समाज कार्य एक व्यवसाय के रूप में

इकाई - 2 समाज कार्य शिक्षा: सिंहावलोकन एवं संभावनाएं

इकाई - 3 दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से समाज कार्य शिक्षा

इकाई - 4 व्यावसायिक समाज कार्य के मूल्य, सिद्धान्त और नैतिकताएं

खण्ड - 4 - भारत में समाज कार्य का उद्गम और विकास

इकाई - 1 भारत में समाज कार्य का ऐतिहासिक विकास

इकाई - 2 विभिन्न धर्म और समाज कार्य

इकाई - 3 राज्य और समाज कार्य

इकाई - 4 गांधी विचार एवं समाज कार्य

इकाई - 5 समसामयिक प्रवृत्तियां

MSW 02	सामाजिक विज्ञान अवधारणाएं	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समाज की मूलभूत संकल्पनाएं

इकाई - 1 भारतीय समाज: संरचना, वर्गीकरण और स्तरीकरण

इकाई - 2 सामाजिक समूह, सामाजिक संस्थाएं और सामाजिक नियंत्रण

इकाई - 3 समुदाय की संकल्पना - शहरी,ग्रामीण एवं आदिवासी

इकाई - 4 सामाजिक बदलाव - अर्थ, विशेषताएं और कारक

खण्ड - 2 – सामाजिक समस्याएं एवं आंदोलन

इकाई - 1 भारत में सामाजिक समस्याएं एवं उनका प्रभाव

इकाई - 2 भारत में सामाजिक आंदोलन (स्वतंत्रता पूर्व)

इकाई - 3 भारत में सामाजिक आंदोलन (स्वतंत्रता पश्चात)

इकाई - 4 नव सामाजिक आंदोलन एवं विमर्श

खण्ड - 3 - पारिवारिक संरचना

इकाई - 1 परिवार एवं विवाह की अवधारणा

इकाई - 2 परिवार एवं विवाह के बदलते प्रतिमान

इकाई - 3 पितृसत्ता एवं जेंडर विमर्श

इकाई - 4 पारिवारिक व्यवस्था में समकालीन समस्याएं

खण्ड - 4 - समकालीन संकल्पनाएं

इकाई - 1 राजनीतिक विचारों का विकास : राष्ट्र-राज्य का उदय एवं राष्ट्रवाद

इकाई - 2 राजनीतिक विचारों का विकास : नवउपनिवेशवाद एवं लोकतंत्र विमर्श

इकाई - 3 सामाजिक विचारों का विकास : मैक्स वेबर, दुर्खीम, टॉल्कट पार्सन एवं पियरे बोर्दियू

इकाई - 4 सामाजिक विचारों का विकास : गांधी, अम्बेडकर एवं लोहिया

MSW 03	समाज कार्य के क्षेत्र	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – महिला एवं बाल विकास

इकाई - 1 भारतीय परिदृश्य में स्त्रियां एवं उनकी समस्याएं

इकाई - 2 स्त्री आंदोलन एवं सशक्तिकरण नीतियां

इकाई - 3 भारतीय परिदृश्य में बाल विकास

इकाई – 4 बाल विकास नीतियां – राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय

खण्ड - 2 – समुदाय विकास

इकाई - 1 जनजातीय विकास

इकाई - 2 ग्रामीण विकास

इकाई - 3 शहरी विकास

खण्ड - 3 – वंचित वर्गों का विकास

इकाई - 1 अनुसूचित जाति

इकाई - 2 अन्य पिछडा वर्ग

इकाई - 3 विशेष योग्यजन

इकाई - 4 तृतीय पंथी जन

खण्ड - 4 – अन्य क्षेत्र

इकाई - 1 अपराधशास्त्र एवं सुधारात्मक सेवाएं

इकाई - 2 चिकित्सीय एवं मनोचिकित्सीय सेवाएं

इकाई - 3 वृद्धावस्था सेवाएं

इकाई - 4 पर्यावरण विकास एवं आपदा प्रबंधन

इकाई - 5 युवा विकास

MSW 04	व्यक्तित्व एवं मानव व्यवहार की गतिकी	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – व्यक्तित्व : परिचय

इकाई - 1 व्यक्तित्व : अर्थ, परिभाषा एवं निर्धारक

इकाई - 2 व्यक्तित्व विकास की अवस्थाएं

इकाई - 3 जीवन अवधि

इकाई – 4 व्यक्तित्व और व्यवहार

खण्ड - 2 – मानव व्यवहार

इकाई - 1 मानव व्यवहार : अवधारणा और निर्धारक

इकाई - 2 समायोजन : अवधारणा, विशेषताएं और निर्धारक

इकाई - 3 असामान्य व्यवहार : लक्षण, कारक और प्रकार

इकाई - 4 नेतृत्व : आवश्यकता, प्रकार और प्रकार्य

खण्ड - 3 – मनोसामाजिक प्रक्रियाएं

इकाई - 1 अभिप्रेरणा

इकाई - 2 समाजीकरण

इकाई - 3 संवेदना –प्रत्यक्षीकरण

इकाई - 4 अभिवृत्ति

खण्ड - 4 – व्यक्तित्व के सिद्धांत

इकाई - 1 फ्रायड एवं जुंग

इकाई - 2 एडलर एवं एल्बर्ट बंडुरा

इकाई - 3 मार्सिया एवं पियाजे

इकाई - 4 एरिक एरिक्सन

MSW 05	भारतीय सामाजिक समस्याएं	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – सामाजिक समस्या की अवधारणा

इकाई - 1 सामाजिक समस्या : परिचय

इकाई - 2 सामाजिक समस्या के कारण एवं प्रकार

इकाई - 3 सामाजिक समस्या के प्रभाव

खण्ड - 2 – सामाजिक परिदृश्य

इकाई - 1 निर्धनता और बेरोजगारी

इकाई - 2 भ्रष्टाचार

इकाई - 3 पितृसत्ता

इकाई - 4 साम्प्रदायिकता एवं अस्मिता विमर्श

खण्ड - 3 – राजनीतिक परिदृश्य

इकाई - 1 क्षेत्रीयता

इकाई - 2 आतंकवाद

इकाई - 3 नक्सलवाद

खण्ड - 4 – समाज सुधार आंदोलन

इकाई - 1 समाज सुधार आंदोलन (स्वतंत्रता पूर्व)

इकाई - 2 समाज सुधार आंदोलन (स्वतंत्रता पश्चात)

इकाई - 3 नव सामाजिक आंदोलन

इकाई - 4 समसामयिक परिप्रेक्ष्य

MSW 06	सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य – I

इकाई - 1 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य : समाज कार्य प्रणाली के रूप में

इकाई - 2 सेवार्थी को समझने के लिए व्यवहारगत अवधारणाएं

इकाई - 3 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य का कार्यक्षेत्र

इकाई - 4 वैयक्तिक कार्य के घटक

खण्ड - 2 - सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य – II

इकाई - 1 वैयक्तिक सेवाकार्य के सिद्धांत

इकाई - 2 सहायता करने की सहायक तकनीकें

इकाई - 3 सामाजिक वैयक्तिक सेवाकार्य प्रक्रिया

इकाई - 4 वैयक्तिक सेवाकार्य के उपकरण

इकाई - 5 वैयक्तिक सेवाकार्य में कुछ सैद्धांतिक विचार मार्ग

खण्ड - 3 - परामर्श के मूलतत्व

इकाई - 1 परामर्श की जानकारी

इकाई - 2 परामर्श प्रक्रिया

इकाई - 3 परामर्श में प्रयोग की जानेवाली सहायक और व्यावहारिक विधियाँ

इकाई - 4 परामर्श में प्रयोग की जानेवाली संज्ञानात्मक और मनोविश्लेषणात्मक विधियाँ

इकाई - 5 परामर्श में निहित व्यावहारिक मुद्दे

खण्ड - 4 - साक्षात्कार और अभिलेखन

इकाई - 1 सामाजिक वैयक्तिक कार्य में साक्षात्कार

इकाई - 2 साक्षात्कार तथा संप्रेषण

इकाई - 3 साक्षात्कार - कौशल तथा तकनीकें

इकाई - 4 सामाजिक वैयक्तिक कार्य में अभिलेखन और प्रलेखन/दस्तावेज़

MSW 07	सामाजिक समूह कार्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - सामाजिक समूह कार्य का परिचय

इकाई - 1 सामाजिक समूह: विशेषताएँ और महत्व

इकाई - 2 समूह कार्य का ऐतिहासिक विकास

इकाई - 3 भारत में सामाजिक समूह कार्य का इतिहास

इकाई - 4 समाजकार्य की प्रणाली के रूप में सामाजिक समूह कार्य

खण्ड - 2 - समूह कार्य सक्रियता

इकाई - 1 सामाजिक समूह कार्य के सिद्धांत एवं प्रारूप

इकाई - 2 समूह विकास की अवस्थाएँ

इकाई - 3 समूह निर्माण की प्रक्रिया

इकाई - 4 सामाजिक समूह कार्य में मूल्य और सिद्धांत

खण्ड - 3 - सामाजिक कार्य में नेतृत्व और कौशल विकास

इकाई - 1 नेतृत्व और शक्ति/अधिकार

इकाई - 2 सामाजिक समूह कार्य के कौशल और तकनीकें

इकाई - 3 सामाजिक समूह कार्य में जीवन कौशल शिक्षा की प्रासंगिकता

इकाई - 4 सामाजिक समूह कार्य में कार्यक्रम नियोजन

खण्ड - 4 - विभिन्न स्थापनों में सामाजिक समूह कार्य

इकाई - 1 भारतीय संदर्भ में स्व सहायता समूहों की संकल्पना और सक्रियता

इकाई - 2 सामुदायिक स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 3 संस्थागत स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 4 शैक्षिक स्थापनों में समूह कार्य

इकाई - 5 समूह कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका

MSW 08	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समुदाय की अवधारणाएं और सामुदायिक विकास

इकाई - 1 समुदाय की अवधारणाएं और सामुदायिक कार्य

इकाई – 2 ग्रामीण एवं शहरी समुदाय

इकाई - 3 जनजातीय समुदाय

इकाई - 4 सामुदायिक विकास कार्यक्रम

खण्ड - 2 - सामुदायिक विकास के लिए सामुदायिक संगठन

इकाई - 1 सामुदायिक संगठन : संकल्पना

इकाई – 2 सामुदायिक संगठन का इतिहास

इकाई – 3 समाज कार्य प्रणाली के रूप में सामुदायिक संगठन

इकाई - 4 सामुदायिक संगठन के प्रारूप और दृष्टिकोण

इकाई - 5 सामुदायिक संगठन में वर्तमान मुद्दे तथा सामुदायिक संगठनकर्ता की भूमिका

खण्ड - 3 - सामाजिक क्रिया : अवधारणा

इकाई - 1 सामाजिक क्रिया: अवधारणा एवं अनुप्रयोग

इकाई - 2 सामाजिक क्रिया के मॉडल

इकाई - 3 सामाजिक क्रिया में रणनीतियां तथा कौशल

इकाई - 4 सामाजिक क्रिया: समाज कार्य का एक तरीका

MSW 09	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - सामाजिक गतिकी एवं परिवर्तन

इकाई - 1 प्रवासन

इकाई - 2 ग्रामीण - शहरी द्वंद्व

इकाई - 3 उद्योगीकरण एवं वैश्वीकरण

इकाई - 4 परिवर्तनशील व्यावसायिक संरचना एवं उदारीकरण का प्रभाव

खण्ड - 2 - विकास की अवधारणाएं

इकाई - 1 सामाजिक और मानव विकास

इकाई - 2 सतत विकास

इकाई - 3 विकास और प्रगति: आर्थिक और सामाजिक आयाम

इकाई - 4 विकास का जेंडर परिप्रेक्ष्य

इकाई - 5 जनसंख्या और विकास

खण्ड - 3 - विकास: मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य

इकाई - 1 संविधान के सामाजिक आदर्श

इकाई - 2 सामाजिक कार्य और मानवाधिकार

इकाई - 3 हितकारी अर्थव्यवस्था और विकास

इकाई - 4 भारतीय न्यायिक प्रणाली

खण्ड - 4 - सामाजिक विधान

इकाई - 1 महिलाओं एवं बालकों /बालिकाओं के लिए कानूनी प्रावधान

इकाई - 2 बुर्जुगों एवं विशेष योग्यता वाले व्यक्तियों के लिए कानून

इकाई - 3 आदिवासियों के लिए कानून

इकाई - 4 सामाजिक विधान के समकालीन संदर्भ

MSW 10	सामाजिक कल्याण प्रशासन, नीति और नियोजन	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समाज कल्याण प्रशासन

इकाई - 1 समाज कल्याण प्रशासन: अवधारणाएं, इतिहास एवं प्रकृति

इकाई - 2 समाज कल्याण प्रशासन के कार्य, सिद्धांत और कार्यक्षेत्र

इकाई - 3 समाज कल्याण संगठन

इकाई - 4 समाज कल्याण सेवाओं का प्रबंधन

इकाई - 5 सामाजिक नीति और समाज कल्याण प्रशासन

खण्ड - 2- सामाजिक नीति

इकाई - 1 सामाजिक नीति : परिचय

इकाई - 2 सामाजिक नीति: प्रारूप एवं सिद्धांत

इकाई - 3 सामाजिक नीति और भारतीय संविधान

इकाई - 4 भारत में सामाजिक नीति

इकाई - 5 सामाजिक नीति और पंचवर्षीय योजनाएं

इकाई -6 नीति आयोग

खण्ड – 3 - सामाजिक नियोजन

इकाई - 1 सामाजिक नियोजन : अवधारणा, अर्थ परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रक्रिया

इकाई - 2 सामाजिक नियोजन : प्रकार्य ,सिद्धांत एवं प्रकार

इकाई - 3 सामाजिक नियोजन एवं पंचवर्षीय योजनाएं

इकाई - 4 भारत में सामाजिक नियोजन

इकाई - 5 सामाजिक एवं टिकाऊ विकास

MSW 11	समाज कार्य प्रबंधन	4 क्रेडिट

खंड – 1 . प्रबंधन : परिचय एवं भूमिका

इकाई 1. परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र

इकाई 2. प्रबंधन के सिद्धांत एवं स्तर

इकाई 3. प्रबंधन के प्रकार्य

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन प्रबंधन के मुद्दे

खंड-2 . गैर-सरकारी संगठनों की प्रस्तावना

इकाई 1. गैर-सरकारी संगठन – परिभाषा , अवधारणा, उद्देश्य एवं प्रकार

इकाई 2. गैर-सरकारी संगठनों की रणनीतियाँ

इकाई 3. गैर-सरकारी संगठन: भारत सरकार की विभिन्न योजनाएँ

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन: समस्याएँ एवं निराकरण

खंड- 3. संगठन संबंधी प्रक्रिया

इकाई 1. संगठन पंजीकरण, संविधान और नीतियाँ

इकाई 2. कार्यक्रम एवं परियोजना प्रबंधन

इकाई 3. गैर-सरकारी संगठन में खाते बनाना एवं वित्तीय विवरण

इकाई 4. गैर-सरकारी संगठन के लिए आयकर में छूट

MSW 12	समाज कार्य अनुसंधान	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 - समाज कार्य में अनुसंधान के मूल तत्व

इकाई - 1 सामाजिक अनुसंधान

इकाई - 2 सामाजिक अनुसंधान के प्रकार

इकाई - 3 शोध प्रारूप

खण्ड - 2 - समाज कार्य में अनुसंधान विधियॉं

इकाई - 1 शोध समस्या का निर्धारण

इकाई - 2 परिकल्पना

इकाई - 3 आंकड़ा स्रोत : प्राथमिक एवं द्वितीयक

इकाई - 4 अनुसंधान विधियॉं I : परीक्षणात्मक अनुसंधान

इकाई - 5 अनुसंधान विधियॉं II : गुणात्मक अनुसंधान

खण्ड - 3 - ऑंकड़ा संग्रहण की विधियॉं

इकाई - 1 प्रतिचयन

इकाई - 2 प्रश्नावली एवं अनुसूची

इकाई - 3 साक्षात्कार

इकाई- 4 अवलोकन

खण्ड - 4 - विश्लेषण प्रविधि

इकाई - 1 विश्लेषण प्रविधि

इकाई - 2 सांख्यिकी : परिचय एवं महत्व, सांख्यिकी माध्य

इकाई - 3 प्रस्तुतीकरण

इकाई – 4 संदर्भ लेखन

MSW 13	सामुदायिक स्वास्थ्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 सामुदायिक स्वास्थ्य की संकल्पना

इकाई - 1 स्वास्थ्य एवं बीमारी की संकल्पनाएं
इकाई - 2 स्वास्थ्य का समाजशास्त्र
इकाई - 3 स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक
इकाई - 4 समुदाय की स्वास्थ्य देखभाल

खण्ड - 2 भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रदाय व्यवस्था

इकाई - 1 राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम
इकाई - 2 राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति
इकाई - 3 जनसंख्या नीति
इकाई - 4 सभी के लिए स्वास्थ्य
इकाई - 5 सहस्राब्दि विकास लक्ष्य

खण्ड - 3 स्वास्थ्य शोध, संचार एवं समाज कार्य

इकाई - 1 स्वास्थ्य सूचना एवं सांख्यिकी
इकाई - 2 स्वास्थ्य व्यवस्था एवं शोध
इकाई - 3 व्यवहार बदलाव संप्रेषण - सिद्धांत एवं रणनीति
इकाई - 4 स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक भागीदारी (पंचायतों की भूमिका)

खण्ड - 4 सामुदायिक स्वास्थ्य की गांधीय संकल्पना

इकाई - 1 स्वास्थ्य एवं सामुदायिक स्वास्थ्य की गांधी संकल्पना
इकाई - 2 प्राकृतिक चिकित्सा
इकाई - 3 स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रयोग

MSW 14	गांधीय समाज कार्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – गांधी दर्शन के मूल आधार

इकाई - 1 सत्य की अवधारणा

इकाई - 2 अहिंसा

इकाई - 3 सत्याग्रह

इकाई - 4 हिंसा पर गांधी के विचार

खण्ड - 2 – गांधीय समाज कार्य - I

इकाई - 1 अहिंसात्मक संघर्ष की अवधारणा और उसका औचित्य

इकाई - 2 रचनात्मक कार्यक्रम

इकाई - 3 एकादश व्रत

इकाई - 4 सर्वोदय

खण्ड - 3 – गांधीय समाज कार्य - II

इकाई - 1 साम्प्रदायिक सद्भाव

इकाई - 2 ट्रस्टीशिप

इकाई - 3 स्वेदशी

इकाई - 4 बुनियादी शिक्षा

इकाई -5 अस्पृश्यता उन्मूलन

खण्ड - 4 – अहिंसक आंदोलन: गांधी के बाद

इकाई - 1 भूदान एवं ग्रामदान

इकाई - 2 सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन

इकाई - 3 सामाजिक आंदोलन की गांधीय प्रविधि

इकाई - 4 नव सामाजिक आंदोलन और गांधी

इकाई -5 गांधी की प्रासंगिकता

MSW 15	परामर्श एवं सम्प्रेषण : समाज कार्य परिप्रेक्ष्य	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – परामर्श के मूल तत्व

इकाई - 1 परामर्श : अर्थ, अवधारणा और उद्देश्य

इकाई - 2 परामर्श की प्रक्रिया एवं अवस्थाएं

इकाई - 3 परामर्श तकनीक और उपकरण

इकाई - 4 समाज कार्य में परामर्श अभ्यास

खण्ड - 2 – परामर्श प्रक्रिया

इकाई - 1 व्यक्तिगत परामर्श

इकाई - 2 युगल और परिवार परामर्श

इकाई - 3 परामर्श एवं थेरेपी : अंतरसंबंध

इकाई - 4 सामाजिक कार्यकर्ता : एक परामर्शदाता के रूप में

खण्ड - 3 – संचार के मूल तत्व

इकाई - 1 संचार : अर्थ एवं अवधारणा

इकाई - 2 संचार के चरण एवं प्रारूप

इकाई - 3 संचार सैद्धांतिकी : संस्कृति उत्पाद, पब्लिक स्फेयर एवं सहमति निर्माण

इकाई - 4 भारत में संचार परिदृश्य

खण्ड - 4 – संचार एवं समाज कार्य

इकाई - 1 वैयक्तिक समाज कार्य अभ्यास में संचार

इकाई - 2 समूह समाज कार्य अभ्यास में संचार

इकाई - 3 सामुदायिक संगठन अभ्यास में संचार

इकाई - 4 सामाजिक क्रिया अभ्यास में संचार

MSW 16	संविधान और मानवाधिकार	4 क्रेडिट

खण्ड - 1 – भारतीय संविधान

इकाई - 1 भारतीय संविधान का इतिहास

इकाई - 2 भारतीय संविधान का परिचय

इकाई – 3 भारतीय संविधान की विशेषताएं

खण्ड - 2 – भारतीय संविधान की अन्तर्वस्तु

इकाई - 1 मूल अधिकार एवं कर्तव्य

इकाई - 2 राज्य के नीति निर्देशक तत्व

इकाई - 3 संविधान संशोधन की प्रक्रिया

इकाई - 4 संविधान संबंधी समसामयिक विमर्श

खण्ड - 3 – मानवाधिकार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

इकाई - 1 मानवाधिकार : परिचय

इकाई - 2 मानवाधिकार का दर्शन

इकाई - 3 मानवाधिकार विकास के चरण

इकाई - 4 मानवाधिकार के सिद्धांत

खण्ड - 4 – अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिदृश्य

इकाई - 1 मानवाधिकार का सार्वभौमिक घोषणा पत्र

इकाई - 2 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संविदाएं

इकाई - 3 मानवाधिकार संबंधी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं

इकाई - 4 मानवाधिकार संबंधी राष्ट्रीय संस्थाएं

Syllabus
Diploma in Computer Application
(DCA)

Directorate of Distance Education
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
Gandhi Hills, Post – Hindi Vishwavidyalaya,Wardha

Diploma in Computer Application (DCA)

Duration : 01 Year (Minimum) 03 Year (Maximum)
अवधि : 01 वर्ष (न्यूनतम) 03 वर्ष (अधिकतम)
Credit : 32 Credit
क्रेडिट : 32 क्रेडिट
Semester : Two Semester (16 Credit per Semester)
सेमेस्टर : दो सेमेस्टर (16 क्रेडिट प्रत्येक सेमेस्टर)
Fees/शुल्क :

पाठ्यक्रम शुल्क	प्रवेश शुल्क	नामांकन शुल्क	परिचय पत्र	परीक्षा शुल्क	उपाधि/प्रमाणपत्र शुल्क
2000 (प्रथम सत्र)	200	200	100	250 प्रति प्रश्नपत्र	250
2250 (द्वितीय सत्र)					

Medium/ माध्यम:Hindi /English हिंदी/अंग्रेजी
Eligibility/योग्यता : 10+2 Passed/10+2 उत्तीर्ण

First Semester:

Paper Code प्रश्नपत्र कोड	Paper Title प्रश्नपत्र शीर्षक	Credit क्रेडिट
DCA-01	कम्प्यूटर: आधारभूत परिचय Fundamentals of Computer	04
DCA-02	ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम Operating System and Application Program	04
DCA-03	प्रोग्रामिंग लैंग्वेज Programming Language	04
DCA-04	सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on C Programming and Application Program	02
DCA-05	एप्लीकेशन प्रोग्राम का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on Application Program	02
	कुलTotal	16 Credits

Second Semester:

Paper Code	Paper Title	Credit
DCA-06	डाटा बेस प्रबंधन प्रणाली Data Base Management System	04
DCA-07	विजुअल बेसिक Visual Basics (VB)	04
DCA-08	इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग Internet and Web Page Designing	04
DCA-09	परियोजना कार्य	04

	Project Work	
	कुलTotal	16 Credits

First Semester

DCA-01 Fundamentals of Computer

Unit – I Introduction to Computer

- History of development of computers
- Computer system concepts
- Characteristics
- Capabilities and limitations
- Generations of computers.
- Basic components of a computer system – Control Unit, ALU, I/ O Devices, memory – RAM, ROM, EPROM, PROM, Flash Memory and other types of memory.

Unit – II Storage Devices

- Storage fundamentals – Primary Vs Secondary
- Data Storage and Retrieval methods – Sequential, Direct and Index Sequential.
- Various Storage Devices – Magnetic Tape, Magnetic Disks, Cartridge Tape, Data Drives, Hard Disk Drives, Floppy (Winchester Disk), Disks, Optical Disks, CD, VCD, CD-R, CD-RW, Zip Drive, DVD, SVCD.

Unit – III Computer Software

- Types of Software – System software, Application software, Utility Software, Demoware, Shareware, Freeware, Firmware, Free Software.
- Operating Systems – Functions, Types – Batch Processing, Single User, Multi User, Multi-programming, Multi-Tasking.
- Programming languages – Machine, Assembly, High Level, 4 GL.
- Data representation in computers.
- Number System of computers – Binary, Octal, Hexa Decimal – Representation & their conversion.
- Coding System – ASCII, BCD, and EBCDIC etc.
- Computer Viruses

Reference Book:

1 Sinha, P.K.(2007). *Computer Fundamentals*. New Delhi: BPB Publications.
2. Mukhi, Vijay (2008).*Working with UNIX*. New Delhi: BPB Publications.
3. Rajaraman, V. (2014). *Fundamental of Computer*. New Delhi: Prentice Hall India Pvt. Limited.
4. Rajoriya, Sheetanshu (2013). *Computer Fundamentals*. Indore: Kamal Prakashan.

DCA-02 Operating System and Application Program

Unit – I Disk Operating System (DOS)

- Introduction, History & Versions of DOS

DOS basics

- Physical structure of disk, drive name, FAT, file & directory structure and naming rules, booting process, DOS system files.

Basic DOS Commands

- Internal – DIR, MD, CD, RD, Copy, DEL, REN, VOL, DATE, TIME, CLS, PATH, TYPE etc.
- External – CHKDSK, PRINT, DISKCOPY, DOSKEY, MOVE, LABEL, FORMAT, SORT, FDISK, BACKUP, EDIT, MODE, ATTRIB, HELP, SYS etc.
- Executable V/s Non executable files in DOS

Unit –II Windows

- Windows concepts, features, windows structure, desktop, taskbar, start menu, my computer, Recycle Bin.
- Windows Accessories – Calculator, Notepad, Paint, WordPad, Character map.
- Windows Explorer – Creating folders and other Explorer facilities.
- Entertainment – CD Player, DVD Player, Media Player, Sound Recorder, Volume Control.

Unit – III Linux

- Introduction, History & Versions of Linux

Linux basics

- Physical structure of disk, drive name, FAT, file & directory structure and naming rules, booting process, Linux system files.

Basic Linux Commands

- Internal – LS, Make Directory, CD, CP,MB, DEL, REN, DATE, TIME, CLEAR, etc.
- Executable V/s Non executable files in Linux

Unit –IV Microsoft Office (MS Word, Excel, Power Point)

Word Processing: MS Word

- Introduction to Word Processing
- Introduction to MS Word: features, Creating, Saving and Opening documents in Word, Interface, Toolbars, Ruler, Menus, Keyboard Shortcut.
- Editing a Document – Moving, Scrolling in a document, Opening Multi document windows, Editing Text – Selecting, Inserting, deleting, moving text.
- Previewing documents, Printing documents – Print a document from the standard toolbar, Print a document from the menu, shrinking a document to fit a page, Reduce the number of pages by one.
- Formatting Documents: Paragraph formats, Aligning Text and Paragraph, Borders and Shading, Headers and Footers, Multiple Columns.

Worksheet: MS Excel

- Worksheet basics
- Creating worksheet, entering data into worksheet, heading information, data, text, dates, Cell formatting values, saving & protecting worksheet.
- Opening and moving around in an existing worksheet
- Toolbars and Menus, keyboard shortcuts

- Working with single and multiple workbook – coping, renaming, moving, adding and deleting, coping entries and moving between workbooks
- Working with formulas & cell referencing.
- Autosum
- Coping formulas
- Absolute & Relative addressing
- Working with ranges – creating, editing and selecting ranges, sorting.
- Formatting of worksheet – Auto format, changing – alignment, character styles, column width, date format, borders &colours, currency signs.
- Previewing & Printing worksheet – Page setting, Print titles, Adjusting margins, Page break, headers and footers.
- Graphs and charts – using wizards, various charts type, formatting grid lines & legends, previewing & printing charts.

Presentation Graphics: MS Power Point

- Features and various versions
- Creating presentation using Slide master and template in various colour scheme
- Working with different views and menus of power point
- Working with slides – Make new slide, move, copy, delete, duplicate, lay outing of slide, zoom in or out of a slide.
- Editing and formatting text: Alignment, editing, inserting, deleting, selecting, formatting of text, find and replace text.
- Bullets, footer, paragraph formatting, spell checking.
- Printing presentation – Print slides, notes, handouts and outlines.
- Inserting Objects – Drawing and inserting objects using Clip Art's pictures and charts.
- Custom Animation – slide transition effects and other animation effects.
- Presenting the show – making stand alone presentation

Reference:

1. Mansoor, A. *I.T. Tools and Applications*. Matura : Pragya Publications .
2. Norton, Peter (2000.). *Peter Norton Complete Guide to Linux*. New Delhi : Techmedia Publications .
3. Dubey, Manoj (2013). *P C Packages*. Indore : Kamal Prakashan.

DCA-03 Programming Language

Unit – I C Language : Introduction

- Introduction
- C Character Set , Constants, Variables and Key words

Unit – II Decision and Control Structure

- if ,if-elses, forms of if-elses statement
- Operator
- Types of Loops
- Case and Switch

Unit –III Arrays and Functions

- Arrays
- C Functions – Call by values and Call by reference

Reference:

1 Balaguruswami, E. (2008). *Programming with C.* New Delhi : Tata McGraw Hill.
2 Kernighan,Brian W. & Ritchie, Dennis M. (1988). *The C Programming Language ANSI C*.Prentice Hall PTR
3 Singh, Minakshi & Singh,VishnuPriya .*C Programming*. Delhi : Asian Publisher .
4 Jain, Abhinav. *The Ocean of C*. Indore : Nakoda Publishers & Printers. (7th Edition)

DCA-04 Practical on C Programming

Each candidate will present a small program with the help of C Programming. Evaluation will be done on the basis of written program, Practical presentation on Computer and Viva.

DCA-05 Practical on Application Program

Each candidate will present a small program with the help of Application Program each. Evaluation will be done on the basis of written program, Practical presentation on Computer and Viva.

Second Semester

DCA -06 Data Base Management System

Unit–I Data Base Management System

- Introduction to Database and RDBMS -Database Concepts- So What is Database? Manual Database System, Comparison between a manual and, Computerized Database System, Common DBMS, Introduction to Microsoft Access, Features of Access, Starting Access, Access Terminology, Exiting Access, Microsoft Access Hardware & Software Requirements
- Designing a Database- About designing a database, Steps in designing a database, Creating a Database- Creating a Database using blank database, Creating a Database using Database Wizard, Opening a existing database

Unit –II Data Base Tables

- Tables- Introduction to Tables, Different Ways of creating a table, Guidelines for naming fields, controls and objects, Creating a table by entering data in a datasheet, Create a table using the Table Wizard, Working with Tables
- Designing a Table- Create a table from scratch using Design view, Field/Variable name Conventions,About the Data types, Setting Primary Keys, Field Properties - Field Size, Format, Decimal Places, Input Mask, Caption, Default Value, Data Validation, Required, Allow Zero Length, Indexed, Sorting and Filtering Data.
- Modifying the Table Design - To insert the field within the table, Rename a field name in a table, Deleting Fields, Moving Fields, Changing a Field Size, Saving a Table, Working with Tables in Datasheet View - Viewing the Table in Datasheet view, Adding Records, Sizing the Columns, Navigating the Datasheet - Using the navigation Buttons, Using the Go To Menu, Finding a Specific Value - Using Wildcards, Editing And Deleting Records, Undoing Edits, Cutting, Copying and Pasting Data ,Sorting and Filtering Data in a Datasheet - Quick-Sort Feature ,Filter By Selection.
- Relationship - Relationship in a Database, How to relationship work, Types of Mapping in Relationships, Define Relationships.

Unit–III Query Basics and SQL

- Query Basics- What is a Query? Usage of Queries, Types of Queries, Steps for Creating a Query, The Design View, Working With Fields, Changing the order of Fields, Removing a Field, Inserting a Field, Hiding Fields, Sorting in Query. Perform Calculation in a Query, Creating a Query, Query by Criteria, Examples of select query, Example of Cross Tab query, Creating Cross Tab Query, Working with Action Queries, Creating Make Table Query, Creating Append Query, Creating Delete Query, Creating Update Query, Setting Query Properties.
- Working with SQL

Unit – IV Report

- Report, Introduction, Parts of a Report, Creating a Report, Creating a Columnar Report with Auto Report, Tabular Auto report, Creating Reports with Wizards, Examples of Report

Reference :

1. Microsoft Access 2013 by Joyce Cox and Joan Lambert Published by Microsoft Press
2. Web Link (http://www.pdfiles.com/pdf/files/English/Software/Microsoft_Access_2013_Step_By_Step.pdf)

3. Bayross, Ivan. *Mastering Database Technologies*. New Delhi : BPB Publications.
4. Majumdar, Arun K & Bahttacharya, P. (2008). *Database Management System*. New Delhi : Tata McGraw Hills Publishing Company Limited.
5. Maheshwari, Sharad & Jain, S.(2007). *Database Management System*. New Delhi : firewall Media.
6. Bansal, V& Bhatia, A.B.(2015). Database Management System. New Delhi : Narosa Publishing House.
7. Silberschatz, A. , *Korth, H. F. &* Sudarshan, S.(2006). *Database System Concepts*., New Delhi : McGraw Hill.

DCA -07 Visual Basics (VB)

Unit- 1 Introduction to Visual Basics Controls

- VB Interface
- Tool Box
- Object Browser Control
- Input Box
- Message Box
- Project Explore
- Standard Control
- Common Dialogue Control

Unit-2 Data Types

- Types of Variables
- Variable declaration
- Array

Unit-3 VB Function and Sub Routine

- Sub routine and functions
- Adding, Removing forms
- Uses of Input Box
- Properties Window
- Debugging

Unit-4 Connectivity with Data Base and Report

- Looping
- Data Controls
- Data Bound Controls
- Data Grids
- Data Reports

Reference :

1 Jerke, Noel (1998). Visual Basic 6.0 The complete Reference. New Delhi : Tata McGraw Hill Publishing Company Limited.
2 Smilly, John(2001). *Visual Basic Database* .New Delhi : Firewall Media.
3 Mauer, Lowell. Visual Basic 6.0 (Hindi). New Delhi: B.P.B. Publisher
4 Naik, Nitin K.(2013). *Basics of Visual Basic*. Indore : Kamal Prakashan.

DCA-08Internet and Web Page Designing

Unit – I Internet

- Evolution, Protocols, Interface Concepts, Internet Vs Intranet, Growth of Internet, ISP, Connectivity – Dial-up, Leased line, VSAT etc. URLs, Domain names, Portals, Application.E-Mail
- Concepts, POP and WEB Based E-mail, merits, address, Basic of Sending & Receiving, E-mail Protocols, Mailing List, and Free E-mail services, FTP.

Unit – II World Wide Web (WWW)

- History, Working, Web Browsers, Its functions, Concept of Search Engines. Searching the Web, HTTP, URLs, Web Servers, Web Protocols.

Unit – III Web Publishing

- Concepts, Domain name Registration, Space on Host Server for Web site, HTML, Design tools, HTML editors, Image editors, Issues on Web site creations & Maintenance, FTP software for upload web site.

Unit – IV HTML

- Concepts of Hypertext, Versions of HTML, Elements of HTML syntax, Head & Body Sections, Building HTML documents, Inserting texts, Images, Hyperlinks, Backgrounds and Colour controls, Different HTML tags, Table layout and presentation, Use of font size & Attributes, List types and its tags.

Reference :

1 Pawel, Thomas A(2010). *HTML Complete Reference*. New Delhi: Tata McGraw Hill.
2 BPB.Web & Graphics .New Delhi: B.P.B Publisher.
3 Singh, Minakshi & Singh,VishnuPriya. Web Designing Course. Delhi : Asian Publisher .
4 Naik, Nitin K.(2014). *Internet Web Technology E- Commerce*. Indore : Kamal Prakashan.

DCA-09 Project Work

All the students must submit a project with the help of applications given below :

1. C Language
2. Visual Basics and DBMS
3. HTML

प्रथम सेमेस्टर

DCA-01 कम्प्यूटर: आधारभूत परिचय

इकाई 1 – कम्प्यूटर: परिचय
इकाई 2 – संग्रहण डिवाईसेस
इकाई 3 – कम्प्यूटर साफ्टवेअर

DCA-02 ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम
इकाई 1 – डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम
इकाई 2 – विंडोज
इकाई 3 – लिनक्स
इकाई 4 – माइक्रोसाफ्ट ऑफिस (एमएस वर्ड, एक्सेल, पॉवर पांइट)

DCA-03 प्रोग्रामिंग लैंग्वेज
इकाई 1 – सी लैंग्वेज : परिचय
इकाई 2 – डिसीजन एवं कंट्रोल संरचना
इकाई 3 – ऐरे और फंक्शन्स

DCA-04 सीप्रोग्रामिंगकाव्यावहारिकप्रशिक्षण
DCA-05 एप्लीकेशनप्रोग्रामकाव्यापवहारिकप्रशिक्षण

द्वितीयसेमेस्टर

DCA-06 डाटाबेसप्रबंधन प्रणाली
इकाई 1 – डाटा बेस प्रबंधन प्रणाली
इकाई 2 – डाटा बेस सारणी
इकाई 3 – क्वेरी बेसिक्स और एसक्यूएल
इकाई 4 – रिपोर्ट

DCA-07 विजुअलबेसिक
इकाई 1 – विजुअल बेसिक नियत्रंण: एक परिचय
इकाई 2 – डाटा प्रकार
इकाई 3 – वीबीफंक्शन्स एवं सब रूटीन
इकाई 4 –डाटा बेस कनेक्टिीविटी और रिपोर्ट

DCA-08 इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग

इकाई 1 – इंटरनेट
इकाई 2 – वर्ल्ड वाइड वेब
इकाई 3 – वेब पब्लिशिंग
इकाई 4 – एचटीएमएल

DCA- 09 परियोजनाकार्यसभी विद्यार्थियों को निम्नलिखित एप्लीकेशंस में से किसी एक की सहायता से परियोजना कार्य सम्पन्न करना होगा- C Language, Visual Basics and DBMS, HTML.

Proposed Evaluation (DCA):

First Semester:

Paper Code/ प्रश्नपत्र कोड	Paper Title /प्रश्नपत्र शीर्षक	Assignment / सत्रीय कार्य	Minimum Passing Marks in Assignment	Semester End Exam/ सत्रांत परीक्षा	Minimum Passing Marks in Semester End Exam	Total
DCA-01	कम्प्यूटरआधारभूत : परिचय Fundamentals of Computer	30	12	70	28	100
DCA-02	ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम Operating System and Application Program	30	12	70	28	100
DCA-03	प्रोग्रामिंग लैंग्वेज Programming Language	30	12	70	28	100
DCA-04	सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on C Programming and Application Program	-		50 (10 no. for Program Writing in Copy) (30 no. for Presenting of Program on Computer) (10 no. for Viva)	20	50
DCA-05	एप्लीकेशन प्रोग्राम का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on Application Program	-		50 (10 no. for Program Writing in Copy) (30 no. for Presenting of Program on Computer) (10 no. for Viva)	20	50
					Total	400

Second Semester:

Paper Code/ प्रश्नपत्र कोड	Paper Title /प्रश्नपत्र शीर्षक	Assignment / सत्रीय कार्य	Minimum Passing Marks in Assignment	Semester End Exam/ सत्रांत परीक्षा	Minimum Passing Marks in Semester End Exam	Total
DCA-06	डाटा बेस प्रबंधन प्रणाली Data Base Management System	30	12	70	28	100
DCA-07	विजुअल बेसिक Visual Basics (VB)	30	12	70	28	100
DCA-08	इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग Internet and Web Page Designing	30	12	70	28	100
DCA-09	परियोजना कार्य Project Work	-	-	100 (25 no. for Project Report(Hard Copy)) (50 no. for project Presentation and live demo of Program) (25 no. for Viva)	40	100
					Total	400

Syllabus
Post Graduate Diploma in Computer Application (PGDCA)

Directorate of Distance Education
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
Gandhi Hills, Post – Hindi Vishwavidyalaya,Wardha

Duration : 01 Year (Minimum) 03 Year (Maximum)
अवधि : 01 वर्ष (न्यूनतम) 03 वर्ष (अधिकतम)
Credit : 40 Credit
क्रेडिट : 40 क्रेडिट
Semester : Two Semester (20 Credit per Semester)
सेमेस्टर : दो सेमेस्टर (20 क्रेडिट प्रत्येक सेमेस्टर)

Fees/शुल्क :

पाठ्यक्रम शुल्क	प्रवेश शुल्क	नामांकन शुल्क	परिचय पत्र	परीक्षा शुल्क	उपाधि/प्रमाणपत्र शुल्क
2500 (प्रथम सत्र)	200	200	100	250 प्रति प्रश्नपत्र	250
2500 (द्वितीय सत्र)					

निदेशालय के परिपत्र क्र.F.No.023/09/अ.बो.फा./41(पार्ट -1)1628 दिनांक 13/08/2015 के अनुसार

Medium : Hindi/English
माध्यम : हिंदी/अंग्रेजी
Eligibility/योग्यता : Any Graduate/ स्नातक उत्तीर्ण

First Semester:

Paper Code प्रश्नपत्र कोड	Paper Title /प्रश्नपत्र शीर्षक	Credit क्रेडिट
PGDCA-01	कम्प्यूटर: आधारभूत परिचय Fundamentals of Computer	04
PGDCA-02	ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम Operating System and Application Program	04
PGDCA-03	प्रोग्रामिंग लैंग्वेज Programming Language	04
PGDCA-04	C# के साथ ऑब्जेक्ट ओरएंटेट प्रोग्रामिंग OOPS(Object oriented Programming) with C#	04
PGDCA-05	सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on C Programming	02
PGDCA-06	एप्लीकेशन प्रोग्राम एवं C# का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on Application Program and C#	02
	कुलTotal	20 Credits

Second Semester:

Paper Code	Paper Title	Credit
PGDCA-07	डाटा बेस प्रोग्रामिंग Data Base Programming	04
PGDCA-08	विन्डोज और वेब प्रोग्रामिंग के साथ C# .NET C# .NET with Windows & Web Programming	04
PGDCA-09	इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग Internet and Web Page Designing	04
PGDCA-10	डीटीपी (डेस्क टॉप पब्लिशिंग)DTP (Desk Top Publishing)	04
PGDCA-11	परियोजना कार्य Project Work	04
	कुलTotal	20 Credits

First Semester

PGDCA-01 Fundamentals of Computer

Unit – I Introduction to Computer

- History of development of computers
- Computer system concepts
- Characteristics
- Capabilities and limitations
- Generations of computers.
- Basic components of a computer system – Control Unit, ALU, I/ O Devices, memory – RAM, ROM, EPROM, PROM, Flash Memory and other types of memory.

Unit – II Storage Devices

- Storage fundamentals – Primary Vs Secondary
- Data Storage and Retrieval methods – Sequential, Direct and Index Sequential.
- Various Storage Devices – Magnetic Tape, Magnetic Disks, Cartridge Tape, Data Drives, Hard Disk Drives, Floppy (Winchester Disk), Disks, Optical Disks, CD, VCD, CD-R, CD-RW, Zip Drive, DVD, SVCD.

Unit – III Computer Software

- Types of Software – System software, Application software, Utility Software, Demoware, Shareware, Freeware, Firmware, Free Software.
- Operating Systems – Functions, Types – Batch Processing, Single User, Multi User, Multi-programming, Multi-Tasking.
- Programming languages – Machine, Assembly, High Level, 4 GL.
- Data representation in computers.
- Number System of computers – Binary, Octal, Hexa Decimal – Representation & their conversion.
- Coding System – ASCII, BCD, and EBCDIC etc.
- Computer Viruses

Reference Book:

1 Sinha, P.K.(2007). *Computer Fundamentals*. New Delhi: BPB Publications.
2. Mukhi, Vijay (2008).*Working with UNIX*. New Delhi: BPB Publications.
3. Rajaraman, V. (2014). *Fundamental of Computer*. New Delhi: Prentice Hall India Pvt. Limited.
4. Rajoriya, Sheetanshu (2013). *Computer Fundamentals*. Indore: Kamal Prakashan.

PGDCA-02 Operating System and Application Program

Unit – I Disk Operating System (DOS)

- Introduction, History & Versions of DOS

DOS basics

- Physical structure of disk, drive name, FAT, file & directory structure and naming rules, booting process, DOS system files.

Basic DOS Commands

- Internal – DIR, MD, CD, RD, Copy, DEL, REN, VOL, DATE, TIME, CLS, PATH, TYPE etc.
- External – CHKDSK, PRINT, DISKCOPY, DOSKEY, MOVE, LABEL, FORMAT, SORT, FDISK, BACKUP, EDIT, MODE, ATTRIB, HELP, SYS etc.
- Executable V/s Non executable files in DOS

Unit –II Windows

- Windows concepts, features, windows structure, desktop, taskbar, start menu, my computer, Recycle Bin.
- Windows Accessories – Calculator, Notepad, Paint, WordPad, Character map.
- Windows Explorer – Creating folders and other Explorer facilities.
- Entertainment – CD Player, DVD Player, Media Player, Sound Recorder, Volume Control.

Unit – III Linux

- Introduction, History & Versions of Linux

Linux basics

- Physical structure of disk, drive name, FAT, file & directory structure and naming rules, booting process, Linux system files.

Basic Linux Commands

- Internal – LS, Make Directory, CD, CP,MB, DEL, REN, DATE, TIME, CLEAR, etc.
- Executable V/s Non executable files in Linux

Unit –IV Microsoft Office (MS Word, Excel, Power Point)

Word Processing: MS Word

- Introduction to Word Processing
- Introduction to MS Word: features, Creating, Saving and Opening documents in Word, Interface, Toolbars, Ruler, Menus, Keyboard Shortcut.
- Editing a Document – Moving, Scrolling in a document, Opening Multi document windows, Editing Text – Selecting, Inserting, deleting, moving text.
- Previewing documents, Printing documents – Print a document from the standard toolbar, Print a document from the menu, shrinking a document to fit a page, Reduce the number of pages by one.
- Formatting Documents: Paragraph formats, Aligning Text and Paragraph, Borders and Shading, Headers and Footers, Multiple Columns.

Worksheet: MS Excel

- Worksheet basics
- Creating worksheet, entering data into worksheet, heading information, data, text, dates, Cell formatting values, saving & protecting worksheet.
- Opening and moving around in an existing worksheet
- Toolbars and Menus, keyboard shortcuts

- Working with single and multiple workbook – coping, renaming, moving, adding and deleting, coping entries and moving between workbooks
- Working with formulas & cell referencing.
- Autosum
- Coping formulas
- Absolute & Relative addressing
- Working with ranges – creating, editing and selecting ranges, sorting.
- Formatting of worksheet – Auto format, changing – alignment, character styles, column width, date format, borders &colours, currency signs.
- Previewing & Printing worksheet – Page setting, Print titles, Adjusting margins, Page break, headers and footers.
- Graphs and charts – using wizards, various charts type, formatting grid lines & legends, previewing & printing charts.

Presentation Graphics: MS Power Point

- Features and various versions
- Creating presentation using Slide master and template in various colour scheme
- Working with different views and menus of power point
- Working with slides – Make new slide, move, copy, delete, duplicate, lay outing of slide, zoom in or out of a slide.
- Editing and formatting text: Alignment, editing, inserting, deleting, selecting, formatting of text, find and replace text.
- Bullets, footer, paragraph formatting, spell checking.
- Printing presentation – Print slides, notes, handouts and outlines.
- Inserting Objects – Drawing and inserting objects using Clip Art's pictures and charts.
- Custom Animation – slide transition effects and other animation effects.
- Presenting the show – making stand alone presentation

Reference:

1. Mansoor, A. *I.T. Tools and Applications*. Matura : Pragya Publications .
2. Norton, Peter (2000.). *Peter Norton Complete Guide to Linux*. New Delhi : Techmedia Publications .
3. Dubey, Manoj (2013). *P C Packages*. Indore : Kamal Prakashan.

PGDCA-03 Programming Language

Unit – I C Language : Introduction

- Introduction
- C Character Set , Constants, Variables and Key words

Unit – II Decision and Control Structure

- if ,if-elses, forms of if-elses statement
- Operator
- Types of Loops
- Case and Switch

Unit –III Arrays and Functions

- Arrays
- C Functions – Call by values and Call by reference

Reference:

1 Balaguruswami, E. (2008). *Programming with C.* New Delhi : Tata McGraw Hill.
2 Kernighan,Brian W. & Ritchie, Dennis M. (1988). *The C Programming Language ANSI C*.Prentice Hall PTR
3 Singh, Minakshi & Singh,VishnuPriya .*C Programming*. Delhi : Asian Publisher .
4 Jain, Abhinav. *The Ocean of C*. Indore : Nakoda Publishers & Printers. (7th Edition)

PGDCA-04 OOPS(Object oriented Programing) with C#

Unit 1 Introduction : C# and .NET Framework

What is C#, Characteristics, Overview of C#, .NET Framework, CLR&CTS, Visual Studio.NET, Name Spaces, Programme Structure.

Unit 2 Operator, Expressions and Data Types

Variable Declaration, Value type and reference type, initialization of variables, Default values, Arithmetic, Relational, Logical, Assignment, Increment and Decrement, Conditional Operators, Arithmetic Expression, Evaluation of Expression, Type conversions.

Unit 3 Decision Making, Branching and Looping

If Statement, else if statement, Nested if else statement, Switch statement, While, do , for, foreach statement.

Unit 4 Arrays, Strings, Classes and Objects

Array list, Class, String Methods, Inserting Strings, finding substrings, Regular expressions, Defining a class, Member Access Modifiers, Constructors, Overloaded Constructors, Static Constructors, Read-only Members, Properties, Defining a Subclass, Multilevel Inheritance, Overriding Methods, Hiding Methods, Abstract Class, Sealed Classes, Preventing Inheritance, Sealed Methods, Polymorphism.

Unit 5 Windows Application and Visual Interface

Introduction to Visual Studio
Controls
Tools
Properties
Solution Explorer

Reference:
Murach, Joel & Boehm, Anne (2012). *Murach's C# 2012*.Mike Murach & Associates Inc
Khadanga, G.(2004). *C# Programming – Beginners to Advanced* , New Delhi : BPB Publication.
Kanetkar, Yashvant. *C#.NET Fundas*. New Delhi : BPB Publication.
Balaguruswamy(2010). *C#*.New Delhi: Tata McGraw-Hill Education.

PGDCA-05 Practical on C Programming

Each candidate will present a small program with the help of C Programming. Evaluation will be done on the basis of written program, Practical presentation on Computer and Viva.

PGDCA-06 Practical on Application Program and C#

Each candidate will present a small program with the help of Application Program each. Evaluation will be done on the basis of written program, Practical presentation on Computer and Viva.

Second Semester

PGDCA -07 Data Base Programming

Unit–I SQL Basic

- A Brief History of SQL, RDBMS, Creating Database, Table, adding record, T-SQL, Constants, Expression, T-SQL variable, T-SQL Function, String, Math function, aggregate function, Date Time function, conversion function, T-SQL – flow control – if …else, case, while, Go To and return.

Unit –II SQL Command

- DDL Command, DCL command, MDL command, TCL command, Select, having, group by join.

Unit–III RDBMS/DBMS Package

- Introduction to My SQL, Installation, PhP My Admin, Introduction to MS – SQL server, SQL server management, Studio.

Unit – IV Data Integrity

- Database and Table integrity, Entity integrity, Referential integrity, Transaction integrity, Default Value, Check, constraints, foreign key, Primary key, Triggers, Altering Triggers, Dropping Trigger.

Unit – V Stored Procedure and Functions

- Type of stored Procedure, calling stored procedure, passing value, creation use define function .
-

Reference :

1. Cox, Joyce & Lambert, Joan (2013).*Microsoft Access 2013*.Microsoft Press.
2. Web Link http://www.pdfiles.com/pdf/files/English/Software/Microsoft_Access_2013_Step_By_Step.pdf)
3. Bayross, Ivan. *Mastering Database Technologies*. New Delhi : BPB Publications.
4. Majumdar, Arun K & Bahttacharya, P. (2008). *Database Management System*. New Delhi : Tata McGraw Hills Publishing Company Limited.
5. Maheshwari, Sharad & Jain, S.(2007). *Database Management System*. New Delhi : firewall Media.
6. Bansal, V& Bhatia, A.B.(2015). Database Management System. New Delhi : Narosa Publishing House.
7. Silberschatz, A. , *Korth, H. F.* & Sudarshan, S.(2006). *Database System Concepts*., New Delhi : McGraw Hill.

PGDCA -08 C# .NET with Windows & Web Programming

Unit- 1 Introduction Windows Applications

- Windows Control – Text Box, Label, List – box, combos, radio button , message box, dialogue box , directory control.

Unit-2 ADO.Net

- ADO.Net object, connection, Data Adaptor, Data set server, explorer, Data Bound controls, grid view, data row, data list, data repeater.

Unit-3 Introduction Web Programming

- Introduction ASP.Net, Inline code Model, code behind, server control, application state, session state, view state.

Unit-4 Web forms

- Button, text box, label, file upload control, image control, drop down list, hyperlink, link button, check box, check list box, menu control, validation control, java –script, Range validators, Regular expression, concept of master page, user control, globalization, localization, ASP.Net web services, Forms based authentication, Authorization, Ajax Control, Ajax web services and control, CSS, thems.

Reference :

1 Jerke, Noel (1998). Visual Basic 6.0 The complete Reference. New Delhi : Tata McGraw Hill Publishing Company Limited.
2 Smilly, John(2001). *Visual Basic Database* .New Delhi : Firewall Media.
3 Mauer, Lowell. Visual Basic 6.0 (Hindi). New Delhi: B.P.B. Publisher
4 Naik, Nitin K.(2013). *Basics of Visual Basic*. Indore : Kamal Prakashan.

PGDCA-09 Internet and Web Page Designing

Unit – I Internet

- Evolution, Protocols, Interface Concepts, Internet Vs Intranet, Growth of Internet, ISP, Connectivity – Dial-up, Leased line, VSAT etc. URLs, Domain names, Portals, Application.E-Mail
- Concepts, POP and WEB Based E-mail, merits, address, Basic of Sending & Receiving, E-mail Protocols, Mailing List, and Free E-mail services, FTP.

Unit – II World Wide Web (WWW)

- History, Working, Web Browsers, Its functions, Concept of Search Engines. Searching the Web, HTTP, URLs, Web Servers, Web Protocols.

Unit – III Web Publishing

- Concepts, Domain name Registration, Space on Host Server for Web site, HTML, Design tools, HTML editors, Image editors, Issues on Web site creations & Maintenance, FTP software for upload web site.

Unit – IV HTML

- Concepts of Hypertext, Versions of HTML, Elements of HTML syntax, Head & Body Sections, Building HTML documents, Inserting texts, Images, Hyperlinks, Backgrounds and Colour controls, Different HTML tags, Table layout and presentation, Use of font size & Attributes, List types and its tags.

Reference :

1 Pawel, Thomas A(2010). *HTML Complete Reference*. New Delhi: Tata McGraw Hill.
2 Web & Graphics .New Delhi: B.P.B Publisher.
3 Singh, Minakshi & Singh,VishnuPriya. Web Designing Course. Delhi : Asian Publisher .
4 Naik, Nitin K.(2014). *Internet Web Technology E- Commerce*. Indore : Kamal Prakashan.

PGDCA-10 DTP (Desk Top Publishing)

Unit 1 PageMaker

Creating a New Document, Entering Text, Saving document, Developing a Paragraph, Formatting Paragraph, Creating a Frame, Inserting & Removing pages, Adjusting Hyphenation, Adjusting Indents and Tabs, Adding Shapes, Changing lines and fill specifications, Changing Round Corner, Creating Header & Footer, Defining Style, Developing a long Document, Using Color, Printing.

Unit 2 Corel Draw

Introduction of CorelDraw, The CorelDraw Menus, The Draw Toolbox, Arranging Objects, Type Casting, Colour & Fills, Special Effects, Printing Document, Save & Close & open file, Export file.

Unit 3 Photoshop

Introduction of Photoshop, Creating a New File, Color Mode, Foreground & background, Using Brushes, Rubber Stamp Options, Using the Editing Tool, Selection Tools, Introduction of layers, Creating Layer Mask, Adding Fills and Gradients, Applying Filters, Printing document, Save file as a **JPEG, TIFF, GIF, PNG.**

Reference:

Bangia, Ramesh (2011). Learning Desk Top Publishing. Delhi : Khanna Book Publishing.
Gupta, Vikas (2004).Comdex Desk Top Publishing Course List. Delhi : Dream tech Press.
Jain, Satish. BPB's DTP Course. New Delhi : BPB Publications.
Dream Tech Press (2012). Photoshop CS6 in Simple Steps. Delhi : Dream tech Press.
Dayley, L D & Dayley, B.(2012). Adobe Photoshop CS6. Wiley.
BPB Adobe Photoshop (2009). New Delhi : BPB Publications.
Sharma, M.C.(2009). Corel Draw : Graphics Suite X4. New Delhi : BPB Publications.
Singh, Vishnupriya (2008). Corel Draw. Delhi : Asian Computech books.
Kogent Learning Solution Inc.(2013). Corel Draw X6 in Simple Steps. Delhi : Dream tech Press.
BPB (2012). BPB Adobe PageMaker 7. New Delhi : BPB Publications.
Behera, S R. & Mishra Debasis (2013). Smart DTP Course. B. K. Publications Pvt. Ltd.

PGDCA-09 Project Work

All the students must submit a project with the help of applications given below :

1. C Language
2. Visual Basics and DBMS
3. HTML

प्रथम सेमेस्टर

PGDCA-01 कम्प्यूटर: आधारभूत परिचय

इकाई 1 – कम्प्यूटर: परिचय
इकाई 2 – संग्रहण डिवाईसेस
इकाई 3 – कम्प्यूटर साफ्टवेअर

PGDCA-02 ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम
इकाई 1 – डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम
इकाई 2 – विंडोज
इकाई 3 – लिनक्स
इकाई 4 – माइक्रोसाफ्ट ऑफिस (एमएस वर्ड, एक्सेल, पॉवर पांइट)

PGDCA-03 प्रोग्रामिंग लैंग्वेज
इकाई 1 – सी लैंग्वेज : परिचय
इकाई 2 – डिसीजन एवं कंट्रोल संरचना
इकाई 3 – ऐरे और फंक्शन्स

PGDCA-04 C# के साथ ऑब्जेक्ट ओरएंटेट प्रोग्रामिंग
इकाई 1 – C# और का परिचय
इकाई 2 – ऑपरेटर्स, एक्सप्रेशन्स और डाटा टाइप्स
इकाई 3 – डिसीजन मेकिंग, ब्रांचिंग और लूपिंग
इकाई 4 – ऐरे, स्ट्रिंग, क्लासेज और ऑब्जेक्ट्स
इकाई 5 –विंडोज एप्लीकेशंस और विजुअल इंटर फेस

PGDCA-05 सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण
PGDCA-06 एप्लीकेशन प्रोग्राम एवं C# का व्यावहारिक प्रशिक्षण

द्वितीय सेमेस्टर

PGDCA-07 डाटा बेस प्रोग्रामिंग
इकाई 1 – एसक्यूएल बेसिक्स
इकाई 2 – एसक्यूएल कमांड
इकाई 3 – आरडीबीएमएस/डीबीएमएस पैकेज
इकाई 4 – डाटा इंटीग्रेशन
इकाई 5 – स्टोर प्रोसेड्यूर एंड फंक्शन्स

PGDCA-08 विन्डोज और वेब प्रोग्रामिंग के साथ C# .NET
इकाई 1 – विडोंज एप्लीकेशन्स : एक परिचय
इकाई 2 – एडीओ.एनईटी
इकाई 3 – वेब प्रोग्रामिंग : एक परिचय
इकाई 4 –वेब फॉर्म्स

PGDCA-09 इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग

इकाई 1 – इंटरनेट
इकाई 2 – वर्ल्ड वाइड वेब
इकाई 3 – वेब पब्लिशिंग
इकाई 4 – एचटीएमएल

PGDCA-10 डेस्क टॉप पब्लिशिंग

इकाई 1 – पेजमेकर
इकाई 2 – कॉरल ड्रा
इकाई 3 – फोटोशॉप

PGDCA- 09 परियोजनाकार्य

सभी विद्यार्थियों को निम्नलिखित एप्लीकेशंस में से किसी एक की सहायता से परियोजना कार्य सम्पन्न करना होगा-
C Language,
Visual Basics and DBMS,
HTML.

Proposed Evaluation (PGDCA):

First Semester:

Paper Code/ प्रश्नपत्र कोड	Paper Title /प्रश्नपत्र शीर्षक	Assignment / सत्रीय कार्य	Minimum Passing Marks in Assignment	Semester End Exam/ सत्रांत परीक्षा	Minimum Passing Marks in Semester End Exam	**Total**
PGDCA-01	कम्प्यूटरआधारभूत : परिचय Fundamentals of Computer	30	12	70	28	100
PGDCA-02	ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन प्रोग्राम Operating System and Application Program	30	12	70	28	100
PGDCA-03	प्रोग्रामिंग लैंग्वेज Programming Language	30	12	70	28	100
PGDCA-04	C# के साथ ऑब्जेक्ट ओरएंटेट प्रोग्रामिंग OOPS(Object oriented Programming) with C#	30	12	70	28	100
PGDCA-05	सी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on C Programming			50 (10 no. for Program Writing in Copy) (30 no. for Presenting of Program on Computer) (10 no. for Viva)	20	50
PGDCA-06	एप्लीकेशन प्रोग्राम का व्यावहारिक प्रशिक्षण Practical on Application Program	-		50 (10 no. for Program Writing in Copy) (30 no. for Presenting of Program on Computer) (10 no. for Viva)	20	50
					Total	400

Second Semester:

Paper Code/ प्रश्नपत्र कोड	Paper Title / प्रश्नपत्र शीर्षक	Assignment / सत्रीय कार्य	Minimum Passing Marks in Assignment	Semester End Exam/ सत्रांत परीक्षा	Minimum Passing Marks in Semester End Exam	**Total**
PGDCA-07	डाटा बेस प्रोग्रामिंग Data Base Programming	30	12	70	28	100
PGDCA-08	विन्डोज और वेब प्रोग्रामिंग के साथ C# .NET C# .NET with Windows & Web Programming	30	12	70	28	100
PGDCA-09	इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग Internet and Web Page Designing	30	12	70	28	100
PGDCA-10	डीटीपी (डेस्क टॉप पब्लिशिंग) DTP (Desk Top Publishing)	30	12	70	28	100
PGDCA-11	परियोजना कार्य Project Work	-	-	100 (25 no. for Project Report(Hard Copy)) (50 no. for project Presentation and live demo of Program) (25 no. for Viva)	40	100
					Total	400